प्रतियोगिता दर्पण

हिन्दी मासिक

जुलाई 2019 मूल्य ₹ 80.00

शिक्षित युवा वर्ग के स्वर्णिम भविष्य के लिये

For e-magazine:
http://emagazine.pdgroup.in

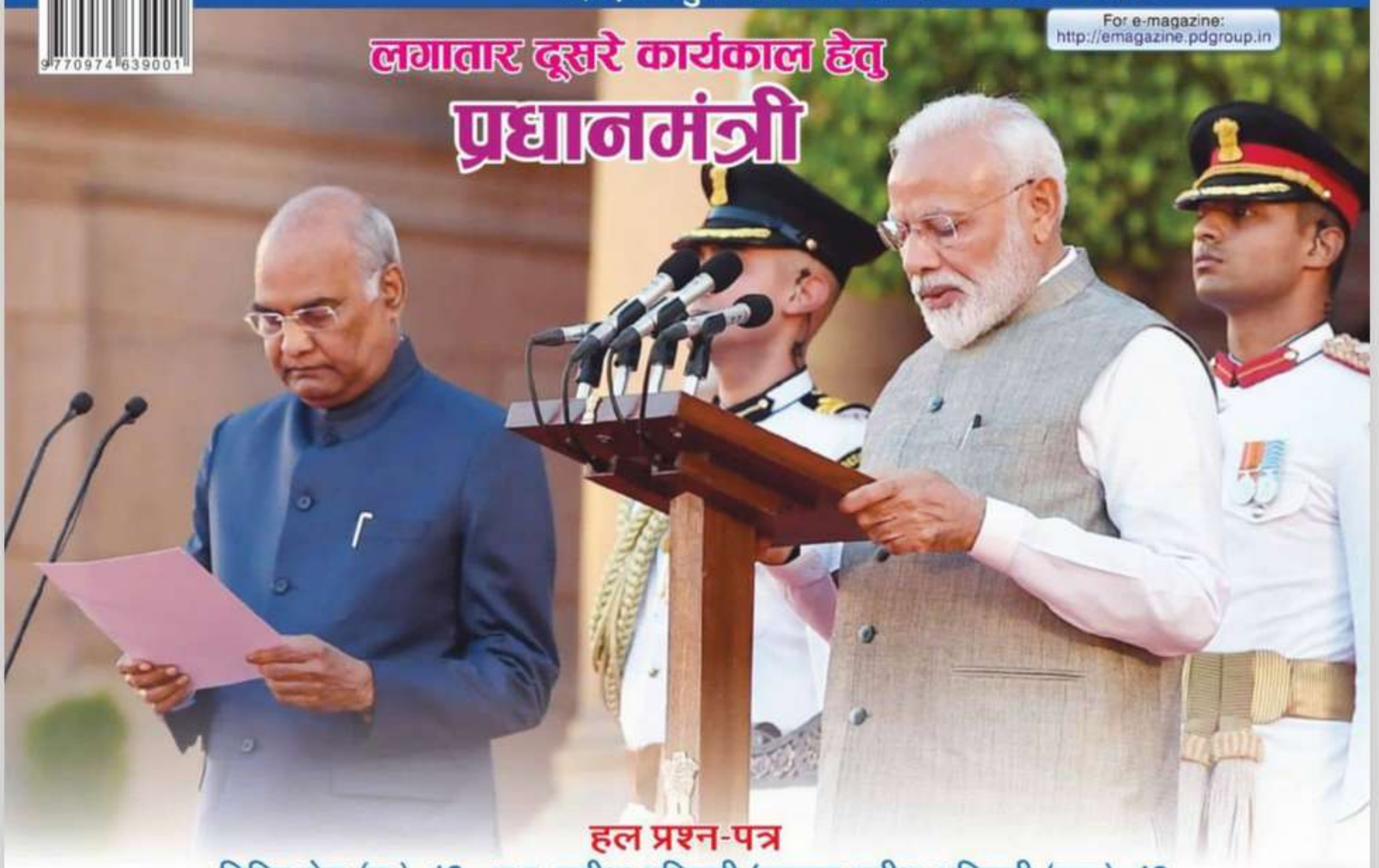

लगातार दूसरे कार्यकाल हेतु प्रधानमंत्री

हल प्रश्न-पत्र

• सिविल सेवा (प्रा.), 19 • उ.प्र. समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी (मुख्य), 19
• केन्द्रीय विद्यालय संगठन स्नातकोत्तर शिक्षक, 18 • एस.एस.सी. संयुक्त स्नातक स्तर (प्रथम चरण) , 17
• यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ., 18 • आई.बी.पी.एस. बैंक स्पेशलिस्ट ऑफीसर (मुख्य), 18 • केनरा बैंक पी.ओ.,

प्रचंड मोदी लहर में सभी विरोधी दलों के मंसूबे ध्वस्त

पीएसएलवी-सी 46 के जरिए रिसैट-2 बी का सफल प्रक्षेपण

स्कॉर्पीन श्रेणी की नई पनडुब्बी आईएनएस वेला का जलावतरण

चिनूक के पश्चात् अब अपाचे हेलीकॉप्टर भारतीय वायु सेना को मिला

चन्द्रयान-2 : महत्वपूर्ण तथ्य

भारत का तेल आयात परिदृश्य

2018-19 में राष्ट्रीय आय : सीएसओ के अनंतिम आकलन

2018-19 में बागवानी उत्पादन : दूसरे अग्रिम अनुमान

मान बुकर अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार, सिएट के अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट पुरस्कार (2019)

ब्रिटिश प्रधानमंत्री थेरेसा मे की त्यागपत्र की घोषणा

प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी मासिक

➥ **सम्पादक**
महेन्द्र जैन

➥ **प्रधान सलाहकार**
डॉ. रवि कान्त

➥ **रजिस्टर्ड ऑफिस**
2/11 ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–282 002

➥ **सम्पादकीय ऑफिस**
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने आगरा–मथुरा बाईपास, आगरा–282 005
फोन–4053333, 2531101, 2530966
फैक्स–(0562) 4053330
ईमेल : सम्पादकीय : publisher@pdgroup.in
कस्टोमर केयर : care@pdgroup.in

➥ **दिल्ली ऑफिस**
4845, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली–110 002
फोन–011-23251844, 43259035

➥ **हैदराबाद ऑफिस**
16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड (आन्ध्रा बैंक के बगल में), हैदराबाद–500 036 (तेलंगाना) फोन–040-24557283
मो.–09391487283

➥ **पटना ऑफिस**
पारस भवन (प्रथम तल), खजांची रोड, पटना–800 004
फोन–0612-2303340
मो.–09334137572

➥ **कोलकाता ऑफिस**
H-3, ब्लॉक-B, म्यूनिसिपल प्रीमिसेस No. 15/2, गालिफ स्ट्रीट, पी.एस. श्यामपुकुर, कोलकाता–700 003 (W.B.)
फोन–033-25551510

➥ **लखनऊ ऑफिस**
B-33, ब्लंट स्क्वायर, कानपुर टैक्सी स्टैण्ड लेन, मवइंया, लखनऊ–226 004
फोन–0522-4109080
मो.–09760181118

➥ **नागपुर ऑफिस**
1461, जूनी शुक्रवारी, सक्करदरा रोड, हनुमान मन्दिर के सामने, नागपुर–440 009 (महाराष्ट्र)
मो.–09370877776

➥ **इन्दौर ऑफिस**
30-31, जिन्सी हाट मैदान, बाबा रामदेव मन्दिर के निकट, मल्हारगंज, इन्दौर–452 002 (म.प्र.)
फोन–9203908088

➥ **हल्द्वानी ऑफिस**
8-310/1, ए.के. हाउस हीरानगर, हल्द्वानी, जिला–नैनीताल–263 139 (उत्तराखण्ड) मो.–07060421008

के पाठकों से

प्रिय पाठको !

आपकी सर्वाग्रगण्य एवं लोकप्रिय पत्रिका '**प्रतियोगिता दर्पण**' का जुलाई 2019 अंक आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए हमें हर्ष एवं सन्तोष की अनुभूति हो रही है. पत्रिका के प्रस्तुत अंक को आपकी आकांक्षाओं के अनुरूप अधिक-से-अधिक उपयोगी बनाने का प्रयास किया गया है. प्रकाशन से सम्बन्धित सभी लोगों के सामूहिक प्रयास एवं सहयोग से यह अंक इतना अधिक परीक्षोपयोगी बन पाया है.

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी बनाने की दृष्टि से इस अंक में अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर सारगर्भित एवं विश्लेषणात्मक निबन्ध दिए गए हैं. इनमें से कुछ लेख इस प्रकार हैं– भारत में समावेशी विकास तथा वित्तीय समावेशन : एक मूल्यांकन, विज्ञान और आर्थिक विकास, एण्टी-सैटेलाइट मिसाइल-भारत की अन्तरिक्षीय परिसम्पत्तियों का रक्षक, क्या कानून के क्षेत्र में हिन्दी की कोई उपयोगिता है?, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन, मृदा प्रदूषण के नियंत्रण में सूक्ष्मजीवों की उपयोगिता.

पत्रिका के सर्वाधिक महत्वपूर्ण भाग में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के चयनित हल प्रश्न-पत्र आवश्यक व्याख्या एवं संकेतों के साथ दिए गए हैं. इनमें से कुछ प्रश्न-पत्र इस प्रकार हैं–

वस्तुनिष्ठ सामान्य ज्ञान–सिविल सर्विसेज प्रारम्भिक परीक्षा, 2019. केन्द्रीय विद्यालय संगठन स्नातकोत्तर शिक्षक परीक्षा, 2018.

ऐच्छिक विषय–शारीरिक शिक्षा–यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, 2018.

तर्कशक्ति–आई.बी.पी.एस. बैंक स्पेशलिस्ट ऑफीसर (मुख्य) परीक्षा, 2018.

संख्यात्मक अभियोग्यता–केनरा बैंक पी.ओ. परीक्षा, 2018.

हम आपको स्मरण कराना चाहते हैं कि **"कठिन परिश्रम एवं उचित और सामयिक मार्गदर्शन सफलता प्राप्त करने का मूलमंत्र है."** **प्रतियोगिता दर्पण** आपका सही एवं सामयिक मार्गदर्शन करने में बेजोड़ है. आप प्रयास कीजिए, आपकी सुनिश्चित सफलता के लिए प्रतियोगिता दर्पण आपके साथ है.

नियमित रूप से एवं समझदारी के साथ प्रतियोगिता दर्पण पढ़िए. यह आपको अभीष्ट सफलता दिलाने एवं आपके उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने में पूर्णत: सक्षम है.

आपकी चतुर्दिक सफलता एवं स्वर्णिम भविष्य की हार्दिक शुभकामनाओं सहित

महेन्द्र जैन
(सम्पादक)

All rights reserved. No part of this Magazine may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form by any means, Electronic, Mechanical, Photocopying, Recording or otherwise, without the prior written permission of the publisher. While every effort has been made to ensure accuracy of the information published in this edition, neither publisher nor any of its employees accept any responsibility for any error or omission. Articles that cannot be used are returned to the authors if accompanied by a self addressed and sufficiently stamped envelope. But no responsibility is taken for any loss or delay in returning the material. Pratiyogita Darpan assumes no responsibility for statements and opinions advanced by the authors nor for any claims made in the advertisements published in the Magazine.

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

LIVE / ONLINE
Classes also available
www.visionias.in

Download VISION IAS app

सामान्य अध्ययन

फाउंडेशन कोर्स 2020

• प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा के लिए

DELHI 13th June
LUCKNOW 11th July
JAIPUR 22nd June
Batch also @ AHMEDABAD

इनोवेटिव क्लासरूम प्रोग्राम के घटक

- प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और निबंध के लिए महत्वपूर्ण सभी टॉपिक का विस्तृत कवरेज
- नियमित क्लास टेस्ट एवं व्यक्तिगत मूल्यांकन
- अंतर - विषयक समझ विकसित करने का प्रयास
- एनीमेशन, पॉवर प्वाइंट, वीडियो जैसी तकनीकी सुविधाओं का प्रयोग
- मुख्य परीक्षा, निबंध, PT, सीसैट टेस्ट सीरीज
- निबंध लेखन शैली की कक्षाएं
- सीसैट कक्षाएं शामिल
- PT 365, MAINS 365 कक्षाएं
- करेंट अफेयर्स मैगजीन

Mains 365 | 25 July | 5 PM
मुख्य परीक्षा 2019 हेतु 1 वर्ष का समसामयिक घटनाक्रम

ALL INDIA TEST SERIES

Get the Benefit of Innovative Assessment System from the leader in the Test Series Program

PRELIMS
- ✓ General Studies (हिन्दी माध्यम में भी)
- ✓ CSAT (हिन्दी माध्यम में भी)

for PRELIMS 2020 Starting from 7th July

MAINS
- ✓ General Studies (हिन्दी माध्यम में भी)
- ✓ Essay (हिन्दी माध्यम में भी)
- ✓ Sociology
- ✓ Geography
- ✓ Anthropology

Starting from 9th June

for MAINS 2020
English Medium: 26th May
हिन्दी माध्यम: 26th May

550+ Selections in CSE 2017

9 in Top 10
SELECTIONS in CSE 2018

SACHIN GUPTA
AIR-3

KANISHAK KATARIA
AIR-1

AKSHAT JAIN
AIR-2

JUNAID AHMAD
AIR-3

ATUL PRAKASH
AIR-4

SHREYANS KUMAT
AIR-4

SRUSHTI JAYANT DESHMUKH
AIR-5

KARNATI VARUNREDDY
AIR-7

PRATHAM KAUSHIK
AIR-5

VAISHALI SINGH
AIR-8

GUNJAN DWIVEDI
AIR-9

YOU CAN BE NEXT

/visionias.upsc /Vision_IAS /c/VisionIASdelhi
www.visionias.in

JAIPUR	PUNE	HYDERABAD	AHMEDABAD	LUCKNOW
9001949244	8007500096	9000104133	9909447040	8468022022
9799974032	020-40040015	9494374078	7575007040	7042413943

DELHI
• 635, Opp. Signature View Apartments, Banda Bahadur Marg, Mukherjee Nagar
• 2nd Floor, Apsara Arcade, Near Metro Gate 6,1/8 B, Pusa Road, Karol Bagh
• Contact : 8468022022, 9019066066, 9650617807

आगामी प्रतियोगिता परीक्षाएं

2019

जून—स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया जूनियर एसोसिएट्स (कस्टमर सपोर्ट एण्ड सेल्स) भर्ती परीक्षा, 2019

4–19 जून—एस.एस.सी. संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा, 2018 (चरण-I)

15 एवं 16 जून—स्टेट बैंक प्रोबेशनरी ऑफीसर्स प्रा. परीक्षा, 2019

16 जून—छत्तीसगढ़ बी.एस.सी. एवं एम.एस.सी. नर्सिंग प्रवेश परीक्षा, 2019

16 जून—सी.एस.आई.आर.-यू.जी.सी.नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, 2019

16 जून—बिहार पॉलिटेक्निक संयुक्त प्रवेश परीक्षा, 2019

17 जून—बिहार पारा मेडिकल (माध्यमिक व इंटरमीडिएट स्तरीय) परीक्षा, 2019

20–28 जून—यू.जी.सी. नेट/जेआरएफ परीक्षा (जून 2019)

23 जून—छत्तीसगढ़ पोस्ट बेसिक नर्सिंग (PBN) प्रवेश परीक्षा, 2019

25-26 जून—आर.ए.एस./आर.टी.एस. मुख्य परीक्षा, 2018

28 जून—भारतीय जीवन बीमा निगम सहायक प्रशासनिक अधिकारी (AAO) मुख्य परीक्षा, 2019

29 जून—नेतरहाट आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा (प्रा.), 2019 (कक्षा-VI)

जून-सितम्बर—रेलवे भर्ती बोर्ड गैर-तकनीकी संवर्ग (NTPC) कम्प्यूटर आधारित परीक्षा, 2019

1–26 जुलाई—एस.एस.सी. संयुक्त हायर सेकण्डरी लेवल (10+2) परीक्षा, 2019 (चरण-I)

5, 6 एवं 8 जुलाई—तेलंगाना राज्य पात्रता परीक्षा (TSSET) 2019

6 एवं 13 जुलाई—भारतीय जीवन बीमा निगम अप्रेन्टिस विकास अधिकारी प्रारम्भिक परीक्षा, 2019

7 जुलाई—केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा, (CTET 2019)

7 जुलाई—मध्य प्रदेश जनरल नर्सिंग प्रशिक्षण चयन परीक्षा एवं प्री-नर्सिंग चयन प्रवेश परीक्षा, 2019 **(ऑनलाइन अन्तिम तिथि : 15 जून, 2019)**

20 जुलाई—स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया प्रोबेशनरी ऑफीसर्स मुख्य परीक्षा, 2019

21 जुलाई—नेतरहाट आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा (मुख्य), 2019 (कक्षा-VI)

28 जुलाई—सीमा सुरक्षा बल हेड कॉंस्टेबिल (RO) एवं हेड कॉंस्टेबिल (RM) भर्ती परीक्षा

30-31 जुलाई—कर्मचारी भविष्य निधि संगठन सहायक प्रारम्भिक परीक्षा, 2019

2 अगस्त से 6 सितम्बर—एस.एस.सी. मल्टी टास्किंग (नॉन-टेक्निकल) स्टाफ कम्प्यूटर आधारित परीक्षा, 2019 (प्रथम चरण)

10 अगस्त—भारतीय जीवन बीमा निगम अप्रेन्टिस विकास अधिकारी मुख्य परीक्षा, 2019

18 अगस्त—संघ लोक सेवा आयोग केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल असिस्टेंट कमाण्डेंट्स परीक्षा, 2019

23–27 सितम्बर—एस.एस.सी. जूनियर इंजीनियर (सिविल, इलेक्ट्रिकल एवं मैकेनिकल) कम्प्यूटर आधारित परीक्षा (पेपर-I)

24 सितम्बर—इग्नू बी.एड. प्रवेश परीक्षा, 2019

सितम्बर-अक्टूबर—रेलवे रिक्रूटमेंट सैल ग्रुप 'डी' (लेवल-1) कम्प्यूटर आधारित परीक्षा, 2019

17 नवम्बर—एस.एस.सी. मल्टी टास्किंग (गैर-तकनीकी) स्टाफ कम्प्यूटर आधारित परीक्षा, 2019 (द्वितीय चरण-वर्णनात्मक)

निबन्ध प्रतियोगिता

विषय—"क्षमा वीरस्य भूषणम"

अन्तिम तिथि—28 जुलाई, 2019.

शब्द संख्या—लगभग 2000 शब्द.

1. निबन्ध कागज के एक ओर ही टंकित अथवा स्वहस्तलिखित होना चाहिए.
2. निबन्ध के साथ प्रतियोगी अपना पासपोर्ट आकार का छायाचित्र भेजें. प्रथम तीन निबन्धों पर क्रमशः ₹ 1500, ₹ 1000 व ₹ 500 चेक के माध्यम से व प्रमाण-पत्र पुरस्कार के रूप में दिए जाएंगे. अन्य 5 अनुशंसित निबन्धों को आकर्षक प्रमाण-पत्र व उपकार प्रकाशन की ₹ 200 मूल्य तक की वांछित पुस्तक पुरस्कारस्वरूप दी जाएगी.

चन्दे की दरें

प्रतियोगिता दर्पण

	हिन्दी	अंग्रेजी
एक प्रति मूल्य	80.00	80.00
वार्षिक मूल्य :		
साधारण डाक से	725·00	720·00
रजिस्टर्ड डाक से	945.00	940·00
द्विवार्षिक मूल्य :		
साधारण डाक से	1350·00	1345·00
रजिस्टर्ड डाक से	1790·00	1785·00

सामान्य ज्ञान दर्पण

एक प्रति मूल्य	₹ 35.00
वार्षिक मूल्य :	
साधारण डाक से	₹ 315.00
रजिस्टर्ड डाक से	₹ 530.00
द्विवार्षिक मूल्य :	
साधारण डाक से	₹ 580.00
रजिस्टर्ड डाक से	₹ 1020.00

- कृपया अपना सदस्यता-शुल्क मनीऑर्डर अथवा बैंक ड्राफ्ट द्वारा ही प्रेषित करें. चेक स्वीकार नहीं होंगे. आप हमारी Website : www.pdgroup.in द्वारा भी सदस्यता शुल्क अदा कर सकते हैं.
- अपने स्पष्ट पते के साथ यह भी सूचित करें कि आप किस माह से किस माह तक के लिए ग्राहक बन रहे हैं.
- पुराने ग्राहक कृपया अपनी ग्राहक संख्या का उल्लेख अवश्य करें.
- मनीऑर्डर अथवा बैंक ड्राफ्ट '**प्रतियोगिता दर्पण**' के नाम से आगरा में देय ही स्वीकार किए जाएंगे.

ऑर्डर फार्म

मैं प्रतियोगिता दर्पण (हिन्दी/अंग्रेजी मासिक)/ सामान्य ज्ञान दर्पण (हिन्दी मासिक) का वार्षिक/ द्विवार्षिक नियमित ग्राहक बनना चाहता हूँ/चाहती हूँ. कृपया मेरी प्रति मुझे निम्नांकित पते पर प्रेषित करने की कृपा करें.

नाम _____

पता _____

_____

_____

पिन ☐☐☐☐☐☐

मो. नं.....

मैं ₹.....मनीऑर्डर/बैंक ड्राफ्ट द्वारा प्रेषित कर रहा हूँ/रही हूँ.

दिनांक _____ प्रेषक के हस्ताक्षर _____

प्रतियोगिता दर्पण

2/11 ए, स्वदेशी बीमा नगर, **आगरा**—282 002

फोन : 4053333, 2530966, 2531101

फैक्स : (0562) 4053330, 4031570

Website : www.pdgroup.in

E-mail : care@pdgroup.in

491 वाँ सफलतम अंक

प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी मासिक

वर्ष 41
द्वादश अंक
जुलाई 2019

इस अंक में...

12 निराशा और आशा
14 राष्ट्रीय घटनाक्रम
23 मोदी लहर के चलते 17वीं लोक सभा में एनडीए को भारी बहुमत
28 अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम
32 आर्थिक-वाणिज्यिक परिदृश्य
40 नवीनतम सामान्य ज्ञान
45 खेलकूद
47 मुम्बई इंडियंस रिकॉर्ड चौथी बार आईपीएल की विजेता
50 युवा प्रतिभाएं

फोकस

57 (1) भारतीय कृषि और कृषक को संकट से उबारने की चुनौती
59 (2) इक्कीसवीं शताब्दी के भारत निर्माण हेतु 9 मिशन
62 (3) विद्यालयी शिक्षा में रूपान्तरणीय परिवर्तन
66 विश्व परिदृश्य
71 स्मरणीय तथ्य
73 वर्तमान में चर्चित विभिन्न अवधारणाएं
76 भारत के प्रमुख ऐतिहासिक व्यक्तित्व
79 आर्थिक लेख—भारत में समावेशी विकास तथा वित्तीय समावेशन : एक मूल्यांकन
82 प्रगति लेख—विज्ञान और आर्थिक विकास
85 सामयिक लेख—भारत में लोकतंत्र मॉडल की प्रासंगिकता
89 अन्तरिक्ष विज्ञान लेख—एण्टी-सैटेलाइट मिसाइल-भारत की अन्तरिक्षीय परिसम्पत्तियों का रक्षक
91 अन्तर्राष्ट्रीय लेख—इस्लामिक सहयोग संगठन में भारत की मौजूदगी के निहितार्थ
93 विधि लेख—क्या कानून के क्षेत्र में हिन्दी की कोई उपयोगिता है ?
96 ऐतिहासिक लेख—प्राचीन भारत में बौद्ध धर्म को राजकीय संरक्षण
98 पर्यावरण लेख—पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन
100 कृषि लेख—मृदा प्रदूषण के नियंत्रण में सूक्ष्मजीवों की उपयोगिता
103 सार संग्रह

वस्तुनिष्ठ सामान्य ज्ञान

107 सिविल सर्विसेज प्रारम्भिक परीक्षा, 2019
119 उत्तर प्रदेश समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी (मुख्य) परीक्षा, 2018
127 केन्द्रीय विद्यालय संगठन स्नातकोत्तर शिक्षक परीक्षा, 2018
132 एस.एस.सी. संयुक्त स्नातक स्तर (प्रथम चरण) परीक्षा, 2017
139 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न
141 उद्योग, व्यापार एवं बैंकिंग सचेतता
143 ऐच्छिक विषय : शारीरिक शिक्षा—यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, 2018

विविध/सामान्य

154 कोयला क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास के बढ़ते चरण : एक दृष्टि में
156 तर्कशक्ति—आई.बी.पी.एस. बैंक स्पेशलिस्ट ऑफीसर (मुख्य) परीक्षा, 2018
161 संख्यात्मक अभियोग्यता—केनरा बैंक पी.ओ. परीक्षा, 2018
168 क्या आप जानते हैं ?
169 अपना ज्ञान बढ़ाइए
170 प्रथम पुरस्कृत निबन्ध—भारत की विदेश नीति के बदलते आयाम
172 प्रथम पुरस्कृत समीक्षा—महँगी चुनाव प्रणाली भ्रष्टाचार को जन्म देती है
173 निबन्ध प्रतियोगिता क्रमांक-480 का परिणाम
174 रोजगार समाचार
175 English Language–IBPS Probationary Officers (Pre.) Exam., 2018

प्रतियोगिता दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है. –सम्पादक

• E-mail : publisher@pdgroup.in • Website : www.pdgroup.in

निराशा और आशा

—साध्वी वैभवश्री 'आत्मा'

A pessimist sees difficulty in every opportunity.
An optimist sees the opportunity in every difficulty.

– Winston Churchil

जब-जब इंसान निराशा की गर्त में गिर जाता है और उसे ऐसा लगता है कि अब उसका अच्छा कुछ हो ही नहीं सकता, क्योंकि लगातार इतना बूढ़ा होता जा रहा है कि अच्छे होने की उम्मीद ही समाप्त हो चुकी है. उस निराशा के गर्त में डूबे हुए आदमी को अगर कोई व्यक्ति अच्छी बात कहे उसके लिए आशापरक, आशाजनक एक सपना उसके सामने रखें कि उस पर विश्वास करेगा, बहुत मुश्किल है वो नहीं कर पाएगा विश्वास उसे ऐसा लगेगा कि तुम्हें क्या पता मेरा दर्द क्या है ? तुम्हें कैसा लग सकता है कि मैं क्या महसूस कर रहा हूँ ? और जो बुरे दिन मैं जी रहा हूँ वो बुरे दिन भगवान किसी को न दे, लेकिन मैं जानता हूँ कि ये सारे बुरे दिन मुझे भोगने ही पड़ेंगे और ये जो तुम अच्छी बातें कर रहे हो न ये तुम इसलिए कर रहे हो कि तुम्हारा पेट भरा है, इसलिए कर रहे हो कि तुम्हें सुख मिले हैं, इसलिए कर रहे हो कि तुम किस्मत वाले हो और तुम मेरे सामने ऐसी बातें मत करो, क्योंकि ये सब बातें सत्य नहीं हो सकतीं हैं. निराशा के गर्त में डूबे हुए आदमी को हर आशा की बात में भी निराशा दिखलाई पड़ती है. उसे आशाजनक वक्तव्य पर कोई विश्वास नहीं होता और यही कारण है कि वह अपनी निराशा में और अधिक गहन से गहन डूबता चला जाता है. कभी-कभी कोई आशा की किरण उसके भीतर जरा सा प्रेम और विश्वास जगा भी देती है और फिर जैसे ही वो उस उम्मीद के सहारे आगे बढ़ता है तो उसका मन बहुत सारी अपेक्षाएं पालना शुरू कर देता है. एक छोटीसी उम्मीद पूरी होने पर आदमी के जीवन में आदमी के मन में इतनी सारी आशाएं जगा जाती हैं कि उसे लगता है कि अब सब पूरी हो जाएंगी, लेकिन फिर जब वो चलते हुए गिर जाता है, ठोकर खाता है, चोट मिलती है, पुनः और गहरे अविश्वास के साथ निराशा में डूबता चला जाता है और फिर उसे लगता है कि जो उसने बातें की थीं वह सब झूठी थीं, उम्मीदें सत्य नहीं हैं, ऐसा व्यक्ति सबको नकारना शुरू कर देता है. यही नकारात्मकता ही नरक है, दुःख है. इस नरक, इस दुःख, इस तनाव को हम अपने अनुभवों से ही निर्मित करते हैं, दुःखद अनुभवों से निर्मित करते हैं और फिर ये दुःखद अनुभव, दुःखद अनुभवों को ही पालते जाते हैं, बढ़ाते चले जाते हैं, दुःख, दुःख को बढ़ाता जाता है और आदमी दुःखों से बाहर निकल ही नहीं पाता है. इस प्रक्रिया का अन्त कहाँ, इस प्रक्रिया का अन्त कैसे हो सकता है, कि हम दुःखों से मुक्त हो सकें, कि हम अपनी निराशाओं से बाहर आ सकें.

हम निराशा और आशा दोनों की हकीकत को जान सकें. ये कैसे सम्भव है, ये उन क्षणों में सम्भव है जिन क्षणों में आप जरा समता में हों, तटस्थ अवस्था में हों. जब आपके भीतर-बाहर कहीं सन्तुलन है. उन क्षणों में आप एक निराश मानसिकता का अध्ययन करें और एक आशाजनक मानसिकता का अध्ययन करें, तो दोनों मानसिकताओं का अध्ययन करने पर यह तथ्य समझ में आ जाएगा कि निराशा सत्य नहीं और आशा भी सत्य नहीं, उम्मीदें भी सत्य नहीं और उम्मीदों का टूटना भी सत्य नहीं. ये सब उस व्यक्ति को जिन्दगी में चलने के लिए उसके दिमाग को चलाने के लिए दिए गए उद्दीपन हैं या कह दो कि उसके साथ जुड़ी कुछ वैसाखियाँ हैं जिसके सहारे वो अपने जीवन की गति को तय कर रहा होता है, किन्तु वैसाखियाँ यानि परावलम्बन सत्य नहीं है स्वावलम्बन सत्य है. खुद को समता में रखकर के अगर हम आजू-बाजू के लोगों का अध्ययन कर सकेंगे तो हमें अपनी घटनाओं का अध्ययन करना भी आ जाएगा दूसरे का अध्याय भी स्वाध्याय का निमित्त बन सकता है, लेकिन दृष्टि समतामय हो तो जिस समय समता हो उस क्षणों का किया गया अध्ययन स्वाध्याय बना देगा और फिर जब हमारे ऊपर से घटाएं छंटने लगेंगी. ऐसे कर्मों का उदय आएगा तब हम क्योंकि पहले निराशा आशा सत्य के तथ्य को हम खो चुके हैं तो हमें अपने भीतर भी उन सारे सूत्रों को अनुप्रयोग करने में मदद मिलेगी. हमें समझ आता है कि निराशाएं सत्य नहीं, आशाएं भी सत्य नहीं, ये उम्मीदें भी सत्य नहीं, किसी का अवलम्बन सत्य नहीं. इस दुनिया में परावलम्बन कभी शान्ति नहीं दे सकता. शान्ति अगर कहीं है स्वावलम्बन अवस्था में ही है. अस्वावलम्बी होना निःसन्देह कठिन है, क्योंकि जीव को आदत पड़ी हुई है शारीरिक रूप से भी और मानसिक रूप से भी हमेशा ही दूसरों पर दूसरों के कंधों पर अपना वजन रखने की, अपना सिर रखने की इसीलिए ये क्षण भी जब छिन जाते हैं, तब आदमी निराशा के गर्त में डूब जाता है और कन्दर्प को जब आशा मिलती है तो आदमी उल्लास और उत्साह में चला जाता है, किन्तु जीवन का सत्य यही है कि स्वावलम्बन ही जीवन है अस्वावलम्बन का मतलब है अपनी योग्यता को जगाओ, अपनी योग्यता पर भरोसा करो. अल्लामा इकबाल का कथन है–

"खुदी को कर बुलन्द इतना
कि हर तकदीर से पहले खुदा
बन्दे से खुद पूँछे बता तेरी रजा क्या है."

अपने आपको अधिकारिक योग्य बनाओ और फिर अपनी सद्भावना और विवेक से अपनी जिन्दगी को जियो यह स्वावलम्बन है और यह स्वावलम्बन हममें से हरेक व्यक्ति को होना ही होगा अगर हम स्वावलम्बी नहीं होते हैं, तो हम सतत् झूलों में झूलते हैं. ऊपर और नीचे आशा और निराशा के झूलों में, कल्पना के झूले में इन झूलों से बाहर आओ और अपने भीतर एक शान्त अवस्था निर्मित करो इस शान्त अवस्था में अपने चारों ओर की घटनाओं को देखना परखना सीखो, खुद के भीतर घट रही घटनाओं को भी देखना परखना सीखो. यह जब स्वाभाविक जागेगा स्वाभाविक जागने के साथ ही हम अपने जिन्दगी के महान् चक्रव्यूहों से बाहर आ पाएंगे. चक्रव्यूह में हम सब हैं इनसे मुक्ति का रास्ता वो भी हमारे भीतर ही है वो विवेक से प्रगट होगा. उसे प्रगट करने में देरी न करें.

स्वावलम्बन और साम्य एक-दूसरे के पूरक हैं. स्वावलम्बन से आत्मशक्ति प्राप्त होती है जो हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है. उत्कृष्ट करने की ओर ले जाती है. साम्यावस्था, विशेष तौर पर मनःस्थिति की, सत और असत के बीच भेद करने की स्थिति उत्पन्न करती है. यदि हममें अच्छे और बुरे कर्मों के बीच भेद करने की सामर्थ्य है तो सत्मार्ग पर चलकर स्वावलम्बन की शक्ति से स्वयं का, अपने परिवार का, समाज का, राष्ट्र का भला कर सकते हैं. जिस प्रकार वनों में उपजने वाले पौधे स्वावलम्बन के बल पर ऊँचाइयाँ प्राप्त करते हैं, उसी प्रकार व्यक्ति भी अपने प्रयासों से ऊँचे-से-ऊँचा लक्ष्य हासिल कर सकता है. बस भावना एक ही होनी चाहिए– "मैं इसे कर सकता हूँ."

●●●

YOUR DREAM, OUR MISSION

YOUTH DESTINATION

IAS • PCS

DELHI CENTRE

सामान्य अध्ययन

निः शुल्क परिचर्चा के साथ बेच प्रारंभ

Faculty Panel

- रजनीश राज सर
- अभय कुमार सर
- आर कुमार सर
- हिमांशु शर्मा सर
- रवि अग्रहरि सर
- यशवंत सर
- डा. शेखर झा सर
- यूथ डेस्टीनेशन टीम

21st June

ONLINE LIVE CLASS AVAILABLE

TIMING : 11:30 AM

इतिहास

By

रजनीश राज सर

17 June 6:30PM

24 June 8:30AM

इतिहास वैकल्पिक विषय 2018 के टॉप अंक

MAHAJAN MANOJ SATYWAN RANK-126

RAJIV KUMAR RANK-515

SHEETAL KUMARI RANK-581

VIJENDRA MEENA RANK-707

SHASHIKANT MEENA	306
VIJENDRA MEENA	306
PRITAM SINGH YADAV	305
PREM SUKH DELU	303
VYOM BHARDWAJ	302
CHANAN SINGH INDA	302

लोक प्रशासन

By

अभय कुमार सर

13 June | 9:00AM

भूगोल

By

हिमांशु शर्मा सर

Junaid Ahmad AIR 3

CSE 2018 में 44+ चयनित अभ्यर्थी एवं 10 से अधिक छात्रों का प्राप्तांक 300 से ज्यादा...

12 June | 6:30PM

मैथिली साहित्य

By

डा. शेखर झा सर

21 June | 9:00AM & 6:30PM

IAS/RAS GS FOUNDATION COURSE

सामान्य अध्ययन

JAIPUR CENTRE

M.: 9929520003

निः शुल्क परिचर्चा के साथ बेच प्रारंभ

18th June

TIMING : 3:00 PM

011-40198123, 9811334434

web : www.youthdestination.in | youtube: youthdestinationias | FB: youthdestinationias

639, DR. MUKHERJEE NAGAR, OPP. SIGNATURE APARTMENT , DELHI-110009

राष्ट्रीय घटनाक्रम

- अरुणाचल प्रदेश, आन्ध्र प्रदेश, ओडिशा व सिक्किम में विधान सभा चुनाव सम्पन्न
- भारतीय नौसेना के लिए निर्माणाधीन स्कॉर्पीनी श्रेणी की पनडुब्बी आईएनएस वेला का जलावतरण
- भारतीय वायुसेना को पहला अपाचे हेलीकॉप्टर मिला
- ओरछा शहर की ऐतिहासिक धरोहरें व कैलाश मानसरोवर का पर्वतीय क्षेत्र यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में अस्थायी रूप से शामिल
- विश्व विरासत सूची में शामिल भारत के 37 स्थल
- नगा संगठन एनएससीएन (आर) व एनएससीएन (एन-के) के साथ संघर्ष विराम में एक वर्ष की पुनः वृद्धि
- 'लिट्टे' पर प्रतिबन्ध की अवधि में पाँच वर्ष की वृद्धि
- सुरक्षा परिषद् ने जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मसूद अजहर को वैश्विक आतंकी घोषित किया
- आसाराम बापू के पुत्र नारायण साईं को भी बलात्कार एवं दुष्कर्म के मामले में आजीवन कारावास की सजा
- चक्रवाती तूफान फैनी से ओडिशा में तबाही
- पीएसलवी-सी 46 के जरिए रिसैट-2 बी का सफल प्रक्षेपण
- जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश प्रतिबन्धित संगठनों की सूची में शामिल
- नई शिक्षा नीति का मसौदा सरकार को प्रस्तुत
- चार नए न्यायाधीशों की नियुक्ति से सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों का कोई पद अब रिक्त नहीं
- संक्षिप्तकी

@PDDKaAdda

अरुणाचल प्रदेश, आन्ध्र प्रदेश, ओडिशा व सिक्किम में विधान सभा चुनाव सम्पन्न

चार राज्यों—अरुणाचल प्रदेश, आन्ध्र प्रदेश, सिक्किम व ओडिशा की विधान सभाओं के लिए भी चुनाव 17वीं लोक सभा के चुनावों के साथ ही अप्रैल 2019 में कराए गए थे. इनमें ओडिशा में निवर्तमान मुख्यमन्त्री नवीन पटनायक ने भारी बहुमत के साथ मुख्यमन्त्री पद पर कब्जा बरकरार रखा है, जबकि आन्ध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस के वाई.एस. जगनमोहन रेड्डी ने विगत पाँच वर्षों से मुख्यमन्त्री रहे चन्द्रबाबू नायडू (तेलुगुदेशम पार्टी) को तथा सिक्किम में एसकेएम के नेता प्रेमसिंह तमांग ने विगत 24 वर्षों से मुख्यमन्त्री रहे पवन कुमार चामलिंग को विस्थापित किया है. पूर्वोत्तर के सबसे बड़े राज्य अरुणाचल प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी ने पहली बार अपने ही विधायकों के बल पर सरकार का गठन इस चुनावोपरांत किया है. इन राज्यों में सम्पन्न चुनावों में विभिन्न दलों की स्थिति इस प्रकार रही है—

अरुणाचल प्रदेश

अरुणाचल प्रदेश की 60 सदस्यीय विधान सभा के लिए मतदान 11 अप्रैल को कराया गया था. उससे पूर्व अन्य उम्मीदवारों के नामांकन पत्र रद्द हो जाने/नाम वापस लिए जाने के कारण भाजपा के 3 उम्मीदवार निर्विरोध ही विधान सभा के लिए निर्वाचित घोषित किए जा चुके थे. 60 सदस्यीय विधान सभा की 41 सीटें जीत कर भारतीय जनता पार्टी ने पहली बार अपने ही दम पर सरकार का गठन पूर्वोत्तर के इस सबसे बड़े राज्य में किया है (पिछले 2014 के चुनाव में कांग्रेस ने प्रदेश विधान सभा की 42 सीटें जीती थीं तथा नबाम तुकी के नेतृत्व में सरकार का गठन मई 2014 में किया था. उस सरकार में नेतृत्व परिवर्तन जुलाई 2016 में हुआ था जब पेमा खांडू को मुख्यमन्त्री वहाँ बनाया गया था. दिसम्बर 2016 में तत्कालीन मुख्यमन्त्री पेमा खांडू अपने 43 सहयोगी कांग्रेसी विधायकों के साथ कांग्रेस छोड़कर भाजपा के पाले में आ गए थे तथा सरकार का नेतृत्व उन्हीं के हाथ में बना रहा था). ताजा चुनाव में 60 सदस्यीय विधान सभा में 41 सीटें भाजपा को तथा 4 सीटें कांग्रेस को प्राप्त हुई हैं. प्रदेश में पहली ही बार चुनाव लड़े जनता दल (यू) ने 7 सीटें तथा एक अन्य नई पार्टी नेशनल पीपुल्स पार्टी (NPP) ने 5 सीटें इस चुनाव में जीती हैं. 1 सीट पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल प्रदेश को व 2 सीटें निर्दलीय उम्मीदवारों को इस चुनाव में प्राप्त हुई हैं.

दलगत स्थिति (2019)

भारतीय जनता पार्टी	41
कांग्रेस	4
जनता दल (यू)	7
नेशनल पीपुल्स पार्टी	5
पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल प्रदेश	1
निर्दलीय	2
योग	**60**

पेमा खांडू को मुख्यमन्त्री पद की शपथ दिलाते अरुणाचल के राज्यपाल ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) बी.डी. मिश्रा.

इन परिणामों के चलते भारतीय जनता पार्टी ने ही नई सरकार का गठन वहाँ 29 मई, 2019 को किया है. पार्टी विधायक दल के नए चुने गए नेता को राज्यपाल ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) डॉ. बी.डी. मिश्रा ने राजधानी इटानगर में राजभवन में आयोजित समारोह में मुख्यमन्त्री पद की शपथ दिलाई. अन्य 11 मन्त्रियों ने शपथ उनके साथ ही ग्रहण की है.

सिक्किम

सिक्किम की आठवीं विधान सभा की सभी 32 सीटों के लिए मतदान 11 अप्रैल, 2019 को कराया गया था तथा मतगणना 23 मई, 2019 को सम्पन्न हुई. इस चुनाव के परिणाम द्विध्रुवीय ही रहे. 32 में से 17 सीटों पर विजय दर्ज करके प्रेम सिंह तमांग के नेतृत्व वाले सिक्किम क्रान्तिकारी मोर्चा (SKM) ने स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया, जबकि पाँच बार मुख्यमन्त्री रहे पवन कुमार चामलिंग के नेतृत्व वाले सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (SDF) ने 15 सीटों पर ही विजय प्राप्त की. किसी भी अन्य पार्टी को कोई सीट इस चुनाव में प्राप्त नहीं हुई. पूर्व वर्षों में एसडीएफ सरकार में मन्त्री रहे प्रेमसिंह तमांग उर्फ पी.एस. गोलाय ने सिक्किम क्रान्तिकारी मोर्चा का गठन फरवरी 2013 में ही किया था तथा पिछले 2014 के चुनाव में जब पवन चामलिंग के नेतृत्व वाले एसडीएफ ने 22 सीटें जीती थीं, एसकेएम को 10 सीटें प्राप्त हुई थीं.

दलगत स्थिति (2019)

सिक्किम क्रान्तिकारी मोर्चा (SKM)	17
सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (SDF)	15
योग	**32**

पी.एस. तमांग को मुख्यमन्त्री पद की शपथ दिलाते सिक्किम के राज्यपाल गंगाप्रसाद.

चुनाव के इन परिणामों के चलते एसकेएम के नेता प्रेमसिंह तमांग उर्फ पी.एस. गोलाय ही प्रदेश के नए मुख्यमन्त्री बने हैं. राज्यपाल गंगाप्रसाद ने 27 मई, 2019 को राजधानी गंगटोक में पाल्जोर स्टेडियम में आयोजित समारोह में मुख्यमन्त्री पद की शपथ उन्हें दिलाई. 51 वर्षीय तमांग ने नेपाली में शपथ ग्रहण की.

- *पूर्ववर्ती मुख्यमन्त्री पवन कुमार चामलिंग, जो दिसम्बर 1994 से मई 2019 तक लगातार 24 वर्षों से सिक्किम के मुख्यमन्त्री रहे, अपनी पार्टी एसडीएफ के वरिष्ठ सहयोगियों सहित श्री तमांग के इस शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित नहीं रहे.*
- *भारत में किसी राज्य में सर्वाधिक समय तक मुख्यमन्त्री रहने का रिकॉर्ड सिक्किम के पूर्ववर्ती पवन कुमार चामलिंग के ही नाम है.*
- *पूर्व वर्षों में 2009–2014 के दौरान सिक्किम की छठी विधान सभा में सभी 32 सीटें पवन कुमार चामलिंग के नेतृत्व वाले सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट के ही पास थीं तथा विधान सभा में कोई विपक्ष नहीं था.*

ओडिशा

ओडिशा विधान सभा की 147 सीटों के लिए मतदान 17वीं लोक सभा के चुनावों के

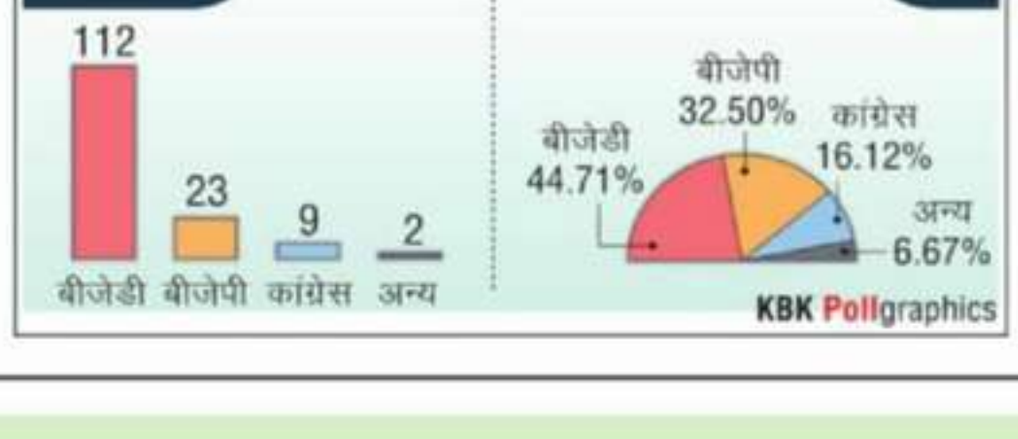

@PDDKaAdda

ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस

OXFORD UNIVERSITY PRESS

ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस इंडिया ने भारतीय भाषाओं में प्रकाशन की शुरुआत की है। अभी यह शुरुआत हिंदी और बांग्ला भाषा में हुई है। इसके पीछे हमारा उद्देश्य प्रेस के मिशन के तहत भारतीय भाषाओं में ज्ञान व्यवस्था को बेहतर बनाना है। ताकि ज्ञान के भाषाई अवरोध को समाप्त किया जा सके और तार्किक व विद्वतापूर्ण सामग्री को अधिकाधिक लोगों तक पहुँचाया जा सके।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस द्वारा प्रकाशित विश्व-स्तरीय पुस्तकें

भारत का प्राचीन इतिहास
राम शरण शर्मा
9780199489305 | 2018 | 406 pp. | INR 295
यह पुस्तक भारत के प्राचीन इतिहास का विस्तृत और विश्लेषणात्मक ब्योरा प्रस्तुत करती है। धर्म और संस्कृतियों की विविधि, साम्राज्यों के उत्थान और पतन को रेखांकित करती है। गणराज्यों, पुर, जनपद और वैदिक काल के साथ-साथ हड़प्पा सभ्यता की विशेषताओं पर चर्चा करती है। प्राचीन भारत से सम्बन्धित भारत तक की पूरी प्रक्रिया और घटनाक्रम को समझने के लिए यह एक महत्वपूर्ण विवरण है।

भारत का संविधान
माधव खोसला
9780199485192 | 2018 | 172pp. | INR 225
यह पुस्तक संविधान को सहज-संक्षेप में प्रस्तुत करती है। संविधान की बनावट और उसकी भूमिका की विवेचना करती है और संविधान के महत्वपूर्ण आयामों को सरल ढंग से आम पाठकों के समक्ष रखती है। उदाहरणों के जरिए यह संविधान के पेचीदा व व्यवहारिक पक्षों को प्रस्तुत करती है।

भारत की विदेश नीति
पुनर्मूल्यांकन एवं संभावनाएं
सुमित गांगुली
9780199485185 | 2018 | 436pp. | INR 395
यह पुस्तक 1947 से 2010 तक भारत की विदेश नीति पर एक व्यापक ब्योरा प्रस्तुत करती है। पुस्तक वृहित्र के प्रमुख देशों और पड़ोसी देशों के साथ भारत के संबंधों की पड़ताल करती है। पुस्तक के अध्यायों में अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक घटकों के विश्लेषण किए गए हैं। यह पुस्तक अलग-अलग मुद्दों के घटनाक्रमों को भी प्रस्तुत करती है। वृहित्र के प्रमुख मुल्कों के साथ भारत के संबंधों के इतिहास को जानने और भारतीय विदेश नीति को समझने के लिए यह एक महत्वपूर्ण पुस्तक है।

फेसबुक: /OUPAcademicIndia; इंस्टाग्राम: #oup_academic_india

प्रमुख विक्रेता : **लखनऊ** | युनिवर्सल बुक डिस्ट्रीब्यूटिंग कम्पनी • यूनिवर्सल बुक सेलर्स • यू बी एस पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स • रैवेन्यू पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स **कानपुर** | डायमंड **इलाहाबाद** | ऐ एच व्हीलर • आर भार्गव • यूनिवर्सल बुक कम्पनी • विश्वविद्यालय प्रकाशन **दिल्ली** | जैन बुक एजेंसी • जैन बुक डिपो • भारती सेल • सिटाडेल आइत बुक सर्विस • सिविलमत बुक पब्लिशर्स • जयंत बुक डिपो • एजिएन बुक सर्विस • मुलचंदानी एंड • पीकल पब्लिशर्स हाउस • विनोदा बुक डीपो • इंडो अमेरिकन बुक ट्रस्ट • के. एल. मोंगिया • लायंटेस • विनय बुक डिस्ट्रीब्यूटर • यू पी एस पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर **देहरादून** | बुक कार्नर • इंडियन बुक डिपो **पैरेडाइज** | आर नारायण

ई-रिटेलर : ऐमजॉन, फ्लिपकार्ट और इन्फीबीम

साथ ही 11–29 अप्रैल, 2019 को चार चरणों में कराया गया. देशव्यापी मोदी लहर के बीच निवर्तमान मुख्यमन्त्री नवीन पटनायक के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (BJD) की सीटों में मामूली कमी इस बार हुई है, तथापि 147 में 112 सीटें जीत कर लगभग तीन-चौथाई बहुमत के साथ सत्ता पर कब्जा इसने बरकरार रखा है. राज्य में भाजपा की सीटों की संख्या में वृद्धि इस बार हुई है तथा यह 10 से बढ़कर 23 हो गई है, जबकि कांग्रेस की सीटें 16 से घटकर 9 इस बार रह गई हैं. माकपा ने एक सीट पिछले 2014 के चुनाव में जीती थी. इस बार भी उसकी यही स्थिति रही है. बहुजन समाज पार्टी ने 107 सीटों पर उम्मीदवार इस चुनाव में खड़े किए थे, किन्तु किसी भी सीट पर विजय उसे नहीं प्राप्त हो सकी है.

दलगत स्थिति

पार्टी	सीटें 2014	2019
बीजू जनता दल	117	112
भाजपा	10	23
कांग्रेस	16	9
माकपा	1	1
समता क्रान्ति दल	1	—
निर्दलीय	2	1
रिक्त		1
योग	**147**	**147**

इन परिणामों के चलते निवर्तमान मुख्यमन्त्री नवीन पटनायक ही एक बार पुनः

मुख्यमन्त्री पद की शपथ
ग्रहण करते हुए नवीन पटनायक

इस राज्य के मुख्यमन्त्री बने हैं. राज्यपाल श्री गनेशी लाल ने 29 मई, 2019 को राजधानी भुवनेश्वर में प्रदर्शनी मैदान में आयोजित समारोह में मुख्यमन्त्री पद की शपथ उन्हें ग्रहण कराई.

- *72 वर्षीय नवीन पटनायक लगातार पाँचवीं बार ओडिशा के मुख्यमन्त्री बने हैं. वह मार्च 2000 से ही इस पद पर हैं.*
- *नवीन पटनायक के पिता बीजू पटनायक 1961–1963 और 1990–1995 के दौरान दो बार ओडिशा के मुख्यमन्त्री रहे थे.*

आन्ध्र प्रदेश

आन्ध्र प्रदेश की (15वीं) विधान सभा के लिए चुनाव 17वीं लोक सभा के चुनावों के साथ ही 11 अप्रैल, 2019 को कराए गए. विभाजन के पश्चात् (तेलंगाना राज्य के गठन के पश्चात्) प्रदेश विधान सभा के लिए यह दूसरे चुनाव थे जिसमें भारी बहुमत से विजय दर्ज करके वाईएस जगनमोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआर कांग्रेस ने पिछले पाँच वर्ष से मुख्यमन्त्री रहे चन्द्रबाबू नायडू को सत्ता से बाहर किया है.

तेलंगाना के गठन के पश्चात् शेष आन्ध्र प्रदेश की 175 सदस्यीय विधान सभा के लिए मई 2014 में सम्पन्न पहले चुनावों में 102 सीटें तेलुगुदेशम पार्टी (TDP) ने प्राप्त की थीं, जबकि वाईएसआर कांग्रेस की सीटों की संख्या 67 रही थी. शेष 6 सीटों में से 4 सीटें भाजपा के पास रही थी. ताजा 2019 के चुनाव में वाईएसआर कांग्रेस 151 सीटों पर विजयी रही है, जबकि तेलुगु-देशम पार्टी 23 सीटों पर ही सिमट गई है. एक सीट नवगठित जनसेना पार्टी को इस चुनाव में मिली है, जबकि भारतीय जनता पार्टी व कांग्रेस दोनों का ही सफाया इस बार वहाँ हुआ है.

दलगत स्थिति

पार्टी	सीटें 2014	2019
वाईएसआर कांग्रेस	67	151
तेलुगुदेशम	102	23
जन सेना पार्टी	—	1
भाजपा	4	0
कांग्रेस	—	0
अन्य	2	—
योग	**175**	**175**

वाई.एस. जगनमोहन रेड्डी :
आन्ध्र प्रदेश के नए मुख्यमन्त्री

चुनाव के इन परिणामों के चलते वाईएसआर कांग्रेस के नेता जगनमोहन रेड्डी ने ही नई सरकार की कमान वहाँ सँभाली है. राज्यपाल ई.एस.एल. नरसिम्हन ने 30 मई, 2019 को विजयवाड़ा में इंदिरा गांधी म्यूनिस्पिल स्टेडियम में आयोजित सार्वजनिक समारोह में रेड्डी को प्रदेश के नए मुख्य-मन्त्री के रूप में शपथ दिलाई.

- *46 वर्षीय जगन मोहन रेड्डी पहली ही बार इस प्रदेश के मुख्यमन्त्री बने हैं. मई 2014–मई 2019 के दौरान विगत पाँच वर्षों तक प्रदेश विधान सभा में वह विपक्ष के नेता रहे हैं.*
- *जगनमोहन रेड्डी आन्ध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमन्त्री वाई.एस. राजशेखर रेड्डी जिनका मुख्यमन्त्री पद पर रहते हुए ही एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में निधन 2 सितम्बर, 2009 को हुआ था, के पुत्र हैं तथा वर्ष 2011 में वाईएसआर कांग्रेस का नेतृत्व सम्भालने से पूर्व वह कांग्रेस में रहे थे. 2009 में कांग्रेस के टिकट पर ही लोक सभा के सदस्य वह चुने गए थे.*

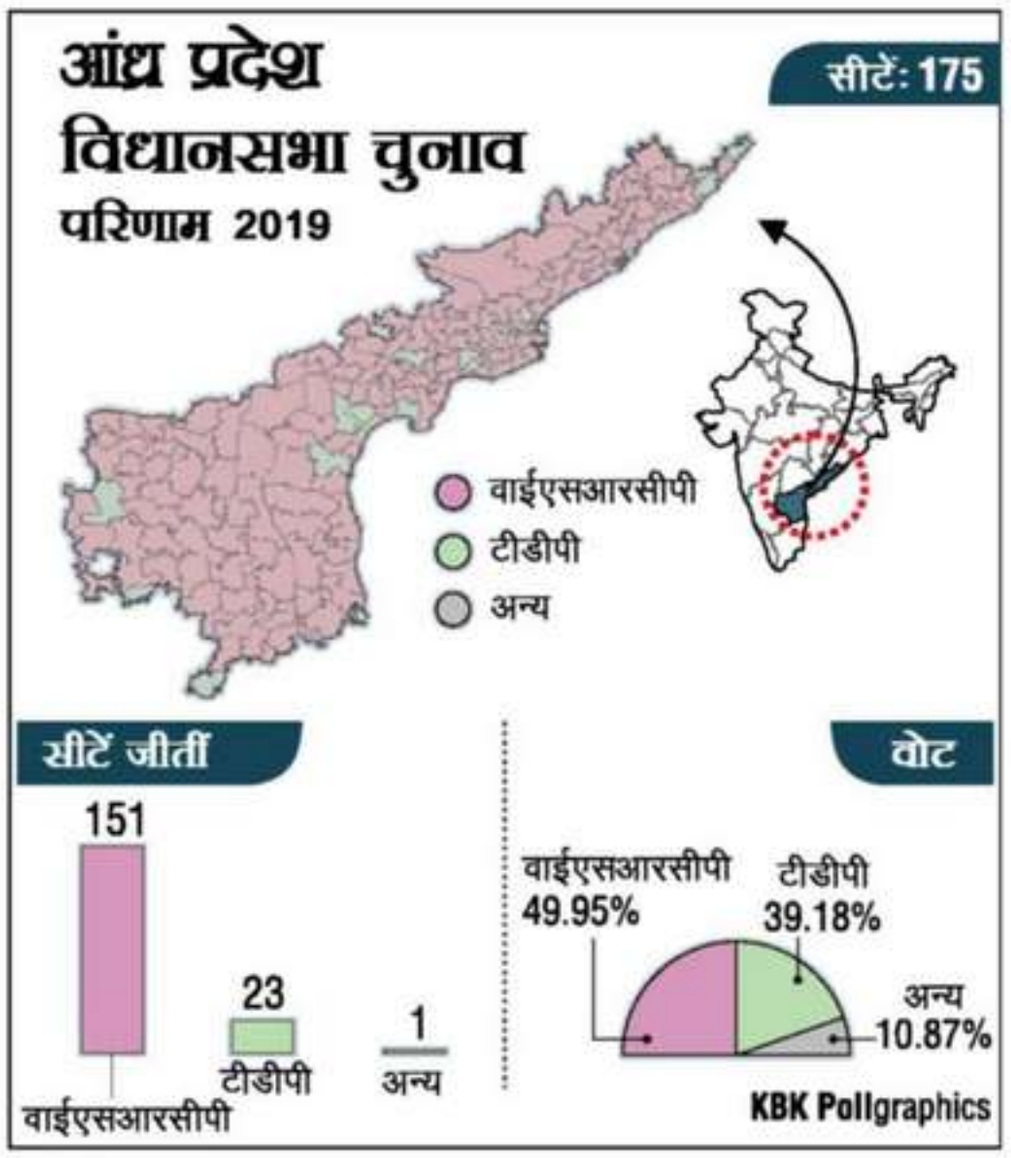

भारतीय नौसेना के लिए निर्माणाधीन स्कॉर्पीनी श्रेणी की पनडुब्बी आईएनएस वेला का जलावतरण

भारतीय नौसेना के लिए स्कॉर्पीन श्रेणी की चौथी पनडुब्बी आईएनएस वेला (INS VELA) का समुद्री परीक्षणों के लिए जलावतरण 6 मई, 2019 को मुम्बई के तट पर अरब सागर में किया गया. केन्द्र सरकार

आईएनएस वेला का जलावतरण

के रक्षा उत्पाद सचिव अजय कुमार व उनकी पत्नी वीणा ने समुद्र में इसका जलावतरण किया. नौसेना को सौंपे जाने से पूर्व विभिन्न समुद्री परीक्षण इस पर किए जाएंगे. फ्रांस के एमएस नेवल ग्रुप (DCNS) के सहयोग से स्कॉर्पीन श्रेणी की इस युद्धक पनडुब्बी का निर्माण मझगांव डॉक शिप बिल्डर्स लि. (MDL) द्वारा किया जा रहा है. प्रोजेक्ट-75 के तहत् ऐसी 6 पनडुब्बियों का निर्माण भारत में ही किया जाना है जिनमें से पहली पनडुब्बी आईएनएस कलवरी (INS Kalveri) दिसम्बर 2017 में ही नौसेना को सौंपी जा चुकी है, जबकि दो अन्य पनडुब्बियाँ आईएनएस खंडेरी (INS Khanderi) व आईएनएस करंज (INS Karanj) के समुद्री परीक्षण फिलहाल जारी हैं. यह दोनों पनडुब्बियाँ शीघ्र ही नौसेना को सौंपी जानी है. आईएनएस वेला इस शृंखला की चौथी पनडुब्बी है. स्कॉर्पीन श्रेणी की दो अन्य पनडुब्बियाँ आईएनएस वागीर (INS Vagir) व आईएनएस वागशीर (INS Vagsheer) होंगी जो फिलहाल मझगांव डॉक लि. में निर्माणाधीन हैं.

आईएनएस वेला का यह नामकरण इसी नाम की एक अन्य पनडुब्बी आईएनएस वेला के नाम पर ही किया गया है. यह पनडुब्बी 31 अगस्त, 1973 को भारतीय नौसेना में शामिल की गई थी तथा 37 वर्षों तक इसने नौसेना को सेवाएं दी थीं. 25 जून, 2010 को जब इसे सेवा मुक्त किया था, उस समय यह देश की सबसे प्राचीन पनडुब्बी थी.

भारतीय वायुसेना को पहला अपाचे हेलीकॉप्टर मिला

भारतीय वायुसेना की मारक क्षमता में वृद्धि मई 2019 में उस समय हुई जब अमरीका की बोइंग कम्पनी द्वारा निर्मित अपाचे (Apache) गार्जियन हेलीकॉप्टर भी उसे अब प्राप्त हो गया है. सटीक हमलों के लिए दक्ष यह हेलीकाप्टर दुश्मन के इलाके में घुस कर भी मार कर सकता है. भारतीय वायु सेना की जरूरतों के अनुरूप अनेक सुधार भी इस हेलीकॉप्टर में किए गए हैं. इस हेलीकॉप्टर के आने से भारतीय वायु सेना के साथ-साथ थल सेना की ऑपरेशनल शक्ति में भी वृद्धि होगी. ऐसा पहला अपाचे हेलीकॉप्टर अमरीकी एयरोस्पेस कम्पनी बोइंग के अमरीका में एरिजोना (Arizona) स्थित निर्माण केन्द्र पर भारतीय वायुसेना के अधिकारियों को 10 मई को सौंपा गया. दुर्गम पर्वतीय इलाकों में सटीक मार करने के लिए विख्यात ऐसे 22 हेलीकॉप्टरों की आपूर्ति के लिए भारत ने बोइंग कम्पनी के साथ सौदा सितम्बर 2015 में किया था.

अमरीकी एयरोस्पेस कम्पनी बोइंग ने भारतीय वायुसेना के लिए चार चिनूक (Chinook) हेलीकॉप्टरों की आपूर्ति फरवरी 2019 मै ही की थी जिन्हें मार्च 2019 में वायु सेना में औपचारिक रूप से शामिल किया गय था. चिनूक एक बहुउद्देशीय वर्टिकल लिफ्ट प्लेटफॉर्म हेलीकॉप्टर है, जिसका इस्तेमाल सैनिकों, हथियारों, उपकरणों व अन्य विविध प्रकार की भारी मशीनरी को ढोने के लिए तथ आपदा राहत अभियानों मै कुशलतापूर्वक किय जा सकता है, वहीं अपाचे हेलीकॉप्टर सटीक हमलों के लिए उपयुक्त हैं. इन दोनों हेलीकॉप्टरों से वायु सेना के साथ-साथ थल सेना की शक्ति में भी भारी वृद्धि होगी.

एरिजोना में भारतीय वायुसेना को अपाचे हेलीकॉप्टर सौंपते बोइंग के अधिकारी.

थलसेना के लिए अत्याधुनिक हथियार प्रणालियों से सुसज्जित 6 अन्य अपाचे हेली-कॉप्टरों की खरीद के लिए मंजूरी सरकार ने दो वर्ष बाद दी थी. **एएच-64 ई (1)** नाम से जाने वाले ऐसे 6 हेलीकॉप्टरों की खेप भारत को जुलाई 2019 में प्राप्त होने की सम्भावना है. यह हेलीकॉप्टर **लादेन किलर** के नाम से भी विख्यात है, क्योंकि वर्ष 2011 में अमरीका ने इसी हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल पाकिस्तान में घुसकर अलकायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन को मारने के लिए किया था.

चन्द्रयान–2 मिशन : महत्वपूर्ण तथ्य

चन्द्रमा के लिए इसरो के दूसरे मिशन चन्द्रयान-2 का प्रक्षेपण 9–16 जुलाई, 2019 के बीच किया जाना है. इस आशय की घोषणा 'इसरो' द्वारा (मई 2019 को की गई है) यह प्रक्षेपण इसरो के सर्वाधिक शक्तिशाली रॉकेट ***जीएसएलवी–एमके III*** *के जरिए किया जाएगा. जुलाई 2019 में उपर्युक्त तिथियों में चन्द्रमा की पृथ्वी से दूरी 3,63,726 किमी के आसपास रहेगी तथा चन्द्रयान–2 को चन्द्रमा की कक्षा तक पहुँचने में 55 दिन का समय लगेगा. चन्द्रयान–2 में तीन मुख्य भाग हैं–*

(i) ***ऑर्बिटर****–2,379 किग्रा का आर्बिटर चन्द्रमा की सतह से 100 किमी ऊपर इसकी कक्षा में रहते हुए चन्द्रमा के चक्कर लगाएगा.*

(ii) ***लैंडर****–स्वदेश में ही विकसित 1,471 किग्रा का लैंडर चन्द्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग करेगा. भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक माने जाने वाले विक्रम साराभाई के नाम पर इस लैंडर को* ***विक्रम*** *नाम दिया गया है. चन्द्रयान–2 के लिए लैंडर की आपूर्ति मूल योजना के तहत् रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रॉसकॉसमॉस (Roscosmos) द्वारा की जानी थी, तदुनुरूप चन्द्रयान–2 की लांचिंग 2013 में करने की योजना थी. रूसी ऐजेंसी यह आपूर्ति नहीं कर सकी तथा 2015 में इस परियोजना से वह अलग ही हो गई.*

(iii) ***रोवर****–27 किग्रा वजन का रोवर जिसे* ***प्रज्ञान*** *नाम दिया गया है, चन्द्रमा की सतह पर लगभग 400 मीटर की दूरी घूमते हुए तय करेगा. चन्द्रमा की सतह के सम्बन्ध में जानकारियों का संग्रहण करेगा. प्रज्ञान द्वारा इन जानकारियों का सम्प्रेषण विक्रम लैडंर को किया जाएगा, जहाँ से यह आंकड़े ऑर्बिटर को संप्रेषित किए जाएंगे. ऑर्बिटर द्वारा यह समस्त जानकारियाँ 'इसरो' को सम्प्रेषित की जाएंगी. इस प्रक्रिया के तहत् प्रज्ञान द्वारा प्रेषित जानकारियाँ 'इसरो' तक पहुँचने में लगभग 15 मिनट लगेंगे.*

यदि सब कुछ ठीकठाक रहा तो चन्द्रयान–2 के लैंडर विक्रम की चन्द्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग 6 सितम्बर, 2019 को होगी. चन्द्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला भारत, अमरीका, रूस व चीन के पश्चात् चौथा देश होगा.

इससे पूर्व भारत ने चन्द्रमा के लिए अपने पहले मिशन चन्द्रयान–1 का प्रक्षेपण 22 अक्टूबर, 2008 को किया था. 392 दिन तक काम करने के पश्चात् ईंधन की कमी के चलते 28 अगस्त, 2009 को उसके साथ इसरो का सम्पर्क टूट गया था जिसके पश्चात् इसे लापता मान लिया गया था. बाद में 'नासा' के वैज्ञानिकों ने रडार तकनीक के जरिए इसे खोजते हुए यह बताया था कि निष्क्रिय चन्द्रयान–1 अभी भी चन्द्रमा की सतह से 200 किमी ऊँची कक्षा में रहते हुए चन्द्रमा के चक्कर लगा रहा है.

चन्द्रयान–2 उस पहले संस्करण की तुलना में काफी अधिक उन्नत मिशन है चन्द्रयान–1 ने चन्द्रमा की कक्षा में रहते हुए उसकी परिक्रमा ही की थी, जबकि चन्द्रयान–2 मिशन में ऑर्बिटर के साथ-साथ लैंडर व रोवर भी शामिल हैं, इसका स्पेसक्राफ्ट (ऑर्बिटर) चन्द्रमा की परिक्रमा करते हुए आँकड़ों का सम्प्रेषण जहाँ करेगा, वहीं लैंडर के जरिए उसके रोबर को चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव की सतह पर उतारा जाएगा. 6 पहियों वाला रोवर चन्द्रमा की सतह पर घूम-घूम कर इस उपग्रह की मिट्टी के नमूने एकत्र करेगा.

ओरछा शहर की ऐतिहासिक धरोहरें व कैलाश मानसरोवर का पर्वतीय क्षेत्र यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में अस्थायी रूप से शामिल

मध्य प्रदेश के ओरछा शहर की ऐतिहासिक धरोहरों (Architectural Heritage of Orchha Town) व उत्तराखण्ड के कैलाश मानसरोवर के पर्वतीय क्षेत्र को यूनेस्को की वैश्विक धरोहरों की **अस्थायी सूची** में मई 2019 में शामिल किया गया है. बुंदेला राजवंश के अद्भुत वास्तुशिल्प को प्रदर्शित करने वाली 16वीं सदी की ओरछा की इन धरोहरों को वैश्विक धरोहरों की सूची में सांस्कृतिक धरोहरों के वर्ग में शामिल करने का प्रस्ताव भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) द्वारा अप्रैल 2019 में यूनेस्को को प्रेषित किया था, जबकि कैलाश मानसरोवर के आसपास के क्षेत्र को मिश्रित श्रेणी में वैश्विक धरोहरों में शामिल करने का प्रस्ताव किया गया है. अस्थायी सूची में शामिल हो जाने के पश्चात् अब विभिन्न अन्य प्रक्रियाओं को पूरा करते हुए मुख्य प्रस्ताव एएसआई द्वारा यूनेस्को को भेजा जाएगा. मध्य प्रदेश के बुंदेलखण्ड क्षेत्र में निवाड़ी (Niwari) जिले में बेतवा नदी के तट पर ओरछा की स्थापना 16वीं सदी के बुंदेला राजा रुद्र प्रताप सिंह द्वारा की गई मानी जाती है. भारत के 37 स्थल वर्तमान में यूनेस्को की

विश्व विरासत सूची में शामिल भारत के 37 स्थल

क्र.	स्थल	विश्व विरासत सूची में शामिल किए जाने का वर्ष	क्र.	स्थल	विश्व विरासत सूची में शामिल किए जाने का वर्ष
	सांस्कृतिक स्थल		20.	छत्रपति शिवाजी टर्मिनल, मुम्बई (महाराष्ट्र)	2004
1.	आगरा किला, आगरा (उत्तर प्रदेश)	1983	21.	चाम्पानेर पावागढ़ आर्किलॉजिल पार्क (गुजरात)	2004
2.	ताजमहल, आगरा (उत्तर प्रदेश)	1983	22.	दिल्ली का लाल किला (दिल्ली)	2007
3.	अजंता की गुफाएं (महाराष्ट्र)	1983	23.	जंतर मंतर जयपुर (राजस्थान)	2010
4.	एलोरा की गुफाएं (महाराष्ट्र)	1983	24.	राजस्थान के राजपूताना शैली के 6 किले	2013
5.	सूर्य मन्दिर, कोणार्क, पुरी (ओडिशा)	1984	25.	रानी की वाव (The Queen's Stepwell)	2014
6.	महाबलीपुरम् स्थित स्मारक समूह (तमिलनाडु)	1984	26.	बिहार का नालंदा महाविहार	2016
7.	गोवा के चर्च एवं कॉन्वेंट (गोवा)	1986	27.	चंडीगढ़ का कैपिटल कॉम्पलैक्स**	2016
8.	खजुराहो स्थित स्मारक समूह (मध्य प्रदेश)	1986	28.	अहमदाबाद	2017
9.	हम्पी स्थित स्मारक समूह, बल्लारि (कर्नाटक)	1986	29.	मुम्बई की विक्टोरियन गोथिक एवं आर्ट डेको संरचनाएं	2018
10.	फतेहपुर सीकरी, आगरा (उत्तर प्रदेश)	1986		**प्राकृतिक स्थल**	
11.	एलीफेंटा की गुफाएं (महाराष्ट्र)	1987	1.	काजीरंगा राष्ट्रीय पार्क (असम)	1985
12.	बृहदेश्वर मन्दिर* थंजावुर (तमिलनाडु)	1987	2.	मानस वन्यजीव अभयारण्य (असम)	1985
13.	पट्टाडकल स्थित स्मारक समूह (कर्नाटक)	1987	3.	केवलादेव राष्ट्रीय पार्क, भरतपुर (राजस्थान)	1985
14.	सांची स्थित बौद्ध स्मारक (मध्य प्रदेश)	1989	4.	सुन्दरबन राष्ट्रीय पार्क (प. बंगाल)	1987
15.	हुमायूँ का मकबरा, दिल्ली	1993	5.	नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क* चमोली (उत्तराखण्ड)	1988
16.	कुतुबमीनार व सम्बद्ध स्मारक (दिल्ली)	1993	6.	पश्चिमी घाट (सह्याद्रि पर्वत) (मुख्यतः केरल में)	2012
17.	माउंटेन रेलवे (दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे) @	1999	7.	ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क	2014
18.	बोधगया स्थित महाबोधि मन्दिर (बिहार)	2002		**मिश्रित स्थल**	
19.	भीम बेटका की गुफाएं (मध्य प्रदेश)	2003	1.	कंचनजंघा राष्ट्रीय पार्क (सिक्किम)	2016

* इसके विस्तार के रूप में चोला मन्दिर को 2004 में विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया.
@ इसके विस्तार के रूप में नीलगिरि पर्वतीय रेलवे को 2005 में व कालका-शिमला रेलवे को 2008 में विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया.
# इसके विस्तार के रूप में वैली ऑफ फ्लॉवर्स राष्ट्रीय पार्क को 2005 में विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया.
** स्विस-फ्रेंच वास्तुकार ली कार्बूज़ियर की 7 विभिन्न देशों में स्थित कुल 17 कृतियों को वर्ष 2016 में विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया है. चंडीगढ़ स्थित कैपिटल कॉम्पलैक्स उनमें से ही एक है. 16 अन्य कृतियाँ 6 अन्य देशों–अर्जेन्टीना, फ्रांस, बेल्जियम, जर्मनी, जापान व स्विट्जरलैण्ड में स्थित हैं.

विश्व विरासत सूची में शामिल हैं. इनमें 29 स्थल सांस्कृतिक स्थलों (Cultural Sites) की श्रेणी में, 7 प्राकृतिक स्थलों (Natural Sites) तथा एक अन्य मिश्रित स्थलों (Mixed Sites) की श्रेणी में विश्व विरासत सूची मे हैं.

विश्व विरासत सूची में नए स्थलों को शामिल करने के मामले में विचार एवं निर्णय के लिए यूनेस्को की विश्व विरासत समिति (World Heritage Committee) की इस वर्ष की सालाना बैठक अजरबैजान में बाकू में 30 जून-10 जुलाई, 2019 को होनी है.

नगा संगठन एनएससीएन (आर) व एनएससीएन (एन-के) के साथ संघर्ष विराम में एक वर्ष की पुनः वृद्धि

पूर्वोत्तर क्षेत्र में सक्रिय नगाओं के दो संगठनों–नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैण्ड (रिफॉर्मेशन) [NSCN–R] व नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैण्ड (निओपाओ कोनयाक-किटोवी) [NSCN] (Neopao Konyak-Kitovi) के साथ संघर्ष विराम में 1-1 वर्ष की पुनः वृद्धि सरकार ने अप्रैल 2019 में की है. संघर्ष विराम में यह वृद्धि 28 अप्रैल, 2019 से प्रभावी हुई है तथा यह संघर्ष विराम अब 27 अप्रैल, 2020 तक लागू रहेगा. गृह मन्त्रालय में संयुक्त सचिव सत्येन्द्र गर्ग ने केन्द्र सरकार की ओर से इसके लिए ताजा समझौते पर हस्ताक्षर 15 अप्रैल, 2019 को किए, NSCN(R) की ओर से उसके नेता तोशी लॉंग कुमेर व अमेंटो चीशी ने तथा NSCN (N–K) की ओर से उसके नेता जैक जिमोमी ने इस ताजा समझौते पर हस्ताक्षर किए. इससे पूर्व इन संगठनों NSCN(R) व NSCN (N-K) के साथ संघर्ष विराम में एक वर्ष की वृद्धि अप्रैल 2018 में की गई थी.

नगाओं के एक अन्य संगठन नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैण्ड (के-खांगो) ने भी एक वर्ष की अवधि के लिए संघर्ष विराम हेतु समझौते पर हस्ताक्षर इसके साथ ही किए है. इस संगठन की ओर से इसके नेता नेवेल नगा व मिशेल येपथो ने हस्ताक्षर किए, जबकि केन्द्र सरकार की ओर से गृह मंत्रालय में संयुक्त सचिव सत्येन्द्र गर्ग ने हस्ताक्षर किए. यह संघर्ष विराम समझौता 15 अप्रैल, 2019 से प्रभावी किया गया है.

नगा अलगाववाद की छह दशक पुरानी समस्या की समाप्ति व पूर्वोत्तर में शान्ति स्थापना के उद्देश्य से नगाओं के प्रमुख संगठन नेशनल काउंसिल ऑफ नगालैण्ड (इसाक-मुइया) [NSCN (IM)] के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर केन्द्र सरकार ने 3 अगस्त, 2015 को किए थे, जबकि नगाओं के ही एक अन्य गुट नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैण्ड (खपलांग) पर पाँच वर्ष का प्रतिबंध सरकार ने सितम्बर 2015 में आरोपित किया था, जो अभी भी प्रभावी है.

'लिट्टे' पर प्रतिबन्ध की अवधि में पाँच वर्ष की वृद्धि

भारत सरकार ने श्रीलंका के तमिल विद्रोहियों के संगठन लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (LTTE) पर लगे प्रतिबन्ध की अवधि को 5 वर्ष के लिए और बढ़ा दिया है. इस सम्बन्ध में गृह मंत्रालय की 14 मई, 2019 की अधिसूचना में कहा गया है कि यह संगठन अभी भी भारत विरोधी गतिविधियों में संलग्न है तथा भारत की सुरक्षा एवं सम्प्रभुता के लिए खतरा अभी बना हुआ है. तमिलों के लिए पृथक् स्वतंत्र राष्ट्र की लिट्टे की माँग को भारत की अखंडता एवं सम्प्रभुता के लिए भी खतरा गृह मंत्रालय विज्ञप्ति में माना गया है. ज्ञातव्य है कि पृथक् तमिल ईलम राष्ट्र की स्थापना की माँग को लेकर ही लिट्टे का गठन मई 1976 में हुआ था. लिट्टे विद्रोहियों ने 1980 के दशक में श्रीलंका में अनेक आतंकी घटनाओं को अंजाम दिया था. श्रीलंका सरकार के विरुद्ध लिट्टे के संघर्ष के दौरान शांति बहाली के लिए 1987-1990 के दौरान भारतीय सेना ने वहाँ बल प्रयोग कर लिट्टे के विरुद्ध कड़ी कार्यवाहियाँ की थीं. किन्तु इस कार्यवाही में बड़ी संख्या में भारतीय सैनिक भी शहीद हुए थे. बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार 1987 में भारतीय सेना उत्तरी श्रीलंका में शान्ति स्थापित करने के उद्देश्य से वहाँ गई थी, किन्तु लिट्टे के साथ युद्ध में उसके लगभग 1200 जवान मारे गए थे. मई 1991 में उस समय भारत के प्रधानमंत्री रहे श्री राजीव गांधी तथा 1993 में श्रीलंकाई राष्ट्रपति प्रेमदास रणसिंघे की हत्या लिट्टे द्वारा रचित षड्यंत्र के तहत् ही हुई थी. मई 2009 में श्रीलंकाई सेना के एक ऑपरेशन के लिट्टे प्रमुख वेलुपिल्लई प्रभाकरण को मार गिराया गया था जिसके पश्चात् यह संगठन समाप्त-प्राय हो गया था.

राजीव गांधी की हत्या के पश्चात् भारत सरकार ने 14 मई, 1992 से गैर कानूनी गतिविधि (निरोधक) अधिनियम (Unlawful

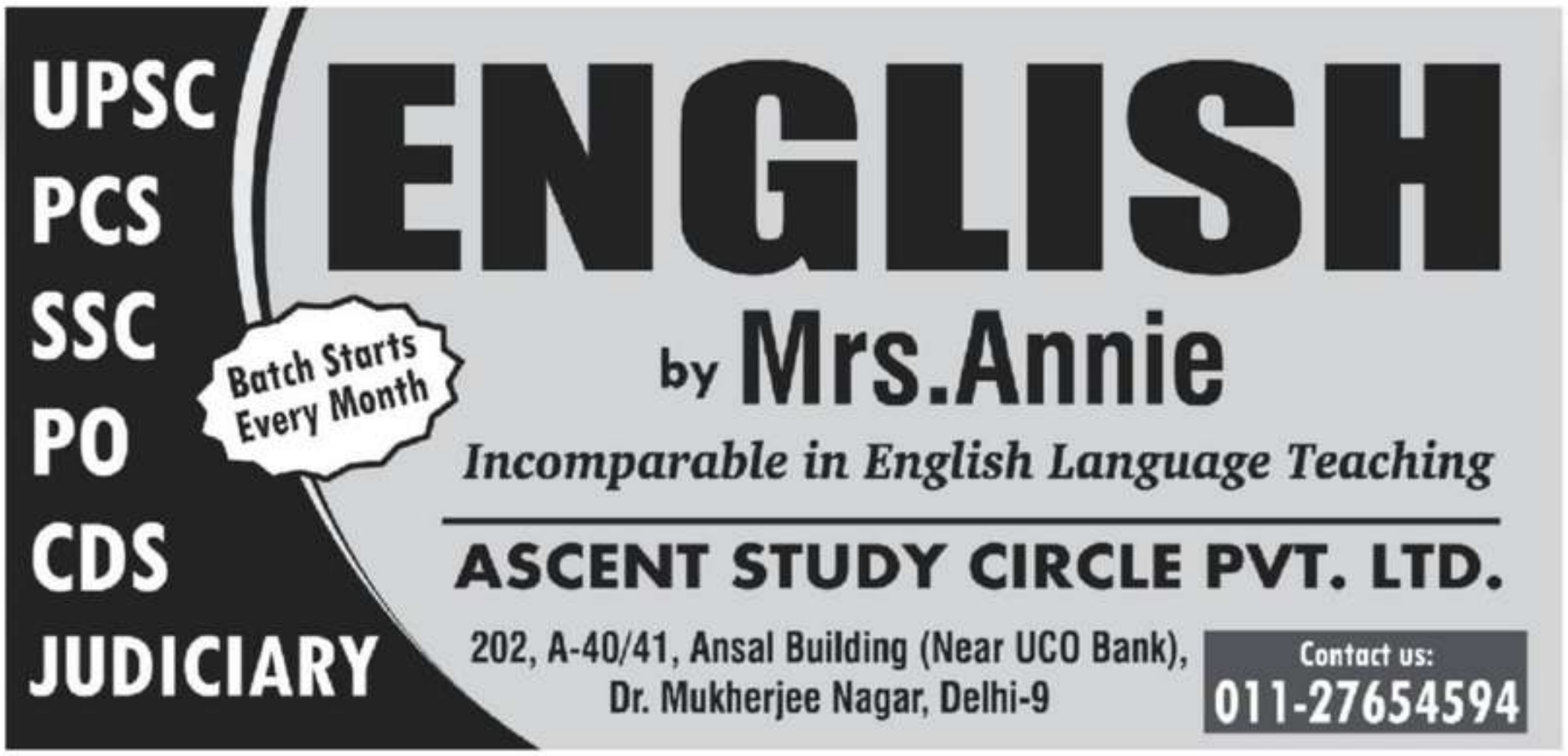

विश्व विरासत सूची में शामिल हैं. इनमें 29 स्थल सांस्कृतिक स्थलों (Cultural Sites) की श्रेणी में, 7 प्राकृतिक स्थलों (Natural Sites) तथा एक अन्य मिश्रित स्थलों (Mixed Sites) की श्रेणी में विश्व विरासत सूची मे हैं.

विश्व विरासत सूची में नए स्थलों को शामिल करने के मामले में विचार एवं निर्णय के लिए यूनेस्को की विश्व विरासत समिति (World Heritage Committee) की इस वर्ष की सालाना बैठक अजरबैजान में बाकू में 30 जून-10 जुलाई, 2019 को होनी है.

नगा संगठन एनएससीएन (आर) व एनएससीएन (एन-के) के साथ संघर्ष विराम में एक वर्ष की पुनः वृद्धि

पूर्वोत्तर क्षेत्र में सक्रिय नगाओं के दो संगठनों–नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैण्ड (रिफॉर्मेशन) [NSCN–R] व नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैण्ड (निओपाओ कोनयाक-किटोवी) [NSCN] (Neopao Konyak-Kitovi) के साथ संघर्ष विराम में 1-1 वर्ष की पुनः वृद्धि सरकार ने अप्रैल 2019 में की है. संघर्ष विराम में यह वृद्धि 28 अप्रैल, 2019 से प्रभावी हुई है तथा यह संघर्ष विराम अब 27 अप्रैल, 2020 तक लागू रहेगा. गृह मन्त्रालय में संयुक्त सचिव सत्येन्द्र गर्ग ने केन्द्र सरकार की ओर से इसके लिए ताजा समझौते पर हस्ताक्षर 15 अप्रैल, 2019 को किए, NSCN(R) की ओर से उसके नेता तोशी लॉंग कुमेर व अमेंटो चीशी ने तथा NSCN (N–K) की ओर से उसके नेता जैक जिमोमी ने इस ताजा समझौते पर हस्ताक्षर किए. इससे पूर्व इन संगठनों NSCN(R) व NSCN (N-K) के साथ संघर्ष विराम में एक वर्ष की वृद्धि अप्रैल 2018 में की गई थी.

नगाओं के एक अन्य संगठन नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैण्ड (के-खांगो) ने भी एक वर्ष की अवधि के लिए संघर्ष विराम हेतु समझौते पर हस्ताक्षर इसके साथ ही किए है. इस संगठन की ओर से इसके नेता नेवेल नगा व मिशेल येपथो ने हस्ताक्षर किए, जबकि केन्द्र सरकार की ओर से गृह मंत्रालय में संयुक्त सचिव सत्येन्द्र गर्ग ने हस्ताक्षर किए. यह संघर्ष विराम समझौता 15 अप्रैल, 2019 से प्रभावी किया गया है.

नगा अलगाववाद की छह दशक पुरानी समस्या की समाप्ति व पूर्वोत्तर में शान्ति स्थापना के उद्देश्य से नगाओं के प्रमुख संगठन नेशनल काउंसिल ऑफ नगालैण्ड (इसाक-मुइया) [NSCN (IM)] के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर केन्द्र सरकार ने 3 अगस्त, 2015 को किए थे, जबकि नगाओं के ही एक अन्य गुट नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैण्ड (खपलांग) पर पाँच वर्ष का प्रतिबंध सरकार ने सितम्बर 2015 में आरोपित किया था, जो अभी भी प्रभावी है.

'लिट्टे' पर प्रतिबन्ध की अवधि में पाँच वर्ष की वृद्धि

भारत सरकार ने श्रीलंका के तमिल विद्रोहियों के संगठन लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (LTTE) पर लगे प्रतिबन्ध की अवधि को 5 वर्ष के लिए और बढ़ा दिया है. इस सम्बन्ध में गृह मंत्रालय की 14 मई, 2019 की अधिसूचना में कहा गया है कि यह संगठन अभी भी भारत विरोधी गतिविधियों में संलग्न है तथा भारत की सुरक्षा एवं सम्प्रभुता के लिए खतरा अभी बना हुआ है. तमिलों के लिए पृथक् स्वतंत्र राष्ट्र की लिट्टे की माँग को भारत की अखंडता एवं सम्प्रभुता के लिए भी खतरा गृह मंत्रालय विज्ञप्ति में माना गया है. ज्ञातव्य है कि पृथक् तमिल ईलम राष्ट्र की स्थापना की माँग को लेकर ही लिट्टे का गठन मई 1976 में हुआ था. लिट्टे विद्रोहियों ने 1980 के दशक में श्रीलंका में अनेक आतंकी घटनाओं को अंजाम दिया था. श्रीलंका सरकार के विरुद्ध लिट्टे के संघर्ष के दौरान शांति बहाली के लिए 1987-1990 के दौरान भारतीय सेना ने वहाँ बल प्रयोग कर लिट्टे के विरुद्ध कड़ी कार्यवाहियाँ की थीं. किन्तु इस कार्यवाही में बड़ी संख्या में भारतीय सैनिक भी शहीद हुए थे. बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार 1987 में भारतीय सेना उत्तरी श्रीलंका में शान्ति स्थापित करने के उद्देश्य से वहाँ गई थी, किन्तु लिट्टे के साथ युद्ध में उसके लगभग 1200 जवान मारे गए थे. मई 1991 में उस समय भारत के प्रधानमंत्री रहे श्री राजीव गांधी तथा 1993 में श्रीलंकाई राष्ट्रपति प्रेमदास रणसिंघे की हत्या लिट्टे द्वारा रचित षड्यंत्र के तहत् ही हुई थी. मई 2009 में श्रीलंकाई सेना के एक ऑपरेशन के लिट्टे प्रमुख वेलुपिल्लई प्रभाकरण को मार गिराया गया था जिसके पश्चात् यह संगठन समाप्त-प्राय हो गया था.

राजीव गांधी की हत्या के पश्चात् भारत सरकार ने 14 मई, 1992 से गैर कानूनी गतिविधि (निरोधक) अधिनियम (Unlawful

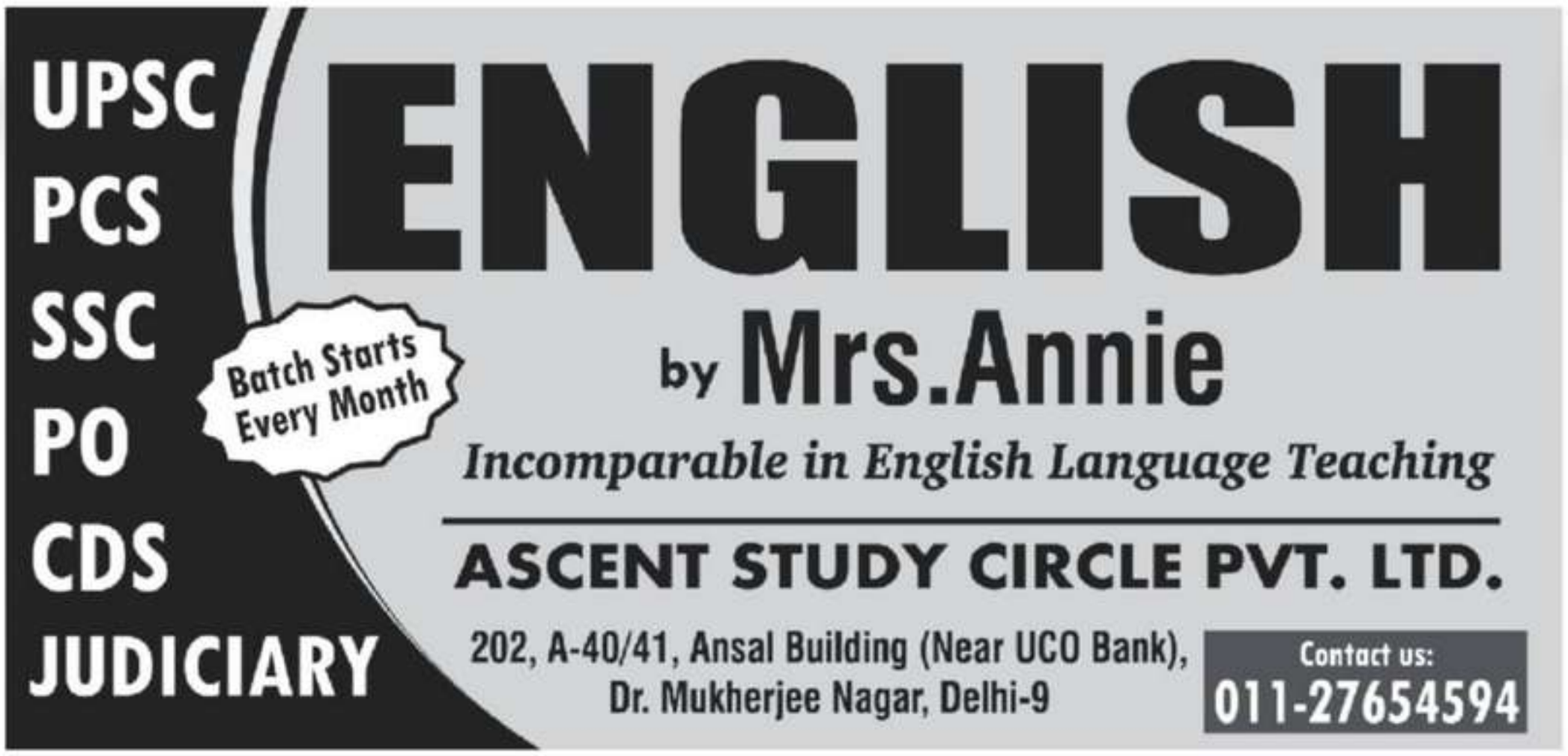

Activities (Prevention) Act], 1967 के तहत् प्रतिबन्ध आरोपित किया था. इस प्रतिबन्ध की अवधि को तब से ही लगातार समय-समय पर बढ़ाया जाता रहा है. इसी शृंखला में इस संगठन पर प्रतिबन्ध की अवधि में 5 वर्ष की वृद्धि अब पुनः 14 मई, 2019 से की गई है.

सुरक्षा परिषद् ने जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मसूद अजहर को वैश्विक आतंकी घोषित किया

अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर भारत को एक बड़ी कूटनीतिक सफलता मई 2019 में उस समय प्राप्त हुई जब सुरक्षा परिषद् ने जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख मसूद अजहर को अन्तर्राष्ट्रीय आतंकी (Global Terrorist) घोषित करते हुए उसका नाम ब्लैक लिस्ट में डाल दिया. भारत लम्बे समय से इसके लिए माँग कर रहा था, किन्तु चीन के विरोध के चलते इसके लिए सफलता प्राप्त नहीं हो पा रही थी. तीन बार तकनीकी बाधा उत्पन्न करने के पश्चात् इस बार चीन ने अपनी वीटो पॉवर का इस्तेमाल इस मामले में नहीं किया, जिससे 1 मई को सर्वसम्मति से उसे परिषद् की वैश्विक आतंकी सूची 1267 में शामिल कर लिया गया. इससे पूर्व सम्बन्धित समिति की 23 अप्रैल, 2019 की बैठक में भी चीन ने इसके लिए तकनीकी रुकावट पैदा की थी. मसूद को वैश्विक आतंकी घोषित करने के लिए सुरक्षा परिषद् में ताजा प्रस्ताव अमरीका, ब्रिटेन व फ्रांस द्वारा पुलवामा हमले के बाद लाया गया था. आतंकी घोषित किए जाने के बाद सभी देश मसूद के अपने यहाँ प्रवेश को रोक सकेंगे तथा उसे हथियारों की बिक्री भी नहीं की जा सकेगी. उसके व उसके आतंकी संगठन जैश के बैंक खाते भी सीज किए जाएंगे.

मौलाना मसूद अजहर

पुलवामा हमले की जिम्मेदारी लेने वाले जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख मसूद अजहर को आतंकी मामलों में लिप्तता के चलते 1994 में श्रीनगर में गिरफ्तार किया गया था, किन्तु 1999 के कंधार विमान अपहरण कांड के पश्चात् अपहृत विमान व उसके यात्रियों की रिहाई के बदले में उसे तथा दो अन्य आतंकियों को रिहा कर दिया गया था. जेल से छूटने के बाद ही जैश-ए-मोहम्मद का गठन मसूद अजहर ने किया था. दिसम्बर 2001 में भारतीय संसद पर हुए हमले में भी जैश-ए-मोहम्मद का हाथ था. इस मामले में मसूद को पाकिस्तान में गिरफ्तार भी किया गया था, किन्तु सुबूतों के अभाव में लाहौर उच्च न्यायालय ने उसकी रिहाई के आदेश दिए थे.

उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने भले ही मसूद अजहर को वैश्विक आंतकी घोषित कर दिया है किन्तु भारत अपनी ओर से अभी ऐसा नहीं कर सकता है. भारत किसी संगठन को ही आतंकी घोषित कर अपनी प्रतिबन्धित सूची में डाल सकता है, न कि किसी व्यक्ति को. किसी व्यक्ति को प्रतिबन्धित करने के लिए गैरकानूनी गतिविधि (निरोधक) अधिनियम Unlawful Activities (prevention) Act में संशोधन का प्रस्ताव सरकार के पास विचाराधीन है.

आसाराम बापू के पुत्र नारायण साईं को भी बलात्कार एवं दुष्कर्म के मामले में आजीवन कारावास की सजा

सूरत की एक सत्र अदालत ने स्वयंभू संत आसाराम के पुत्र नारायण साईं को भी बलात्कार एवं दुष्कर्म के मामले में आजीवन कारावास की सजा 30 अप्रैल, 2019 को सुनाई है. उनके विरुद्ध यह मामला 2013 में एक महिला, जो पहले उनकी अनुयायी थी, द्वारा दर्ज कराया गया था. पीड़िता की बड़ी बहन ने भी अलग से उनके पिता आसाराम के विरुद्ध यौन शोषण के आरोप लगाए थे. इस मामले में नारायण साईं को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा के अतिरिक्त ₹ 5 लाख का मुआवजा भी पीड़िता को देने का आदेश अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पी. एस. गढ़वी ने दिया. 47 वर्षीय नारायण साईं, जो दिसम्बर 2013 से ही सूरत में जेल में निरुद्ध हैं, के तीन सहयोगियों, जिनमें दो महिलाएं हैं, को भी 10-10 वर्ष की तथा एक अन्य अभियुक्त (ड्राइवर) को 6 माह के कारावास की सजाएं इस मामले में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने 30 अप्रैल को सुनाई हैं. इस मामले के कुल 11 आरोपियों में से 6 को अदालत ने बरी कर दिया.

नारायण साईं को सुनाई गई सजा पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनकी पत्नी जानकी उर्फ शिल्पी हरपलानी ने कहा कि नारायण को अपने कर्मों के लिए इससे कम सजा तो होनी भी नहीं थी. जानकी ने नारायण की एक अवैध संतान होने की बात भी बताई और कहा कि नारायण व आसाराम ने उन शिष्याओं से विश्वासघात किया जो उन्हे अपना गुरु एवं पिता मानती थीं. ज्ञातव्य है कि नारायण साईं के पिता स्वयंभू संत आसाराम बापू को भी अपने आश्रम के गुरुकुल की एक नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म के मामले में अंतिम साँस तक उम्र कैद की सजा जोधपुर की विशेष अदालत ने 25 अप्रैल, 2018 को सुनाई थी. आसाराम अगस्त 2013 से जोधपुर जेल में हैं.

चक्रवाती तूफान फैनी से ओडिशा में तबाही

चक्रवाती तूफान फैनी (Fani) ने ओडिशा के तटवर्ती इलाकों में भारी तबाही

मई के पहले सप्ताह में मचाई है. हिन्द महासागर में सुमात्रा के पश्चिम में उष्ण-कटबंधीय (Tropical) डिप्रैशन से निर्मित यह तूफान ओडिशा के तटीय क्षेत्रों से 3 मई को टकराया. एक्सट्रीमली सीवियर कैटेगरी 4 का रूप लेने के बाद यह कुछ शिथिल हो चुका था. इसके बावजूद विगत वर्षों में ओडिशा में तबाही मचाने वाला यह सबसे भीषण तूफान था. ओडिशा के अतिरिक्त आन्ध्र प्रदेश व प. बंगाल के तटीय इलाकों में भी क्षति इसने पहुँचाई, किन्तु इन राज्यों में इसका दबाव कम रहा. ओडिशा के तट पर टकराते हुए इसकी गति 175 किमी प्रति घण्टा तक दर्ज की गई. पूर्व आशंका के चलते सुरक्षा के व्यापक इंतजाम ओडिशा में किए गए थे तथा 13 तटीय जिलों में स्कूल-कॉलेज बन्द रखते हुए इन जिलों के 11 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचा दिया गया था. जोखिम वाले दिनों में 200 से अधिक रेलगाड़ियाँ निरस्त कर दी गई थीं. तेज हवाओं एवं वर्षा के कारण इस तूफान से 60 से अधिक मौतों की आशंका प्रारम्भिक अनुमानों में व्यक्त की गई है.

पीएसएलवी-सी46 के जरिए रिसैट-2बी का सफल प्रक्षेपण

अप्रैल 2019 में पीएसएलवी-सी 45 के जरिए एमिसैट (EMISAT) व 28 अन्य छोटे 28 उपग्रहों के सफल प्रक्षेपण के पश्चात् 'इसरो' (ISRO) द्वारा अब एक **रडार इमेजिंग अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट** (RISAT-2 B) का प्रक्षेपण 22 मई, 2019 को किया गया. यह प्रक्षेपण श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अन्तरिक्ष केन्द्र से ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (Polar Satellite Launch Vehicle)—पीएसएलवी-सी 46 के जरिए किया गया. श्रीहरिकोटा से उड़ान भरने के 15 मिनट पश्चात् 615 किग्रा वजन के रिसैट-2 बी को 556 किमी ऊँची कक्षा में पीएसएलबी-सी 46 ने स्थापित कर दिया.

रिसैट-2 बी अन्तरिक्ष में भारत के लिए आँख के रूप में कार्य करेगा. भारत के कृषि एवं वानिकी आदि क्षेत्रों के अध्ययन में सहायता पहुँचाने के साथ-साथ विभिन्न आपदा राहत अभियानों के लिए भी यह सहायक होगा. इससे भारतीय सुरक्षा बलों को अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर निगरानी रखने में मदद मिलेगी. पाक अधिकृत कश्मीर (POK) में आतंकी शिविरों की गतिविधियों पर नजर रखने में भी यह सहायक होगा. रिसैट-2 बी रिसैट शृंखला का तीसरा उपग्रह है. इस शृंखला के पहले उपग्रह रिसैट–II (RISAT-II) का प्रक्षेपण अप्रैल 2009 में तथा रिसैट–I का प्रक्षेपण अप्रैल 2012 में किया गया था. नवम्बर 2008 में मुम्बई में हुए आतंकी हमले के परिप्रेक्ष्य में रिसैट–II का प्रक्षेपण रिसैट–I से पहले ही 2009 में कर दिया गया था.

जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश प्रतिबन्धित संगठनों की सूची में शामिल

भारत सरकार ने प. बंगाल में बर्दवान में 2014 में तथा बिहार में बोधगया में 2018 में हुए बम विस्फोटों के लिए जिम्मेदार आतंकी संगठन जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्ला देश (JMB) व भारत में सक्रिय इसकी इकाइयों पर प्रतिबन्ध मई 2019 में आरोपित किया है. बांग्लादेश में पहले से ही प्रतिबन्धित इसकी इकाइयाँ जमात-उल-मुजाहिदीन भारत व जमात-उल-मुजाहिदीन हिन्दुस्तान नाम से भी भारत में सक्रिय हैं. इन्हे गैर-कानूनी गतिविधियाँ (निरोधक) कानून [Unlawful Activities (Prevention) Act] के तहत् प्रतिबन्धित करने के लिए अधिसूचना गृह मंत्रालय द्वारा 24 मई, 2019 को जारी की गई, जिसमें कहा गया है कि यह संगठन आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देता है तथा तोड़फोड़ वाली गतिविधियों में संलिप्त है. यह भारत में युवाओं को भर्ती कर उनमें कट्टरता पैदा करता है तथा भारत की एकता व अखंडता के विरुद्ध उनका इस्तेमाल करता है. गृह मंत्रालय की विज्ञप्ति में बताया गया है कि प. बंगाल में बर्दवान व बिहार में बोध गया में हुए बम विस्फोटों के पीछे जेएमबी का हाथ होने के प्रमाण मिले हैं. इसके अतिरिक्त प. बंगाल के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी इसकी गतिविधियों के प्रमाण मिलने की बात भी गृह मंत्रालय की विज्ञप्ति में कही गई है.

जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश का गठन 1998 में हुआ था तथा ढाका के एक पॉश इलाके में एक रेस्टोरेंट में जुलाई 2016 में हुए आतंकी हमले में इस संगठन का ही हाथ बताया गया था.

नई शिक्षा नीति का मसौदा सरकार को प्रस्तुत

नई प्रस्तावित राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मसौदा डॉ. के. कस्तूरी रंगन की अध्यक्षता वाली समिति ने नए केन्द्रीय मानव संसाधन मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक को 31 मई, 2019 को प्रस्तुत किया है. मानव संसाधन राज्य मंत्री संजय शामराव धोत्रे व शिक्षा विभागों के उच्चाधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे. शिक्षा के क्षेत्र में अनेक परिवर्तनों एवं सुधारों की संस्तुति इस रिपोर्ट में की गई है. पूर्व-स्नातक शिक्षा के पुनर्गठन, पूर्व-स्नातक पाठ्यक्रम को 4 वर्षीय करने, उच्च शिक्षण संस्थानों के तीन विभिन्न मानकों के आधार पर वर्गीकरण

Admission Open
ENGINEERS ACADEMY
SAKET, NEW DELHI
ESE+GATE : 2020
3rd June 2019
JE (SSC & RRB)
3rd June 2019
ENGINEERS ACADEMY
JAIPUR
ESE+GATE : 2020
1st June 2019
JE (SSC & RRB)
3rd June 2019
Online Test Series
◈ RRB-JE (CBT-1 & CBT-2)
◈ SSC-JE 2019
◈ GATE 2020
buy from
www.onlineengineersacademy.org
Postal Study Course
◈ RRB-JE (CBT-1 & CBT-2)
◈ SSC-JE 2019
◈ GATE 2020-21
◈ ESE + GATE 2020-21
buy from
www.eapublications.org
ENGINEERS ACADEMY
Your GATEway to Professional Excellence
IES • GATE • PSUs • JTO • IAS • NET
JAIPUR +91-809 444 1 777
S-52-53, Mahaveer Nagar, Behind Jaipur Hospital, Gopalpura, Tonk Road, Jaipur - 302018 (Raj.)
SAKET CENTER Tel # 0723 999 3 777
JAIPUR CENTER Tel # 0809 444 1 999
LUCKNOW CENTER Tel # 081 888 41 777
BHILWARA CENTER Tel # 09351 770 644
DELHI CENTER Tel # 0723 999 2 777
KANPUR CENTER Tel # 0723 999 2222
KOTA CENTER Tel # 082902 56340
PATNA CENTER Tel # 0843 444 1 777
LUDHIANA CENTER Tel # 090562 76701
JODHPUR CENTER Tel # 76655 06 888
JALANDHAR CENTER Tel # 07589 44 1 777
AJMER CENTER Tel # 097994 94491
ALLAHABAD CENTER Tel # 0723 999 1 444
LPU CAMPUS CENTER Tel # 09465 22 00 33
AGRA CENTER Tel # 0723 999 3 555
RANCHI CENTER Tel # 0723 999 0 222
www.engineersacademy.org

चार नए न्यायाधीशों की नियुक्ति से सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों का कोई पद अब रिक्त नहीं

(11 वर्ष के अंतराल के पश्चात् शीर्ष न्यायालय में न्यायाधीशों के सभी पद भरे)

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम की संस्तुति पर सर्वोच्च न्यायालय में चार नए न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा मई 2019 में की गई है. न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस, न्यायमूर्ति ए. एस. बोपन्ना, न्यायमूर्ति बी. आर. गवई व न्यायमूर्ति सूर्यकांत इनमें शामिल हैं. इन नियुक्तियों से पूर्व न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस झारखण्ड उच्च न्यायालय में, न्यायमूर्ति ए. एस. बोपन्ना गुवाहाटी उच्च न्यायालय में तथा न्यायमूर्ति सूर्यकांत हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश थे.

- *न्यायमूर्ति बी. आर. गवई बम्बई उच्च न्यायालय में न्यायाधीश थे.*
- *सर्वोच्च न्यायालय में नवनियुक्त इन न्यायाधीशों को मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रंजन गोगोई ने 24 मई को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई. इनके शपथ ग्रहण के साथ ही सर्वोच्च न्यायालय में कार्यरत् न्यायाधीशों की कुल संख्या (मुख्य न्यायाधीश सहित) अब 31 हो गई है, जोकि इस शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों की अधिकतम अनुमन्य संख्या है.*
- *11 वर्ष के अंतराल के पश्चात् ऐसी स्थिति बनी है कि सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों के सभी पद भरे हुए हैं. यह स्थिति फिलहाल 27 अगस्त, 2019 तक, जब न्यायमूर्ति ए. एम. सप्रे सेवानिवृत्त होंगे, रहेगी.*
- *नए नियुक्त किए गए चार न्यायाधीशों में से दो न्यायमूर्ति बी. आर. गवई व न्यायमूर्ति सूर्यकांत की शीर्ष अदालत में नियुक्ति के लिए कॉलेजियम ने मूलतः अप्रैल 2019 में भी संस्तुति की थी, किन्तु केन्द्र ने उस समय उसे वापस लौटा दिया था. केन्द्र की आपत्तियों को दरकिनार करते हुए कॉलेजियम ने इनके नामों की पुनः संस्तुति मई 2019 में की.*

सर्वोच्च न्यायालय में कार्यरत् सभी 31 न्यायाधीशों की सूची

(मई 2019 के अंत की स्थिति)

क्रमांक	न्यायाधीश	सर्वोच्च न्यायालय में कार्यकाल
1.	न्यायमूर्ति रंजन गोगोई (मुख्य न्यायाधीश)	23 अप्रैल, 2012 से 17 नवम्बर, 2019
2.	न्यायमूर्ति शरद अरविंद बोबडे	12 अप्रैल, 2013 से 23 अप्रैल, 2021
3.	न्यायमूर्ति एन. वी. रमन्ना	17 फरवरी, 2014 से 26 अगस्त, 2022
4.	न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा	07 जुलाई 2014 से 02 सितम्बर, 2020
5.	न्यायमूर्ति आर. एफ. नरीमन	7 जुलाई, 2014 से 12 अगस्त, 2021
6.	न्यायमूर्ति अभय मनोहर सप्रे	13 अगस्त, 2014 से 27 अगस्त, 2019
7.	न्यायमूर्ति श्रीमती आर. भानुमति	13 अगस्त, 2014 से 19 जुलाई, 2020
8.	न्यायमूर्ति उदय उमेश ललित	13 अगस्त, 2014 से 8 नवम्बर, 2022
9.	न्यायमूर्ति ए. एम. खानविलकर	13 मई, 2016 से 29 जुलाई, 2022
10.	न्यायमूर्ति डी. वाई. चन्द्रचूड	13 मई, 2016 से 10 नवम्बर, 2024
11.	न्यायमूर्ति अशोक भूषण	13 मई, 2016 से 4 जुलाई, 2021
12.	न्यायमूर्ति एल. नागेश्वर राव	13 मई, 2016 से 7 जून, 2022
13.	न्यायमूर्ति संजय किशन कौल	17 फरवरी, 2017 से 25 दिसम्बर, 2023
14.	न्यायमूर्ति मोहन एम. शांतानगूदर	17 फरवरी, 2017 से 4 मई, 2023
15.	न्यायमूर्ति एस. अब्दुल नजीर	17 फरवरी, 2017 से 4 जनवरी, 2023
16.	न्यायमूर्ति नवीन सिन्हा	17 फरवरी, 2017 से 18 अगस्त, 2021
17.	न्यायमूर्ति दीपक गुप्ता	17 फरवरी, 2017 से 6 मई, 2020
18.	न्यायमूर्ति सुश्री इंदु मल्होत्रा	27 अप्रैल, 2018 से 13 मार्च, 2021
19.	न्यायमूर्ति सुश्री इंदिरा बनर्जी	7 अगस्त, 2018 से 23 सितम्बर, 2022
20.	न्यायमूर्ति विनीत सरन	7 अगस्त, 2018 से 10 मई, 2022
21.	न्यायमूर्ति के. एम. जोसेफ	7 अगस्त, 2018 से 16 जून, 2023
22.	न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता	2 नवम्बर, 2018 से 16 अक्टूबर, 2022
23.	न्यायमूर्ति आर. सुभाष रेड्डी	2 नवम्बर, 2018 से 4 जनवरी, 2022
24.	न्यायमूर्ति मुकेश कुमार रसिकभाई शाह	2 नवम्बर, 2018 से 15 मई, 2023
25.	न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी	2 नवम्बर, 2018 से 17 जून, 2023
26.	न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी	18 जनवरी, 2019 से 14 मई, 2023
27.	न्यायमूर्ति संजीव खन्ना	18 जनवरी, 2019 से 13 मई, 2025
28.	न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई	24 मई, 2019 से 23 नवम्बर, 2025
29.	न्यायमूर्ति सूर्यकांत	24 मई, 2019 से 9 फरवरी, 2027
30.	न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस	24 मई, 2019 से 10 अप्रैल, 2024
31.	न्यायमूर्ति ए. एस. बोपन्ना	24 मई, 2019 से 19 मई, 2024

करने, विश्व के शीर्ष 200 संस्थानों के कैम्पस भारत में स्थापित करने, यूजीसी को भंग कर हायर एज्यूकेशन कमीशन की स्थापना करने, सभी प्रवेश परीक्षाएं नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के माध्यम से कराने, कम्प्यूटर आधारित शिक्षा पर बल देने आदि के सुझाव रिपोर्ट में दिए गए हैं. मानव संसाधन मंत्रालय का नाम बदल कर शिक्षा मंत्रालय करने का सुझाव भी इसमें शामिल है. लगभग 500 पृष्ठों की रिपोर्ट सार्वजनिक करते हुए आम जनता व सभी सम्बन्धित पक्षों के इस पर सुझाव 30 दिन के भीतर आमन्त्रित किए गए हैं इनके साथ-साथ राज्य सरकारों के साथ भी विचार विमर्श इस पर किया जाएगा जिसके पश्चात् इस नीति को अन्तिम रूप दिया जाएगा.

संक्षिप्तकी

आकाश मिसाइल के उन्नत संस्करण के परीक्षण

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने सतह से आकाश में मार करने वाली आकाश मिसाइल के उन्नत संस्करण के दो परीक्षण क्रमशः 25 व 27 मई, 2019 को किए. ओडिशा में बालासोर के तट के निकट किए. जमीन से 25 किमी की दूरी तक मार करने में सक्षम इस मिसाइल को भारतीय थल सेना में मई 2015 में तथा वायुसेना में जुलाई 2015 में ही शामिल किया जा चुका है. इस मिसाइल की संचालनात्मक कमियों का उल्लेख 'कैग' (CAG) की 2017 की रिपोर्ट में होने से यह काफी विवादित हो गई थी. बाद में इसके उन्नत संस्करणों का विकास डीआरडीओ द्वारा किया गया है.

सुखोई विमान से गाइडेड बम का सफल परीक्षण

रक्षा अनुसन्धान एवं विकास संगठन (DRDO) ने 500 किग्रा श्रेणी के एक गाइडेड बम का सुखोई विमान से सफल परीक्षण 24 मई, 2019 को किया. राजस्थान के पोखरण रेंज से किया गया यह परीक्षण अपने मिशन में पूर्णतः कामयाब रहा.

●●●

मोदी लहर के चलते 17वीं लोक सभा में एनडीए को भारी बहुमत : लगातार दूसरे कार्यकाल हेतु नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने

17वीं लोक सभा के लिए 11 अप्रैल-19 मई, 2019 के दौरान सात चरणों में सम्पन्न

नरेन्द्र मोदी एवं अमित शाह

चुनावों में ऐतिहासिक विजय भाजपा ने दर्ज की है. प्रचंड मोदी लहर के चलते पिछले 2014 के चुनावों से भी अधिक सफलता भारतीय जनता पार्टी ने इस बार प्राप्त की है, जिससे पाँच वर्ष के लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए सत्ता की बागडोर श्री नरेन्द्र मोदी ने सँभाली है. 10 राज्यों/केन्द्रशासित क्षेत्रों में क्लीन स्वीप करते हुए अकेले अपने ही दम पर 303 सीटें भाजपा ने इस चुनाव में प्राप्त की हैं, जबकि सहयोगी दलों के साथ राष्ट्रीय जनतान्त्रिक गठबंधन (NDA) गठबन्धन की सीटों की संख्या 355 रही हैं. भाजपा के राष्ट्रवाद की लहर में डूबे मतदाताओं ने जातिवाद, परिवारवाद व तुष्टीकरण की राजनीति को इस चुनाव में ध्वस्त किया है. केन्द्र में सर्वाधिक समय तक सत्तारूढ़ रही कांग्रेस को लगातार दूसरी बार करारी पराजय का सामना इस चुनाव में करना पड़ा है. **देश की इस सबसे पुरानी पार्टी को 52 सीटें ही इस चुनाव में प्राप्त हो सकीं, जिससे इस बार भी 'विपक्ष के नेता' (Leader of the Opposition) का दर्जा लोक सभा में इसके नेता को प्राप्त नहीं हो सकेगा.** सहयोगी दलों के साथ कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त प्रगतिशील गठबन्धन (UPA) की सीटों की संख्या 91 ही रही है, जबकि 96 सीटें अन्य दलों व उनके गठबन्धनों को इस बार मिली हैं. इससे पूर्व 2014 के चुनाव में एनडीए की सीटों की संख्या 337 (बीजेपी 282) तथा कांग्रेस की 44 थी. 17 राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों में कांग्रेस का सफाया इस चुनाव में हुआ है. पार्टी अध्यक्ष श्री राहुल गांधी स्वयं अपनी परम्परागत अमेठी सीट से भाजपा की स्मृति ईरानी से 46 हजार से अधिक मतों से पराजित हुए हैं (राहुल गांधी केरल की वायनाड सीट से 4·31 लाख मतों के अन्तर से निर्वाचित हुए हैं).

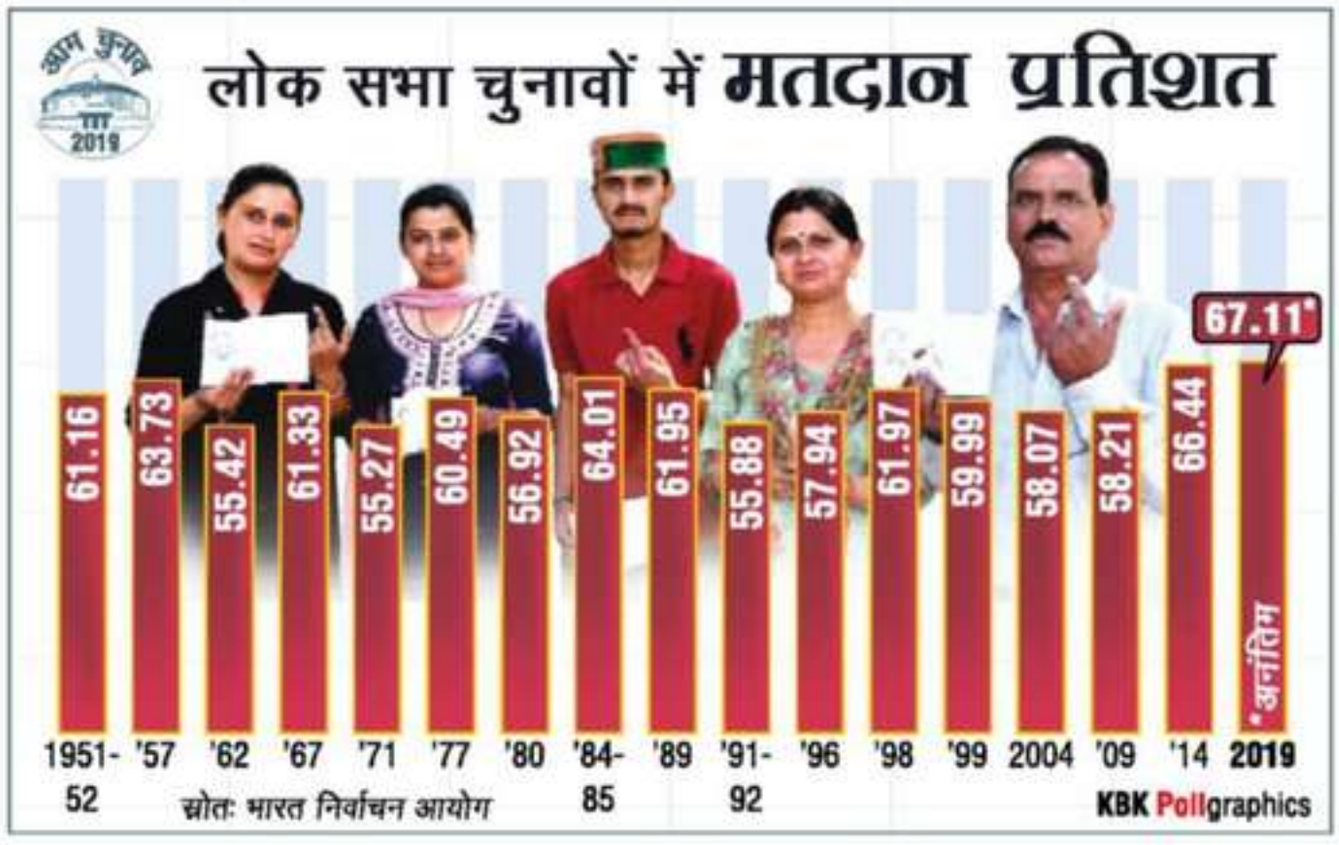

- *अन्य दलों में मुख्यतः सपा, बसपा व राष्ट्रीय लोक दल का महागठबन्धन अपने उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर सका. उत्तर प्रदेश में भारी धक्का लगा है. उत्तर प्रदेश की 80 सीटों में से 15 सीटें ही महागठबन्धन को प्राप्त हुई हैं, जिनमें 5 सीटें सपा की व 10 बसपा की हैं. महागठबन्धन के तीसरे घटक राष्ट्रीय लोक दल को एक भी सीट इस चुनाव में नहीं मिली है.*

लोक सभा की 543 चुनावी सीटों में से 542 के लिए ही मतदान 11 अप्रैल-19 मई, 2019 को 7 चरणों में सम्पन्न हुआ (तमिलनाडु की वेल्लौर सीट के लिए मतदान स्थगित कर दिया गया था). सभी सीटों के लिए मतगणना 23 मई को सम्पन्न हुई तथा उसी दिन सभी परिणाम घोषित हो गए थे. 90 करोड़ से अधिक मतदाता इस चुनाव में मतदान के लिए पात्र थे, जिनमें से रिकॉर्ड 67·11 प्रतिशत ने अपने मताधिकार का उपयोग चुनाव में किया.

- *भारतीय जनता पार्टी की 303 व कांग्रेस की 52 सीटों के पश्चात् 23 सीटें डीएमके को, 22-22 तृणमूल कांग्रेस व वाईएसआर कांग्रेस को, 18 सीटें शिवसेना को, 16 जनता दल (यूनाइटेड) को, 12 बीजू जनता दल को, 10 बहुजन समाज पार्टी को, 9 तेलंगाना राष्ट्र समिति को, 6 लोक जनशक्ति पार्टी को, 5-5 सीटें राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी व समाजवादी पार्टी को इस चुनाव में प्राप्त हुईं.*

17वीं लोक सभा हेतु विभिन्न दलों द्वारा जीती गई सीटों की संख्या अग्रलिखित तालिका में दर्शाई गई है—

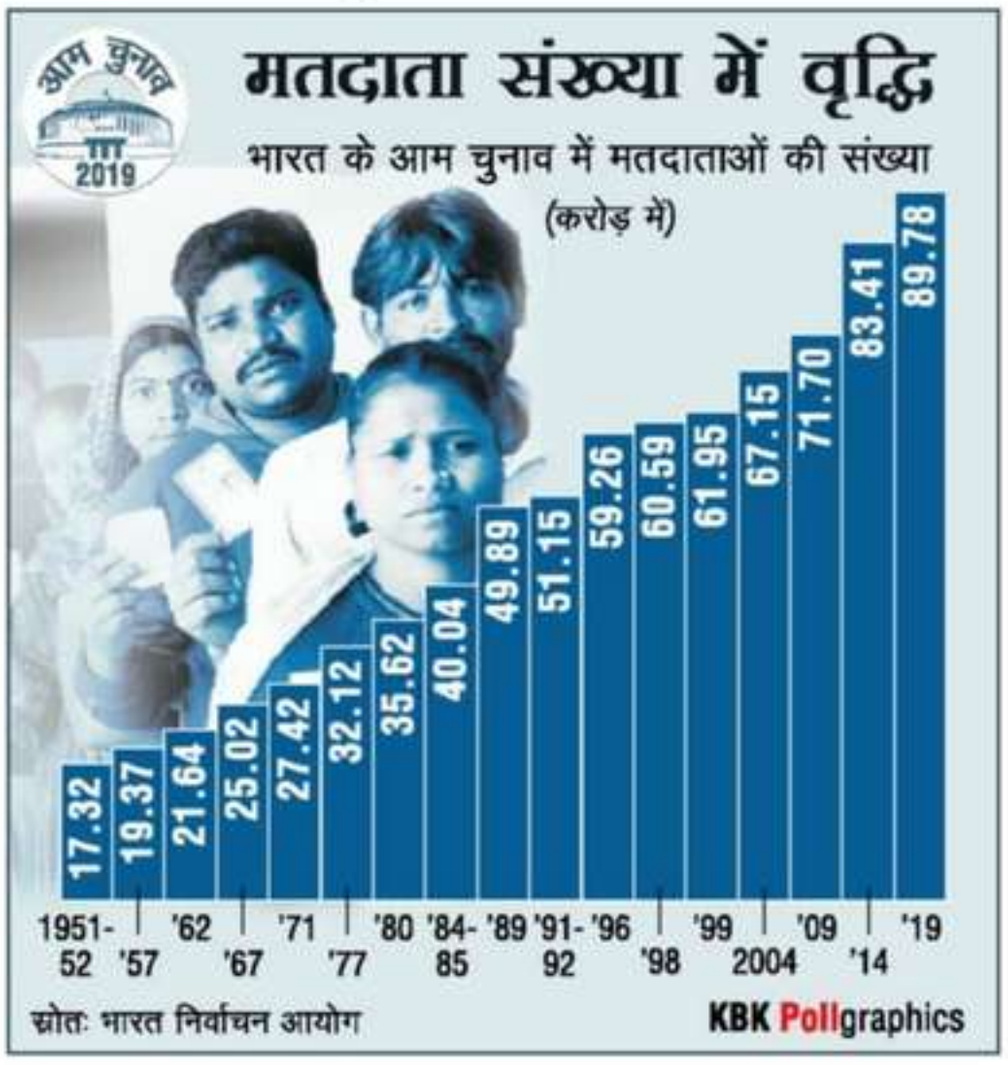

एनडीए 355 जिसमें–	सीटों की संख्या	अन्तर (2014 से)
भारतीय जनता पार्टी	303	+ 21
शिवसेना	18	—
जनता दल (यू)	16	+ 14
लोक जनशक्ति पार्टी	6	—
अपना दल (सोने लाल)	2	—
शिरोमणि अकाली दल	2	– 2
ऑल इण्डिया द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (AIDMK)	1	– 36
ऑल झारखण्ड स्टूडेंट्स यूनियन पार्टी	1	+ 1
नेशनल डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी	1	+ 1
राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी	1	—
नेशनल पीपुल्स पार्टी	1	+ 1
सिक्किम क्रान्तिकारी मोर्चा	1	+ 1
मिजो नेशनल फ्रंट	1	+ 1
निर्दलीय	1	+ 1
यूपीए 91		
जिसमें–		
कांग्रेस	52	+ 8
डीएमके	23	+ 23
राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी	5	– 1
इण्डियन यूनियन मुस्लिम लीग	3	+ 1
नेशनल कांफ्रेंस	3	+ 3
जनता दल (एस)	1	– 1
झारखण्ड मुक्ति मोर्चा	1	– 1
केरल कांग्रेस (एम)	1	—
रिवॉल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी	1	—
विदुथलाई चिरुथाइगल काटची	1	+ 1
अन्य 96		
महागठबंधन 15		
बहुजन समाज पार्टी	10	+ 10
समाजवादी पार्टी	5	—
फेडरल फ्रंट		
ऑल इण्डिया तृणमूल कांग्रेस	22	– 14
वाईएसआर कांग्रेस पार्टी	22	+ 13
ऑल इण्डिया मजलिस-ए-इत्तिहादुल मुस्लिमीन	2	+ 1
बीजू जनता दल	12	+ 8
तेलंगाना राष्ट्र समिति	9	
वाम मोर्चा		
माकपा	3	– 6
भाकपा	2	+ 1
अन्य दल		
तेलुगूदेशम पार्टी	3	– 13
आम आदमी पार्टी	1	– 3
ऑल इण्डिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट	1	– 2
नगा पीपुल्स फ्रंट	1	– 2
निर्दलीय	3	—
कुल	**542**	

इस चुनाव में विजयी रहे उम्मीदवारों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी (भाजपा, वाराणसी से 4·79 लाख मतांतर से विजयी), स्मृति ईरानी (भाजपा, अमेठी से 46·5 हजार मतों से विजयी), अमित शाह (भाजपा, गांधी नगर 5·56 लाख मतों से विजयी), प्रज्ञा ठाकुर (भाजपा, भोपाल) फारुख अब्दुल्ला (नेशनल कांफ्रेंस, श्रीनगर), दयानिधि मारन (डीएमके, चेन्नई), सोनिया गांधी (कांग्रेस, रायबरेली) सुखवीर सिंह बादल (शिरोमणि अकाली दल, फिरोजपुर), वरुण गांधी (भाजपा, पीलीभीत), सनी दियोल (भाजपा, गुरदासपुर), राजनाथ सिंह (भाजपा, लखनऊ), नितिन गडकरी (भाजपा, नागपुर), शशि थरूर (कांग्रेस, श्रीअनंतपुरम), राहुल गांधी (कांग्रेस, बायनाड से 4·31 लाख मतों से विजयी), अखिलेश यादव (सपा, आजमगढ़), गौतम गम्भीर (भाजपा, पूर्वी दिल्ली), मेनका गांधी (भाजपा, सुल्तानपुर), मुलायम सिंह यादव (सपा, मैनपुरी), किरण खेर (भाजपा, चण्डीगढ़), हेमा मालिनी (भाजपा, मथुरा) व आजम खान (सपा, रामपुर) आदि शामिल हैं, जबकि पराजित हुए उम्मीदवारों में राहुल गांधी (कांग्रेस, अमेठी), पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवगौड़ा (जनता दल–एस. टुमकुर कर्नाटक), ज्योतिरादित्य सिंधिया (कांग्रेस, गुना), दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित (कांग्रेस, दिल्ली), मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह (कांग्रेस, भोपाल), जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती (पीडीपी अनंतनाग), मुनमुन सेन (तृणमूल, आसनसोल), शत्रुघ्न सिन्हा (कांग्रेस, पटना साहिब), उनकी पत्नी पूनम शत्रुघ्न सिन्हा (सपा, लखनऊ), जयप्रदा (भाजपा, रामपुर), अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव (सपा, कन्नौज), मुलायम सिंह यादव के भाई शिवपाल यादव (प्रगतिशील समाजवादी पार्टी, फिरोजाबाद), मल्लिकार्जुन खड़गे (कांग्रेस, गुलबर्ग), उर्मिला मातोंडकर (कांग्रेस, मुम्बई नॉर्थ), शरद यादव (राजद, मधेपुरा), लालू प्रसाद यादव की पुत्री मीसा भारती (राजद, पाटलिपुत्र), शिबू सोरेन (झामुमो, टुमका), उत्तराखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत (कांग्रेस, नैनीताल), लोक सभा की पूर्व स्पीकर मीरा कुमार (कांग्रेस, सासाराम), पूर्व क्रिकेटर कीर्ति झा आजाद (कांग्रेस, धनबाद), चौधरी अजित सिंह (राष्ट्रीय लोकदल प्रमुख, मुजफ्फर नगर) व उनके पुत्र जयंत चौधरी (रालोद, बागपत) तथा प्रिया दत्त (कांग्रेस, मुम्बई नॉर्थ) आदि शामिल हैं.

चुनाव में मिली इस सफलता के पश्चात् देश-विदेश से बधाइयाँ श्री मोदी को मिली हैं. उनकी भारी जीत का स्वागत करते हुए उन्हें इसके लिए फोन पर अथवा ट्वीट कर सर्वप्रथम बधाई देने वालों में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, फ्रांस के राष्ट्रपति एमैन्युएल मैक्राँ, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेत्यानाहू, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग, जापानी प्रधानमंत्री शिंजो एबे, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन, ब्रिटिश प्रधानमंत्री थेरेसा मे, जर्मन चांसलर एंजेला मार्केल, सऊदी अरब के शाह सलमान, यूएई के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन जायेद, अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी, श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे, भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना, मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह, सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सीन लूंग आदि शामिल हैं. अन्य वैश्विक नेताओं से भी बधाई सन्देश श्री मोदी को इस विजय के लिए प्राप्त हुए हैं.

चुनाव के इन परिणामों के चलते नई सरकार के गठन के लिए मार्ग प्रशस्त करने के लिए श्री मोदी ने 16वीं लोक सभा भंग करने की संस्तुति के साथ अपना व अपनी मंत्रिपरिषद् का त्यागपत्र राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद को 24 मई को प्रस्तुत कर दिया. नई व्यवस्था होने तक उन्हें इस पद पर बने रहने के निर्देश राष्ट्रपति ने दिए थे भाजपा के साथ-साथ राष्ट्रीय जनतान्त्रिक गठबंधन (NDA) के नवनिर्वाचित सांसदों की 25 मई, 2019 की बैठक में सर्वसम्मति से नेता चुने जाने के पश्चात् नई सरकार के गठन के लिए दावा राष्ट्रपति के समक्ष उसी शाम प्रस्तुत किया गया, जिसे मंजूर करते हुए राष्ट्रपति ने शपथ ग्रहण हेतु श्री मोदी को आमंत्रित किया. **प्रधानमंत्री के रूप में लगातार दूसरे कार्यकाल हेतु श्री मोदी ने शपथ 30 मई, 2019 को ग्रहण की है. राष्ट्रपति भवन में सायं 7:30 बजे आयोजित इस शपथ ग्रहण समारोह में देश-विदेश की अनेक हस्तियों को आमंत्रित किया गया था. पड़ोसी पहले (Neighbours First) की नीति का अनुसरण करते हुए इस बार 'बिम्सटेक' (BIMSTEC) देशों को विशेष रूप से शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया गया था (पाँच वर्ष पूर्व श्री मोदी के पहले शपथ ग्रहण समारोह में दक्षेस राष्ट्र आमंत्रित किए गए थे).** मॉरिशस के राष्ट्रपति भी इस बार समारोह में आमंत्रित किए गए थे. शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के अध्यक्ष होने के नाते किर्गिस्तान के राष्ट्रपति को भी निमन्त्रण दिया गया था. इस नाते बांग्ला-देश के राष्ट्रपति अब्दुल हमीद, श्रीलंका के राष्ट्रपति मैत्रीपाल सिरिसेना, नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली, म्यांमार के राष्ट्रपति बिन मिंट व भूटान के प्रधानमंत्री लोटे त्शेरिंग, मॉरिशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ व किर्गिस्तान के राष्ट्रपति सूरोनबे जीनबेकोव (Sooronbay Teenbe-kov) तथा लगभग 6 दर्जन देशों के राजदूत/उच्चायुक्त शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित थे. थाईलैण्ड का प्रतिनिधिमण्डल वहाँ की सरकार के विशेष दूत ने किया. स्वदेशी हस्तियों में अधिकांश राज्यों के मुख्यमंत्रियों के अतिरिक्त विभिन्न क्षेत्रों में ख्यातिप्राप्त जानी मानी हस्तियाँ शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित थीं)

प्रमुख राज्यों में दलगत स्थिति 2019

उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश से लोक सभा की सीटों की संख्या सर्वाधिक (80) है. इनमें से 62 सीटों पर विजय भाजपा ने प्राप्त की है, जबकि सपा-बसपा-रालोद के महा-गठबंधन की सीटों की संख्या 15 (सपा 5, बसपा 10) ही रही है. कांग्रेस ने केवल 2 सीटें उत्तर प्रदेश में जीती हैं. इससे पूर्व 2014 के चुनाव में भाजपा की सीटों की संख्या 73 तथा महागठबंधन वाली पार्टियों की 5 तथा कांग्रेस की 2 ही थी.

बिहार

बिहार से लोक सभा की 40 सीटों में से 39 सीटें एनडीए के खाते में गई हैं, जबकि 1 सीट कांग्रेस को प्राप्त हुई है. एनडीए की 39 सीटों में भाजपा की 17, जनता दल (यू) की 16 तथा लोक जनशक्ति पार्टी की 6 सीटें शामिल हैं. (पिछले 2014 के चुनाव में एनडीए की सीटों की संख्या 31 थी). ताजा 2019 के चुनाव में लालू प्रसाद यादव के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनता दल का सफाया हो गया है.

मध्य प्रदेश

मध्य प्रदेश, जहाँ 6 माह पूर्व ही विधान सभाई चुनाव में पराजय का मुँह भाजपा को देखना पड़ा था, में जबर्दस्त वापसी भाजपा ने ताजा चुनाव में की है तथा प्रदेश से लोक सभा की 29 सीटों में से 28 पर विजय भाजपा ने दर्ज की है तथा केवल एक सीट ही कांग्रेस को वहाँ प्राप्त हुई है. कांग्रेस के लिए यह सीट (छिंदवाड़ा) मुख्यमंत्री कमलनाथ के पुत्र ने जीती है. इससे पूर्व 2014 के चुनाव में प्रदेश में भाजपा की सीटों की संख्या 27 थी.

राजस्थान

राजस्थान में भी 6 माह पूर्व ही विधान सभाई चुनाव में पराजय का सामना भाजपा ने किया था, जिसके चलते कांग्रेस सरकार का गठन वहाँ हुआ था. ताजा लोक सभाई चुनाव में सभी 25 सीटें जीतकर लगातार दूसरी बार क्लीन स्वीप भाजपा ने राजस्थान में किया है. इससे पूर्व 2014 के लोक सभा चुनाव में भी राज्य की सभी 25 सीटें भाजपा ने ही जीती थीं.

छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ में भी छह माह पूर्व विधान सभा चुनाव हारने वाले भाजपा ने इस बार लोक सभा चुनाव में 11 में से 9 सीटों पर विजय दर्ज की है, जबकि 2 सीटें कांग्रेस के खाते में गई हैं. 2014 के लोक सभा चुनाव में 10 सीटों पर भाजपा व 1 पर कांग्रेस विजयी रही थी.

तमिलनाडु

तमिलनाडु में 39 लोक सभाई सीटों में से 38 सीटों पर ही मतदान हुआ था. इनमें 31 सीटें कांग्रेस–डीएमके गठबंधन को मिली हैं (इनमें 8 सीटें कांग्रेस की व 23 डीएमके की हैं). प्रदेश में सत्तारूढ़ अन्नाद्रमुक को 1 सीट पर ही विजय प्राप्त हुई है, जबकि उसके सहयोगी दल भाजपा को एक भी सीट वहाँ नहीं मिली है. इस राज्य से लोक सभा की चार सीटें वाम दलों के हिस्से में गई हैं (2 माकपा + 2 भाकपा), जबकि एक-एक सीट मुस्लिम लीग व विदुथलाई चिरुथाइगल काटची (दोनों यूपीए) को मिली हैं.

कर्नाटक

कर्नाटक, जहाँ कांग्रेस के समर्थन से जनता दल (एस) सत्ता में है, में कांग्रेस की लोक सभाई सीटों की संख्या 9 से घटकर 1 ही इस बार रह गई है, जबकि भाजपा की सीटें 17 से बढ़कर 25 हुई हैं. पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवगौड़ा, जिनके पुत्र एच.डी. कुमार स्वामी मुख्यमंत्री हैं, को लोक सभा की केवल एक सीट पर ही विजय इस चुनाव में प्राप्त हुई है. देवगौड़ा स्वयं इस चुनाव में पराजित हुए हैं.

उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड में लोक सभा की सभी 5 सीटें जीतकर भाजपा ने क्लीन स्वीप किया है. 2014 के चुनाव में भी इस राज्य की सभी 5 सीटें भाजपा के खाते में थीं.

झारखण्ड

झारखण्ड से लोक सभा की 14 सीटों में से 12 भाजपा को (सहयोगी पार्टी ऑल झारखण्ड स्टूडेंट्स यूनियन की एक सीट सहित) जहाँ प्राप्त हुई हैं, वहीं 1-1 सीट कांग्रेस व झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के खाते में गई है. 2014 के चुनाव में भाजपा की सीटों की संख्या 12 तथा झामुमो की 2 थी.

दिल्ली

2014 का इतिहास दोहराते हुए भाजपा ने एक बार पुन: क्लीन स्वीप दिल्ली में किया है तथा सभी सात सीटों पर विजय इसने प्राप्त की है. उससे पूर्व 2009 के चुनाव में दिल्ली की सभी सात सीटें कांग्रेस ने जीती थीं.

हरियाणा

विपक्ष का पूर्ण सफाया करते हुए हरियाणा से लोक सभा की सभी 10 सीटें भाजपा ने ताजा चुनाव में जीती हैं. इससे पूर्व 2014 के चुनाव में 7 सीटें भाजपा ने, 1 कांग्रेस ने तथा 2 सीटें इण्डियन नेशनल लोकदल ने जीती थीं. चौटाला परिवार के अंदरूनी झगड़े में दो फाड़ हुई. इण्डियन नेशनल लोक दल के दोनों घटकों में से किसी को भी कोई सीट इस चुनाव में प्राप्त नहीं हुई है.

गुजरात

2014 की तरह इस बार के चुनाव में भी भाजपा ने गुजरात की सभी 26 सीटें जीतकर राज्य में क्लीन स्वीप किया है.

भाजपा की चुनावी यात्रा

भारतीय जनता पार्टी का गठन मूलत: जनसंघ नाम से अक्टूबर 1951 में हुआ था तथा 1977–1980 के दौरान यह जनता पार्टी में शामिल रही थी. बाद में 1980 में जनता पार्टी के विघटन के बाद जनसंघ का ही भारतीय जनता पार्टी नाम से पुनर्गठन हुआ था. विभिन्न लोक सभाई चुनावों में इस दल द्वारा जीती गई सीटों की संख्या निम्नलिखित तालिका में दर्शाई गई है–

वर्ष	लोक सभा	सीटों की संख्या
1952	I	3
1957	II	4
1962	III	14
1967	IV	35
1971	V	22
1977	VI	295 (जनता पार्टी की कुल सीटें)
1980	VII	31 भारतीय जनता पार्टी
1984	VIII	2
1989	IX	85
1991	X	120
1996	XI	161
1998	XII	182
1999	XIII	182
2004	XIV	138
2009	XV	116
2014	XVI	282
2019	XVII	303

पंजाब

मोदी लहर के बीच कांग्रेस ने पंजाब में अपनी स्थिति मजबूत बनाए रखी है तथा पहले से भी अधिक सीटें इस चुनाव में प्राप्त की हैं, जबकि आम आदमी पार्टी (AAP) की स्थिति खराब हुई है. 2014 के चुनाव में कांग्रेस को 3, भाजपा के एनडीए को 6 (भाजपा की 2 व शिरोमणि अकाली दल की 4 सीटों सहित) तथा 'आप' को 4 सीटें प्राप्त हुई थीं. इस चुनाव में एनडीए की सीटों की संख्या घटकर 4 (भाजपा 2, शिरोमणि अकाली दल 2) तथा आम आदमी पार्टी की 1 जहाँ रह गई है, कांग्रेस की सीटों की संख्या 8 हो गई है.

महाराष्ट्र

लोक सभाई सीटों की दृष्टि से उत्तर प्रदेश के पश्चात् दूसरे सर्वाधिक सीटों वाले राज्य महाराष्ट्र में भी मोदी लहर हावी रही है. 48 सीटों में से 23 भाजपा को व 18 उसकी सहयोगी शिवसेना को प्राप्त हुई हैं. 4 सीटें राष्ट्रवादी कांग्रेस को व 1 सीट कांग्रेस को इस चुनाव में प्राप्त हुई है. पिछले 2014 के चुनाव में भाजपा की सीटों की संख्या 23 ही थी, जबकि शिवसेना को 18, कांग्रेस को 2 तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को 4 सीटें प्राप्त हुई थीं.

आंध्र प्रदेश

निवर्तमान मुख्यमंत्री चन्द्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली तेलुगूदेशम पार्टी (TDP) को करारी पराजय का सामना आंध्र प्रदेश में करना पड़ा है. न केवल विधान सभा में सत्ता टीडीपी ने खोई है, बल्कि लोक सभा की 25 में से 3 सीटें ही इसके खाते में आई हैं. शेष सभी 22 सीटें जगनमोहन रेड्डी रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआर कांग्रेस ने जीती हैं. पिछले 2014 के चुनाव में तेलुगूदेशम की सीटों की संख्या 15 रही थी.

तेलंगाना

तेलंगाना से लोक सभा की 17 सीटों में से 4 सीटें भाजपा को व 3 कांग्रेस को प्राप्त हुई हैं, जबकि मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव की तेलंगाना राष्ट्र समिति ने 9 सीटों पर जिवय प्राप्त की है. इस प्रकार कांग्रेस व भाजपा की सीटों में 2-2 की वृद्धि जहाँ हुई हैं, टीआरएस की 2 सीटें घट गई हैं.

केरल

कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के वायनाड से चुनाव लड़ने के फैसले से कांग्रेस लहर राज्य में व्याप्त हुई तथा लोक सभा की 20 में से 19 सीटों कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ को प्राप्त हुई, जबकि माकपा के नेतृत्व वाले एलडीएफ की सीटों की संख्या 8 से घटकर 1 ही रह गई. 2014 की तरह इस बार भी भाजपा को कोई सीट केरल में नहीं मिली.

असम

असम से लोक सभा की 14 सीटों में से 9 भाजपा के खाते में गई हैं, जबकि 3 सीटें कांग्रेस को व 1 सीट ऑल इण्डिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (AIUDF) को मिली है तथा एक सीट निर्दलीय उम्मीदवार को प्राप्त हुई है. पिछले 2014 के चुनाव में भाजपा की सीटों की संख्या जहाँ 7 थी, कांग्रेस तथा AIUDF की सीटें 3-3 ही थीं, जबकि एक सीट निर्दलीय उम्मीदवार के पास थी.

ओडिशा

ओडिशा में विधान सभा के लिए भी चुनाव लोक सभाई चुनावों के साथ ही सम्पन्न हुए. विधान सभा में अपना बहुमत बरकरार रखते हुए बीजू पटनायक के नेतृत्व वाले बीजू जनता दल ने सत्ता पर कब्जा जहाँ बरकरार रखा है, वहीं लोक सभा की 21 सीटों में से भी 12 पर विजय दर्ज की है. राज्य से 8 सीटें भाजपा को प्राप्त हुई हैं, जबकि कांग्रेस एक सीट पर विजयी रही है. इससे पूर्व 2014 के चुनाव में इस राज्य से लोक सभा की 20 सीटें बीजू जनता दल के व एक सीट एनडीए के पास थी.

पश्चिमी बंगाल

तृणमूल कांग्रेस के गढ़ रहे प. बंगाल में कड़ी सेंध इस बार भाजपा ने लगाई है. पूर्व वर्षों में वाम दलों के गढ़ रहे इस राज्य से लोक सभा के लिए कुल 42 सीटों में से 18 सीटों पर विजय भाजपा ने दर्ज की है तथा तृणमूल कांग्रेस की सीटों की संख्या 22 ही इस बार रह गई है. 2 सीटें कांग्रेस को मिली हैं. पिछले 2014 के चुनाव में इस प्रदेश से तृणमूल की सीटों की संख्या 34 तथा कांग्रेस की 4 थी. 2-2 सीटें भाजपा व माकपा के पास थीं.

हिमाचल प्रदेश

वर्ष 2014 की भाँति इस बार भी हिमाचल प्रदेश में क्लीन स्वीप भाजपा ने किया है तथा राज्य की सभी चारों सीटें उसके खाते में गई हैं.

जम्मू-कश्मीर

जम्मू-कश्मीर से लोक सभा के लिए सीटों की संख्या 6 है. इनमें से 3 जम्मू से व 3 कश्मीर घाटी से हैं. ताजा चुनाव में जम्मू की तीनों सीटें जहाँ भाजपा के पास बरकरार रही हैं, कश्मीर घाटी की तीनों सीटों पर नेशनल कांफ्रेंस ने कब्जा किया है. पिछले 2014 के चुनाव में कश्मीर घाटी की तीनों सीटें पीडीपी के पास थीं.

अन्य

अन्य छोटे राज्यों/केन्द्रशासित क्षेत्रों में अंडमान-निकोबार द्वीप समूह से लोक सभा की एकमात्र सीट जहाँ कांग्रेस के खाते में गई है अरुणाचल प्रदेश की दोनों सीटें भाजपा को, चण्डीगढ़ की एकमात्र सीट भाजपा को, दादरा व नगर हवेली की एकमात्र सीट निर्दलीय उम्मीदवार को, दमन एवं दियू की एकमात्र सीट भाजपा को, लक्षद्वीप की एकमात्र सीट कांग्रेस को, मिजोरम की एकमात्र सीट मिजो नेशनल फ्रंट को, नगालैण्ड की एकमात्र सीट नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (NDPP) को, पुदुचेरी की एकमात्र सीट कांग्रेस को, सिक्किम की एकमात्र सीट सिक्किम क्रान्तिकारी मोर्चा (SKM) को, त्रिपुरा की दोनों सीटें भाजपा को प्राप्त हुई हैं. मेघालय से लोक सभा की दो सीटों में से एक कांग्रेस को व दूसरी नेशनल पीपुल्स पार्टी (NPP) को मिली है, जबकि मणिपुर की दो सीटों में से एक भाजपा के व दूसरी नगा पीपुल्स फ्रंट (NPF) को मिली है. गोवा की दो सीटों में से एक भाजपा के तथा दूसरी कांग्रेस के खाते में गई है.

मोदी सरकार में शामिल मंत्रियों के नाम एवं उनके विभाग

कैबिनेट मंत्री

1.	नरेन्द्र मोदी	प्रधानमंत्री के पद के साथ कार्मिक, जन शिकायत और पेंशन, परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष मंत्रालय, इसके अलावा वो सभी मंत्रालय जो किसी भी मंत्री को आवंटित न हुए हों	
2.	राजनाथ सिंह	रक्षा मंत्रालय	
3.	अमित शाह	गृह मंत्रालय	
4.	नितिन गडकरी	सड़क परिवहन एवं राजमार्ग और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय	
5.	सदानंद गौड़ा	रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय	
6.	निर्मला सीतारमण	वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों का मंत्रालय	
7.	रामविलास पासवान	उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय	
8.	नरेन्द्र सिंह तोमर	कृषि एवं किसान कल्याण, ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्रालय	
9.	रविशंकर प्रसाद	कानून एवं न्याय, संचार और इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना मंत्रालय	
10.	हरसिमरत कौर बादल	खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय	
11.	एस. जयशंकर	विदेश मंत्रालय	
12.	रमेश पोखरियाल निशंक	मानव संसाधन विकास मंत्रालय	
13.	थावर चन्द गहलोत	सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण मंत्रालय	
14.	अर्जुन मुंडा	आदिवासी मामलों का मंत्रालय	
15.	स्मृति ईरानी	महिला एवं बाल विकास और कपड़ा मंत्रालय	
16.	हर्षवर्धन	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, भूविज्ञान मंत्रालय	
17.	प्रकाश जावडेकर	पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय	
18.	पीयूष गोयल	रेलवे और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय	
19.	धर्मेन्द्र प्रधान	पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस और इस्पात मंत्रालय	
20.	मुख्तार अब्बास नकवी	अल्पसंख्यक मामलों का मंत्रालय	
21.	प्रहलाद जोशी	संसदीय मामले, कोयला और खान मंत्रालय	
22.	महेन्द्र नाथ पाण्डेय	कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय	
23.	अरविंद सावंत	भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय	
24.	गिरिराज सिंह	पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन मंत्रालय	
25.	गजेन्द्र सिंह शेखावत	जल शक्ति मंत्रालय	

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

26.	संतोष कुमार गंगवार	श्रम एवं रोजगार मंत्रालय	
27.	राव इन्द्रजीत सिंह	सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन और नियोजन मंत्रालय	
28.	श्रीपद नाईक	आयुष मंत्रालय (स्वतंत्र प्रभार), रक्षा मंत्रालय (राज्य मंत्री)	
29.	जितेन्द्र सिंह	पूर्वोत्तर विकास (स्वतंत्र प्रभार), पीएमओ, कार्मिक, जनशिकायत और पेंशन, परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष मंत्रालय (राज्य मंत्री)	
30.	किरण रिजिजू	युवा मामले एवं खेल (स्वतंत्र प्रभार), अल्पसंख्यक मामले (राज्य मंत्री)	
31.	प्रहलाद सिंह पटेल	संस्कृति और पर्यटन	
32.	आर. के. सिंह	विद्युत नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा (स्वतंत्र प्रभार), कौशल विकास एवं उद्यमिता (राज्य मंत्री)	
33.	हरदीप सिंह पुरी	आवास और शहरी कार्य और नागरिक उड्डयन मंत्रालय (स्वतंत्र प्रभार), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय (राज्य मंत्री)	
34.	मनसुख मंडाविया	जहाजरानी (स्वतंत्र प्रभार), रसायन एवं उर्वरक (राज्य मंत्री)	

राज्य मंत्री

35.	फग्गन सिंह कुलस्ते	इस्पात	
36.	अश्विनी चौबे	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण	
37.	जनरल (रिटा.) वी.के. सिंह	सड़क, परिवहन और राजमार्ग	
38.	कृष्ण पाल गुर्जर	सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण	
39.	दानवे रावसाहेब दादाराव	उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण	
40.	जी. किशन रेड्डी	गृह	
41.	पुरुषोत्तम रुपाला	कृषि एवं किसान कल्याण	
42.	रामदास अठावले	सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण	
43.	साध्वी निरंजन ज्योति	ग्रामीण विकास	
44.	बाबुल सुप्रियो	पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन	
45.	संजीव कुमार बालियान	पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन	
46.	धोत्रे संजय शमराव	मानव संसाधन विकास, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी	
47.	अनुराग सिंह ठाकुर	वित्त और कॉर्पोरेट मामले	
48.	सुरेश अंगादि	रेल	
49.	नित्यानंद राय	गृह	
50.	वी. मुरलीधरन	विदेश, संसदीय कार्य	
51.	रेणुका सिंह	आदिवासी मामले	
52.	सोम प्रकाश	वाणिज्य एवं उद्योग	
53.	रामेश्वर तेली	खाद्य प्रसंस्करण उद्योग	
54.	प्रताप चन्द्र सारंगी	सूक्ष्म, लघु एव मध्यम उद्यम और पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य पालन	
55.	कैलाश चौधरी	कृषि एवं किसान कल्याण	
56.	देबाश्री चौधरी	महिला एवं बाल विकास	
57.	अर्जुन राम मेघवाल	संसदीय कार्य, भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उद्यम् जलशक्ति और सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण	
58.	रतन लाल कटारिया		

प्रधानमंत्री ने हिन्दी में शपथ ग्रहण की. अपनी नई मंत्रिपरिषद् में फिलहाल 57 मंत्री उन्होंने शामिल किए हैं (इस प्रकार मंत्रि-परिषद् में प्रधानमंत्री सहित, मंत्रियों की कुल संख्या 58 है.) इनमें 24 को कैबिनेट मंत्री 9 को स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री तथा 24 अन्य को राज्य मंत्री बनाया गया है. भाजपा अध्यक्ष अमित शाह को भी इस बार मंत्रिमण्डल में शामिल किया गया है. मंत्रिपरिषद् में स्थान पाने वालों में 19 नए चेहरे शामिल हैं, जबकि पिछली सरकार के 16 मंत्री नई मंत्रिपरिषद् में शामिल नहीं हैं. पिछली मंत्रिपरिषद् में शामिल रहे जिन मंत्रियों को नई मंत्रिपरिषद् में शामिल नहीं किया गया है, उनमें श्रीमती सुषमा स्वराज, मेनका गांधी, राज्यवर्द्धन सिंह राठौर, सुरेश प्रभु, अनंत गीते, डॉ. महेश शर्मा, अनुप्रिया पटेल व जयंत सिन्हा आदि शामिल हैं. मंत्रि-परिषद् में 6 महिलाएं हैं. भाजपा के सहयोगी दलों में से एक-एक सदस्य ही मंत्रिपरिषद् में लिया गया है, जबकि जनता दल (यू) व अपना दल मंत्रिपरिषद् में शामिल नहीं हुए है). मंत्रिपरिषद् की पूरी सूची अलग से बॉक्स में प्रदर्शित है.

17वीं लोक सभा में सबसे युवा 5 सांसद

1. **चंदाणी मुर्मू**–ओडिशा के क्योंझर (अनु. जनजाति के लिए सुरक्षित) निर्वाचन क्षेत्र से बीजू जनता दल के टिकट पर निर्वाचित चंदाणी मुर्मू की उम्र केवल 25 वर्ष 11 माह है. बी. टैक की उपाधि प्राप्त चंदाणी न केवल 17वीं लोक सभा में सबसे कम उम्र की सांसद हैं, बल्कि **लोक सभा के इतिहास में सबसे कम उम्र में सांसद बनने का रिकॉर्ड भी उनके नाम हो गया है.** इससे पूर्व यह रिकॉर्ड इंडियन नेशनल लोक दल के दुष्यंत चौटाला के नाम था, जो 26 वर्ष की उम्र में 16वीं लोक सभा के सदस्य बने थे. दुष्यंत चौटाला के अतिरिक्त रक्षा खाडसे व हीना गवित भी 26-26 वर्ष की उम्र में 16वीं लोक सभा के सदस्य बने थे.

2. **तेजस्वी सूर्या**–बेंगलूरू साउथ निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के टिकट पर 17वीं लोक सभा के लिए निर्वाचित तेजस्वी सूर्या की उम्र 28 वर्ष है. वह पेशे से वकील हैं.

3. **नुसरत जहाँ**–प. बंगाल के बसीरहट निर्वाचन क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर निर्वाचित नुसरत जहाँ बांग्ला फिल्मों की अभिनेत्री हैं. उन्हें 29 वर्ष की आयु में लोक सभा सदस्य बनने का श्रेय प्राप्त हुआ है. बसीरहट में अपने निकटतम प्रतिद्वन्द्वी उम्मीदवार को 3.5 लाख मतों से उन्होंने पराजित किया.

4. **मिमी चक्रवर्ती**–तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर प. बंगाल के जाधवपुर निर्वाचन क्षेत्र से लगभग 3 लाख मतों के अंतर से निर्वाचित मिमी चक्रवर्ती भी बांग्ला फिल्मों की अभिनेत्री हैं. वह 30 वर्ष की आयु में 17वीं लोक सभा के लिए निर्वाचित सदस्य हैं.

5. **रक्षा खाडसे**–महाराष्ट्र के जलगांव जिले के रावेर निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित रक्षा खाडसे की उम्र अब 32 वर्ष है. वह 16वीं लोक सभा की भी सदस्य रही हैं.

17वीं लोक सभा में वरिष्ठतम सदस्य

उत्तर प्रदेश में बरेली से निर्वाचित संतोष गंगवार तथा सुल्तानपुर से निर्वाचित मेनका गांधी 17वीं लोक सभा में वरिष्ठतम सदस्य हैं. यह दोनों ही आठवीं बार लोक सभा के लिए निर्वाचित हुए हैं. इनमें संतोष गंगवार को केन्द्रीय मंत्रिपरिषद् में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाया गया है.

सर्वाधिक एवं न्यूनतम मतों के अंतर से विजय

लोक सभा चुनाव (2019) में सर्वाधिक मतों से जीतने का रिकॉर्ड सी. आर. पाटिल के नाम रहा. भाजपा के सी. आर. पाटिल ने गुजरात के नवसारी निर्वाचन क्षेत्र में अपने निकटतम कांग्रेसी प्रतिद्वन्द्वी धर्मेश भाई भीमबाई को 6.89 लाख मतों के अंतर से पराजित किया. (वैसे लोक सभाई चुनाव में सर्वाधिक 6.96 लाख मतों के अंतर से जीतने का रिकॉर्ड भाजपा की प्रीतम मुंडे के नाम है, जो उन्होंने 2014 के लोक सभा चुनाव में स्थापित किया था.

ताजा 2019 के चुनाव में सबसे कम मतों के अंतर से विजयी रहने का रिकॉर्ड बी.पी. सरोज के नाम रहा. भाजपा के बी.पी. सरोज ने उत्तर प्रदेश के मछली शहर निर्वाचन क्षेत्र में अपने निकटतम प्रतिद्वन्द्वी टी. राम. (बसपा) को केवल 181 मतों से पराजित किया.

वैसे लोक सभा चुनाव में सबसे कम मतों के अंतर से विजय का रिकॉर्ड कांग्रेस के के. रामकृष्ण व भाजपा के सोम मरांडी के नाम है. यह दोनों ही क्रमशः 1989 व 1998 के चुनावों में 9-9 मतों से विजयी रहे थे.

- लोक सभा में सीटों की कुल संख्या 545 है जिनमें 543 सीटें ही चुनाव द्वारा भरी जाती हैं, जबकि दो सीटों पर एंग्लो इंडियन समुदाय के प्रतिनिधियों का मनोनयन राष्ट्रपति

शेष पृष्ठ 31 पर

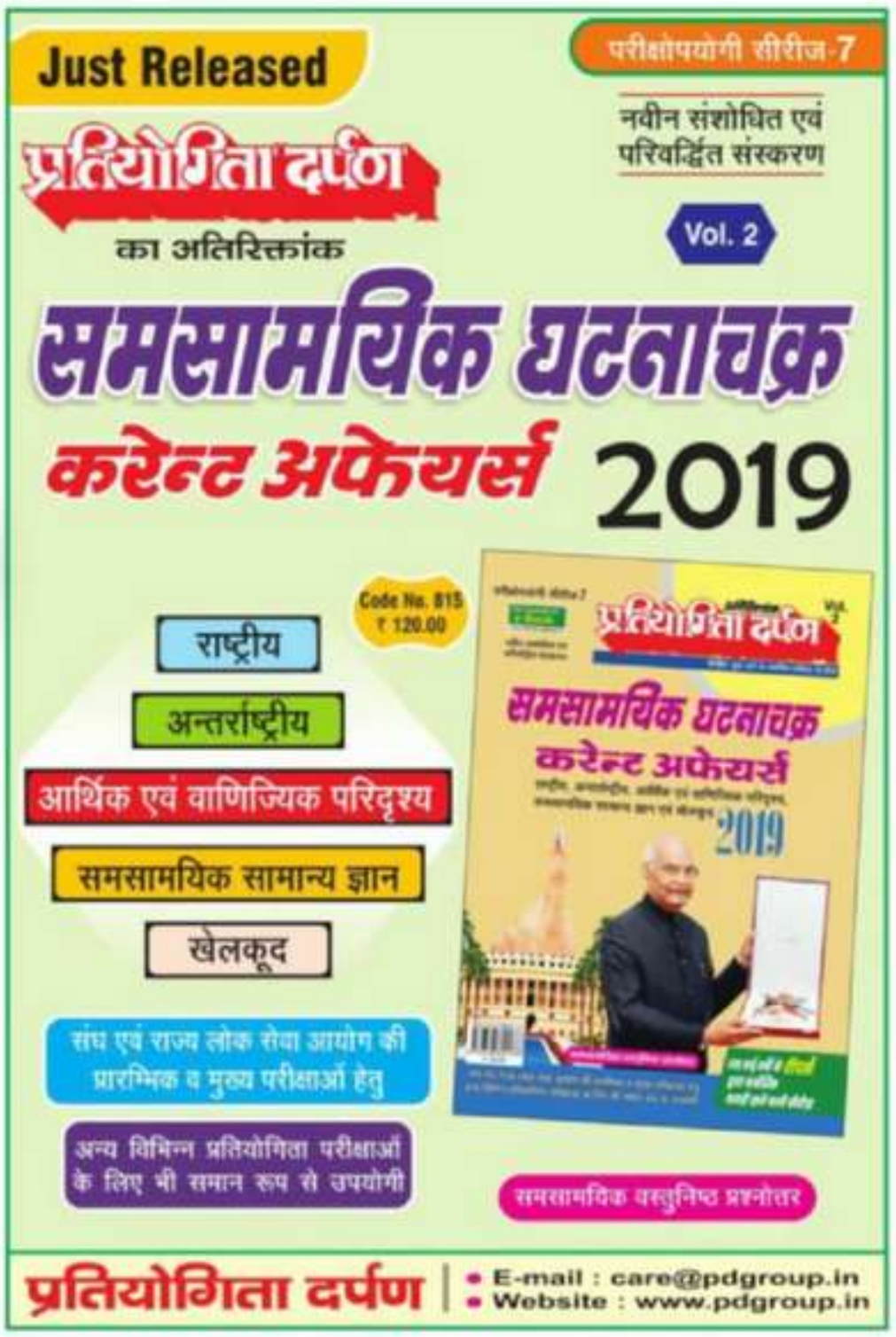

अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम

- उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू की वियतनाम यात्रा
- पाकिस्तान के पंचतारा होटल में आतंकी हमला
- ब्रिटेन व आयरलैण्ड द्वारा जलवायु आपात स्थिति की घोषणा
- राज्याभिषेक से तीन दिन पूर्व थाइलैण्ड में नए राजा वाजीरालोंगकोर्न ने चौथा विवाह किया
- जोको विडोडो लगातार दूसरे कार्य-काल हेतु इंडोनेशिया के राष्ट्रपति निर्वाचित
- साइरिल रामफोसा द. अफ्रीका के राष्ट्रपति पुनर्निर्वाचित
- नई सरकार के गठन में विफल रहे नेतान्याहू : इजरायल में सितम्बर 2019 में दोबारा चुनाव होंगे
- ब्रेक्जिट हेतु सहमति बनाने में विफल थेरेसा मे द्वारा प्रधानमन्त्री पद से त्यागपत्र की घोषणा
- एमेजॉन का चन्द्र मिशन : वर्ष 2024 तक चन्द्रमा पर मानव को भेजने की योजना
- ताइवान समलैंगिक विवाहों को मान्यता देने वाला पहला एशियाई देश
- रिकॉर्ड 24 बार एवरेस्ट आरोहण का कामी रीता शेरपा का विश्व रिकॉर्ड (सप्ताह में दो बार सफल आरोहण का रिकॉर्ड भी बनाया)
- संक्षिप्तकी

उपराष्ट्रपति एम. वैंकैया नायडू की वियतनाम यात्रा

वियतनाम के साथ व्यापक सामरिक साझीदारी में सुदृढ़ता लाने के उद्देश्य से उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने इस देश की आधिकारिक यात्रा 9–12 मई, 2019 को की. चार दिन की उनकी यह यात्रा पिछले वर्ष दोनों देशों के बीच शीर्षस्तरीय यात्राओं के दौरान आपसी सम्बन्धों में आई स्फूर्ति को और आगे बढ़ाने के लिए सम्पन्न की गई थी. पिछले वर्ष वियतनाम के प्रधानमन्त्री गुयेन जुआन फुक (Nguyen Xuan Phuk) भारत-आसियान स्मारक सम्मेलन में भाग लेने के लिए जनवरी 2018 में नई दिल्ली आए थे, जिसके दो माह पश्चात् ही वियतनाम के तत्कालीन राष्ट्रपति त्रान दाई कांग (Tran Dai Kang) ने मार्च 2018 में भारत की यात्रा की थी. उसी वर्ष नवम्बर 2018 में भारतीय राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने भी वियतनाम की यात्रा की थी. उससे पूर्व भारत की ओर से 2014 में तत्कालीन राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने वियतनाम की राजकीय यात्रा की थी, जबकि प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सितम्बर 2016 में वियतनाम की यात्रा की थी.

वियतनामी प्रधानमन्त्री गुयेन से हनोई में मुलाकात करते उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू.

उपराष्ट्रपति श्री वेंकैया नायडू की वियतनाम की चार दिन की ताजा यात्रा के कार्यक्रमों में वियतनाम में अपने समकक्ष डांग थी न्गोक थिन्ह (Dang Thi Ngoc Thinh) व प्रधानमन्त्री गुएन जुआन फुक (Nguyen Xuan Phuc) के अतिरिक्त नेशनल असेम्बली की अध्यक्ष गुयेन थी किम नगन (Nguyen Thi Kim Ngan) आदि के साथ द्विपक्षीय वार्ताओं के कार्यक्रम शामिल थे. उनके अतिरिक्त वियतनाम के ताम चुक (Tam Chuc) पैगोडा में 16वें संयुक्त राष्ट्र बेसाक दिवस समारोह को मुख्य वक्ता के रूप में सम्बोधित करने का भी उनका कार्यक्रम था. वियतनाम में रह रहे भारतीय मूल के एक समुदाय के साथ बैठक भी उन्होंने हनोई में सम्पन्न की. भारत से बाहर रह रहे भारतीय मूल के लोगों को भारत के प्रतिनिधि करार देते हुए भारतीय संस्कृति एवं विचारधारा के प्रसार का आह्वान उन्होंने किया.

10 मई को वियतनाम के राष्ट्रीय नायकों एवं शहीदों के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करने के पश्चात् उपराष्ट्रपति वैंकेया नायडू राष्ट्रपति भवन पहुँचे, जहाँ उनका औपचारिक स्वागत हुआ. वियतनामी प्रधान-मन्त्री व अन्य नेताओं से बातचीत के दौरान भारत एवं वियतनाम के आपसी सम्बन्धों को और अधिक मजबूत बनाने पर चर्चा भारतीय उपराष्ट्रपति ने की. द्विपक्षीय व बहुपक्षीय सहयोग की पूरी शृंखला वार्ता के मुद्दों में शामिल थी. वर्ष 2016 में भारतीय प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी की वियतनाम यात्रा के दौरान द्विपक्षीय सम्बन्धों को समग्र सामरिक साझेदारी (Comprehensive Strategic Partnership) का दर्जा प्रदान किया गया था. द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश को गति प्रदान करने के अतिरिक्त तेल एवं गैस, रक्षा एवं सुरक्षा, परमाणु ऊर्जा फार्मास्यूटि-कल्स तथा अन्तरिक्ष आदि क्षेत्रों में सहयोग के विस्तार पर चर्चा वार्ताओं में हुई. भारत एवं वियनताम के बीच द्विपक्षीय व्यापार तीन वर्ष पूर्व 7·8 अरब डॉलर का था, जो बढ़कर पिछले वर्ष 2018 में 14 अरब डॉलर का हो गया था. व्यापार एवं निवेश को बढ़ाने की प्रतिबद्धता उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू व मेजबान प्रधानमन्त्री फुक ने द्विपक्षीय वार्ता में व्यक्त की.

हनोई में पूर्व राष्ट्रपति हो ची मिन्ह (Ho Chi Minh) की समाधि पर श्रद्धा सुमन श्री नायडू ने अर्पित किए. इनके अतिरिक्त हनोई में भारतीय दूतावास में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर भी पुष्प अर्पित किए. भारतीय दूतावास में जयपुर फुट कृत्रिम अंग फिटमेंट शिविर का उद्घाटन भी उन्होंने किया. 12 मई को, हा नाम प्रांत में ताम-चुक पैगोडा में 16वें संयुक्त राष्ट्र बेसाक दिवस समारोह में व्याख्यान उपराष्ट्रपति ने दिया. 100 से अधिक देशों के बौद्ध अनुयायियों के अतिरिक्त म्यांमार के राष्ट्रपति विन म्यिंट (Win Myint) नेपाल के प्रधानमन्त्री के.पी. शर्मा ओली तथा भूटान की राष्ट्रीय परिषद् के अध्यक्ष ताशी दोरजी (Tashi Dorjee) भी Buddhist Approach to Global Leadership and Shared Responsibilities for Sustain-able Societies थीम वाले इस समारोह में उपस्थित थे. अपने इस सम्बोधन में वैश्विक नेतृत्व से उन्होंने आह्वान किया कि शान्ति, सहचर्य, स्थिर विकास व परस्पर समन्वय वाली विश्व व्यवस्था के लिए भगवान बुद्ध के बताए मार्ग का अनुसरण करना

होगा. चार दिन के व्यस्त कार्यक्रमों के पश्चात् भारतीय उपराष्ट्रपति की स्वदेश वापसी हुई.

पाकिस्तान के पंचतारा होटल में आतंकी हमला

आतंकवादियों को संरक्षण प्रदान करने के लिए कुख्यात पाकिस्तान स्वयं एक आतंकी हमले का शिकार 11 मई, 2019 को उस समय हुआ जब उसके बलूचिस्तान प्रान्त के तटीय ग्वादर (Gwadar) शहर के एक पंचतारा होटल पर तीन हथियारबन्द आतंकियों ने हमला किया. पर्ल कॉटिनेटल (PC) नाम के इस होटल में प्रवेश के उनके प्रयास को रोकने पर फायरिंग कर गार्ड को उन्होंने मार गिराया. होटल में आतंकियों के प्रवेश की सूचना पर आतंकवाद विरोधी दस्ते व फ्रंटियर कोर्प्स के जवानों ने होटल की घेराबन्दी की तथा होटल में ठहरे सभी विदेशी एवं स्थानीय मेहमानों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया. सेना के जवानों ने लगभग पाँच घण्टे तक चली मुठभेड़ में तीनों आतंकियों को मार गिराने में सफलता प्राप्त की. होटल स्टाफ के कम-से-कम पाँच लोग इस मुठभेड़ में मारे गए. इनमें होटल का एक गार्ड, एक सैन्यकर्मी व होटल के तीन अन्य कर्मचारी शामिल हैं. **स्थानीय प्रशासन के अनुसार इस हमले की जिम्मेदारी प्रतिबन्धित संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (BLA) ने ली है. होटल में प्रवेश के लिए नावों के जरिए उनके ग्वादर आने की आशंका भी प्रशासन ने व्यक्त की है.** बलूचिस्तान में आतंकी हमले की कड़ी निन्दा करते हुए पाकिस्तान के प्रधानमन्त्री इमरान खान ने इसे इस 'पोर्ट सिटी' की आर्थिक परियोजनाओं एवं समृद्धि को नुकसान पहुँचाने का असफल प्रयास बताया है और कहा है कि उनकी सरकार ऐसे किसी षड्यन्त्र को कामयाब नहीं होने देगी.

उल्लेखनीय है कि ग्वादर में बन्दरगाह का विकास चीन द्वारा अपनी **वन बैल्ट वन रोड** (OBOR) परियोजना के तहत् किया जा रहा है तथा बलूचिस्तान के लोग इसका विरोध करते हैं. पंचतारा होटल में इस आतंकी हमले के पश्चात् आतंकी संगठनों के विरुद्ध लगाम पाकिस्तान सरकार ने कसी है तथा कुछ संगठनों पर ताजा प्रतिबन्ध भी आरोपित किए हैं.

ब्रिटेन व आयरलैण्ड द्वारा जलवायु आपात स्थिति की घोषणा

ब्रिटेन व उसके पश्चात् आयरलैण्ड की संसदों ने प्रस्ताव पारित कर देश में जलवायु आपातकाल (Climate Emergency) की घोषणा मई 2019 में की है. इस दिशा में पहल ब्रिटिश ससंद ने की, जहाँ 1 मई, 2019 को इस आशय का प्रस्ताव पारित किया गया, जिसमें जलवायु आपातकाल की स्थिति घोषित की गई है. जलवायु परिवर्तन को लेकर देश में पिछले कई दिनों से चल रहे प्रदर्शनों तथा स्वीडन की किशोरी ग्रेटा थुनबर्ग द्वारा चलाई गई मुहिम के परिप्रेक्ष्य में इस आशय का प्रस्ताव लेबर पार्टी के नेता जेरेमी कोर्बीन (Jeremy Corbyn) द्वारा लाया गया था जिस पर कार्यान्वयन ब्रिटिश सरकार हेतु बाध्यकारी नहीं है, तथापि लेबर नेता ने कहा है कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए वास्तव में काम करने का समय आ गया है. उन्होंने आशा व्यक्त की है कि ब्रिटेन के इस कदम के पश्चात् विश्वभर की सरकारों पर भी दबाव बढ़ेगा तथा तापमान नियन्त्रित करने की दिशा में वह गम्भीरता से काम करेंगी. ब्रिटेन के पश्चात् ऐसा ही प्रस्ताव आयरलैण्ड की संसद में 9 मई को पारित किया गया.

ब्रिटेन व आयरलैण्ड ऐसे पहले दो देश हैं, जहाँ पर्यावरण एवं जलवायु आपात स्थिति की घोषणा संसद में प्रस्ताव पारित करके की गई है.

राज्याभिषेक से तीन दिन पूर्व थाइलैण्ड में नए राजा वाजीरालोंगकोर्न ने चौथा विवाह किया

थाइलैण्ड में नए राजा वाजीरालोंग-कोर्न (King Maha Vajiralongkorn), जिन्होंने अपने पिता किंग भूमिबोल अदुल्यदेज के 13 अक्टूबर, 2016 को हुए निधन के पश्चात् राजगद्दी सँभाली थी (संवैधानिक दृष्टि से सम्राट् के रूप में उनकी नियुक्ति 13 अक्टूबर, 2016 से ही मानी जाती है.) का औपचारिक राज्याभिषेक (Coronation) अब 4 मई, 2019 को सम्पन्न हुआ है. एक वर्ष के राजकीय शोक व अन्य कारणों से उनका राज्याभिषेक अभी तक नहीं हुआ था तथा इसके लिए 4 मई, 2019 की तिथि निर्धारित की गई थी. चक्री राजवंश (Chakri Dynasty) में वह 10वें सम्राट् हैं तथा रामा-X नाम से वह जाने जाएंगे.

राज्याभिषेक के पश्चात् थाइलैण्ड नरेश वाजीरालोंगकोर्न अपनी नई पत्नी के साथ.

राजा के रूप में औपचारिक राज्या-भिषेक से तीन दिन पूर्व 66 वर्षीय वाजीरालोंग-कोर्न ने 1 मई, 2019 को अपनी निजी बॉडीगार्ड यूनिट की डिप्टी कमाण्डर सुथिदा से विवाह करके सबको अप्रत्याशित रूप से चौंका दिया है. इससे पूर्व तीन विवाह उन्होंने किए थे तथा तीनों पत्नियों को तलाक वह दे चुके हैं. पिछली तीन पत्नियों से उनकी सात सन्तानें भी हैं. अपनी चौथी पत्नी सुथिदा को 'क्वीन वाजीरालोंगकोर्न ना अयुध्या' की उपाधि उन्होंने प्रदान की है. 40 वर्षीय सुथिदा रानी की तरह ही राज्याभिषेक समारोह में शामिल हुईं.

जोको विडोडो लगातार दूसरे कार्यकाल हेतु इंडोनेशिया के राष्ट्रपति निर्वाचित

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो (Joko Widodo) पाँच वर्ष के लगातार दूसरे कार्यकाल हेतु इस पद पर मई 2019 में निर्वा-चित हुए हैं. इस पद के लिए मतदान 17 अप्रैल, 2019 को इंडोनेशियाई आम चुनावों के साथ ही कराया गया था. विश्व के इस तीसरे बड़े लोकतन्त्र में पहली बार राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति,

जोको विडोडो : इंडोनेशिया के राष्ट्रपति पुनर्निर्वाचित.

संसद व स्थानीय विधायिकाओं के चुनाव एक साथ ही कराए गए थे. 19 करोड़ से अधिक मतदाता इस चुनाव में मतदान हेतु पात्र थे. जिनमें से 82 प्रतिशत ने अपने मताधिकार का प्रयोग इस चुनाव में किया. राष्ट्रपति पद हेतु मुकाबला निवर्तमान राष्ट्रपति विडोडो एवं उनके पुराने प्रतिद्वन्द्वी पूर्व जनरल प्राबोवो सुबियांतो (Prabowo Subianto) के बीच था. इससे पूर्व 2014 के पिछले चुनाव में सुबियांतो को ही पराजित कर जोकोवि (Jokowi) [जोको विडोडो का पॉपुलर नाम] राष्ट्रपति निर्वाचित हुए थे. **17 अप्रैल, 2019 को सम्पन्न मतदान के परिणामों की औपचारिक घोषणा इंडोनेशिया के जनरल इलैक्शन कमीशन द्वारा 21 मई, 2019 को की गई.** इसमें जोकोवि को ही भारी बहुमत से पुनर्निर्वाचित घोषित किया गया है. कमीशन की औपचारिक घोषणा के अनुसार 8·56 करोड़ मत (कुल पड़े मतों का 55·5 प्रतिशत) जोकोवि को प्राप्त हुए, जबकि प्रतिद्वन्द्वी उम्मीदवार सुबियांतो को मिले मतों की संख्या 6·87 करोड़ (44·50 प्रतिशत) रही. इस प्रकार 5 वर्ष के लगातार दूसरे कार्यकाल हेतु जोकोवि (जोको विडोडो) इंडोनेशिया के राष्ट्रपति निर्वाचित घोषित किए गए (उनका यह दूसरा कार्यकाल अक्टूबर 2019 में शुरू होगा). उनके साथ ही उपराष्ट्रपति पद पर मारुफ अमीन (Maruf Amin) उपराष्ट्रपति निर्वाचित घोषित किए गए हैं. इलैक्शन कमीशन की अधिसूचना के अनुसार 34 प्रान्तों में से 21 में बढ़त जोकोवि को इस चुनाव में प्राप्त हुई.

साइरिल रामफोसा द. अफ्रीका के राष्ट्रपति पुनर्निर्वाचित

द. अफ्रीका में मई 2019 में सम्पन्न आम चुनावों के पश्चात् निवर्तमान राष्ट्रपति साइरिल रामफोसा (Cyril Ramaphosa) ही पाँच वर्ष के कार्यकाल हेतु राष्ट्रपति निर्वाचित हुए हैं. पूर्ववर्ती राष्ट्रपति जेकब जुमा (Jacob Zuma) के त्यागपत्र के पश्चात् उनके शेष कार्यकाल के लिए साइरिल रामफोसा ने राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार फरवरी 2018 में सँभाला था. संसद के साथ-साथ प्रान्तीय विधायिकाओं के लिए नए चुनाव वहाँ 8 मई, 2019 को सम्पन्न हुए हैं जिनमें रामफोसा के

राष्ट्रपति पद की शपथ लेते हुए साइरिल रामफोसा

नेतृत्व वाली अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस (ANC) ने 57·50 प्रतिशत मत प्राप्त कर सत्ता पर अपना कब्जा बरकरार रखा है. मत प्रतिशत के साथ-साथ संसदीय सीटों में कमी का सामना यद्यपि एएनसी के साथ-साथ प्रमुख विपक्षी दल डेमोक्रेटिक एलायंस (DA) को भी करना पड़ा है, तथापि एएनसी का सत्ता पर नियन्त्रण बरकरार रहा है जिसके चलते 22 मई, 2019 को निर्विरोध ही संसद ने उन्हें राष्ट्रपति चुना है. 66 वर्षीय रामफोसा ने पाँच वर्ष के इस कार्यकाल हेतु 25 मई, 2019 को शपथ ग्रहण की है.

नई सरकार के गठन में विफल रहे नेतान्याहू : इजरायल में सितम्बर 2019 में दोबारा चुनाव होंगे

इजरायल में 9 अप्रैल, 2019 को सम्पन्न संसदीय चुनावों में प्रधानमन्त्री बेंजामिन नेतान्याहू की लिकुड पार्टी व मुख्य विपक्षी गठबन्धन ने 35-35 सीटें 120 सदस्यीय नेसेट (Knesset) में जीती थीं. कुछ दक्षिण-पंथी व धार्मिक पार्टियों के साथ गठबन्धन कर बहुमत का दावा नेतान्याहू ने किया था जिससे प्रधानमन्त्री पद पर उनका बने रहना सुनिश्चित हो गया था. नेतान्याहू का यह मिशन कामयाब नहीं हो सका तथा निर्धारित समय सीमा 50 दिन के भीतर बहुमत वाली सरकार का गठन वह नहीं कर सके, जिससे नवनिर्वाचित संसद वहाँ भंग हो गई है. 120 सदस्यीय संसद ने 75–45 के बहुमत से संसद भंग करने के लिए प्रस्ताव पारित किया. इससे अब नए सिरे से चुनाव वहाँ कराए जाएंगे. यह चुनाव 17 सितम्बर, 2019 को होंगे. तब तक बेंजामिन नेतान्याहू ही वहाँ प्रधानमन्त्री बने रहेंगे.

ब्रेक्जिट हेतु सहमति बनाने में विफल थेरेसा मे द्वारा प्रधानमन्त्री पद से त्यागपत्र की घोषणा

कड़े प्रयासों के बावजूद 'ब्रेक्जिट' (BREXIT–यूरोपीय संघ से ब्रिटेन के अलगाव) मामले में ब्रिटिश संसद में वांछित समर्थन जुटा पाने में विफल रहने पर ब्रिटेन की प्रधानमन्त्री थेरेसा मे (Theresa May) ने प्रधानमन्त्री पद से त्यागपत्र देने की अपनी योजना की घोषणा 24 मई, 2019 को की है. इसके लिए पहले 7 जून, 2019 को कंजरवेटिव पार्टी के अध्यक्ष पद से त्यागपत्र वह

थेरेसा मे : प्रधानमन्त्री पद त्यागने के इरादे की घोषणा.

एमेजॉन का चन्द्र मिशन : वर्ष 2024 तक चन्द्रमा पर मानव को भेजने की योजना

विश्व की शीर्ष ई-कॉमर्स कम्पनी एमेजॉन की अब चन्द्रमा की सतह पर मानव को भेजने की योजना है. यह चन्द्रमा के लिए पहली वाणिज्यिक उड़ान होगी. इसके लिए इसकी अनुषंगी कम्पनी ब्ल्यू ऑरिजन रॉकेट कम्पनी के ब्ल्यू ऑरिजन रॉकेट के मॉडल का अनावरण कम्पनी के सीईओ जैफ बेजॉस (Jeff Bezos) ने 10 मई, 2019 को वाशिंगटन में किया. इसके जरिए भेजे जाने वाले लैंडर को 'ब्ल्यू मून' (Blue Moon) नाम दिया गया है यह लैंडर चार रोवर तथा अन्तरिक्ष यात्री के लिए विशिष्ट वाहन के साथ अन्य उपकरण अपने साथ ले जाने में सक्षम होगा. मिशन की घोषणा करते हुए जैफ बेजोस ने इसे अन्तरिक्ष में इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने की पहली सीढ़ी बताया. लैंडर के लांचिंग के लिए किसी तिथि की घोषणा उन्होंने नहीं की, तथापि उन्होंने बताया कि ब्ल्यू ऑरिजन वर्ष 2024 तक चन्द्रमा पर मानव मिशन भेज सकता है.

- *अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी अगले पाँच वर्षों में किसी भी तरह चन्द्रमा पर मानव मिशन भेजने की बात मार्च 2019 में कही थी जिसे लेकर अमरीकी अन्तरिक्ष एजेंसी 'नासा' दबाव में है. नासा की मूल योजना वर्ष 2028 में चन्द्रमा के लिए मानव मिशन लांच करने की है.*
- *चन्द्रमा के लिए पहला मानव युक्त मिशन नासा का अपोलो-11 था जिसके जरिए दो अमरीकी अन्तरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रॉंग (Neil Armstrong) व बुज़ एल्ड्रिन (Buzz Aldrin) 20 जुलाई, 1969 को चन्द्रमा की सतह पर उतरे थे.*
- *अपोलो मिशन के तहत् 1969–1972 के दौरान 6 मानव युक्त लैंडिग्स चन्द्रमा की सतह पर हुई थी, जिनके जरिए कुल 12 अन्तरिक्ष यात्री चन्द्रमा की सतह पर उतरे थे. नासाका अपोलो मिशन 1972 में बन्द हो गया था. उसके पश्चात् अभी तक कोई अन्तरिक्ष यात्री चन्द्रमा के लिए नहीं भेजा गया है.*
- *अभी तक केवल तीन देश–अमरीका, रूस व चीन ही चन्द्रमा की सतह पर लैंडर उतारने में कामयाब रहे हैं.*
- *भारत की अपने चन्द्र मिशन-II के तहत् चन्द्रमा पर लैंडर एवं रोवर उतारने की योजना है. पूर्व निर्धारित योजना के तहत् चन्द्रमिशन-II का प्रक्षेपण 9–16 जुलाई, 2019 के बीच किया जाना है तथा यदि सब कुछ ठीक-ठाक रहा, तो इसका विक्रम रोवर 6 सितम्बर, 2019 को चन्द्रमा की सतह पर उतरेगा.*

देंगी. पार्टी का नया अध्यक्ष चुने जाने तक प्रधानमन्त्री वह बनी रहेंगी. इस प्रकार जून 2019 के अन्त तक ब्रिटेन में किसी नए प्रधानमन्त्री द्वारा सत्ता सँभालने की सम्भावना है. इसके लिए खींचतान वहाँ शुरू हो गई है.

- *62 वर्षीय थेरेसा मे मार्गरेट थेचर के पश्चात् ब्रिटेन की दूसरी महिला प्रधानमन्त्री हैं.*
- *जून 2016 में जनमत संग्रह ब्रेक्जिट के पक्ष में रहने के पश्चात् तत्कालीन प्रधान-मन्त्री डेविड कैमरन (David Cameron) जो ब्रेक्जिट विरोधी थी, ने त्यागपत्र दे दिया था तथा ब्रेक्जिट की पक्षधर थेरेसा मे को प्रधानमन्त्री बनाया गया था.*
- *ब्रेक्जिट के लिए जो डील थेरेसा मे ने यूरोपीय संघ के साथ सम्पन्न की उसके लिए वांछित विधेयक पास कराने के लिए सांसदों का आवश्यक समर्थन वह नहीं जुटा पाईं, जिसके चलते तीन बार उनके प्रस्ताव को संसद ने ठुकरा दिया. यूरोपीय संघ की ओर से यद्यपि अक्टूबर 2019 के अन्त तक का समय उन्हें दिया जा चुका है, तथापि सांसदों के रुख को भाँपते हुए पहले 7 जून, 2019 को पार्टी अध्यक्ष पद तथा उसके पश्चात् प्रधानमन्त्री पद से त्यागपत्र देने की घोषणा उन्होंने 24 मई, 2019 को की है.*

ताइवान समलैंगिक विवाहों को मान्यता देने वाला पहला एशियाई देश

ताइवान की संसद ने एक विवादास्पद विधेयक मई 2019 में पारित किया है, जिसके तहत् समलैंगिक विवाहों (Same Sex Marriage) को मान्यता प्रदान कर दी गई है. समलैंगिक विवाहों को अमरीका, ब्रिटेन, डेन्मार्क, कनाडा, अर्जेन्टीना, आस्ट्रेलिया, फ्रांस, जर्मनी, द. अफ्रीका व नीदरलैण्ड्स सहित अनके देशों में वैधानिक मान्यता पहले ही प्राप्त है, **ताइवान ऐसे विवाहों को मान्यता प्रदान करने वाला एशिया का पहला देश है.** समलैंगिक विवाहों को सामान्य विवाहों के समान मान्यता देने का एक प्रस्ताव वहाँ नवम्बर 2018 में कराए गए जनमत संग्रह में स्वीकार नहीं किया गया था. जनता की आम भावनाओं के विपरीत इसके लिए कानून वहाँ एक न्यायिक बाध्यता के चलते पारित किया गया है.

उल्लेखनीय है कि ताइवान की संवैधानिक अदालत ने 24 मई, 2017 को दिए गए एक निर्णय के तहत् समलैंगिक विवाहों को मान्यता न प्रदान करने को संविधान में प्रदत्त समानता के अधिकार का उल्लंघन बताया था तथा दो वर्ष के भीतर ही इसके लिए कानूनी प्रावधान करने के लिए सरकार को कहा था. इस मामले में शुरू में तो ढील ही सरकार द्वारा बरती गई, किन्तु समय सीमा निकट आने पर तेजी से कदम सरकार द्वारा उठाए गए. इसके लिए विधेयक का मसौदा 20 फरवरी, 2019 को जारी किया गया, जिसे 17 मई को संसद ने पारित किया. राष्ट्रपति के हस्ताक्षर 22 मई को इस पर हो गए तथा 24 मई, 2019, समय सीमा का अन्तिम दिन को यह लागू कर दिया गया. इस कानून के लागू होने से LGBT (Lesbian, Gay, Bisexual and Transgender) समुदाय ने भारी खुशी का इजहार वहाँ किया है.

रिकॉर्ड 24 बार एवरेस्ट आरोहण का कामी रीता शेरपा का विश्व रिकॉर्ड (सप्ताह में दो बार सफल आरोहण का रिकॉर्ड भी बनाया)

नेपाल के 49 वर्षीय शेरपा कामी रीता (Kami Rita) ने एवरेस्ट आरोहण के मामले में दो नए विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किए. इससे पूर्व 22 बार एवरेस्ट आरोहण का रिकॉर्ड पहले से ही उनके नाम था. मई 2019 में दो बार–15 मई व 21 मई को एवरेस्ट शिखर पर चढ़कर अपने सफल एवरेस्ट आरोहणों की संख्या का रिकॉर्ड 24 तक उन्होंने पहुँचा दिया. एक सप्ताह में दो बार एवरेस्ट का सफल आरोहण करने वाले भी वह पहले पर्वतारोही हैं.

कामी रीता शेरपा : रिकॉर्ड 24 बार एवरेस्ट आरोहण.

- *पहली बार 25 वर्ष की उम्र में 1994 में एवरेस्ट शिखर का सफल आरोहण नेपाल के कामी रीता शेरपा ने किया था. उसके पश्चात् लगभग प्रति वर्ष ही 8848 मीटर ऊँचे एवरेस्ट शिखर पर वह चढ़ते रहे हैं.*
- *कामी रीता शेरपा के 24 बार एवरेस्ट आरोहण के पश्चात् 21-21 बार विश्व के इस सर्वोच्च पर्वत शिखर पर चढ़ने का रिकॉर्ड नेपाल के ही अप्पा शेरपा व फुर्बा तोशी शेरपा के नाम हैं.*
- ***महिला पर्वतारोहियों में सर्वाधिक 9 बार एवरेस्ट आरोहण करने का विश्व रिकॉर्ड नेपाल की ही ल्हकपा शेरपा (Lhakpa Sherpa) के नाम है. 45 वर्षीय ल्हकपा ने नौवीं बार एवरेस्ट शिखर का सफल आरोहण 16 मई, 2018 को किया था. ल्हकपा शेरपा ने पहली बार 2000 में एवरेस्ट आरोहण में सफलता प्राप्त की थी.***

संक्षिप्तकी

परमाणु समझौते से ईरान भी आंशिक रूप से अलग हुआ

2015 में सम्पन्न परमाणु समझौते (Joint Comprehensive Plan of Action) से अमरीका के हटने के एक वर्ष पश्चात् अब ईरान ने भी इस सन्धि से आंशिक रूप से हटने की घोषणा मई 2019 में की है. इस आशय की सूचना ईरानी राष्ट्रपति हसन रुहानी द्वारा समझौते से जुड़े अन्य पक्षों चीन, फ्रांस, ब्रिटेन व रूस के अतिरिक्त जर्मनी को दी गई है. ●●●

शेष पृष्ठ 27 का

द्वारा किया जाता है. इस बार 543 चुनावी सीटों के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा चुनाव आयोग द्वारा 10 मार्च, 2019 को की गई थी जिसके साथ ही आदर्श चुनाव संहिता (Model Code of Conduct) देश में लागू हो गई थी.

- *इस बार के चुनाव में उत्तर प्रदेश, बिहार व प. बंगाल ही तीन ऐसे राज्य थे जहाँ सातों चरणों में मतदान हुआ.*
- *जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग निर्वाचन क्षेत्र में तीन चरणों मे मतदान हुआ.*
- *17वीं लोक सभा के लिए निर्वाचित 542 सांसदों में 78 महिलाएं हैं. यह लोक सभा में महिलाओं की अब तक की सर्वाधिक संख्या है. इनमें सर्वाधिक 11-11 उत्तर प्रदेश व प. बंगाल से हैं. इस बार सर्वाधिक 41 महिला सांसद भाजपा के टिकट पर लोक सभा में पहुँची हैं.*
- *17वीं लोक सभा में मुस्लिम सांसदों की संख्या (27) है. इनमें सर्वाधिक 6 उत्तर प्रदेश से व 6 प. बंगाल से निर्वाचित हुए हैं.*
- *17वीं लोक सभा के लिए निर्वाचित 542 सांसदों में से 300 पहली बार ही लोक सभा में पहुँचे हैं.* ●●●

आर्थिक वाणिज्यिक परिदृश्य

- प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ अब सभी पात्र किसानों को मिलेगा (2 हेक्टेयर भूमि की सीमा समाप्त की गई)
- छोटे व्यापारियों, दुकानदारों व स्वरोजगारशुदा लोगों के लिए नई पेंशन योजना
- किसानों के लिए भी पेंशन योजना
- संयुक्त राष्ट्र संघ ने भारत के लिए 2019-20 में आर्थिक वृद्धि का पूर्वानुमान घटाया
- विश्व व्यापार संगठन के विकासशील एवं अल्पविकसित 22 सदस्य देशों की बैठक नई दिल्ली में सम्पन्न
- 2018-19 में बागवानी उपजों का रिकॉर्ड उत्पादन : कृषि मंत्रालय के दूसरे अग्रिम अनुमान
- आरसीईपी से भारत की निर्यात प्रतिस्पर्द्धा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका
- 2018-19 में राष्ट्रीय आय के सम्बन्ध में सीएसओ के अनंतिम अनुमान : जीडीपी में वृद्धि 6·8 प्रतिशत ही रहने का ताजा अनुमान (पहले अग्रिम अनुमानों में यह वृद्धि 7·2 प्रतिशत तथा दूसरे अग्रिम अनुमानों में यह 7·0 प्रतिशत अनुमानित थी)
- स्वर्ण बाँड योजना (2019-20)
- भारत का तेल आयात परिदृश्य
- 'इसरो' की नई वाणिज्यिक इकाई न्यू स्पेस इंडिया लि. का उद्घाटन
- 2018-19 में केन्द्र सरकार की वित्तीय प्राप्तियों एवं व्यय का अनंतिम लेखा-जोखा
- टर्नओवर, एमकैप व लाभार्जन के मामले में रिलायंस इंडस्ट्रीज का शीर्ष स्थान : सरकारी क्षेत्र की कम्पनियों में ओएनजीसी द्वारा सर्वाधिक लाभ अर्जन
- अमरीका के डेविड मालपास विश्व बैंक के नए अध्यक्ष

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ अब सभी पात्र किसानों को मिलेगा
(2 हेक्टेयर भूमि की सीमा समाप्त की गई)

मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में नए मंत्रिमण्डल की 31 मई, 2019 को सम्पन्न पहली ही बैठक में किसानों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय यह लिया गया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना का विस्तार सभी पात्र किसानों के लिए कर दिया गया है. इससे 2 करोड़ अतिरिक्त किसान इस योजना से लाभान्वित होंगे.

- *इस योजना की घोषणा 2019-20 के अंतरिम बजट में सरकार ने 1 फरवरी, 2019 को की थी तथा इसे 1 जनवरी, 2019 से प्रभावी किया गया था. मूल योजना के तहत् अधिकतम 2 हेक्टेयर भूमि के धारक किसानों को ₹ 6,000 प्रतिवर्ष (₹ 2,000-2,000 की तीन समान किस्तों में) पूरक आय के रूप में सीधे उनके बैंक खाते में उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया था तथा इसकी 1 जनवरी, 2019 व 1 अप्रैल, 2019 की पहली दो किश्तें ऐसे किसानों को उपलब्ध करा भी दी गई थीं.*
- *केन्द्रीय मंत्रिमण्डल की 31 मई, 2019 की बैठक में लिए गए निर्णय के तहत् 2 हेक्टेयर की उपर्युक्त समय सीमा को हटा दिया गया है, जिससे सभी किसानों को इस योजना का लाभ मिल सकेगा.*
- *इस विस्तार के चलते लगभग 14·5 करोड़ किसानों को अब इस योजना का लाभ मिल सकेगा तथा 2019-20 के दौरान इस योजना का सालाना वित्तीय भार ₹ 87,217·50 करोड़ होगा.*

छोटे व्यापारियों, दुकानदारों व स्वरोजगारशुदा लोगों के लिए नई पेंशन योजना

मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में नए मंत्रिमण्डल की 31 मई, 2019 को सम्पन्न पहली ही बैठक में छोटे व्यापारियों, दुकानदारों एवं स्वरोजगारशुदा लोगों के लिए एक नई सब्सिडी आधारित स्वैच्छिक एवं अंशदायी पेंशन योजना शुरू करने का निर्णय लिया गया है. इससे इन लक्षित लाभार्थियों को 60 वर्ष की उम्र के पश्चात् ₹ 3,000 प्रतिमाह की न्यूनतम पेंशन प्राप्त हो सकेगी. इस आशय की योजना का वायदा भाजपा के चुनाव घोषणा-पत्र में किया गया था, जिसे पहले ही दिन सरकार ने पूरा कर दिया है.

इस योजना का लाभ 18–40 वर्ष उम्र के ऐसे व्यापारी, दुकानदार व स्वरोजगारशुदा लोग उठा सकेंगे जिनका सालाना जीएसटी टर्नओवर ₹ 1·50 करोड़ से कम हो. इच्छुक लाभार्थियों को इसके लिए अपना पंजीकरण कराना होगा. योजना के तहत् देय प्रीमियम की गणना पंजीकरण के समय उम्र के आधार पर होगी तथा जितना प्रीमियम लाभार्थी द्वारा चुकाया जाएगा, उतनी ही राशि का योगदान सरकार द्वारा भी किया जाएगा. 29 वर्ष की आयु में योजना में प्रवेश की स्थिति में लाभार्थियों से ₹ 100 प्रतिमाह का अंशदान अपेक्षित है. लाभार्थियों को पेंशन की अदायगी 60 वर्ष की उम्र प्राप्त करने पर शुरू होगी.

किसानों के लिए भी पेंशन योजना

उपर्युक्त तर्ज की स्वैच्छिक एवं अंशदायी पेंशन योजना छोटे व सीमांत किसानों के लिए भी शुरू करने का फैसला केन्द्रीय मंत्रिमण्डल की 31 मई, 2019 की बैठक में किया गया है. स्वतंत्रता के पश्चात् यह पहला अवसर है, जब किसानों को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पेंशन योजना शुरू की जा रही है. इसमें भी प्रवेश हेतु आयु 18–40 वर्ष ही होगी तथा 60 वर्ष की उम्र प्राप्त करने पर न्यूनतम ₹ 3,000 प्रतिमाह की पेंशन लाभार्थियों को प्राप्त हो सकेगी. पात्र किसान द्वारा किए गए अंशदान के बराबर की राशि केन्द्र सरकार द्वारा पेंशन निधि में जमा कराई जाएगी.

संयुक्त राष्ट्र संघ ने भारत के लिए 2019-20 में आर्थिक वृद्धि का पूर्वानुमान घटाया

संयुक्त राष्ट्र संघ ने भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए 2019-20 में वृद्धि दर के अपने पूर्वानुमान में कटौती मई 2019 में की है. वैश्विक आर्थिक स्थिति पर संघ की **वर्ल्ड इकोनॉमिक सिचुएशन एण्ड प्रॉस्पेक्ट्स** (World Economic Situation and Prospects) शीर्षक से जनवरी 2019 में जारी रिपोर्ट में 2019-20 में भारत में जीडीपी में वृद्धि 7·6 प्रतिशत रहने का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया था जिसे घटाकर अब 7·0 प्रतिशत किया गया है. इसी प्रकार 2020-21 के लिए यह पूर्वानुमान 7·4 प्रतिशत से घटाकर 7·1 प्रतिशत किया गया है. मई 2019 में जारी इस रिपोर्ट के अनुसार 2018-19 में भारत में जीडीपी में वृद्धि 7·2 प्रतिशत रही है (भारत के केन्द्रीय सांख्यिकीय

कार्यालय—CSO द्वारा बाद में 31 मई, 2019 को जारी अनंतिम आकलन में 2018-19 में भारत में जीडीपी वृद्धि 6·8 प्रतिशत ही आकलित की गई है) संयुक्त राष्ट्र संघ की इस मिड-2019 की रिपोर्ट में वैश्विक परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में अधिकांश विकसित एवं विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए वृद्धि दरों के पूर्वानुमानों में कटौतियाँ की गई हैं. वैश्विक उत्पाद (Global Product) में 3·1 प्रतिशत वृद्धि 2018 में रहने का अनुमान जनवरी 2019 की इस रिपोर्ट में व्यक्त किया गया था. इसका ताजा अनुमान अब 3·0 प्रतिशत का है. 2019 व 2020 में वैश्विक वृद्धि के पूर्वानुमान को भी 3-3 प्रतिशत से घटाकर क्रमशः 2·7 प्रतिशत व 2·9 प्रतिशत मई 2019 की रिपोर्ट में किया गया है.

विश्व व्यापार संगठन के विकासशील एवं अल्पविकसित 22 सदस्य देशों की बैठक नई दिल्ली में सम्पन्न

विश्व व्यापार संगठन (WTO) के 22 विकासशील एवं अल्प विकसित देशों की दो दिवसीय बैठक नई दिल्ली में 13-14 मई 2019 को सम्पन्न हुई. 16 विकासशील एवं 6 'लीस्ट डेवलप्ड' देश, जिनमें अर्जेन्टीना, बांग्लादेश, बरबाडोस, बेनिन, ब्राजील, केन्द्रीय अफ्रीकी गणराज्य, चाड, चीन, मिस्र, ग्वाटेमाला, गुयाना, इण्डोनेशिया, जमैका, कजाखस्तान, मलावी, मलेशिया, नाइजीरिया, ओमान, सऊदी अरब, द. अफ्रीका, टर्की व युगांडा शामिल थे, भारत की मेजबानी में सम्पन्न इस बैठक में शामिल थे. इन देशों के मंत्रियों, उपमंत्रियों अथवा वरिष्ठ अधिकारियों ने बैठक में भाग लिया जिसे विश्व व्यापार संगठन के महानिदेशक राबर्टो एजेविडो ने भी सम्बोधित किया. बहुपक्षीय नियम आधारित व्यापार प्रणाली के समक्ष विद्यमान चुनौतियों के सन्दर्भ में संगठन में सुधार के एजेंडे पर विचार-विमर्श बैठक में किया गया. डब्ल्यूटीओ में विकासशील देशों के हितों की अनदेखी का मुद्दा उठाते हुए भारत के वाणिज्य सचिव ने बैठक में कहा कि डब्ल्यूटीओ के सुधार के एजेंडे में विकासशील देशों की चिंताओं पर गौर नहीं किया गया है. ऐसा कोई भी एजेंडा भेदभाव से मुक्त होना चाहिए और सुधार आपसी विश्वास के आधार पर करने चाहिए. इनसे वर्तमान समझौते में पहले से चले आ रहे असंतुलन और विषमताओं का समाधान भी शामिल हो. वाणिज्य सचिव अनूप वाधवा ने कहा कि विकासशील देशों के लिए कृषि सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है, लेकिन इस क्षेत्र के फैसलों को हाशिये पर डालने का प्रयास हो रहा है. **जून 2019 में कजाखस्तान में होने वाली 12वीं मंत्रिस्तरीय बैठक के लिए संयुक्त रवैया अपनाने की रणनीति इस बैठक में निर्धारित की गई.**

आरसीईपी से भारत की निर्यात प्रतिस्पर्द्धा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका

'आसियान' (ASEAN) के 10 सदस्य देशों तथा भारत सहित एशिया प्रशांत के 6 अन्य देशों के प्रस्तावित स्वतंत्र व्यापार क्षेत्र ***क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी*** *(Regional Comprehensive Economic Partnership—RCEP), जिसके लिए उच्चस्तरीय वार्ताएँ नवम्बर 2012 से जारी हैं तथा जिस मामले में काफी प्रगति अब तक हो चुकी है, से भारत को मिलने वाले लाभों व हानियों पर भी चिन्तन अब देश में होने लगा है. भारत सरकार ने इस मुद्दे को विशेषज्ञों को भी सन्दर्भित किया है. इस मामले में चिन्ता व्यक्त करते हुए भारतीय व्यापार संवर्द्धन परिषद् (Trade Promotion Council of India—TPCI) ने कहा है कि आरसीईपी की सदस्यता से भारत की निर्यात प्रतिस्पर्द्धा को नुकसान पहुँच सकता है. परिषद् के एक बयान में कहा गया है कि आरसीईपी के 16 सदस्य देशों में से 11 के साथ भारत का व्यापार संतुलन 2018-19 में प्रतिकूल रहा है तथा आरसीईपी के प्रभावी होने पर स्वतंत्र व्यापार की स्थिति में भारत में इन देशों के उत्पादों की बाढ़ आ जाएगी. इस सम्बन्ध में सबसे ज्यादा चिन्ता चीन को लेकर व्यक्त की गई है चीन, जो आरसीईपी के सदस्यों में शामिल है, के साथ भारत का कोई व्यापार समझौता नहीं है. इसके बावजूद 2017-18 में भारत से चीन के लिए निर्यात 13·1 अरब डॉलर के जहाँ रहे हैं, वहीं चीन से भारत के आयात 73·3 अरब डॉलर के रहे. भारतीय व्यापार संवर्द्धन परिषद् का मानना है कि आरसीईपी के प्रभावी होने से भारतीय बाजार चीनी उत्पादों से पट जाएंगे. आरसीईपी के अन्य सदस्य राष्ट्रों में द. कोरिया के साथ 2017-18 में भारत का व्यापार घाटा 11·9 अरब डॉलर का तथा आस्ट्रेलिया के साथ 10·2 अरब डॉलर का रहा है. स्वतंत्र व्यापार की स्थिति में इन देशों के उत्पाद भी भारतीय बाजारों में छाएंगे जो भारत के लिए चिन्ता का विषय बनेंगे. इन परिस्थितियों को देखते हुए भारतीय रणनीतिकारों एवं सरकार को इस दिशा में सतर्क रुख अपनाने की आवश्यकता भारतीय व्यापार संवर्द्धन परिषद् ने बताई है.*

'क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी' (RCEP) के सदस्य देशों में आसियान के 10 सदस्यों (सिंगापुर, मलेशिया, फिलीपींस, कम्बोडिया, इण्डोनेशिया, थाईलैण्ड, वियतनाम, लाओस, ब्रूनेई व म्यांमार) के अतिरिक्त एशिया-प्रशांत क्षेत्र के 6 देश—भारत, चीन, जापान, आस्ट्रेलिया, द. कोरिया व न्यूजीलैण्ड शामिल हैं. यह वह देश हैं जिनके साथ आसियान ने अलग-अलग व्यापार समझौते सम्पन्न किए हुए हैं. आरसीईपी के प्रभावी हो जाने से यह सभी 16 देश एक स्वतंत्र व्यापार क्षेत्र के तहत् आ जाएंगे. यह विश्व का सबसे बड़ा स्वतंत्र व्यापार क्षेत्र होगा. विश्व का 34 प्रतिशत उत्पाद, 40 प्रतिशत व्यापार तथा लगभग आधी जनसंख्या इसके दायरे में होगी. आरसीईपी समझौता इस वर्ष (2019) के अंत तक सम्पन्न होने की सम्भावना है.

2018-19 में बागवानी उपजों का रिकॉर्ड उत्पादन : कृषि मंत्रालय के दूसरे अग्रिम अनुमान

फसल वर्ष 2018-19 में देश में बागवानी फसलों (Horticulture Crops) के अधीन क्षेत्र तथा कुल बागवानी उत्पादन के पहले अग्रिम अनुमान कृषि मंत्रालय द्वारा 30 जनवरी, 2019 को जारी किए गए थे. इस सम्बन्ध में दूसरे अग्रिम अनुमान कृषि मंत्रालय ने 31 मई, 2019 को जारी किए. इन आँकड़ों के अनुसार 2018-19 में कुल बागवानी उत्पादन 314·87 मिलियन टन के रिकॉर्ड स्तर पर रहा है, जो पूर्व वर्ष 2017-18 में 311·71 मिलियन टन था. (30 जनवरी, 2019 के पहले अग्रिम आकलन में भी 2018-19 में बागवानी उत्पादन 314·5 मिलियन टन अनुमानित किया गया था) इस प्रकार बागवानी उत्पादन में 1·01 प्रतिशत की वृद्धि 2018-19 में दर्ज की गई है. बागवानी उपजों के अधीन बुआई क्षेत्र में भी 0·71 प्रतिशत की ही मामूली वृद्धि 2018-19 में दर्ज की गई है. 2017-18 में यह क्षेत्र 25·43 मिलियन हेक्टेयर था, जो 2018-19 में 25·61 मिलियन हेक्टेयर रहा है. (**बागवानी उत्पादों में फलों, सब्जियों, मसालों व फूलों का उत्पादन शामिल किया जाता है**).

भारत में बागवानी फसलों के अधीन क्षेत्र व उत्पादन

वर्ष	क्षेत्र (मिलियन हेक्टेयर में)	कुल उत्पादन (मिलियन टन में)
2017-18	25·43	311·71
2018-19*	25·61	314·87
	(0·71)	(1·01)

नोट : कोष्ठक में दिए गए आँकड़े पूर्व वर्ष की तुलना में प्रतिशत वृद्धि दर्शा रहे हैं.

* दूसरे अग्रिम अनुमान.

देश में 2018-19 में बागवानी फसलों के क्षेत्र एवं उत्पादन के दूसरे अग्रिम अनुमानों में अग्रलिखित तथ्य कृषि मंत्रालय ने उजागर किए हैं—

- वर्ष 2018-19 के दौरान देश में **बागवानी फसलों का कुल उत्पादन** 314·87 मिलियन टन होने का अनुमान है, जो पूर्व वर्ष 2017-18 के 311·71 मिलियन टन उत्पादन की तुलना में 1·01 प्रतिशत अधिक है.
- बागवानी फसलों के तहत् क्षेत्र 2017-18 में 25·43 मिलियन हेक्टेयर था, जो बढ़कर 2018-19 में 25·61 मिलियन हेक्टेयर रहा है. इस प्रकार इनके अधीन क्षेत्र में भी वृद्धि लगभग 0·71 प्रतिशत ही रही है.
- 2018-19 के दौरान देश में **फलों** का कुल उत्पादन 97·38 मिलियन टन होने का अनुमान है. जोकि 2017-18 में भी लगभग इतना ही (97·36 मिलियन टन) रहा था.
- **सब्जियों** का उत्पादन वर्ष 2018-19 में लगभग 187·37 मिलियन टन अनुमानित है, जोकि 2017-18 में प्राप्त किए गए उत्पादन (184·4 मिलियन टन) की तुलना में 1·61 प्रतिशत अधिक है.
- देश में वर्ष 2018-19 के दौरान **प्याज** का अनुमानित उत्पादन 23·28 मिलियन टन है, जोकि पिछले वर्ष के 23·26 मिलियन टन उत्पादन की तुलना में मामूली अधिक है.
- 2018-19 के दौरान देश में आलू का उत्पादन 51·31 मिलियन टन से बढ़कर 52·96 मिलियन टन हो गया, जोकि पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 3·2 प्रतिशत अधिक है.
- **टमाटर** का उत्पादन 2018-19 के दौरान 19·66 मिलियन टन होने का अनुमान है, जोकि 2017-18 के दौरान प्राप्त किए गए 19·76 मिलियन टन उत्पादन की तुलना में कम है.
- देश में **फूलों** का उत्पादन 2018-19 के दौरान लगभग 2·9 मिलियन टन होने का अनुमान है, जोकि पिछले वर्ष 2017-18 में 2·8 मिलियन टन था.
- **सुगंधित एवं औषधीय जड़ी-बूटियों** का उत्पादन 2017-18 के दौरान लगभग 0·87 मिलियन टन रहा था. 2018-19 में यह उत्पादन कुछ कम 0·85 मिलियन टन अनुमानित है.
- 2018-19 के दौरान **बागानी फसलों** का उत्पादन लगभग 17·66 मिलियन टन होने का अनुमान है, जोकि पूर्व वर्ष 2017-18 में प्राप्त किए गए 18·1 मिलियन टन उत्पादन की तुलना में कम है.
- वर्ष 2018-19 के दौरान **मसालों** की फसलों का उत्पादन लगभग 8·61 मिलियन टन होने का अनुमान है, जोकि पूर्व वर्ष 2017-18 में प्राप्त किए गए 8·1 मिलियन टन उत्पादन की तुलना में 6 प्रतिशत अधिक है.

बागवानी उत्पादन

(हजार टन में)

उपज (Crops)	2017-18	2018-19 (31 मई, 2019 के दूसरे अग्रिम अनुमान)
फल (Fruits)		
बादाम (Almond)	14	11
गूजबरी (Aonea/Gooseberry)	1075	1069
सेब (Apple)	2327	2387
केला (Banana)	30808	31218
बेर (Ber)	513	644
रस वाले फल (Citrus)		
(i) कागजी नीबू (Lime/Lemon)	3148	3304
(ii) छोटा संतरा (Mandarin)	5101	5383
(iii) संतरा/मौसमी [Sweet Orange (Masombi)]	3266	3247
(iv) अन्य (Others)	1030	1216
कुल सिट्ररस फल [Citrus Total (i to iv)]	**12546**	**13150**
शरीफा (Custardapple)	401	325
अंगूर (Grapes)	2920	2395
अमरूद (Guava)	4054	4234
कटहल (Jackfruit)	1830	1803
कीवी (Kiwi)	12	12
लीची (Litchi)	686	710
आम (Mango)	21822	20955
खरबूजा (Muskmelon)	1231	1274
पपीता (Papaya)	5989	6096
पैशन फ्रूट (Passion Fruit)	82	85
आड़ू (Peach)	114	123
नाशपाती (Pear)	318	301
पिकानट (Picanut)	0·2	0·2
अनन्नास (Pineapple)	1706	1718
आलू बुखारा (Plum)	89	89
अनार (Pomegranate)	2845	2791
चीकू (Sapota)	1176	1097
स्ट्रॉबेरी (Strawberry)	5	5
अखरोट (Walnut)	300	297
तरबूज (Watermelon)	2520	2438
अन्य (Others)	1977	2151
कुल फल उत्पादन (Total Fruits)	**97358**	**97378**
सब्जियाँ (Vegetables)		
सेम (Beans)	2277	2364
करेला (Bittergourd)	1137	1181
लौकी (Bottlegourd)	2683	3079
बैंगन (Brinjal)	12801	12890
बंदगोभी (Cabbage)	9037	9153
शिमला मिर्च (Capsicum)	326	493
गाजर (Carrot)	1648	1918
गोभी (Cauliflower)	8668	9235
खीरा (Cucumber)	1260	1652
हरी मिर्च (Green Chillies)	3592	3771
एलीफेंट फुट याम (Elephant Foot Yam)	774	898
मशरूम (Mushroom)	487	505
भिंडी (Okra/Ladyfinger)	6095	6168
प्याज (Onion)	23262	23284
परवल (Parwal/Pointed gourd)	310	742
मटर (Peas)	5422	5536
आलू (Potato)	51310	52959
मूली (Radish)	3061	3252
सीताफल/कद्दू (Pumpkin/Sitaphal/Kaddu)	1714	2115
शकरकंद (Sweet Potato)	1500	1210
टैपिओका (Tapioca)	4950	5596
टमाटर (Tomato)	19759	19660
अन्य (Other)	22320	19703
कुल सब्जियाँ (Total Vegetables)	**184394**	**187367**

उपज (Crops)	2017-18	2018-19 (31 मई, 2019 के दूसरे अग्रिम अनुमान)
सुगंधित एवं औषधीय जड़ी-बूटियाँ (Aromatic and Medicinal)	**866**	**846**
फ्लॉवर्स कट (Flowers Cut)	823	817
फ्लॉवर्स लूज (Flowers Loose)	1962	2076
कुल फूल (Total Flowers)	**2785**	**2893**
शहद (Honey)	**105**	**115**
बागानी उपजें (Plantation Crops)		
सुपारी (Arecanut)	833	852
काजू (Cashewnut)	817	743
कोको (Cocoa)	20	18
नारियल (Coconut)	16413	16046
कुल बागानी उपजें (Total Plantation)	**18082**	**17659**
मसाले (Spices)		
अजवान (Ajwan)	24	26
इलायची (Cardamom)	28	22
सूखी मिर्च (Chillies, Dried)	2149	2386
तेजपत्ता (Cinnamon/Tejpata)	5	5
अजवायन व पोस्ता (Celery & Poppy)	34	33
लौंग (Clove)	1	1
धनिया (Coriander)	710	756
जीरा (Cumin)	689	423
मेंथी (Fenugreek)	202	248
सौंफ (Fennel)	104	83
लहसुन (Garlic)	1611	1505
अदरक (Ginger)	1118	1451
जायफल (Nutmeg)	15	12
काली मिर्च (Pepper)	66	62
वनीला (Vanilla)	0	0
इमली (Tamarind)	201	173
हल्दी (Turmeric)	1133	1389
मिंट Mint (Mentha)	33	35
कुल मसाले (Total Spices)	**8124**	**8612**
कुल (Total)	**311714**	**314870**

2018-19 में राष्ट्रीय आय के सम्बन्ध में सीएसओ के अनंतिम अनुमान : जीडीपी में वृद्धि 6·8 प्रतिशत ही रहने का ताजा अनुमान (पहले अग्रिम अनुमानों में यह वृद्धि 7·2 प्रतिशत तथा दूसरे अग्रिम अनुमानों में यह 7·0 प्रतिशत अनुमानित थी)

वित्तीय वर्ष 2018-19 में देश के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) व राष्ट्रीय आय सम्बन्धी पहले अग्रिम अनुमान (First Advance Estimates) 7 जनवरी, 2019 को तथा दूसरे अग्रिम अनुमान (Second Advance Estimates) 28 फरवरी, 2019 को केन्द्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के **केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय** (Central Statistical Office—CSO) द्वारा जारी किए गए थे. इस वित्तीय वर्ष के जीडीपी सम्बन्धी **अनंतिम आकलन (Provisional estimates)** अब 31 मई, 2019 को सीएसओ ने जारी किए हैं. **ताजा अनंतिम आँकड़ों में सन्दर्भित वर्ष (2018-19) में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि 6·8 प्रतिशत ही रहने का अनुमान लगाया गया है, जबकि पहले अग्रिम अनुमानों** में यह वृद्धि 7·2 प्रतिशत तथा दूसरे अग्रिम अनुमानों में यह 7·0 प्रतिशत अनुमानित थी.

2018-19 की राष्ट्रीय आय सम्बन्धी पहले अग्रिम अनुमान (First Advance Estimates) 7 जनवरी, 2019 को ऐसे समय जारी किए गए थे जब इस वित्तीय वर्ष की पहली दो तिमाहियों के आँकड़े ही उपलब्ध थे. तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसम्बर 2018) के जीडीपी सम्बन्धी आँकड़े उपलब्ध होने पर दूसरे अग्रिम अनुमान सीएसओ ने 28 फरवरी, 2019 को जारी किए थे. अब चौथी तिमाही (Q_4) के भी आँकड़े उपलब्ध हो जाने पर इस वित्तीय वर्ष (2018-19) की राष्ट्रीय आय सम्बन्धी अनंतिम अनुमान (Provisional Estimates) सीएसओ द्वारा 31 मई, 2019 को जारी किए गए हैं. अनंतिम अनुमानों के तहत् राष्ट्रीय आय सम्बन्धी प्रमुख आकलन निम्नलिखित हैं.

स्थिर मूल्यों (2011-12 के मूल्य स्तर) पर प्रमुख आकलन (Estimates at Constant Prices)

सकल घरेलू उत्पाद (GDP)— सीएसओ के 31 मई, 2019 के अनंतिम आकलन में वित्तीय वर्ष 2018-19 में सकल घरेलू उत्पाद (Real GDP/ GDP at Constant 2011-12 Prices) ₹ 140·78 लाख करोड़ अनुमानित है. 7 जनवरी, 2019 के पहले अग्रिम आकलन (First Advance Estimates) में यह ₹ 139·52 लाख करोड़ तथा 28 फरवरी, 2019 के दूसरे अग्रिम आकलन में यह ₹ 141·00 लाख करोड़ अनुमानित था. इससे पूर्व 2017-18 में स्थिर मूल्यों पर सकल घरेलू उत्पाद ₹ 131·80 लाख करोड़ था (CSO के 31 जनवरी, 2019 के पहले संशोधित अनुमान). **इस प्रकार 2018-19 में जीडीपी में वृद्धि 6·8 प्रतिशत रही है, जबकि 2017-18 में यह वृद्धि 7·2 प्रतिशत थी.**

राष्ट्रीय आय व प्रति व्यक्ति आय— सीएसओ के 31 मई, 2019 के अनंतिम अनुमानों में स्थिर कीमतों पर (2011-12 के स्थिर मूल्यों पर) 2018-19 में शुद्ध राष्ट्रीय आय (Real Net National Income/ National Income at Constant Prices) ₹ 123·30 लाख करोड़ अनुमानित है, जबकि 2017-18 में यह ₹ 115·31 लाख करोड़ रही है. **इस प्रकार 2018-19 में स्थिर कीमतों पर शुद्ध राष्ट्रीय आय में 6·9 प्रतिशत की वृद्धि अनुमानित है, जबकि 2017-18 में वास्तविक राष्ट्रीय आय में वृद्धि 7·0 प्रतिशत रही थी.**

स्थिर मूल्यों पर **प्रति व्यक्ति आय** 2018-19 में ₹ 92,565 रहने का सीएसओ का ताजा अनंतिम आकलन है, जबकि 2017-18 में वास्तविक प्रति व्यक्ति आय ₹ 87,623 रही थी. इस प्रकार **वास्तविक प्रति व्यक्ति आय में 5·6 प्रतिशत की वृद्धि 2018-19 में होने का सीएसओ का अनंतिम आकलन है.** 7 जनवरी, 2019 के पहले अग्रिम अनुमानों में स्थिर मूल्यों पर 2018-19 में प्रति व्यक्ति आय ₹ 91,921 तथा 28 फरवरी, 2019 के दूसरे अग्रिम अनुमानों में यह ₹ 92,748 अनुमानित थी.

राष्ट्रीय आय सम्बन्धी प्रमुख आँकड़े–एक दृष्टि में

(2011-12 के स्थिर मूल्यों पर आकलन)

(Estimate at Constant 2011-12 Prices)

(करोड़ ₹ में)

	2017-18 (31 जनवरी, 2019 के पहले संशोधित अनुमान)	2018-19 (31 मई, 2019 के अनंतिम अनुमान)	पूर्व वर्ष की तुलना में वृद्धि (प्रतिशत में)	
			2017-18 (पहले संशोधित अनुमान)	2018-19 (अनंतिम अनुमान)
1. जीडीपी (GDP—Gross Domestic Product)	1,31,79,857	**1,40,77,586**	7·2	**6·8**
2. एनडीपी (NDP–Net Domestic Product)	1,16,76,896	1,24,74,945	7·0	6·8
3. जीवीए एट बेसिक प्राइसेज (GVA at Basic Prices)	1,21,04,165	**1,29,06,936**	6·9	**6·6**
4. जीएनआई (GNI–Gross National Income)	1,30,34,121	1,39,32,287	7·2	6·9
5. एनएनआई (NNI–Net National Income)	1,15,31,159	1,23,29,646	7·0	**6·9**
6. प्रति व्यक्ति एनएनआई (Per Capital Income) (₹ में)	87,623	**92,565**	5·7	5·6

प्रचलित मूल्यों पर आकलन

(Estimates at Current Prices)

	2017-18 (पहले संशोधित अनुमान)	2018-19 (अनंतिम अनुमान)	पूर्व वर्ष की तुलना में वृद्धि (प्रतिशत में)	
			2017-18 (पहले संशोधित अनुमान)	2018-19 (अनंतिम अनुमान)
1. जीडीपी (GDP—Gross Domestic Product)	1,70,95,005	**1,90,10,164**	11·3	**11·2**
2. एनडीपी (NDP–Net Domestic Product)	1,53,13,286	1,70,30,846	11·2	11·2
3. जीवीए एट बेसिक प्राइसेज (GVA at Basic Prices)	1,54,82,715	**1,71,99,815**	11·1	11·1
4. जीएनआई (GNI–Gross National Income)	1,69,10,192	1,88,16,538	11·4	11·3
5. एनएनआई (NNI–Net National Income)	1,51,28,474	**1,68,37,219**	11·3	**11·3**
6. प्रति व्यक्ति एनएनआई (Per Capital Income) (₹ में)	1,14,958	**1,26,406**	9·8	10·0

नोट–प्रति व्यक्ति आय के आकलन हेतु कुल जनसंख्या 2017-18 में 131·6 करोड़ व 2018-19 में यह 133·2 करोड़ अनुमानित की गई है.

मूल कीमतों पर सकल मूल्य सम्वर्द्धन (Gross Value Added at Basic Prices)–वित्तीय वर्ष 2017-18 में स्थिर मूल कीमतों पर (2011-12 के मूल्य स्तर पर) जीवीए (GVA) ₹ 121·04 लाख करोड़ था, जो 2018-19 में ₹ 129·07 लाख करोड़ रहने की सम्भावना है. **इस प्रकार 2018-19 में जीवीए (GVA at Basic Prices) में 6·6 प्रतिशत वृद्धि की सम्भावना है.** पूर्व वर्ष 2017-18 में यह वृद्धि 6·9 प्रतिशत रही थी. **सीएसओ के 31 मई, 2019 के अनंतिम अनुमानों में 2018-19 में कृषि एवं सम्बन्धित क्षेत्रों में जीवीए में वृद्धि 2·9 प्रतिशत आकलित की गई है, जबकि 2017-18 में कृषि क्षेत्र में वृद्धि 5·0 प्रतिशत रही थी.** विनिर्माणी (Manufacturing) क्षेत्र में 2017-18 में जीवीए में वृद्धि 5·9 प्रतिशत रही थी, जबकि 2018-19 में यह वृद्धि 6·9 प्रतिशत रहने का अनुमान अनंतिम आकलन में लगाया गया है. 2017-18 में सर्वाधिक 11·9 प्रतिशत की वृद्धि सार्वजनिक प्रशासन, रक्षा व अन्य सेवाओं के क्षेत्र में प्राप्त की गई थी, जबकि 2018-19 में इस उपक्षेत्र में वृद्धि 8·6 प्रतिशत ही अनुमानित की गई है. **2018-19 में जीवीए में सर्वाधिक 8·7 प्रतिशत की वृद्धि निर्माण (Construction) क्षेत्र में प्राप्त होने का अनुमान अनंतिम आकलन में व्यक्त किया गया है.**

अर्थव्यवस्था के विभिन्न उत्पादक क्षेत्रों में जीवीए में वृद्धि (2011-12 के स्थिर मूल्यों के आधार पर)

(प्रतिशत में)

	2017-18 (पहले संशोधित अनुमान)	2018-19 (अनंतिम अनुमान)
1. कृषि, वानिकी एवं मत्स्यिकी (Agriculture, Forestry and Fishing)	5·0	2·9
2. खनन व उत्खनन (Mining and Quarrying)	5·1	1·3
3. विनिर्माणी (Manufacturing)	5·9	6·9
4. विद्युत्, गैस, जलापूर्ति व अन्य उपयोगी सेवाएं (Electricity, Gas, Water Supply and Other Utility Services)	8·6	7·0
5. निर्माण (Construction)	5·6	8·7
6. व्यापार, होटल, परिवहन, संचार एवं प्रसारण से सम्बन्धित सेवाएं (Trade, Hotels, Transport, Communications and Services related to Broadcasting)	7·8	6·9
7. वित्तीय, रीयल एस्टेट एवं व्यावसायिक सेवाएं (Financial, Real, Estate and Professional Services)	6·2	7·4
8. सार्वजनिक प्रशासन, रक्षा व अन्य सेवाएं (Public Administration, Difference and Other Services)	11·9	8·6
मूल कीमतों पर जीवीए (GVA at Basic Prices)	**6·9**	**6·6**

प्रचलित मूल्यों पर राष्ट्रीय आय सम्बन्धी प्रमुख आकलन (Estimates at Current Prices)

सकल घरेलू उत्पाद (GDP)–वित्तीय वर्ष 2018-19 में प्रचलित कीमतों पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP at Current Prices) ₹ 190·10 लाख करोड़ रहने का सीएसओ का ताजा अनंतिम अनुमान है. CSO के पहले संशोधित आकलन (First Revised Estimates) के अनुसार पूर्व वर्ष 2017-18

में यह ₹ 170·95 लाख करोड़ था. इस प्रकार चालू मूल्यों पर 2018-19 में जीडीपी में वृद्धि 11·2 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जबकि 2017-18 में यह वृद्धि 11·3 प्रतिशत थी.

राष्ट्रीय आय व प्रति व्यक्ति आय– सीएसओ के 31 मई, 2019 के अनंतिम अनुमानों में प्रचलित कीमतों पर 2018-19 में शुद्ध राष्ट्रीय आय (Net National Income–NNI/National Income at Current Prices) ₹ 168·37 लाख करोड़ अनुमानित है, जबकि 2017-18 में यह ₹ 151·28 लाख करोड़ रही है. इस प्रकार चालू कीमतों पर शुद्ध राष्ट्रीय में 11·3 प्रतिशत की वृद्धि 2018-19 में अनुमानित है. 2017-18 में भी यह वृद्धि 11·3 प्रतिशत रही थी. **चालू मूल्यों पर प्रति व्यक्ति आय 2018-19 में ₹ 1,26,406 रहने का सीएसओ का ताजा अनंतिम अनुमान है, जबकि 2017-18 में यह ₹ 1,14,958 थी. इस प्रकार चालू मूल्यों पर प्रति व्यक्ति आय में 10·0 प्रतिशत की वृद्धि 2018-19 में होने का सीएसओ का ताजा अनंतिम अनुमान है. 7 जनवरी, 2019 के पहले अग्रिम आकलन में 2018-19 में प्रचलित मूल्यों पर प्रति व्यक्ति आय ₹ 1,25,397 तथा 28 फरवरी, 2019 के दूसरे अग्रिम अनुमानों में यह ₹ 1,26,699 अनुमानित की गई थी.**

मूल कीमतों पर सकल मूल्य संवर्द्धन (Gross Value Added at Basic Prices)– प्रचलित मूल्यों पर मूल कीमतों पर जीवीए (GVA at Basic Prices) 2017-18 में ₹ 154·83 लाख करोड़ था, जो 2018-19 में ₹ 172·00 लाख करोड़ रहने का सीएसओ का ताजा अनुमान है. इस प्रकार प्रचलित मूल्यों पर 2018-19 में जीवीए (GVA at Basic Prices) में 11·3 प्रतिशत वृद्धि अनुमानित है. पूर्व वर्ष 2017-18 में यह वृद्धि 11·1 प्रतिशत रही थी.

2018-19 के लिए राष्ट्रीय आय सम्बन्धी अनंतिम अग्रिम अनुमान जारी करने के साथ ही इस वित्तीय वर्ष की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च 2019) के जीडीपी के आँकड़े भी सीएसओ ने 31 मई, 2019 को जारी किए हैं. सन्दर्भित तिमाही जनवरी-मार्च 2019 में स्थिर मूल्यों पर जीडीपी में वृद्धि 5·8 प्रतिशत ही अनुमानित की गई है. 2018-19 की पहली तिमाही अप्रैल-जून 2018 में जीडीपी में वृद्धि 8·0 प्रतिशत तथा दूसरी तिमाही (जुलाई-सितम्बर 2018) में यह 7·0 प्रतिशत तथा तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसम्बर 2018) में यह 6·6 प्रतिशत दर्ज की गई थी. इस प्रकार चौथी तिमाही में अर्थव्यवस्था का निष्पादन काफी शिथिल रहा है जिससे इस पूरे वित्तीय वर्ष में जीडीपी में वृद्धि 7·0 प्रतिशत के स्थान पर 6·8 प्रतिशत ही रहने का सीएसओ का ताजा पूर्वानुमान है.

2018-19 की विभिन्न तिमाहियों में जीडीपी में वृद्धि

(प्रतिशत)

तिमाही	2011-12 के स्थिर मूल्यों पर	प्रचलित मूल्यों पर
पहली (अप्रैल-जून 2018) Q_1	8·0	12·6
दूसरी (जुलाई-सितम्बर 2018) Q_2	7·0	12·0
तीसरी (अक्टूबर-दिसम्बर 2018) Q_3	6·6	11·0
चौथी (जनवरी-मार्च 2019) Q_4	**5·8**	**9·4**
पूरे वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए अनंतिम अनुमान	**6·8**	**11·2**

स्वर्ण बाँड योजना (2019-20)

चालू वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए स्वर्ण बाँड योजना (Sovereign Gold Bond Scheme) की अधिसूचना केन्द्र सरकार द्वारा 31 मई, 2019 को जारी की गई है. यह बाँड जून 2019 से सितम्बर 2019 के दौरान प्रतिमाह 5-5 चुनींदा दिनों में बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे. भारत सरकार की ओर से रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए जाने वाले इन बाँडों की बिक्री की प्रस्तावित तिथियाँ वित्त मंत्रालय की 31 मई, 2019 की अधिसूचना में अधिसूचित की गई हैं.

- *इन बाँडों की बिक्री अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (स्मॉल फाइनेंस बैंक व पेमेंट बैंकों के अतिरिक्त), स्टॉक होल्डिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया, निर्दिष्ट डाकघरों, बम्बई स्टॉक एक्सचेंज व नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के जरिए की जाएगी.*
- *इन बाँडों की बिक्री रेजीडेंट इंडीविजुअल्स के अतिरिक्त अविभाजित हिन्दू परिवारों (HUFs), ट्रस्टों विश्वविद्यालयों एवं चैरिटेबल संस्थानों को ही की जा सकेगी.*
- *यह बाँड 1 ग्राम स्वर्ण व उसके गुणक के मूल्य में निरूपित होंगे तथा न्यूनतम 1 ग्राम के लिए ही निवेश इनमें किया जा सकेगा.*
- *निजी व्यक्तियों के मामले में अधिकतम 4 किग्रा, अविभाजित हिन्दू परिवार (HUF) के मामले में भी अधिकतम 4 किग्रा तथा ट्रस्ट व अन्य चैरिटेबल संस्थानों के मामले में अधिकतम 20-20 किग्रा (प्रति वित्तीय वर्ष) तक निवेश इनमें किया जा सकेगा. संयुक्त आवेदकों (Joint Holders) के मामले में 4 किग्रा की अधिकतम सीमा पहले आवेदक के लिए लागू होगी.*
- *इन बाँड्स की अवधि 8-8 वर्ष की होगी, किन्तु 5 वर्ष के पश्चात् इस योजना से बाहर निकलने का विकल्प उपलब्ध होगा. इनकी बिक्री स्टॉक एक्सचेंज में भी की जा सकेगी.*
- *यह बाँड्स भारतीय रुपए में ही जारी किए जाएंगे तथा इनका निर्गम मूल्य (Issue Price) निर्गम तिथि से तीन दिनों पूर्व के औसत स्वर्ण मूल्य द्वारा निर्धारित होगा. इसी प्रकार भुगतान मूल्य भी भुगतान तिथि के पहले के तीन दिनों के औसत स्वर्ण मूल्य द्वारा निर्धारित किया जाएगा.*
- ***इन बाँड्स पर 2·50 प्रतिशत सालाना की दर से ब्याज देय होगी.** यह ब्याज आयकर से मुक्त नहीं होगी, किन्तु भुगतान के समय होने वाला पूँजीगत लाभ 'कैपीटल गेन टैक्स' से मुक्त रहेगा.*
- *बैंकों द्वारा अधिगृहीत किए गए ऐसे बाँड उनकी एसएलआर आवश्यकता के लिए पात्र होंगे.*

भारत का तेल आयात परिदृश्य

भारत खनिज तेल की अपनी लगभग 80 प्रतिशत जरूरतों की आपूर्ति आयातों द्वारा करता है. अन्तर्राष्ट्रीय परिस्थितियों के साथ-साथ तेल मूल्यों में बदलावों के चलते हाल ही के वर्षों में भारत के तेल आयात परिदृश्य में भी परिवर्तन हुए हैं. ***वर्ष 2017-18 तक सऊदी अरब भारत के खनिज तेल आयात में सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता रहा था, किन्तु दो वर्ष से (2017-18 से) उसका यह स्थान इराक ने लिया हुआ है.*** *भारत के वाणिज्य मंत्रालय के 'डायरेक्टोरेट ऑफ कॉमर्शियल इंटेलीजेंस एण्ड स्टैटिस्टिक्स' (DOCI&S) के आँकड़ों के हवाले से मीडिया रिपोर्टों में बताया है कि–*

- *2018-19 में भारत का खनिज तेल का कुल आयात 207·3 मिलियन टन रहा, जबकि पूर्व वर्ष 2017-18 में यह आयात 220·4 मिलियन टन था.*
- *2018-19 में भारत ने सर्वाधिक 46·61 मिलियन टन तेल का आयात इराक से किया, जो देश के कुल तेल आयात का 22·5 प्रतिशत था. पूर्व वर्ष 2017-18 में भारत का इराक से तेल आयात 45·74 मिलियन टन (उस वर्ष के कुल तेल आयात का 20·7 प्रतिशत) था.*
- *सऊदी अरब, जो 2016-17 तक भारत के लिए तेल का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता था, से भारत का तेल आयात 2018-19 में 40·33 मिलियन टन (सन्दर्भित वर्ष में देश के कुल तेल आयात का 19·5 प्रतिशत) रहा, जो एक वर्ष पूर्व 2017-18 में 36·16 मिलियन टन था.*
- *ईरान 2010-11 तक सऊदी अरब के बाद भारत को तेल का दूसरा बड़ा आपूर्तिकर्ता रहा था. ईरान से तेल आयात पर अमरीकी प्रतिबन्धों के चलते उससे तेल आयात में चरणबद्ध तरीके से कटौती भारत ने की है, जिससे 2017-18 व 2018-19 में भारत को तेल आपूर्ति करने वाले देशों में तीसरा स्थान ईरान का रहा है. 2018-19 में भारत ने 23·9 मिलियन टन तेल का आयात (कुल तेल आयात का 11·5 प्रतिशत) ईरान से किया, जबकि 2017-18 में ईरान से आयातित तेल की मात्रा 22·59 मिलियन टन थी.* ***ईरान से तेल आयात पर अमरीका के नए प्रतिबन्धों के चलते इस वर्ष 2019-20 में वहाँ से तेल का आयात मई 2019 के पश्चात् बंद कर दिया गया है.***
- *2018-19 में भारत को तेल की आपूर्ति करने के मामले में चौथा व पाँचवाँ स्थान क्रमशः संयुक्त अरब अमीरात (UAE) व वेनेजुएला का रहा है. इन देशों से क्रमशः 17·49 मिलियन टन व 17·32 मिलियन टन तेल का आयात भारत ने 2018-19 में किया. इस मामले में छठा स्थान नाइजीरिया (16·83 मिलियन टन) का 2018-19 में रहा. कुवैत ने 10·78 मिलियन टन व मैक्सिको ने 10·28 मिलियन टन तेल की आपूर्ति 2018-19 में भारत को की.*
- *हाल ही में अमरीका भी भारत के लिए तेल के आपूर्तिकर्ता देशों में शामिल हुआ है. अमरीका ने 2017-18 से ही भारत को तेल का निर्यात शुरू किया था तथा 1·4 मिलियन टन तेल का निर्यात उस वर्ष उसने भारत को किया था. 2018-19 में अमरीका से भारत का तेल आयात 6·4 मिलियन टन रहा है.*

भारत के तेल आयात के प्रमुख स्रोत

आपूर्तिकर्ता देश	आपूर्ति (मिलियन टन)	
	2017-18	**2018-19**
इराक	45·74	46·61
सऊदी अरब	36·16	40·33
ईरान	22·59	23·9
संयुक्त अरब अमीरात	14·29	17·49
वेनेजुएला	18·34	17·32
नाइजीरिया	18·11	16·83
कुवैत		10·78
मैक्सिको		10·28
संयुक्त राज्य अमरीका*	1·4	6·4
कुल आयात	**220·4**	**207·3**

* संयुक्त राज्य अमरीका से भारत ने तेल का आयात 2017-18 में ही शुरू किया है.

'इसरो' की नई वाणिज्यिक इकाई न्यू स्पेस इंडिया लि. का उद्घाटन

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के अंतरिक्ष शोध एवं विकास कार्यों के वाणिज्यिक विदोहन के उद्देश्य से इसकी एक नई वाणिज्यिक इकाई न्यू स्पेस इंडिया लि. (NSIL) की स्थापना की गई है, जिसका उद्घाटन 'इसरो' के मानद सलाहकार डॉ. के. कस्तूरीरंगन ने इसरो चेयरमैन डॉ. के. सिवान की उपस्थिति में 24 मई, 2019 को बेंगलूरू में किया. ₹ 100 करोड़ की अधिकृत पूँजी व ₹ 10 करोड़ की प्रारम्भिक चुकता पूँजी वाली यह कम्पनी अंतरिक्ष कार्यक्रमों में निजी उद्यमों की भागीदारी को प्रोत्साहित करेगी. प्रौद्योगिकी हस्तान्तरण के तहत् स्मॉल सैटेलाइट लांच व्हीकल (SSLV) तथा पोलर सैटेलाइट लांच व्हीकल (PSLV) का उत्पादन इसके कार्यों में शामिल रहेगा. इस प्रकार SSLV की वैश्विक माँग को पूरा करने का प्रयास इसके द्वारा किया जाएगा.

न्यू स्पेस इंडिया लि. का उद्घाटन करते हुए डॉ. के. कस्तूरीरंगन

- *इसरो के शोध एवं विकास कार्यों के वाणिज्यिक विदोहन के लिए अंतरिक्ष विभाग के तहत् एक इकाई के रूप में इस कम्पनी की स्थापना के प्रस्ताव को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमण्डल की 19 फरवरी, 2019 की बैठक में मंजूरी प्रदान की गई थी.*
- *इस कम्पनी का पंजीयन 6 मार्च, 2019 को कराया गया था.*
- *इसरो की एक अन्य वाणिज्यिक इकाई एंट्रिक्स कॉर्पोरेशन लि. (Antrix Corporation Ltd.) पहले से ही कार्यरत् है, जिसकी स्थापना 1992 में की गई थी.*

2018-19 में केन्द्र सरकार की वित्तीय प्राप्तियों एवं व्यय का अनंतिम लेखा-जोखा

वित्तीय वर्ष 2018-19 (अप्रैल-मार्च 2019) के दौरान केन्द्र सरकार के वित्तीय लेखे-जोखे का संक्षिप्त, अनंतिम एवं गैर लेखा-परीक्षित (Provisional and Unaudited) ब्योरा वित्त मंत्रालय द्वारा 31 मई, 2019 को जारी किया गया. इसके अनुसार

सन्दर्भित वर्ष (2018-19) में केन्द्र सरकार की कुल प्राप्तियाँ ₹ 16,66,055 करोड़, (पूरे वर्ष के लिए संशोधित अनुमान का 91·40 प्रतिशत), रहीं. इसमें ₹ 15,63,170 करोड़ की निवल राजस्व प्राप्तियाँ (Revenue Receipts) व ₹ 1,02,885 करोड़ की गैर-ऋण पूँजी प्राप्तियाँ (Non-Debt Capital Receipts) शामिल हैं.

- *₹ 15,63,170 करोड़ की निवल राजस्व प्राप्तियों में ₹ 13,16,951 करोड़ **कर राजस्व** (Net to Centre), व ₹ 2,46,219 करोड़ **गैर कर राजस्व** (Non-Tax Revenue) शामिल है.*
- *2018-19 के दौरान सरकार को प्राप्त सकल कर राजस्व में से राज्यों के हिस्से के रूप में ₹ 7,61,454 करोड़ का अंतरणा राज्यों को किया गया. यह पूर्व वर्ष 2017-18 में अंतरित राशि की तुलना में ₹ 88,449 करोड़ अधिक था.*
- *2018-19 के दौरान केन्द्र सरकार की ₹ 1,02,885 करोड़ की पूँजीगत प्राप्तियों (Capital Receipts) में ₹ 17,840 करोड़ **ऋणों की वसूली** (Recovery of Loans) से तथा ₹ 85,045 करोड़ **सार्वजनिक उपक्रमों में विनिवेश** (Disinvestment) से सरकार को प्राप्त हुए. (2018-19 में सरकार का विनिवेश प्राप्तियों का लक्ष्य ₹ 80,000 करोड़ का था)*
- *2018-19 के दौरान केन्द्र सरकार का कुल व्यय ₹ 23,11,422 करोड़ (संशोधित अनुमान का 94·07 प्रतिशत) रहा. इसमें से ₹ 20,08,463 करोड़ राजस्व खाते में तथा शेष ₹ 3,02,959 करोड़ पूँजी खाते में व्यय किए गए.*
- *₹ 20,08,463 करोड़ के राजस्व व्यय में ₹ 5,82,675 करोड़ ब्याज अदायगी पर तथा ₹ 1,97,066 करोड़ प्रमुख सब्सिडियों पर सरकार द्वारा खर्च किए गए.*

अमरीका के डेविड मालपास विश्व बैंक के नए अध्यक्ष

अमरीका में ट्रंप प्रशासन में वित्त विभाग में अन्तर्राष्ट्रीय मामलों के उपमंत्री (Treasury Under Secretary for International Affairs) रहे डेविड मालपास (David Malpass) विश्व बैंक के नए अध्यक्ष अप्रैल 2019 में निर्वाचित हुए हैं. उन्होंने अपना यह कार्यभार 9 अप्रैल, 2019 से सँभाला है. इस पद पर अमरीका के ही डॉ. जिम योंग किंग (Dr. Jim Yong Kim) का स्थान उन्होंने लिया है. द. कोरियाई मूल के डॉ. किम 1 जुलाई, 2012 से विश्व बैंक के अध्यक्ष थे. इस पद पर पाँच वर्ष का दूसरा कार्यकाल 30 जून, 2022 तक था, किन्तु अपना यह पद 1 फरवरी, 2019 से उन्होंने छोड़ दिया था, जिसके पश्चात् बुल्गारिया की क्रिस्टालिना इवानोवा जियोर्जीवा (Kristalina Ivanova Georgieva) ने अंतरिम तौर पर यह कार्यभार सँभाला हुआ था.

- *63 वर्षीय डेविड मालपास विश्व बैंक के अध्यक्ष बनने वाले 13वें व्यक्ति हैं. इस पद हेतु वह अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पसन्द थे तथा कोई अन्य उम्मीदवार इस पद हेतु उनके मुकाबले में इस बार नहीं था, जिससे बैंक के कार्यकारी बोर्ड में 6 अप्रैल, 2019 को उनका यह निर्वाचन निर्विरोध हुआ.*
- ***विश्व बैंक की स्थापना के पश्चात् कोई न कोई अमरीकी ही इस बैंक के अध्यक्ष पद पर रहा है. डेविड मालपास के निर्वाचन से विश्व बैंक के इतिहास की 73 वर्षों से चली आ रही यह परम्परा कायम रही है.***

डेविड मालपास विश्व बैंक समूह के नए अध्यक्ष

- *विश्व बैंक अध्यक्ष रहते हुए डेविड मालपास इसकी सम्बद्ध संस्थाओं–इंटरनेशनल बैंक फॉर रिकंस्ट्रक्शन एण्ड डेवलपमेंट (IBRD), इंटरनेशनल डेवलपमेंट एसोसिएशन (IDA), इंटरनेशनल फाइनेंस कॉर्पोरेशन (IFC) व मल्टीलेटरल इन्वेस्टमेंट गारंटी एजेंसी (MIGA) के अध्यक्ष भी होंगे तथा इंटरनेशनल सेंटर फॉर द सेटलमेंट ऑफ इन्वेस्टमेंट डिस्प्यूट्स (ICSID) के एडमिनिस्ट्रेटिव काउंसिल भी वह रहेंगे.*

विश्व बैंक के अध्यक्ष

1. यूजीन मेयेर (अमरीका) –जून 1946 से दिसम्बर 1946
2. जॉन जे. मैक्लॉय (अमरीका)—मार्च 1947 से जून 1949
3. यूजीन आर. ब्लैक (अमरीका)—जुलाई 1949 से दिसम्बर 1962
4. जॉर्ज वुड्स (अमरीका)—जनवरी 1963 से मार्च 1968
5. रॉबर्ट मैक्नामारा (अमरीका)—अप्रैल 1968 से जून 1981
6. एल्डन डब्ल्यू. क्लाउसेन (अमरीका)—जुलाई 1981 से जून 1986
7. बारबर कॉनेबल (अमरीका)—जुलाई 1986 से अगस्त 1991
8. लेविस टी. प्रेस्टन (अमरीका)—सितम्बर 1991 से मई 1995
9. जेम्स वोल्फेंसन (अमरीका)—जून 1995 से मई 2005
10. पॉल वोल्फोविट्ज (अमरीका)—जून 2005 से जून 2007
11. रॉबर्ट जोएलिक (अमरीका)—जुलाई 2007 से जून 2012
12. डॉ. जिम योंग किम (अमरीका)—जुलाई 2012 से फरवरी 2019
13. डेविड मालपास (अमरीका)—अप्रैल 2019 से .....

टर्नओवर, एमकैप व लाभार्जन के मामले में रिलायंस इंडस्ट्रीज का शीर्ष स्थान : सरकारी क्षेत्र की कम्पनियों में ओएनजीसी द्वारा सर्वाधिक लाभ अर्जन

*निजी क्षेत्र की रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. (RIL) अब सर्वाधिक बाजार पूँजीकरण (Market Capitalisation) वाली कम्पनी होने के साथ-साथ टर्नओवर व लाभ अर्जन के मामले में भी देश में पहले स्थान पर है. 21 मई, 2019 के शेयर मूल्य के आधार पर इस कम्पनी का एमकैप ₹ 8·52 करोड़ था, जोकि सभी कम्पनियों में सर्वोच्च था. **लाभार्जन के मामले में भी शीर्ष स्थान रिलायंस इंडस्ट्रीज का ही है (सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनियों में ओएनजीसी 2018-19 में सर्वाधिक लाभार्जन वाली कम्पनी रही है)** अद्यतन उपलब्ध अनंतिम आँकड़ों के अनुसार 2018-19 में ₹ 39,588 करोड़ का शुद्ध लाभ रिलायंस ने अर्जित किया, जो पूर्व वर्ष 2017-18 की तुलना में 13 प्रतिशत अधिक था. 2017-18 में रिलायंस का शुद्ध लाभ ₹ 34,988 करोड़ था. सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनियों में इंडियन ऑयल का शुद्ध लाभ 2017-18 में सर्वोच्च ₹ 22,189 करोड़ था, जो घटकर 2018-19 में ₹ 17,274 करोड़ ही रहा है. 2018-19 में लाभार्जन के मामले में ओएनजीसी ने इंडियन ऑयल को पीछे छोड़ दिया है. 2018-19 में ओएनजीसी का शुद्ध लाभ ₹ 26,716 करोड़ रहा है, जो पूर्व वर्ष की तुलना में 34 प्रतिशत अधिक है.*

उपलब्ध आँकड़ों के अनुसार रिलायंस इंडस्ट्रीज ने टर्नओवर के मामले में भी 2018-19 में इंडियन ऑयल को पीछे छोड़ दिया है. रिलायंस का टर्नओवर 2018-19 में ₹ 6·23 लाख करोड़ रहा है, जबकि सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल का टर्न ओवर ₹ 6·17 लाख करोड़ रहा.

शब्द संक्षेप (Abbreviation)

सीपीईसी—चाइना-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर

CPEC—China-Pakistan Economic Corridor

व्याख्या—यह चीन में शिनजियांग प्रांत को पाकिस्तान के ग्वादर पोर्ट तक सड़क एवं रेल मार्ग से जोड़ने वाला आर्थिक गलियारा है. 2015 में शुरू की गई इस परियोजना के प्रथम चरण का कार्य लगभग पूरा हो चुका है. 60 अरब डॉलर की संशोधित लागत वाले इस गलियारे को लेकर भारत को आपत्ति है, क्योंकि यह पाक अधिकृत कश्मीर, जिसे भारत अपना भूभाग मानता है, से होकर गुजरता है.

नियुक्तियाँ (Appointments)

वोलोदिमीर जेलेंस्की

टीवी सीरियल सर्वेन्ट ऑफ द पीपुल में राष्ट्रपति किरदार निभाने वाले हास्य अभिनेता वोलोदिमीर जेलेंस्की (Volodymyr Zelensky) ने यूक्रेन के नए राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार 20 मई, 2019 से सँभाल लिया है. इस पद के लिए अप्रैल 2019 में सम्पन्न चुनाव में तत्कालीन राष्ट्रपति पेट्रो पेरोशेंको को भारी बहुमत से उन्होंने पराजित किया था.

वोलोदिमीर जेलेंस्की : यूक्रेन के नए राष्ट्रपति.

नए राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात् संसद को भंग करते हुए नए संसदीय चुनाव शीघ्र ही कराने की घोषणा जेलेंस्की ने की है. वहाँ मूलतः यह चुनाव अक्टूबर 2019 में होने को थे.

मोइन-उल-हक भारत में पाकिस्तान के नए उच्चायुक्त

पाकिस्तान सरकार ने वरिष्ठ राजनयिक मोइन-उल हक (Moin-ul-Haq) को भारत में अपना नया उच्चायुक्त (High Commissioner) मई 2019 में नियुक्त किया है. पाकिस्तान विदेश सेवा के मोइन-उल-हक वर्तमान में फ्रांस में पाकिस्तान के राजदूत हैं तथा पूर्व वर्षों में टर्की, कनाडा व श्रीलंका में भी सेवाएं दे चुके हैं. भारत में अपना यह दायित्व वह शीघ्र ही सँभालेंगे.

मोइन-उल-हक : भारत में पाकिस्तान के नए उच्चायुक्त.

भारत में उच्चायुक्त के पद पर वह सुहेल महमूद का स्थान लेंगे, जिन्हें अप्रैल 2019 में पाकिस्तान का विदेश सचिव बनाया गया है.

राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के न्यायिक सदस्य के रूप में न्यायमूर्ति वी.के. जैन के कार्यकाल में वृद्धि

राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (National Consumer Disputes Redressal Commission–NCDRC) के न्यायिक सदस्य के रूप में दिल्ली उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति वी. के. जैन का कार्यकाल 29 मई, 2019 को समाप्त होने को था. उनके इस कार्यकाल में एक वर्ष की (अथवा नई नियुक्ति होने तक की) वृद्धि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 28 मई, 2019 को की गई है.

न्यायमूर्ति ए. के. सीकरी न्यूज़ ब्रॉडकास्टिंग स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी के नए अध्यक्ष

सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति ए.के. सीकरी को न्यूज़ ब्रॉडकास्टिंग स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी (NBSA) का चेयरमैन मई 2019 में नियुक्त किया गया है. यह प्राधिकरण न्यूज़ ब्रॉडकास्टर्स एसोसिएशन द्वारा गठित एक स्वतंत्र निकाय है. यह समाचार चैनलों के लिए नियम बनाने व उच्च मानक बनाए रखने के लिए दिशा-निर्देश निर्धारित करता है. चैनलों के रोजमर्रा के कार्यकलापों में कोई हस्तक्षेप यह नहीं करता. प्राधिकरण के चेयरमैन पद पर पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति आर.बी. रविंद्रन का स्थान न्यायमूर्ति सीकरी ने 26 मई, 2019 से लिया है.

लेफ्टि. जनरल शैलेश तिनेकर द. सूडान में संयुक्त राष्ट्र पीस मिशन के नए कमाण्डर

भारत के लेफ्टि. जनरल शैलेश तिनेकर संयुक्त राष्ट्र संघ के द. सूडान स्थित पीस मिशन यूनाइटेड नेशंस मिशन इन साउथ सूडान (United Nations Mission in South Sudan (UNMISS) के कमाण्डर मई 2019 में बनाए गए हैं. वर्तमान में यह संयुक्त राष्ट्र संघ का दूसरा सबसे बड़ा शांति मिशन है, जिसकी शुरूआत जुलाई 2011 में सूडान से द. सूडान की स्वतंत्रता के साथ ही की गई थी. 12·5 हजार शांतिरक्षक सैनिकों वाले इस पीस मिशन में भारत के लगभग 2500 सैन्यकर्मी शामिल हैं. भारत के अतिरिक्त बांग्लादेश, ब्राजील, कम्बोडिया, चीन, कनाडा, डेनमार्क, पेरू, पोलैण्ड, द. कोरिया, ब्रिटेन, अमरीका व जिम्बाब्वे सहित अन्य अनेक देशों के सैन्यकर्मी भी इसमें शामिल हैं. रवांडा के लेफ्टि. जनरल फ्रैंक मुश्यो कामांजी अप्रैल 2017 से इस मिशन का कमाण्डर थे, जिनका स्थान अब भारत के लेफ्टि. जनरल तिनेकर ने लिया है.

लेफ्टि. जनरल शैलेश तिनेकर

एडमिरल करमबीर सिंह भारतीय नौसेना के नए प्रमुख

एडमिरल करमबीर सिंह भारतीय नौसेना के नए प्रमुख बनाए गए हैं. इस पद पर एडमिरल सुनील लांबा, जो तीन वर्ष तक नौसेनाध्यक्ष रहने के पश्चात् 31 मई, 2019 को सेवानिवृत्त हुए हैं, का स्थान एडमिरल करमबीर सिंह ने 1 जून से लिया है. एडमिरल करमबीर सिंह भारतीय

एडमिरल करमवीर सिंह : नए नौसेनाध्यक्ष

नौसेना के 24वें प्रमुख हैं. इस नियुक्ति से पूर्व वाइस एडमिरल के रूप में वह नौसेना की पूर्वी कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ (FOC-in-C) थे. नौसेना प्रमुख के रूप में उनका कार्यकाल नवम्बर 2021 तक होगा.

3 नवम्बर, 1959 को जन्मे करमबीर सिंह को 1 जुलाई, 1980 को नौसेना में कमीशन प्राप्त हुआ था. 39 वर्ष के अपने कॅरियर में नौसेना में अनेक महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ उन्होंने निभाई हैं तथा हेलीकॉप्टर पायलट के रूप में उड़ाने भी उन्होंने भरी हैं.

करमबीर सिंह के नौसेनाध्यक्ष पद पर प्रोन्नति को अण्डमान निकोबार कमान के प्रमुख वाइस एडमिरल बिमल वर्मा ने वरीयता के आधार पर चुनौती दी थी, जिसे रक्षा मंत्रालय ने खारिज कर दिया था. इस मामले में सैन्य न्यायाधिकरण (Armed Forces Tribunal–AFT) में याचिका वाइस एडमिरल वर्मा ने दायर की है, जिसे स्वीकार करते हुए सुनवाई हेतु 17 जुलाई, 2019 की तिथि निर्धारित की गई है तब तक एडमिरल करमबीर सिंह को प्रभार सँभालने की अनुमति न्यायाधिकरण ने प्रदान की है तथा कहा है कि इस पद पर उनका बने रहना मामले की सुनवाई के नतीजों पर निर्भर करेगा.

- *भारतीय वायुसेना के अध्यक्ष एयरचीफ मार्शल बीएस धनोवा की सेवानिवृत्ति भी इसी वर्ष अक्टूबर माह में होनी है, जबकि थलसेनाध्क्ष जनरल बिपिन रावत का कार्यकाल दिसम्बर 2019 के अन्त तक है.*
- ***सेनाध्यक्षों का इस पद पर कार्यकाल तीन वर्ष होता है, किन्तु अधिकतम 62 वर्ष की आयु तक ही इस पद पर वह रह सकते हैं.***

एयरचीफ मार्शल बी. एस. धनोवा सेनाध्यक्षों की समिति के चेयरमैन Chairman of the Chiefs of Staff Committee

वायुसेनाध्यक्ष एयरचीफ मार्शल बिरेंदर सिंह धनोवा भारत के सेनाध्यक्षों की समिति

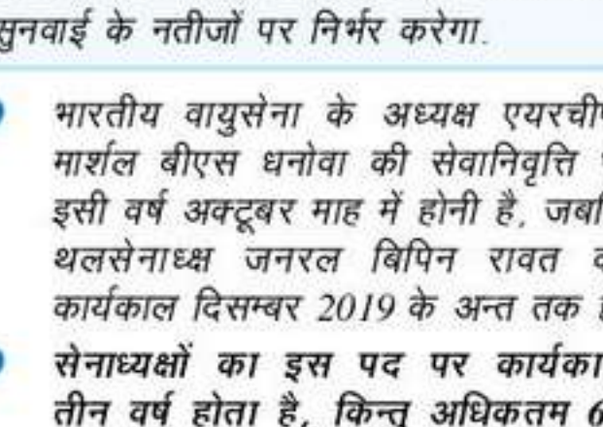

सेनाध्यक्षों की समिति के अध्यक्ष का बेटन एयर चीफ मार्शल बी.एस. धनोवा को सौंपते हुए निवर्तमान नौसेनाध्यक्ष एडमिरल सुनील लांबा.

के नए प्रमुख 31 मई, 2019 से बने हैं. इस पद पर नौसेनाध्यक्ष एडमिरल सुनील लांबा, जो 31 मई को ही सेवानिवृत्त हुए हैं, का स्थान एयरचीफ मार्शल धनोवा ने लिया है. एयर चीफ मार्शल धनोवा अक्टूबर 2019 तक ही इस पद पर रहेंगे, जिसके पश्चात् थलसेनाध्यक्ष जनरल बिपिन रावत यह दायित्व सँभालेंगे.

- *तीनों सेनाध्यक्षों में वरिष्ठतम सेनाध्यक्ष ही सेनाध्यक्षों की समिति का अध्यक्ष होता है. सेवानिवृत्त से पूर्व एडमिरल सुनील लांबा वरिष्ठतम सेनाध्यक्ष होने के नाते सेनाध्यक्षों की समिति के अध्यक्ष थे.*

पुरस्कार/सम्मान (Awards/Honours)

इसरो के पूर्व चेयरमैन ए.एस. किरण कुमार को फ्रांस का शीर्ष नागरिक सम्मान

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO–इसरो) के पूर्व अध्यक्ष ए.एस. किरण कुमार को फ्रांस के शीर्ष नागरिक सम्मान नेशनल ऑर्डर ऑफ द लीजन डि ऑनर (National Order of the Legion of Honour) से मई 2019 में सम्मानित किया गया है. भारत स्थित फ्रांसीसी राजदूत एलेक्जैंड्रे जीगलर (Alexandre Ziegler)

ए.एस. किरण कुमार को लिजन ऑफ ऑर्डर सम्मान से सम्मानित करते हुए फ्रांसीसी राजदूत एलेक्जैंड्रे जीगलर.

ने अपने देश के राष्ट्रपति की ओर से यह सम्मान उन्हें 2 मई को नई दिल्ली में प्रदान किया. फ्रांसीसी स्पेस एजेंसी नेशनल सेंटर फॉर स्पेस स्टडीज के चेयरमैन जीन्वेस ली गॉल (Jean-Yves Le Gall) भी इस अवसर पर उपस्थित थे. 2015-2018 के दौरान 'इसरों' के चेयरमैन रहे किरण कुमार को यह सम्मान अन्तरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भारत-फ्रांस सहयोग में वृद्धि के लिए दिया गया है.

के.के. बिड़ला फाउण्डेशन का वर्ष 2018 का सरस्वती सम्मान व बिहारी पुरस्कार

के. के. बिड़ला फाउण्डेशन का साहित्य के क्षेत्र का वर्ष 2018 का (28वाँ) सरस्वती सम्मान तेलुगू कवि के. सिवा रेड्डी को तथा बिहारी पुरस्कार जयपुर की हिन्दी साहित्यकार मनीषा कुलश्रेष्ठ को दिया गया हैं. श्री रेड्डी को ₹ 15 लाख का यह पुरस्कार 2016 में प्रकाशित उनके कविता संग्रह 'पक्काकी ओट्टिगिलिते' (Pakkaki Ottigilite) के लिए दिया गया है. **सरस्वती सम्मान भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किसी भी भारतीय भाषा में विगत 10 वर्षों में पहली बार प्रकाशित किसी उत्कृष्ट रचना के लिए दिया जाता है.** इस सम्मान के तहत् ₹ 15 लाख की राशि लेखक को प्रदान की जाती है. पहला सरस्वती सम्मान (1991) हिन्दी के महान् साहित्यकार हरिवंश राय बच्चन को उनकी आत्मकथा के लिए दिया गया था, जबकि पिछला (27वाँ) 2017 का सरस्वती सम्मान गुजराती कवि एवं साहित्यकार सितांशु यशचंद्र को दिया गया था.

फाउण्डेशन का वर्ष 2018 का बिहारी पुरस्कार मनीषा कुलश्रेष्ठ को 2016 में प्रकाशित उनके हिन्दी उपन्यास स्वप्नपाश के लिए दिया गया है. उन्हें यह पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा फाउण्डेशन द्वारा 16 मई, 2019 को की गई. ₹ 2·50 लाख का यह पुरस्कार राजस्थान के ही किसी साहित्यकार को विगत 10 वर्षों में हिन्दी अथवा राजस्थानी में प्रकाशित उनकी किसी उत्कृष्ट रचना के लिए दिया जाता है. पिछले वर्ष 2017 का यह पुरस्कार राजस्थानी साहित्यकार विजय वर्मा को उनके निबन्ध संग्रह लोकावलोकन के लिए दिया गया था.

के.के. बिड़ला फाउण्डेशन के साहित्य के क्षेत्र के अन्य पुरस्कारों में व्यास सम्मान शामिल है. ₹ 4 लाख का व्यास सम्मान किसी भारतीय साहित्यकार को विगत 10 वर्षों में **हिन्दी** भाषा में प्रकाशित किसी उत्कृष्ट कृति के लिए दिया जाता है. वर्ष 2018 का व्यास सम्मान हिन्दी साहित्यकार लीलाधर जगूड़ी को 2013 में प्रकाशित उनके काव्य संग्रह 'जितने लोग उतने प्रेम' के लिए दिया गया था.

मान बुकर अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार (2019)

ओमान की लेखिका जोखा अल्हार्थी (Jokha Alharthi) को उनके उपन्यास

सेलेस्टियल बॉडीज की लेखिका जोखा अल्हार्थी व अनुवादक मैरिलिन बूथ उपन्यास की प्रति के साथ.

'सेलेस्टियल बॉडीज' (Celestial Bodies) के लिए वर्ष 2019 का मान बुकर अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार 22 मई, 2019 को लंदन में प्रदान किया गया है. मूलतः अरबी में प्रकाशित इस उपन्यास का अंग्रेजी में अनुवाद ब्रिटेन की

- *मान बुकर अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार की शुरूआत 2005 से हुई थी तथा वर्ष 2015 तक यह पुरस्कार 2-2 वर्ष के अन्तराल पर दिया जाता था. 2015 के पश्चात् यह पुरस्कार अब प्रतिवर्ष दिया जाने लगा है.*
- *शुरू में यह पुरस्कार अंग्रेजी भाषा में समग्र योगदान के लिए दिया जाता था, किन्तु 2016 से यह किसी भी भाषा की किसी उत्कृष्ट कृति जिसका अनुवाद अंग्रेजी में हुआ हो, के लिए दिया जाने लगा है. इसके साथ ही इसके तहत् दी जाने वाली पुरस्कार राशि का विभाजन पुस्तक के रचयिता व उसके अंग्रेजी में अनुवादक में किया जाता है. इस वर्ष यह अन्तिम वर्ष है, जब इस पुरस्कार को मान बुकर अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार कहा गया है. मान ग्रुप की स्पॉंसरशिप समाप्त हो जाने के कारण अगले वर्ष से इसे इंटरनेशनल बुकर पुरस्कार ही कहा जाएगा. यह पुरस्कार (मान बुकर अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार) इसी नाम के एक अन्य मान बुकर पुरस्कार से भिन्न पुरस्कार है.*

मैरिलिन बूथ ने किया है. यह पहला अवसर है, जब यह पुरस्कार अरबी भाषा में प्रकाशित किसी रचना के लिए दिया गया है तथा 41 वर्षीय जोखा अल्हार्थी यह पुरस्कार जीतने वाली ओमान की पहली साहित्यकार हैं. इस पुरस्कार के तहत् दी जाने वाली 50 हजार पाउंड (64 हजार डॉलर) की राशि लेखक व उपन्यास की अनुवादक मैरिलिन बूथ (Marilyn Booth) में विभाजित की गई.

वर्ष 2019 को मान बुकर अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए छह पुस्तकों को ज्यूरी द्वारा अल्पसूचीबद्ध किया गया था. इनमें जोखा अल्हार्थी की सेलेस्टियन बॉडीज के अतिरिक्त एनी एर्नाक्स की द ईयर्स (The years) मूलतः फ्रांसीसी में प्रकाशित) मैरियन पॉशमैन की द पाइन ऑइलैण्ड्स (The Pine Islands) ..... (मूलतः जर्मन में प्रकाशित). ओल्गा टोकार्कजुक की ड्राइव योअर प्लो ओवर द बोन्स ऑफ द डैड (Drive your plow over the bones of the Dead) (मूलतः पोलिश में प्रकाशित), जुआन गॅब्रियल वैस्कुएज की द शेप ऑफ द र्‌यून्स (The Shape of the Ruins) (मूलतः स्पेनिश में प्रकाशित) तथा आलिया ट्राबुको जेरान की द रिमेंडर (The Remainder) (मूलतः स्पेनिश में प्रकाशित) भी शामिल थीं.

मान बुकर अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार के अब तक के विजेता

वर्ष	पुरस्कृत साहित्यकार
2005	इस्माइल कादरे (अल्बानिया)
2007	चिनुआ अकेबे (नाइजीरिया)
2009	एलिस मुनरो (कनाडा)
2011	फिलिप रोथ (अमरीका)
2013	लीडिया डेविस (अमरीका)
2015	लाज्लो क्राजनाहोरकाई (हंगरी)
2016	हानकांग (द. कोरिया) [द. वेजीटेरियन उपन्यास के लिए]
2017	डेविड ग्रॉसमैन (इजरायल) [ए हॉर्स वाक्स इन्टू ए बार उपन्यास के लिए]
2018	ओल्गा टोकारझुक (पोलैण्ड) [उपन्यास फ्लाइट्स के लिए], अनुवादिका जेनिफर क्रॉफ्ट
2019	जोखा अल्हार्थी (ओमान) [उपन्यास सेलेस्टियल बॉडीज़ के लिए], अनुवादिक मैरिलिन बूथ

टाइगर वुड्स को अमरीका का शीर्ष नागरिक सम्मान : प्रेजीडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम

जाने माने अमरीकी गोल्फर टाइगर वुड्स को अमरीका के सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रेजीडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम से मई 2919 में सम्मानित किया गया है. 6 मास्टर्स सहित कुल 15 मेजर गोल्फ खिताबों के विजेता टाइगर वुड्स को महानतम खिलाड़ियों में से एक बताते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 6 मई, 2019 को व्हाइट हाउस में गार्डन सेरेमनी के दौरान उन्हें यह सम्मान प्रदान किया.

टाइगर वुड्स को प्रेजीडेंशियल मेडल प्रदान करते हुए अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप.

अमरीका का यह सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऐसे व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने राष्ट्रीय हित एवं सुरक्षा की दिशा में अथवा विश्व शान्ति संस्कृति या किसी अन्य क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया हो. जिन खिलाड़ियों को यह सम्मान अब तक दिया जा चुका है, उनमें आर्नोल्ड पामर, जैक निकलॉस व चार्ल्स सिफोर्ड (सभी गोल्फ), मोहम्मद अली (मुक्केबाजी), बिली जीन किंग (टेनिस), माइकल जॉर्डन (बास्केट बाल) व बेब रूथ (बेस बाल) आदि शामिल हैं.

सिएट के अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट रेटिंग पुरस्कार (2019)

क्रिकेट के विभिन्न स्वरूपों में 2018-19 के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले

क्रिकेटरों के लिए सिएट के अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कारों का वितरण मुम्बई में 13 मई, 2019 को किया गया. भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली को **इंटरनेशनल क्रिकेटर ऑफ द ईयर** के पुरस्कार के साथ-साथ इंटरनेशनल बैट्समैन ऑफ द ईयर का पुरस्कार भी इन पुरस्कारों के तहत् दिया गया है. इंटरनेशनल बॉलर ऑफ द ईयर भारत के जसप्रीत बुमराह को दिया गया, जबकि बिहार के आशुतोष अमन को **डोमेस्टिक प्लेयर ऑफ द ईयर** का पुरस्कार दिया गया. पूर्व वर्षों के जाने माने क्रिकेटर मोहिंदर अमरनाथ, जो महान खिलाड़ी लाला अमरनाथ के पुत्र हैं, को **लाइफटाइम एचीवमेंट पुरस्कार** इस समारोह में दिया गया. पुरस्कारों की सूची निम्नलिखित है–

- **लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड**–मोहिंदर अमरनाथ
- **इंटरनेशनल क्रिकेटर ऑफ द ईयर**–विराट कोहली (भारत)
- **डोमेस्टिक प्लेयर ऑफ द ईयर**–आशुतोष अमन (बिहार)
- **इंटरनेशनल बैट्समैन ऑफ द ईयर**–विराट कोहली (भारत)
- **इंटरनेशनल बॉलर ऑफ द ईयर**–जसप्रीत बुमराह (भारत)
- **इंटरनेशनल ओडीआई क्रिकेटर ऑफ द ईयर**–रोहित शर्मा (भारत)
- **इंटरनेशनल टी-20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर**–आरोन फिंच (आस्ट्रेलिया)
- **टी-20 बॉलर ऑफ द ईयर**–राशिद खान (अफगानिस्तान)
- **इंटरनेशनल वोमैन क्रिकेटर ऑफ द ईयर**–स्मृति मंधाना (भारत)
- **आउटस्टैंडिंग पर्फोमेंस ऑफ द ईयर**–कुलदीप यादव (भारत)
- **जूनियर क्रिकेटर ऑफ द ईयर**–यशस्वी जैसवाल.

कान फिल्मोत्सव (2019) के पुरस्कार

फ्रांस का प्रतिष्ठित 72वाँ कान फिल्म महोत्सव (Cannes Film Festival) कान में 14-25 मई, 2019 को सम्पन्न हुआ. अमरीकी निर्देशक जेम्स रॉबर्ट जारमुश्क

द्वारा निर्देशित **द डैड डोंट डाइ** (The Dead Don't Die) इस महोत्सव की उद्घाटन फिल्म थी. महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का **पाल्म डि 'ओर** (Palme d'Or) पुरस्कार–द. कोरियाई फिल्म पैरासाइट (Parasite) को दिया गया. निम्नलिखित पुरस्कार महोत्सव के प्रमुख पुरस्कारों में शामिल थे–

सर्वश्रेष्ठ फिल्म (Palme d'Or)–पैरासाइट (निर्देशक बोंग जून-हो)

ग्रांड प्रिक्स पुरस्कार–एटलांटिक्स (निर्देशक मति डियोप)

सर्वश्रेष्ठ निर्देशक–जीन पियरे व लुक डार्डेने (फिल्म यंग अहमद के लिए)

सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री–एमिली बीचाम (फिल्म लिटिल जो के लिए)

सर्वश्रेष्ठ अभिनेता–एंटोनियो बांडेरास (फिल्म पेन एण्ड ग्लोरी के लिए)

ज्यूरी का पुरस्कार–ब्राजीली फिल्म बाकुराउ (निर्देशक क्लेबर मेंडौका) तथा फ्रांसीसी फिल्म लैस मिज़रेबल्स (निर्देशक लेड्ज ली)

कैमेरा डि 'ओर (गोल्डन कैमरा) पुरस्कार–अवर मदर्स (निर्देशक सिसार डियाज़)

निधन (Death)

हीरालाल यादव

लोकगायिकी की महत्वपूर्ण विधा बिरहा के प्रसिद्ध गायक हीरालाल यादव का 93 वर्ष की आयु में 12 मई, 2019 को वाराणसी में निधन हो गया. वह मूलतः वाराणसी के ही थे. इसी वर्ष 2019 में उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया था. पूर्व वर्षों में यश भारती, संस्कार भारती व उत्तर प्रदेश संगीत नाटक एकेडमी के पुरस्कार से भी वह सम्मानित थे.

वाई. सी. देवेश्वर

आईटीसी (इंडियन टुबैको कम्पनी) के चेयरमैन सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी वाई. सी. देवेश्वर का 72 वर्ष की आयु में 11 मई, 2019 को नई दिल्ली में निधन हो गया. 1991-1994 के दौरान वह एयर इण्डिया के चेयरमैन सह प्रबन्ध निदेशक भी रहे थे. वह भारतीय रिज़र्व बैंक के केन्द्रीय बोर्ड के सदस्य भी थे. 2005-06 के दौरान वह भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) के अध्यक्ष रहे थे तथा 2011 में उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था.

वाई. सी. देवेश्वर

पुस्तकें (Books)

इंडिया पॉज़िटिव : न्यू एसेज़ एण्ड सिलेक्टेड कॉलम्स (India Positive : New Essays and Selected Columns)

–चेतन भगत

(2 मई, 2019 को प्रकाशित)

गेम चेंजर (Game Changer)

–शाहिद अफरीदी

(29 अप्रैल, 2019 को प्रकाशित)

द मोमेंट ऑफ लिफ्ट (The Moment of Lift)

–मेलिंडा गेट्स

(23 अप्रैल, 2019 को प्रकाशित)

वर्ष/दिवस/सप्ताह (Year/Days/Week)

मई 2019

1 मई–महाराष्ट्र दिवस

1 मई–गुजरात दिवस

(महाराष्ट्र व गुजरात दोनों ही राज्यों की स्थापना 1 मई, 1960 को तत्कालीन बॉम्बे प्रेसीडेंसी का विभाजन करके की गई थी.)

1 मई–अंतर्राष्ट्रीय श्रम दिवस (मजदूर दिवस)

(1 मई जिसे **'मई दिवस'** या **'श्रम दिवस'** भी कहा जाता है. उन शहीद श्रमिकों की स्मृति में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मनाया जाता है जिन्होंने अमरीका के शिकागो शहर में उचित सेवा शर्तों, शोषण एवं दमन के विरुद्ध तथा मानवोचित अधिकारों की प्राप्ति के लिए सन् 1886 में एक लम्बा एवं निर्णायक संघर्ष किया था.)

3 मई–विश्व प्रेस स्वतन्त्रता दिवस

5 मई–अन्तर्राष्ट्रीय हास्य दिवस (मई का पहला रविवार)

7 मई–विश्व अस्थमा दिवस (मई का प्रथम मंगलवार)

8 मई–विश्व रेडक्रॉस दिवस

11 मई–राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस

12 मई–अन्तर्राष्ट्रीय नर्सिंग दिवस नर्सेस डे

12 मई–मदर्स डे (मई का दूसरा रविवार)

15 मई–अन्तर्राष्ट्रीय परिवार दिवस

17 मई–विश्व उच्च रक्तचाप दिवस (World Hypertension Day)

18 मई–अन्तर्राष्ट्रीय म्यूजियम्स दिवस

21 मई–संवाद एवं विकास हेतु सांस्कृतिक विविधता का दिवस

21 मई–पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि

22 मई–अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस

27 मई–पूर्व प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि

29 मई–संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय दिवस

30 मई–हिन्दी पत्रकारिता दिवस

(30 मई, 1826 को हिन्दी के पहले साप्ताहिक 'उदन्त मार्तण्ड' का प्रकाशन कलकत्ता से शुरू हुआ था. उसी की स्मृति में 30 मई को हिन्दी पत्रकारिता दिवस के रूप में मनाया जाता है. हिन्दी का यह पहला अखबार प्रकाशन शुरू होने के डेढ़ वर्ष बाद ही दिसम्बर 1827 में बन्द हो गया था.)

31 मई–विश्व तम्बाकू निषेध दिवस

संयुक्त राष्ट्र वेसाक दिवस

यह बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए यह सबसे बड़ा उत्सव है. मई माह में पूर्णिमा (बुद्ध पूर्णिमा) के दिन इसे सभी बौद्धावलंबियों द्वारा मनाया जाता है. ऐसा माना जाता है कि इस दिन ही भगवान बुद्ध का जन्म एवं निर्वाण हुआ था तथा पूर्ण ज्ञान की प्राप्ति भी इसी दिन उन्हें हुई थी. इस दिन को अन्तर्राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाने का प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र महासभा में दिसम्बर 1999 में पारित हुआ था. तदनुरूप संयुक्त राष्ट्र संघ में इस उपलक्ष्य में आयोजन 15 मई, 2000 को हुआ था.

इसी उपलक्ष्य में अन्तर्राष्ट्रीय वेसाक दिवस का आयोजन प्रति वर्ष किसी देश में किया जाता है. इस वर्ष 12-14 मई, 2019 को यह आयोजन वियतनाम में हा नाम (Ha Nam) प्रांत में ताम चुक पैगोडा में हुआ. Buddhist Approach to Global Leadership and Shared Responsibilities for Sustainable Societies इस वर्ष वेसाक दिवस का थीम था. वियतनाम के हजारों बौद्ध अनुयायियों के अतिरिक्त 112 देशों के 1650 से अधिक प्रतिनिधि इस समारोह में उपस्थित थे. भारत के उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने 12 मई को मुख्य वक्ता के रूप में इसे सम्बोधित किया.

दुर्घटनाएं (Accidents)

सूरत में कोचिंग सेंटर में अग्निकाण्ड : छात्रों सहित 22 लोगों की मृत्यु

गुजरात में सूरत में 24 मई, 2019 को एक चार मंजिला व्यावसायिक परिसर में चल रहे कोचिंग सेंटर में आग लगने से 17 छात्रों सहित कुल 23 लोग मौत का शिकार

बने. आग की लपटों से घिरा देखकर कुछ छात्रों ने तीसरी व चौथी मंजिल से कूद कर जान बचाने की कोशिश की. मारे गए छात्रों में कुछ ऐसे छात्र भी शामिल हैं. प्रारम्भिक आकलन में शॉर्ट सर्किट को आग लगने का कारण माना गया है. विस्तृत जाँच का आदेश देते हुए मृतकों के परिजनों को ₹ 4-4 लाख की राहत राशि प्रदान करने की घोषणा मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने की है.

विविध
(Miscellaneous)

वरुण 2019 : भारत व फ्रांस की नौसेनाओं का संयुक्त अभ्यास

भारत व फ्रांस की नौसेनाओं का संयुक्त अभ्यास **वरुण 2019** मई 2019 में सम्पन्न हुआ. दो चरणों में सम्पन्न इस संयुक्ताभ्यास का पहला चरण गोवा के तट पर 1–10 मई, 2019 को सम्पन्न हुआ. इस संयुक्त अभ्यास का दूसरा चरण वरुण 19·2 जिबूति (Djibouti) के तट पर 22–25 मई, 2019 को सम्पन्न हुआ. दोनों नौसेनाओं के बीच वरुण शृंखला का यह 17वाँ संयुक्त अभ्यास था. दोनों देशों के बीच संयुक्त नौसैनिक अभ्यास की शुरूआत 1983 में हुई थी तथा 2001 में इसे वरुण नाम दिया गया था.

●●●

Union Public Service Commission
Programme of Examinations/Recruitment Tests (RTs)-2020

S. No.	Name of Examination	Date of Notification	Last Date for receipt of Application	Date of Commence-ment of Exam.	Duration of Exam.
1.	Engineering Services (Preliminary) Examination, 2020	25.09.2019	15.10.2019	05.01.2020 (Sunday)	1 day
2.	Combined Geo-Scientist (Preliminary) Examination, 2020	25.09.2019	15.10.2019	19.01.2020 (Sunday)	1 day
3.	**Reserved for UPSC RT/Examination**			19.01.2020 (Sunday)	1 day
4.	C.D.S. Examination (I), 2020	30.10.2019	19.11.2019	02.02.2020 (Sunday)	1 day
5.	**Reserved for UPSC RT/Examination**			23.02.2020 (Sunday)	1 day
6.	CISF AC (EXE) LDCE-2020	04.12.2019	24.12.2019	01.03.2020 (Sunday)	1 day
7.	**Reserved for UPSC RT/Examination**			08.03.2020 (Sunday)	1 day
8.	N.D.A. & N.A. Examination (I), 2020	08.01.2020	28.01.2020	19.04.2020 (Sunday)	1 day
9.	Civil Services (Preliminary) Examination, 2020	12.02.2020	03.03.2020	31.05.2020 (Sunday)	1 day
10.	Indian Forest Service (Preliminary) Examination, 2020 through CS(P) Examination, 2020				
11.	I.E.S./I.S.S. Examination, 2020	25.03.2020	13.04.2020	26.06.2020 (Friday)	3 days
12.	Combined Geo-Scientist (Main) Examination, 2020			27.06.2020 (Saturday)	2 days
13.	Engineering Services (Main) Examination, 2020			28.06.2020 (Sunday)	1 day
14.	**Reserved for UPSC RT/Examination**			05.07.2020 (Sunday)	1 day
15.	Combined Medical Services Examination, 2020	08.04.2020	28.04.2020	19.07.2020 (Sunday)	1 day
16.	Central Armed Police Forces (ACs) Examination, 2020	22.04.2020	12.05.2020	09.08.2020 (Sunday)	1 day
17.	**Reserved for UPSC RT/Examination**			23.08.2020 (Sunday)	1 day
18.	N.D.A. & N.A. Examination (II), 2020	10.06.2020	30.06.2020	06.09.2020 (Sunday)	1 day
19.	**Reserved for UPSC RT/Examination**			13.09.2020 (Sunday)	1 day
20.	Civil Services (Main) Examination, 2020			18.09.2020 (Friday)	5 days
21.	**Reserved for UPSC RT/Examination**			04.10.2020 (Sunday)	1 day
22.	C.D.S. Examination (II), 2020	05.08.2020	25.08.2020	08.11.2020 (Sunday)	1 day
23.	Indian Forest Service (Main) Examination, 2020			22.11.2020 (Sunday)	10 days
24.	S.O./Steno (GD-B/GD-I) LDCE	16.09.2020	06.10.2020	12.12.2020 (Saturday)	2 days
25.	**Reserved for UPSC RT/Examination**			20.12.2020 (Sunday)	1 day

Note : The dates of notification, commencement and duration of Examinations/RTs are liable to alteration, if the circumstances so warrant.

एथलेटिक्स

कीनिया के किपचोगे व ब्रिगिड कोसगेई लंदन मैराथन के विजेता

28 अप्रैल, 2019 को लंदन में सम्पन्न (39वीं) वार्षिक मैराथन दौड़ में पुरुष वर्ग में कीनिया के एल्युड किपचोगे (Eliud Kipchoge) व महिला वर्ग में कीनिया की ही ब्रिगिड कोसगेई (Brigid Kosgei) विजेता रहीं. किपचोगे ने 26·219 मील (42·195 किमी) की यह दौड़ पूरी करने में 2 घण्टे 2 मिनट व 37 सेकण्ड लिए, जबकि कोसगेई ने यह दौड़ 2 घण्टे 18 मिनट 20 सेकण्ड में पूरी की.

क्रिकेट

स्कॉटलैण्ड-अफगानिस्तान ओडीआई शृंखला (2019)

स्कॉटलैण्ड के दौरे पर अफगानिस्तान की क्रिकेट टीम ने दो एकदिवसीय मैचों की शृंखला के मई 2019 में खेली. यह शृंखला अफगानिस्तान ने 1–0 से जीती. अफगान टीम 10 मई को एडिनबर्ग में खेले गए दूसरे मैच में 2 रन से विजयी रही. (एडिनबर्ग में ही इस शृंखला का पहला मैच वर्षा के कारण रद्द हो गया था.

आयरलैण्ड अफगानिस्तान ओडीआई शृंखला (2019)

आयरलैण्ड के दौरे पर अफगानिस्तान की क्रिकेट टीम ने दो एकदिवसीय मैचों की शृंखला मेजबान टीम के विरुद्ध मई 2019 में खेली. इसमें पहला मैच आयरलैण्ड ने व दूसरा अफगानिस्तान ने जीता. इससे दो मैचों की यह शृंखला 1-1 से बराबर रही.

बांग्लादेश-आयरलैण्ड-वेस्टइंडीज शृंखला

बांग्लादेश, वेस्टइंडीज व आयरलैण्ड के बीच एकदिवसीय मैचों की त्रिकोणीय शृंखला 5–17 मई, 2019 को आयरलैण्ड में खेली गई. **2019 आयरलैण्ड ट्राई नेशन** शृंखला नाम की इस शृंखला का फाइनल मैच बांग्लादेश व वेस्टइंडीज के बीच 17 मई को खेला गया जिसमें बांग्लादेश की टीम 5 विकेट से विजयी रही. वेस्टइंडीज के शाइ होप को प्लेयर ऑफ द सीरिज़ घोषित किया गया.

महिलाओं का टी-20 चैलेंज : सुपर-नोवाज़ टीम विजेता

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के महिलाओं के ट्वेंटी-20 क्रिकेट के दूसरे 'विमेन्स टी-20 चैलेंज' टूर्नामेन्ट का आयोजन जयपुर में 6–11 मई, 2019 को हुआ. आईपीएल की तर्ज पर ही खेले गए इस टूर्नामेन्ट में देशी-विदेशी खिलाड़ियों से युक्त 3 टीमें—आईपीएल सुपरनोवाज़, आईपीएल ट्रेल ब्लेज़र्स व आईपीएल वेलोसिटी शामिल थीं. इनकी कप्तान क्रमशः हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना व मिताली राज थीं.

टूर्नामेन्ट का फाइनल मैच 11 मई को आईपीएल वेलोसिटी व आईपीएल सुपरनोवाज़ टीमों के बीच खेला गया, जिसमें आईपीएल वेलोसिटी को 4 विकेट से हराकर हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व वाली सुपरनोवाज़ टीम विजेता रही. टूर्नामेन्ट में सर्वाधिक (123) रन बनाने वाली जेमिमाह रॉड्रिग्स (सुपरनोवाज़) को प्लेयर ऑफ द सीरिज़ घोषित किया गया. सर्वाधिक (6) विकेट आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एमेलिया केर (वेलोसिटी) ने लिए.

बीसीसीआई के इस टूर्नामेन्ट की शुरूआत 2018 में केवल दो टीमों (सुपरनोवाज़) व ट्रेल ब्लेजर्स के साथ हुई थी तथा केवल एक मैच ही इसके तहत् खेला गया था, जिसमें सुपरनोवाज़ टीम विजयी रही थी.

गोल्फ

पीजीए चैम्पियनशिप (2019)

16–19 मई, 2019 को न्यूयॉर्क में फार्मिंगडेल में सम्पन्न (101वाँ) पीजीए चैम्पियनशिप खिताब गत विजेता ब्रूक्स कोएप्का (Brooks Koepka) ने ही जीता. 29 वर्षीय ब्रूक्स का यह चौथा मेजर खिताब है. इससे पूर्व 2017 व 2018 में गोल्फ के यूएस ओपन तथा 2018 में पीजीए चैम्पियन-शिप वह जीत चुके हैं.

पुरुषों के गोल्फ के चार सर्वाधिक प्रतिष्ठित टूर्नामेंट्स मेजर चैम्पियनशिप्स अर्थात् मेजर्स के नाम से जाने जाते हैं. इनमें निम्नलिखित आयोजन शामिल हैं. इनके आयोजन क्रम में कुछ परिवर्तन इस वर्ष 2019 से किया गया है. नया क्रम निम्नलिखित है–

(i) ***मास्टर्स***–*(ऑगस्ता मास्टर्स)– इसका आयोजन ऑगस्ता जॉर्जिया, अमरीका में अप्रैल माह में होता है.*

(ii) ***पीजीए चैम्पियनशिप***–*अमरीका में ही विभिन्न शहरों में यह आयोजन प्रति वर्ष अब मई माह में होगा.*

(iii) ***यूएस ओपन***–*अमरीका में ही यह आयोजन अब जून माह में प्रति वर्ष होगा.*

(iv) ***द ओपन चैम्पियनशिप***–*नए कार्य-क्रम के तहत् यह आयोजन यूके में प्रति वर्ष जुलाई माह में होगा.*

इस वर्ष 2019 में पहला मेजर ऑगस्ता में टाइगर वुड्स ने जीता था तथा मई 2019 में सम्पन्न पीजीए चैम्पियनशिप इस वर्ष का दूसरा मेजर टूर्नामेन्ट था. यूएस ओपन का आयोजन 13–16 जून, 2019 को तथा ओपन चैम्पियनशिप का आयोजन 18–21 जुलाई, 2019 को होना है.

स्क्वैश

एशियाई वैयक्तिक स्क्वाश चैम्पियनशिप (2019) में पुरुष व महिला दोनों ही वर्गों के खिताब भारतीय खिलाड़ियों ने जीते

एशियाई स्क्वाश फेडरेशन के तत्वावधान में मलेशिया में कुआलालम्पुर में 1–5 मई, 2019 को सम्पन्न एशियाई स्क्वाश चैम्पियनशिप में पुरुष व महिला, दोनों ही वर्गों के खिताब भारत ने जीते. **पुरुष वर्ग के खिताब के लिए भारत के सौरभ घोषाल ने फाइनल में हांगकांग के लियो अउ चुन मिंग (Leo Au Chun Ming) को पराजित किया, जबकि महिलाओं का खिताब हांगकांग की ही ऐनी अउ (Annie Au) को फाइनल में हराकर भारत की जोशना चिनप्पा ने जीता.**

सौरभ घोषाल व जोशना चिनप्पा एशियाई स्क्वाश चैम्पियनशिप की ट्रॉफियों के साथ.

इससे पूर्व अप्रैल 2017 में चेन्नई में सम्पन्न गत चैम्पियनशिप में जोशना चिनप्पा जहाँ महिला वर्ग में चैम्पियन रही थीं, पुरुषों

में सौरभ उपविजेता रहे थे. **इस चैम्पियनशिप का आयोजन 2-2 वर्ष के अन्तराल पर होता है तथा इसका आगामी आयोजन 2021 में होगा.**

टेनिस

मैड्रिड ओपन टेनिस में नोवाक जोकोविच व कीकी बर्टेन्स के खिताब

मैड्रिड (स्पेन) में सम्पन्न 3-12 मई, 2019 को मैड्रिड ओपन टेनिस में पुरुषों का एकल खिताब सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने फाइनल में ग्रीस के स्टेफानोस त्सितसिपास को हराकर जीता. इस टूर्नामेन्ट के महिलाओं के एकल खिताब के लिए नीदरलैण्ड्स की कीकी बर्टेन्स (Kiki Bertens) ने फाइनल मुकाबले में रूमानिया की सिमोना हालेप को पराजित किया. जीन जूलियन रोजर (नीदरलैण्ड्स) व होरिया टिकाउ (रूमानिया) की जोड़ी इस टूर्नामेन्ट में पुरुषों के तथा हसीह सु-वेई (ताइवान) व बरबोरा स्त्रिकोबा (चैक गणराज्य) की जोड़ी महिलाओं के युगल खिताब की विजेता रही.

इटैलियन ओपन में जोकोविच उपविजेता : राफेल नडाल को खिताब

मैड्रिड ओपन के समापन के तुरन्त पश्चात् (76वें) इटैलियन ओपन (रोम

इटैलियन ओपन की विजेता ट्रॉफी के साथ राफेल नडाल (दाएं) व नोवाक जोकोविक.

मास्टर्स) टेनिस का आयोजन रोम (इटली) में 13–19 मई, 2019 को हुआ. स्पेन के राफेल नडाल इसमें पुरुषों के एकल के विजेता रहे, जबकि महिलाओं का एकल चैक गणराज्य की कैरोलिना प्लिस्कोवा ने जीता. 19 मई को फाइनल मुकाबले में सर्बिया के नोवाक जोकोविच को हराकर पुरुषों का एकल खिताब जहाँ राफेल नडाल ने जहाँ जीता वहाँ महिलाओं के एकल खिताब के लिए ब्रिटेन की जोहाना कोंटा को फाइनल में प्लिस्कोवा ने हराया. पुरुषों का युगल खिताब जुआन सेबास्टियन कबाल व रॉबर्ट फराह की कोलम्बिया जोड़ी ने फाइनल में रावेन क्लासेन (द. अफ्रीका) व माइकल वीनस (न्यूजीलैण्ड) की जोड़ी को हराकर जहाँ जीता वहीं महिलाओं का युगल विक्टोरिया अजारेंका (बेलारूस) व एश्ले बार्टी (आस्ट्रेलिया) की जोड़ी के अन्ना लेना ग्रोन-फेल्ड (जर्मनी) व डेमी शूर्स (नीदरलैण्ड्स) की जोड़ी को फाइनल में हराकर जीता.

फुटबाल

क्रोएशिया के इगोर स्टिमक भारतीय फुटबाल टीम के नए कोच

क्रोएशिया की ओर से विश्व कप खेल चुके इगोर स्टिमक (Igor Stimac) भारत की पुरुषों की फुटबाल टीम के नए कोच मई 2019 में नियुक्त किए गए हैं. इस पद पर स्टीफन कोंटेंस्टाइन (Stephen Constantine), जिन्होंने जनवरी 2019 में पद छोड़ा था, का स्थान

इगोर स्टिमक भारतीय फुटबाल टीम के नए कोच

51 वर्षीय स्टिमक ने लिया है. इंगलैण्ड के स्टीफन कोंटेंस्टाइन 2015-2019 के दौरान भारतीय टीम के कोच रहे थे तथा उनके इस कार्यकाल में भारतीय फुटबाल टीम की अन्तर्राष्ट्रीय रैंकिंग में काफी सुधार हुआ था.

नए नियुक्त किए गए कोच इगोर स्टिमक 1998 विश्व कप में क्रोएशिया की टीम के सदस्य थे, जहाँ उनकी टीम तीसरे स्थान पर रही थी. बाद में क्रोएशिया की टीम के कोच भी वह रहे थे. अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (AIFF) द्वारा इस पद पर उनकी यह नियुक्ति फिलहाल दो वर्ष के लिए की गई है.

एफए कप (2018-19)

वर्ष 2018-19 के फुटबाल एसोसिएशन चैलेंज कप टूर्नामेंट (FA Cup) के लिए फाइनल मुकाबला 18 मई, 2019 को हुआ. वाटफोर्ड (Watford) व मैनचेस्टर सिटी फुटबाल क्लब के बीच लंदन में खेले गए इस एकतरफा फाइनल में वाटफोर्ड को 6-0 से हरा कर मैनचेस्टर सिटी फुटबाल क्लब ने यह टूर्नामेंट जीतने में सफलता प्राप्त की.

यह टूर्नामेन्ट विश्व का प्राचीनतम राष्ट्रीय फुटबाल टूर्नामेन्ट के रूप में जाना जाता है. इसकी शुरूआत 1871 ई. में हुई थी तथा 2018-19 का यह टूर्नामेन्ट इसका 138वाँ आयोजन था.

बैडमिन्टन

सुदीरमन कप

बैडमिन्टन की विश्व टीम चैम्पियनशिप (मिश्रित) के (16वें) सुदीरमन कप टूर्नामेन्ट का आयोजन चीन से नानिंग (Nanning) में 19-26 मई, 2019 को हुआ. मेजबान चीन ही इसका विजेता रहा. फाइनल मुकाबले में जापान को 3-0 से हरा कर चीन ने 11वीं बार यह द्विवार्षिक टूर्नामेन्ट जीतने में सफलता प्राप्त की. इंडोनेशिया व थाइलैण्ड का संयुक्त तीसरा स्थान इस टूर्नामेन्ट में रहा. कुल मिला कर 31 टीमें विश्व बैडमिन्टन संघ (BWF) के इस टूर्नामेन्ट में शामिल थीं. इनमें भारत का स्थान संयुक्त नौवाँ रहा. **सुदीरमन कप के लिए आगामी 17वाँ आयोजन 2021 में होगा.**

मुक्केबाजी

इंडिया ओपन (2019)

बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में दूसरी इंडिया ओपन इंटरनेशनल बॉक्सिंग टूर्नामेन्ट का आयोजन 20-24 मई, 2019 को असम में गुवाहाटी में हुआ. 70 हजार डॉलर की इनामी राशि के इस आयोजन मै 18 में से 12 स्वर्ण पदक भारत ने जीते. **भारत के शिव थापा को पुरुष वर्ग में तथा इटली की फ्रांसेसा अमाटो (Francessa Amato) को महिला वर्ग में सर्वश्रेष्ठ मुक्केबाज घोषित किया गया.** सभी वर्गों के विजेताओं के नाम बॉक्स में दिए गए हैं–

पुरुष वर्ग	
वर्ग	**विजेता**
49 किग्रा	दीपक
52 किग्रा	अमित पंघाल
56 किग्रा	चटचई देचा (थाइलैण्ड)
60 किग्रा	शिव थापा
64 किग्रा	कोलिन रोचार्नो (Mus)
69 किग्रा	आशिष
75 किग्रा	यूमिर फेलिक्स डिलोस सांतोस (फिलीपींस)
81 किग्रा	मनीष पवार
91 किग्रा	नमन तलवार
91 किग्रा +	सतीश कुमार
महिला वर्ग	
48 किग्रा	जोसी गाबुको (फिलीपींस)
51 किग्रा	एम. सी. मैरीकॉम
54 किग्रा	जमुना बोरो
57 किग्रा	नीरज
60 किग्रा	सरिता देवी
64 किग्रा	फ्रांसेस्का अमाटो (इटली)
69 किग्रा	आसुंटा कानफोरा (इटली)
75 किग्रा	भाग्यबती कचारी

बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया की पहली इंडिया ओपन बॉक्सिंग चैम्पियनशिप का आयोजन जनवरी 2018 में नई दिल्ली में हुआ था.

शेष पृष्ठ 49 पर

मुम्बई इंडियंस रिकॉर्ड चौथी बार आईपीएल की विजेता

–डॉ. रविकान्त

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के ट्वेंटी-20 क्रिकेट के इण्डियन प्रीमियर लीग का बारहवाँ संस्करण (IPL-XII) मुम्बई इंडियंस ने फाइनल मुकाबले में गत विजेता चेन्नई सुपरकिंग्स को हराकर जीता है. मुम्बई इंडियंस टीम चौथी बार आईपीएल खिताब जीतने में सफल रही है. 23 मार्च–12 मई, 2019 के दौरान खेले गए आईपीएल के इस 12वें संस्करण में 8 टीमें शामिल थीं. कुल मिलाकर 60 मैच आईपीएल-XII में खेले गए. यह मैच बेंगलूरू, दिल्ली, हैदराबाद, जयपुर, चेन्नई, कोलकाता, मोहाली, मुम्बई व विशाखापट्टनम में खेले गए. फाइनल मैच 12 मई, 2019 को रोहित शर्मा के नेतृत्व वाली मुम्बई इंडियंस व महेन्द्र सिंह धोनी के नेतृत्व वाली चेन्नई सुपरकिंग्स के बीच **हैदराबाद में राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम पर खेला गया,** जिसमें एक रन से विजय दर्ज कर मुम्बई इंडियंस ने खिताब जीतने में सफलता प्राप्त की. फाइनल मैच में पहले खेलते हुए 149 रन (8 विकेट खोकर) मुम्बई टीम ने बनाए. अंतिम गेंद तक चले मुकाबले में चेन्नई टीम निर्धारित 20 ओवरों में 148 रन ही (7 विकेट खोकर) बना सकी. चेन्नई टीम को विजय के लिए अंतिम गेंद पर 2 रनों की ही आवश्यकता थी, किन्तु मलिंगा ने इस अंतिम गेंद पर शार्दुल ठाकुर को एलबीडब्ल्यू कर दिया. इस प्रकार हारजीत का फैसला अंतिम गेंद तक अटका रहा. 14 रन देकर 2 विकेट लेने वाले जसप्रीत बुमराह (मुम्बई इंडियंस) को फाइनल मैच के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया.

रोहित शर्मा के नेतृत्व वाली मुम्बई इंडियंस टीम रिकॉर्ड चौथी बार आईपीएल की विजेता बनी है. मुम्बई टीम इससे पूर्व 2013, 2015 व 2017 में आईपीएल विजेता रही थी. इस वर्ष उपविजेता रही चेन्नई सुपरकिंग्स टीम भी तीन बार (2010, 2011 व 2018 में) आईपीएल की विजेता रह चुकी है. इस वर्ष विजेता टीम मुम्बई इंडियंस को ₹ 20 करोड़ की राशि पुरस्कार में दी गई है, जबकि उपविजेता चेन्नई सुपरकिंग्स को ₹ 12·5 करोड़ दिए गए हैं.

- ***इस वर्ष आईपीएल-XII में प्लेयर ऑफ द सीरिज (मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर ऑफ द सीरिज)*** *का पुरस्कार कोलकाता नाइटराडर्स (KKR) के आन्द्रे रसेल (Andre Russel) को मिला. फेयर प्ले सनराइजर्स हैदराबाद को प्रदान किया गया.*

ट्रॉफी के साथ मुम्बई इंडियंस टीम

आईपीएल-XII के प्रमुख कीर्तिमान

सर्वाधिक रन बनाने वाले 5 बल्लेबाज

क्र.	बल्लेबाज	कुल रन/मैच
1.	डेविड वार्नर (आस्ट्रेलिया, सनराइजर्स हैदराबाद)	692/12
2.	के.एल राहुल (भारत, किंग्स-XI पंजाब)	593/14
3.	क्विंटन डि कॉक (दक्षिण अफ्रीका, मुम्बई इंडियंस)	529/16
4.	शिखर धवन (भारत, दिल्ली कैपिटल्स)	521/15
5.	आन्द्रे रसेल (जमैका, कोलकाता नाइटराइडर्स)	510/14

सर्वाधिक विकेट लेने वाले पाँच गेंदबाज

क्र.	गेंदबाज	विकेट/मैच
1.	इमरान ताहिर (द. अफ्रीका, चेन्नई सुपरकिंग्स)	26/17
2.	कागिसो रबाडा (द. अफ्रीका, दिल्ली कैपिटल्स)	25/12
3.	दीपक चाहर (भारत, चेन्नई सुपरकिंग्स)	22/17
4.	श्रेयस गोपाल (भारत, राजस्थान रॉयल्स)	20/14
5.	खलील अहमद (भारत, सनराइजर्स)	19/9

पाँच उच्चतम टीम स्कोर

क्र.	टीम	रन	विरुद्ध	क्र.	टीम	रन	विरुद्ध
1.	कोलकाता नाइटराइडर्स	232/2	मुंबई इंडियंस	3.	के. के. आर.	218/4	किंग्स XI
				4.	दिल्ली कैपिटल्स	213/6	मुंबई इंडियंस
2.	सनराइजर्स हैदराबाद	231/2	आरसीबी	5.	रॉयल चैलेंजर्स	213/4	केकेआर

पाँच सर्वोच्च व्यक्तिगत पारियाँ

क्र.	बल्लेबाज	रन	क्र.	बल्लेबाज	रन
1.	जे. एम. बेयरस्टो (सनराइजर्स)	114	4.	डेविड वार्नर (सनराइजर्स)	100*
2.	आजिंक्य रहाणे (राजस्थान रॉयल्स)	105*	5.	के. एल. राहुल (किंग्स-XI)	100*
3.	संजू सैमसन (राजस्थान रॉयल्स)	102*	6.	विराट कोहली (आरसीबी)	100

सर्वाधिक छक्के

क्र.	बल्लेबाज	छक्के	क्र.	बल्लेबाज	छक्के
1.	आन्द्रे रसेल (केकेआर)	52	4.	रिषभ पंत (दिल्ली कैपिटल्स)	27
2.	क्रिस गेल (किंग्स-XI)	34	5.	ए. बी. डीविलियर्स (रॉयल चैलेंजर्स)	26
3.	हार्दिक पांड्या (मुंबई इंडियंस)	29			

* अविजित

आईपीएल के विभिन्न संस्करणों में तुलनात्मक स्थिति

आईपीएल सीजन	विवरण							
	टीमों तथा खेले गए मैचों की संख्या	विजेता	उपविजेता	मैन ऑफ द सीरिज/ गोल्डन प्लेयर	सर्वाधिक विकेट	सर्वाधिक रन	फेयर प्ले अवार्ड	वैयक्तिक उच्चतम पारी
आईपीएल-I (2008)	8, 59	राजस्थान रॉयल्स	चेन्नई सुपरकिंग्स	शेन वाटसन (472 रन, 17 विकेट)	सोहेल तनवीर (22)	शॉन मार्श (616)	चेन्नई सुपरकिंग्स	ब्रैडन मैकुलम (158*), (केकेआर)
आईपीएल-II (2009)	8, 59	डेक्कन चार्जर्स	रॉयल चैलेंज़र्स, बेंगलूरू	एडम गिलक्रिस्ट (495 रन, 18 विकेट)	आर. पी. सिंह (23)	मैथ्यू हैडेन (572)	किंग्स-XI पंजाब	मनीष पांडे (114), रॉयल चैलेंज़र्स बेंगलूरू
आईपीएल-III (2010)	8, 60	चेन्नई सुपरकिंग्स	मुम्बई इण्डियंस	सचिन तेंदुलकर	प्रज्ञान ओझा (21)	सचिन तेंदुलकर (618)	चेन्नई सुपरकिंग्स	मुरली विजय (127), चेन्नई सुपरकिंग्स
आईपीएल-IV (2011)	10, 74	चेन्नई सुपरकिंग्स	रॉयल चैलेंज़र्स बेंगलूरू	क्रिस गेल (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरू)	लसिथ मलिंगा (28 विकेट)	क्रिस गेल (608 रन)	चेन्नई सुपरकिंग्स	पॉल वाल्थ टी (किंग्स-XI पंजाब) 120 रन अविजित
आईपीएल-V (2012)	9, 76	कोलकाता नाइट-राइडर्स	चेन्नई सुपरकिंग्स	सुनील नरायण (केकेआर), 24 विकेट	मोर्ने मोर्कल, (दिल्ली डेयरडेविल्स) 25 विकेट	क्रिस गेल (आरसीबी), 733 रन	राजस्थान रॉयल्स	क्रिस गेल, आरसीबी, (128 रन)
आईपीएल-VI (2013)	9, 76	मुम्बई इण्डियंस	चेन्नई सुपरकिंग्स	शेन वाटसन (राजस्थान रॉयल्स)	ड्वायने ब्रावो (चेन्नई सुपरकिंग्स) 32 विकेट	माइक हसी (चेन्नई सुपर-किंग्स) 733 रन	चेन्नई सुपरकिंग्स	क्रिस गेल (आरसीबी) (175 रन)
आईपीएल-VII (2014)	8, 60	कोलकाता नाइट-राइडर्स	किंग्स-XI पंजाब	ग्लेन मैक्सवेल (किंग्स-XI)	मोहित शर्मा (चेन्नई सुपरकिंग्स) 23 विकेट	रॉबिन उथप्पा (केकेआर) 660 रन	चेन्नई सुपरकिंग्स	वीरेन्द्र सहवाग (किंग्स-XI पंजाब) 122 रन
आईपीएल-VIII (2015)	8, 60	मुम्बई इण्डियंस	चेन्नई सुपरकिंग्स	आन्द्रे रसेल (कोलकाता नाइटराइडर्स)	ड्वायने ब्रावो (चेन्नई सुपरकिंग्स) 26 विकेट	डेविड वार्नर (सनराइज़र्स हैदराबाद) 562 रन	चेन्नई सुपरकिंग्स	एबी डीविलियर्स (रॉयल चैलेंज़र्स) 133*
आईपीएल-IX (2016)	8, 60	सनराइज़र्स हैदराबाद	रॉयल चैलेंज़र्स बेंगलूरू	विराट कोहली (रॉयल चैलेंज़र्स बेंगलूरू)	भुवनेश्वर कुमार (सनराइज़र्स हैदराबाद) 23 विकेट	विराट कोहली (रॉयल चैलेंज़र्स बेंगलूरू, 973 रन)	सनराइज़र्स हैदराबाद	एबी डीविलियर्स (रॉयल चैलेंज़र्स बेंगलूरू, 129* रन)
आईपीएल-X (2017)	8, 60	मुम्बई इण्डियंस	राइजिंग पुणे सुपरजाइंट्स (RPS)	बेन स्टोक्स (RPS)	भुवनेश्वर कुमार (सनराइज़र्स हैदराबाद) 26 विकेट	डेविड वार्नर (सनराइज़र्स हैदराबाद) 641 रन	गुजरात लॉयंस	डेविड वार्नर (सनराइज़र्स हैदराबाद) 126 रन
आईपीएल-XI (2018)	8, 60	चेन्नई सुपरकिंग्स	सनराइज़र्स हैदराबाद	सुनील नारायण (कोलकाता नाइटराइडर्स)	एंड्रयू टाई (किंग्स-XI पंजाब) 24 विकेट	केन विलियमसन (सनराइज़र्स हैदराबाद) 735 रन	मुम्बई इण्डियंस	ऋषभ पन्त (दिल्ली डेयरडेविल्स) 128 रन*
आईपीएल-XII (2019)	8, 60	मुम्बई इण्डियंस	चेन्नई सुपरकिंग्स	आन्द्रे रसेल (केकेआर)	इमरान ताहिर (चेन्नई सुपरकिंग्स) 26 विकेट	डेविड वार्नर (सनराइजर्स) 692 रन	सनराइजर्स हैदराबाद	जे. एम. बेयरस्टो (सनराइजर्स) 114 रन

* अविजित

- *टूर्नामेण्ट में सर्वाधिक 692 रन बनाने के लिए 'ऑरेंज कैप' सनराइज़र्स हैदराबाद के डेविड वार्नर को मिली.*
- *सर्वाधिक 26 विकेट लेने के लिए **'पर्पल कैप'** चेन्नई सुपरकिंग्स के इमरान ताहिर को मिली.*
- *किंग्स-XI पंजाब के के. एल. राहुल को **'स्टाइलिश प्लेयर ऑफ द सीजन'** का पुरस्कार दिया गया.*
- ***'गेम चेंजर ऑफ द सीजन'** का पुरस्कार मुम्बई इंडियंस के राहुल चाहर को मिला.*
- *आईपीएल-XII में कुल मिलाकर छह बल्लेबाजों ने छह शतकीय पारियाँ खेलीं. इनमें जे. एम. बेयरस्टो (सनराइजर्स), आजिंक्य रहाणे (राजस्थान रॉयल्स), संजू सैमसन (राजस्थान रॉयल्स), डेविड वार्नर (सनराइजर्स), के. एल. राहुल (किंग्स XI) व विराट कोहली (रॉयल चैलेंजर्स) शामिल हैं. इससे आईपीएल के सभी 12 आयोजनों में शतकों की कुल संख्या 58 हो गई है.*
- *आईपीएल-XII में सर्वोच्च 114 रन की व्यक्तिगत पारी सनराइजर्स के जे. एम. बेयरस्टो ने खेली.*
- *आईपीएल के इस सत्र में किसी टीम का सर्वोच्च स्कोर 232 रन (2 विकेट खोकर) कोलकाता नाइटराइडर्स का रहा.*

आईपीएल के विभिन्न संस्करणों में बने शतकों की संख्या

वर्ष	आईपीएल	शतकों की कुल संख्या
2008	I	6
2009	II	2
2010	III	4
2011	IV	6
2012	V	6
2013	VI	4
2014	VII	3
2015	VIII	4
2016	IX	7
2017	X	5
2018	XI	5
2019	XII	6

आईपीएल के विभिन्न संस्करणों में हैट्रिक्स

गेंदबाज	टीम	खिलाफ	स्थान	तारीख
		आईपीएल–I		
लक्ष्मीपति बालाजी	सीएसके	किंग्स-XI पंजाब	चेन्नई	10-5-2008
अमित मिश्र	दिल्ली डेयरडेविल्स	डेक्कन चार्जर्स	दिल्ली	15-5-2008
मखाया नटिनी	सीएसके	केकेआर	कोलकाता	18-5-2008
		आईपीएल–II		
युवराज सिंह	किंग्स-XI	आरसीबी	डरबन	1-5-2009
रोहित शर्मा	डेक्कन चार्जर्स	मुम्बई इण्डियंस	सेंचुरियन	6-5-2009
युवराज सिंह	किंग्स-XI	डेक्कन चार्जर्स	जोहान्सबर्ग	17-5-2009
		आईपीएल–III		
प्रवीण कुमार	आरसीबी	राजस्थान रॉयल्स	बंगलौर	18-3-2010
		आईपीएल–IV		
अमित मिश्र	डेक्कन चार्जर्स	किंग्स-XI पंजाब	धर्मशाला	21-5-2011
		आईपीएल–V		
अजीत चंडीला	राजस्थान रॉयल्स	पुणे वारियर्स	जयपुर	13-5-2012
		आईपीएल–VI		
सुनील नारायन	केकेआर	किंग्स-XI	मोहाली	16-4-2013
अमित मिश्र	सनराइज़र्स हैदराबाद	पुणे वारियर्स	पुणे	17-4-2013
		आईपीएल–VII		
प्रवीन तांबे ★	राजस्थान रॉयल्स	कोलकाता नाइटराइडर्स	अहमदाबाद	5-5-2014
शेन वाटसन	राजस्थान रॉयल्स	सनराइज़र्स हैदराबाद	अहमदाबाद	8-5-2014
		आईपीएल–VIII		
–	–	–	–	–
		आईपीएल–IX		
अक्षर पटेल	किंग्स-XI	गुजरात लॉयंस	राजकोट	1-5-2016
		आईपीएल–X		
एस. बादरी	रॉयल चैलेंजर्स	मुम्बई इण्डियंस	बेंगलूरू	14-4-2017
एड्रयू टाइ	गुजरात लॉयंस	राइजिंग पुणे	राजकोट	14-4-2017
जे. उनादकट	राइजिंग पुणे सुपरजाइंट्स	सनराइज़र्स	हैदराबाद	6-5-2017
		आईपीएल–XI		
–	–	–	–	–
		आईपीएल–XII		
सैम कुरैन	किंग्स-XI	दिल्ली कैपिटल्स	मोहाली	2-4-2019
श्रेयस गोपाल	राजस्थान रॉयल्स	आरसीबी	बेंगलूरू	1-5-2019

★ *प्रवीन तांबे की यह हैट्रिक इस दृष्टि से ऐतिहासिक थी कि यह दो वैध गेंदों पर ही बनाई गई थी. एक खिलाड़ी को उन्होंने वाइड बाल पर आउट किया था.*

●●●

शेष पृष्ठ 46 का

मेक्सिको के एंडी रुइज़ हैवीवेट मुक्केबाजी के नए चैम्पियन

मेक्सिको के 29 वर्षीय मुक्केबाज एंडी रुइज़ जूनियर (Andy Ruiz Jr) हैवीवेट मुक्केबाज़ी के नए चैम्पियन हैं. 1 जून, 2019 को लॉस एंजेल्स में ब्रिटेन के एंथनी जोशुआ (Anthony Joshua) को हरा कर हैवीवेट मुक्केबाजी के चार खिताब-वर्ल्ड बॉक्सिंग एसोसिएशन (WBA), इंटरनेशनल बॉक्सिंग फेडरेशन (IBF), वर्ल्ड बॉक्सिंग ऑर्गेनाइजेशन (WBO) तथा इंटरनेशनल बॉक्सिंग आर्गेनाइज़ेशन (IBO) के खिताब अपने नाम कर लिए.

एंडी रुइज जूनियर हैवीवेट मुक्केबाजी के नए चैम्पियन

- *आइबीएफ का हैवीवेट मुक्केबाजी खिताब 2016 से, डब्ल्यूबीए खिताब 2017 से तथा डब्ल्यूबीओ खिताब 2018 से एंथनी जोशुआ के पास था. अब यह चारों खिताब एंडी रुइज़ जूनियर के नाम हो गए हैं.*
- *मुक्केबाजी का एक अन्य वैश्विक संगठन वर्ल्ड बॉक्सिंग काउंसिल (WBC) है. डब्ल्यू बी सी का हैवीवेट खिताब जनवरी 2015 से अमरीका के डियोनटे विल्डर (Deontay Wilder) के नाम है.*

फॉर्मूला-1 रेस

स्पेनिश एवं मोनाको ग्रांड प्रिक्स

दो फॉर्मूला-1 रेसों–स्पेनिश ग्रांड प्रिक्स व मोनाको ग्रांड प्रिक्स आयोजन मई 2019 में क्रमशः बार्सीलोना व मोनाको में हुआ.

स्पेनिश ग्रांड प्रिक्स फॉर्मूला-1 रेस : हैमिल्टन विजेता

पाँच बार के विश्व चैम्पियन लुइस हैमिल्टन (टीम मर्सिडीज) 12 मई को बार्सीलोना में स्पेनिश ग्रांड प्रिक्स फॉर्मूला-1 रेस में विजेता रहे. उन्हीं की टीम के वल्टेरी बोटास का इसमें दूसरा स्थान रहा.

बाद में 26 मई, 2019 को मोनाको ग्रांड प्रिक्स का खिताब भी हैमिल्टन ने ही जीता तथा फरारी टीम के सेबास्टियन बेट्टल का दूसरा स्थान इसमें रहा. ●●●

विद्युत् क्षेत्र एक नजर में
(अखिल भारत में स्थापित क्षमता)

(18-3-2019 की स्थिति के अनुसार)

क्षेत्र	मेगावाट	प्रतिशत
राज्य क्षेत्र	84,637	24·2
केन्द्रीय क्षेत्र	1,04,039	29·7
निजी क्षेत्र	1,61,487	46·1
कुल	3,50,162	100·0
ईंधन आधारित		
कुल थर्मल	**2,22,927**	**63·9**
कोयला	1,91,093	54·7
लिग्नाइट	6,260	1·8
गैस	24,937	7·1
तेल	638	0·2
हाइड्रो (नवीकरणीय)	45,399	13·0
न्यूक्लीयर	6,780	1·9
आरईएस* (एमएनआरई)	75,056	21·4
कुल	**3,50,162**	

* 31·1·2019 को आरएस (एमएनआरई) के सम्बन्ध में स्थापित क्षमता.

* RES (अक्षय ऊर्जा स्रोत) में लघु हाइड्रो परियोजना, बायोमास गैसीफायर, बायोमास पॉवर, शहरी और औद्योगिक अपशिष्ट पॉवर, सौर और पवन ऊर्जा शामिल है.

A Book for All Candidates
UPKAR
EVER LATEST
GENERAL KNOWLEDGE
(Including Objective Type Questions)
By : Khanna & Verma Price : ₹ 170/-
UPKAR PRAKASHAN
Swadeshi Bima Nagar, AGRA–2

मेरी सफलता का मूलमंत्र है, "सतत कठिन परिश्रम, दृढ़ इच्छा-शक्ति तथा गुरुजनों के प्रति श्रद्धा एवं उनका अचूक मार्गदर्शन."

– सुश्री प्रियंका कुमारी

बिहार सिविल सेवा परीक्षा : 60-62वीं में चयनित (हिन्दी माध्यम से).

बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा 60-62वीं में चयनित होकर सुश्री प्रियंका कुमारी ने एक स्वर्णिम उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए वह प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई की पात्र हैं. प्रतियोगिता दर्पण के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटवार्ता यहाँ मूल रूप में प्रस्तुत है.

..... प्रतियोगिता दर्पण में समसामयिक घटनाओं का अद्यतन एवं सारगर्भित संकलन असाधारण होता है. यह पत्रिका प्रतियोगिता सम्बन्धी रत्नों का भण्डार है. यह भटकाव से बचाती है तथा अभ्यर्थियों के लिए धर्मग्रंथ सदृश है. इसके अर्थव्यवस्था के अतिरिक्तांक की, समसामयिक-आर्थिक घटनाओं पर जैसी मजबूत पकड़ है, वैसी अन्यत्र नहीं है.

प्र. द.–सिविल सेवा परीक्षा में शानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई.

सुश्री प्रियंका–धन्यवाद.

प्र. द.–परीक्षा में लिखने का माध्यम.

सुश्री प्रियंका–हिन्दी.

प्र. द.–साक्षात्कार के लिए माध्यम.

सुश्री प्रियंका–हिन्दी.

प्र. द.–यह आपका कौनसा प्रयास था ?

सुश्री प्रियंका–यह मेरा प्रथम प्रयास था.

प्र. द.–इस प्रयास में ऐसा क्या रहा, जो आप उच्च रैंक प्राप्त कर सकीं ?

सुश्री प्रियंका–इस प्रयास के लिए मैंने प्रश्नोत्तर का अभ्यास किया और अपने अध्ययन को लगातार बेहतर किया.

प्र. द.–वैकल्पिक विषय का चुनाव करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है ?

सुश्री प्रियंका–अच्छा मार्गदर्शन, पाठ्यक्रम, सामग्री की उपलब्धता एवं व्यक्तिगत रुचि.

प्र. द.–आपका वैकल्पिक विषय क्या था ?

सुश्री प्रियंका–वैकल्पिक विषय–दर्शनशास्त्र.

प्र. द.–आपके वैकल्पिक विषय के चुनाव का आधार क्या रहा ?

सुश्री प्रियंका–इसके लिए मैंने टॉपर्स के साक्षात्कार सुने और पाया कि दर्शनशास्त्र से लगातार विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं और अपने वैकल्पिक विषय के नोट्स को वैज्ञानिक और तार्किक ढंग से तैयार किए, जिनका लाभ मुझे मुख्य परीक्षा में तत्काल मिला. मैंने तय किया कि दर्शनशास्त्र वैकल्पिक विषय मेरे अध्ययन और सलेक्शन के लिए बहुत अच्छा विषय है.

प्र. द.–आपके अनुसार इस परीक्षा में हिन्दी माध्यम से तैयारी करने एवं सफलता प्राप्त करने के बारे में क्या विचार हैं ?

सुश्री प्रियंका–माध्यम महत्वपूर्ण नहीं है, महत्वपूर्ण आपकी अध्ययन-सामग्री है. यदि आप प्रामाणिक पुस्तकें एवं सही मार्गदर्शन प्राप्त करते हैं, तो किसी भी माध्यम से सफलता अनिवार्यतः प्राप्त होगी.

प्र. द.–हाल ही के वर्षों में हिन्दी माध्यम के उम्मीदवारों के मार्गदर्शन को देख क्या आप कभी विचलित हुईं या आपकी तैयारी कुछ प्रभावित हुई.

सुश्री प्रियंका–हिन्दी माध्यम को लेकर लोगों के बीच भ्रम की स्थिति है, क्योंकि हिन्दी माध्यम में अत्यधिक अध्ययन-सामग्री उपलब्ध है. लोग सही सामग्रियों का चयन नहीं कर पाते. फलस्वरूप, सकारात्मक परिणाम नहीं आता.

प्र. द.–क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से सन्तुष्ट थीं और उच्च सफलता के प्रति आशावान थीं ? सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही ?

सुश्री प्रियंका–हाँ, मुझे पूर्ण विश्वास था कि मेरा रिजल्ट सकारात्मक होगा.

प्र. द.–अपना परिणाम जानने से पहले आप टॉपर्स के बारे में क्या सोचती थीं ? क्या इनमें से किसी टॉपर्स से आप प्रभावित हुईं ?

सुश्री प्रियंका–मैंने UPSC के टॉपर्स के साक्षात्कार पढ़े एवं देखे थे, परन्तु मेरा मानना है आपकी प्रतियोगिता स्वयं से है.

प्र. द.–इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम सबसे कठिन होता है. शुरू में तैयारी के लिए आपको सही सलाह कहाँ से मिली ?

सुश्री प्रियंका–सिविल सेवा के महत्व एवं पाठ्यक्रम की जानकारी पतंजलि आईएएस संस्थान के संस्थापक धर्मेन्द्र सर से मुझे प्राप्त हुई. मेरी सफलता में उनका विशेष योगदान रहा.

प्र. द.–वह क्षण कब आया जब आपने सिविल सेवाओं में कैरियर की सम्भावनाओं को तलाशने का फैसला लिया ?

सुश्री प्रियंका–मेरे व्यक्तिगत जीवन में एक ऐसा दौर आया जहाँ मुझे स्वयं को सिद्ध करने की जरूरत महसूस हुई. इसके लिए सिविल सेवा मेरे लिए उत्तम प्लेटफॉर्म था.

प्र. द.–क्या तैयारी के शुरू में आपने अपने लिए इस परीक्षा का सामना करने के लिए कोई समय-सीमा या प्रयासों की संख्या सम्बन्धी सोच बनाई थी ?

सुश्री प्रियंका–ऐसा पहले मैंने कुछ सोच नहीं रखा था. मैंने अपनी तैयारी के दौरान ही फॉर्म भरा और उसी के अनुरूप पढ़ाई करती गई.

प्र. द.–इस परीक्षा में बैठने का निर्णय आपका अपना था या फिर आपके माता-पिता का ?

सुश्री प्रियंका–प्रारम्भ में मेरे पिताजी ने मुझे इस परीक्षा में बैठने की सलाह दी उसके बाद मेरी व्यक्तिगत रुचि इस ओर लाई.

प्र. द.—समय-प्रबंधन को लेकर इस परीक्षा की तैयारी में या फिर परीक्षा भवन में कोई कठिनाई हुई ?

सुश्री प्रियंका—सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी में समय-प्रबंधन एक महत्वपूर्ण पक्ष है. परीक्षा भवन में धैर्य एवं समय-प्रबंधन महत्वपूर्ण है, क्योंकि हमें एक निश्चित समय में सभी प्रश्नों के उत्तर लिखने होते हैं. साथ में उस उत्तर में आपको सभी पक्षों को याद करना होता है.

प्र. द.—प्रारम्भिक परीक्षा की तैयारी हेतु क्या रणनीति रही ?

सुश्री प्रियंका—मैं UPSC की तैयारी कर रही थी, इसी क्रम में BPSC की प्रारम्भिक परीक्षा दी.

प्र. द.—शुरू से ही मुख्य परीक्षा की तैयारी की योजना क्या रही ?

सुश्री प्रियंका—मैंने प्रारम्भिक एवं मुख्य परीक्षा की तैयारी साथ-साथ की. दोनों के लिए मैंने पिछले वर्षों के प्रश्न-पत्र हल किए.

प्र. द.—मुख्य परीक्षा की तैयारी हेतु प्रारम्भिक परीक्षा के बाद उपलब्ध सीमित समय में तैयारी की रणनीति में क्या बदलाव रहा ?

सुश्री प्रियंका—प्रारम्भिक परीक्षा के बाद मुख्य परीक्षा के लिए सीमित समय होता है, इसके लिए मुख्य परीक्षा के पाठ्यक्रम के प्रत्येक भाग पर विशेष नोट्स एवं समसामयिकी विषयों पर विशेष पकड़ बनाई.

व्यक्ति परिचय

नाम—प्रियंका कुमारी
पिता का नाम—श्री संजय कुमार
माता का नाम—श्रीमती अनीता देवी
जन्मतिथि—27 जुलाई, 1992
शैक्षिक योग्यता—
हाईस्कूल—2006, बीएसईबी पटना, SSN High School Hanswadish, 72%
इण्टरमीडिएट—2008, बीएसईबी पटना, SSN High School Hanswadish, 56%
स्नातक—2011, वीकेएसयू, आरा, STSM College Panwari, 69%

प्र. द.—साक्षात्कार हेतु किस प्रकार की तैयारी की ?

सुश्री प्रियंका—सर्वप्रथम मैंने बायोडाटा पर कार्य किया, वैकल्पिक विषय पर विशेष पकड़ बनाई. समसामयिकी के लिए समाचार-पत्रों एवं You Tube का सहारा लिया. साथ ही कोचिंग संस्थान का मार्गदर्शन लिया.

प्र. द.—सिविल सेवा—केवल यही एक मात्र लक्ष्य था या किसी और कॅरियर विकल्प के लिए साथ-साथ तैयारी कर रही थीं ?

सुश्री प्रियंका—मैंने मनोविज्ञान से स्नातक किया है, परन्तु मेरी रुचि सिविल सेवा में थी. प्रारम्भ में मेरा लक्ष्य BPSC था, परन्तु अब मेरा लक्ष्य UPSC है.

प्र. द.—आज के बदलते आर्थिक परिदृश्य में निजी क्षेत्र में सेवाओं के लुभावने अवसर उपलब्ध होने के बावजूद आप सिविल सेवाओं में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बाद भी गम्भीरता से तैयारी में लगी रहीं. आखिर किस चीज ने आपका जोश बरकरार रखा ?

सुश्री प्रियंका—यह सच है कि निजी सेवा लोक-लुभावनी है, परन्तु सिविल सेवा एक ऐसी सेवा है जहाँ आप स्वयं के अलावा समाज एवं देश के लिए कुछ कर सकते हैं और इसकी अनुभूति मेरे ख्याल से किसी निजी सेवा में उपलब्ध नहीं है.

प्र. द.—किस शैक्षिक स्तर पर सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के बारे में सोचना शुरू करना चाहिए ? आपके अनुसार इस परीक्षा की पूर्ण तैयारी में कितना समय लगना चाहिए ?

सुश्री प्रियंका—स्नातक स्तर की शिक्षा ग्रहण करने के बाद ही सिविल की तैयारी करनी चाहिए. मेरे अनुसार एक वर्ष तो सिविल सेवा के पाठ्यक्रम को पूरा होने में लगता है. उसके बाद स्वयं को एक वर्ष सेल्फ स्टडी के लिए देना चाहिए.

प्र.द.—क्या आपने अपने लिए प्रयासों की संख्या या समय-सीमा निर्धारित की थी ?

सुश्री प्रियंका—नहीं, मैंने UPSC की तैयारी आरम्भ की थी. तभी 60-62 BPSC का फार्म भर दिया और जैसे-जैसे मेरे क्लासेज कम्पलीट हुए प्रारम्भिक एवं मुख्य परीक्षा भी होती गई.

प्र. द.—आपको लगता है कि इस परीक्षा में मानविकी विषयों की अपेक्षा विज्ञान विषयों के साथ अच्छे अंक प्राप्त करने की सम्भावनाएं ज्यादा हैं ?

सुश्री प्रियंका—जहाँ तक मेरा मानना है, मानविकी विषय एवं विज्ञान विषय, दोनों में यदि सटीक विषय-वस्तु के साथ अपने उत्तर को प्रामाणिक बनाते हैं, तो अंक अच्छे आने की पूरी सम्भावना रहती है.

प्र. द.—क्या अभ्यर्थी के शैक्षिक, आर्थिक और जनांकिकीय स्थिति का प्रभाव तैयारी पर पड़ता है ? यदि हाँ, तो कैसे ?

सुश्री प्रियंका—मेरा मानना है, यदि स्वयं पर विश्वास एवं कुछ कर गुजरने की इच्छा-शक्ति आप में हो, तो कोई भी स्थिति आपको विचलित नहीं कर सकती है.

प्र. द.—आपकी सफलता का मूलमंत्र क्या है ?

सुश्री प्रियंका—मेरा मानना है, यदि मानव किसी भी परिस्थिति में खुश रहता है, तो वह कुछ भी हासिल कर सकता है.

प्र. द.—आप अपनी सफलता का श्रेय किनको देना चाहेंगी ?

सुश्री प्रियंका—मेरे माता-पिता, दोनों भाई, मित्र एवं शिक्षकों को जिन्होंने मुझे स्वयं पर विश्वास करना सिखाया.

प्र. द.—इस परीक्षा की तैयारी हेतु एक मानक प्रतियोगिता पत्रिका में क्या विशेष सामग्री एवं संकलन की अपेक्षा रखती हैं ?

सुश्री प्रियंका—प्रतियोगिता पत्रिका समसामयिक विषयों पर सटीक एवं प्रभावपूर्ण सामग्री उपलब्ध कराती हैं. साथ ही, साक्षात्कार लेख के माध्यम से सिविल सेवा की तैयारी करने वालों में नई ऊर्जा का संचार करती है.

प्र. द.—भारत में सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली प्रतियोगिता पत्रिका, प्रतियोगिता दर्पण, को इन मानकों के कितना करीब पाया ?

सुश्री प्रियंका—प्रतियोगिता दर्पण विश्वसनीय पत्रिका है, जिसमें उपलब्ध विषय-सामग्री एवं समसामयिक डेटा पर पूर्ण विश्वास होता है, जिनका उपयोग हम परीक्षा में करते हैं.

व्यक्तिगत विशेषताएं

आपका पसंदीदा व्यक्तित्व	*— मेरे पापा*
सबल पक्ष	*— स्वयं पर विश्वास*
दुर्बल पक्ष	*— बहुत ही इमोशनल हूँ*
रुचियाँ	*— दोस्तों के साथ समय बिताना*

प्र. द.—प्रतियोगिता दर्पण वार्षिकी को आपने कितना उपयोगी पाया ?

सुश्री प्रियंका—प्रतियोगिता दर्पण वार्षिकी में समसामयिकी विषयों पर विशेष सामग्री उपलब्ध रहती है जिसमें मौजूद नवीनतम आँकड़े एवं तथ्य सिविल सेवा परीक्षा में उपयोगी सिद्ध होते हैं.

प्र. द.—क्या आपने हमारे नए प्रकाशन उपकार भारत 2018 का अध्ययन किया ? इसके बारे में आपकी क्या राय है ?

सुश्री प्रियंका—जी हाँ, उपकार भारत 2018 का अध्ययन मुख्य परीक्षा के समय किया था, जिसने उत्तर-कला को प्रामाणिक बनाने में सहायता की.

प्र. द.—कोई सुझाव या सन्देश भावी अभ्यर्थियों को देना चाहेंगी ?

सुश्री प्रियंका—स्वयं पर विश्वास रखें. अध्ययन-सामग्री एवं प्रामाणिक पुस्तकों का अध्ययन बार-बार करें.

प्र. द.—आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं.

सुश्री प्रियंका—जी, धन्यवाद.

●●●

मेरी सफलता का मूलमन्त्र है, "गहन अध्ययन, असफलता से सफलता के सृजन की क्षमता एवं गुणवत्तापूर्ण संस्थान का चयन."

– कमलाकान्त त्रिवेदी

बिहार सिविल सेवा परीक्षा, 60-62वीं उच्च स्थान पर चयनित (हिन्दी माध्यम से).

बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा 60–62वीं में चयनित होकर श्री कमलाकान्त त्रिवेदी ने एक असाधारण उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए वह प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई के पात्र हैं. प्रतियोगिता दर्पण के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटवार्ता यहाँ मूलरूप में प्रस्तुत है.

..... प्रतियोगिता दर्पण, प्रतियोगिता परीक्षाओं से सम्बन्धित सभी विषयों की सन्तुलित अध्ययन सामग्री एक जगह उपलब्ध कराकर परीक्षार्थियों का सही मार्गदर्शन कर रही है. वर्तमान समय में इसका विकल्प असम्भव है. समसामयिक वार्षिकी, वार्षिक घटनाक्रम का उपयोगी संकलन है एवं मेरी सफलता में इसका योगदान अविस्मरणीय है.

प्र. द.–सिविल सेवा परीक्षा में शानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई.

श्री कमलाकान्त–जी, बहुत-बहुत धन्यवाद. साथ ही प्रतियोगिता दर्पण परिवार का आभार, क्योंकि मेरी सफलता में दर्पण परिवार की महत्वपूर्ण भूमिका रही है.

प्र. द.–परीक्षा में लिखने का माध्यम.

श्री कमलाकान्त–हिन्दी.

प्र. द.–साक्षात्कार के लिए माध्यम.

श्री कमलाकान्त–हिन्दी.

प्र. द.–यह आपका कौनसा प्रयास था ?

श्री कमलाकान्त–द्वितीय.

प्र. द.–आप अपने पिछले प्रयासों को किस प्रकार देखते हैं ?

श्री कमलाकान्त–पिछले प्रयास को मैं सीखने की एक प्रक्रिया के रूप में देखता हूँ, जिससे परीक्षा के बदलते हुए पैटर्न के साथ सामंजस्य बनाना मेरे लिए सरल रहा.

प्र. द.–इस प्रयास में ऐसा क्या रहा जो आप उच्च रैंक प्राप्त कर सके ?

श्री कमलाकान्त–इसके पूर्व के प्रयास में, मैं बहुत ज्यादा गम्भीर नहीं था, लेकिन इस बार सामान्य अध्ययन और वैकल्पिक विषय से सम्बन्धित प्रश्नों को निरन्तर लिखने का प्रयास किया.इससे लेखन-शैली में सुधार हुआ और आत्मविश्वास में वृद्धि हुई.

प्र. द.–वैकल्पिक विषय का चुनाव करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है ?

श्री कमलाकान्त–वैकल्पिक विषय के लिए मानदण्ड होने चाहिए–उपलब्ध सामग्री और गुणवत्ता आदि, जो मुझे दर्शनशास्त्र विषयों में दिखाई दिया. मैं यह भी कहना चाहूँगा कि वैकल्पिक विषय के लिए विद्यार्थी को अपनी रुचि के साथ अच्छे मार्गदर्शक का साथ बहुत आवश्यक है और विद्यार्थी को अन्य विषयों के लिए हिन्दी, भूगोल आदि लेने हेतु किसी अन्य व्यक्ति की सलाह मानने के स्थान पर अपने पर पूर्ण भरोसा करना चाहिए.

प्र. द.–आपका वैकल्पिक विषय क्या था ?

श्री कमलाकान्त–दर्शनशास्त्र.

प्र. द.–आपके वैकल्पिक विषय के चुनाव का आधार क्या रहा ?

श्री कमलाकान्त–दर्शनशास्त्र के प्रति मेरी रुचि, छोटा सिलेबस और उचित मार्गदर्शक की उपलब्धता मेरे वैकल्पिक विषय के चयन का आधार रहा, जिसे मैंने कम समय में लगभग दो माह में ही पूर्ण कर लिया.

प्र. द.–आपके अनुसार इस परीक्षा में हिन्दी माध्यम को लेकर तैयारी करने एवं सफलता प्राप्त करने के बारे में क्या विचार हैं ?

श्री कमलाकान्त–राज्य लोक सेवा की परीक्षाओं में माध्यम की भूमिका बहुत ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं होती. अपनी बातों को प्रश्न की माँग के अनुरूप सटीक ढंग से रखने पर हिन्दी माध्यम से भी अच्छे अंक प्राप्त किए जा सकते हैं. बिहार लोक सेवा आयोग की परीक्षा में ज्यादातर टॉपर हिन्दी माध्यम से ही होते हैं.

प्र. द.–इन सेवाओं में आपने क्या प्राथमिकता दी है और इसका कोई विशेष कारण ?

श्री कमलाकान्त–मेरी प्रथम प्राथमिकता बिहार प्रशासनिक सेवा (BAS) थी. इसका मुख्य कारण प्रशासनिक सेवा की विविधता एवं सामाजिक विकास में इसकी महत्वपूर्ण भागीदारी रही है.

प्र. द.–क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से सन्तुष्ट थे और उच्च सफलता के प्रति आशावान थे ? सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही ?

श्री कमलाकान्त–निश्चित तौर पर इस वर्ष मैंने पूर्ण समर्पण के साथ अपना सर्वोत्तम देने का प्रयास किया, सभी पेपर अच्छे हुए थे, विशेषकर वैकल्पिक विषय के. इस कारण, मैं अपनी सफलता के प्रति आशान्वित था. सफलता के समाचार से मुझे अपार खुशी हुई.

प्र. द.–अपना परिणाम जानने से पहले आप टॉपर्स के बारे में क्या सोचते थे ? क्या इनमें से किन्हीं टॉपर्स से आप प्रभावित हुए ?

श्री कमलाकान्त–मैं टॉपरों को मेहनती, दृढ़ निश्चयी व लक्ष्य के प्रति पूर्ण समर्पित मानता था. 2015 के IAS टॉपर अतहर आमिर खान मेरे प्रेरणा के स्रोत रहे.

प्र. द.–इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम सबसे कठिन होता है शुरू में तैयारी के लिए आपको सही सलाह कहाँ से मिली ?

श्री कमलाकान्त–ग्रामीण पृष्ठभूमि के होने के कारण तैयारी के प्रारम्भ में उचित मार्गदर्शन का अभाव रहा, लेकिन दिल्ली जाने के बाद मैं दर्शनशास्त्र और सामान्य अध्ययन के लिए **'पतंजलि आईएएस संस्थान'** से जुड़ा. वहाँ **धर्मेन्द्र सर** के मार्गदर्शन और टॉपिक को समझाने की सर की शैली ने मेरी सफलता की राह को आसान बना दिया.

प्र. द.—वह क्षण कब आया जब आपने सिविल सेवाओं में कॅरियर की सम्भावनाएं तलाशने का फैसला लिया ?

श्री कमलाकान्त—2010 में स्नातक के बाद मैंने सिविल सेवा परीक्षा के बारे में सोचना प्रारम्भ किया.

प्र. द.—क्या तैयारी के शुरू में आपने अपने लिए इस परीक्षा का सामना करने के लिए कोई समय-सीमा या प्रयासों की संख्या सम्बन्धी सोच बनाई थी ?

श्री कमलाकान्त—नहीं, क्योंकि मैं अपने साधारण आकदमिक रिकॉर्ड से परिचित था और इस बात को भी जानता था कि इस परीक्षा में अच्छे संस्थानों के टॉपरों के साथ प्रतियोगिता करनी है, अतः, मैं अपने अन्तिम प्रयास तक संघर्ष करने के लिए तैयार था.

प्र. द.—इस परीक्षा में बैठने का निर्णय आपका अपना था या फिर यह आपके माता-पिता का.

श्री कमलाकान्त—परीक्षा में बैठने का निर्णय मेरे स्वयं का था. यद्यपि कि मेरे पिताजी भी BPSC की तैयारी कर चुके थे और 1984 की परीक्षा में साक्षात्कार तक पहुँचे थे, लेकिन दुर्भाग्यवश अन्तिम रूप से चयन नहीं हो सका था. इसलिए मैंने स्वयं उनके अधूरे काम को पूर्णता प्रदान करने की पहल की.

प्र. द.—समय-प्रबन्धन को लेकर इस परीक्षा की तैयारी में या फिर परीक्षा भवन में कोई कठिनाई हुई ?

श्री कमलाकान्त—समय-प्रबन्धन को लेकर मुझे व्यक्तिगत स्तर पर कोई समस्या नहीं हुई, क्योंकि मुख्य परीक्षा के लिए मैं लगातार **कोचिंग संस्थान की टेस्ट सीरीज** से जुड़ा रहा. इस प्रकार मुझे अपनी कमियों को पूरा करने का अवसर एग्जाम हॉल के बाहर ही मिल गया.

प्र. द.—प्रारम्भिक परीक्षा की तैयारी हेतु क्या रणनीति रही ?

श्री कमलाकान्त—सिलेबस से सम्बन्धित NCERT की 6–12वीं कक्षा तक की पुस्तकों को बार-बार पढ़कर विषय से सम्बन्धित अवधारणा बनाने का प्रयास किया और मॉक टेस्ट के माध्यम से समय-समय पर उसे दुहराता भी रहा.

प्र. द.—शुरू से ही मुख्य परीक्षा की तैयारी की योजना क्या रही ?

श्री कमलाकान्त—मुख्य परीक्षा पूर्णतः लेखन पर निर्भर है. अतः मैं विभिन्न विषयों पर निर्धारण समय-सीमा में कुछ-न-कुछ लिखने का प्रयास करता रहता था और इस क्रम में, मैं कम-से-कम शब्दों में किसी भी विषय-वस्तु को अभिव्यक्त करने का प्रयास करता था.

प्र. द.—मुख्य परीक्षा की तैयारी हेतु प्रारम्भिक परीक्षा के बाद उपलब्ध सीमित समय में तैयारी की रणनीति में क्या बदलाव रहा ?

श्री कमलाकान्त—प्रारम्भिक परीक्षा के बाद मुख्य परीक्षा के लिए बहुत ही कम समय शेष रहता है, जिसमें केवल पूर्व से पढ़े गए विषयों को दुहराना ही सम्भव है. अतः, मैंने इस प्रयास में प्रारम्भिक परीक्षा की तैयारी के साथ-साथ मुख्य परीक्षा के प्रश्नों का लेखन भी जारी रखा.

प्र. द.—साक्षात्कार हेतु किस प्रकार की तैयारी की ?

श्री कमलाकान्त—साक्षात्कार हेतु सर्वप्रथम मैंने अपने बायोडाटा से सम्बन्धित सम्भावित प्रश्नों की सूची बनाई और **कोचिंग संस्थान के गुरुजनों** और कुछ सफल मित्रों के साथ परिचर्चा कर सभी प्रश्नों के आदर्श उत्तर तैयार किए. इसी प्रकार वैकल्पिक विषय और समसामयिक मुद्दों को भी तैयार किया.

प्र. द.—सिविल सेवा—केवल यही एक लक्ष्य था या किसी और कॅरियर विकल्प के लिए साथ-साथ तैयारी कर रहे थे ?

श्री कमलाकान्त—मैं इतिहास विषय से NET-JRF हूँ और Ph.D. भी कर रहा हूँ. अतः शिक्षण क्षेत्र भी मेरे लिए एक कॅरियर विकल्प के रूप में था, लेकिन सिविल सेवक के रूप में लोगों की समस्या के समाधान और उनसे प्रत्यक्ष जुड़ाव की आकांक्षा मुझे सिविल सेवक बनने को प्रेरित करती थी. इसलिए, मैंने इस क्षेत्र में अपना प्रयास जारी रखा.

प्र. द.—किस शैक्षिक स्तर पर सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के बारे में सोचना शुरू करना चाहिए ? आपके अनुसार इस परीक्षा की पूर्ण तैयारी में कितना समय लगना चाहिए ?

श्री कमलाकान्त—स्नातक के क्रम में ही सिविल सेवा परीक्षा के बारे में सीमित स्तर पर सोचना प्रारम्भ कर देना चाहिए और स्नातक के बाद इस पर पूर्ण मनोयोग से कार्य करना चाहिए. इस परीक्षा की तैयारी में 1 से $1\frac{1}{2}$ वर्ष का समय पर्याप्त है. ग्रामीण पृष्ठभूमि के अभ्यर्थियों को 2 से $2\frac{1}{2}$ का समय लग सकता है.

प्र. द.—क्या अभ्यर्थी के शैक्षिक, आर्थिक और जनांकिकीय स्थिति का प्रभाव तैयारी पर पड़ता है ? यदि हाँ, तो कैसे ?

श्री कमलाकान्त—तैयारी के प्रारम्भ में इन स्थितियों का प्रभाव पड़ता है, लेकिन अन्तिम चयन में इन पृष्ठभूमियों की भूमिका निर्णायक नहीं है.

प्र. द.—आपकी सफलता का मूलमन्त्र क्या है ?

श्री कमलाकान्त—मेरा एक ही मूल-मन्त्र है असफलता का अर्थ-प्रयास में कमी. इसलिए उन कमियों को ढूँढ़ने एवं समाप्त करने से सफलता का मार्ग स्वतः खुल जाता है.

व्यक्ति परिचय

नाम—*कमलाकान्त त्रिवेदी*
पिता का नाम—*श्री श्याम नारायण तिवारी*
माता का नाम—*श्रीमती मीना तिवारी*
आयु—*31 वर्ष*
शैक्षिक योग्यता—
हाईस्कूल—*दयानन्द उच्च विद्यालय, पटना 56%*
इण्टरमीडिएट—*पाटलिपुत्र इंटर कॉलेज पटना, 52%*
स्नातक (रसायन विज्ञान)—*मगध विश्व-विद्यालय, बोधगया, 59%*
परास्नातक (इतिहास)—*महात्मा गांधी विश्व-विद्यालय, 69%*

प्र. द.—अपनी सफलता का श्रेय किन्हें देना चाहेंगे ?

श्री कमलाकान्त—सर्वप्रथम अपने माता-पिता और दोनों बड़े भाइयों का आशीर्वाद, छोटी बहन की सतत् प्रेरणा, धमेन्द्र सर का मार्गदर्शन और उन सभी मित्रों का जिन्होंने प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से सहयोग दिया.

प्र. द.—इस परीक्षा की तैयारी हेतु एक मानक प्रतियोगिता पत्रिका में क्या विशेष सामग्री एवं संकलन की अपेक्षा रखते हैं ?

श्री कमलाकान्त—परीक्षा के बदलते पैटर्न और समसामयिक पक्षों पर विशेष बल होने के कारण मानक पत्रिका में कम शब्दों में अधिक मुद्दों का समावेशन आवश्यक है और मुझे लगता है प्रतियोगिता दर्पण इसका उचित सन्तुलन है, अगर पर्यावरण से सम्बन्धित पक्षों पर कुछ विशेष प्रकाश डाला जाए, तो यह और भी प्रभावी होगा.

प्र. द.—भारत में सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली प्रतियोगिता पत्रिका, प्रतियोगिता दर्पण, को इन मानकों के कितना करीब पाया ?

श्री कमलाकान्त—मैंने तैयारी के प्रारम्भ से ही प्रतियोगिता दर्पण पढ़ी है और समसामयिक आदि मुद्दों के लिए यह पत्रिका मेरी विश्वसनीय साथी के रूप में रही है.

प्र. द.—प्रतियोगिता दर्पण के अति-रिक्ताकों की सीरीज के बारे में क्या विचार हैं, तो टॉपर्स द्वारा बहुत पसन्द पसन्द की जाती रही हैं.

श्री कमलाकान्त—प्रतियोगिता दर्पण का अतिरिक्तांक हमेशा टॉपर्स की पहली पसंद

शेष पृष्ठ 61 पर

मेरी सफलता का मूलमंत्र है, "लक्ष्य के प्रति दृढ़ निष्ठा, अनवरत अथक परिश्रम एवं असाधारण मार्गदर्शन."

– अतुल गुप्ता

उत्तर प्रदेश सिविल सेवा परीक्षा, 2016 में चयनित (38वाँ स्थान).

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा, 2016 में चयनित होकर श्री अतुल गुप्ता ने एक गौरवपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए वह प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई के पात्र हैं. प्रतियोगिता दर्पण के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटवार्ता यहाँ मूलरूप में प्रस्तुत है.

..... प्रतियोगिता दर्पण, भाग्य-निर्मात्री पत्रिका है. इसमें घटनाक्रम की विश्लेषणात्मक प्रस्तुति अत्यन्त परीक्षोपयोगी होती है. इसके सभी अतिरिक्तांक अतुलनीय हैं. इसकी समसामयिक वार्षिकी विश्वसनीय सामग्री से परिपूर्ण है तथा परीक्षा की तैयारी में इसका अहम् योगदान रहता है.

प्र. द.–सिविल सेवा परीक्षा में शानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई.

श्री अतुल–जी, बहुत-बहुत धन्यवाद.

प्र. द.–किस तरह और कब आपको सिविल सेवाओं की गरिमा एवं महत्व का अनुभव हुआ ?

श्री अतुल–एक दन्त शल्य चिकित्सक होने के नाते अक्सर जब सरकारी विभागों में कार्यवश जाने लगा, उसी दौरान प्रशासनिक अधिकारियों से मुलाकात के पश्चात् उनके कार्यों की विविधता तथा चुनौतियों ने मुझे इस सेवा की ओर जाने हेतु आकर्षित किया.

प्र. द.–वह क्षण कब आया जब आपने सिविल सेवाओं में कॅरियर की सम्भावनाएं तलाशने का फैसला किया ?

श्री अतुल–वर्ष 2014 में सिविल सेवाओं में कॅरियर बनाने का फैसला लिया.

प्र. द.–अपना परिणाम जानने से पहले आप टॉपर्स के बारे में क्या सोचते थे ? क्या आप पिछले वर्षों की परीक्षा के टॉपर्स के साक्षात्कारों का कोई असर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन में अनुभव करते हैं ? इन टॉपर्स में से किसने आपको सबसे ज्यादा प्रभावित किया ?

श्री अतुल–चयन से पूर्व टॉपर्स के बारे में लगता था कि उनमें विशेष योग्यता होती है, लेकिन तैयारी के दौरान जब मेरे ही बैच की स्वाती शुक्ला जी ने यू.पी. पी.सी.एस. 2015 में महिला वर्ग में 4th (चौथा) स्थान प्राप्त किया, तो विश्वास हो गया कि टॉपर्स भी हमारे ही बीच के होते हैं.

प्र. द.–सिविल सेवा-केवल यही एकमात्र लक्ष्य था या किसी और कैरियर विकल्प के लिए साथ-साथ तैयारी कर रहे थे ?

श्री अतुल–चूँकि मैं पूर्व से ही एक दन्त शल्य चिकित्सक था, इसलिए मैंने अपना पूरा ध्यान प्रशासनिक सेवा पर ही दिया.

प्र. द.–अपनी सफलता का श्रेय किन्हें देना चाहेंगे ?

श्री अतुल–ईश्वर की असीम कृपा, माता-पिता का आशीर्वाद, धर्मपत्नी डॉ. रेनु गुप्ता, बच्चे तथा कोचिंग संस्थान को देना चाहूँगा.

प्र. द.–इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम क्या रहा ? तैयारी हेतु दिशा एवं सही मार्गदर्शन कहाँ से मिला ?

श्री अतुल–सर्वप्रथम मैंने खुद से तैयारी करना प्रारम्भ किया, लेकिन परीक्षा की जटिलता को देखते हुए मैंने सृजन आई.ए.एस. एकेडमी वाराणसी से कोचिंग व मार्गदर्शन लिया.

प्र. द.–क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से संतुष्ट थे और सफलता के प्रति आशावान थे ? सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही ?

श्री अतुल–हाँ, मैं अपनी तैयारी व परीक्षा में निष्पादन से सन्तुष्ट था और सफलता के प्रति आश्वस्त था. मैंने सर्वप्रथम ईश्वर को धन्यवाद दिया. निश्चय ही उच्च रैंक के साथ सफलता मेरे लिए खुशी का पल था.

प्र. द.–इन सेवाओं में आपने क्या प्राथमिकता दी है ?

श्री अतुल–SDM.

प्र. द.–बदलते हुए आर्थिक परिदृश्य में निजी क्षेत्र में आज सेवाओं के लुभावने अवसर उपलब्ध होने के बावजूद आप सिविल सेवाओं में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बाद भी गम्भीरता से तैयारी में लगे रहे. किस चीज ने आपका जोश बरकरार रखा ?

श्री अतुल–प्रशासनिक सेवाओं का विस्तृत दायरा तथा समाज के लिए कार्य करने की प्रेरणा ने हमेशा मेरा उत्साह बढ़ाया. साथ ही कोचिंग संस्थान के निदेशक डॉ. सुनील श्रीवास्तव एवं श्रीमान् नारायण सिंह सर से प्रेरणा व ऊर्जा मिलती रही.

प्र. द.–यह सफलता कितने प्रयासों में प्राप्त की और आप अपने पिछले प्रयासों को किस प्रकार देखते हैं ?

श्री अतुल–यह मेरा दूसरा प्रयास था. पिछले प्रयास की कमी को दूर कर इस बार यह सफलता हासिल की.

प्र. द.–समय-प्रबन्धन–चाहे वह तैयारी हो या फिर परीक्षा में उत्तर लिखते समय-समय एक महत्वपूर्ण कारक है. क्या आपने इस दौरान समय को लेकर कोई कठिनाई महसूस की ? यदि हाँ, तो कैसे आपने इसका सामना किया ?

श्री अतुल–तैयारी के दौरान मैंने समय-प्रबन्धन पर विशेष ध्यान दिया, ताकि कोई महत्वपूर्ण टॉपिक छूट न जाए, इसी प्रकार तय समय-सीमा में प्रश्नों के उत्तर लिखकर अभ्यास किया. इससे लिखित परीक्षा में समय-प्रबन्धन में सुविधा रही.

प्र. द.–आपके ऐच्छिक विषय क्या थे एवं इनके चुनाव का क्या आधार था ?

श्री अतुल–मेरा ऐच्छिक विषय इतिहास एक समाजकार्य था. इतिहास में मेरी रुचि एवं समाज कार्य की विषय-वस्तु का समाज से जुड़ा होना ऐच्छिक विषय के चुनाव का आधार बना.

प्र. द.–आपने सभी प्रयासों में ऐच्छिक विषय ये ही रहे या कोई बदलाव रहा ?

श्री अतुल–मेरे ऐच्छिक विषय एक ही थे–

1. इतिहास
2. समाजकार्य.

प्र. द.–आपने प्रारम्भिक, मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार के लिए क्या योजनाएं बनाईं ?

श्री अतुल–प्रारम्भिक परीक्षा के लिए सामान्य अध्ययन के सभी सेक्शन्स पर समान रूप से ध्यान दिया तथा विगत वर्षों में आए प्रश्नों का नियमित अभ्यास किया. मुख्य परीक्षा के लिए वैकल्पिक विषय व निबन्ध को शब्द-सीमा में लिखने का निरन्तर प्रयास किया.

साक्षात्कार के लिए मैंने समसामयिक तथ्यों एवं अपने वैकल्पिक विषयों का बारीकी से अध्ययन किया. कोचिंग संस्थान में नियमित परिचर्चा काफी लाभदायक रही.

व्यक्तिगत विशेषताएं

आपका पसंदीदा व्यक्तित्व	*– महात्मा गांधी एवं सुभाषचन्द्र बोस*
सबल पक्ष	*– संवेदनशीलता तथा निष्पक्षता*
दुर्बल पक्ष	*– अति भावुकता तथा सहज ही दूसरों पर विश्वास कर लेना*
रुचियाँ	*– हल्के व यथार्थ से जोड़ने वाले गीत गाना व जानवरों से लगाव*

प्र. द.–आपने निबन्ध के लिए किस प्रकार की तैयारी की ? आपने किस विषय पर निबन्ध लिखा एवं उस विषय को ही चुनने का क्या कारण था ?

श्री अतुल–मुझे निबन्ध लिखने का शुरू से शौक रहा है. मैं समसामयिक मुद्दों, जो राजनीतिक, धार्मिक, आर्थिक, सामाजिक के साथ-साथ वैयक्तिक रूप से महत्वपूर्ण हों, उन पर कुछ-कुछ लेख लिखना था तथा गुरुजनों से उनका मूल्यांकन कराता था तथा विचार-विमर्श करता था.

प्र. द.–प्रारम्भिक परीक्षा हेतु सामान्य अध्ययन एवं ऐच्छिक विषय में किस प्रकार सन्तुलन बनाया ?

श्री अतुल–सामान्य अध्ययन के सभी खण्डों पर समान ध्यान रखा तथा पूर्व में आए प्रश्नों का अभ्यास किया. प्रारम्भिक परीक्षा के दूसरे पेपर सी सैट के क्वालिफाइंग होने के कारण उसमें विशेष कठिनाई नहीं हुई.

प्र. द.–निगेटिव मार्किंग का ध्यान रखते हुए क्या सावधानी एवं रणनीति की जरूरत है ?

श्री अतुल–जिस प्रश्न के बारे में पूर्ण रूप से आश्वस्त हों, केवल उन्हीं प्रश्नों का उत्तर देना चाहिए.

प्र. द.–साक्षात्कार की तैयारी आपने कैसे की और आपका साक्षात्कार कब था, किस बोर्ड में था एवं क्या-क्या प्रश्न पूछे गए ? क्या आप अपने साक्षात्कार से सन्तुष्ट थे ?

श्री अतुल–मैंने साक्षात्कार की तैयारी कोचिंग संस्थान से की तथा एक महीने तक लगातार गुरुजनों से सभी समसामयिक विषयों के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की एवं मॉक इन्टरव्यू दिए.

मेरा साक्षात्कार श्रीमती सुशीला सिंह मैडम के बोर्ड में था. मुझसे Dentistry, महिलाओं के बारे में, प्रशासनिक गुणों से सम्बन्धित तथा सामाजिक बुराइयों व समसामयिक विषयों पर प्रश्न पूछे गए. मैं अपने साक्षात्कार से सन्तुष्ट था.

प्र. द.–किस शैक्षिक स्तर पर सिविल सेवाओं की तैयारी के बारे में सोचना शुरू करना चाहिए ? आपके अनुसार इस परीक्षा की पूर्ण तैयारी में कितना समय लगना चाहिए ?

श्री अतुल–मुझे लगता है कि स्नातक स्तर से ही इस परीक्षा के बारे में सोचना शुरू कर देना चाहिए. मेरे अनुसार इस परीक्षा की तैयारी हेतु दो वर्ष का समय पर्याप्त है, वैसे यह प्रतियोगी की क्षमता पर निर्भर है.

प्र. द.–आपके अनुसार विज्ञान और मानविकी विषयों में से किस विषय में ज्यादा अंक प्राप्त किए जा सकते हैं ?

श्री अतुल–मेरे अनुसार दोनों में ही अच्छे अंक प्राप्त किए जा सकते हैं.

प्र. द.–आपके अनुसार इस परीक्षा में हिन्दी माध्यम को लेकर तैयारी करने एवं सफलता प्राप्त करने के बारे में क्या विचार हैं ?

श्री अतुल–वैसे तो मैंने अंग्रेजी माध्यम से सफलता प्राप्त की है, लेकिन मेरा मानना है कि माध्यम का परीक्षा के अन्तिम परिणाम में विशेष महत्व नहीं है.

प्र. द.–क्या अभ्यर्थी के परिवार की शैक्षिक, आर्थिक और जनांकिकीय स्थिति का प्रभाव उसके अध्ययन पर पड़ता है ? यदि हाँ, तो कैसे ?

श्री अतुल–हाँ, इनका प्रभाव पड़ता है. अच्छी शैक्षिक स्थिति, समस्याओं की व्यावहारिक समझ विकसित करती है व आर्थिक स्थिति से संसाधनों की उपलब्धता सहज हो जाती है.

प्र. द.–एक मानक प्रतियोगिता पत्रिका में क्या विशेष सामग्री एवं संकलन की अपेक्षा रखते हैं ?

श्री अतुल–गुणवत्तायुक्त तथ्यों का संकलन, अवधारणाओं की स्पष्ट व्याख्या तथा अद्यतन जानकारी किसी भी अच्छी पत्रिका के लिए आवश्यक है.

प्र.द.–भारत में सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली प्रतियोगिता पत्रिका, प्रतियोगिता दर्पण, को इन मानकों के कितने करीब पाते हैं ? इसको और अधिक उपयोगी बनाने के लिए कोई सुझाव देना चाहेंगे ?

श्री अतुल–प्रतियोगिता दर्पण इन मानकों पर काफी हद तक खरी उतरती है. वर्तमान समय में परीक्षा के पैटर्न के बदलते स्वरूप के अनुसार इसमें और परिवर्तन अपेक्षित है.

व्यक्ति परिचय

नाम–*अतुल गुप्ता*
पिता का नाम–*श्री रमाशंकर प्रसाद गुप्ता*
माता का नाम–*श्रीमती बिमला गुप्ता*
जन्मतिथि–*9-10-1983*
शैक्षिक योग्यता–
हाईस्कूल–*1999, CHS, वाराणसी, (CBSE) (76%)*
इण्टरमीडिएट–*2001 CHS, वाराणसी, (CBSE) (66·8%)*
बीडीएस–*2001–06, GDC, नागपुर, (एमयूएचएस), नासिक (65·37%)*

प्र. द.–क्या आपने सामान्य अध्ययन के अतिरिक्तांकों की सीरीज का उपयोग किया, जो पिछले कई वर्षों से अभ्यर्थियों के बीच बहुत पसन्द की जा रही है ?

श्री अतुल–हाँ, मैंने सामान्य अध्ययन के सभी अतिरिक्तांकों का उपयोग किया. विशेष रूप से अर्थव्यवस्था का अतिरिक्तांक काफी उपयोगी रहा. अर्थव्यवस्था के अतिरिक्तांक के अध्ययन के बिना सामान्य अध्ययन के इस खण्ड की तैयारी अधूरी है.

प्र. द.–प्रतियोगिता दर्पण वार्षिकी कैसी लगी ? इसके प्रकाशन का समय, इसका आकार एवं इसकी सामग्री के बारे में विचार व्यक्त करें.

श्री अतुल–प्रतियोगिता दर्पण वार्षिकी एक महत्वपूर्ण अंक है, जिसके द्वारा वर्ष भर की सभी घटनाओं का संकलन एक ही स्थान पर प्राप्त हो जाता है.

प्र. द.–भविष्य को ध्यान में रखते हुए क्या आपने तैयारी और प्रयासों हेतु कोई समय सीमा निर्धारित की थी ?

श्री अतुल–प्रारम्भ में मैंने एक वर्ष का ही समय निर्धारित किया, लेकिन गुरुजनों के सुझाव पर सफलता को एक समय-सीमा में बाँधने का विचार त्याग दिया.

प्र. द.–आपकी सफलता का मूलमंत्र क्या है ?

शेष पृष्ठ 61 पर

फोकस 1

भारतीय कृषि और कृषक को संकट से उबारने की चुनौती

✍ डॉ. श्याम सुन्दर सिंह चौहान

2018-19 में खाद्यान्न उत्पादन 281·37 मिलियन टन (द्वितीय अग्रिम अनुमान), बागवानी फसलों का उत्पादन 314·67 मिलियन टन (प्रथम अग्रिम अनुमान) रिकॉर्ड स्तर पर रहने के बावजूद भारतीय कृषि और कृषक दोनों ही संकट के दौर से गुजर रहे हैं. लगभग प्रत्येक राज्य में कृषकों के बकाया ऋणों को माफ कर दिए जाने की घोषणा; कृषकों को उनकी उपज का यथोचित मूल्य दिलाने के लिए लागत से डेढ़ गुना स्तर पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा; न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कृषकों के दलहनी एवं तिलहनी उत्पाद को क्रय कर लिए जाने की प्रधानमंत्री-आशा (PM-AASHA) योजना; सभी कृषकों के खातों में ₹ 2 – 2 हजार की तीन किश्तों में प्रतिवर्ष ₹ 6000 हस्तान्तरित किए जाने की प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-KISAN); तेलंगाना की रायथू बन्धू योजना; ओडिशा की कालिया योजना; आन्ध्र प्रदेश की अन्नदाता सुखीभव योजना; प. बंगाल की कृषक बन्धु योजना आदि प्रारम्भ किए जाने के सकारात्मक परिणाम प्राप्त नहीं हो रहे हैं. कृषकों को मुख्य रूप से निम्नलिखित मोर्चों पर जूझना पड़ रहा है–

- खाद्यान्नी फसलों एवं बागवानी फसलों का रिकॉर्ड उत्पादन होने से अत्युत्पादन की स्थिति.
- अधिकांश कृषि उत्पादों की उत्पादन लागत में भारी वृद्धि-सिंचाई, बीज, रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों, परिवहन लागतों, मजदूरी की दरों जैसे आगतों की कीमतों में वृद्धि का परिणाम.
- खेतों में तैयार फसल के मूल्य एवं उपभोक्ताओं के द्वारा चुकाए गए इन्हीं उत्पादों के क्रय मूल्य में भारी अन्तर के बावजूद कृषकों को उनकी उपज का पूरा मूल्य प्राप्त न हो पाना.
- व्यापक स्तर पर ऋण माफी से वाणिज्यिक बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों एवं प्राथमिक कृषि सहकारी साख समितियों द्वारा कृषकों-विशेष रूप से सीमान्त एवं लघु कृषकों को ऋण वितरण में हीला हवाली करना.
- यथोचित शीत भण्डारों एवं शीत शृंखला की कमी से शीघ्र नाशवान बागवानी फसलों की बाध्यतापूर्ण बिक्री.
- वर्षाधीन खेती के अन्तर्गत बड़ा रकवा होने के बावजूद सिंचाई सुविधाओं का विस्तार न हो पाना.
- नाइट्रोजनीय उर्वरकों के अति प्रयोग तथा कार्बन एवं जैविक तत्वों की अधिकता वाली हरी खाद, कम्पोस्ट खाद, गोबर की खाद आदि के न्यून उपयोग से मृदा की उर्वरा शक्ति में स्थिरता.
- कृषि विपणन में बिचौलियों-आढ़तिया, व्यापारी, दलालों का सशक्त संगठन.

अत्युत्पादन-नीचा प्रतिफल

विगत दस वर्षों (2009-10 से 2018-19) के दौरान खाद्यान्न उत्पादन 2·57 प्रतिशत चक्रवृद्धीय वार्षिक दर से तथा बागवानी उत्पादन में 3·49 प्रतिशत चक्रवृद्धीय वार्षिक दर से वृद्धि हुई है तथा ये दोनों आजादी प्राप्ति के बाद से रिकॉर्ड स्तर पर है.

माल्थस के जनसंख्या सिद्धान्त को नकारते हुए भारत में खाद्य पदार्थों के उत्पादन की वृद्धि दर जनसंख्या की वृद्धि दर से अधिक रही है. 2007-08 एवं 2017-18 के बीच भारत की जनसंख्या 1·5% वार्षिक की तथा 2015-16 एवं 2017-18 के बीच 1·3% वार्षिक की वृद्धि हुई है. केवल तिलहनों को छोड़कर (2007-08 एवं 2017-18 के बीच) अन्य सभी संवर्गों की जिन्सों उत्पादन वृद्धि दर दोनों ही अवधियों में जनसंख्या वृद्धि दर से अधिक रही है.

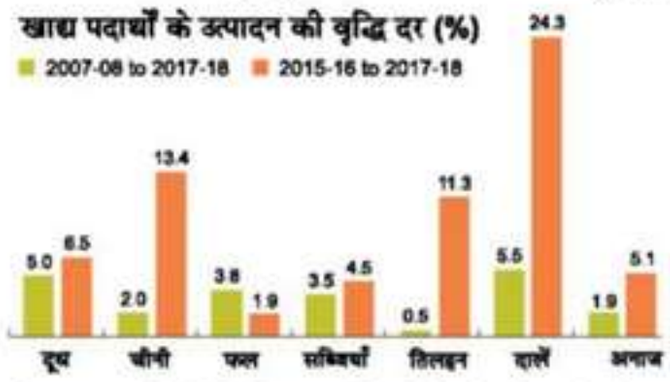

Source : CMIE (Centre For Monitoring Indian Economy), JM Financial Report.

समस्या की जड़ कहाँ है ?

जब खाद्यान्न उत्पादन तथा बागवानी उत्पादन दोनों ही ऐतिहासिक रूप से रिकॉर्ड स्तर पर हैं, तो खेती-किसानी और कृषकों में बढ़ते असन्तोष की जड़ कहाँ है ? इसे निम्नलिखित रूप से समझा जा सकता है–

1. कृषि उत्पादन में वृद्धि होने के बावजूद कृषकों की आय में यथोचित वृद्धि नहीं हो सकी है. नीचे दिए गए ग्राफ से पता चल रहा है कि भारत में C2 लागत पर बाजारी कीमतों पर कृषकों को रुपया प्रति हेक्टेयर लाभ 2014-15 एवं 2017-18 के बीच धान के मामले में 2·1 प्रतिशत चक्रवृद्धीय औसत वार्षिक वृद्धि दर, गेहूँ में 5·2%, चना में 135% चक्रवृद्धीय औसत वार्षिक दर से बढ़ा है, जबकि मूँग में 184·6%, तूर में 334·6%, उड़द में 138·4% सोयाबीन में 127·6%, कपास में 29·3% की गिरावट दर्ज की गई है.

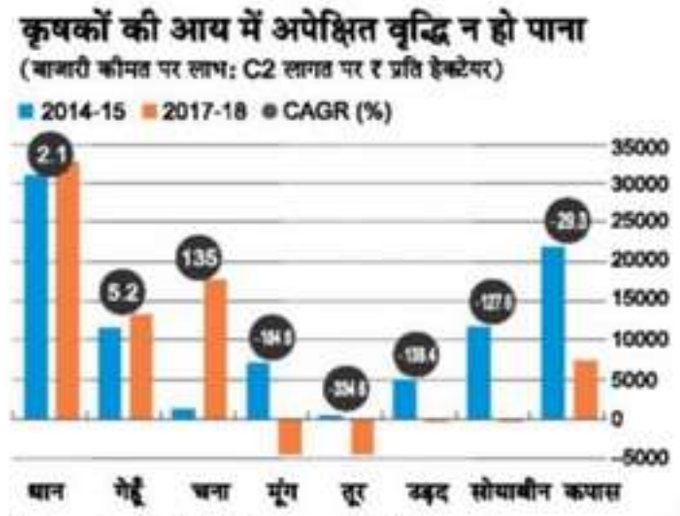

Source: Kotak Economic Research

खाद्यान्न एवं बागवानी उत्पादन

(मिलियन टन)

	खाद्यान्न उत्पादन	खाद्यान्न उत्पादन की प्रति हेक्टेयर उपज (कुन्तल प्रति हेक्टेयर)	बागवानी उत्पादन
2009-10	218·11	18·0	223·09
2010-11	244·49	19·3	240·53
2011-12	259·29	20·8	257·28
2012-13	257·12	21·3	268·85
2013-14	265·05	21·2	277·35
2014-15	252·02	20·3	280·99
2015-16	251·54	20·4	286·19
2016-17	275·11	21·3	300·64
2017-18 #	277·49	22·3	311·71
2018-19	281·37*	—	314·67^

* द्वितीय अग्रिम अनुमान # चतुर्थ अग्रिम अनुमान ^ प्रथम अग्रिम अनुमान

फसलों के उत्पादन की लागतों की अवधारणाएँ

कृषि लागतों एवं मूल्यों पर आयोग (CACP) राज्य एवं अखिल भारतीय स्तर पर प्रत्येक फसल की तीन प्रकार की लागतों पर विचार करता है.

A2 लागतें

कृषकों द्वारा नकद या वस्तु रूप में खर्च की गई सभी प्रत्यक्ष लागतें, जैसे कि बीजों, उर्वरकों, कीटनाशकों, काम पर लगाए गए मजदूरों को भुगतान की गई मजदूरी, पट्टे पर ली गई भूमि पर दिया गया लगान, ईंधन व्यय, सिंचाई (आवपाशी) आदि.

A2 + FL लागतें

खेती कार्य में बिना भुगतान प्राप्त किए प्रयुक्त परिवार के सदस्यों द्वारा किए गए कार्य की मजदूरी + A2 लागतें.

C2 लागतें

कृषकों द्वारा अपने स्वामित्व वाली भूमि का किराया + स्वयं की स्थिर पूँजीगत आस्तियों से प्राप्त हो सकने वाली आय + A2 + FL.

केन्द्र सरकार के बजट में न्यूनतम समर्थन मूल्य को खेती की लागत के डेढ़ गुना रखे जाने की घोषणा की गई थी, लेकिन वित्त मन्त्री ने यह स्पष्ट नहीं किया था कि लागत की गणना किस आधार पर की जाएगी ? कृषि लागतें एवं मूल्यों पर आयोग ने 2018-19 के लिए लगाए गए प्रोजेक्शनों के आधार पर तो कहा जा सकता है कि A2 + FL लागतों के सापेक्ष सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य लगभग डेढ़ गुना है, लेकिन C2 लागतों के सापेक्ष नहीं है.

अप्रैल 2014 एवं दिसम्बर 2018 के बीच खाद्य पदार्थों की थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति की दर का चलन भी यह तथ्य इंगित करता है कि खाद्य पदार्थों की कीमतों में गिरावट का दौर जारी है.

थोक मूल्य सूचकांक आधारित खाद्य मुद्रा-स्फीति दर का ट्रेण्ड

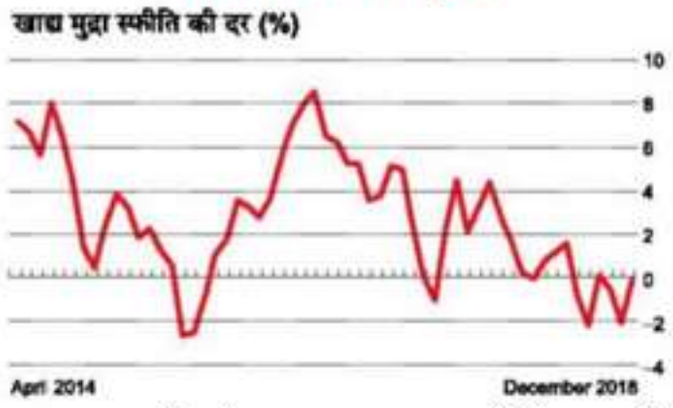

2. कृषकों के समक्ष एक विरोधाभासी स्थिति उत्पन्न हुई है जहाँ एक ओर उनकी हाड़ तोड़ मेहनत से कृषि जिंसों का उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर है वहीं कृषि आगतों के मूल्यों में वृद्धि होते जाने से खेती-किसानी की लागत में वृद्धि होती जा रही है. परिणामतः प्रति-फल की निबल दर गिरती जा रही है.
3. 2009 एवं 2018 के बीच केवल 4 वर्षों–2010, 2011, 2013 एवं 2016 में ही मानसून सामान्य या सामान्य से अधिक रहा है शेष वर्षों में वर्षा या तो सामान्य से नीचे रही है या काफी कम रही है. जब वर्षा कम या अपर्याप्त होती है, तो सिंचाई लागतों में वृद्धि हो जाती है.

भारत में मानसून की स्थिति (वास्तविक वर्षा : दीर्घकालीन औसत वर्षा के %)

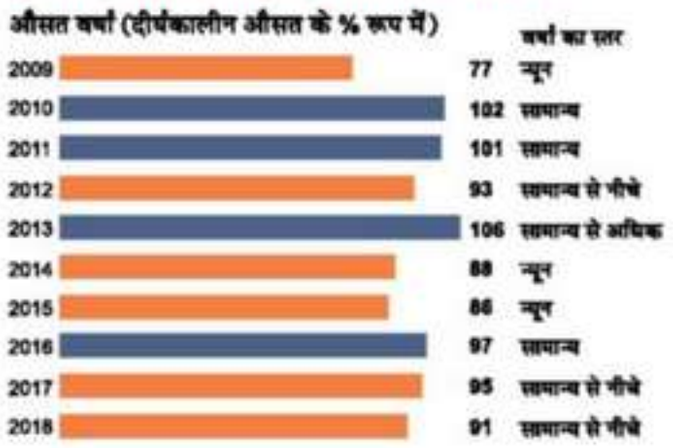

वैदेशिक क्षेत्र से जुड़ा कृषि संकट

विश्व व्यापार संगठन के अस्तित्व में आ जाने से यह आशा की गई थी कि भारत से कृषि निर्यातों में वृद्धि होगी, जिसका लाभ कृषकों को मिलेगा, लेकिन ऐसा हो नहीं सका. 2018-19 में कृषि एवं सहायक क्रियाएं क्षेत्रक का कुल निर्यात ₹ 2,73,703 करोड़ था, जो 2017-18 के निर्यातों की तुलना में मात्र 1·10% अधिक था. इस निर्यात में भी सबसे बड़ी हिस्सेदारी समुद्री उत्पादों (₹ 47,621 करोड़), भैंस का मांस (₹ 25,091 करोड़), चीनी (₹ 9,518 करोड़), तेल की खली (₹ 10,438 करोड़) की थी, जिनका सम्बन्ध कृषकों से नहीं है. इसके विपरीत वर्ष 2018-19 में ₹ 1,35,939 करोड़ के कृषि उत्पादों का आयात किया गया, जो 2017-18 की तुलना में 9·8% अधिक है.

भारत के 10 शीर्ष कृषि निर्यात 2018-19 (मूल्यानुसार)

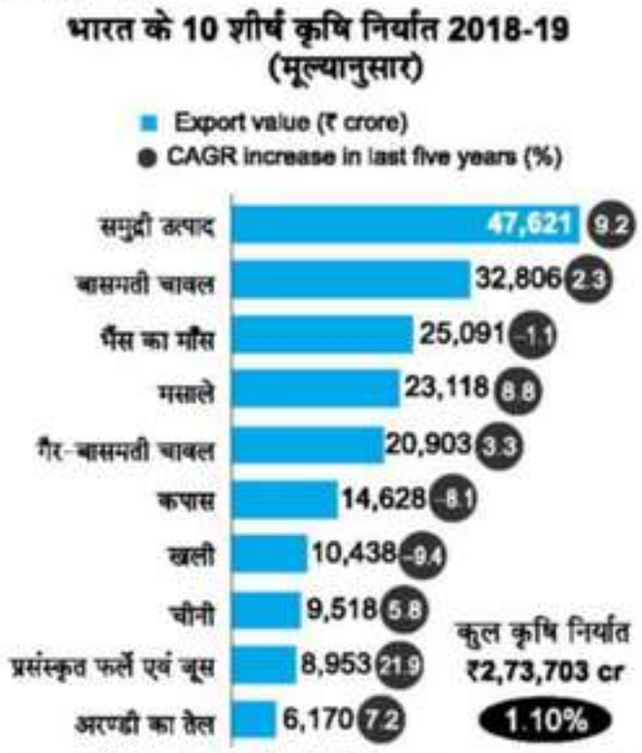

भारत में 10 शीर्ष कृषि जिंसों का आयात 2018-19 (मूल्यानुसार)

A2 + FL तथा C2 लागतों के सापेक्ष प्रमुख फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य

(रुपया प्रति कुन्तल)

फसल	A2 + FL लागत	C2 लागत	न्यूनतम समर्थन मूल्य		C2 के सापेक्ष MSPC%
			2017-18	2018-19	
धान	1166	1560	1550–1590	1750–1770	112·2–113·5
ज्वार	1619	2183	1700–1725	2430–2450	111·3–112·2
बाजरा	990	1324	1425	1950	147·3
रागी	1931	2370	1900	2897	122·2
मक्का	1131	1480	1425	1700	114·9
अरहर	3432	4981	5450	5675	113·9
मूँग	4650	6161	5575	6975	113·2
उड़द	3438	4989	5400	5600	112·2
मूँगफली	3260	4186	4450	4890	116·8
सूरजमुखी	3592	4501	4100	5388	119·7
सोयाबीन	2266	2972	3050	3399	114·4
कपास	3433	4514	4020–4320	5150–5450	114·1–120·7

भावी रणनीति

आज के इस दौर में आर्थिक और राजनीतिक कारणों से कृषि और कृषक उस स्थिति में पहुँच गए हैं जहाँ लोकतांत्रिक ढंग से चुनी गई कोई भी सरकार उनकी उपेक्षा नहीं कर सकती. कृषकों के बकाया ऋणों को माफ कर देना या उनके खातों में

शेष पृष्ठ 64 पर

फोकस 2

इक्कीसवीं शताब्दी के भारत निर्माण हेतु 9 मिशन

✍ मधूलिका सिंह

भारत सरकार द्वारा प्रोफेसर के. विजयराघवन की अध्यक्षता में 29 अगस्त, 2018 को 21 सदस्यीय प्रधानमंत्री की विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवोन्मेष परिषद् का गठन किया गया. यह परिषद् विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में विशिष्ट पहलों का मूल्यांकन करते हुए नवोन्मेषों के लिए मार्गदर्शन तय करती है. यह परिषद् विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवोन्मेष से जुड़े सभी मामलों पर भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को परामर्श देती है. इस परिषद् के अन्य सदस्य निम्नलिखित हैं–

- डॉ. वी. के. सारस्वत, नीति आयोग के सदस्य.
- डॉ. ए. एस. किरन कुमार, भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन के पूर्व अध्यक्ष.
- प्रोफेसर अजय कुमार सूद, भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलूरू के संकाय सदस्य.
- मेजर जनरल माधुरी कानितकर, संकाय अध्यक्ष, आर्मड् फोर्स मेडिकल कॉलेज, पुणे.
- प्रोफेसर संघमित्रा बन्दोपाध्याय, निदेशक, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता.
- प्रोफेसर मंजुल भार्गव, प्रिन्स्टन विश्वविद्यालय.
- प्रोफेसर सुभाष कक, ओकलाहाम स्टेट विश्वविद्यालय.
- श्री बाबा कल्यानी, प्रबन्ध निदेशक, भारत फोर्ज.

उपर्युक्त के अतिरिक्त भारत सरकार के निम्नलिखित विभागों के सचिव भी इस परिषद् का हिस्सा हैं–

- कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग
- परमाणु ऊर्जा विभाग
- जैव प्रौद्योगिकी विभाग
- रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग
- उच्च शिक्षा विभाग
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
- अन्तरिक्ष विभाग
- भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्
- पृथ्वी विज्ञान मन्त्रालय

प्रधानमंत्री की विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवोन्मेष परिषद् को सन्दर्भित विषय

प्रधानमंत्री की विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवोन्मेष परिषद् को अग्रलिखित क्षेत्रों में नीति निर्माण, अभिमुखीकरण, समन्वयन, सहयोग, बहुपणधारी नीतिगत पहलों के क्रियान्वयन, कार्यिक तन्त्र, सुधारों एवं कार्यक्रमों के निर्धारण से सम्बन्धित विषय सन्दर्भित है–

- केन्द्र एवं राज्य सरकारों दोनों में बहु-पणधारियों के साथ सहयोग करके अनुप्रयोगात्मक अनुसंधान के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के बुनियादी पहलुओं पर सहक्रिया करना,
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के उभरते क्षेत्रों में भावी तैयारियों को सुनिश्चित करना
- बृहत अन्तर-मन्त्रालयी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मिशनों को तैयार करना और समन्वय स्थापित करना.
- प्रौद्योगिकी जनित नवोन्मेषों एवं प्रौद्योगिकी उद्यमिता के लिए एक समर्थनकारी वातावरण प्रदान करना.
- सम्पोषणीय विकास हेतु सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों का समाधान खोजने की दिशा में नवोन्मेष एवं प्रौद्योगिकीय पहलों को आगे बढ़ाना.
- अनुसंधान एवं नवोन्मेष को आगे बढ़ाने के लिए प्रभावी सार्वजनिक–निजी सम्पर्कों को अंगीकृत करना.
- अकादमिक, उद्योग एवं सरकार सहित बहुपणधारियों के साथ मिलकर विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा नवोन्मेष केन्द्रों को विकसित करना.
- प्रचलित एवं भावी प्रौद्योगिकियों में कौशल विकास को बढ़ावा देना.

9 मिशन : नए भारत के निर्माण हेतु एक सकारात्मक पहल

प्रधानमंत्री की विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवोन्मेष परिषद् ने 6 मार्च, 2019 को निम्नलिखित 9 मिशनों की घोषणा की–

मिशन 1 : नैसर्गिक भाषा अनुवाद (Natural Language Translation)

उद्देश्य

- **विज्ञान तक सबकी पहुँच**–विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में अवसरों तथा प्रगति तक सबकी पहुँच को सुनिश्चित करने में वर्तमान में केवल अंग्रेजी भाषा में सामग्री से जुड़ी सभी बाधाओं को दूर करना.
- **सुगम पहुँच हेतु द्विभाषायी प्रणाली तन्त्र विकसित करना**–मशीन और मानव अनुवाद दोनों के सम्मिलित प्रयासों को प्रयुक्त करते हुए यह मिशन अन्ततः शिक्षण एवं अनुसंधान सामग्री दो भाषाओं–अंग्रेजी एवं भारत में प्रचलित स्थानीय भाषाओं में उपलब्ध कराना.
- **सहयोग के द्वारा क्रियान्वयन योग्य समाधान प्रस्तुत करना**–एक ऐसी प्रणाली विकसित किया जाना प्रस्तावित है, जिसके अन्तर्गत केन्द्रीय एवं राज्यों के निकाय तथा स्टार्ट-अप विज्ञान के क्षेत्र में मिलकर कार्य करते हुए क्रियान्वयन योग्य समाधान तन्त्र का निर्माण करेंगे.

प्रमुख निकाय

- इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मन्त्रालय
- मानव संसाधन विकास मन्त्रालय
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मन्त्रालय

मिशन 2 : क्वांटम फ्रन्टियर

- **क्वांटम यान्त्रिकी प्रणालियों को नियन्त्रित करना**–बुनियादी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्रकों में बृहत्तर समकालीन चुनौतियों के रूप में अत्यधिक स्वतंत्रता के साथ क्वांटम यान्त्रिकी प्रणालियों को नियन्त्रित करने के लिए पहल करना.
- **क्वांटम मेकेनिक्स का अनुप्रयोग**–क्वांटम कम्प्यूटरों, क्वांटम रसायन विज्ञान, क्वांटम संचार, नए पदार्थों का विकास, क्वांटम संवेदकों एवं क्वांटम क्रिप्टोग्राफी के विकास तथा राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक जानकारी तथा तकनीक के द्वारा क्वांटम फ्रन्टियर में उत्कृष्टता का निर्माण करना.

प्रमुख निकाय

- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
- अन्तरिक्ष विभाग
- परमाणु ऊर्जा विभाग
- रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन
- इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मन्त्रालय

मिशन 3 : कृत्रिम मेधा (Artificial Intelligence)

उद्देश्य

- **बेहतर सम्पर्कता एवं उत्पादकता में वृद्धि**–समंक संकलन, समंक प्रसंस्करण तथा गणना में अविश्वसनीय उच्चीकरण जनित परिस्थितियों के बीच बेहतर सम्पर्कता एवं उत्पादकता में वृद्धि

सुनिश्चित करने के लिए निर्णयन तथा अन्य सम्बन्धित कार्यों हेतु एक बौद्धिक प्रणाली विकसित करना.

- **सामाजिक परिवर्तन हेतु कृत्रिम मेधा : स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, स्मार्ट शहर एवं अधोरचना**–स्मार्ट गत्यात्मकता एवं परिवहन सहित जैसे क्षेत्रकों में सामाजिक आवश्यकताओं के माध्यम से आम लाभार्थियों को लाभ पहुँचाने के प्रयासों पर ध्यान केन्द्रित करना.
- **सहयोग उपागम**–राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सघन अकादमिकों-उद्योग अन्तक्रिया के द्वारा प्रमुख अनुसंधान के विकास पर ध्यान केन्द्रित करना.
- **प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना**–नवीन ज्ञान के सृजन एवं अनुप्रयोगात्मक विकास के द्वारा प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना.

प्रमुख निकाय

- नीति आयोग
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
- इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मन्त्रालय
- जैव प्रौद्योगिकी विभाग

मिशन 4 : राष्ट्रीय जैव-विविधता मिशन

- **भारत की जैव-विविधता का समग्र अभिलेखीकरण**–सम्बद्ध सांस्कृतिक एवं परम्परागत पद्धतियों सहित भारत में सभी प्रकार के जीवों की कैटालॉगिंग एवं मैपिंग हेतु पूर्ण सम्भाव्यता सहित भारत की जैव-विविधता का समग्र अभिलेखीकरण करना.
- **भारत की जैव-विविधता के वितरण एवं संरक्षण स्तर का मूल्यांकन करना.**
- जैव-विविधता के प्रबन्धन एवं अनुश्रवण हेतु पर्यावरणीय समंकों के बड़े समुच्चय को सँभाल सकने में संक्षम **पेशेवरों के कैडर को विकसित करना**.
- विश्वसनीय सूचना की सुदृढ़ बुनियाद पर एक जीवन्त और **ऊर्जावान जैव-विविधता आधारित अर्थव्यवस्था की स्थापना करना**;
- पुनर्स्थापना प्रयासों को सूचना प्रदान करने वाली आर्थिक प्रणाली को बेहतर ढंग से कार्य करने के लिए **ज्ञान का प्रसार**.
- **जन सहयोग**
- **कृषि उत्पादन एवं आजीविका सुरक्षा एवं समाज की सामान्य खुशहाली हेतु विकल्पों को बढ़ाना**.

प्रमुख निकाय

- पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मन्त्रालय.
- जैव प्रौद्योगिकी विभाग.

मिशन 5 : बिजली चालित वाहन (Electronic Vehicles)

उद्देश्य

- **जीवाश्म ईंधन उपयोग में कमी लाना तथा उत्सर्जन को रोकना**.
- **भारत की गत्यात्मकता योजनाओं में बिजली चालित वाहन एक बड़ा घटक**–बिजली चालित वाहनों को आर्थिक दृष्टि से व्यवहार्य एवं मापनीय बनाने के लिए सघन और केन्द्रित अनुसंधान, विकास तथा नवोन्मेषण की आवश्यकता है, ताकि देशीय क्षमताएं विकसित की जा सकें.
- **ऊर्जा दक्ष वाहनों की आवश्यकता**–प्रकाश और दक्ष बैटरियों जो हमारी पर्यावरणीय दशाओं में बेहतर ढंग से कार्य करती हैं और उनमें प्रयुक्त पदार्थों का पुनर्चक्रण भी किया जा सकता है, की आवश्यकता है.
- **वाहन उप-प्रणालियों एवं संघटकों का विकास करना**–भारतीय आवश्यकताओं के अनुरूप वाहन उप-प्रणालियों एवं संघटकों का विकास करना, जिनमें रेयर अर्थ आधारित इलेक्ट्रिक मोटर, Li-io बैटरी, पॉवर इलेक्ट्रॉनिक्स आदि शामिल हैं. इसके लिए अकादमिक-उद्योग सहयोग को बढ़ावा देना.

प्रमुख निकाय

- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
- भारी उद्योग विभाग
- नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मन्त्रालय
- विद्युत् मन्त्रालय
- नीति आयोग

मिशन 6 : जैव-विज्ञान एवं मानव स्वास्थ्य

उद्देश्य

- भारतीयों की विविधता एवं हमारी पर्यावरणीय आवश्यकताओं के अनुरूप हमारी जीवनचर्या के मानव जेनोम विशिष्ट क्षेत्रों तथा ये किस प्रकार स्वास्थ्य और बीमारी प्रतिरूप को प्रभावित करते हैं. इस पर बृहतस्तरीय अनुसंधान की आवश्यकता है.
- स्वास्थ्य की देखभाल एवं प्रकृति पर प्रभावों को समझने के लिए स्वस्थ और बीमारी के सैम्पलों का उपयोग करना.
- जेनोमों के एक समग्र सन्दर्भ मानचित्र का निर्माण करना एवं इस गतिकी को समझना कि विभिन्न प्रकार पर्यावरण हमारे स्वास्थ्य पर किस प्रकार प्रभाव डालते हैं. यही इस मिशन का प्राथमिक लक्ष्य है.
- मिशन यदाकदा होने वाली एवं आनुवंशिक बीमारियों के जेनेटिक आधार तथा व्यापकता को चिह्नित एवं पता लगाने के लिए मानवों की जनसंख्या का जेनोमिक अध्ययन पर ध्यान केन्द्रित करेगा. इससे बीमारियों की जाँच-परख और उपचार को बढ़ाने में सहायता मिलेगी, जो देश की स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली को एक नई दिशा देगा.

प्रमुख सहभागी

- जैव-प्रौद्योगिकी विभाग
- स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग
- स्वास्थ्य विभाग
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
- परमाणु ऊर्जा विभाग

मिशन 7 : कचरे से सम्पदा (Waste to Wealth)

उद्देश्य

- **कचरे से सम्पदा**–ऊर्जा उत्पन्न करने, कचरे का पुनर्चक्रण करके उसमें से उपयोगी पदार्थों को निकालने के लिए कचरे के उपचारण हेतु प्रौद्योगिकियों को चिह्नित, विकसित एवं प्रयुक्त करना.
- **स्वच्छ वातावरण हेतु नवीन प्रौद्योगिकियाँ**–स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण के सृजन को बढ़ावा देने वाली नवीन प्रौद्योगिकियों को चिह्नित करने एवं सहायता देने के लिए प्राथमिकता.
- **वृत्ताकार अर्थव्यवस्था (Circular Economy) का सृजन**– भारत में कचरे के निस्तारण को सुचार रूप प्रदान करने हेतु कचरा प्रबन्धन के लिए वित्तीय दृष्टि से व्यवहार्य वृत्ताकार आर्थिक मॉडल सृजित करने के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवोन्मेष का लाभ लेते हुए स्वच्छ भारत और स्मार्ट सिटी परियोजनाओं की सहायता और समृद्धीकरण करना.

प्रमुख निकाय

- जैव प्रौद्योगिकी विभाग
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
- पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
- शहरी विकास विभाग
- स्वच्छ भारत अभियान

मिशन 8 : गहरी महासागरीय खोज (Deep Ocean Exploration)

उद्देश्य

- **गहरे महासागरों में खोज**–नीले सागरों के बारे में हमारी समझ और जानकारी को बढ़ाने की दिशा में गहरे महासागरों में वैज्ञानिक तरीके से खोज को बढ़ावा देना.

- इस खोज से प्राप्त जानकारी जलवायु परिवर्तन के कारण महासागरों में होने वाले दीर्घकालिक परिवर्तनों से उत्पन्न होने वाले मुद्दों का समाधान खोजने में मदद मिलेगी.

इस मिशन के फोकस क्षेत्र निम्नलिखित हैं–

- जीवित (जैव-विविधता) एवं गैर-जीवित (खनिजों) संसाधनों की खोज हेतु गहरे महासागरों की खोज एवं विदोहन.
- जल के भीतर चलने वाले वाहनों एवं रोबोटों का विकास.
- महासागरीय जलवायु परिवर्तन परामर्श-दात्री सेवाओं का विकास.
- सामुद्रिक जैव-संसाधनों के सम्पोषणीय उपयोग हेतु नवोन्मेष एवं पारम्परिक प्रौद्योगिकियों का विकास.
- समुद्र के पानी की क्षारीयता को समाप्त करने की तकनीकों को अपनाना.
- नवीकरणीय ऊर्जा पैदा करना.

प्रमुख निकाय

- पृथ्वी विज्ञान मन्त्रालय
- जैव प्रौद्योगिकी विकास
- अन्तरिक्ष विभाग
- नवीन एवं अक्षय ऊर्जा मन्त्रालय
- तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग
- रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन
- भारतीय भू-गर्भिक सर्वेक्षण
- राष्ट्रीय हाइड्रोग्राफिक कार्यालय
- राष्ट्रीय जैव-विविधता प्राधिकरण

मिशन 9 : अग्नि (AGNII–Accelerating Growth of New India's Innovations)

उद्देश्य

- यह मिशन प्रधान वैज्ञानिक परामर्शदाता कार्यालय द्वारा प्रारम्भ किया गया है. उद्योग, व्यक्तियों एवं जमीनी स्तर के निवेशकों को एकसूत्र में बाँध कर नवोन्मेष समाधानों की मार्केटिंग एवं व्यावसायीकरण के द्वारा देश की नवोन्मेष आर्थिक प्रणाली में तेजी लाने के राष्ट्रीय प्रयासों को सहायता और समर्थन देने पर लक्षित यह मिशन बहुआयामी है.
- यह मिशन निवेशकों को उनकी प्रौद्योगिकीय तैयार उत्पादों एवं समाधानों को उद्योगों तक पहुँचाने का एक प्लेटफार्म उपलब्ध कराता है.
- यह मिशन देश में समावेशी सामाजिक-आर्थिक संवृद्धि के एक नए युग के सूत्रपात हेतु तकनीकी-उद्यमिता को बढ़ावा देता है.

इस मिशन में निम्नलिखित को भी शामिल किया गया है–

- बाजार में उतरने को तैयार देशीय नवोन्मेषों की सहायतार्थ एवं सम्पन्नीकरण के लिए आवश्यक सभी तकनीकी–व्यासायीकरण शृंखला सेवाओं का त्वरित विकास.
- सरकारी अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाओं तथा अकादमिकों के साथ मिलकर उनके नवोन्मेषों के व्यावसायीकरण में सहायता देना.
- वैज्ञानिकों, नवोन्मेषकों, प्रौद्योगिकी हस्तान्तरण कार्यालयों एवं प्रौद्योगिकी लाइसेंस कार्यालयों में क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण की सुविधा.
- लागत प्रभावी विपणनीय समाधानों के विकास को बढ़ावा देने के लिए उद्योग की आवश्यकताओं को अनुसंधान प्रयोगशालाओं के साथ सम्बद्ध करना.

प्रमुख निकाय

- इन्वेस्ट इण्डिया

प्रधानमंत्री की विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवोन्मेष परिषद् (PM–STIAC) की नौ मिशन घोषित करने की पहल सुनिश्चित तौर पर स्वागत योग्य है. शाब्दिक रूप से सभी मिशन आकर्षक है, लेकिन इनके सफल क्रियान्वयन में अनेक बाधाएं भी हैं. प्रत्येक मिशन को पूरा करने के लिए कई-कई विभागों एवं मन्त्रालयों की भूमिका है. बहुपणधारी क्रियान्वयन की सफलता संदिग्ध होती है, क्योंकि उनके क्रियान्वयन में संसाधनों के आवंटन एवं उपभोग स्तर पर समन्वय का अभाव पाया जाता है.

●●●

शेष पृष्ठ 54 का

रही है. मैंने स्वयं अर्थव्यवस्था और राजव्यवस्था विषय की तैयारी के लिए प्रतियोगिता दर्पण के अतिरिक्तांकों को ही आधार बनाया.

प्र. द.–प्रतियोगिता दर्पण वार्षिकी को आपने कितना उपयोगी पाया ?

श्री कमलाकान्त–प्रतियोगिता दर्पण की वार्षिकी छात्रों के लिए सभी समस्याओं के हल के रूप में है. वार्षिकी में मुद्दे को जिस व्यवस्थित ढंग से प्रस्तुत किया जाता है, इससे अभ्यर्थी को एक्जाम हॉल में Confusion की समस्या से छुटकारा मिल जाता है.

प्र. द.–क्या आपने हमारे नए प्रकाशन उपकार भारत 2018 का अध्ययन किया ? इसके बारे में आपकी राय.

श्री कमलाकान्त–जी, क्षमा चाहूँगा, समयाभाव के कारण मैं 'उपकार भारत 2018' का स्वयं अध्ययन नहीं कर पाया हूँ, लेकिन जिन मित्रों ने इसे पढ़ा है उन्होंने इसके बारे में सकारात्मक रुझान दर्शाया है.

व्यक्तिगत विशेषताएं

आपका पसंदीदा व्यक्तित्व	*– K.J. राव (चुनाव आयोग के पूर्व सलाहकार)*
सबल पक्ष	*– धैर्य एवं मुश्किल परिस्थितियों में भी शान्त*
दुर्बल पक्ष	*– भावुकता*
रुचियाँ	*– बच्चों को पढ़ाना*

प्र. द.–प्रतियोगिता दर्पण के पाठक होने के साथ क्या आपने अतुल कपूर द्वारा लिखित सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी सम्बन्धी लेख पढ़े और इन्हें अपनी तैयारी में कितना उपयोगी पाया ?

श्री कमलाकान्त–जी, हाँ. मैं प्रतियोगिता दर्पण खरीदने के बाद सर्वप्रथम अतुल कपूर जी के लेख को ही पढ़ता हूँ. तैयारी के शुरूआती दिनों से ही सिविल सेवा से सम्बन्धित उनके लेखों ने मेरे मार्गदर्शक की भूमिका निभाई है.

प्र. द.–कोई सुझाव या सन्देश अभ्यर्थियों को देना चाहेंगे.

श्री कमलाकान्त–असफलताओं से घबरायें नहीं, अपनी कमियों को दूर करने का प्रयास करें और अपना आत्मविश्वास बनाये रखें. सफलता निश्चिय ही मिलेगी.

प्र. द.–आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं.

श्री कमलाकान्त–जी, धन्यवाद.

●●●

शेष पृष्ठ 56 का

श्री अतुल–कठिन परिश्रम, लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता, निरन्तर प्रयास व योजनाबद्ध अध्ययन.

प्र. द.–आपने सामान्य अध्ययन की तैयारी के लिए कौन-कौनसी पत्र-पत्रिकाओं एवं पुस्तकों का उपयोग किया ?

श्री अतुल–प्रतियोगिता दर्पण, योजना कुरूक्षेत्र, NCERT की पुस्तकें व समाचार-पत्रों का उपयोग.

प्र. द.–अपनी दैनिक दिनचर्या के कुछ कार्यों के बारे में बताएं, जो तैयारी का अनिवार्य अंग रहे.

श्री अतुल–नियमित योग एवं व्यायाम, समाचार-पत्रों का अध्ययन, अच्छे प्रतियोगियों से सम्पर्क एवं चर्चा.

प्र. द.–कोई सुझाव या संदेश आगामी अभ्यर्थियों को देना चाहेंगे.

श्री अतुल–लक्ष्य के प्रति समर्पण, नियमित अध्ययन एवं ईश्वर में विश्वास रखें, सफलता अवश्य मिलेगी.

प्र. द.–आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं.

श्री अतुल–जी, धन्यवाद.

●●●

फोकस 3

विद्यालयी शिक्षा में रूपान्तरणीय परिवर्तन

✍ डॉ. राधा परमार

15 लाख से अधिक विद्यालयों, 85 लाख से अधिक अध्यापकों एवं विभिन्न सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि से 25 करोड़ से अधिक बच्चों (विद्यार्थियों) के साथ भारतीय शिक्षा प्रणाली विश्व की सबसे बड़ी प्रणालियों में से एक है. देश की अति समृद्ध सांस्कृतिक विविधता एवं विरासत को आत्मसात करते हुए भारतीय शिक्षा प्रणाली बढ़ने और सम्पन्न होने की दिशा में मानकों और सार्वभौमिक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए प्रयत्नशील है. शिक्षा प्रणाली सफलता का मूल्यांकन मुख्यतः निम्नलिखित चार आयामों पर किया जाता है–

1. **पहुँच**–शिक्षण संस्थाओं तक सभी बच्चों की पहुँच हो.
2. **समता**–लिंग, जाति, धर्म, भाषा, नृजातीयता, रंग, नस्ल, क्षेत्रीयता आदि के भेदभाव के बिना समाज के सभी वर्गों के बच्चों की एक समान पहुँच हो.
3. **गुणवत्ता**–बच्चों को जो शिक्षा प्रदान की जाय वह गुणात्मक दृष्टि से लाभकारी हो. बच्चों के ज्ञान और कौशल में वृद्धि करे, ताकि उनका बौद्धिक आधार मजबूत हो सके.
4. **उपादेयता**–पाठ्यक्रम, विषयवस्तु तथा पठनपाठन की दृष्टि से शिक्षा प्रणाली उपादेय हो.

स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद से भारतीय शिक्षा प्रणाली का विकास पहुँच के स्तर को बढ़ाने पर लक्षित रहा. नई शिक्षा नीति (1986), ऑप्रेशन ब्लैक बोर्ड (1987), कुल साक्षरता अभियान; जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (1993-94), सर्वशिक्षा अभियान (2000-01), राष्ट्रीय साक्षरता मिशन (2009) संविधान के 86वें संशोधन द्वारा शिक्षा को मौलिक अधिकारों में शामिल करना (2002), 6 से 14 वर्ष तक की आयु वर्ग के बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा पाने का अधिकार अधिनियम (2010) आदि प्रयासों की बदौलत भारत में प्राथमिक शिक्षा एवं उच्च प्राथमिक शिक्षा में शिक्षण संस्थाओं तक पहुँच और समतामूलक शिक्षा के लक्ष्य को पूरा कर लिया गया है. इसके परिणामस्वरूप विद्यालयों से बाहर रहने वाले बच्चों का अनुपात मात्र 2·5 – 5·0 प्रतिशत के बीच है.

उपलब्धि श्रेणीकरण सूचकांक (Performance Grading Index–PGI)

शिक्षा के विकास के अगले तार्किक चरण के रूप में मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के विद्यालयी शिक्षा एवं साक्षरता विभाग (DOSEL) ने शिक्षा की गुणवत्ता के स्तर के मूल्यांकन हेतु उपलब्धि श्रेणीकरण सूचकांक (PGI) अभिकल्पित किया है, ताकि विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में रूपान्तरणीय परिवर्तन का उत्प्रेरण किया जा सके. यह इस प्रकार की पहली पहल है, जो ऐसे अभिलक्षित एवं अधिआकांक्षित अनुकूलतम शिक्षा नवोन्मेषों को समझने में राज्यों तथा केन्द्रशासित क्षेत्रों की उपलब्धियों हेतु नीतिगत पहलों और अनुक्रमों की सहायता करेगा. उपलब्धि श्रेणीकरण सूचकांक (PGI) का उद्देश्य प्रत्येक स्तर पर विद्यालयी शिक्षा प्रणाली के उच्चीकरण को सुनिश्चित करने में आने वाले अन्तरालों को चिन्हित करके हस्तक्षेप के लिए क्षेत्रों की प्राथमिकताओं का निर्धारण करना है. यह सूचकांक राज्यों/केन्द्रशासित क्षेत्रों में अपनाई गई उत्कृष्ट पहलों के बारे में सूचना का एक प्रामाणिक स्रोत भी है.

उपलब्धि श्रेणीकरण सूचकांक राज्यों एवं केन्द्रशासित क्षेत्रों में विद्यालयी शिक्षा में सुधार हेतु प्रमुख क्षेत्रों में उपलब्धियों को दर्शाने वाला एक माप है. यह सूचकांक प्रत्येक राज्य एवं केन्द्रशासित क्षेत्र को श्रेणी 1 में आने के लिए प्रेरित करता है. इस सूचकांक के निर्माण में सूचना तथा आँकड़े निम्नलिखित स्रोतों से लिए गए हैं–

- शिक्षा हेतु एकीकृत जिला सूचना प्रणाली (UDISE)

तालिका-1 : उपलब्धि श्रेणीकरण सूचकांक के आकलन में सम्मिलित सूचक

संवर्ग	ज्ञान क्षेत्र (Domain)	भार
उपलब्धियाँ	1. सीखना एवं गुणवत्ता	180
	2. पहुँच	80
	3. अधोरचना एवं सुविधाएं	150
	4. समता	230
	कुल भार	640
अभिशासन एवं प्रबन्धन	अभिशासन प्रक्रियाएं	**360**
	सकल भार	**1000**

तालिका-2 : उपलब्धि श्रेणीकरण सूचकांक में ग्रेडवार राज्यों/केन्द्रशासित क्षेत्रों की उपलब्धियाँ

स्तर/ग्रेड	भार	राज्यों/केन्द्र-शासित क्षेत्र की संख्या	राज्यों/केन्द्रशासित क्षेत्रों के नाम
प्रथम स्तर	951–1000	NIL	NIL
द्वितीय स्तर	901–950	NIL	NIL
तृतीय स्तर	851–900	NIL	NIL
ग्रेड-1	801–851	3	चण्डीगढ़, गुजरात, केरल
ग्रेड-2	751–800	5	दादरा नागर हवेली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु
ग्रेड-3	700–750	10	आन्ध्र प्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गोवा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, ओडिशा, उत्तराखण्ड
ग्रेड-4	651–700	6	दमन एवं दीव, महाराष्ट्र, मिजोरम, पुदुचेरी, सिक्किम, तेलंगाना
ग्रेड-5	601–650	9	अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह, प. बंगाल, बिहार, जम्मू एवं कश्मीर, झारखण्ड, लक्षद्वीप, मणिपुर, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश
ग्रेड-6	551–600	3	अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, नगालैण्ड
ग्रेड-7	1–550	—	NIL

तालिका-3 : विभिन्न ज्ञान क्षेत्रों (Domains) में राज्यों/केन्द्रशासित क्षेत्रों की उपलब्धियों के आधार पर ग्रेडिंग

ग्रेडिंग	राज्य/केन्द्रशासित क्षेत्र	संवर्ग-1 उपलब्धियाँ					संवर्ग-2 : अभिशासन एवं प्रबंधन		श्रेणी
		सीखना एवं गुणवत्ता Domain1 (180)	पहुँच Domain 2 (80)	अधोरचना एवं सुविधाएं Domain 3 (150)	समता Domain 4 (230)	Sub Total (640)	Category II (360)	Total (1000)	
1.	चण्डीगढ़	160	75	133	213	581	260	841	
2.	केरल	154	78	123	217	572	254	826	1
3.	गुजरात	152	71	99	207	529	279	808	
4.	हरियाणा	134	74	116	211	535	252	787	
5.	तमिलनाडु	132	79	121	218	550	224	774	
6.	दादर एण्ड नागर हवेली	150	73	110	221	554	202	756	2
7.	पंजाब	126	74	139	200	539	214	753	
8.	राजस्थान	168	56	84	210	518	234	752	
9.	दिल्ली	124	72	114	214	524	223	747	
10.	हिमाचल प्रदेश	140	76	96	209	521	215	736	
11.	ओडिशा	134	69	94	214	511	223	734	
12.	छत्तीसगढ़	134	66	113	206	519	213	732	
13.	आन्ध्र प्रदेश	154	70	99	194	517	211	728	
14.	गोवा	132	75	138	209	554	163	717	3
15.	मध्य प्रदेश	140	58	99	209	506	207	713	
16.	असम	152	64	72	208	496	211	707	
17.	कर्नाटक	160	69	100	212	541	165	706	
18.	उत्तराखण्ड	148	72	102	194	516	188	704	
19.	महाराष्ट्र	144	76	113	212	545	155	700	
20.	पुदुचेरी	124	77	114	206	521	166	687	
21.	सिक्किम	122	58	90	198	468	215	683	
22.	मिजोरम	126	57	102	184	469	208	677	4
23.	तेलंगाना	142	66	96	205	509	167	676	
24.	दमन एण्ड दीव	126	73	99	208	506	163	669	
25.	झारखण्ड	154	53	95	204	506	144	650	
26.	अण्डमान एण्ड निकोबार द्वीप समूह	130	65	87	205	487	158	645	
27.	जम्मू एवं कश्मीर	132	53	88	203	476	168	644	
28.	त्रिपुरा	126	67	70	207	470	173	643	
29.	लक्ष्यद्वीप	122	67	98	206	493	133	626	5
30.	प. बंगाल	122	53	58	195	428	189	617	
31.	बिहार	128	56	86	203	473	140	613	
32.	मणिपुर	138	60	68	193	459	149	608	
33.	उत्तर प्रदेश	132	62	73	202	469	134	603	
34.	मेघालय	126	50	57	196	429	165	594	
35.	अरुणाचल प्रदेश	114	46	63	197	420	134	554	6
36.	नगालैण्ड	126	40	63	195	424	130	554	

- एनसीईआरटी के राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (NAS)
- मध्यान्ह भोजन वेबसाइट
- सार्वजनिक वित्तीय प्रबन्धन प्रणाली (PFMS)
- विद्यालयी शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के 'शगुन' पोर्टल पर राज्यों तथा केन्द्र-शासित क्षेत्रों द्वारा अपलोड की गई सूचना.

उपलब्धि श्रेणीकरण सूचकांक के निर्माण हेतु उपलब्धियों एवं अभिशासन और प्रबन्धन संवर्ग में कुल 70 सूचकों के योग को प्रयुक्त किया गया जिनका कुल भारांकन 1000 है. प्रत्येक सूचक को 10 या 20 अंक का भार दिया गया है तथा प्रत्येक राज्य/केन्द्रशासित क्षेत्र की शिक्षा प्रणाली का मूल्यांकन इन्हीं सूचकों के

अन्तर्गत प्राप्त अंकों के आधार पर किया गया है.

प्रत्येक सूचक के भारांकन को 10 समूहों–1–10, 11–20, 21–30, 31–40, 41–50, 51–60, 61–70, 71–80, 81–90, 91–100 में बाँटा गया है. इस तरह से यदि कोई राज्य किसी सूचक में 91% का भार प्राप्त करता है, तो उसे अधिकतम अंक (10 या 20) मिलेंगे. कुछ सूचकों में नीची वैल्यू से अपेक्षाकृत ऊँचा भार प्राप्त हुआ है. उदाहरणार्थ समता सूचकों, निधियों को अवयुक्त करने में लगने वाला समय, एकल शिक्षक वाले विद्यालय.

समता सूचकों में विभिन्न संवर्गों के बीच शून्य (0) अन्तर को उत्कृष्ट उपलब्धि मानी गयी है तथा अन्तर की निरपेक्ष वैल्यू को श्रेणीकरण हेतु प्रयुक्त किया गया है. सभी ग्रेड 2017-18 के लिए हैं UDISE से प्राप्त आँकड़े 2016-17 वर्ष के हैं.

तालिका-3 के गहन विश्लेषण से निम्नलिखित निष्कर्ष निकलते हैं–

- भारत का कोई भी राज्य/केन्द्रशासित क्षेत्र विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में 851-1000 भारांक प्राप्त नहीं कर सका है.
- 841 भारांकन के साथ चण्डीगढ़ प्रथम श्रेणी संवर्ग में पहले स्थान पर, 826 भारांकन के साथ केरल दूसरे स्थान पर तथा 808 भारांकन के साथ गुजरात तीसरे स्थान पर है. इससे यह स्पष्ट है कि इन तीनों ही राज्यों/केन्द्र-शासित क्षेत्र को सभी ज्ञान क्षेत्रों (Domains) में अभी बहुत कुछ उपलब्धियाँ हासिल करनी हैं–
- संवर्ग-1 (उपलब्धियों पर आधारित) में अधिकतम स्कोर 581 (चण्डीगढ़) तथा न्यूनतम स्कोर 420 (अरुणाचल प्रदेश) का है, जो कुल अपेक्षित स्कोर (640) का क्रमशः 90·78% तथा 65·62% है.
- संवर्ग-2 (अभिशासन एवं प्रबन्धन) में अधिकतम स्कोर 279 (गुजरात) तथा न्यूनतम स्कोर 130 (नगालैण्ड) का है, जो अपेक्षित स्कोर (360) का क्रमशः 77·5% तथा 36·11% है.

यह इस बात का संकेत है कि अभिशासन एवं प्रबन्धन के स्तर पर सभी राज्यों/केन्द्रशासित क्षेत्रों को व्यापक स्तर पर सुधार लाना है, जिनमें पारदर्शी तरीके से प्रधानाचार्यों और शिक्षकों की नियुक्ति एवं तैनाती तथा उनकी उपस्थिति का सतत अनुश्रवण किए जाने जैसे उपाय शामिल हैं.

- उपलब्धि श्रेणीकरण सूचकांक इस तथ्य को रेखांकित करता है कि प. बंगाल, बिहार तथा उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में विद्यालयी शिक्षा की स्थिति अभी भी बहुत खराब है.
- पूर्वोत्तर के मेघालय, अरुणाचल प्रदेश तथा नागालैण्ड सबसे निचली श्रेणी (6) में हैं तथा लगभग सभी क्षेत्रों में इनकी उपलब्धियाँ शोचनीय स्तर तक नीची हैं. इन पर अधिक ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है.
- अधोरचना एवं सुविधाओं के मामले में न्यूनतम स्कोर वांछित स्कोर का 38% ही है. यह विद्यालयों के लिए बुनियादी सुविधाओं से युक्त भवनों के अभाव को इंगित करता है. शिक्षा की गुणवत्ता के सुधार हेतु सूचना, संचार प्रौद्योगिकी सुविधाएं न होना, समय से पाठ्य पुस्तकें तथा गणवेष प्राप्त न हो पाना एक सर्वमान्य समस्या है.
- सीखना एवं पठन-पाठन एवं सूचकांक का सर्वाधिक महत्वपूर्ण क्षेत्र है. यह इस सूचकांक का अन्तिम उद्देश्य भी है. जहाँ अन्य क्षेत्र में सुधारों को लागू कर पाना अपेक्षाकृत आसान है, वहीं इस क्षेत्र में अच्छी उपलब्धि हासिल कर पाना थोड़ा सा मुश्किल है. अन्य क्षेत्र इस क्षेत्र में अच्छी उपलब्धि हासिल करने में सहायता करते हैं, किन्तु इसके बावजूद बच्चों (विद्यार्थियों) में सीखने के स्तर में सुधार लाने में शिक्षकों की शिक्षण क्षमताओं में सुधार सहित मूल्यांकन की सम्पूर्ण प्रणाली में सुधार लाए जाने की आवश्यकता है. 2021 में आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (OECD) के अन्तर्राष्ट्रीय विद्यार्थी मूल्यांकन कार्यक्रम (Programme for International Student Assessment–PISA में भारत की सह-भागिता तथा सारे देश में एकसमान सीबीएसई. पाठ्यक्रम लागू किए जाने से शिक्षा प्रणाली में सुधार आएगा.

ज्ञान सहभागिता हेतु डिजिटल अधो-रचना (दीक्षा) (DIKSHA) के अन्तर्गत ई-विषयक शिक्षकों/प्रधानाचार्यों की सेवा के दौरान कठोर तथा सघन प्रशिक्षण से भी सीखने के परिवेश में सुधार होगा. नए (Uniform District Information on School Education–UDISE$_+$) के अन्तर्गत सूचना संचार प्रौद्योगिकी को प्रत्येक स्तर पर अपनाने से भी स्थिति में सुधार आएगा. सीखने की उपलब्धियों के सम्बन्ध में यह तथ्य भी प्रकाश में आया है कि ऊँची कक्षाओं में स्कोर नीची कक्षाओं में प्राप्त स्कोर से खराब है. इसलिए निचली कक्षाओं पठन-पाठन तथा सीखने के स्तर में सुधार होना चाहिए ताकि शिक्षा के ऊपरी स्तरों पर इसका सकारात्मक प्रभाव परिलक्षित हो सके.

●●●

शेष पृष्ठ 58 का

एक निश्चित धनराशि हस्तान्तरित कर दिए जाने से चुनावों में (कृषकों के) वोटों की फसल तो काटी जा सकती है, लेकिन ऐसे लोक लुभावन उपायों से कृषकों की आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं लाया जा सकता. इसके लिए निम्नलिखित उपायों पर फोकस करना होगा.

- वर्षाधीन खेती की उत्पादकता में वृद्धि के लिए कम-से-कम मृदा नमी से अधिक-से-अधिक उपज ले सकने वाली प्रजातियों का विकास.
- वर्षा के पानी के बेहतर संरक्षण उपायों से भूमिगत जल स्रोतों का पुनर्भरण तथा सतही जल का सिंचाई हेतु उपयोग करने के लिए सिंचाई परियोजनाओं में निवेश में वृद्धि.
- सूक्ष्म सिंचाई-टपक सिंचाई तथा छिड़काव सिंचाई को बढ़ावा दिया जाय.
- ग्रामीण क्षेत्रों में 24 × 7 बिजली की सतत् आपूर्ति.
- कृषि विपणन में बिचौलियों की भूमिका को कम-से-कम करके खेत पर मूल्य तथा अन्तिम उपयोग पर मूल्य के अन्तराल को कम करना.
- शीघ्र नाशवान वस्तुओं के भण्डारण, प्रसंस्करण एवं विपणन की चाक-चौबन्द व्यवस्था.
- ऑर्गेनिक फार्मिंग, प्रीसिज़िन फार्मिंग, मिश्रित खेती, जैसे तरीकों से कृषि का विविधीकरण
- खेती बाड़ी के स्वरूप को जीवनयापन का एक अंग के स्थान पर इसे व्यावसायिक स्वरूप प्रदान करना.
- कृषि को लाभकारी व्यवसाय में रूपान्तरित करके खेतिहर परिवारों के युवाओं को उन्नत एवं लाभकारी खेती को एक सम्मान जनक पेशे के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करना.
- स्थानीय हाटों/बाजारों का आधुनिकी-करण करना ताकि कृषक (उत्पादक) एवं उपभोक्ता आमने-सामने आ सकें.
- मण्डियों में कृषि उत्पादों की शत-प्रतिशत बिक्री नीलामी द्वारा कराए जाने की व्यवस्था करना.
- e-NAM पहल को आगे बढ़ाना.
- फसल बीमा योजना का विस्तार बागवानी तथा वाणिज्यिक फसलों तक करना.
- यह सुनिश्चित करना कि मॉडल कृषि उत्पाद एवं पशुधन विपणन अधिनियम 2017 का क्रियान्वयन सभी राज्यों में किया जाए.

●●●

उपकार कॅरियर डेवलपमेंट सीरीज

Best Sellers Books

अब **कामयाबी** आपके नजदीक है...

₹ 140/-

₹ 80/-

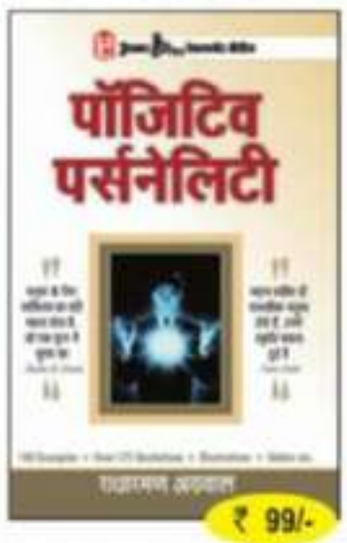

₹ 99/-

₹ 120/-

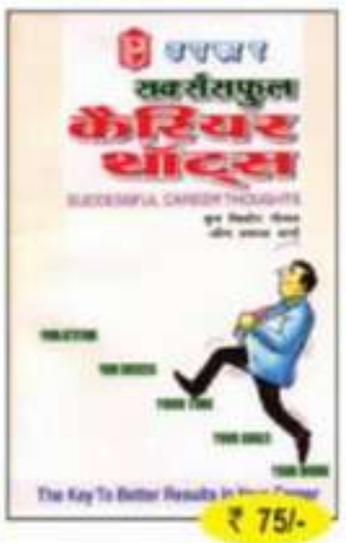

₹ 75/-

₹ 60/-

₹ 99/-

₹ 130/-

₹ 110/-

₹ 125/-

₹ 99/-

₹ 99/-

उपयोगी पुस्तकें		Code No.	Price
उपकार	डायनेमिक्स ऑफ पर्सनेलिटी डेवलपमेंट	1049	110.00
उपकार	एचीविंग गोल्स	1126	130.00
उपकार	असली कामयाबी	591	95.00
उपकार	पॉजिटिव पर्सनेलिटी	592	99.00
उपकार	टीम लीडरशिप	1055	30.00
उपकार	सक्सैसफुल कैरियर थॉट्स	623	75.00
उपकार	इम्प्रूव योर पर्सनेलिटी	25	50.00
उपकार	साइंस ऑफ टाइम मैनेजमेंट	1418	99.00
उपकार	भाषण कला (लेखक : डॉ. राजेश्वर प्रसाद चतुर्वेदी)	197	80.00
उपकार	भाषण कला (लेखक : डॉ. राजकिशोर ओझा)	736	115.00
उपकार	व्यक्तित्व विकास	239	99.00
उपकार	प्रेरणाशक्ति के चमत्कार	233	78.00
उपकार	इम्प्रूव योर माइन्ड पावर	230	85.00
उपकार	सफलता के अद्भुत रहस्य	227	45.00
उपकार	महान व्यक्तित्व	226	140.00

उपयोगी पुस्तकें		Code No.	Price
उपकार	भारतवर्ष की चर्चित महिलाएँ	525	175.00
उपकार	महान व्यक्तियों के विचार	1295	99.00
उपकार	विश्व विभूतियाँ	279	80.00
उपकार	वाक् कला	299	85.00
उपकार	मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ	605	95.00
उपकार	सफल प्रबंधन के सरल सूत्र	69	120.00
उपकार	योग्य बनें	2398	90.00
उपकार	सौ कदम सफलता के	619	140.00
उपकार	सूक्ति संग्रह	1099	70.00
उपकार	मैनेजमेंट टिप्स	1054	35.00
उपकार	महापुरूषों के अकाट्य सूत्र	143	125.00
Upkar's	Successful Career Thought	335	75.00
Upkar's	Great Personalities	1533	199.00
Upkar's	2828 Inspiring Quotations & Proverbs	1577	170.00
Upkar's	50000 Inspiring Quotations	1529	150.00
Upkar's	Dictionary of Quotations	1742	250.00
Upkar's	Dynamics of Achieving Goals	458	130.00

100 रु. से अधिक मूल्य की पुस्तक / पुस्तकों का पूरा मूल्य अग्रिम भेजने पर पोस्टेज फ्री

उपकार प्रकाशन | 2/11 ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-282 002 फोन : (0562) 4053333, 2530966; फैक्स : (0562) 4053330
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in
• नई दिल्ली 23251844, 43259035 • हैदराबाद 24557283 • पटना 2303340 • कोलकाता 25551510 • लखनऊ 4109080 • हल्द्वानी मो. 07060421008 • नागपुर मो. 09370877776 • इन्दौर 9203908088

✍ डॉ. अरुणोदय बाजपेयी

ईरान का परमाणु संकट तथा भारत

मई 2019 में अमरीका द्वारा फारस की खाड़ी में विमानवाहक पोत, बी-2 बमवर्षक लड़ाकू विमान तथा पैट्रियाट मिसाइल की तैनाती के साथ ही अमरीका व ईरान के बीच तनाव बढ़ने के साथ ही इस क्षेत्र में तनाव व अस्थिरता का माहौल बन गया है. अमरीका की इस सैनिक तैनाती का तात्कालिक कारण यह है कि अमरीका को गुप्तचर एजेन्सियों से यह सूचना प्राप्त हुई थी कि ईरान अमरीका के विरुद्ध मिसाइल आक्रमण की तैयारी कर रहा है. दोनों देशों के बीच तनाव का मुख्य कारण अमरीका द्वारा 8 मई, 2018 को ईरानी परमाणु समझौते से अलग हो जाना है. यह समझौता 2015 में किया गया था, जिसके द्वारा अमरीका तथा अन्य यूरोपीय देशों द्वारा ईरान को परमाणु शक्ति के शान्तिपूर्ण उपयोग की अनुमति इस शर्त के साथ दी गई थी कि वह परमाणु हथियारों का निर्माण नहीं करेगा. अमरीका के राष्ट्रपति का मानना है कि यह समझौता ईरान के लिए अधिक लाभकारी है तथा ईरान चुपचाप तरीके से परमाणु हथियारों का विकास कर रहा है. अतः अमरीका ने इस समझौते से अलग होने के साथ ही ईरान के विरुद्ध आर्थिक, व्यापारिक तथा सैनिक प्रतिबन्ध भी लागू कर दिए हैं. यद्यपि समझौते में शामिल अन्य पाँच देश ब्रिटेन, फ्रांस, रूस, चीन तथा जर्मनी इस समझौते को बनाए रखना चाहते हैं, लेकिन यूरोप के देश अमरीका के प्रतिबन्धों का उल्लंघन नहीं करना चाहते हैं. अमरीका द्वारा आरोपित प्रतिबन्धों के चलते ईरान से तेल का निर्यात कम हो रहा है तथा उसकी आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है. इसी बीच ईरान ने मई 2019 में कहा है कि यदि 60 दिनों तक यूरोप के देश इस समस्या का समाधान नहीं निकाल पाते हैं, तो ईरान भी इस समझौते से अलग हो जाएगा तथा वह परमाणु हथियार बनाने के लिए स्वतन्त्र होगा. इस माहौल में अमरीका द्वारा फारस की खाड़ी में सेनाओं की तैनाती तथा ईरान के विरुद्ध लगाए गए प्रतिबन्ध, वर्तमान तनाव का मुख्य कारण बन गए हैं.

क्या है ईरान का परमाणु समझौता ?

ईरान के परमाणु समझौते का आधिकारिक नाम संयुक्त व्यापक कार्यवाही योजना है, जिस पर ईरान व 6 देशों अमरीका, रूस, चीन जर्मनी, ब्रिटेन तथा फ्रांस द्वारा 14 जुलाई, 2015 को वियना शहर में हस्ताक्षर किए गए थे. मोटेतौर पर इस समझौते द्वारा ईरान के परमाणु कार्यक्रम को केवल शान्तिपूर्ण कार्यों तक सीमित करते हुए बदले में उसके ऊपर लगाए गए प्रतिबन्धों को समाप्त किया गया था. इस समझौते के मुख्य बिन्दु निम्नलिखित हैं–

1. *ईरान अपनी यूरेनियम संवर्द्धन क्षमता को वर्तमान स्तर से दो-तिहाई कम करेगा. इसके लिए ईरान के यूरेनियम संवर्द्धन यन्त्रों (Centrifuges) की संख्या 19500 से घटाकर 6000 की जाएगी.*
2. *ईरान अपने वर्तमान संवर्द्धित यूरेनियम भण्डार को आठ टन से घटाकर 3000 किग्रा तक सीमित करेगा. अतिरिक्त यूरेनियम को दूसरे देशों को बेच दिया जाएगा. इसका परिणाम यह होगा कि यदि ईरान समझौते का उल्लंघन भी करता है, तो उसे परमाणु हथियार बनाने में कम-से-कम एक वर्ष का समय लग जाएगा.*
3. *ईरान के फारडो स्थित यूरेनियम संवर्द्धन संयंत्र को एक शोध संस्थान में परिवर्तित कर दिया जाएगा. इसी के साथ ईरान के अराक स्थित भारी जल संयंत्र को इस तरह से परिवर्तित किया जाएगा जिससे वहाँ परमाणु हथियार बनाने के लिए प्लूटोनियम को निर्माण नहीं हो सकेगा.*
4. *ईरान वियना स्थित अन्तर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेन्सी (International Atomic Energy Agency के साथ एक एडीशनल प्रोटोकोल पर हस्ताक्षर करेगा, जिससे इस एजेन्सी को ईरान के परमाणु संयंत्रों की निगरानी का अधिकार प्राप्त हो जाएगा.*
5. *जब यह निश्चित हो जाएगा कि ईरान ने उक्त उपायों को लागू कर दिया है, तो उसके बाद ईरान पर लगे सभी प्रतिबन्धों को समाप्त कर दिया जाएगा तथा विदेशों में अधिगृहीत की गई ईरान की 100 बिलियन डॉलर की सम्पत्ति को मुक्त कर दिया जाएगा, लेकिन संयुक्त राष्ट्र द्वारा ईरान पर लगाए गए हथियारों की आपूर्ति सम्बन्धी प्रतिबन्ध पाँच वर्ष तक जारी रहेंगे.*
6. *सभी पक्षकारों द्वारा ईरान के परमाणु ऊर्जा के शान्तिपूर्ण प्रयोग के अधिकार को मान्यता प्रदान की जाएगी.*

ईरान-अमरीका विवाद के सामरिक पहलू

ईरान की परमाणु समस्या के क्षेत्रीय व वैश्विक सामरिक पहलू भी हैं–

प्रथम, अमरीका तथा पश्चिमी देशों के लिए पश्चिम एशिया तेल संसाधनों एवं व्यापारिक मार्ग, सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण है. ये देश ईरान या अन्य किसी देश को ऐसी क्षेत्रीय शक्ति के रूप में नहीं उभरने देंगे, जो इन व्यापक हितों को नुकसान पहुँचा सके. इतिहास भी इस बात का गवाह है. द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अरब एकता के नाम पर मिस्र ने अरब देशों का नेतृत्व करने का प्रयास किया था, लेकिन महा-शक्तियों के हस्तक्षेप के चलते मिस्र को सफलता नहीं मिली. 1973 के अरब-इजरायल युद्ध के बाद मिस्र धीरे-धीरे पश्चिमी प्रभाव क्षेत्र में चला गया.

दूसरे, इजरायल भी ईरान के परमाणु हथियारों को अपनी सुरक्षा के लिए खतरा मानता है. इजरायल के विरुद्ध सक्रिय लेबनान स्थित **हिजबुल्लाह** संगठन तथा गाजा के **हमास** समूह को ईरान का समर्थन प्राप्त है. इसीलिए, इजरायल ईरान के परमाणु कार्यक्रम के विरुद्ध सैनिक कार्यवाही का पक्षधर रहा है. पश्चिमी देशों ने भी कई बार ईरान के परमाणु ठिकानों के विरुद्ध सैनिक कार्यवाही की योजना पर विचार किया, लेकिन विपरीत परिस्थितियों के कारण ऐसा सम्भव नहीं हो सका. इजरायल अमरीका तथा पश्चिमी देशों का सामरिक मित्र है तथा अमरीका की पश्चिम एशिया नीति पर अमरीका में सक्रिय धनी यहूदी लॉबी का विशेष प्रभाव है. मई 2018 में अमरीका ने पूर्वी जेरुसलेम में अपना इजरायली दूतावास खोलकर इस क्षेत्र पर इजरायल के दावे का समर्थन कर दिया है, जबकि फिलीस्तीन भी पूर्वी जेरुसलेम को अपना क्षेत्र मानते हैं. अमरीका का मानना है कि पश्चिम एशिया में उसके शान्ति प्रयासों में ईरान सबसे बड़ी बाधा है.

तीसरे, सुन्नी समुदाय बाहुल्य सऊदी अरब इस क्षेत्र का एक प्रभावशाली देश है,

जबकि ईरान शिया बाहुल्य देश है. सऊदी अरब की राजशाही को अमरीका का समर्थन प्राप्त है. सऊदी अरब भी यह नहीं चाहता कि परमाणु शक्ति सम्पन्न ईरान एक क्षेत्रीय शक्ति के रूप में उसे चुनौती दे सके. वस्तुतः वर्तमान में सम्पूर्ण पश्चिम एशिया शिया-सुन्नी संघर्ष से ग्रसित है. क्षेत्रीय सामरिक गठबन्धनों का निर्माण भी इसी धार्मिक तत्व के आधार पर हो रहा है.

चौथे, वैश्विक स्तर पर रूस, चीन तथा भारत जैसे देश, ईरान की परमाणु समस्या का समाधान बातचीत के आधार पर निकालना चाहते हैं. ये देश ईरान के विरुद्ध सैनिक कार्यवाही के पक्षधर नहीं हैं. 2012 में ईरान की राजधानी तेहरान में सम्पन्न हुए गुटनिरपेक्ष सम्मेलन के दौरान भी भारत ने इस बात का समर्थन किया था परमाणु ऊर्जा के शान्तिपूर्ण प्रयोग का प्रत्येक देश को अधिकार है.

पाँचवें, अमरीकी विशेषज्ञों के अनुसार ईरान का परमाणु कार्यक्रम अमरीका के वैश्विक परमाणु अप्रसार प्रयासों के लिए एक बड़ी चुनौती है वैसे तो ईरान में 1979 में हुई इस्लामिक क्रान्ति के बाद से ही ईरान व पश्चिमी देशों तथा अमरीका के बीच तनाव व अविश्वास का माहौल चला आ रहा है, लेकिन जब 17 वर्ष पहले 2002 में पश्चिमी देशों को पता चला कि ईरान गुप्त तरीके से परमाणु हथियारों का विकास कर रहा है, तो अमरीका व पश्चिमी देशों तथा ईरान के बीच तनाव व अविश्वास की खाई और अधिक गहरी हो गई. इस समस्या का मूल बिन्दु यह है कि ईरान ने 1968 की परमाणु अप्रसार सन्धि पर हस्ताक्षर किए हैं. यह सन्धि हस्ताक्षरकर्ता गैर-परमाणु शक्ति सम्पन्न देशों पर यह प्रतिबन्ध लगाती है कि वे परमाणु शक्ति का प्रयोग केवल शान्तिपूर्ण उद्देश्यों के लिए करेंगे तथा परमाणु हथियारों का न तो निर्माण करेंगे और न ऐसी प्रौद्योगिकी को आयातित या विकसित करेंगे. यह सन्धि यूएनओ द्वारा लागू की गई है तथा उसकी वियना संस्था अन्तर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेन्सी निरन्तर जाँच व निगरानी के माध्यम से यह सुनिश्चित करती है कि सम्बन्धित हस्ताक्षरकर्ता देश परमाणु हथियारों का विकास कर रहा है कि नहीं. अमरीका तथा पश्चिमी देशों का आरोप है कि ईरान गोपनीय तरीके से परमाणु हथियारों का विकास कर रहा है, जोकि न केवल **1968 की परमाणु अप्रसार सन्धि** का उल्लंघन है वरन् विश्व शान्ति के लिए खतरा है.

उल्लेखनीय है कि परमाणु हथियारों के प्रयोग तथा परमाणु ऊर्जा के शान्तिपूर्ण प्रयोग दोनों में ही परिशुद्ध यूरेनियम का प्रयोग होता है. अन्तर केवल यूरेनियम की शुद्धता का है. परमाणु शक्ति के शान्तिपूर्ण प्रयोग के लिए यूरेनियम को 7-8 प्रतिशत तक परिशुद्ध करने की आवश्यकता है, जबकि परमाणु हथियारों के लिए यूरेनियम की परिशुद्धता का स्तर उससे अधिक या लगभग 18 प्रतिशत होना आवश्यक है. यह सच है कि ईरान ने लगभग एक दशक में यूरेनियम को परिशुद्ध करने की सुविधाएं विकसित की हैं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि वह किस मात्रा तक यूरेनियम को परिशुद्ध कर रहा है. दूसरे परिशुद्ध यूरेनियम गोपनीय तरीके से अन्य देशों से प्राप्त किया जा सकता है.

अमरीका-ईरान तनाव का भारत पर प्रभाव

अमरीका व ईरान के बीच चल रहे वर्तमान तनाव से भारत के हित भी प्रभावित हो रहे हैं. अन्य सम्बन्धों के साथ-साथ ईरान के साथ भारत के दो सामरिक हित सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं–

प्रथम, भारत अपने विकास में तेल की 90 प्रतिशत आवश्यकता के लिए बाह्य स्रोतों पर निर्भर है. ईरान भारत के लिए सऊदी अरब तथा संयुक्त अरब अमीरात के बाद तीसरा सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता देश है. ईरान से तेल खरीदने पर भारत के लिए एक यह भी लाभ है कि ईरान तेल खरीद में भुगतान के लिए 60 दिन का समय प्रदान करता है.

दूसरा, सामरिक हित चाबहार बन्दरगाह को लेकर है. 2016 में भारत, ईरान व अफगानिस्तान ने चाबहार से अफगानिस्तान व सेन्ट्रल एशिया तक सम्पर्कता बढ़ाने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे. इस समझौते के अन्तर्गत भारत ईरान के चाबहार बन्दरगाह का विकास करने के साथ-साथ बन्दरगाह से अफगानिस्तान की सीमा तक रेल लाइन का भी निर्माण करेगा. चाबहार बन्दरगाह का सामरिक महत्व यह है कि इसके माध्यम से भारत, अफगानिस्तान के रास्ते सेन्ट्रल एशिया तक थल सम्पर्कता प्राप्त कर सकेगा. उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान ने अपनी भूमि से अफगानिस्तान व सेन्ट्रल एशिया के लिए सम्पर्कता बनाने के लिए भारत को मना कर दिया है. इसके साथ ही यह बन्दरगाह, चीन द्वारा विकसित तथा संचालित पाकिस्तान के ग्वादर बन्दरगाह, से मात्र 80 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है. कई समीक्षक मानते हैं कि चाबहार बन्दरगाह ग्वादर का भारतीय सामरिक जवाब है.

लेकिन अमरीका द्वारा ईरान परमाणु समझौते से अलग होना तथा ईरान के विरुद्ध व्यापारिक व सैनिक प्रतिबन्ध लगाना तथा अब फारस की खाड़ी में सेनाएं तैनात करने के कारण अमरीका व ईरान के बीच जो तनाव उत्पन्न हो गए हैं, उनके कारण भारत के सामरिक हितों को नुकसान हो सकता है. अमरीका ने ईरान के विरुद्ध मई 2018 में, जो व्यापारिक प्रतिबन्ध लगाए थे वे नवम्बर 2018 से प्रभावी होने थे, लेकिन अमरीका ने भारत सहित आठ देशों को ईरान के साथ तेल निर्यात की 6 माह की छूट प्रदान की थी, जो 2 मई, 2019 को समाप्त हो गई है. अब भारत को ईरान की बजाय दूसरे देशों से तेल आयात करना पड़ रहा है. ईरान पर प्रतिबन्ध के कारण बाजार में तेल की कीमतें भी बढ़ सकती हैं. यद्यपि अमरीका ने भारत की चाबहार परियोजना को प्रतिबन्धों से बाहर रखा है, लेकिन यदि अमरीका व ईरान के बीच सैनिक तनाव बढ़ता है, तो रूस तथा चीन ईरान की मदद के लिए आगे बढ़ सकते हैं तथा भारत व अमरीका के घनिष्ठ सम्बन्ध होने के कारण भारत ईरान का साथ नहीं दे पाएगा. ऐसी स्थिति में चीन के दबाव के चलते ईरान भी चाबहार परियोजना से हाथ खींच सकता है.

दूसरी तरफ यदि भारत अमरीका के प्रतिबन्धों को नहीं मानता है, तो भारत व अमरीका के सम्बन्धों पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ेगा. इसके साथ ही ऐसा करने में व्यावहारिक कठिनाई भी है, क्योंकि तेल खरीद का भुगतान करने वाले बैंक तथा तेल टैंकरों का बीमा करने वाली कम्पनियाँ अमरीका व यूरोपीय देशों के नियन्त्रण में हैं. अतः भारत को डॉलर की बजाय भुगतान की वैकल्पिक व्यवस्था करनी होगी. जब 2006-2015 के बीच संयुक्त राष्ट्र संघ ने ईरान के विरुद्ध प्रतिबन्ध लगाए थे, तो भारत को तेल खरीद का भुगतान करने में इस प्रकार कठिनाई का सामना करना पड़ा था. उस समय भारत ने ईरान को कुछ भुगतान अन्य वस्तुओं के निर्यात के रूप में किया था तथा शेष भुगतान को रुपए के रूप में एक कोश में जमा किया था, जिसका भुगतान प्रतिबन्धों के हटने के बाद ही किया जा सकेगा.

इसके अलावा अमरीका प्रतिबन्धों का पालन न करने वाले देशों पर भी प्रतिबन्ध लगा सकता है. अमरीका ने 2017 में कानून भी बनाया है जिससे अमरीका उस देशों पर प्रतिबन्ध लगाता है जो अमरीका प्रतिबन्धों का उल्लंघन करते हैं, इस कानून का नाम **काटसा** (CAATSA–Countering American Adversaries Through Sanctions Act) है.

भारत की सबसे बड़ी कठिनाई यह है कि भारत के अमरीका के साथ घनिष्ठ सामरिक सम्बन्ध निहित है तथा दूसरी ओर ईरान के साथ भी भारत के सामरिक सम्बन्ध निहित हैं. भारत अमरीका प्रतिबन्धों

का खुलकर उल्लंघन नहीं कर सकता है, लेकिन वह ईरान के साथ अपने हितों की अनदेखी भी नहीं कर सकता है. ऐसी स्थिति में भारत के लिए सबसे उचित उपाय यह है कि भारत यूरोपीय देशों के साथ मिलकर ईरान की परमाणु समस्या का कूटनीतिक हल निकालने का प्रयास करे तथा दूसरी तरफ वर्तमान तनाव को रोकने का प्रयास करे. अमरीका व ईरान दोनों देशों के साथ निरन्तर बातचीत का क्रम भी बनाए रखना जरूरी है. उल्लेखनीय है कि मई 2019 में भी ईरान के विदेश मन्त्री इसी समस्या पर विचार-विमर्श करने के लिए भारत की यात्रा पर थे, लेकिन भारत में चुनाव चलने के कारण भारत सरकार ने प्रकरण पर सभी फैसले व कार्यवाही को चुनाव के बाद आने वाली नई सरकार पर छोड़ दिया.

विश्व व्यापार संगठन का संकट

उत्तर-शीतकाल के वैश्वीकृत युग में विश्व व्यापार के विस्तार व विकास में व्यापार की भूमिका को बढ़ाने के लिए 1995 में गठित विश्व व्यापार संगठन, हाल के वर्षों में स्वयं अपने अस्तित्व के संकट से जूझ रहा है. विश्व व्यापार संगठन की सबसे बड़ी विडम्बना यह है कि जिन विकसित व धनी देशों ने वैश्वीकृत बाजार में, अपने व्यापारिक प्रभुत्व के कारण, मुक्त व्यापार के मसीहा के रूप में विश्व व्यापार संगठन के गठन की प्रगल हिमायत की थी, वे ही धनी देश आज संरक्षणवादी तथा राष्ट्रवादी संकुचित नीतियों के कारण इस संगठन को कमजोर कर रहे हैं. इनकी संरक्षणवादी व संकुचित नीतियों के कारण संगठन 2001 से लेकर आज तक दोहा व्यापार वार्ताओं के निर्णयों को कार्यान्वित नहीं कर सका. दोहा वार्ताओं में व्यापार के माध्यम से विकासशील देशों के विकास को प्रोत्साहित करने का लक्ष्य रखा गया था. इसीलिए दोहा चक्र को विकास चक्र की भी संज्ञा दी जाती है. सदस्य देशों के मध्य विवादों के समाधान के लिए विश्व व्यापार संगठन में विवाद समाधान मशीनरी (Dispute Settlement Mechanism) की स्थापना की गई है. इस व्यवस्था के अन्तर्गत विश्व व्यापार संगठन में सात न्यायाधीश रखे जाते हैं, जो विवादों का समाधान करते हैं. किसी विवाद का समाधान करने के लिए कम-से-कम तीन जजों की बेंच की आवश्यकता होती है. वर्तमान में विश्व व्यापार संगठन में केवल दो जज शेष रह गए हैं. नए जजों की नियुक्ति की प्रक्रिया अमरीका की आपत्ति के कारण नहीं हो पा रही है. इसका निष्कर्ष यह है कि विश्व व्यापार संगठन अपने मौलिक दायित्वों का निर्वहन नहीं कर पा रहा है.

मिनी मिनिस्ट्रियल सम्मेलन, 2019, नई दिल्ली–इसी तथा अन्य समस्याओं पर विचार करने के लिए भारत द्वारा 13-14 अप्रैल, 2010 को दिल्ली में विश्व व्यापार संगठन के विकासशील देशों के मिनी मिनिस्ट्रयल सम्मेलन का आयोजन किया गया था. इस सम्मेलन में आमन्त्रित किए गए 24 देशों में से 22 देशों ने भाग लिया था. इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य विकासशील देशों को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर आम सहमति का विकास करना था.

इस सम्मेलन के अन्त में जो संयुक्त वक्तव्य जारी किया था, इसमें पाँच देशों– ब्राजील, अर्जेण्टीना, तुर्की, कजाखिस्तान तथा ग्वाटेमाल ने हस्ताक्षर नहीं किए थे. इन देशों ने औपचारिक रूप से कोई आपत्ति भी व्यक्त नहीं की. इससे सदस्य देशों में विश्व व्यापार संगठन के अन्दर व्याप्त मतभेदों का पता चलता है. इस संयुक्त वक्तव्य का शीर्षक था–विकास व समेकिता के प्रोत्साहन के लिए विश्व व्यापार संगठन को मजबूत करना. 13 बिन्दु वाले वक्तव्य की मुख्य बातें निम्नलिखित हैं–

1. सदस्यों ने नियम आधारित बहुपक्षीय व्यापार व्यवस्था के समक्ष आ रही चुनौतियों को संज्ञान में लेते हुए इस प्रकार की व्यापार व्यवस्था के एक प्रमुख मंच के रूप में विश्व व्यापार संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प दोहराया.
2. विश्व व्यापार संगठन की विवाद निस्तारण व्यवस्था, बहुपक्षीय व्यापार प्रक्रिया की विश्वसनीयता के लिए आवश्यक है. सदस्यों में मतैक्य के कारण विवाद निस्तारण व्यवस्था में जजों की कमी हो गई है, जिससे यह व्यवस्था दिसम्बर 2019 में निष्प्रभावी हो जाएगी. अतः सदस्य देशों से आह्वान किए गए हैं कि वे निरन्तर विचार-विमर्श कर विवाद निस्तरण व्यवस्था की इस चुनौती का समाधान करें.
3. समानता पर आधारित एक समेकित बहुपक्षीय व्यापार व्यवस्था के लिए आवश्यक है कि विश्व व्यापार संगठन के सदस्य इसके नियमों का पालन करें तथा किसी भी प्रकार के संरक्षणवाद (Protectionism) को न अपनाएं. अतः सदस्य देश ऐसा कोई कदम न उठाएं जिससे बहुपक्षीय व्यापार व्यवस्था को कोई खतरा उत्पन्न हो. किसी देश द्वारा विश्व व्यापार के नियमों की अनदेखी कर अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए जो विशेष कदम उठाए जाते हैं, उन्हें संरक्षणवाद कहते हैं. अमरीका द्वारा विभिन्न देशों के निर्यात पर हाल के महीनों में अतिरिक्त शुल्क लगाने की, जो घोषणा की गई है, वह संरक्षणवाद का उदाहरण है.
4. आम सहमति के द्वारा ही समेकित विकास के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है, लेकिन 11वीं मन्त्रिमण्डलीय बैठक में 2018 के बाद यह देखने में आया है कि कतिपय सदस्य अपने से सम्बन्धित हितों के लिए संयुक्त वक्तव्यों व पहलों को अधिक मान्यता प्रदान कर रहे है, जो विश्व व्यापार संगठन के लिए उचित नहीं है. अतः इस प्रकार की संयुक्त पहलें विश्व व्यापार संगठन के मौलिक उद्देश्यों के अनुसार ही होनी चाहिए.
5. यह माना गया कि अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार स्वयं में एक उद्देश्य न होकर विश्व में लोगों के जीवन स्तर में सुधार का एक साधन है. इसलिए विश्व व्यापार संगठन में विकासशील व अल्प विकसत देशों के लिए विशेष व विभेदीकृत व्यवहार (Special and Differential Treatment) की व्यवस्था अत्यन्त आवश्यक है. यह व्यवस्था विकासशील देशों का अधिकार है तथा भविष्य में इसे मजबूत किए जाने की आवश्यकता है.
6. विकासशील देशों विशेषकर अल्प-विकसित देशों के लिए तकनीकी सहायता व क्षमता विकास की व्यवस्था महत्वपूर्ण है. अतः विभिन्न साधनों जैसे (Enhanced Integrated Framework and Aid for Trade आदि के द्वारा इस व्यवस्था को भी मजबूत करने की आवश्यकता है.
7. विश्व व्यापार संगठन की सुधार प्रक्रिया में विकास तथा विकासशील देशों, विशेषकर अल्पविकसित देशों, के हितों को ध्यान में रखा जाना आवश्यक है. सुधार प्रक्रिया में खुलापन होना भी आवश्यक है.
8. विकासशील देशों के हितों की रक्षा के लिए विश्व व्यापार संगठन की मन्त्रि-मण्डलीय बैठकों की प्रक्रिया भी खुली व समेकित होनी चाहिए. इसके लिए एक ऐसी क्रमिक प्रक्रिया की आवश्यकता है जिससे विकासशील देश अपनी भागीदारी को प्रभावी बना सकें.
9. विश्व व्यापार संगठन के कतिपय समझौतों जैसे कृषि पर समझौता (Agreement on Agriculture) में

ऐसे प्रावधान हैं, जो विकासशील देशों के हितों की दृष्टि से असन्तुलित हैं. इस सम्बन्ध में विकासशील देशों को कतिपय नीतिगत छूट देने की आवश्यकता है जिससे वे अपने किसानों की सहायता कर सकें. इसमें खाद्यान्न आयात करने वाले देशों का विशेष ध्यान रखना आवश्यक है.

10. मछलीपालन सब्सिडी तथा विभेदीकृत व्यवहार सहित विकासशील देशों को प्रभावित करने वाले अन्य विषयों पर भी उनके मध्य विचार-विमर्श की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा.

विश्व व्यापार संगठन की चुनौतियाँ–विश्व व्यापार संगठन को निम्नलिखित चुनौतियों के कारण संकट का सामना करना पड़ रहा है–

(1) **व्यापार वार्ताओं में विकास की अवहेलना**–1995 में गैट का स्थान विश्व व्यापार संगठन ने ले लिया था. गैट व्यवस्था के अन्तर्गत अब तक 8 चक्र की व्यापार वार्ताएं पूरी की जा चुकी थीं. अतः 9वें चक्र की वार्ताएं विश्व व्यापार संगठन के तत्वावधान में 2001 से चल रही हैं. इन्हें दोहा चक्र के नाम से जानते हैं, क्योंकि इनकी शुरूआत कतर की राजधानी दोहा से हुई थी. इसे व्यापार वार्ताओं का **विकास चक्र** भी कहते हैं, क्योंकि इन वार्ताओं में व्यापार के माध्यम से गरीब देशों के विकास को प्रोत्साहित करने का लक्ष्य रखा गया है. दोहा विकास चक्र के अन्तर्गत गत 18 वर्षों में 11 मन्त्रिमण्डलीय सम्मेलन हो चुके हैं, लेकिन विकसित देशों के अड़ियल रुख तथा बदलती हुई वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों के कारण विकास का मुद्दा व्यापार वार्ताओं में धूमिल हो गया है. भारत तथा अन्य विकासशील देश इस बात पर जोर दे रहे हैं कि जबतक दोहा चक्र के विकास मुद्दे का समाधान नहीं हो जाता है तबतक नई वार्ताओं में नए मुद्दों को शामिल न किया जाए.

(2) **विकसित देशों व विकासशील देशों में गहरे मतभेद**–अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति का एक उल्लेखनीय पहलू है कि देशों की सामरिक मित्रता तथा उनके आर्थिक गठबन्धन के आधार सदैव एक ही धुरी पर नहीं चलते. उनका आधार व दिशा अलग-अलग हो सकती है. भारत व अमरीका की सामरिक साझेदारी अत्यधिक मजबूत है, लेकिन विश्व व्यापार संगठन के मंच पर वे दोनों सदैव एक-दूसरे के विरोधी खेमे में खड़े दिखाई देते हैं. इसका कारण विकसित व विकासशील देशों के विकास व व्यापार हितों का अलग-अलग होना. भारत तथा जी-33 समूह जहाँ विकासशील देशों के हितों का प्रतिनिधित्व करते हैं, वहीं अमरीका तथा यूरोप के देश तथा जापान आदि विकसित देशों के हितों का प्रतिनिधित्व करते हैं. यदि विकसित देश खाद्य सुरक्षा की समस्या के समाधान में रुचि नहीं ले रहे हैं, तो विकासशील देश ई-कॉमर्स तथा बौद्धिक सम्पदा आदि में रुचि का प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं.

(3) **विकसित देशों में बढ़ता संरक्षणवाद, लोकवाद तथा राष्ट्रवाद**–विश्व व्यापार संगठन की संकल्पना एक ऐसे मंच के रूप में की गई थी, जो विश्व व्यापार का उदारीकरण करके विश्व के आर्थिक विकास को गति प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगा, लेकिन 1997 व 2008 के विश्व आर्थिक संकट तथा अमरीका व पश्चिमी देशों में पनप रही राष्ट्रवाद तथा संरक्षणवाद की प्रवृत्तियों ने विश्व व्यापार संगठन की उक्त भूमिका पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है. अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 'अमरीका फर्स्ट' (America First) का नारा देकर राष्ट्रपति के चुनाव में जीत हासिल की थी तथा वे निरन्तर इसी नीति पर चल रहे हैं. इसी नीति के अन्तर्गत अमरीकी राष्ट्रपति ने न केवल अमरीका की व्यावसायिक वीजा नीति को कठोर बना दिया है वरन् पेरिस जलवायु समझौता, 2015 तथा ट्रांस पैसेफिक पार्टनरशिप (Trans-Pacific Partnership–

उत्तर प्रदेश
पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा
(पिछले वर्षों के प्रश्न-पत्र हल सहित)
उपकार प्रकाशन की उपयोगी पुस्तकें

उपकार उत्तर प्रदेश पॉलिटेक्निक संयुक्त प्रवेश परीक्षा	255/-
उपकार उत्तर प्रदेश पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा सॉल्वड् पेपर्स	90/-
Upkar's Polytechnic Combined Entrance Exam.	330/-
उपकार पॉलिटेक्निक प्रवेश (फार्मेसी) (बायलोजी ग्रुप) परीक्षा	515/-
उपकार पॉलिटेक्निक प्रवेश (फार्मेसी) (गणित ग्रुप) परीक्षा	399/-
उपकार पॉलिटेक्निक कम्प्यूटर एप्लीकेशन तथा मार्केटिंग एण्ड सेल्स मैनेजमेंट	265/-
उपकार पॉलिटेक्निक मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट एण्ड सेक्रेट्रियल प्रैक्टिस तथा लाइब्रेरी एण्ड इनफॉरमेशन साइंस	299/-
उपकार पॉलि. गारमेन्ट, होम साइंस, टेक्सटाइल तथा फैशन	230/-
उपकार पॉलिटेक्निक संयुक्त प्रवेश परीक्षा होटल मैनेजमेंट एण्ड कैटरिंग टेक्नोलॉजी	260/-
उपकार प्रैक्टिस वर्क-बुक पॉलि. संयुक्त प्रवेश परीक्षा (फार्मेसी)	190/-

उपकार प्रकाशन, 2/11A, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–282 002
● E-mail : care@upkar.in ● Website : www.upkar.in

उपकार
नवीन पुस्तक
राजस्थान शीघ्रलिपिक
(Stenographer)
संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा

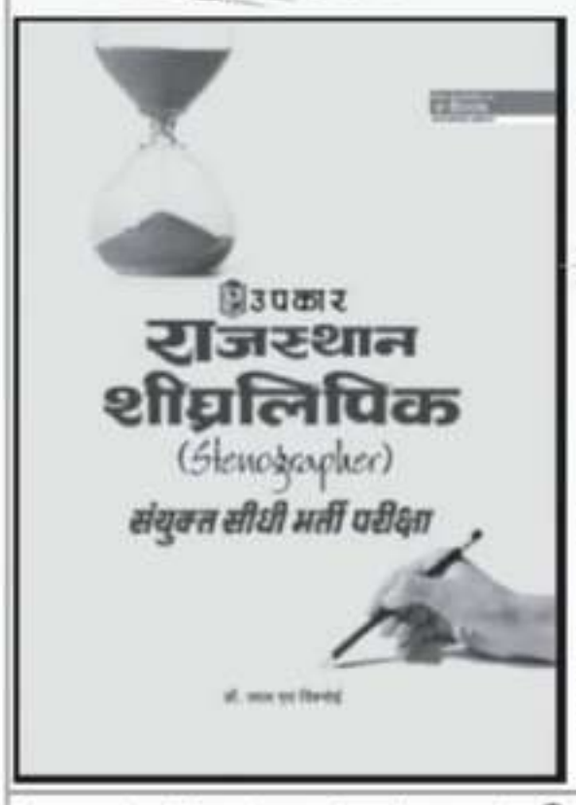

लेखकद्वय
डॉ. लाल एवं विश्नोई
कोड 2590 ₹ 340/-

विशेषताएँ
➠ सामान्य ज्ञान ➠ राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम ➠ दैनिक विज्ञान ➠ राजस्थान : एक परिचय ➠ राजस्थान वस्तुनिष्ठ प्रश्न ➠ सामान्य हिन्दी ➠ सामान्य अंग्रेजी

उपकार प्रकाशन, आगरा–2
● E-mail : care@upkar.in
● Website : www.upkar.in

TPP) जैसी वैश्विक व्यवस्थाओं से अमरीका को अलग करने की घोषणा कर दी है. उल्लेखनीय है कि पर्यावरण रक्षा तथा विश्व व्यापार का विस्तार व उदारीकरण दोनों ही विश्व व्यापार संगठन के प्रमुख लक्ष्य हैं. इस प्रकार अमरीका की **संरक्षणवादी व इन वर्ड लुकिंग** नीतियाँ विश्व व्यापार संगठन के अस्तित्व को ही चुनौती दे रही हैं.

(4) **मुक्त व्यापार समझौते**–मुक्त व्यापार समझौता व्यापार विस्तार का द्विपक्षीय अथवा क्षेत्रीय उपाय है, क्योंकि इसका लाभ विश्व के सभी देशों को प्राप्त नहीं होता है. मुक्त व्यापार समझौतों में सदस्य देश आपसी व्यापार में आयात शुल्क में कटौती अथवा उसे समाप्त कर देते हैं. इसके विपरीत विश्व व्यापार संगठन विश्व स्तर पर व्यापार के उदारीकरण के लिए प्रयासरत् है. अतः मुक्त व्यापार समझौते विश्व व्यापार संगठन के वैश्विक उद्देश्यों से मेल नहीं खाते. 2001 के दोहा चक्र की वार्ताओं की शुरूआत के बाद विश्व में ऐसे मुक्त व्यापार समझौतों की बाढ़-सी आ गई है. इनमें विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं जैसे अमरीका, चीन, जापान तथा भारत भी अग्रणी हैं. उदाहरण के लिए अमरीका ने 20 देशों के साथ तथा जापान ने 11 देशों के साथ इस प्रकार के मुक्त व्यापार समझौते किए हैं. स्वयं भारत ने इस प्रकार के 16 द्विपक्षीय तथा बहुपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते किए हैं. चीन ने 14 मुक्त व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर कर दिए हैं तथा 5 प्रस्तावों पर वार्ताएं अन्तिम चरण में हैं. इसके साथ ही क्षेत्रीय संगठनों जैसे आसियान, यूरोपियन संघ, दक्षेस नाफ्टा आदि मुक्त व्यापार समझौते भी उल्लेखनीय हैं. इन मुक्त व्यापार समझौतों के कारण विश्व व्यापार संगठन की उपादेयता पर प्रश्नचिह्न लग रहा है.

विश्व व्यापार संगठन की उपलब्धियाँ–विश्व व्यापार संगठन यद्यपि सदस्य देशों के मतभेदों के कारण चुनौतियों का सामना कर रहा है, लेकिन 24 वर्षों में इसकी सकारात्मक भूमिका को भी नकारा नहीं जा सकता है. गैट की तुलना में विश्व व्यापार संगठन की भूमिका अधिक व्यापक है व इसकी शक्तियाँ अधिक हैं. रोजगार बढ़ाने, विश्व संसाधनों के समुचित उपयोग तथा पर्यावरण जैसे विषयों को भी इसके सरोकारों में स्थान दिया गया है.

प्रथम, तमाम मतभेदों के बावजूद विश्व व्यापार संगठन के सदस्यों ने अल्पविकसित देशों के व्यापार व विकास के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण कदम उठाए, ताकि उनके विकास व व्यापार दोनों का संवर्द्धन हो सके. इस सम्बन्ध में इन देशों को अन्य देशों में ड्यूटी-फ्री निर्यात की सुविधा, बौद्धिक सम्पदा के नियमों को अपनाने में समय की छूट, देशी उत्पाद में बाह्य अंश की सीमा में शिथिलता आदि प्रमुख हैं.

दूसरा, विश्व संगठन निरन्तर सदस्य देशों के व्यापारिक विवादों के समाधान की भी व्यवस्था करता है. विश्व व्यापार संगठन का यह महत्वपूर्ण कार्य इसकी स्थायी समितियों द्वारा किया जाता है. इसकी दो स्थायी समितियाँ सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं : **पहला** विवाद निपटारा निकाय, जो सदस्य राष्ट्रों के मध्य व्यापार नियमों के उल्लंघन के विवादों का निपटारा करने में मदद करती है. **दूसरा,** व्यापार नीति समीक्षा निकाय, जो सदस्य देशों की व्यापार नीतियों की समीक्षा के लिए उत्तरदायी है.

तीसरा, विश्व व्यापार संगठन ने विश्व व्यापार को उदार बनाने उसका विस्तार करने तथा उसका नियमन करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. संगठन के प्रयासों के कारण विश्व की कुल आय में 510 बिलियन डॉलर का इजाफा हुआ है. यह व्यापार प्रक्रिया के सरलीकरण के लिए भी प्रयासरत् है.

●●●

विश्व व्यापार संगठन–एक परिचय

वैश्वीकरण की नई चुनौतियों का सामना करने के लिए विश्व व्यापार संगठन की स्थापना का निर्णय अप्रैल 1994 के मरक्कास समझौते के अन्तर्गत लिया गया था. इस समझौते के परिणामस्वरूप 1 जनवरी, 1995 को विश्व व्यापार संगठन की स्थापना हुई. इसकी स्थापना के साथ ही गैट का अस्तित्व समाप्त हो गया. विश्व व्यापार संगठन का मुख्यालय भी जेनेवा में है. वास्तव में विश्व व्यापार संगठन वर्तमान वैश्विक अर्थव्यवस्था में बढ़ते व्यापार के नियमन व प्रबन्धन के लिए किया गया है.

***उद्देश्य**–विश्व व्यापार संगठन के चार्टर की प्रस्तावना में इसके निम्न उद्देश्य वर्णित हैं–*

1. *सम्पूर्ण विश्व में लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाना.*
2. *विश्व में वस्तुओं तथा सेवाओं की माँग में वृद्धि को सुनिश्चित करना तथा रोजगार के अवसर बढ़ाना.*
3. *वस्तुओं के उत्पादन तथा व्यापार को बढ़ावा देना.*
4. *सेवाओं के उत्पादन तथा व्यापार को बढ़ाने का प्रयास करना.*
5. *वैश्विक संसाधनों के सदुपयोग को सुनिश्चित करना.*
6. *जीवन्त विकास की धारणा को प्रोत्साहित करना.*
7. *पर्यावरण के संरक्षण को प्रोत्साहित करना.*

***कार्य**–इन उद्देश्यों की पर्ति हेतु विश्व व्यापार संगठन निम्नलिखित कार्यों का सम्पादन करता है–*

1. *विश्व व्यापार समझौतों तथा अन्य बहु-पक्षीय व्यापार समझौतों का क्रियान्वयन एवं उनके प्रशासन हेतु सुविधाएं प्रदान करना.*
2. *व्यापार तथा शुल्क के मामलों में सदस्य देशों के मध्य विचार-विमर्श तथा विवादों के निबटारे के लिए एक मंच का कार्य करना.*
3. *व्यापार नीति समीक्षा प्रणाली के नियमों को लागू करना.*
4. *वैश्विक आर्थिक नीतियों में एकरूपता लाने की दृष्टि से विश्व बैंक तथा अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ सहयोग करना.*

*इस संगठन ने विश्व व्यापार तथा विकास से जुड़े मुद्दों पर बहस के लिए देशों को एक मंच प्रदान किया है. सदस्य देशों के वाणिज्य **मन्त्रियों का सम्मेलन** विश्व व्यापार संगठन की सर्वोच्च निर्णय-निमात्री संस्था है. इसमें सदस्य राष्ट्रों के व्यापार मन्त्री भाग लेते हैं. इसकी बैठकें दो वर्ष में एक बार होती है. अब तक 11 मन्त्रिमण्डलीय बैठकें आयोजित हो चुकी हैं. 11वीं बैठक अर्जेन्टीना की राजधानी ब्यूनस-आयर्स में 2018 में आयोजित की गई थी.*

इसकी एक सामान्य परिषद् भी है जिसमें प्रत्येक सदस्य देश का एक स्थायी प्रतिनिधि होता है. सामान्य परिषद् के सदस्यों द्वारा विश्व व्यापार संगठन के महानिदेशक का चुनाव 4 वर्ष के लिए किया जाता है. ये परिषद विश्व व्यापार संगठन की प्रशासनिक व व्यापारिक गतिविधियों का संचालन करती है.

स्मरणीय तथ्य

राष्ट्रीय

1. इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (ISRO) द्वारा किस सैटेलाइट को 22 मई, 2019 को पृथ्वी की कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किया गया ? **– RISAT–2B**

   ☛ *इसरो द्वारा पीएसएलवीसी-46 (PSLVC–46) द्वारा मौसम की सही जानकारी प्राप्त करने के लिए उपग्रह रीसेट-2 बी (Radar Imaging Satellite 2B) को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अन्तरिक्ष केन्द्र से 22 मई, 2019 को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया गया यह उपग्रह सभी प्रकार के मौसम में, प्राकृतिक आपदा एवं सीमाओं की निगरानी करेगा.*

2. कर्नाटक में किस वन्य जीवन क्षेत्र को चिंकारा (Chinkara) सेंक्चुरी घोषित किया गया है ? **– बुक्कापटना (Bukkapatana)**

   ☛ *कर्नाटक के तुमकुरु जनपद में स्थित लगभग 148·45 वर्ग किमी क्षेत्र में फैले बुक्कापटना क्षेत्र को राज्य सरकार ने चिंकारा सेंक्चुरी घोषित किया है.*

3. 17वीं लोक सभा के निर्वाचन में किस राजनीतिक दल ने सर्वाधिक 300 से अधिक सीट जीतकर बहुमत से अधिक सफलता पाई ? **– भारतीय जनता पार्टी (BJP)**

   ☛ *17वीं लोक सभा के निर्वाचन के परिणाम 23 मई, 2019 को घोषित किए गए, जिसमें भारतीय जनता पार्टी को अप्रत्याशित जीत मिली. पार्टी अध्यक्ष अमित शाह एवं प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी को इसका श्रेय प्रदान किया गया.*

4. 17वीं लोक सभा में किस राजनीतिक दल ने भारतीय जनता पार्टी के बाद सर्वाधिक सीट जीतकर दूसरा स्थान प्राप्त किया ? **– भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस**

   ☛ *राहुल गांधी की अध्यक्षता वाली भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने यद्यपि घोषित 542 में से 52 सीट ही इस निर्वाचन में प्राप्त कीं, लेकिन वह दूसरी सर्वाधिक सीट जीतने वाली पार्टी रही.*

5. 17वीं लोक सभा के निर्वाचन के साथ ही चार राज्यों की विधान सभाओं के लिए भी निर्वाचन हुए थे, इनमें से किस राज्य में भारतीय जनता पार्टी सर्वाधिक/बहुमत से अधिक सीटों पर विजयी रही ? **– अरुणाचल प्रदेश**

   ☛ *अरुणाचल प्रदेश की विधान सभा की 60 सीटों के लिए निर्वाचन सम्पन्न हुआ, जिसमें से बहुमत (31) से अधिक सीटें भारतीय जनता पार्टी ने जीती हैं.*

6. आन्ध्र प्रदेश विधान सभा के 2019 के निर्वाचन में किस पार्टी ने बहुमत से अधिक सीटों पर विजय प्राप्त की ? **– वाईएसआरसीपी (YSRCP)**

   ☛ *आन्ध्र प्रदेश में 175 सीटों में से 151 सीटें वाईएसआर कांग्रेस पार्टी ने जीती हैं तथा तेलुगूदेशम पार्टी को मात्र 21 सीटों पर विजय प्राप्त हुई है. वाईएसआर कांग्रेस का नेतृत्व वाई.एस. जगमोहन रेड्डी तथा तेलुगूदेशम पार्टी (TDP) का नेतृत्व चन्द्रबाबू नायडू कर रहे हैं.*

7. इण्डियन प्रीमियर लीग (IPL) 2019 के फाइनल मैच में चेन्नई सुपरकिंग्स को हराकर किस टीम ने क्रिकेट की यह चैम्पियनशिप जीत ली ? **– मुम्बई इंडियन्स**

   ☛ *भारतीय क्रिकेट कण्ट्रोल बोर्ड (BCCI) के टवेंटी-20 क्रिकेट की इंडियन प्रीमियम लीग (IPL) के बारहवें संस्करण, जिसके मैच 23 मार्च-12 मई, 2019 के दौरान खेले गए, में मुम्बई इंडियन्स विजेता रही. मुम्बई इंडियन्स ने यह चैम्पियनशिप चौथी बार जीती है.*

8. उच्चतम न्यायालय में किन चार न्यायाधीशों की नियुक्ति की संस्तुति को केन्द्र सरकार ने सहमति मई 2019 में दी ? **– अनिरुद्ध बोस, ए.एस. बोपन्ना, बी.आर. गवई, सूर्यकान्त**

   ☛ *कोलीजीयम द्वारा उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति के लिए झारखण्ड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अनिरुद्ध बोस, गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ए.एस. बोपन्ना, बॉम्बे उच्च न्यायालय के न्यायाधीश बी.आर. गवई एवं हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकान्त के नामों की संस्तुति की थी जिसे केन्द्र सरकार ने स्वीकार कर लिया है. इनकी नियुक्ति के साथ ही उच्चतम न्यायालय के सभी न्यायाधीशों के 31 पद भर चुके हैं.*

9. इसरो के किस पूर्व चेयरमैन को फ्रांस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से मई 2019 में सम्मानित किया गया ? **– ए.एस. किरण कुमार**

   ☛ *2015 से 2018 तक इसरो (ISRO) के चेयरमैन रहे ए.एस. किरण कुमार को अन्तरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में, फ्रांस-भारत सहयोग में वृद्धि के लिए दिए गए योगदान हेतु, फ्रांस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान नेशनल ऑर्डर ऑफ द लीजन डि ऑनर से मई 2019 में सम्मानित किया गया.*

10. भारत और फ्रांस की नौसेनाओं का संयुक्त अभ्यास किस नाम से मई 2019 में सम्पन्न हुआ ? **– वरुण**

    ☛ *फ्रांस व भारत की नौसेनाओं के मध्य 1983 से प्रारम्भ हुए संयुक्त अभ्यास 'वरुण' का 17वें संस्करण का प्रथम चरण 1 से 10 मई, 2019 की अवधि में गोवा के तट पर तथा दूसरा चरण मई 2019 के अन्त में जिबूती के तट पर सम्पन्न हुआ. 2001 से इस संयुक्त अभ्यास को वरुण नाम दिया गया था.*

11. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के महिलाओं के ट्वेंटी-20 क्रिकेट के दूसरे वीमेंस टी-20 चैलेंज टूर्नामेंट-2019 में कौन विजेता रहा ? **– आईपीएल सुपरनोवाज**

    ☛ *आईपीएल की तरह ही खेले गए वीमेंस टी-20 चैलेन्ज टूर्नामेंट का आयोजन जयपुर में 6–11 मई, 2019 को हुआ, जिसमें तीन टीमों–आईपीएल सुपरनोवाज, आईपीएल ट्रेल ब्लेजर्स, और आईपीएल वेलोसिटी शामिल थीं. इनकी कप्तान क्रमशः हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना एवं मिताली राज थीं. फाइनल में सुपरनोवाज ने वेलोसिटी टीम को हराकर टूर्नामेंट जीता.*

अन्तर्राष्ट्रीय

1. इंडोनेशिया में मई 2019 में घोषित निर्वाचन परिणामों में विजय प्राप्त कर कौन राष्ट्रपति बना ? – **जोको विडोडो (Joko Widodo)**

☛ *इंडोनेशिया में सत्तासीन राष्ट्रपति जोको विडोडो, जो जोकोवि (Jokowi) के नाम से भी जाने जाते हैं, पुनः इंडोनेशिया के राष्ट्रपति निर्वाचित घोषित किए गए हैं. हारने वाले प्रत्याशी प्रबोवो सुबिआन्तो (Prabowo Subianto) ने चुनावों में धाँधली का आरोप लगाया है तथा लोगों ने निर्वाचन आयोग के विरुद्ध विरोध प्रदर्शन भी किया.*

2. अमरीकन स्पेस एजेंसी, नासा, द्वारा दूर अन्तरिक्ष में स्थित किस क्षुद्रग्रह पर पानी खोजने का दावा किया गया है ?

– **अल्टिमा थुले (Ultima Thule)**

☛ *नासा (NASA) के अन्तरिक्ष यान न्यू होराइजन्स (New Horizons) द्वारा कूपर बेल्ट (Kuiper Belt) में स्थित दो भागों से बने (एक बड़ा व एक छोटा) अल्टिमा थुले की ली गई तस्वीरों के आधार पर वहाँ पानी की उपस्थिति की घोषणा मई 2019 में की गई है.*

3. एशिया में किस राष्ट्र ने अपनी संसद में समलैंगिकों की शादी को वैध मानने का विधेयक पारित किया है ? – **ताइवान**

☛ *ताइवान में मई 2019 में संसद ने कानून बनाकर समलैंगिक व्यक्तियों के विवाह को वैधानिक मान्यता प्रदान कर दी है. ऐसा विधान बनाने वाला सम्भवतः ताइवान एशिया का पहला राष्ट्र है.*

4. सिंगापुर एवं इंडिया की नौसेनाओं का संयुक्ताभ्यास किस नाम से मई 2019 में सम्पन्न हुआ ? – **सिम्बैक्स (SIMBEX)**

☛ *सिंगापुर एवं इंडिया की नौसेनाओं का 26वाँ वार्षिक संयुक्ताभ्यास 'सिम्बैक्स' नाम से दक्षिण चीन सागर में मई 2019 में सम्पन्न हुआ.*

5. इंटरनेशनल मेरीटाइम डिफेंस एक्जीबिशन (IMDEX), एशिया का आयोजन मई 2019 में कहाँ सम्पन्न हुआ ? – **सिंगापुर**

☛ *इमडेक्स (IMDEX) एशिया का 12वाँ आयोजन सिंगापुर में मई 2019 में सम्पन्न हुआ. इस द्विवार्षिक आयोजन में भारत ने भी भाग लिया. इसमें 29 देशों के 230 प्रतिभागियों ने भाग लिया तथा 60 देशों के 10600 व्यक्तियों ने इसे देखा.*

6. अमरीकी प्रशासन ने चीन की किस टेलीकम्यूनिकेशन कम्पनी को अमरीका में काली सूची में सम्मिलित कर दिया है ?

– **हुआवेई (Huawei)**

☛ *चीन की दूरसंचार एवं मोबाइल फोन निर्माता कम्पनी 'हुआवेई' को ट्रम्प प्रशासन ने काली सूची में डाल दिया है तथा इसके साथ सभी प्रकार के व्यापारिक सम्बन्धों पर प्रतिबन्ध लगा दिया है. इसका कारण कम्पनी द्वारा अमरीका के कानूनों का उल्लंघन एवं चीन-अमरीका के मध्य चल रहा व्यापारिक तनाव बताया जा रहा है.*

7. अरबी भाषा में लिखे गए एवं अंग्रेजी भाषा में अनुवाद किए गए किस उपन्यास को, मान बुकर इंटरनेशनल प्राइज प्रदान करने की घोषणा मई 2019 में की गई ? – **सेलेस्टिअल बॉडीज (Celestial Bodies)**

☛ *ओमान की लेखिका जोखा अल्हार्थी (Jokha Alharthi) द्वारा अरबी में लिखित उपन्यास सेलेस्टिअल बॉडीज, जिसका अंग्रेजी भाषा में अनुवाद मर्लिन बूथ (Marilyn Booth) द्वारा किया गया, को अनुवाद की श्रेणी का मान इंटरनेशनल बुकर प्राइज प्रदान किया गया. प्राइज की धन राशि दोनों में बराबर-बराबर बाँट दी जाएगी.*

8. दक्षिण अफ्रीका में मई 2019 में सम्पन्न संसदीय निर्वाचन के परिणामस्वरूप कौन वहाँ पुनः राष्ट्रपति बना है ?

– **साइरिल रामपाहोसा (Cyril Rampahoso)**

☛ *दक्षिण अफ्रीका में मई 2019 में सम्पन्न नेशनल असेम्बली (संसद) के निर्वाचन में साइरिल रामपाहोसा की पार्टी अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस (ANC) को सर्वाधिक सीटों पर विजय प्राप्त हुई थी.*

9. यूरोप के 427 मिलियन नागरिकों ने 23 से 26 मई, 2019 तक किस संगठन की पार्लियामेंट के लिए मतदान किया ?

– **यूरोपियन यूनियन (EU)**

☛ *यूरोपियन यूनियन की संसद के लिए 23 से 26 मई, 2019 तक यूरोप के सभी 28 सदस्य राष्ट्रों के 18 वर्ष से अधिक के सभी नागरिकों ने मतदान किया.*

10. शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन (SCO) के विदेश मन्त्रियों की परिषद् की मीटिंग मई 2019 में कहाँ सम्पन्न हुई ?

– **बिश्केक (किर्गिजस्तान)**

☛ *भारत, पाकिस्तान सहित आठ देशों के समूह शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन (SCO) के विदेश मन्त्रियों की परिषद् का सम्मेलन मई 2019 में सम्पन्न हुआ. इसके राष्ट्राध्यक्षों का शिखर सम्मेलन भी बिश्केक में ही जून 2019 में प्रस्तावित है.*

11. थाइलैण्ड में 4 मई, 2019 को किस नए राजा का राज्याभिषेक पारम्परिक रीति-रिवाज द्वारा सम्पन्न हुआ ?

– **महा वाजीरालोंगकोर्न (Maha Vajiralongkorn)**

☛ *थाइलैण्ड के किंग भूमिबोल अदुल्यदेज के निधन के बाद उनके पुत्र वाजीरालोंगकोर्न की राजगद्दी पर नियुक्ति 13 अक्टूबर, 2016 से मानी गई है, लेकिन परम्परागत कारणों से राज्याभिषेक 4 मई, 2019 को सम्पन्न हुआ. यह चक्री राजवंश के 10वें सम्राट् हैं तथा रामा-X नाम से जाने जाएंगे.*

12. ऐसे कौनसे दो राष्ट्र हैं जिन्होंने सबसे पहले संसद में प्रस्ताव पारित कर पर्यावरण एवं जलवायु आपात स्थिति की घोषणा मई 2019 में की ? – **ब्रिटेन एवं आयरलैंड**

☛ *ब्रिटेन की संसद ने 1 मई, 2019 को तथा आयरलैण्ड की संसद ने 9 मई, 2019 को पर्यावरण एवं जलवायु आपात स्थिति घोषित करने के लिए प्रस्ताव पारित किया. इस प्रस्ताव का आशय जलवायु एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य करने को बढ़ावा देना है. यह सरकारों पर बाध्यकारी नहीं है.*

13. किस भारतीय पुरुष एवं महिला खिलाड़ी ने एशियाई स्क्वाश चैम्पियनशिप में क्रमशः पुरुष व महिला खिताब जीते ?

– **सौरभ घोषाल व जोशना चिनप्पा**

☛ *एशियाई स्क्वाश फेडरेशन के तहत् मलेशिया (कुआलालम्पुर) में मई 2019 में सम्पन्न एशियाई स्क्वाश चैम्पियनशिप में पुरुष एकल सौरभ घोषाल ने तथा महिला एकल खिताब जोशना चिनप्पा ने जीता.* ●●●

वर्तमान में चर्चित विभिन्न अवधारणाएं

✍ धीरज पाण्डेय

कला एवं संस्कृति

नौचंदी मेला

नौचंदी मेला उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध मेलों में से एक है. यह मेला मेरठ में प्रति वर्ष लगता है. यहाँ का ऐतिहासिक नौचंदी मेला हिन्दू-मुस्लिम एकता का प्रतीक है. हजरत बाले मियां की दरगाह एवं नवचण्डी देवी (नौचन्दी देवी) का मन्दिर एक-दूसरे के निकट ही स्थित हैं. जहाँ मन्दिर में भजन कीर्तन होते रहते हैं, वहीं दरगाह पर कव्वाली आदि होती रहती है. मेले के दौरान मन्दिर के घण्टों के साथ अजान की आवाज एक साम्प्रदायिक अध्यात्म की प्रतिध्वनि देती है. यह मेला चैत्र मास के नवरात्रि त्यौहार से एक सप्ताह पहले से, लगभग होली के एक सप्ताह बाद लगता है.

हिन्दू-मुस्लिम एकता के प्रतीक के रूप में इस मेले की शुरूआत साल 1672 के आसपास हुई थी. 1857 के प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम से पहले यह मेला केवल एक रात के लिए होता था. फिर दो-दिन और 1880 के बाद यह मेला एक सप्ताह तक चलने लगा, जो अब एक माह तक लगता है. दरअसल, 1883 में तत्कालीन अंग्रेज कलेक्टर एफ.एन. राइट ने चंडी मन्दिर और बाले मियां की मजार दोनों का महत्व समझते हुए नौचंदी मेले की अवधि बढ़ा दी.

इस मेले के आयोजक मार्च से मई के बीच कभी भी इसकी शुरूआत तय करते हैं. मेले में देशभर से आये कलाकार और दुकानदार शामिल होते हैं.

गोटीपुआ नृत्य

गोटीपुआ एक प्रकार का नृत्यनाट्य है, जिसका उद्भव जगन्नाथ मन्दिर में पन्द्रहवीं शताब्दी में माना जाता है. इस लोकनाट्य पर जयदेव के गीतगोविन्द का स्पष्ट प्रभाव दिखाई पड़ता है. कालान्तर में मुस्लिमों के आक्रमण से रक्षार्थ मन्दिर की प्रतिमाओं को चूने या खड़िया से आवृत कर दिया गया तथा वहाँ के उन सेवादारों के लिए मन्दिर के बाहर अखाड़ों की स्थापना कर दी गई, जो मन्दिर में नर्तकों को प्रशिक्षण दिया करते थे. गोटीपुआ का प्रदर्शन भगवान जगन्नाथ की आराधना के साथ आरम्भ होता है. गोटीपुआ का दार्शनिक पक्ष कृष्ण ही एकमात्र पुरुष हैं और शेष सभी भक्तजन गोपियाँ हैं. रामानन्द राय एक कट्टर वैष्णव भक्त थे और वे सखी सम्प्रदाय के पक्के अनुयायी थे. उन्होंने ही जगन्नाथ मन्दिर में इस परम्परा को आरम्भ किया कि स्त्रियों के बजाए मन्दिर में नर्तक ही स्त्रीवेश में भगवान के सम्मुख मंडप में नृत्य करेंगे. इस प्रकार से गोटीपुआ नृत्यनाट्य का उद्भव हुआ.

नृत्य अध्येताओं के मतानुसार गोटीपुआ का उद्भव ओडिसा नृत्य से हुआ है, क्योंकि मन्दिर के सेवादारों ने ही अखाड़ों में प्रशिक्षण आरम्भ किया था, जबकि कुछ अन्य अध्येता यह मानते हैं कि गोटीपुआ से ओडिसी का उद्भव हुआ है. प्रसिद्ध ओडिसी गुरु एवं नर्तक आरम्भ में गोटीपुआ नर्तक थे. उन्होंने मन्दिर की बाह्य भीतियों पर लगी हुई अप्सराओं की प्रतिमाओं से प्रभावित होकर ओडिसी नृत्य आरम्भ किया. इन प्रतिमाओं की भावभंगिमाओं एवं आंगिक चेष्टाओं से प्रभावित होकर उन्हें ओडिसी नृत्य में सम्मिलित किया था.

बगरू ब्लॉक प्रिंटिंग

राजस्थान के जयपुर जिले के संगनेर तहसील में स्थित बगरू, एक नगर व नगरपालिका है. यह अपने हाथ की छपाई और हथकरघा उद्योग के लिए प्रसिद्ध है. बगरू में छींपा समुदाय के लोग बगरू प्रिंट तैयार करते हैं. छींपा समुदाय के लोग सदियों से प्राकृतिक तरीकों से ब्लॉक प्रिंटिंग का कार्य कर रहे हैं. अठारवीं सदी में जयपुर शहर में हटवाड़े की सुविधा मिलने से इन कारीगरों में उल्लास बढ़ा. बगरू प्रिंट का इतिहास लगभग पाँच सदियों पुराना माना जाता है.

बगरू प्रिंट में मुख्यतः लाल, काला और भूरा रंग प्रयुक्त होता है. इन रंगों का निर्माण भी ठेठ देशी और प्राकृतिक तरीके से किया जाता है. लाल रंग फिटकरी और आल की लकड़ी से, काला रंग घोड़े की नाल को गुड़ के साथ पानी में भिगोकर तथा भूरा रंग थोथा खनिज और लाल रंग को मिलाकर तैयार किया जाता है.

कपड़े को अतिरिक्त और अनावश्यक प्रिंटिंग से बचाने के लिए दाबू तकनीक का इस्तेमाल भी किया जाता है. दाबू एक प्रकार का पेस्ट है, जो घुन लगे गेहूँ के पाउडर, चूना, गोंद और काली मिट्टी को गूँथकर तैयार किया जाता है. इस पेस्ट का लेप करने पर ब्लॉक से की जाने वाली प्रिंट कपड़े पर उन जगह नहीं उतरती जिस

Read Upkar's
LEARN TO WRITE CORRECT ENGLISH
(English-Hindi Medium)

₹ 280·00
CORRECT ENGLISH: HOW TO WRITE IT
(English Medium)

₹ 240·00
LEARN TO WRITE CORRECT ENGLISH
(English-Bangla)

₹ 275·00
By : Dr. B.B. Jain
As the Latest and All Comprehensive Books for All Competitive Examinations.
Purchase from nearest bookseller or get the copy by V.P.P. sending M. O. of ₹ 100/- on the following address
UPKAR PRAKASHAN, AGRA–2

जगह को डिजाइन के लिए कारीगर खाली छोड़ना चाहते हैं.

कपड़े पर छपाई का काम परम्परागत ढंग से लकड़ी के स्टैम्पनुमा औजारों से किया जाता है, जिन्हें ब्लॉक कहते हैं. इन ब्लॉक के निचले भाग पर कलात्मक डिजाइनें उत्कीर्ण होती हैं. इन डिजाइनों की पहचान कैर, आम, अनार, नरगिर, चकरी, साथिया, सूरज और पतासा बूटी आदि अनेक नामों से की जाती है.

छींपा समुदाय ने अपनी परम्पराओं पर टिके रहकर इस खूबसूरत प्रिंट को विश्व के कोने-कोने में पहुँचाया है. आज भारी भरकम मशीनों से मिनटों में तैयार होता हजारों मीटर कपड़ा, प्रिंट के नए मशीनी आयाम, इंटरनेट पर ब्रांडिंग, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रचार, निर्यात की सुलभ और तीव्रगामी सुविधाएं, फैलते अन्तर्देशीय व्यापार और बाजार तथा सिमटती दुनिया के युग में भी छींपा लोग हाथ से की जाने वाली इस कलात्मक कारीगरी को तल्लीनता से साकार करते हैं.

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अवधारणाएं

मलेरिया उन्मूलन अनुसन्धान गठ-बन्धन इण्डिया (MERA, India)

भारतीय चिकित्सा अनुसन्धान परिषद् (ICMR) राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय हित धारकों के साथ मलेरिया उन्मूलन अनुसन्धान गठबन्धन इण्डिया (MERA, India) नामक कार्यक्रम शुरू करेगा, जिसका उद्देश्य वर्ष 2030 तक भारत से मलेरिया को पूर्णतः समाप्त करना है. मलेरिया उन्मूलन अनुसन्धान गठबन्धन इण्डिया, (MERA, India) कार्यक्रम मलेरिया उन्मूलन के प्रयासों को तेज करने और अनुसन्धान रणनीति विकसित करने के लिए एक एलांयस है. इस एलांयस में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मलेरिया रिसर्च (NIMR) विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO), केन्द्रीय और राज्य स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रमुख और कई बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को शामिल किया जाएगा. विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, वर्ष 2017 में वैश्विक मलेरिया के मामलों में भारत का योगदान 4 प्रतिशत था, तब से मलेरिया की कमी में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है. सरकारी आँकड़ों में वर्ष 2018 में मलेरिया के कुल मामलों की संख्या 3·4 लाख थी, जबकि संख्या 2017 और 2016 में यह क्रमशः 8·4 लाख और 11 लाख थी. मलेरिया के कारण भारत में मौतों की वर्ष 2016 में 331 से घटकर 2017 में 194 और वर्ष 2018 में 41 हो गई है.

भारतीय चिकित्सा अनुसन्धान परिषद् (ICMR) ने भारत को 2027 तक मलेरिया से मुक्त करने और 2030 तक मलेरिया को पूरी तरह से खत्म करने का लक्ष्य रखा है. मलेरिया के खतरों को बताते हुए ICMR ने कहा कि मलेरिया से निपटने के लिए समय-समय पर टेक्नीकल, फाइनेंशियल, ऑपरेशन और प्रशासनिक समस्याओं में उतार-चढ़ाव देखे गए हैं. विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के मुताबिक विश्व मलेरिया रिपोर्ट के अनुसार 2018 के दौरान भारत में 2016 के मुकाबले 2017 में मलेरिया के मामलों में 24 प्रतिशत की कमी पाई गई है. रिपोर्ट में इस बात का भी जिक्र किया गया है कि मलेरिया पर नियन्त्रण पाने के लिए भारत का खर्च दक्षिण पूर्व एशिया में सबसे कम है.

जीन थेरेपी

किसी भी जीवित प्राणी के शरीर की सबसे मूलभूत इकाई कोशिकाएं होती हैं और मानव शरीर ऐसी ही अरबों कोशिकाओं से बना है. हमारी इन कोशिकाओं में हजारों जीन होते हैं. हमारे शरीर के अधिकांश कार्यों जैसे–पाचन, शरीर में ऊर्जा उत्पादन और शरीर की वृद्धि में मदद करने वाली मांसपेशियों, हड्डियों और रक्त का निर्माण करने वाले प्रोटीन्स और एंजाइम के उत्पादन के लिए जीन जानकारी प्रदान करते हैं.

जीन थेरेपी एक ऐसी तकनीक है, जिसमें जीन का उपयोग बीमारियों के उपचार में किया जाता है, अभी तक इस पर प्रयोग चल रहे हैं. भविष्य में, इस तकनीक के इस्तेमाल से डॉक्टर दवा या सर्जरी के बजाए रोगी के शरीर में स्वस्थ जीन डाल कर उपचार कर सकते हैं. शोधकर्ता जीन थेरेपी का उपयोग करने के विभिन्न दृष्टिकोणों पर काम कर रहे हैं. इसमें शामिल है–

- म्यूटेड (जब जीन अपना रूप बदल ले) जीन जिसके कारण बीमारी हुई है, उसको निकाल कर उसकी जगह एक स्वस्थ जीन डालना.
- जो म्यूटेड जीन सही ढंग से काम नहीं कर रहे हैं, उन्हें निष्क्रिय करना या बाहर कर देना.
- शरीर में बीमारी से लड़ने के लिए एक नया जीन डालना.

हालाँकि, यह तकनीक कई बीमारियों का पक्का इलाज है, जिसमें अनुवांशिक बीमारियाँ, कुछ प्रकार के कैंसर और कुछ वायरल संक्रमण शामिल हैं, किन्तु जीन थेरेपी के उपयोग में अभी काफी जोखिम है और अभी तक इस पर रिसर्च चल रहा है कि यह कितनी सुरक्षित और प्रभावी है. जीन थेरेपी को अभी तक उन बीमारियों पर ही टेस्ट किया गया है, जिनका कोई अन्य इलाज उपलब्ध नहीं है.

अपाचे हेलीकॉप्टर

प्रथम एएच-64ई(I)–अपाचे गार्जियन हेलीकॉप्टर को औपचारिक रूप से 10 मई, 2019 को अमरीका के मेसा, एरिजोना में भारतीय वायु सेना को सौंप दिया गया. एयर मार्शल ए.एस. बुटोला ने भारतीय वायु सेना का प्रतिनिधित्व करते हुए अमरीका के बोइंग उत्पादन केन्द्र में आयोजित एक समारोह में पहले अपाचे हेलीकॉप्टर को स्वीकार किया. इस अवसर पर अमरीकी सरकार के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे. भारतीय वायुसेना ने सितम्बर 2015 में अमरीकी सरकार और मेसर्स बोइंग लिमिटेड के साथ 22 अपाचे हेलीकॉप्टरों के लिए एक अनुबन्ध पर हस्ताक्षर किए थे. इन हेलीकॉप्टरों के पहले जत्थे को इस वर्ष जुलाई तक भारत भेजने की योजना है. एएच-64 ई (आई) हेलीकॉप्टर का भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टर बेड़े में शामिल हो जाना, भारतीय वायुसेना के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. इस हेलीकॉप्टर को भारतीय वायुसेना की भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया गया है, खासतौर पर पहाड़ी इलाकों में इसकी क्षमता महत्वपूर्ण होगी. हेलीकॉप्टर में सीमाओं पर सटीक हमले करने और जमीन से होने वाले खतरों के साथ-साथ हवाई क्षेत्र में शत्रुतापूर्ण कार्यवाही से निपटने की अपार क्षमता है. इन हेलीकॉप्टरों के माध्यम से युद्ध की तस्वीर प्राप्त करने और भेजने के साथ-साथ डेटा नेटवर्किंग के माध्यम से हथियार प्रणालियों को संचालित भी किया जा सकता है. ये हेलीकॉप्टर हमले के समय थल सेना को संयुक्त अभियानों में भी महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करेंगे.

पर्यावरण एवं प्रदूषण

इण्डिया कूलिंग एक्शन प्लान

भारत दुनिया के प्रथम राष्ट्रों में से है, जिसने एक विस्तृत कूलिंग एक्शन प्लान विकसित किया है, जो अलग-अलग क्षेत्रों में कूलिंग की जरूरतों को पूरा करने के उद्देश्य से बनाया गया है. इसके जरिए हम कूलिंग की माँग को कम करने के तरीकों को सूचीबद्ध करता है. इण्डिया कूलिंग एक्शन प्लान का मूल उद्देश्य पर्यावरण और सामाजिक-आर्थिक फायदों को सुरक्षित रखने के लिए दोनों के बीच तालमेल बनाना है. आईसीएपी का व्यापक लक्ष्य है पर्यावरण और सामाजिक आर्थिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी को सतत् कूलिंग और गर्मी से आराम देने की व्यवस्था करना. ये प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उत्सर्जन घटाने में भी मदद करेगा.

इण्डिया कूलिंग एक्शन का लक्ष्य है–
1. 2037-38 तक सभी सेक्टरों में कूलिंग

की माँग को 20% से 25% तक घटाना, 2. 2037-38 तक रेफ्रिजरेटर की माँग को 25% से 30% तक घटाना, 3. 2037-38 तक कूलिंग एनर्जी की माँग को 25% से 40% तक घटाना, 4. कूलिंग और उससे जुड़े क्षेत्रों को राष्ट्रीय विज्ञान और तकनीक प्रोग्राम के तहत् अनुसन्धान के लिए प्रमुख क्षेत्र में पहचान दिलाना, 5. स्किल इण्डिया मिशन के साथ तालमेल कर 2022-23 तक इस क्षेत्र में 1,00,000 सर्विसिंग टेक्नीशियन को ट्रेनिंग और सर्टिफिकेट देना. इन कदमों से पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में काफी लाभ मिलेगा.

ग्लोबल जियोपार्क्स नेटवर्क

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (Geological Survey of India) ने 'संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने ग्लोबल जिओ पार्क नेटवर्क का दर्जा देने के लिए महाराष्ट्र का लोनार झील और कर्नाटक के सेंट मैरी द्वीप और मालपे समुद्र तट को चुना है. ग्लोबल जियोपार्क्स नेटवर्क (जीजीएन) 1998 में स्थापित यूनेस्को गतिविधि है. जिओ पार्क एक एकीकृत क्षेत्र है, जो एक स्थायी तरीके के भूगर्भीय विरासत की सुरक्षा और उपयोग को आगे बढ़ाता है और वहाँ रहने वाले लोगों के आर्थिक कल्याण को बढ़ावा देता है. जियोपार्क हमारे गतिविधि ग्रह के सन्दर्भ में समाज के सामने आने वाले प्रमुख मुद्दों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए विरासत का उपयोग करते हैं. कई भूगर्भ ज्वालामुखी, भूकम्प और सुनामी सहित भूगर्भीय खतरों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देते हैं और स्थानीय समुदायों के साथ आपदा न्यूनीकरण रणनीतियों को तैयार करने में कई मदद करते हैं. जियोपार्क्स पिछले जलवायु परिवतनों के रिकॉर्ड प्रस्तुत करते हैं और वर्तमान जलवायु परिवर्तन के संकेतक हैं और नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करने और 'हरित पर्यटन' के सर्वोत्तम मानकों को नियोजित करने के लिए 'सर्वोत्तम अभ्यास' दृष्टिकोण का प्रदर्शन करते हैं. भौगोलिक दृष्टि से टिकाऊ और लागू पर्यटन मॉडल के रूप में भूगर्भों में पर्यटन उद्योग का प्रचार, एक स्थान के भौगोलिक चरित्र को बनाए रखने और यहाँ तक कि बढ़ाने के उद्देश्य से है.

जलदापाड़ा राष्ट्रीय उद्यान

जलदापाड़ा राष्ट्रीय उद्यान जिसे पहले जलदापाड़ा वन्यजीव अभयारण्य भी कहते थे, पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार उप-मण्डल के अन्तर्गत जलपाईगुड़ी जिले में स्थित एक राष्ट्रीय उद्यान है, जोकि टोरसा नदी के किनारे है. यह इलाका वस्तुतः पूर्वी हिमालय का तराई क्षेत्र है. यह राज्य के उत्तरी भाग में भूटान की सीमा के निकट 217 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला है और तोरसा नदी व इसकी सहायक नदियों के द्वारा विच्छेदित समतल मैदानों के जंगलों से युक्त है.

इस उद्यान की समुद्र सतह से औसतन ऊँचाई 61 मीटर है. इसमें विस्तृत घास के मैदान हैं और यह नालों और वन्य-क्षेत्रों से भरा हुआ है. सन् 1941 में इसे राज्य के वनस्पति तथा जीवों को बचाने के लिए अभयारण्य घोषित किया गया था, जिसके अन्तर्गत भारतीय गैण्डा भी था और पश्चिम बंगाल में इसकी सबसे बड़ी संख्या यहीं मौजूद हैं.

आर्थिक एवं वित्तीय अवधारणाएं

बाईयूकॉइन (BuyUcoin)

अप्रैल 2019 में भारत के दूसरे सबसे पुराने क्रिप्टोकरेंसी (आभासी मुद्रा) एक्सचेंज BuyUcoin ने थोक क्रिप्टोकरेंसी ट्रेडिंग हेतु एक नया प्लेटफॉर्म लॉंच किया. यह अपने उपयोगकर्ताओं को लो प्राइस फ्लक्चुएशन्स के साथ बड़े पैमाने पर व्यापार करने की अनुमति देता है. वर्तमान में यह मुक्त व्यापार मॉडल पर काम कर मुद्राओं के प्रयोग को जोखिमपूर्ण माना है. भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा अप्रैल 2017 में आभासी मुद्राओं की मौजूदा रूपरेखा पर अध्ययन हेतु एक अन्तर-अनुशासनात्मक समिति गठित की गई थी. समिति ने अपनी रिपोर्ट में आभासी मुद्राओं को कानूनी मान्यता न देने की सिफारिश की थी. यद्यपि समिति ने आभासी मुद्राओं पर पूर्ण प्रतिबन्ध लगाने की सम्भावना को नकार दिया था, तथापि इस पर कड़े नियन्त्रण की अनुशंसा की गई.

एकीकृत भुगतान अन्तरापृष्ठ

एकीकृत भुगतान अन्तरापृष्ठ [Unified Payments Interface (UPI)], भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (NPCI) एवं भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा शुरू किया गया ऑनलाइन भुगतान (online payment) का एक नया तरीका है, जो अन्तर बैंक (inter-banking) लेनदेन को सुविधाजनक बनाता है. इंटरफेस को भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा नियन्त्रित किया जाता है और मोबाइल प्लेटफॉर्म पर दो बैंक खातों के बीच तुरन्त धनराशि स्थानान्तरित (money transfer) करके काम करता है. यह अन्य पेमेंट तरीकों से तेज, सरल, सस्ता और सिक्योर है.

कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना

केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) ने मई 2019 को तेलंगाना में कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना सफलतापूर्वक शुरू किया.

शेष पृष्ठ 99 पर

नवीन संशोधित एवं परिवर्द्धित संस्करण

उपकार

हिन्दी साहित्य का तथ्यपरक अध्ययन

यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ./सेट, असिस्टेंट प्रोफेसर, के.वी.एस., एन. वी.एस., पी.जी.टी., टी.जी.टी., पी-एच.डी., राजभाषा निदेशक, हिन्दी अधिकारी, हिन्दी सहायक, संपादक, समाचार वाचक एवं संघ/राज्य लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं और विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए हिन्दी साहित्य की अनुपम पुस्तक.

लेखक : ओंकार नाथ वर्मा

कोड 2129 ₹ 255/-

विभिन्न परीक्षाओं के विगत् 15 वर्ष के प्रश्नों का भी समावेश.

प्रमुख आकर्षण

➡ आदिकाल ➡ भक्तिकाल ➡ रीतिकाल आधुनिककाल ➡ नाटक ➡ निबंध ➡ कहानी ➡ उपन्यास ➡ आलोचना ➡ हिन्दी गद्य की अन्य विधाएँ ➡ हिन्दी साहित्य की नवीन प्रवृत्तियाँ ➡ हिन्दी के पत्र और पत्रिकाएँ ➡ विविध

उपकार प्रकाशन, आगरा-2

● E-mail : care@upkar.in
● Website : www.upkar.in

भारत के प्रमुख ऐतिहासिक व्यक्तित्व

भास्कराचार्य या भास्कर द्वितीय

भास्कराचार्य या भास्कर द्वितीय प्राचीन भारत के एक प्रसिद्ध गणितज्ञ एवं ज्योतिषी थे. भास्कराचार्य का जन्म 1114 ई. को विज्जडविड नामक गाँव में हुआ था जो आधुनिक पाटन के समीप था. भास्कराचार्य के पिता का नाम महेश्वराचार्य था तथा वे भी गणित के एक महान् विद्वान् थे. चूँकि पिता एक उच्च कोटि के गणितज्ञ थे अतः उनके सम्पर्क में रहने के कारण भास्कराचार्य की अभिरुचि भी इस विषय के अध्ययन की ओर जाग्रत हुई. उन्हें गणित की शिक्षा मुख्य रूप से अपने पिता से ही प्राप्त हुई. धीरे-धीरे गणित का ज्ञान प्राप्त करने की दिशा में उनकी अभिरुचि काफ़ी बढ़ती गई तथा इस विषय पर उन्होंने काफ़ी अधिक अध्ययन एवं शोध कार्य किया.

भास्कराचार्य ने मात्र बत्तीस वर्ष की आयु में अपने प्रथम ग्रन्थ की रचना की. उनकी इस कृति का नाम सिद्धान्त शिरोमणि था. उन्होंने इस ग्रन्थ की रचना चार खण्डों में की थी. इन चार खण्डों के नाम हैं–'पारी गणित', बीज गणित', 'गणिताध्याय' तथा 'गोलाध्याय'. पारी गणित नामक खण्ड में संख्या प्रणाली, शून्य, भिन्न, त्रैशशिक तथा क्षेत्रमिति इत्यादि विषयों पर प्रकाश डाला गया है. जबकि बीज गणित नामक खण्ड में धनात्मक तथा ऋणात्मक राशियों की चर्चा की गई है तथा इसमें बताया गया है कि धनात्मक तथा ऋणात्मक दोनों प्रकार की संख्याओं के वर्ग का मान धनात्मक ही होता है.

भास्कराचार्य द्वारा एक अन्य प्रमुख ग्रन्थ की रचना की गई जिसका नाम है लीलावती. कहा जाता है कि इस ग्रन्थ का नामकरण उन्होंने अपनी लाडली पुत्री लीलावती के नाम पर किया था. इस ग्रन्थ में गणित और खगोल विज्ञान सम्बन्धी विषयों पर प्रकाश डाला गया था. सन् 1163 ई. में उन्होंने करण कुतूहल नामक ग्रन्थ की रचना की. इस ग्रन्थ में भी मुख्यतः खगोल विज्ञान सम्बन्धी विषयों की चर्चा की गई है. इस ग्रन्थ में बताया गया है कि जब चन्द्रमा सूर्य को ढक लेता है तो सूर्य ग्रहण तथा जब पृथ्वी की छाया चन्द्रमा को ढक लेती है तो चन्द्र ग्रहण होता है.

भास्कराचार्य द्वारा लिखित ग्रन्थों का अनुवाद अनेक विदेशी भाषाओं में किया चुका है. भास्कराचार्य द्वारा लिखित ग्रन्थों ने अनेक विदेशी विद्वानों को भी शोध का रास्ता दिखाया है. कई शताब्दि के बाद केपलर तथा न्यूटन जैसे यूरोपीय वैज्ञानिकों ने जो सिद्धान्त प्रस्तावित किए उन पर भास्कराचार्य द्वारा प्रस्तावित सिद्धान्तों की स्पष्ट छाप मालूम पड़ती है. ऐसा लगता है जैसे अपने सिद्धान्तों को प्रस्तुत करने के पूर्व उन्होंने अवश्य ही भास्कराचार्य के सिद्धान्तों का अध्ययन किया होगा. भास्कराचार्य का देहावसान सन् 1179 ई. में 65 वर्ष की अवस्था में हुआ.

पुलकेशिन द्वितीय

पुलकेशिन द्वितीय, पुलकेशिन प्रथम का पौत्र तथा चालुक्य वंश का चौथा राजा था, जिसने 609-642 ई. तक राज्य किया. वह महाराजाधिराज हर्षवर्धन का समसामयिक तथा प्रतिद्वन्द्वी था. उसने 620 ई. में दक्षिण पर हर्ष का आक्रमण विफल कर दिया.

पुलकेशिन द्वितीय के बारे में हमें ऐहॉल अभिलेख में उसके समकालीन कवि रविकीर्ति द्वारा लिखी गई प्रशस्ति से जानकारी मिलती है. यह संस्कृत भाषा में है. वातापी के चालुक्य वंश में पुलकेशिन द्वितीय सबसे अधिक शक्तिशाली और प्रसिद्ध हुआ है. मंगलेश और पुलकेशिन के गृह-कलह के अवसर पर चालुक्य वंश की शक्ति बहुत ही क्षीण हो गई थी और कीर्तिवर्मा प्रथम द्वारा विजित अनेक प्रदेश फिर से स्वतन्त्र हो गए थे. इतना ही नहीं, अनेक अन्य राजाओं ने भी चालुक्य साम्राज्य पर आक्रमण प्रारम्भ कर दिए थे. इस दशा में पुलकेशिन द्वितीय ने बहुत धीरता और शक्ति का परिचय दिया. उसने न केवल विद्रोही प्रदेशों को फिर से विजय किया, अपितु अनेक नए प्रदेशों की भी विजय की. अभिलेखीय प्रमाण के आधार प्रतीत होता है कि पल्लव वंश के शासक नरसिंहवर्मन प्रथम ने पुलकेशिन द्वितीय को परास्त कर उसकी राजधानी बादामी पर अधिकार कर लिया.

राजसिंहासन पर आरूढ़ होने के बाद पुलकेशिन द्वितीय ने मैसूर के गंग राजा, उत्तर कोंकण के मौर्य राजा और मलाबार के अनूप राजा को परास्त किया. लाटदेश (दक्षिणी गुजरात), मालवा और गुर्जरों ने भी पुलकेशिन द्वितीय के सम्मुख सिर झुकाया और इस प्रकार उत्तर दिशा में भी उसने अपनी शक्ति का विस्तार किया. इतना ही नहीं, उत्तर-पूर्व की ओर आगे बढ़कर उसने दक्षिण कौशल और कलिंग को भी परास्त किया. दक्षिण दिशा में विजय यात्रा करते हुए पुलकेशिन द्वितीय ने वेंगी (कृष्णा और गोदावरी नदियों के बीच में स्थित) के राजा को जीता, और फिर पल्लव वंश के राजा को बुरी तरह परास्त कर वह कांची (कान्जीवरम्) के समीप तक पहुँच गया. कावेरी नदी को पार कर इस प्रतापी चालुक्य राजा ने चोल, पांड्य और केरल राज्यों को अपनी अधीनता स्वीकृत करने के लिए विवश किया. इन विजयों के कारण पुलकेशिन द्वितीय विन्ध्याचल के दक्षिण के सर्म्पूण दक्षिणी भारत का अधिपति बन गया.

कन्नौज का सम्राट हर्षवर्धन, पुलकेशिन द्वितीय का समकालीन था. वह भी उत्तरी भारत में अपने साम्राज्य की स्थापना में तत्पर था. नर्मदा नदी के उत्तर के सब प्रदेश उसकी अधीनता को स्वीकृत करते थे. वस्तुतः इस समय भारत में दो ही प्रधान राजशक्तियाँ थीं, उत्तर में हर्षवर्धन और दक्षिण में पुलकेशिन द्वितीय. यह स्वाभाविक था कि उनमें संघर्ष होता. नर्मदा नदी के तट पर दक्षिणी और उत्तरी राजशक्तियों में घोर युद्ध हुआ जिसमें पुलकेशिन द्वितीय, हर्षवर्धन को परास्त करने में सफल हुआ. हर्षवर्धन के साथ संघर्ष में विजयी होकर पुलकेशिन सुदूर दक्षिण की विजय के लिए प्रवृत्त हुआ था और उसने वेंगि और कांची का परास्त करते हुए चोल, पांड्य और केरल राज्यों को भी अपने अधीन किया था. इस युग के अन्य भारतीय राजाओं के समान पुलकेशिन द्वितीय भी किसी स्थायी साम्राज्य की नींव डाल सकने में असमर्थ रहा. पल्लव आदि शक्तिशाली राजवशों के राजाओं को युद्ध में परास्त कर उन्हें वह अपना वशवर्ती बनाने में अवश्य सफल हुआ था, पर उसने उनका मूलोच्छेद नहीं किया था. इसीलिए जब पल्लवराज नरसिंह वर्मन प्रथम ने अपने राज्य की शक्ति को पुनः संगठित किया, तो वह न केवल चालुक्य राज्य की अधीनता से मुक्त हो गया, अपितु एक शक्तिशाली सेना को साथ लेकर उसने चालुक्यों के राज्य पर भी आक्रमण किया और युद्ध में पुलकेशिन को मारकर वातापी पर अधिकार कर लिया. इस युग की राजनीतिक दशा के स्पष्टीकरण के लिए इस घटना का महत्व बहुत अधिक है. जो पल्लव वंश शुरू में चालुक्यों के द्वारा बुरी तरह परास्त हुआ था, एक नए महत्वाकांक्षी राजा के नेतृत्व में वह इतना अधिक

शक्तिशाली हो गया था कि, उसने चालुक्य राज्य को जड़ से हिला दिया था. इस काल में साम्राज्यों के निर्माण और विनाश सम्राट् के वैयक्तिक शौर्य और योग्यता पर ही आश्रित थे.

अपने उत्कर्ष काल में चालुक्य साम्राज्य इतना विस्तृत और शक्तिशाली था, कि पुलकेशिन द्वितीय ने ईरान के शाह खुसरु द्वितीय के पास अपने राजदूत भेजे थे. ये दूत 652 ई. में ईरान गए थे. बदले में खुसरु द्वितीय ने भी अपने दूत पुलकेशिन की सेवा में भेजे. अजंता की गुफा संख्या 1 में एक भित्तिचित्र में फारस के दूतमण्डलम को पुलकेशिन द्वितीय के सम्मुख अपना परिचय पत्र प्रस्तुत करते हुए दिखाया गया है. चीनी यात्री ह्वेनसांग 641 ई. में उसके राज्य में आया था और उसके राज्य का भ्रमण किया था. उसने पुलकेशिन द्वितीय के शौर्य और उसके सामंतों की स्वामिभक्ति की प्रशंसा की है. किन्तु 642 ई. में इस शक्तिशाली राजा को पल्लव राजा नरसिंह वर्मन प्रथम ने एक युद्ध में पराजित कर मार डाला.

हुमायूँ

नसीरुद्दीन हुमायूँ का जन्म 1508 ई. में हुआ और 29 दिसम्बर, 1530 ई. में आगरा

में 23 साल की उम्र में सिंहासन पर बैठा. पहले मुगल सम्राट् बाबर के बेटे नसीरुद्दीन हुमायूँ का मुगल साम्राज्य की नींव में काफी योगदान है. बाबर के 4 बेटे थे. जिसमें हुमायूँ सबसे बड़ा था. बाबर ने उसे अपना उत्तराधिकारी नियुक्त किया था. बाबर की मृत्यु के पश्चात् हुमायूँ ने भारत की राजगद्दी सँभाली और राज्य का बँटवारा अपने भाइयों के बीच कर दिया, उनके सौतेले भाई कामरान मिर्ज़ा ने काबुल और लाहौर का शासन ले लिया. कामरान आगे जाकर हुमायूँ के कड़े प्रतिद्वन्दी बने. हुमायूँ का शासन अफ़गानिस्तान, पाकिस्तान और उत्तर भारत के हिस्सों में रहा. 1533 ई. में हुमायूँ ने दीनपनाह नाम के एक नए नगर की स्थापना की.

चौसा का युद्ध भारतीय इतिहास में लड़े गए महत्वपूर्ण युद्धों में से एक है, जो 26 जून, 1539 ई. को हुमायूँ और शेरशाह के बीच 'चौसा' जगह पर लड़ा गया था. चौसा के युद्ध में हुमायूँ ने कुछ गलतियाँ कीं और हार गया. हुमायूँ युद्ध क्षेत्र से भाग निकला और एक भिश्ती का सहारा लेकर किसी तरह गंगा नदी पार करके अपनी जान बचाई.

बिलग्राम का युद्ध हुमायूँ और सूर साम्राज्य के संस्थापक शेरशाह के बीच हुआ था. यह युद्ध 1540 ई. में लड़ा गया. बिलग्राम का युद्ध जीतने के बाद शेरशाह ने हुमायूँ को भारत छोड़ने के लिए विवश कर दिया था. बिलग्राम युद्ध के बाद अकबर सिंध चला गया जहाँ उसने निर्वासित जीवन जिया. निर्वासन के समय हुमायूँ ने हिंदाल के आध्यात्मिक गुरु फारसवासी शिया, मीर बाबा दोस्त उर्फ मीर अली अकबर जामी की बेटी हमीदा बानू बेगम से 29 अगस्त, 1541 ई. में निकाह हुआ.

हुमायूँ ने चार बड़े युद्ध लड़े थे–

(1) देवरा का युद्ध–1531 ई. में लड़ा गया.

(2) चौसा का युद्ध–1539 ई. में लड़ा गया.

(3) बिलग्राम–1540 और

(4) सरहिन्द का युद्ध 1555 ई. में लड़ा गया था.

हुमायूँ के बेटे का नाम जलालुद्दीन मुहम्मद अकबर था. हुमायूँ की जीवनी हुमायूँनामा है जो उनकी बहन गुलबदन बेग़म ने लिखी है. 1 जनवरी, 1556 को दीन पनाह भवन में सीढ़ियों से गिरने से हुमायूँ की मौत हो गई.

बसावन

बसावन अकबर के समय का सर्वोत्कृष्ट चित्रकार था. जिसकी ख्याति एक बेहतरीन रंगकार व मानव स्वभाव के संवेदनशाली द्रष्टा के रूप में होती थी. उसके नाम से संकेत मिलता है कि वह आधुनिक उत्तर प्रदेश की किसी 'अहीर' या 'ग्वाला' जाति से था. बसावन को चित्रकला के सभी क्षेत्रों रेखांकन, रंगों के प्रयोग, छवि-चित्रकारी, भू-दृश्यों के चित्रण में महारत प्राप्त थी. इसलिए उसे अकबर के समय का सर्वोत्कृष्ट चित्रकार माना जाता है. बसावन लगभग 1580 ई. से 1600 ई. के दौरान सर्वाधिक सक्रिय रहा. उसका नाम 100 से भी अधिक चित्राकृतियों के हाशिये पर बहुधा ऐसे रूपांकनकार के रूप में मौजूद है, जिसने अपनी कृति में एक अन्य कलाकार के साथ मिलकर रंग भरा है. उसके पुत्र मनोहर ने भी जानवरों के चित्र तथा व्यक्ति चित्र बनाने में विशेष प्रसिद्धि पाई थी. बादशाह अकबर के दरबारी इतिहासकार अबुल फ़ज़ल ने बसावन के बारे में लिखा है कि–"रूपांकन व व्यक्ति चित्र बनाने, रंग भरने और मायावी कलाकृति बनाने में विश्व में उसका कोई सानी नहीं है." बसावन स्थान-संयोजन की खोज, चमकीले रंगों की गहराई व प्रचुरता और उससे भी बढ़कर तीव्र निरीक्षण तथा संवेदनशील और मर्मस्पर्शी चित्रांकन के लिए विख्यात था. उसके थोड़े-से लघुचित्रों में, जो निश्चित ही अकेले उसके द्वारा

Read Upkar's Books For

N.D.A./C.D.S. EXAMINATIONS

Including Previous Years' Solved Papers

Upkar N.D.A. Exam. (By : Dr. H.P. Sharma & Yash Srivastava)	499/-	उपकार एन. डी. ए. सॉल्वड् पेपर्स	225/-
Upkar N.D.A. Exam. (By : Jain & Gupta)	375/-	उपकार एन.डी.ए. परीक्षा (सम्पादक मण्डल : प्रतियोगिता दर्पण)	555/-
Upkar N. D. A. Solved Papers	240/-	Upkar C.D.S. Exam. (By : Jain & Kishore)	340/-
Upkar Practice Work Book N. D. A. Exam.	260/-	Upkar C.D.S. Mathematics	180/-
उपकार एन. डी. ए. परीक्षा (लेखक : जैन एवं गुप्ता)	450/-	Upkar C.D.S. Solved Papers	225/-

UPKAR PRAKASHAN ☎ Agra 2530966 ● E-mail : care@upkar.in ● Website : www.upkar.in

बनाए गए थे, उसमें फ़ारसी कवि 'जामी' की गद्य व पद्य रचना 'बहारिस्तान' को चित्रांकन किया गया है. इनमें एक मौलवी या धार्मिक नेता द्वारा एक दरवेश को उसके अहंकार के लिए डांटते हुए दिखाया गया है. बसावन की सर्वोत्कृष्ट कृति एक दुबले-पतले घोड़े के साथ 'मजनू' का निर्जन एवं उजाड़ क्षेत्र में भटकता हुआ चित्र था. एक अन्य चित्र ब्रिटिश संग्रहालय में रखा हुआ 'दरब-नामा' (डेरियस की किताब) है. बसावन के बहुत-से चित्र जयपुर के 'रज़्मनामा' (महाभारत का फ़ारसी नाम), पटना के 'तैमूरनामा' (तैमूर की किताब), विक्टोरिया व एल्बर्ट संग्रहालय में अकबर के आधिकारिक इतिहास की प्रतिलिपि 'अकबरनामा' में हैं. बसावन द्वारा बनाए गए चित्रों में पश्चिमी प्रभाव दृष्टिगोचर नहीं होता, तथापि ऐसा प्रतीत होता है कि उसने बादशाह अकबर के दरबार में ईसाई मिशनरियों द्वारा लाए गए यूरोपीय चित्रों का बहुत-ही गहन अध्ययन किया था.

पंडिता रमाबाई

रमाबाई के पिता अनन्त शास्त्री एक समाजसुधारक थे. वे लड़कियों को पढ़ाने

के समर्थक थे. जब अनन्त शास्त्री ने अपनी पत्नी लक्ष्मीबाई को संस्कृत पढ़ाना चाहा तब भी उन्हें समाज का विरोध सहना पड़ा. ब्राह्मणवादी समाज में रहते हुए एक महिला का संस्कृत पढ़ना पुरुषों की सत्ता पर हमला था. इस वजह से अनन्त शास्त्री को उनके परिवार के साथ गाँव से बाहर निकाल दिया गया. शास्त्री को जंगल में जाकर रहना पड़ा. उन्हीं हालात में रमाबाई का जन्म हुआ. 1877 में अकाल के कारण रमाबाई के पिता, माता और उनकी छोटी बहन का देहान्त हो गया. अब परिवार में केवल रमाबाई और उनके भाई ही रह गए थे.

रमाबाई का बचपन का नाम रमा डोंगरे था. उनके संस्कृत ज्ञान की वजह से उनके नाम के आगे पंडिता लगा. उन्हें संस्कृत और वेदों का अच्छा ज्ञान था. पिता की मृत्यु के बाद वे अपने भाई के साथ कलकत्ता गईं. वहाँ उन्हें पंडितों ने भाषण देने के लिए आमन्त्रित किया था. 1878 में कलकत्ता विश्वविद्यालय में उन्हें पंडिता और सरस्वती की उपाधि दी गई. 1880 में भाई की मृत्यु के बाद रमाबाई ने बिपिन बिहारी मेधवी से शादी कर ली. बिपिन पेशे से वकील थे. दोनों पति-पत्नी ने बाल विधवाओं के लिए विद्यालय खोलने की योजना बनाई थी, पर 1882 में उनके पति की मृत्यु हो गई. पति की मृत्यु के बाद भी रमाबाई ने जिंदगी से हार नहीं मानी. पुणे आकर उन्होंने आर्य महिला समाज की स्थापना की. अपनी पहली मराठी किताब 'स्त्री-धर्मनीति' (1882) में उन्होंने गृहिणी और पत्नी के कर्तव्यों की बात मानते हुए भी स्त्रियों के हक की बात उठाई थी. वे बाद में मिशनरी गतिविधियों में भी शामिल हुईं. उनका इसाई धर्म में विश्वास अधिक बढ़ता जा रहा था और उन्होंने इसाई धर्म को अपना लिया. 1882 में भारत सरकार ने शिक्षा में जाँच के लिए एक आयोग गठित किया था, तब रमाबाई ने उसमें सक्रिय भागीदारी निभाई. उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा शिक्षिकाओं के होने की माँग की. बम्बई में 20 लड़कियों के साथ शारदा सदन की शुरूआत की. इसके अलावा उन्होंने चिकित्सा के क्षेत्र में भी महिलाओं की भागीदारी की माँग की. उन्होंने कहा कि ऐसी बहुत-सी परेशानियाँ महिलाओं को होती हैं, जिनके लिए महिला डॉक्टर का होना जरूरी है. उनकी ये बातें रानी विक्टोरिया तक पहुँची.

रमाबाई ने बचपन से ही ब्राह्मणवादी पितृसत्ता को झेला था, इसलिए उन्होंने अपने जीवन के आगे के वर्षों में इससे लड़ती रहीं. देश-विदेश में भ्रमण के दौरान उन्होंने 'द हाई कास्ट हिन्दू वूमेन' किताब लिखी. इस किताब में महाराष्ट्र में ब्राह्मणवादी पितृसत्ता पर प्रकाश डाला गया था. इसमें उन्होंने हिन्दू महिलाओं की समस्याएँ बताईं. बाल-विवाह, विधवा-विवाह और हिन्दू महिलाओं के साथ होने वाले अत्याचारों के बारे में भी इस किताब में लिखा. पंडिता रमाबाई मुक्ति मिशन आज भी सक्रिय है. 'समुदाय सेवा के लिए 1919 में ब्रिटिश सरकार ने उन्हें कैसर-ए-हिन्द पदक से सम्मानित किया.

राजकुमारी अमृत कौर

राजकुमारी अमृतकौर का जन्म 2 फरवरी, 1889 में नवाबों के शहर लखनऊ

में हुआ था. उनका ताल्लुक कपूरथला, पंजाब, के राजघराने से था. देश के विभाजन से पूर्व अमृत कौर अन्तरिम सरकार में केन्द्रीय मन्त्री थीं.

1951-52 में पहले लोक सभा चुनाव में कुल 24 महिलाएँ चुनाव जीतकर आईं उनमें राजकुमारी अमृत कौर भी थीं. सादगी भरी राजनीति उनकी खास पहचान थी. गांधीवादी, स्वतन्त्रता सेनानी राजकुमारी अमृत कौर को पंडित जवाहर लाल नेहरू ने अपने मन्त्रिमण्डल में स्वास्थ्य मन्त्री बनाया. वह हिमाचल प्रदेश के मण्डी-महासू लोक सभा सीट से कांग्रेस के टिकट पर जीती थीं. अमृत कौर पंजाब के कपूरथला के राजा हरनाम सिंह की बेटी थीं.

राजकुमारी अमृत कौर अपने सात भाइयों की एकमात्र बहन थीं. राजकुमारी इंगलैण्ड में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से एमए पास कर भारत लौटीं और 1930 में स्वतन्त्रता आन्दोलन में शामिल हो गईं. महलों में पली-बढ़ी अमृत कौर ने महात्मा गांधी के प्रभाव में आने के बाद सादगी भरा जीवन अपना लिया. 1934 से वे बापू के आश्रम में जाकर रहने लगी थीं. उन्होंने लम्बे समय तक बापू के सचिव के तौर पर भी काम किया.

स्वास्थ्य मन्त्री के तौर पर उन्होंने देश में मलेरिया खत्म करने के लिए अभियान चलाया. तब एशियाई देशों में मलेरिया बड़ी जानलेवा बीमारी थी. 1952 में बाल कल्याण के लिए इंडियन काउंसिल ऑफ चाइल्ड वेलफेयर की स्थापना की गई. वे टीबी एसोसिएशन ऑफ इंडिया और हिन्द कुष्ठ निवारण संघ की आरम्भ से अध्यक्ष रहीं. नेशनल स्पोर्ट्स क्लब ऑफ इंडिया की स्थापना उन्होंने की थी. टेनिस खेलने का उन्हें खूब शौक था. ब्रिटेन में वह अपने स्कूल की हेड गर्ल थी. वह स्कूल में हॉकी की कप्तान भी थीं. उनका निधन 2 अक्टूबर, 1964 को दिल्ली में हुआ. ●●●

आर्थिक लेख

भारत में समावेशी विकास तथा वित्तीय समावेशन : एक मूल्यांकन

✍ शंकर प्रसाद तिवारी (विनय)

क्या है समावेशी विकास ?

- समावेशी विकास से तात्पर्य है. "समाज के सभी वर्गों तथा लोगों का समग्र व सर्वांगीण सामाजिक आर्थिक विकास", यह एक ऐसी संकल्पना है जिसके द्वारा मुख्यतः सामाजिक आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के लोगों को विकास की मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया जाता है.
- समावेशी विकास अर्थव्यवस्था, पूँजी, रोजगार एवं संसाधनों के विकेन्द्रीकरण तथा विकास के वितरणात्मक पहलू से सम्बन्धित है दरअसल समावेशी विकास के दार्शनिक, सैद्धान्तिक तथा व्यावहारिक पहलू का यही सार रूप है कि–"अर्थव्यवस्था से जुड़े तकरीबन सभी क्षेत्र अपेक्षित व सन्तुलित गति से विकास करें तथा इनका लाभ देश के प्रत्येक नागरिक को मिले.

समावेशी विकास के लक्ष्य प्राप्ति के आवश्यक पहलू

भारत में 'समावेशी विकास' की अवधारणा मुख्यतः 11वीं पंचवर्षीय योजना (वर्ष 2007–12) के दौरान चर्चा में आई, इस दौरान समावेशी विकास के लक्ष्य को हासिल करने के लिए मुख्यतः तीन आवश्यक पहलू निर्धारित किए गए–

(1) ऊँची आर्थिक विकास दर को बनाए रखना,

(2) अर्थव्यवस्था में आर्थिक विकास से उत्पन्न लाभ का समान वितरण तथा

(3) वित्तीय समावेशन

समावेशी विकास के लिए प्रमुख उपाय

- अर्थव्यवस्था से जुड़े सभी क्षेत्रों के सन्तुलित विकास के लिए प्रयास करना.
- पूँजी, शासन-प्रशासन, शक्ति व संसाधनों के विकेन्द्रीकरण के लिए प्रभावी कार्ययोजना का क्रियान्वयन्.
- पारम्परिक सूक्ष्म-लघु व मझोले उद्यमों/व्यवसायों (MSMEs) को पुनर्जीवित करना, उन्हें विशेष रियायतें-पूँजी-प्रोत्साहन-प्रशिक्षण तथा अत्याधुनिक तकनीकें उपलब्ध कराना ताकि वे बाजारी प्रतिस्पर्धा में टिके रहें और आगे बढ़े.
- पारम्परिक तथा आधुनिक उद्यमों / व्यवसायों के पूरक रूप में परस्पर उन्नयन के प्रयास.
- रोजगार, व्यवसाय तथा उद्यमों का विकेन्द्रीकरण.
- बुनियादी सेवाओं तथा सुविधाओं (जैसे–पानी, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, परिवहन, संचार तथा खाद्य व पोषण सुविधाएं आदि) का विकास व विस्तार तथा प्रत्येक नागरिक तक इनकी पहुँच सुनिश्चित करना.
- कृषि क्षेत्र में ढाँचागत सुधार तथा कृषि आधारित पारम्परिक एवं आधुनिक उद्यमों/व्यवसायों के समुचित विकास को बढ़ावा देकर इस क्षेत्र में नए-पुराने रोजगारों में वृद्धि.
- पारम्परिक ज्ञान एवं तकनीकों का संरक्षण व संवर्धन.
- पारम्परिक तथा अत्याधुनिक ज्ञान एवं प्रौद्योगिकियों में उचित समन्वय करके प्रभावी शिक्षण-प्रशिक्षण ढाँचे का विकास.
- सामाजिक-आर्थिक रूप से समाज के पिछड़े वर्ग के लोगों के समग्र सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिए विशेष प्रयास.
- श्रम-शक्ति को उनकी अभिरुचि के अनुसार उचित शिक्षण-प्रशिक्षण रोजगार एवं कौशल विकास सुविधाएं मुहैया करवाना.
- नागरिकों को सरकारी कामकाजों, नीतियों एवं कार्यक्रमों के प्रति जागरूक करना तथा उनके अनुसार अपने कर्तव्यों एवं अधिकारों के प्रति सजग करना (दूसरे शब्दों में कहें, तो शासन-प्रशासन की कार्यनीतियों के नियमन-संचालन से लेकर संशोधन-मूल्यांकन तक में आम आदमी की अधिकाधिक भागीदारी बढ़ाना.
- अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक, निर्धन तथा अन्य पिछड़े वर्ग एवं महिलाओं की रोजगार, व्यवसाय, उद्यमों तथा प्रशासनिक कार्यों में भागीदारी बढ़ाना.

समावेशी विकास के मापदण्ड

(i) अगर निचले व पिछड़े वर्गों तथा अल्पसंख्यकों की प्रतिव्यक्ति आय में सतत् रूप से नियमित प्रगति हो रही हो, तो ये समावेशी विकास का सूचक है.

(ii) देश के दूरदराज के कस्बाई व ग्रामीण क्षेत्रों, अल्पसंख्यक गरीब व पिछड़े वर्गों तथा महिलाओं तक अगर प्राथमिक स्तर की बुनियादी सुविधाओं तथा सेवाओं की पहुँच लगातार बढ़ रही है और बुनियादी सेवाओं एवं सुविधाओं का अगर राष्ट्रव्यापी स्तर पर बेहतर विकास, विस्तार तथा संचालन हो रहा हो, तो इसे समावेशी विकास की ओर बढ़ते कदमों के रूप में देखा जाता है.

(iii) राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर जारी होने वाले "मानव विकास सूचकांक" (HDI) सहित कई अन्य सामाजिक-आर्थिक विकास सूचकांकों, रिपोर्टों अथवा संकेतकों में अगर किसी देश की स्थिति में वर्ष-दर-वर्ष लगातार सुधार हो रहा हो, तो यह भी देश की बेहतर होती समावेशी विकास की स्थिति को दर्शाता है.

(iv) अर्थव्यवस्था के तकरीवन सभी क्षेत्रों में अगर देश लगातार बेहतर गति से आगे बढ़ रहा है, रोजगार, उद्यमों व व्यवसायों के नए-पुराने अवसरों में लगातार वृद्धि हो रही हो तथा सत्ता, शक्ति, पूँजी तथा संसाधनों का विकेन्द्रीकरण बढ़ रहा हो, तो ऐसी स्थिति बेहतर समावेशी विकास को प्रदर्शित करती है.

वित्तीय समावेशन (Financial Inclusion)

- वित्तीय समावेशन, समावेशी विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति में आवश्यक समझे जाने वाले तीन प्रमुख कारकों में से एक है, रिजर्व बैंक की माने तो वित्तीय समावेशन का अर्थ है "कम आय वाले निर्धन लोगों तथा कमजोर व पिछड़े वर्गों, जिनकी कि सामान्य बैंकिंग प्रणाली में बेहद कम या नहीं के बराबर भागीदारी है, उन्हें वहनीय लागत पर बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराना".
- बैंकिंग सेवाओं से वंचित देश के दूरदराज के ग्रामीण व कस्बाई क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं का विकास व विस्तार करना, ताकि वहाँ के लोगों को ऊँची ब्याज दरों तथा मनमानी शर्तों पर महाजनों एवं साहूकारों के ऋण जालों से मुक्ति दिलाई जा सके.
- लोगों में बैंकिंग सेवाओं तथा बैंकिंग कार्यप्रणाली/कार्य नीतियों के बारे में अधिकाधिक जानकारी व जागरूकता फैलाना तथा उन्हें बैंकिंग प्रणाली से जुड़ने तथा खाता खोलने के लिए प्रेरित करना, इस प्रकार निष्कर्षतः वित्तीय समावेशन के चार प्रमुख कार्य/उपाय माने जा सकते हैं–

  (i) वंचित तथा पिछड़े क्षेत्र में बैंकिंग सेवाओं का विकास.

  (ii) अधिकाधिक लोगों को बैंकिंग सेवा/कार्यप्रणाली से परिचित तथा जागरूक कराना.

  (iii) अधिकाधिक लोगों को बैंकों में खाता खोलने के लिए प्रेरित करना तथा

  (iv) गरीब पिछड़े व वंचित क्षेत्रों में वहनीय व न्यूनतम लागत पर ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराना.

वित्तीय समावेशन पर गठित मोर समिति की प्रमुख अनुशंसाएं

सूक्ष्म या छोटे स्तर के व्यापारी, व्यवसायी, उद्यमी एवं अन्य निम्न आय वाले परिवारों तक बैंकिंग व वित्तीय सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित करने की दिशा में प्रमुख सुझाव प्रेषित करने के उद्देश्य से सितम्बर 2013 में भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा 'नचिकेत मोर' की अध्यक्षता वाली एक समिति का गठन किया गया, समिति द्वारा सुझाए गए प्रमुख सुझाव निम्नवत् हैं–

(i) 1 जनवरी, 2016 तक 18 वर्ष से अधिक उम्र वाले प्रत्येक भारतीय नागरिक के पास अनिवार्य रूप से अपना बैंक खाता होना चाहिए, जिसे "यूनिवर्सल इलेक्ट्रॉनिक बैंक अकाउंट" (UEBA) कहा जाएगा.

(ii) बैंक खाता की अधिकता के हिसाब में "आधार" को खाता खुलवाने में प्राथमिक दस्तावेज के रूप में उपयोग करना चाहिए.

(iii) प्राथमिक क्षेत्र को ऋण देने की सीमा को 40% से बढ़ाकर 50% कर देना चाहिए.

(iv) "सांविधिक तरलता अनुपात" (SLR) को समाप्त करना चाहिए.

(v) "नगद आरक्षित अनुपात" (CRR) की बाध्यता को और अधिक सरल या उदार करना चाहिए.

- यद्यपि भारत में वर्ष 2005 के बाद वित्तीय समावेशन की प्रक्रिया में अधिक सक्रियता देखने को मिली, जब सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने अपनी बैंकिंग शाखाओं तथा सेवाओं का विकास व विस्तार ग्रामीण व छोटे-बड़े कस्बाई क्षेत्रों में करना शुरू किया, मगर इससे पूर्व भी बैंकों का राष्ट्रीयकरण, प्राथमिक क्षेत्र ऋणदान कार्यक्रम तथा स्वयं सहायता समूहों (SHG) का गठन भी लोगों की वित्तीय समावेशन की दिशा में उठाए गए प्रारम्भिक कदम ही थे, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, जन-धन योजना, सूक्ष्म वित्त योजना, अटल पेंशन योजना, मुद्रा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, शून्य बैलेंस सुविधा, प्रधानमन्त्री गरीब कल्याण योजना तथा किसान ऋण-माफी जैसी तमाम मौजूदा योजनाएं, अभियान या कार्यक्रम वित्तीय समावेशन के द्वितीय चरण में उठाए गए महत्व-पूर्ण कदम हैं.

वित्तीय समावेशन की दिशा में किए गए कुछ प्रमुख नीतिगत प्रयास

(i) **शून्य बैलेंस सुविधा** (Zero Balance Facility)–रिजर्व बैंक द्वारा वित्तीय सेवाओं की पहुँच वंचित, पिछड़े व गरीब वर्गों तक सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रत्येक प्रकार के बैंकों को यह निर्देश दिया गया है कि वे बिना न्यूनतम बैलेंस (जैसे कि पूर्व में लागू व्यवस्था थी) की अनिवार्यता के लोगों को बैंक खाते उपलब्ध कराएं, इस सुविधा के बाद बैंक खातों की संख्या में काफी बढ़ोतरी देखने को मिली है, शून्य बैलेंस सुविधा को वर्ष 2013 से पूर्व 'नो फिल अकाउण्ट' कहा जाता था, मगर अब इसे 'बुनियादी बचत बैंक जमा खाता कहा जाता है, यही नहीं इन खातों के साथ बिना कोई अतिरिक्त शुल्क के एटीएम कार्ड सुविधा भी प्रदान की गई है.

(ii) **भाषा की बाध्यता समाप्त करना** (Overcoming Language Barrier)–भारतीय राजकीय या प्रशासकीय कार्यों में अंग्रेजी तथा हिन्दी भाषा में कार्य किया जाता है, मगर भारत में भाषाई विविधता को देखते हुए बैंकिंग प्रणाली में अब इस प्रकार की बाध्यता खत्म कर दी गई है और अब बैंकों द्वारा क्षेत्रीय भाषाओं में भी खाता खोलने सम्बन्धी फॉर्म बनवाए और भरवाए जा रहे हैं.

(iii) **ग्रामीण मध्यवर्ती संस्थाएं** (Rural Intermediaries)–वर्ष 2006 में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा गैर-सरकारी संगठन तथा स्वयं सहायता समूह (SHGs) सूक्ष्म वित्तीय संस्थाएं (MFI) तथा अन्य सिविल सोसाइटी संगठनों को ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापारिक या व्यावसायिक मध्यवर्ती संस्थाओं के रूप में नियुक्ति से सम्बन्धित आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए थे, इस दिशा में अभी कार्य योजना तैयार की जा रही है इनकी नियुक्ति "व्यापारिक सुविधा प्रदाता" (Business Correspondents) के रूप में की जाएगी, सुविधाप्रदाता वित्तीय उत्पादों से सम्बन्धित शिक्षण-प्रशिक्षण व जागरूकता देने का काम करेंगे तथा बैंक की ओर से आवश्यक दस्तावेज एकत्रित करेंगे, साथ ये मध्यस्थ या सम्पर्की संस्थाएं बैंक की तरफ से जमा संग्रह तथा ऋण देने का कार्य भी करेंगे.

वित्तीय समावेशन पर दीपक मोहंती समिति के सुझाव

28 दिसम्बर, 2015 को रिजर्व बैंक द्वारा वित्तीय समावेशन पर गठित "दीपक मोहंती समिति" की रिपोर्ट को सार्वजनिक कर दिया गया, गौरतलब है कि रिजर्व बैंक द्वारा वित्तीय समावेशन को लेकर आवश्यक सुझाव प्रेषित करने के लिए 15 जुलाई, 2015 को एक समिति का गठन किया गया था, इस समिति द्वारा दिए गए प्रमुख सुझाव निम्नलिखित हैं–

- *बैंकों को महिलाओं तथा सामाजिक आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों को बैंक में खाता खोलने को बढ़ावा देने तथा बैंकिंग प्रणाली का अधिकाधिक लाभ देने के लिए विशेष प्रयास किए जाने चाहिए.*
- *व्यक्तिगत खाताधारण के प्रभाव (कुल ऋण खातों का 94%) को देखते हुए आधार जैसी विशिष्ट बायोमीट्रिक अभिज्ञापक प्रत्येक व्यक्तिगत ऋण खाते और ऋण सूचना कम्पनियों के साथ शेयर की गई सूचना के साथ जोड़ा जाना चाहिए ताकि ऋण प्रणाली की स्थिरता सुनिश्चित हो सके तथा पहुँच में सुधार किया जा सके.*

(iv) **इलेक्ट्रॉनिक बैंक ट्रांस्फर सुविधा**–सरकार द्वारा चलाए जा रहे सामाजिक-आर्थिक विकास कार्यक्रमों के लाभार्थियों के लिए अब राशि प्रत्यक्षतः उनके बैंक खातों में ट्रांस्फर की जा रही है, इससे प्रशासनिक गतिशीलता तथा पारदर्शिता बढ़ती है तथा आम जनमानस के स्वास्थ्य, शिक्षा तथा जीवन स्तर में सुधार होता है.

- प्रमुख वैश्विक संस्थाओं की तर्ज पर भारत में भी वर्ष 2010 से 'मानव

विकास रिपोर्ट' में "बहुआयामी निर्धनता सूचकांक" (Multi Dimensional Poverty Index) का प्रकाशन किया जा रहा है, जिसमें जीवन जीने के लिए आवश्यक वस्तुओं को मानक बनाया गया है.

(v) **सलाहकार समिति का गठन**–भारत में वित्तीय समावेशन पर आवश्यक सुझाव देने तथा वित्तीय समावेशन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए रिजर्व बैंक द्वारा एक "वित्तीय समावेशन सलाहकार समिति" का गठन किया गया है.

(vi) **वित्तीय साक्षरता केन्द्रों की स्थापना**–वित्तीय सेवाओं एवं सुविधाओं के सम्बन्ध में जागरूकता पैदा करने के लिए सरकार द्वारा वित्तीय साक्षरता केन्द्रों की स्थापना की गई है. दिसम्बर 2013 तक इस प्रकार के 896 तथा दिसम्बर 2016 तक 1462 वित्तीय साक्षरता केन्द्रों की स्थापना की जा चुकी थी, जिनके माध्यम से तकरीबन 1·2 करोड़ लोगों को वित्तीय रूप से साक्षर बनाया गया है.

(vii) **केवाईसी (व्यक्तिगत पहचान सम्बन्धी दस्तावेज) मानकों का सरलीकरण**–गाँवों में अभी साक्षरता एवं जागरूकता का काफी अभाव है तथा अधिकांश ग्रामीणों के पास बैंक खाता खोलने तथा केवाईसी मानकों के अनुपालन के लिए आवश्यक सभी प्रकार के पहचान सम्बन्धी या अन्य दस्तावेज नहीं होते हैं इसलिए अब बैंकों में ₹ 50,000 तक रखने के इच्छुक लोगों के मामले में खाता खोलने की प्रक्रिया काफी सरल बना दी गई है.

(viii) **राष्ट्रीय योजनाएं**–वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा कुछ राष्ट्रव्यापी योजनाएं क्रियान्वित की गई हैं, जिनमें प्रमुख हैं–(1) जन-धन योजना, (2) अटल पेंशन योजना तथा (3) प्रधानमन्त्री गरीब कल्याण योजना प्रधानमन्त्री जन-धन योजना का आरम्भ 28 अगस्त, 2014 से किया गया था और इसका मूल उद्देश्य सभी लोगों के बैंक खाते न्यूनतम जीरो बैलेंस पर खुलवाने और उन्हें बीमा तथा डेबिट कार्ड जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराना था, इसी प्रकार 18 से 40 वर्ष तक के, असंगठित क्षेत्र में कार्यरत्, लोगों को एक निश्चित मासिक जमा राशि पर 60 साल के बाद एक निश्चित पेंशन राशि (₹ 1000 से 5000 तक) उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मई 2015 से "अटल पेंशन योजना" की घोषणा की गई थी, अब इस पेंशन योजना को न सिर्फ अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दिया गया है, बल्कि इसमें आयु सीमा भी 5 वर्ष बढ़ा दी गई हैं, इसी क्रम में 17 दिसम्बर, 2016 से 31 मार्च, 2017 तक स्वयं के काले धन का खुलासा करने पर कुछ विशेष सरकारी रियायतें वाली "प्रधानमन्त्री गरीब कल्याण योजना" शुरू की गई थी. इसी प्रकार वित्तीय समावेशन तथा समावेशी विकास पर आधारित मौजूदा सरकार की अन्य योजनाएं मनरेगा (महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम) मुद्रा योजना, आयुष्मान भारत योजना, स्टार्ट अप इंडिया योजना, स्टैण्ड अप योजना, स्वाभिमान भारत कार्यक्रम इत्यादि.

(ix) **सूक्ष्मवित्त के विकास की दिशा में उठाए गए प्रमुख कदम**–सूक्ष्मवित्त संस्था मॉडल कई नियामकों तथा प्रमुख हितधारकों के साथ मिलकर काम करता है तथा ग्रामीण शहरी तथा कस्बाई क्षेत्र के गरीब या कम आय वाले लोगों को सूक्ष्म ऋण एवं वित्तीय सुविधाएं उपलब्ध कराता है.

- सिडबी (SIDBI) द्वारा सूक्ष्म वित्त के विकास के लिए ₹ 100 करोड़ के "इंडिया माइक्रो फाइनेंस इक्विटी फंड" की स्थापना की गई है, इसी प्रकार महिलाओं के सशक्तीकरण की दिशा में कदम उठाते हुए ₹ 500 करोड़ के "महिला स्वयं सहायता समूह विकास कोष" की स्थापना की गई है.

वित्तीय समावेशन को गतिशीलता प्रदान करने के उपाय

(i) वित्तीय एवं बैंकिंग सेवाओं एवं सुविधाओं का विकास व विस्तार देश के सभी भागों तक किया जाना चाहिए तथा यह कोशिश की जानी चाहिए कि प्रत्येक भारतीय नागरिक का अपना बैंक खाता हो.

(ii) सामाजिक तथा आर्थिक रूप से पिछड़े व गरीब तबकों को बैंकिंग व वित्तीय सेवाओं से आवश्यक रूप से जोड़ने के लिए नीति-नियमों को सरल, सुलभ तथा उदार बनाने के प्रयास किए जाने चाहिए.

(iii) सामान्य साक्षरता के साथ-साथ आम जनमानस में विभिन्न माध्यमों से वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने के भी सक्रिय प्रयास किए जाने चाहिए.

(iv) बैंकिंग तथा वित्तीय सेवाओं के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न स्तरों पर कुछ विशेष प्रयास किए जाने चाहिए.

(v) वित्तीय व बैंकिंग क्षेत्र में प्रभावी नीतियाँ बनाने के लिए केन्द्र तथा राज्य सरकारों, छोटी-बड़ी बैंकिंग व वित्तीय संस्थाओं, भारतीय रिजर्व बैंक, सूक्ष्म वित्त संस्थाओं, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों, सरकारी व गैर-सरकारी वित्तीय संस्थाओं, बुद्धिजीवियों, अर्थशास्त्रियों तथा वित्त विशेषज्ञों को परस्पर समन्वय, सहयोग व सहभागिता के साथ काम करना चाहिए.

(vi) केन्द्र तथा राज्य सरकारों द्वारा "प्रत्यक्ष लाभ अन्तरण" (DBT) सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जाना चाहिए.

(vii) आर्थिक रूप से कमजोर, गरीब या कम आय वाले परिवारों की पहचान की जानी चाहिए एवं उन्हें उदार नीतियाँ बनाकर वित्तीय व बैंकिंग सेवाओं का लाभ दिया जाना चाहिए.

(viii) बैंकिंग एवं वित्तीय प्रणाली में पारदर्शिता लाने तथा भ्रष्टाचार समाप्त करने के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रभावी नीतिगत तथा विधायी प्रावधान बनाए जाने चाहिए.

(ix) क्षेत्र विशेष या ग्राहकों की आवश्यकता या सुविधानुसार ही बैंक उत्पाद निर्गत किए जाएं.

(x) बैंकिंग व वित्तीय शिक्षा को स्कूली, विद्यालयी एवं विश्वविद्यालयी पाठ्यक्रम में विशेष रूप से शामिल किया जाए.

(xi) बैंकों से जुड़ी तमाम ऑन लाइन तथा एटीएम कार्ड जैसी सुविधाएं दूरदराज के ग्रामीण एवं कस्बाई क्षेत्रों में भी दी जानी चाहिए तथा लोगों को इस प्रकार की सूचना व संचार आधारित सेवाओं के संचालन के लिए प्रेरित-प्रोत्साहित तथा शिक्षित-प्रशिक्षित किया जाए.

●●●

प्रगति लेख

विज्ञान और आर्थिक विकास

✍ डॉ. विजय सिंह राघव

आर्थिक विकास का आशय

सामान्य शब्दों में देशों, क्षेत्रों एवं व्यक्तियों की आर्थिक समृद्धि को आर्थिक विकास कहते हैं. नीति निर्माण की दृष्टि से आर्थिक विकास उन सभी प्रयत्नों को कहते हैं जिनका लक्ष्य किसी जन समुदाय की आर्थिक स्थिति व जीवन स्तर में सुधार के लिए अपनाए जाते हैं. कुछ अर्थशास्त्रियों ने आर्थिक विकास (इकनॉमिक डेवलपमेन्ट), आर्थिक प्रगति (इकनॉमिक ग्रोथ) और दीर्घकालीन परिवर्तन (सेक्युलर डेवलपमेंट) की अलग-अलग परिभाषाएँ दी हैं. किन्तु कुछ अर्थशास्त्रियों (मायर और बोल्डविन) ने तीनों शब्द समूहों को एक ही अर्थ में प्रयुक्त किया है उनके शब्दों में "आर्थिक विकास एक प्रक्रिया है जिसके द्वारा किसी अर्थव्यवस्था की राष्ट्रीय आय में दीर्घकालीन वृद्धि होती है."

साधारण बोलचाल की भाषा में तो आर्थिक समृद्धि और आर्थिक विकास इन दोनों शब्दों को एक ही अर्थ में प्रयुक्त किया जाता रहा है, लेकिन असलियत यह है कि आर्थिक विकास, आर्थिक समृद्धि से थोड़ा विस्तृत है. ऐसा कुछ अर्थशास्त्री (प्रो. किन्डलबर्जर) मानते भी हैं उनके शब्दों में "आर्थिक समृद्धि से तात्पर्य अधिक उत्पादन से है जबकि आर्थिक विकास से तात्पर्य अधिक उत्पादन के साथ-साथ तकनीकी एवं संस्थागत व्यवस्थाओं में परिवर्तन से है." इस प्रकार आर्थिक समृद्धि की तुलना में आर्थिक विकास एक विस्तृत अवधारणा है.

क्या विकास को संख्यात्मक रूप से मापा जा सकता है? इसका उत्तर है हाँ. अर्थशास्त्रियों ने इसके दो सूचक-आर्थिक सूचक और गैर-आर्थिक सूचक, बताए हैं. पहले सूचक-आर्थिक सूचक में आते हैं– सकल घरेलू उत्पाद, प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद, प्रति व्यक्ति उपभोग, न्यायपूर्ण वितरण, कुल जनसंख्या में निर्धन वर्ग का प्रतिशत कम होना. दूसरे सूचक-गैर-आर्थिक सूचक में आते हैं–जीवन प्रत्याशा, कैलोरी-युक्त भोजन, शिशु मृत्युदर, विद्यालयों में प्राथमिक कक्षाओं में भर्ती की संख्या, आवास, पोषण, स्वास्थ्य तथा ऐसे ही अन्य वे सब चीजें जो मनुष्य की मूलभूत आवश्यकताओं से सम्बन्ध रखती हैं.

क्या समृद्धि को भी आर्थिक विकास की तरह संख्यात्मक रूप से मापा जा सकता है. इसका उत्तर भी है हाँ. कुछ अर्थशास्त्रियों ने (विशेषकर कुजनेटस ने) इसके सात संकेतक बताए हैं. वे हैं–1. प्रति व्यक्ति आय में तीव्र दर से वृद्धि 2. उत्पादकता की ऊँची वृद्धि दर 3. संरचनात्मक परिवर्तन की ऊँची दर 4. शहरीकरण और औद्योगिकीकरण 5. तीव्र सामाजिक एवं वैचारिक परिवर्तन 6. आधुनिक देशों का बाहर की ओर देखने का दृष्टिकोण 7. भौतिक और मानवीय पूँजी का अन्तर्राष्ट्रीय प्रवाह.

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की मानव विकास सूचकांक–2018 रिपोर्ट, 14 सितम्बर, 2018 को जारी हुई थी. यह रिपोर्ट इस बात का संकेत देती है कि भारत में आर्थिक विकास हो रहा है. इस रिपोर्ट में वर्ष 2017 के दौरान सभी देशों की प्रति व्यक्ति आय, जीवन प्रत्याशा और औसत स्कूली शिक्षा के आधार पर रैंकिंग दी गई है. इस साल (2018) मानव विकास सूचकांक पर भारत का स्कोर 0·640 रहा है, जबकि पूर्व वर्ष (2017) की रिपोर्ट में यह स्कोर 0·624 था और भारत 188 देशों की सूची में 131वें स्थान पर था. रिपोर्ट के मुताबिक 1990 से 2017 के दौरान मानव विकास सूचकांक पर भारत का स्कोर 0·427 से बढ़कर 0·640 हुआ है. इस तरह इसमें लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. संकेत है कि देश में करोड़ों लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है. 1990 से 2017 की अवधि में भारत की जीवन प्रत्याशा लगभग 11 साल बढ़ी है. इसी तरह स्कूली शिक्षा के मामलों में भी स्थिति सुधरी है, जबकि भारत की प्रति व्यक्ति आय में इस अवधि (1990 से 2017 की अवधि) में भारी भरकम 266 प्रतिशत की वृद्धि हुई है.

विज्ञान और आर्थिक विकास का नजदीकी सम्बन्ध

विज्ञान समाज के जीवन को सरल बनाता है. जीवन में आने वाली अलग-अलग तरह की बाधाओं को हल करने और समस्याओं का समाधान करने में सहायक होता है. ऐसा करके विज्ञान राष्ट्र के विकास का आधार बनता है. विज्ञान का आर्थिक विकास से नजदीकी सम्बन्ध है.

भारत के सर्वश्रेष्ठ अभियन्ताओं में से एक मोक्षगुंडम विश्वेशरैया ने विज्ञान कांग्रेस के अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा था– "विज्ञान में उन्नति दरअसल राष्ट्र के विकास का एक आधार होता है. यह बात अकल्पनीय है कि कोई भी देश यदि विज्ञान में पीछे है और दैनिक जीवन के उद्देश्यों में इसे नहीं अपनाया गया है तब तक देश प्रगति की उम्मीद नहीं कर सकता. आज हम विज्ञान के आगोश में हैं और अस्तित्व के संघर्ष में विज्ञान के बिना सफलता नहीं मिल सकती और वहीं कोई सभ्यता भी इसके बगैर प्रगति नहीं कर सकती."

विज्ञान की प्रगति का हमारे आर्थिक विकास से नजदीकी सम्बन्ध है. सभी लोग इस बात को स्वीकार करते हैं कि वैज्ञानिक एवं तकनीकी ज्ञान के विकास का देश पर सीधा प्रभाव पड़ता है. इससे कृषि क्षेत्र, औद्योगिक क्षेत्र तथा सेवा क्षेत्र में प्रगति होती है जिससे राष्ट्रीय आय बढ़ती है. राष्ट्रीय आय बढ़ने से प्रति व्यक्ति आय बढ़ती है जिससे निर्धनता पर अंकुश लगता है और लोगों के जीवन स्तर को उन्नत करने में सहायता मिलती है. राबर्ट एम सोलोव ने भी अपने प्रकाशित एक शोध पत्र में उद्घाटित किया था कि अमरीका में राष्ट्रीय आय में होने वाली वृद्धि में सर्वाधिक योगदान तकनीकी परिवर्तनों का है.

जैसे-जैसे वैज्ञानिक एवं तकनीकी विकास होता है वैसे-वैसे ऊर्जा के क्षेत्रों में भी प्रगति होती है और ऊर्जा की प्रगति से औद्योगिक विकास के रास्ते खुलते हैं. इससे अर्थव्यवस्था सशक्त होती है. अर्थव्यवस्था को मजबूत स्थिति प्रदान करने के लिए ऊर्जा आपूर्ति अत्यन्त आवश्यक है. इस आपूर्ति की पूर्ति हेतु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ने नाभिकीय ऊर्जा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. विज्ञान और प्रौद्योगिकी के बल पर ही ऊर्जा के अनवीनीकृत स्रोत और नवीनीकृत स्रोत विकसित हुए हैं जो औद्योगिक प्रगति में बड़े सहायक हुए हैं जिससे आर्थिक विकास तीव्र हुआ है और राष्ट्रीय आय तथा प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि हुई है और लोगों का जीवन स्तर उन्नत हुआ है.

विज्ञान और प्रौद्योगिकी के बल पर ही मानव को अन्तरिक्ष तक पहुँचने में भी मदद मिली है. इससे यह अनुमान लगाया जा सकता है कि वह दिन दूर नहीं जब मानव आन्तरिक्ष में अपनी बस्तियाँ बसाने में कामयाब हो जाएगा. इससे बढ़ती जनसंख्या से सृजित अनेक समस्याओं का समाधान सम्भव हो सकेगा.

खुशी की बात यह है कि इस दिशा में हमारे उपलब्धियाँ किसी देश से कम नहीं, बल्कि आज हम अपनी धरती पर ही नहीं,

तालिका–1

विश्व के प्रमुख देशों में अनुसंधान और विकास पर खर्च सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में (क्रय शक्ति समता (पीपीपी) यू एस डॉलर में)

क्र.सं.	देश	सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में अनुसन्धान और विकास पर खर्च	प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद पीपीपी चालू अन्तर्राष्ट्रीय डॉलर
1.	आस्ट्रिया	2·99	47706·49
2.	डेनमार्क	3·08	45995·87
3.	भारत	0·69	5672·90
4.	मेक्सिको	0·54	17356·92
5.	पाकिस्तान	0·29	4828·94
6.	रूस	1·19	25094·73
7.	जर्मनी	2·87	46393·88
8.	दक्षिणी अफ्रीका	0·73	13083·27
9.	स्पेन	1·23	33625·43
10.	श्रीलंका	0·10	11195·69
11.	स्वीट्जरलैण्ड	2·97	59535·80
12.	यू.के.	1·70	40217·16
13.	यू.एस.ए.	2·73	54398·46

बल्कि अन्य ग्रहों पर भी अपना परचम लहरा रहे हैं. चाँद पर कदम बढ़ाने के बाद हमारे कदम मंगल ग्रह की ओर बढ़ रहे हैं नवम्बर 2013 के मंगल अभियान के पहले चरण को विश्व का कौनसा देश नहीं जानता. मंगल यान के जरिए भारतीय वैज्ञानिकों ने बहुत कम खर्च में जो उपलब्धियाँ अर्जित कीं वह प्रशंसनीय और गौरवान्वित करने वाली हैं इस उपलब्धि पर विश्व के अनेक देश आश्चर्यचकित होते हैं. अन्तरिक्ष में उपग्रह प्रक्षेपित करने में भी हम किसी देश से पीछे नहीं अमरीका की अन्तरिक्ष एजेन्सी नासा ने 2013 में 23 उपग्रह एक साथ अन्तरिक्ष में छोड़कर एक रिकार्ड कायम किया था. इसके बाद रूस ने 2014 में 37 उपग्रह प्रक्षेपित कर इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया, लेकिन फरवरी 2017 में भारत के अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने 104 उपग्रह एक साथ अन्तरिक्ष कक्षा में प्रक्षेपित करके रूस के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया, विज्ञान के क्षेत्र में भारत की यह बहुत बड़ी उपलब्धि है. इस उपलब्धि की विश्व के अनेक देश सराहना करते हैं.''

विज्ञान यहीं तक सीमित नहीं रहा. विज्ञान और प्रौद्योगिकी ने मनुष्य की जिन्दगी बदल कर रख दी है. विज्ञान और प्रौद्योगिकी के उन अविष्कारों (मोबाइल, कम्प्यूटर, इंटरनेट, ईमेल आदि) से पलक झपकते ही हम दुनिया के किसी भी कोने के व्यक्ति से बात कर सकते हैं. फाइलों और आँकड़ों का संग्रह कुशलतापूर्वक कर सकते हैं उन्हें लम्बे समय तक संरक्षित और सुरक्षित रख सकते हैं. इस व्यवस्था से व्यापारिक एवं औद्योगिक क्रियाएँ बढ़ी हैं और आर्थिक विकास में तेजी आई है.

एक समय था जब देश की अधिकांश जनसंख्या गरीबी की रेखा के नीचे गुजर बसर करती थी. सूचना तन्त्र के सम्पन्न होने से गरीबी की रेखा के नीचे रहने वाले लोगों का प्रतिशत काफी कम हुआ है और यदि विज्ञान पर ध्यान दिया जाए तो यह भविष्य में और भी कम होगा. यह भी सम्भव है कि गरीबी पूर्णतः समाप्त हो जाए. संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) का सूचकांक 2018 एक आशाजनक तस्वीर पेश करता है. इस सूचकांक के अनुसार वित्तीय वर्ष 2005-2006 से 2015-2016 के बीच एक दशक में भारत में 27 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकल गए हैं. भारत के दस वर्षों की अवधि में गरीब लोगों की संख्या घटकर आधी रह गई है जोकि 55 फीसदी से घटकर 28 फीसदी हो गई है. यह इस बात का एक आशाजनक संकेत है. कि गरीबी भारत से ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया से मिटाई जा सकती है.

सामान्यतः लगभग सभी इस बात से सहमत होते हैं कि जैसे-जैसे वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रगति होती है. वैसे-वैसे विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों में निखार आता है. इनमें नई-नई खोजे होती हैं. इलाज के तरीके सुधरते हैं. निस्सन्देह विज्ञान और प्रौद्योगिकी से चिकित्सा के क्षेत्र में सुधार हुआ है. अनेक बीमारियों पर नियन्त्रण लगा है जिन्हें पहले असाध्य समझा जाता था. शिशु मृत्यु दर, मातृत्व मृत्युदर कम हुई है और लोगों की जीवन प्रत्याशा बढ़ी है. आज का जन्मा कोई बच्चा, आज से 64 साल पूर्व जन्मे बच्चे की तुलना में अधिक वर्ष जीने की आशा कर सकता है और आर्थिक विकास में लम्बे समय तक अपना योगदान दे सकता है. आर्थिक समृद्धि में वह लम्बे समय तक अपना हाथ बंटा सकता है. विज्ञान कृषि क्षेत्र के सुधार में सहायक हुआ है. हरित क्रान्ति, सफेद क्रान्ति और पीली क्रान्ति विज्ञान के बल पर ही सम्भव हुई है.

जैसे-जैसे वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रगति होती है वैसे-वैसे अधिक उत्पादकता वाली तकनीकों का ज्ञान होता है जिससे कृषि उत्पादन का स्तर तेजी से बढ़ता है. कुछ रिपोर्टों से पता चलता है कि स्नातक और तकनीकी योग्यता प्राप्त लोग अन्य उसी स्तर की योग्यता प्राप्त लोगों से दो से तीन गुना अधिक धन अर्जित करते हैं.

विज्ञान में निवेश जिसे अनुसन्धान और विकास पर सकल व्यय (GERD) के रूप में माना जाता है. विज्ञान आर्थिक विकास से (प्रति व्यक्ति आय से) घनिष्ठ रूप से सम्बन्धित है. इस बात की पुष्टि अनुसंधान और विकास पर खर्च और प्रति व्यक्ति आय के विभिन्न देशों के आँकड़ों से हो जाती है जिन देशों में अनुसंधान और विकास (आर एण्ड डी) पर खर्च (सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में) अधिक है वहाँ प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद) भी अधिक है और जिन देशों में अनुसंधान एवं विकास पर खर्च कम है. वहाँ प्रति व्यक्ति आय भी कम है. जिन देशों में यह खर्च मध्यम है उनकी प्रति व्यक्ति आय भी मध्यम है. यह बात विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के 2014 के विभिन्न देशों के संकलित आँकड़ों से पुष्ट हो जाती है.

तालिका–2

अनुसन्धान और विकास पर होने वाले खर्च का श्रेणीवार विभाजन

श्रेणी	अनुसन्धान और विकास पर खर्च (सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में)	देश
अति निम्न	0·75 से कम	श्रीलंका (0·10), पाकिस्तान (0·29), मेक्सिको (0·54), भारत (0·64), दक्षिणी अफ्रीका (0·73)
निम्न	0·75 से 1·50	रूस (119), स्पेन (1·23)
उच्च	1·50 से 2·25	यू.के. (1·70)
अति उच्च	2·25 से अधिक	यू.एस.ए. (2·73), जर्मनी (2·87), स्विटजरलैण्ड (2·97) आस्ट्रिया (2·99), डेनमार्क (3·08), स्वीडन (3·16)

तालिका–3

प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद का श्रेणीवार विभाजन

श्रेणी	प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद का श्रेणीवार विभाजन	देश
अति निम्न	25000 से कम	पाकिस्तान (04828·94), भारत (5672·90), श्रीलंका (11195·69), दक्षिणी अफ्रीका (13083·22), मेक्सिको (17356·92)
निम्न	25000 से 350000	रूस (25094·73), स्पेन (33625·43)
उच्च	35000 से 450000	यू.के. (40217·16)
अतिउच्च	45000 से अधिक	स्वीडन (45297·77), डेनमार्क (45995·87), जर्मनी (46393·88) आस्ट्रिया (47706·49), यू.एस.ए. (54398·46), स्विटजरलैंड (59535·80)

तालिका–4

अनुसन्धान तथा विकास पर खर्च और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में सहसम्बन्ध

अनुसन्धान तथा विकास पर खर्च (सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में)	प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (पीपीपी चालू अन्तर्राष्ट्रीय डॉलर)			
	25000 से कम	25000–35000	35000–45000	45000 से अधिक
0·75 से कम	श्रीलंका, पाकिस्तान, मेक्सिको, भारत, दक्षिणी अफ्रीका			
0·75–1·50		रूस, स्पेन		
1·50–2·25			यू.के.	
2·25 से अधिक				यू.एस.ए. जर्मनी स्विट्जरलैण्ड, आस्ट्रिया, डेनमार्क, स्वीडन

यदि अनुसन्धान एवं विकास में होने वाले खर्च (सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में) की विविध श्रेणियाँ (अति निम्न, निम्न, उच्च, अति उच्च) बनायी जाएँ. 0·75 प्रतिशत से कम खर्च को अति निम्न, 0·75–1·50 प्रतिशत को निम्न, 1·50–2·25 प्रतिशत की उच्च और 2·25 प्रतिशत से अधिक को अति उच्च मानें तो अनुसन्धान तथा विकास पर खर्च के मामले में श्रीलंका, पाकिस्तान, मेक्सिको, भारत, दक्षिणी अफ्रीका अति निम्नलिखित श्रेणी में आते हैं, रूस, स्पेन निम्नलिखित श्रेणी में, यू.के. उच्च श्रेणी में तथा यूएसए, जर्मनी स्विट्जरलैण्ड, आस्ट्रिया, डेनमार्क स्वीडन अति उच्च श्रेणी में आते हैं.

इसी तरह यदि प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (पीपीपी चालू, अन्तर्राष्ट्रीय डॉलर) की विविध श्रेणियाँ (अतिनिम्न, निम्न, उच्च, अति उच्च) बनाई जाए. 25000 डॉलर से कम को अति निम्न, 25000 से 35000 डॉलर को निम्न, 35000 से 45000 डॉलर को उच्च तथा 45000 डॉलर से अधिक को अतिउच्च मानें तो प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में पाकिस्तान, भारत, श्रीलंका, दक्षिणी अफ्रीका, मेक्सिको अतिनिम्न श्रेणी में आते हैं, यू.के. उच्च श्रेणी में आता है तथा स्वीडन, डेनमार्क, जर्मनी, आस्ट्रिया, यू.एस.ए. स्विट्जरलैंड अतिउच्च श्रेणी में आते हैं. (देखें तालिका–3)

अब यदि उक्त दोनों बातों का सम्बन्ध आपस में जोड़ा जाए तो निम्न निष्कर्ष निकलता है–

यू.एस.ए., स्विटजरलैंड, डेनमार्क, स्वीडन, जर्मनी, आस्ट्रिया अपने सकल घरेलू उत्पाद का 2·25 प्रतिशत से अधिक भाग अनुसंधान तथा विकास पर खर्च करते हैं, इसलिए इन देशों के लोगों की प्रति व्यक्ति आय भी 45000 डॉलर से अधिक है दूसरी ओर श्रीलंका, पाकिस्तान, मेक्सिको, भारत, दक्षिणी अफ्रीका में सकल घरेलू उत्पाद का 0·75 प्रतिशत से कम भाग अनुसन्धान तथा विकास पर खर्च करते हैं इसलिए इन देशों के लोगों की प्रति व्यक्ति आय भी 25000 डॉलर से कम है जिन देशों में यह खर्च मध्यम स्तर (0·75 प्रतिशत से 2·25 प्रतिशत) का है उन देशों की प्रति व्यक्ति आय भी मध्यम (25000 डॉलर से 45000 डॉलर) है ये देश हैं. रशियन फ्रेडरेशन, स्पेन तथा यू.के. हैं.

उक्त सभी बातों से यह सिद्ध होता है कि विज्ञान तथा आर्थिक विकास के बीच सुदृढ़ सम्बन्ध है.

●●●

उपकार

नेशनल हेल्थ मिशन उत्तर प्रदेश सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी

उपकार प्रकाशन की उपयोगी पुस्तकें

अंग्रेजी संस्करण

उपकार प्रकाशन, आगरा–2

•E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

सामयिक लेख

भारत में लोकतंत्र मॉडल की प्रासंगिकता

✍ डॉ. विक्रम सिंह

इतिहास इस बात का गवाह है कि मानव जाति ने अपनी उत्पत्ति से लेकर आज तक एक सुखी, समृद्ध एवं खुशहाल जीवन जीने लायक आदर्श समाज एवं शासन व्यवस्था को स्थापित करने के लिए शक्तिशाली लोगों, राजाओं, सामंतों और निरंकुश शासकों आदि के दमन अत्याचार को सहन करने के बाद लोकतांत्रिक व्यवस्था को जन्म दिया. हालांकि राजतंत्र के पतन एवं लोकतंत्र को स्थापित करने में इंगलैण्ड की गौरवमय क्रांति (1688), अमरीका का स्वतंत्रता संग्राम (1776), फ्रांसीसी क्रांति (1789) आदि क्रांतियों का अहम् योगदान रहा है.

लोकतंत्र क्या है ?

सामान्य अर्थों में समझा जाए तो अब्राहम लिंकन के अनुसार लोकतंत्र जनता का जनता के लिए जनता के द्वारा जनता का शासन है अर्थात् लोकतंत्र शासन व्यवस्था का रूप है, जिसके तहत् जन-साधारण एक निश्चित अवधि के अन्तराल में अपने द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधियों के शासन से शासित होते हैं. आधुनिक समय में दुनिया के अधिकांश देशों ने लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था को ही अपनाया है. इस व्यवस्था के प्रारम्भिक संकेत यूनान के नगर-राज्यों में मिलते हैं. जहाँ लोग शासकीय कार्यों में प्रत्यक्ष जनसहभागिता करते थे, जोकि प्रत्यक्ष लोकतंत्र का एक स्वरूप था, लेकिन उस समय की लोकतांत्रिक व्यवस्था में एक बहुत बड़ी कमी थी कि शासकों को निर्वाचन लॉटरी पद्धति के तहत् किया जाता था, जोकि अपने आप में दोषपूर्ण व्यवस्था थी, जिसका पूरे यूनान के नगर-राज्यों में सुकरात ने विरोध किया, जिसके एवज में उन्हें दण्ड के रूप में जहर का प्याला पीना पड़ा. शायद दुनिया में सुकरात पहला व्यक्ति था, जिसने अच्छी शासन व्यवस्था और शासक के चयन के उचित तौर-तरीकों को न अपनाने के विरोध में अपनी सहादत दी थी. इसके बावजूद भी आज दुनिया के अधिकांश देशों ने लोकतांत्रिक व्यवस्था को एक आदर्श मॉडल के रूप में अपनाया है.

लोकतंत्र, अन्य शासन व्यवस्थाओं से इसलिए उपयुक्त है, क्योंकि यह राजनीतिक और सामाजिक समानता पर आधारित होता है और यह अपने नागरिकों को कुछ बुनियादी अधिकारों और स्वतंत्रता की गारंटी देता है, ताकि वहाँ के नागरिक गरिमामय और सम्मानजनक जीवन जी सकें लोकतंत्र के ये तत्व तो अधिकांश देशों में समान हैं पर सामाजिक स्थिति, अपनी आर्थिक उपलब्धि और अपनी संस्कृतियों के मामलों में एक-दूसरे से काफी अलग-अलग हैं, लेकिन सभी लोकतंत्र प्रणालियों की एक मुख्य विशेषता होती है कि वहाँ शासन या सत्ता का अन्तिम सूत्र जनसाधारण के हाथों में रहता है, ताकि सार्वजनिक नीति जनता की इच्छा के अनुसार और जनता के हित साधन के उद्देश्य से बनाई जाए और कार्यान्वित की जाए. इसमें शासन चलाने का काम आम नागरिकों के प्रतिनिधियों को सौंपा जा सकता है, परन्तु उन्हें निश्चित अन्तराल के बाद फिर से जनसाधारण का विश्वास प्राप्त करना होता है.

लोकतंत्र, जनतंत्र या प्रजातंत्र (Democracy) शब्द का उद्भव ग्रीक भाषा के शब्द डेमोस (Demos) से हुआ है, जिसका अर्थ है जनसाधारण. यूनानी इतिहासकार हिरोडोटस ने पाँचवीं शताब्दी ई. पू. में इस शब्द का प्रयोग किया था. इसमें क्रेसी (Cracy) शब्द जोड़ा गया है, जिसका अर्थ है शासन या सरकार. इस तरह लोकतंत्र का अर्थ अभिजात्यों के विपरीत किसी अन्य वर्ग के शासन से है. इस ग्रीक शब्द का अर्थ है, गरीबों, सामान्यजनों तथा सबसे कम समझदारों का शासन.

भारत में स्वतंत्रता के बाद अपनाया गया लोकतांत्रिक मॉडल

भारत के सामने ब्रिटिश उपनिवेशवाद से स्वतंत्रता मिलने के बाद अनेक महत्वपूर्ण चुनौतियाँ थीं, जैसे राष्ट्र की एकता और अखण्डता को बनाये रखने के लिए देशी रियासतों को भारतीय संघ में सम्मिलित करना, आर्थिक पिछड़ेपन से देश को उभारना, सामाजिक विषमताओं और क्षेत्रीय विभिन्नताओं के मध्य सामंजस्य स्थापित करना आदि. इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक उचित शासन प्रणाली की आवश्यकता थी, ताकि आजाद भारत के लोगों के सपनों को पूरा किया जा सके. इन सब कार्यों एवं उद्देश्यों को पूरा करने के लिए लोकतंत्र को अपनाने का संकल्प लिया गया. इसीलिए स्वतंत्रता के बाद पाश्चात्य देशों से प्रेरित संसदीय प्रणाली पर आधारित उदारवादी प्रतिनिधित्वमूलक लोकतांत्रिक व्यवस्था के मॉडल को अपना गया, ताकि लोगों की महत्वाकांक्षा एवं आवश्यकताओं को पूरा करके उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सके तथा देश की विविधतामूलक जातीयता धार्मिक, भाषायी, क्षेत्रीयता आदि व्यवस्थाओं के साथ उचित तालमेल बिठाकर समता-मूलक समाज का निर्माण हो सके. जिससे भारत की एकता और अखण्डता बची रहे तथा राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक सभी क्षेत्रों में भारत का सशक्तिकरण हो. लोकतंत्र को अपनाने का संकल्प तो ले लिया, लेकिन उसका मॉडल कैसा होगा इसे लेकर स्वतंत्रता आन्दोलन से जुड़े हुए राजनेताओं और प्रबुद्ध अभिजनवर्ग के मध्य गहन राष्ट्रीय विमर्श चला और आपस में गहरा मतभेद भी था.

एक तरफ राष्ट्रीय आन्दोलन के नेतृत्व के एक बड़े हिस्से ने लोकतंत्र के जिस मॉडल को भारत के लिए चुना था, उसे सिद्धान्त की भाषा में उदारवादी और मध्यमार्गी लोकतंत्र कहा जाता है. यह प्रणाली सार्वभौमिक मताधिकार पर आधारित निर्वाचन और हितों की होड़ पर आधारित बहुलतावाद के जरिए संचालित होती है. हमारे तात्कालिक अभिजनों की यह मान्यता एक तरह उचित थी कि एक विविधतामूलक समाज में इस मॉडल के कामयाब होने की सम्भावना सबसे ज्यादा है, लेकिन इसके चयन के पीछे उपयोगिता से ज्यादा पश्चिमी राजनीतिक चिन्तन के प्रगतिशील आयामों से मिली प्रेरणा की भूमिका थी.

देश के राष्ट्रीय आन्दोलन से जुड़े राजनेता लोकतांत्रिक व्यवस्था के मॉडल को लेकर एकमत नहीं थे. जवाहर लाल नेहरू और उनके समर्थक सांविधिक-कार्यविधिक लोकतंत्र और विकासिक रणनीतिक के जरिए जातियों, राष्ट्रीयताओं, भाषाओं और संस्कृतियों के खानों में बंटे समाज को उसकी बहुलता और विविधता का सम्मान करते हुए बदलना चाहते थे. चूँकि वे अंग्रेजों द्वारा छोड़े गए राज्य के उत्तराधिकारी बने इसलिए उन्हें अपने एजेंडे को लागू करने का अवसर भी मिला. डॉ. भीमराव आंबेडकर जो बहुलवादी लोकतंत्र को संविधान का जामा पहनाने में प्रमुख भूमिका का निर्वाह करने के बावजूद लोकतंत्र के सांविधिक राजनीतिक सिद्धान्त तथा कर्मकांडीय श्रेणीबद्ध समाज-व्यवस्था के बीच टकराव को लेकर चिन्तित थे. उन्हें डर था कि एक वोट और एक व्यक्ति का सिद्धांत राजनीति में लागू तो होगा पर समाज के स्तर पर यह समता उपलब्ध नहीं हो पाएगी.

राजनीतिक हिन्दुत्व के सिद्धांतकार विनायक दामोदर सावरकर को ऐसा बहुल-

वादी लोकतंत्र स्वीकार्य नहीं था. जिसमें अल्पसंख्यकों को बराबर के अधिकार मिलने की सम्भावनाएं हों. दिलचस्प बात यह है कि नेहरू, आंबेडकर और सावरकर तीनों ही जातिवाद के विरोधी थे. वे सभी जातियों को मिटाए बिना अपने-अपने राजनीतिक उद्देश्य की प्राप्ति असम्भव मानते थे. परन्तु सभी का चिन्तन व विमर्श अलग-अलग था. नेहरू को बहुलवादी लोकतंत्र की समाज परिवर्तनकारी क्षमताओं पर विश्वास था. आंबेडकर के पास इस लोकतंत्र का कोई विकल्प नहीं था, लेकिन वह यह देख पाने में असमर्थ थे कि यह लोकतंत्र भविष्य में भारतीय समाज का रूपान्तरण कैसे करेगा, और सावरकर एक समतल हिन्दू समाज बनाने के लक्ष्य में ऐसे लोकतंत्र को बाधक मानते थे. कम्युनिस्टों को वर्ग-सिद्धांत के प्रभाव में बहुलतावादी लोकतंत्र को बुर्जुआ वर्ग की तानाशाही के रूप में व्याख्यायित करने के लिए बाध्य थे.

कुल मिलाकर इन सभी विचारकों में ऐसा कोई विचार मौजूद नहीं था. जो भारतीय समाज के अनुरूप कोई राजनीतिक शासन प्रणाली खोजने के इरादे से जुड़ा हो अर्थात् जो लोकतंत्र को भारतीय समाज की जरूरतों के अनुसार ढालने की कोई यूटोपियन इच्छा रखता हो. इन नेताओं और विचारकों को राज्य की पारम्परिक भारतीय धारणा में कोई रुचि नहीं थी. लोकतंत्र के मॉडल को लेकर गांधीजी का विचार इन सब विचारकों से अलग रहा. वह लोकतंत्र को जनता की आवश्यकताओं के अनुरूप ढालने के समर्थक थे. गांधी यह मानने को तैयार नहीं थे कि हितों की होड़ अपने आप में कोई आदर्श हो सकती है. वे हितों की होड़ की बजाय जनता की बुनियादी आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते थे और हितों को आवश्यकताओं का पर्याय मानने से इनकार करते थे. उनकी मान्यता थी कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को इस तरह नियोजित किया जाना चाहिए कि वह संस्थाओं की मध्यस्थता के चक्कर में फँसे बिना जन-साधारण के साथ सीधे तादात्म्य स्थापित कर सके और कारगर ढंग से रोजना उसके काम आ सके. जाहिर है कि उनका मॉडल कमोवेश प्रत्यक्ष लोकतंत्र या सहभागी लोकतंत्र का था, लेकिन आजादी के बाद गांधीजी के इस सहभागी लोकतंत्र के मॉडल को दरकिनार करके व्यवहार में पाश्चात्य से प्रेरित उदारवादी, बहुलतावादी लोकतांत्रिक व्यवस्था के मॉडल को नेहरू व स्वतंत्रता आन्दोलन से जुड़े अभिजन द्वारा समर्थित बहुलवादी लोकतांत्रिक मॉडल को अपनाया गया.

भारतीय लोकतंत्र ने जब पं. जवाहर लाल नेहरू के नेतृत्व में अपनी यात्रा प्रारम्भ की तो उसके सामने अनेक प्रमुख चुनौतियाँ थीं, जिनका विवरण निम्न प्रकार से है–

1. देश की सभी जातियों, धार्मिक समुदायों, वर्गों, सांस्कृतिक अस्मिताओं एवं क्षेत्रीय विविधताओं के मध्य सामंजस्य स्थापित करना.
2. राजनीतिक स्थायित्व प्रदान करना, ऐसा विकास मॉडल एवं आर्थिक नीतियों को अपनाना, जिससे ब्रिटिश उपनिवेशवाद से प्राप्त आर्थिक पिछड़ेपन से राष्ट्र को उभारा जा सके और गरीबी, भूखमरी से लोगों को छुटकारा दिलाया जा सके.
3. संविधान की प्रस्तावना में उल्लिखित प्रभुत्वसम्पन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, गणराज्य बनाने के साथ ही सभी नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति धर्म, विश्वास और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त करने व राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करने व बंधुता की भावना बढ़ाने आदि लक्ष्यों को हासिल करते हुए देश में समता-मूलक समाज का निर्माण करना.
4. स्वतंत्र और निष्पक्ष विदेश नीति का निर्माण एवं संचालन करना, ताकि देश के राष्ट्रीय हितों को प्राप्त किया जा सके.

नेहरू से इन्दिरा तक

आजादी के बाद जब देश जवाहर लाल नेहरू के नेतृत्व में आगे बढ़ा तो उनके सामने अनेक चुनौतियाँ थीं. उन्होंने राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और वैदेशिक सभी मोर्चों पर भारत को सफलता दिलाने के लिए पाश्चात्य से प्रेरित लोकतंत्र मॉडल एवं सोवियत संघ से प्रेरित समाजवाद के आर्थिक मॉडल को अपनाने का निर्णय लिया. हमारे देश के लोकतंत्र में नेहरू युग एक स्वर्णकाल युग भी रहा. उनके राजकाज में आर्थिक विकास हुआ, कानून का राज्य स्थापित हुआ, संस्थागत राजनीति चली, धर्मनिरपेक्ष नीतियाँ बनीं और दूरदर्शी विदेश नीति की शुरूआत हुई. 1964 में उनकी मृत्यु के बाद उनकी पुत्री और राजनीतिक वारिस इंदिरा गांधी ने जब सत्ता सँभाली तो पहले धीरे-धीरे, लेकिन बाद में तेज गिरावट शुरू हुई. इंदिरा गांधी के दौर में संस्थाओं का क्षरण हुआ और अधिनायकतावादी प्रवृत्ति, जातीय और धार्मिक अल्पसंख्यकों के प्रति असहिष्णुता और आक्रामक विदेश नीति की बुनियाद पड़ी.

उनके बाद तीसरे दौर में सत्ता अन्ततः संयुक्त रूप से कांग्रेस-विरोधी दलों के हाथ में आ गई और इसी कारण देश पूरी तरह अस्थिरता के दौर में फँस गया. लोकतांत्रिक संस्थाएं उठापटक की शिकार हो गईं, राष्ट्रीय पार्टियों की कीमत पर क्षेत्रीय ताकतों को मजबूती मिली, राजनीतिक एजेंडे पर क्षेत्रीय माँगें और अलगाववादी राजनीति छा गई.

राष्ट्रीय आपातकाल के बाद

राष्ट्रीय आपातकाल के बाद भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में विशेष रूप से राजनीतिक क्षेत्र में बड़ा बदलाव दिखाई देने लगा. भारत की राजनीति में पहली बार सातवीं लोक सभा चुनाव 1977 में द्विदलीय पद्धति के विकास की स्पष्ट सम्भावना दिखाई देने लगी. इस समय देश के दो प्रमुख दल थे–एक तो जनता पार्टी थी, जो कई गैर-कांग्रेसी दलों से मिलकर बनी थी. दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी थी, जो 1977 के लोक सभा चुनाव में पराजित हो गई, इसके बाद जनता पार्टी की सरकार बनी. इसके बाद 1989 में विश्वनाथ प्रताप सिंह के नेतृत्व में राष्ट्रीय मोर्चे की सरकार बनी. इस सरकार ने 1989 में सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़ों की पहचान के लिए मंडल आयोग का गठन किया, इस आयोग ने पिछड़े वर्ग के लोगों के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने की सिफारिश की थी. 90 के दशक में 1989 में वी.पी. सिंह ने इसे लागू किया, जिसे लेकर देश में व्यापक विरोध प्रदर्शन भी हुआ. हालांकि बाद में नरसिंह राव ने भी अगाड़ी जाति के लोगों को आर्थिक आधार पर 10 प्रतिशत आरक्षण देने की शुरूआत की थी, लेकिन सफल नहीं हो सके, जिसे वर्तमान केन्द्र की मोदी सरकार ने लागू करके साकार कर दिया है. इस दशक में एक तरफ राष्ट्रीय राजनीतिक समुदाय की रचना हुई, तो दूसरी तरफ 'क्षेत्रीय और जातीय विविधता पर आधारित सत्ता के कुछ दावों का बलपूर्वक दबाया भी गया. असम और पंजाब के ऐसे दावों को जिस संवेदनहीन ढंग से निपटा गया, उसने लम्बे राजनीतिक संकट को जन्म दिया. 1983 में अमृतसर के स्वर्ण मन्दिर पर ऑपरेशन ब्लू स्टार के रूप में सेना के हमले के परिणामस्वरूप पंजाब गृह युद्ध की चपेट में आते-आते बचा. सिख समुदाय के कुछ लोगों द्वारा 1984 में श्रीमती इंदिरा गांधी की हत्या कर दी गई. इसके बाद 1984 में सिख अल्पसंख्यकों के कातिलों को कांग्रेस का संरक्षण मिलने का आरोप आज भी कायम है. सिख समुदाय को कांग्रेस से मिलने वाले न्याय का मामला आज भी न्यायालयों में अधर में पड़ा हुआ है.

90 के दशक बाद भारतीय लोकतंत्र का परिदृश्य

90 के दशक में भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में राजनीतिक, सामाजिक और

आर्थिक क्षेत्रों में बड़े बदलाव दिखाई देने लगे. आजादी के बाद नेहरू द्वारा अपनाई गई (राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक) नीतियों से अलग राष्ट्रीय विमर्श के क्षितिज पर एक साथ तीन (मंडल, मन्दिर, मार्केट) ऐसे मुद्दे उभर कर आए, जिनकी वजह से देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था का परिदृश्य ही बदल गया. विश्वनाथ प्रताप सिंह की सरकार ने अगस्त 1990 में जब अचानक पिछड़ों के लिए आरक्षण की सिफारिश को लागू कर दिया, तब मंडल पिछड़ों के उस आन्दोलन का पर्याय बन गया. मन्दिर से तात्पर्य संघ परिवार के राम जन्मभूमि आन्दोलन से है, जिसकी परिणति 6 दिसम्बर, 1992 को बाबरी मस्जिद के ध्वंस में हुई. तीसरा मुद्दा मार्केट का था अर्थात् आर्थिक उदारीकरण और भूमंडलीकरण अर्थव्यवस्था से जुड़ी नीतियों से है. चार दशकों तक समाजवाद का नाम लेने वाले नीति-निर्माताओं ने यकायक उलटे घूम जाने का निर्णय लिया. इस मुद्दे पर जनादेश लेने की तो दूर, उन्होंने मतदाताओं को इसके लिए आगाह भी नहीं किया.

इस दशक में सत्ता के विकेन्द्रीकरण करके स्थानीय स्वशासन के रूप में पंचायतों को 1993 में संवैधानिक दर्जा देकर निचले से निचले स्तर के जनसाधारण की देश के लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनसहभागिता तय करने का कार्य किया गया. इस दौर में आर्थिक क्षेत्र में उदारीकरण की नीति को अपनाकर भले ही कुछ फायदा हुआ हो, लेकिन राष्ट्रीय राजनीति में 1990 से 2000 तक का दौर राजनीतिक अस्थिरता का रहा है. इसका प्रमुख कारण राष्ट्रीय नेतृत्व में क्षेत्रीय राजनीतिक दलों की भूमिका भी एक प्रमुख कारण रही है. केन्द्र में गठबंधन की सरकारों के गठित होने की स्थिति शुरू हो गई. दस वर्षों के अन्तर्गत देश में चार लोक सभा चुनाव हुए. भाजपा के नेतृत्व में वर्ष 1998 में गठित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबन्धन और कांग्रेस के नेतृत्व में वर्ष 2004 में गठित संयुक्त प्रगतिशील गठबंधनों की सरकारों ने कहीं समान विचारधारा के राजनीतिक दलों को साथ लेकर गठबंधन की सरकारें स्थापित करके देश को राजनीतिक अस्थिरता के दौर से बाहर निकाला है, लेकिन आर्थिक और सामाजिक मोर्चे पर अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है.

21वीं सदी में भारतीय लोकतंत्र का परिदृश्य

इस सदी में भारतीय लोकतंत्र अहम् परिर्वतन, प्रयोगों, सफलताओं व चुनौतियों आदि के होते हुए भी निरन्तर आगे बढ़ रहा है. राजनीतिक क्षेत्र में विभिन्न विचारधारा रखने वाले राजनीतिक दलों के मध्य केन्द्र और राज्य स्तरों पर एक निश्चित अवधि के

भारतीय लोकतंत्र की सफलताएं

स्वतंत्रता से लेकर वर्तमान समय तक विगत 70 वर्षों में लोकतंत्र की निम्नलिखित सफलता हैं–

1. *संविधान की सर्वोच्चता के सिद्धान्त का पालन करते हुए देश में सदैव कानून के शासन को बनाए रखा अर्थात् देश को निरंकुश, तानाशाही एवं सैनिक शासन के प्रभाव से बचाया है.*
2. *भारतीय लोकतंत्र ने राजनीतिक समानता और कानूनी रूप से सामाजिक समानता के मोर्चे पर अत्यधिक सफलता हासिल की है. इस कारण देश के सबसे नीचे के तबके के लोगों को भी नेतृत्व करने का अवसर मिला, इससे देश के विकास में उनका योगदान भी बढ़ा है. समाज के जिस वर्ग के साथ जातीय आधार पर भेदभाव हुआ था. उचित कानून बनाकर उसे समाप्त कर दिया गया है अर्थात् देश के अन्दर प्रत्येक नागरिक सम्मान के साथ जी रहा है.*
3. *देश में जातीय, धार्मिक, क्षेत्रीयता व भाषायी आधारों पर विविधताएं होने के बाद भी विगत् 70 वर्षों से राष्ट्र की अखण्डता व एकता को बनाए रखा है.*
4. *संवैधानिक संस्थाओं जैसे न्यायपालिका, कार्यपालिका और व्यवस्थापिका जैसी अन्य संवैधानिक संस्थाओं के अस्तित्व को बचाए रखा है.*
5. *देश में नागरिकों के अधिकारों और स्वतंत्रता में बाधा, पुराने धार्मिक रीति-रिवाजों पर आधारित प्रथाओं को समाप्त करके उनके स्थान पर सबको समान अधिकार देने के लिए नए कानूनों का निर्माण किया गया है.*
6. *समाज से जुड़े हर क्षेत्र के मुद्दों में बदलाव एवं समाधान के लिए सामाजिक आन्दोलनों का उदय हुआ है.*
7. *समाज के वंचित, पिछड़े वर्ग के लोगों और महिलाओं का राजनीतिक सशक्तिकरण हुआ है अर्थात् देश के नेतृत्व में हर स्तर पर इनकी भागीदारी बढ़ी है.*

भारतीय लोकतंत्र की असफलताएं

स्वतंत्रता से लेकर वर्तमान समय तक विगत् 70 वर्षों में लोकतंत्र की निम्नलिखित असफलताएं हैं–

1. *संविधान की प्रस्तावना में उल्लिखित लक्ष्यों के अनुरूप एक समतामूलक समाज के निर्माण में नाकाम रहे हैं. विभिन्न जाति, वर्ग और धर्म के लोगों को कानूनी आधार पर अधिकार तो दिए गए हैं. लेकिन सामाजिक स्तर पर इन अधिकारों को मान्यता मिलना अभी भी बाकी है अर्थात् देश में सामाजिक स्तर पर सामाजिक विषमता आज भी विद्यमान है.*
2. *आजादी से लेकर आज तक आर्थिक विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अनेक विकास मॉडलों का सहारा लिया जाता रहा है. फिर भी आर्थिक विकास के मोर्चे पर नाकाम रहे हैं, अमीरी और गरीबी में सम्पत्ति के स्वामित्व, आय एवं जीवन स्तर को लेकर बड़ा अन्तर है. देश की एक बड़ी आय पर चन्द लोगों का कब्जा है. इससे देश में आर्थिक विषमता बनी हुई है.*
3. *युवाओं को रोजगार, गुणवक्तापरक शिक्षा, अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं शत-प्रतिशत जनता की पहुँच तक नहीं हो सकी. इस तरह के अभाव से देश की एक बड़ी आबादी देश के विकास में अपना योगदान देने से वंचित रही है और अभाव में जीने के लिए मजबूर रही हैं.*
4. *देश में विकास कार्यों एवं अन्य कार्यों में खर्च होने वाली धनराशि को लेकर भ्रष्टाचार का प्रभाव बढ़ रहा है अर्थात् शासकीय कार्यों में पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व का अभाव है. यह लक्षण सुशासन व्यवस्था स्थापित करने के मार्ग में बहुत बड़ी बाधा है. हालांकि इसके समाधान के लिए समय पर कई कानूनों का निर्माण भी किया गया है. बावजूद इसके भी जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ता है.*
5. *आदिवासी और पिछड़े वर्ग के लोगों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने में नाकाम रहे हैं. इसीलिए नक्सलवाद आज हमारे देश की आन्तरिक सुरक्षा के लिए नासूर बना हुआ है.*
6. *देश में प्रत्येक नागरिक को व्यक्तिगत सुरक्षा देने में असफल रहे हैं. सुरक्षा चाहे किसी भी स्तर की हो सामाजिक, शारीरिक, आर्थिक आदि.*
7. *नागरिकों द्वारा अपने मतदान के प्रयोग से जनप्रतिनिधियों को चुनने का जो राजनीतिक अधिकार प्राप्त हुआ है. इसके तहत् आज भी ऐसे लोग जनप्रतिनिधि बन जाते हैं, जो अपराधी रहे हों. इनके निर्वाचन पर प्रतिबंध लगाने की आवश्यकता है.*
8. *केन्द्र और राज्य सरकारों के मध्य अनेक मामलों को लेकर विवाद हो जाता है, ऐसी स्थिति पर भारतीय संघीय ढाँचे को आघात पहुँचता है, राजनीतिक अस्थिरता का माहौल बन जाता है, अर्थात् केन्द्र और राज्यों के मध्य अच्छे सम्बन्ध बनाने में नाकाम रहे हैं, ऐसी स्थिति में राष्ट्रीय हितों और राज्यों के हितों के बीच टकराव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है, जो देश की एकता और अखण्डता को बनाए रखने के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं.*

दौरान गठित सरकारों के गठन में गठबंधन की राजनीति के कहीं सफल और असफल प्रयोग हो रहे हैं. इससे देश में विशेषकर राज्य स्तर पर गठित सरकारों के गठन के बाद राजनीतिक अस्थिरता की स्थिति उत्पन्न हो रही है. हालांकि केन्द्र स्तर पर भी यूपीए और एनडीए के नेतृत्व में समय-समय पर गठबंधन की सरकारों का गठन हो रहा है. राजनीतिक अस्थिरता की स्थिति उत्पन्न होने की सम्भावना कम ही है. केन्द्रीय स्तर पर भले ही गठबंधन की सरकारें गठित हो रही हों, लेकिन सत्ता पर भारतीय जनता पार्टी एवं कांग्रेस पार्टी का ही वर्चस्व बना हुआ है. हालांकि कहीं लोक सभा चुनाव से पूर्व राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय दलों ने मिलकर इन दलों से हटकर जनता के सामने तीसरे मोर्चों के विकल्प देने की कोशिश तो की है.

विकास, रोजगार, राष्ट्रीयता, महँगाई, सुरक्षा, शिक्षा, किसानों के हितों से जुड़े विषय, आर्थिक समानता, सुशासन तथा नेतृत्व के दायरे का अभिजन वर्ग से हटकर जातीय धार्मिक, क्षेत्रीयता आदि आधारों पर विभक्त होने के कारण भारत की राजनीति केन्द्र और राज्य दोनों स्तरों पर प्रभावित हो रही है. इसे भारतीय राजनीति में एक नए प्रयोग के तौर पर देखा जा सकता है. जो सरकार केन्द्र और राज्य स्तर पर सत्ता में रहने के बाद इन मुद्दों को मद्देनजर रखते हुए कानूनों एवं नीतियों का निर्माण करेगी, वही लम्बे समय तक शासन कर सकती है.

आजादी के बाद देश में विगत 70 वर्षों से उदारवादी और प्रतिनिधित्व आधारित बहुलतावादी लोकतांत्रिक मॉडल को कारगर बनाने की कोशिश चल रही है, लेकिन इसके लिए देश की संस्थाएं मजबूत नहीं हो पायी हैं. लगता है कि समाज उथल-पुथल के दौर में स्थायी रूप से फँस गया है. शीतयुद्ध के बाद से हमारे उदारवादी राज्य ने भूमण्डलीय आर्थिक और राजनीतिक नुस्खों को अपनाने के चक्कर में अपनी समस्याएं कैसे बढ़ाई हैं. देश की सामाजिक स्थिति एक तरफ अपनी बहुजातीयता के कारण और दूसरी तरफ राष्ट्र-राज्य द्वारा शासित होने के कारण खासी पेचीदा रही है, यही कारण है कि भारतीय राजनीति में जमीनी स्तर पर सक्रिय नए सामाजिक आन्दोलन विगत चार दशकों से स्थानीय जनता की समस्याओं को लेकर एक नई जमीन तैयार कर रहे हैं और इसके लिए राज्य सत्ता की स्थानीय संरचनाओं से संघर्ष करते रहे हैं. राजनीतिक दलों की दिलचस्पी केवल चुनाव लड़ने में रह गई है. सत्ता को पाने की होड़ में जनसाधारण के मुद्दे गायब होते जा रहे हैं. इसलिए उनके द्वारा छोड़ी गई जगह को इन्हीं सामाजिक आन्दोलनों ने भरा है. ये आन्दोलन ही इस समय राजनीतिक सत्ता और भूमण्डलीय आर्थिक शक्तियों को प्रतिनिधित्व करने वाली ताकतों से संघर्षरत् हैं, ताकि जनसाधारण के हितों की अनदेखी न हो और लोकतांत्रिक व्यवस्था के स्वरूप को भी जीवित रखा जा सके.

निष्कर्ष

स्वतंत्रता के बाद भारत ने जिन सिद्धान्तों, मूल्यों, विचारों और उद्देश्यों को लेकर लोकतांत्रिक व्यवस्था को अपनाया, वह मॉडल विगत 70 वर्षों में बहुत सशक्त तो हुआ है, लेकिन कुछ मोर्चों पर सफलता और असफलता के साथ निरन्तर आगे बढ़ रहा है. लोकतंत्र की इस ऐतिहासिक यात्रा में उसके कई स्वरूप देखने को मिले, जैसे बहुलतावादी, अधिनायकवाद व सहभागिता-मूलक आदि. इन बदलते स्वरूपों के बाद लोगों का भरोसा लोकतंत्र व्यवस्था पर कायम रहा है. क्योंकि भारत के लोगों की राजनीतिक संस्कृति में महत्वाकांक्षा एवं आशावादी दृष्टिकोण के लक्षण मौजूद हैं. यही कारण है हर लोक सभा, विधान सभा एवं स्थानीय स्तर के चुनावों में मतदान के प्रतिशत में लगातार बढ़ोतरी होती जा रही है. यहाँ तक की हर स्तर की शासकीय संस्थाओं के प्रमुख को भी निर्णायक मतदान के द्वारा चुनते हैं. लेकिन समय के साथ जनसाधारण ने सरकार की नीतियों के विरुद्ध देश के हर भाग में सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक रूपान्तरण की कोशिशों के लिए जनआन्दोलनों का दायरा भी बढ़ा है. वे चाहते हैं कि राजनीति के स्थानीय से लेकर सभी स्तरों पर जन-साधारण की आत्मनिर्भरता हो, ताकि उसे अधिक सहभागी, जनता की आकांक्षाओं के प्रति अधिक चिन्तित और उसके प्रति सीधे जवाबदेह बनाया जा सके. वे इस काम की शुरूआत जन जीवन को सीधे प्रभावित करने वाले मुद्दों के आस-पास जन गोलबन्दी करते हैं. उनका प्रयास होता है कि सामाजिक ऊर्जा को जमा करके उसका इस्तेमाल समाज में सत्ता के सम्बन्धों को बदलने में किया जाए. आजादी से लेकर आज तक शासन में किसी एक व्यक्ति को प्रभुत्वशाली होने का अवसर नहीं दिया. यदि किसी ने कोशिश भी की तो उसे चुनावों में हराकर सबक दिया है. यही भारतीय लोकतंत्र की अनोखी पहचान रही है, लेकिन यह लोक-तांत्रिक व्यवस्था एक समतामूलक समाज के निर्माण में नाकाम रही है. स्वतंत्रता से लेकर आज तक भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था का स्वरूप स्थायी नहीं रहा है. प्रारम्भ में देश के अन्दर जिस बहुलतावादी लोकतांत्रिक मॉडल को अपनाया गया था, उसके संचालन में प्रबुद्ध अभिजन की महत्वपूर्ण भूमिका रही, आम नागरिकों की भूमिका सिर्फ मतदान तक ही सीमित होती थी. अभिजन लोगों में एक धारणा बन गई थी कि प्रतिनिधित्वमूलक लोकतंत्र की संस्थाओं पर बहुसंख्यावादी दबाव और बढ़ेगा. इसी मान्यता के प्रभाव के कारण आजादी के बाद के दशकों में अंग्रेजी शिक्षित, शहरी और ऊँची जाति के मुट्ठी भर लोग सरकार और निर्णयकारी प्रक्रिया पर हावी हो गए थे, हालांकि उनका प्रभुत्व लोकतंत्र की आड़ में अपना काम करता था. इस वर्चस्व को सत्तर के दशक में चुनौती मिलनी शुरू हुई, जब छोटी जातियों और गरीबों ने चुनावी राजनीति और नागरिक समाज की जमीन पर अपने दावे पेश करने शुरू किए, लेकिन देश वर्तमान समय में सामाजिक अन्तर्विरोध एवं आर्थिक असमानता के दौर से गुजर रहा है. इससे अमीरों और गरीबों के मध्य की जीवन शैली और संसाधनों पर हक की स्थिति में काफी अन्तर है. साथ ही राजनीति में ज्यादा लोगों की भूमिका मात्र मतदान तक ही सीमित है, जो लोकतंत्र की मजबूती के लिए अच्छा संकेत नहीं है, जबकि राष्ट्रीय एवं आम लोगों के हित से जुड़े हुए मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श आवश्यक है.

उदारवादी लोकतांत्रिक व्यवस्था के अन्तर्गत संसदीय प्रणाली को भारतीय अभिजनवर्ग ने आजादी के बाद ग्रहण किया था. जोकि अपने आप में एक मिश्रित मॉडल था, जिसका भारतीयकरण करके, देश के जनसाधारण की आकांक्षाओं के अनुरूप ढालने की कोशिश की गई. इस मॉडल के भारतीयकरण की प्रक्रिया में मतदाताओं की मुख्य भूमिका रही है. यह मॉडल आर्थिक मोर्चे पर अपेक्षाकृत असफल रहा, लेकिन जातियों के राजनीतिकरण में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है. भारतीय लोकतंत्र ने अपनी ऐतिहासिक यात्रा में कहीं उतार-चढ़ाव झेलने के बाद भी अपने सशक्ति-करण का मार्ग तय किया. अभिजनवर्ग से लोकतंत्र हस्तान्तरण हो के समाज के जनसाधारण में पहुँच गया है. इसी कारण दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश तथा एशिया महाद्वीप का सबसे मजबूत लोक-तांत्रिक देश होने का गौरव हासिल किया है, निश्चित रूप से जिसके मूल में सदैव भारत के मध्यवर्ग की अपेक्षा निम्न व गरीब वर्ग का महत्वपूर्ण योगदान रहा है. जोकि भारत के लोकतांत्रिक व्यवस्था में अधिक आस्था एवं विश्वास रखते हैं, लेकिन बावजूद इसके भी भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था कहीं अन्तर्विरोधों, उम्मीदों, खामियों, अन्देशों और बाहरी तत्वों के साथ संघर्षरत् हैं. इन सबके बीच सामंजस्य बिठाना अभी शेष है. ●●●

अन्तरिक्ष विज्ञान लेख

एण्टी-सैटेलाइट मिसाइल–भारत की अन्तरिक्षीय परिसम्पत्तियों का रक्षक

✍ विजन कुमार पाण्डेय

अन्तरिक्ष की दुनिया में भारत की सबसे बड़ी कामयाबी से दुनिया हैरान है. 'मिशन शक्ति' की सफलता से चीन और पाकिस्तान जैसे देश परेशान हैं, तो वहीं अमरीका ने इस मसले पर भारत के सहयोग का एलान किया है, अमरीकी विदेश मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि वह अन्तरिक्ष और विज्ञान के क्षेत्र में भारत के साथ के लिए तैयार है. अमरीका ने कहा है कि स्पेस में सुरक्षा को लेकर दोनों देश साथ आगे बढ़ेंगे. हालांकि, अमरीका ने इस बयान में यह भी कहा है कि अन्तरिक्ष का मलवा हमारी सरकार के लिए एक चिन्ता का विषय है, हम इस मसले पर भारत सरकार से बात भी करेंगे. उन्होंने यह भी कहा कि भारत सरकार की ओर से अन्तरिक्ष के मलबे को लेकर जो बयान दिया गया है, हम उस पर भी नजर बनाए हुए हैं. भारत की सफलता के बाद सबसे पहले पाकिस्तान की प्रतिक्रिया आई. पाकिस्तान ने कहा है कि पाकिस्तान आउटर स्पेस में हथियारों की दौड़ रोकने का पक्षधर रहा है. अन्तरिक्ष सभी की साझा विरासत है और हर देश की जिम्मेदारी है कि ऐसे कदमों से बचे, जिससे वहाँ सैन्यकरण हो. पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने भी सुरक्षा को लेकर बड़ी बैठक बुलाई थी.

भारत ने अन्तरिक्ष में युद्धक क्षमता हासिल करते हुए किसी भी संदिग्ध सैटेलाइट को मार गिराने की शक्ति हासिल कर ली है. उसने अन्तरिक्ष में मारक क्षमता हासिल करते हुए ऐंटी-सैटेलाइट मिसाइल की सफल लॉन्चिंग की है. 27 मार्च को सुबह 11 बजे के करीब महज 3 मिनट में वैज्ञानिकों ने इस बेहद जटिल तकनीकी परीक्षण को अंजाम दिया. इस प्रॉजेक्ट पर बीते करीब 6 महीनों से वैज्ञानिक काम कर रहे थे. भारत द्वारा 27 मार्च को 'मिशन शक्ति' के तहत् एंटी सैटेलाइट मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया. इसके बाद भारत इस कामयाबी को हासिल करने वाला चौथा देश बन गया है. भारत की इस उपलब्धि पर पहली बधाई अमरीका से आई. अमरीकी राष्ट्रपति ने अन्तरिक्ष अभियानों में भारत संग और सहयोग बढ़ाने की बात कही है. इसके विपरीत अमरीकी अन्तरिक्ष एजेंसी नासा ने भारत के इस परीक्षण को खतरनाक बताया है. ऐसे में हमारे लिए यह जानना जरूरी है कि अमरीका वास्तव में भारत की इस कामयाबी पर खुश है या चिन्तित या फिर चिढ़ा हुआ. आइए जानते हैं, 'मिशन शक्ति' से अन्तरिक्ष में खतरे सम्बन्धी नासा के बयान का सच क्या है.

नासा के अनुसार भारत के एंटी सैटेलाइट मिसाइल परीक्षण से अन्तरिक्ष की कक्षा में करीब 400 मलबे के टुकड़े फैल गए हैं. इससे भविष्य में अन्तर्राष्ट्रीय अन्तरिक्ष स्टेशन (ISS) में मौजूद अन्तरिक्ष यात्रियों के लिए नया खतरा पैदा हो गया है. नासा प्रमुख जिम ब्रिडेनस्टाइन का कहना है कि भारत ने पृथ्वी की निचली कक्षा में 300 किमी दूर मौजूद सैटेलाइट को मार गिराया, जो कक्षा में ISS और ज्यादातर सैटेलाइटों से नीचे था. नष्ट की गई सैटेलाइट के 24 टुकड़े ISS से ऊपर भी हैं. ISS के ऊपर मलबे के टुकड़े पहुँचना खतरनाक और अस्वीकार्य है. इससे भविष्य में स्पेस वॉक कर रहे अन्तरिक्ष यात्रियों के लिए खतरा पैदा हो सकता है. इसलिए ऐसी गतिविधियाँ मानव स्पेस फ्लाइट के लिए अनुकूल नहीं हँ, लेकिन रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) के पूर्व मुखिया वीके सारस्वत, नासा की चिन्ताओं को पहले ही खारिज कर चुके हैं. उन्होंने नासा द्वारा व्यक्त की गई चिन्ता को पूर्णतया काल्पनिक बताया है, सारस्वत के अनुसार, हमारे A-Sat मिसाइल टेस्ट से अन्तरिक्ष में जो भी कचरा फैला है, उनमें पर्याप्त गति नहीं है. इसलिए वे लम्बे समय तक अन्तरिक्ष में टिक नहीं सकते. 300 किमी की ऊँचाई पर मौजूद ये टुकड़े कुछ समय बाद अपने-आप गिरकर पृथ्वी के वातावरण में आएंगे और जलकर नष्ट हो जाएंगे.

अमरीका भी एंटी सैटेलाइट मिसाइल परीक्षण करने वाले दुनिया के चार देशों में शामिल है. फिर अमरीका खुद भी यह परीक्षण कई बार कर चुका है, अमरीका के अलावा इस तकनीक से लैस रूस और चीन भी ऐसा परीक्षण कर चुके हैं, अमरीका के परीक्षण से भी अन्तरिक्ष में हजारों बड़े टुकड़े पैदा हुए. ऐसे में अमरीका को भारतीय परीक्षण पर सवाल नहीं उठाना चाहिए. भारत ने एंटी सैटेलाइट मिसाइल का परीक्षण 300 किमी की ऊँचाई पर किया है, जबकि ISS पृथ्वी की कक्षा में 330 किमी से 435 किमी की ऊँचाई के बीच रहता है, तो फिर इसको मलवे से कैसे खतरा है ? भारतीय एंटी सैटेलाइट परीक्षण को लेकर नासा की चिन्ता इसलिए भी व्यर्थ है, क्योंकि अन्तरिक्ष में पहले से ही हजारों टन कचरा मौजूद है, जिनकी संख्या करोड़ों में है. यूरोपीय स्पेस एजेंसी के अनुसार अन्तरिक्ष में इस वक्त 10 सेमी या उससे बड़े आकार के 34000 टुकड़े, एक सेमी से 10 सेमी आकार के 90 हजार टुकड़े पहले से मौजूद हैं. इसके सामने 400 टुकड़े बहुत छोटा आँकड़ा है. भारतीय विशेषज्ञों के अनुसार अगर ये 400 टुकड़े खतरनाक हैं, तो क्या अन्तरिक्ष में वर्षों से मौजूद लाखों टुकड़े और हजारों टन कबाड़ा से ISS को खतरा नहीं है ? मालूम हो कि प्रत्येक वर्ष पृथ्वी की निचली कक्षा में अलग-अलग आकार के लगभग 190 सैटेलाइट लाँच होते हैं. इनकी संख्या लगातार बढ़ती जा रही है. कुछ बेकार सैटेलाइट मलवे के रूप में अन्तरिक्ष में पड़े हुए हैं. इससे भी अन्तरिक्ष में मलबा बढ़ रहा है.

इसे स्पेस वेपन के रूप में भी जाना जाता है, जिसका उपयोग सैटेलाइट को नष्ट करने के लिए किया जाता है. कुछ देश इस तरह के एंटी-सैटेलाइट को अन्तरिक्ष में छोड़ते हैं, जिसका इस्तेमाल सैटेलाइट को नष्ट करने के लिए किया जाता है. हालांकि, युद्ध के दौरान किसी भी प्रकार के ए-सैट सिस्टम का उपयोग अभी तक नहीं किया गया है. भारत से पहले A-SAT को छोड़ने की क्षमता केवल अमरीका, चीन और रूस के पास थी. अब भारत ने मिशन पॉवर के तहत् लो अर्थ ऑर्बिट में ए-सैट का परीक्षण कर यह उपलब्धि हासिल की है. अमरीका और रूस को इस विरोधी उपग्रह प्रणाली के पिता के रूप में जाना जाता है. 1950 के दशक में, अमरीका ने एवं 1956 में रूस में एंटी-सैटेलाइट सिस्टम विकसित किया. 2007 में, चीन पृथ्वी की कक्षा में अपने स्वयं के उपग्रहों में से एक को मारकर इस तकनीक में कदम रखने वाला तीसरा देश बन गया. भारत 2010 में लो ऑर्बिट में ऐसी एंटी-सैटेलाइट मिसाइलों को मारने की तकनीक पर काम कर रहा था.

हम सभी भारतीयों के लिए यह गर्व की बात है. यह पराक्रम भारत में ही तैयार ए-सैट मिसाइल द्वारा किया गया है. यह परीक्षण किसी भी तरह के अन्तर्राष्ट्रीय कानून या संधि समझौतों का उल्लंघन नहीं करता है. भारत इसका इस्तेमाल 130 करोड़ देशवासियों की सुरक्षा और शांति के लिए ही करना चाहता है. हमारा सामरिक उद्देश्य युद्ध का माहौल बनाए रखने की बजाय

शांति बनाए रखना है. दुनिया को इसे एक सुरक्षित और शांतिपूर्ण राष्ट्र के लिए बढ़ते हुए कदम के तौर पर देखना चाहिए.

भारत ने 27 मार्च, 2019 को इस मिशन शक्ति को अंजाम दिया था. इस मिशन में डीआरडीओ ने अन्तरिक्ष में अपने ही एक बेकार पड़ा सैटेलाइट को मार गिराया. इसके साथ ही भारत दुनिया का चौथा देश बन गया, जिसके पास अन्तरिक्ष में मार करने की क्षमता है. इससे पहले अमरीका, रूस और चीन के पास यह ताकत थी. सबसे बड़ी बात तो यह है कि पोखरण की तरह ही मिशन शक्ति भी हैरान करने वाला कार्यक्रम था. बहुत ही कम लोगों को इस मिशन के बारे में पता था. अन्तिम समय तक किसी को कुछ पता नहीं था कि क्या होने वाला है.

21 नवम्बर, 1963 को केरल में तिरुअनंतपुरम के करीब थुंबा से पहले रॉकेट के लाँच के साथ भारत ने अपना अन्तरिक्ष कार्यक्रम शुरू किया था. 15 अगस्त, 1969 को डॉ. विक्रम साराभाई ने इसरो की स्थापना की थी. इसका एक ही मकसद था, अन्तरिक्ष के क्षेत्र में काम करना. एसएलवी-3 भारत का पहला स्वदेशी सैटेलाइट लाँच व्हीकल था. उस समय डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम इस परियोजना के निदेशक थे. इसरो के पहले चंद्रयान मिशन पर करीब ₹ 390 करोड़ खर्च हुए, जो नासा द्वारा इसी तरह के मिशन पर होने वाले खर्च के मुकाबले 8-9 गुना कम है. इसरो का मंगल मिशन अब तक का सबसे सस्ता मिशन था. जिस पर महज ₹ 450 करोड़ यानी ₹ 12 प्रति किलोमीटर खर्च आया जो ऑटो किराए के बराबर है. इसरो ने अब तक एक के बाद एक पीएसएलवी सफलता-पूर्वक लाँच किए हैं. उसने अपने सैटेलाइट्स के अलावा अन्य देशों के सैटेलाइट्स भी छोड़े हैं. इस समय दुनिया में सिर्फ छह अन्तरिक्ष एजेंसियों के पास ही सैटेलाइट्स बनाने और छोड़ने की क्षमता है. इसरो भी उनमें से एक है. अधिकतर देश अपने नेविगेशन से सम्बन्धित कार्य के लिए अमरीका आधारित जीपीएस सिस्टम के भरोसे रहते हैं, लेकिन भारत ने सफलता-पूर्वक अपना खुद का नेविगेशन सैटेलाइट्स आईआरएनएसएस लाँच किया है. 15 फरवरी, 2017 को इसरो ने दुनिया को चौंका दिया था, जब श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन स्पेस सेंटर के पहले लाँच पैड से भारत ने अन्तरिक्ष में 104 सैटेलाइट्स छोड़े थे. अभी इसरो और ऊँची छलांग लगाने की तैयारी में है. अपने मानवयुक्त मिशन को अन्तरिक्ष में भेजने की योजना बनाई है. इस मिशन को गगनयान मिशन का नाम दिया गया है. इस मिशन के लिए सरकार ने जरूरी फण्ड भी आवंटित कर दिया है.

मिशन शक्ति की कामयाबी पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डीआरडीओ के वैज्ञानिकों को बधाई दी. डीआरडीओ ने इस मिशन शक्ति को अंजाम दिया है, जो लो-अर्थ ऑर्बिट एरिया (एलईओ) में एक अपने सैटेलाइट को मार गिराया और अपनी एंटी-सैटेलाइट क्षमता का प्रदर्शन किया. यह मिशन पूरी तरह स्वदेशी था और इसे सिर्फ 3 मिनट में अंजाम दिया गया. डीआरडीओ ने यूपीए सरकार के शासनकाल में इस तरह की परियोजनाओं पर काम करने की घोषणा की थी, लेकिन योजनाओं को अन्तिम रूप अब दिया गया. साल 2012 में अग्नि V की लाँचिंग भारत की एंटि-सैटेलाइट क्षमता विकसित करने की दिशा में पहला कदम था. भारत के पास एक दशक पहले भी एंटी-सैटेलाइट मिसाइल क्षमता थी, लेकिन उस समय राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के कारण इसे सफलतापूर्वक अंजाम नहीं दिया जा सका. जिस समय चीन ने 2007 में यह परीक्षण किया और अपने मौसम उपग्रह को मार गिराया, उस समय भी भारत के पास ऐसा ही मिशन पूरा करने की तकनीक थी. लेकिन उस समय भारत के पक्ष में अन्य देश नहीं थे, इसलिए इसका परीक्षण नहीं हो सका.

चीन ने भी भारत के उपग्रह रोधी-मिसाइल परीक्षण पर सतर्कतापूर्वक प्रतिक्रिया देते हुए उम्मीद जतायी कि सभी देश बाहरी अन्तरिक्ष में शांति बनाए रखेंगे. दरअसल यह रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) का प्रौद्योगिकी मिशन था और इस मिशन में उपयोग किया गया उपग्रह निचली कक्षा में मौजूद भारत के उपग्रहों में से एक था. यह मिशन पूरी तरह से स्वदेशी प्रौद्योगिकी पर आधारित था. परीक्षण किसी देश को निशाना बनाकर नहीं किया गया है. अब प्रश्न यह है कि यह परीक्षण क्यों किया गया, यह परीक्षण इसलिए किया गया, ताकि भारत के अपने अन्तरिक्ष सम्बन्धी परिसम्पत्तियों की सुरक्षा की क्षमता की पुष्टि कर सके. हम बाहरी अन्तरिक्ष में अपने देश के हितों की रक्षा कर सकें. इसलिए यह परीक्षण जरूरी हो गया था. भारत का इरादा बाहरी अन्तरिक्ष में हथियारों की दौड़ में शामिल होना नहीं है और उसने हमेशा इस बात का पालन किया है कि अन्तरिक्ष का केवल शान्तिपूर्ण उद्देश्यों के लिए ही इस्तेमाल किया जाए. भारत बाहरी अन्तरिक्ष के शस्त्रीकरण के खिलाफ है और अन्तरिक्ष आधारित परिसम्पत्तियों की सुरक्षा के अन्तर्राष्ट्रीय प्रयासों का समर्थन करता है.

ए-सैट मिसाइल के सफल परीक्षण के बाद डीआरडीओ और इसरो किसी भी सम्भावित खतरे से निपटने की तैयारियों में जुट गए हैं, इसमें डाइरेक्ट एनर्जी वेपन (DEWs) और को-ऑर्बिटल किलर्स को विकसित करने के अलावा अपने सैटेलाइट्स को इलेक्ट्रॉनिक और फिजिकल हमले से बचाने के तरीके भी शामिल हैं. रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन इस समय डाइरेक्ट एनर्जी वेपन, लेजर, इलेक्ट्रॉ-मैग्नेटिक पल्स के साथ, कोऑर्बिटल किलर्स की तकनीकी को और उन्नत बनाने की दिशा में काम कर रहा है. तीन स्टेज वाली इंटरसेप्टर मिसाइल 1000 किलोमीटर तक मार करने में सक्षम है. इसके साथ ही यह मिसाइल एक बार में कई लक्ष्यों पर निशाना साध सकती है. कभी अगर दुश्मन देश हमारे मुख्य उपग्रहों को निशाना बनाता है, तो सशस्त्र बलों की माँग पर मिनी उपग्रहों को भी भविष्य में लाँच करने की योजना है. डीआरडीओ लम्बे समय से विभिन्न प्रकार के डीईडब्ल्यू जैसे उच्च ऊर्जा वाले लेजर और उच्च शक्ति वाले माइक्रोवेव कार्यक्रम चलाता रहा है, जिससे हवाई और जमीन पर स्थित लक्ष्यों को नष्ट किया जा सके.

आईएसएस अन्तरिक्ष में दुनिया की एकमात्र स्थायी प्रयोगशाला है. यह बहुत विशाल है, एक फुटबाल मैदान की तुलना में थोड़ी बड़ी ही है, और इसका वजन 400 टन से ज्यादा है. आईएसएस पृथ्वी की सतह से करीब 400 किलोमीटर ऊपर स्थित है. अब प्रश्न यहाँ यह है कि क्या इतने बड़े पैमाने के बुनियादी ढाँचे के लिए छोटे टुकड़े खतरा पैदा कर सकते हैं? दरअसल टुकड़ों का आकार और वजन अलग बात है. महत्वपूर्ण यहाँ यह है कि ये टुकड़े बहुत तेज गति से चलते हैं. पृथ्वी की निचली कक्षा में जहाँ भारतीय उपग्रह पर परीक्षण किया गया, वहाँ वस्तुएं अपनी कक्षाओं में रहने के लिए आमतौर पर लगभग 8 मीटर प्रति सेकण्ड या 28,000 किलोमीटर प्रति घण्टे की रफ्तार से चलती हैं. इतने रफ्तार में करीब 100 ग्राम की एक छोटी वस्तु भी टकराने पर उतना ही प्रभाव पैदा करेगी, जितना कि लगभग 100 किलोमीटर प्रति घण्टे की रफ्तार से चलने वाला 30 किलो का पत्थर टकराने पर करता है. नष्ट किए गए भारतीय उपग्रह से निकलने वाला मलबा आमतौर पर इतनी ही रफ्तार से आगे बढ़ेगा. अगर इसे नष्ट नहीं किया गया तो, अन्तरिक्ष में किसी भी अन्य उपग्रह से टकराने पर वह उस उपग्रह को बेकार बना सकता है.

किसी भी उपग्रह को अन्तरिक्ष के मलबे से लगातार खतरा है. नासा की विशिष्ट एजेंसियाँ सभी महत्वपूर्ण बड़े टुकड़ों को ट्रैक करती हैं, जिनकी संख्या 23,000 से

शेष पृष्ठ 131 **पर**

अन्तर्राष्ट्रीय लेख

इस्लामिक सहयोग संगठन में भारत की मौजूदगी के निहितार्थ

✍ गिरीश चन्द्र पाण्डे

इस्लामिक सहयोग संगठन (OIC) संयुक्त राष्ट्र संघ के बाद विश्व का दूसरा सबसे बड़ा अन्तर-सरकारी संगठन है. विश्व में सामूहिक रूप से मुसलमानों के हितों की रक्षा एवं संरक्षण देकर विश्व के सभी भागों में अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति और सद्भावना को बढ़ावा देने वाला चार महाद्वीपों में फैला 57 देशों का संगठन है.

येरूस्लम स्थित अल-अक्सा मस्जिद को आग लगाए जाने से उपजी परिस्थितियों के बीच मोरोक्को के रबात शहर में 25 सितम्बर, 1969 को सम्पन्न ऐतिहासिक शिखर सम्मेलन में इस संगठन की स्थापना की गयी. इसका मुख्यालय जद्दाह (सऊदी अरब) है. अरबी, अंग्रेजी एवं फ्रेंच इस संगठन की अधिकृत भाषाएं हैं. विश्व के वही देश इस संगठन के सदस्य हैं, जिन्होंने अपने आपको इस्लामी राष्ट्र घोषित कर रखा है. मुस्लिमों की सर्वाधिक संख्या वाला तीसरा देश भारत (18·9 करोड़ मुस्लिम जनसंख्या) इस संगठन का सदस्य नहीं है.

इस संगठन की स्थापना के समय ही 1969 के रवात शिखर सम्मेलन में पाकिस्तान के भारी विरोध ने भारत को प्रतिनिधित्व करने से रोक दिया गया था, लेकिन विगत् पाँच वर्षों के दौरान विश्व के लगभग सभी बड़े एवं प्रभावी इस्लामी देशों के राष्ट्राध्यक्षों एवं शासनाध्यक्षों के साथ मधुर सम्बन्धों तथा कूटनीतिक पहलों से परिस्थितियों में बदलाव आया. इसका सकारात्मक परिणाम यह रहा कि आबूधाबी में दो दिवसीय (1-2 मार्च, 2019) इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के विदेश मंत्रियों की परिषद् को 46वें अधिवेशन संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्री शेख अब्दुला बिन जाएद अल नाहयान के आमन्त्रण पर भारत की विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज ने विशिष्ट अतिथि (Guest of Honour) के रूप में उद्घाटन सत्र में भाग लिया. इसे भारत की एक बड़ी कूटनीतिक सफलता माना जा रहा है. आतंकवाद के प्रति पाकिस्तान के ढुलमुल रवैए के कारण अब खुद जहाँ इस्लामी देश पाकिस्तान को एक सीमा से अधिक अहमियत देने को तैयार नहीं हैं, वहीं भारत को ओआईसी में आमन्त्रित कर उन्होंने यह भी प्रमाणित किया है कि भारत एक जिम्मेदार लोकतान्त्रिक देश है, जो न केवल आतंकवाद बल्कि विश्व की समस्याओं के प्रति सदैव एक जिम्मेदार राष्ट्र की अपनी भूमिका निभाता आ रहा है.

भारत की कूटनीतिक सफलता

पचास वर्ष पहले 1969 में पाकिस्तान ओआईसी की बैठक से भारत को बाहर करने में कामयाब रहा, आज उसी भारत को ओआईसी के सदस्य देश उसकी उन्नत ट्रेक रिकॉर्ड को देखते हुए तथा उसकी आर्थिक सम्भावनाओं तथा वैश्विक पहचान के मद्देनजर उसे अपने साथ देखना चाहते हैं. यह बेहद महत्वपूर्ण है कि इस संगठन ने पाकिस्तान की नाराजगी और यहाँ तक कि आयोजन के बहिष्कार की उसकी धमकी की भी अनदेखी कर यह सुनिश्चित किया कि विशिष्ट अतिथि के तौर पर भारतीय विदेश मंत्री सुषमा स्वराज उसके मंच को अवश्य सम्बोधित करें और ऐसा हुआ भी जबकि विदेश मंत्री ने आबूधाबी में न केवल इस बैठक में विशेष अतिथि के रूप में शिरकत की, बल्कि स्पष्ट शब्दों में पाकिस्तान का नाम लिए बिना अप्रत्यक्ष रूप से आतंकवाद के खात्मे की दिशा में ठोस पहल करने की ओआईसी सदस्यों से भी अपील की. विदेश मंत्री की यह यात्रा 14 फरवरी, 2018 को जम्मू-कश्मीर के पुलवामा आतंकी हमले के तुरन्त बाद की गई थी, जिसमें सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हुए थे और जिसकी जिम्मेदारी पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद सरगना मसूद अजहर ने ली थी, जो पिछले दो दशक से पाकिस्तान में सक्रिय है और इसका मुख्यालय बहावलपुर में है. इस प्रकार भारत में पिछले आतंकवादी घटनाओं के साथ ही पुलवामा आतंकी घटना के पीछे पाकिस्तान का प्रत्यक्ष हाथ होने की पुनर्पुष्टि हुई.

विशेषज्ञों का मत है कि संयुक्त अरब अमीरात के नेतृत्व में ओआईसी सदस्य राष्ट्रों में नरमपंथी विचारधारा की बयार बहने से भारत उसमें महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है. इस सन्दर्भ में यूएई की पोप यात्रा और उसके बाद यूएई के मंत्री की वेटिकन यात्रा एक महत्वपूर्ण पड़ाव कही जा सकती है. सऊदी अरब, उत्तरी अफ्रीकी देश तथा दक्षिण-पूर्व एशियाई देश भी नरमपंथी विचारों का समर्थन कर रहे हैं.

यहाँ यह उल्लेख करना भी प्रासंगिक होगा कि 1969 में स्थापित ओआईसी की मौजूदा संख्या 57 है, जिनमें से 47 मुस्लिम बहुसंख्यक देश हैं और 56 सदस्य संयुक्त राष्ट्र के सदस्य हैं. कुछ देश विशेष रूप पश्चिमी अफ्रीकी देश जहाँ बड़ी आबादी मुस्लिमों की है, लेकिन उन्हें मुस्लिम बाहुल्य देशों में नहीं गिना जाता है. रूस तथा थाइलैण्ड जैसे बड़ी मुस्लिम आबादी वाले कुछ देश पर्यवेक्षक के रूप में ओआईसी में भाग लेते हैं, जबकि भारत तथा इथोपिया इस संगठन के सदस्य नहीं हैं. यह भी उल्लेखनीय है कि आईओसी के 47 देशों में गणतन्त्रात्मक व्यवस्था है, जबकि शेष 10 देशों में अभी भी राजतन्त्र है और यह संगठन 1·8 अरब आबादी का प्रतिनिधित्व करता है.

ओआईसी में विदेश मंत्री का सम्बोधन

विदेश मंत्री ने अपने सम्बोधन में 2019 को बहुत ही विशेष वर्ष बताया, क्योंकि इस वर्ष जहाँ इस्लामी सहयोग संगठन अपनी स्वर्ण जयन्ती मना रहा है, वहीं संयुक्त अरब अमीरात सहिष्णुता वर्ष मना रहा है और भारत सत्य और अहिंसा के वैश्विक प्रतीक महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती मना रहा है. यह एक ऐसा संगठन है, जिसकी हमारी दुनिया को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका है. हमारे पड़ोस में, अफगानिस्तान, बांग्लादेश और मालदीव के साथ हमारे सम्बन्ध सौहार्द्रपूर्ण हैं, तो दूसरी ओर हमारे पूर्वी राष्ट्र, ब्रुनेई, इण्डोनेशिया और मलेशिया भारत की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' के महत्वपूर्ण स्तम्भ हैं और इण्डो पैसिफिक क्षेत्र में हमारे व्यापक जुड़ाव हैं.

वर्तमान में, खाड़ी क्षेत्र हमारा सबसे बड़ा बाजार है, ऊर्जा का आपूर्तिकर्ता और प्रेषण का स्रोत है. इस क्षेत्र में रहने वाले 8 मिलियन से अधिक भारतीय, इस साझेदारी के जीवन्त डोर हैं, लेकिन इन सबके बावजूद भारत का मत है कि विश्व में तनाव, अशान्ति, विवाद, हिंसा, अव्यवस्था, विस्थापन भी उच्च स्तर हैं. समाजों के अन्दर और बीच टकराव बढ़ रहा है. विश्व जलवायु परिवर्तन की मानवीय और आर्थिक कीमत भी महसूस कर रहा है और भयंकर आतंकवादी हिंसा में भयानक दैनिक विनाश भी देख रहा है. इससे जीवन तो नष्ट हो ही रहा है, साथ ही क्षेत्रों में अस्थिरता आ रही है और दुनिया संकट के दौर से गुजर रही है. विदेश मंत्री सुषमा स्वराज का कहना था कि भारत सहित दक्षिण-पूर्व एशिया, पश्चिम एशिया में खाड़ी क्षेत्र, उत्तरी अफ्रीका, साहेल क्षेत्र, यूरोप, उत्तरी अमरीका, अफगानिस्तान, बांग्लादेश आतंक का भयानक दंश झेल रहे हैं. भारत का स्पष्ट मत है कि आतंकवाद और उग्रवाद अलग-

अलग नाम हैं, लेकिन इनका मुख्य मकसद धार्मिक आस्थाओं और विश्वास को विकृत कर विनाश की ओर ले जाना है. विदेश मंत्री ने कहा कि आतंकवाद के समर्थन में धर्म को तोड़-मरोड़ कर इस्तेमाल किया जाता है, जिसकी वजह से आतंकवाद फल-फूल रहा है, अन्यथा दुनिया का हर धर्म शान्ति, सौहार्द्र और भाईचारे की सीख देता है. इसलिए मानवता को बचाने के लिए हमें आतंकवादियों को आश्रय और धन मुहैया कराने वाले राष्ट्रों को बताना चाहिए कि वे आतंकवादी शिविरों की अवसंरचना को खत्म करें और उनके देशों में स्थित आतंकवादी संगठनों को धन एवं आश्रय प्रदान करना बन्द करें. उनका यह भी कहना था कि इस खतरे को केवल सैन्य, खुफिया या कूटनीतिक माध्यम से नहीं लड़ा जा सकता. स्पष्ट तौर पर यह पाकिस्तान के लिए संकेत था.

विदेश मंत्री ने ओआईसी की इस बात के लिए भी सराहना कि उसने विश्व की समृद्धि और विकास के लिए एक रोडमैप तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और जिसके लिए भारत ने ओआईसी के स्थायित्व, शान्ति एवं सौहार्द स्थापित करने तथा आर्थिक विकास तथा समृद्धि स्थापित करने के प्रयास में अपनी एकजुटता भी प्रदर्शित की.

भारत ने उपनिवेशवादरोधी संघर्ष में भारत-ओआईसी समान भागीदारी, वैश्विक संस्थानों के निर्माण में संयुक्त प्रयासों, 230 अरब डॉलर के संयुक्त व्यापार सम्बन्धों, मध्य एशिया तक भारत द्वारा कनेक्टिविटी परियोजनाओं के माध्यम से नए सम्पर्कों को बढ़ाने, खाड़ी देशों के साथ गहन सुरक्षा तथा सामरिक सम्बन्धों एवं जलवायु परिवर्तन जैसे कई समसामयिक वैश्विक चुनौतियों के बारे में एक समान चिन्ताओं की ओर भी ओआईसी सदस्यों का ध्यान खींचा. इसके साथ ही उन्होंने ओआईसी से भारत के बाजार, संसाधनों, अवसरों तथा दक्षता का पूरा उपयोग उठाने का आह्वान करते हुए अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य में हो रहे परिवर्तनों की ओर भी इशारा किया. एशिया की अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक मामलों में बढ़ते प्रभाव और वैश्विक समुदाय के एक बड़े भाग की वहनीय प्रौद्योगिकियों तक पहुँच का भी उल्लेख किया और ओआईसी सदस्य देशों से स्वतन्त्रता, अवसरों, कनेक्टिविटी, शिक्षा तथा समृद्धि की वजह से प्राप्त लाभों का पूर्ण उपयोग करने का भी आग्रह किया.

ओआईसी के साथ भारत की बढ़ती निकटता

हाल के वर्षों में भारत का ओआईसी के साथ ऊर्जा सुरक्षा के साथ ही रक्षा, सुरक्षा, आतंकवादरोधी उपायों, आसूचना के आदान-प्रदान, व्यापार तथा निवेश, अन्तरिक्ष, क्षमता निर्माण आदि कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ा है. भारत की विकास भागीदारी के तहत् ओआईसी सदस्य देशों को भारत ने 12 अरब डॉलर से अधिक की राशि लाइंस ऑफ क्रेडिट के बतौर तथा लगभग 4 अरब डॉलर की राशि अनुदान सहायता के रूप में प्रदान की है. इसके अतिरिक्त, भारत ने पिछले पाँच वर्षों के दौरान वार्षिक तौर पर लगभग 4500 आईटीईसी स्लॉट्स और 2000 शैक्षणिक छात्रवृत्तियाँ ओआईसी देशों को प्रदान की हैं, जिससे उन्हें क्षमता निर्माण में भारी सहायता मिली है. भारत और ओआईसी के बीच व्यापार 230 अरब डॉलर के आसपास है, जो हमारे कुल व्यापार का 30 प्रतिशत है. संयुक्त अरब अमीरात के साथ व्यापार को देखें, तो यह हमारा चीन और अमरीका के बाद तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है, जिसके साथ द्विपक्षीय व्यापार 53 अरब डॉलर है, जबकि भारत यूएई का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है. यही नहीं, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात तथा अन्य ओआईसी के सदस्य भारत की आर्थिक हैसियत को समझने लगे हैं.

दृष्टिकोण

निश्चित तौर पर विदेश मंत्री का आबूधाबी में पहली बार इस्लामिक सहयोग संगठन की बैठक में सम्बोधन को भारत की एक महत्वपूर्ण राजनयिक उपलब्धि के रूप में देखा जा सकता है, जहाँ भारत ने आतंकवाद के खात्मे के लिए अपनी पूरी प्रतिबद्धता प्रदर्शित कर यह भी स्पष्ट कर दिया कि आतंकवाद से जंग किसी धर्म के खिलाफ नहीं है. जहाँ इस्लामिक देशों ने पाकिस्तान को अनसुना कर भारत की बात सुनी और पाकिस्तान द्वारा आतंकवादियों को शरण देने की नीति से असहमति व्यक्त की, वहीं भारत के लिए मुस्लिम दुनिया के करीब आने का यह एक सुनहरा मौका था. इससे विश्व को ओआईसी में भारत के बढ़ते कद और पाकिस्तान को नजरअंदाज करने का प्रमाण मिला.

भारत के लिए यह एक बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि इस रूप में भी कही जा सकती है कि ओआईसी घोषणा-पत्र में कश्मीर का कहीं जिक्र नहीं किया गया है. हालांकि, पाकिस्तान ने कश्मीर मुद्दे और भारत-पाकिस्तान सम्बन्धों के बारे में दो प्रस्ताव पेश किए और मानवाधिकारों के उल्लंघन के बहाने कश्मीर में 'जनमत संग्रह' की बात की और पाकिस्तान तथा भारत के बीच 'प्रमुख विवाद' के रूप में कश्मीर मुद्दे को भी उठाया. अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय से तीसरे पक्ष की मध्यस्थता कराने का आग्रह भी किया. पाकिस्तान प्रायोजित एक अन्य प्रस्ताव बाबरी मस्जिद को गिराने तथा भारत में रह रहे मुसलमानों का बलात् धर्मपरिवर्तन से सम्बन्धित था, लेकिन भारत ने जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बताते हुए इसे पूरी तरह भारत का आन्तरिक मामला बताकर पाकिस्तान के दावे को खारिज कर दिया.

यहाँ यह उल्लेख करना भी उचित होगा कि ओआईसी का वैश्विक राजनीति पर भी काफी दबदबा है. इसकी खासियत यह है कि सभी सदस्य देश मिलकर फैसला लेते हैं और पूरा संगठन उस फैसले पर खड़ा रहता है. संयुक्त राष्ट्र में भी यह देश एक 'ब्लॉक' की तरह काम करते हैं और एक साथ वोट देते हैं. इसलिए स्वाभाविक है कि भविष्य में भारत की संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् की स्थायी सदस्यता के लिए भी इनका सहयोग मिलेगा. यही नहीं, जैश-ए-मोहम्मद के मसूद अजहर को वैश्विक आतंकवादी घोषित करने में भी यह संगठन हमारे काम आ सकता है. अगर संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबन्धित सूची में मसूद अजहर को शामिल करने के लिए मतदान की प्रक्रिया अपनाई जाती है, तो ये मुस्लिम राष्ट्र हमारा दावा मजबूत कर सकते हैं.

जहाँ तक भारत और ओआईसी के बीच आर्थिक सहयोग का प्रश्न है, इसके कई सदस्य देश भारत में निवेश बढ़ा सकते हैं. संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कुवैत, तुर्की जैसे देशों के साथ हमारे रिश्ते न केवल बेहतर हो रहे हैं, बल्कि उनमें और गति आने की उम्मीद है. इन देशों के साथ जैसे-जैसे रिश्ता मजबूत होता जाएगा, वैसे-वैसे भारत में निवेश के नए दरवाजे खुलते जाएंगे. भारत इन देशों के साथ अपनी रक्षा तकनीक और प्रौद्योगिकी साझा कर सकता है. तुर्की, मिस्र जैसे देश भारत के अनुभवों से पर्याप्त लाभान्वित हो सकते हैं. निःसन्देह विदेश मंत्री का ओआईसी में सम्बोधन भारत के मुस्लिम समाज के लिए भी एक अच्छा सन्देश है और हमें आशा है कि आने वाले दिनों में ओआईसी के सदस्यों के साथ द्विपक्षीय रिश्तों के अलावा हम कई और भी नए सम्बन्धों को आगे बढ़ाने में समर्थ होंगे. ●●●

उपकार नवीन प्रस्तुति

हिन्दी

(कक्षा I–V के लिए)

CTET एवं अन्य राज्यों की TET परीक्षाओं के लिए उपयोगी

लेखक : प्रो. मधुप कुमार

कोड 2649 ₹ 170/-

उपकार प्रकाशन, आगरा–2

E-mail : care@upkar.in ● Website : www.upkar.in

विधि लेख

क्या कानून के क्षेत्र में हिन्दी की कोई उपयोगिता है ?

✍ डॉ. कविता सुरभि

बढ़ते वैश्वीकरण की चुनौती और कॉरपोरेट क्षेत्र की आवश्यकता ने अंग्रेजी भाषा से जहाँ प्रगति, विकास और पदोन्नति को जोड़ दिया है, वहीं समय-समय पर इस मुद्दे ने जोर पकड़ा है कि कानून या न्याय प्रशासन के लिए ऐसी भाषा का होना बहुत आवश्यक है, जो लोगों द्वारा आसानी से समझी जा सके क्योंकि **विधि (कानून) की अज्ञानता कोई बचाव प्रस्तुत नहीं करती है.**

अगस्त 19, 2014 अधिवक्ता शिवसागर तिवारी ने कानूनी हिन्दी के पक्ष में याचिका दायर की और उच्चतम न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) ने उस याचिका पर केन्द्र सरकार को नोटिस जारी किया तथा जबाव मांगा, जिसमें अदालत की कार्यवाही के संचालन के लिए हिन्दी को आधिकारिक भाषा बनाने हेतु संविधान के अनुच्छेद 348 में संशोधन की बात की गई.

उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश **मार्कण्डेय काटजू** ने तमिलनाडु में हिन्दी भाषा विरोधी आन्दोलन के दौरान हिन्दी के अधिरोपण का विरोध किया; किन्तु चेन्नई में अन्ना विश्वविद्यालय के समारोह में तमिलों को हिन्दी सीखने की सलाह दी, क्योंकि हिन्दी का क्षेत्र बहुत व्यापक है.

1. कानूनी हिन्दी का प्रभाव : संविधान की भावना के अनुकूल नहीं

भारत के संविधान ने हिन्दी को देश के राजकाज की भाषा तथा अन्य भारतीय भाषाओं को प्रदेश के राजकाज की भाषा का स्थान दिया है जो संविधान की उद्देशिका में वर्णित भारत के लोकतान्त्रिक राज्य के स्वप्न के लिए आवश्यक था, किन्तु न्यायपालिका के लिए संविधान की भावना के अनुकूल खुद को ढाल सकना सम्भव नहीं हो सका; जिसके अनेक दृष्टान्त हैं–

(i) **मधुलिमये बनाम वेदमूर्ति मामला–** इस मामले में श्री राजनारायण अपना निवेदन हिन्दी में प्रस्तुत करना चाहते थे. कुछ न्यायाधीश हिन्दी में दिए गए तर्कों को समझ नहीं पा रहे थे, अतएव अदालत ने उनके सामने तीन विकल्प रखे–एक, अंग्रेजी में तर्क करें; दूसरा, वे अपने वकील को ऐसा करने की अनुमति दें; या तीसरा, वे अपनी बात लिखित रूप में अंग्रेजी में दें. परन्तु श्री राजनारायण को ये शर्तें मंजूर नहीं थीं. उच्चतम न्यायालय ने तब यह निर्णय दिया कि चूँकि अनुच्छेद 348 के अनुसार न्यायालय की भाषा केवल अंग्रेजी है, इसलिए श्री राजनारायण को अपनी बात हिन्दी में रखने की अनुमति नहीं दी जा सकती है. संविधान के अनुच्छेद 19(1) (क) द्वारा प्राप्त मूलाधिकार के नाम पर यदि इसकी अनुमति दे दी जाए तो कोई असमिया, कोई गुजराती, कोई तमिल, तो कोई बंगला में तर्क करेगा, और न्यायाधीशों के लिए यह असमंजस का कारण बनेगा.

श्री राजनारायण ने व्यवस्था तथा सुविधा की दृष्टि से किसी एक ही भाषा, जैसे अंग्रेजी का होना ठीक माना, किन्तु इस आधार पर हिन्दी को अदालत से बाहर रखना न्यायोचित नहीं माना. विख्यात संविधान विशेषज्ञ एच.एम. सीरवई ने **गुजरात विश्वविद्यालय बनाम श्रीकृष्ण मुधोलकर** के मामले पर अपनी राय देते हुए कहा कि हिन्दी की संविधान में एक विशिष्ट स्थिति है; इसलिए इसकी तुलना अन्य भारतीय भाषाओं के साथ नहीं की जानी चाहिए.

(ii) डॉ. सुभाष सी. कश्यप द्वारा उद्धृत किया गया कि एक याचिका इस कारण खारिज हो गई है कि वह अंग्रेजी में नहीं वरन् हिन्दी में है.

(iii) **हिन्दी समिति बनाम भारत संघ** में उच्चतम न्यायालय ने यह मत व्यक्त किया कि किसी एक विशेष भाषा (हिन्दी) के माध्यम से प्रवेश टेस्ट (एंट्रेंस टेस्ट) नहीं लेना केवल भाषा के आधार पर प्रवेश से वंचित करना नहीं माना जाएगा.

(iv) पिछले दिनों उच्च न्यायालय ने दिल्ली विश्वविद्यालय की एल.एल.बी. प्रवेश प्रतियोगी परीक्षा को अंग्रेजी के साथ-साथ हिन्दी में भी करने की याचिका को खारिज कर दिया.

(v) **गुजरात विश्वविद्यालय बनाम श्री कृष्णा** में उच्चतम न्यायालय ने निर्णय दिया कि शिक्षा का माध्यम किसी विषय सूची में वर्णित नहीं है. राज्य विधायिका प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा के बारे में भाषा निर्धारित करने का अनन्य अधिकार रखती है. उच्च शिक्षा तथा वैज्ञानिक और तकनीकी शिक्षा में शिक्षण का माध्यम निर्धारित करने की शक्ति संसद में है. 42वें संशोधन अधिनियम, 1976 के बाद शिक्षा समवर्ती सूची (Concurrent list) का विषय बन गई है.

यद्यपि राज्य का राज्यपाल, राष्ट्रपति की पूर्व सम्मति से राज्य के न्यायालय की भाषा सुनिश्चित करने की शक्ति रखता है, परन्तु सीरवई महोदय के अनुसार, इस तरह की सम्मति सम्भवतः कभी नहीं दी जाएगी, क्योंकि इससे न्यायप्रशासन, न्यायालय और बार में एकता सुनिश्चित नहीं की जा सकेगी. सूची 1-संघ सूची की प्रविष्टि 78 अभिव्यक्त रूप से संसद को यह शक्ति देती है कि वह उच्च न्यायालयों में वकालत करने के सम्बन्ध में कानून बनाए. इसके अनुसरण में अधिवक्ता अधिनियम, 1961 बनाया गया. इस अधिनियम द्वारा एक ऐसे 'बार' की स्थापना हुई, जिसमें भाषा को लेकर एकरूपता है. अर्थात् अभी भाषा नीति ऐसी है कि देश के एक उच्च न्यायालय में कार्यान्वयन करने वाला अधिवक्ता किसी अन्य उच्च न्यायालय में भी वकालत में कठिनाई नहीं पाता.

2. संविधान का अनुच्छेद 348

(क) अनुच्छेद 348 के अनुसार, 'उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों के निर्णय, डिक्री या आदेश के सम्बन्ध में इन न्यायालयों की यह बाध्यता है कि वे हर परिस्थिति में अपना निर्णय, डिक्री व आदेश अंग्रेजी में ही दें, जब तक कि संसद विधि द्वारा कोई अन्य व्यवस्था नहीं कर देती.' न्यायिक और अर्द्धन्यायिक कार्य में संलग्न सरकारी विभागों की बड़ी संख्या हिन्दी में आदेश पारित करने में अक्षम हैं, किन्तु सरकारी अधिकारियों द्वारा हिन्दी में आदेश पारित करने से उन्हें कोई नहीं रोकता.

(ख) भारत के विधि आयोग की 216वीं रिपोर्ट सरकार को प्रस्तुत की गई. भारत के विधि आयोग ने अनुच्छेद 348 में संशोधन करने की संसदीय समिति की सिफारिश को अस्वीकार कर दिया, क्योंकि यदि समस्त उच्च न्यायालयों की भाषा भिन्न हुई, तो उच्च न्यायालयों की भाषा-भिन्नता वकीलों के 'देश में कहीं भी वकालत करने के अधिकार' को काल्पनिक बना देगी. जैसे यदि चेन्नई उच्च न्यायालय में केवल तमिल में ही कार्यवाही हो, तो उत्तर भारत का वकील वहाँ वकालत नहीं कर पाएगा. उसी प्रकार यदि इलाहाबाद उच्च न्यायालय की भाषा सिर्फ हिन्दी हो जाए, तो चेन्नई का वकील इलाहाबाद उच्च न्यायालय में वकालत नहीं कर सकेगा. उच्च न्यायालय के निर्णयों में भाषा सम्बन्धी भिन्नता होने से एक उच्च न्यायालय सम्भवतः अन्य उच्च न्यायालय के निर्णय के लाभ से वंचित हो जाएगा.

3. अदालत में भाषा नीति को प्रभावित करने वाले कुछ कारण

(क) कॉमन लॉ प्रणाली विधिशास्त्र के पूर्व निर्णयों पर अवलम्बित है. पूर्वनिर्णय सिर्फ अंग्रेजी भाषा में उपलब्ध हैं. हमारी अदालतें

स्वतन्त्रता के साथ अंग्रेजी, अमरीकी और राष्ट्रमण्डल के पूर्वनिर्णयों को आधार बनाती हैं. हमारे न्यायालयों के निर्णयों आजकल विदेशी अदालतों में उद्धृत किए जा रहे हैं. देश के सभी भागों में विधायी कानून और नियम हिन्दी भाषा में उपलब्ध नहीं हैं, न न्यायाधीशों के लिए, न बार के सदस्यों के लिए और न ही वादी जनता के लिए.

(ख) भारत ने दूसरे देशों के साथ कराधान विधि (Taxation law) के कई करारों पर हस्ताक्षर किए हैं. कानूनों का निर्वचन (Interpretation of law) पर हमारे यहाँ दिन-रात काम होता है. राजस्व कानूनों (Revenue laws) के अलावा कुछ नए विषय जैसे–सूचना प्रौद्योगिकी (Information technology), स्टेम सेल डवलपमेंट, और साइबर अपराध से सम्बन्धित कानून, कराधान विधि (Taxation law) आदि अंग्रेजी में ही उपलब्ध हैं. ब्रिटेन, संयुक्त राज्य अमरीका, कॉमनवेल्थ देश आदि के कानून अंग्रेजी में उपलब्ध हैं.

(ग) लोक-विधि (Common law), पब्लिक लॉ, अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार शासन, अन्तर्राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा (International Intellectual Property) और तेजी से विकसित होता जा रहा इकनॉमिक लॉ, सीमा पर लेन-देन की प्रणाली आदि विषय हमें विरासत में मिले हैं, उनका एकीकरण अन्य देशों तथा न्यायालय की कानूनी प्रणाली के साथ हो गया है.

(घ) कर (टैक्स) एवं लेखा परीक्षकों के समुदाय, निवेशक सब अंग्रेजी में कानून तैयार करना चाहते हैं, क्योंकि बहुत से वाक्यांश, मैक्जिम्स, सिद्धान्त और अभिव्यक्ति सिर्फ अंग्रेजी भाषा में ही उपलब्ध हैं. आज लैटिन के 'इप्सो फैक्टो' (स्वयंमेव ही), 'एब इनिशियो' (आरम्भ से ही) आदि सूत्रों का प्रचलन है.

(ड़) टिप्पणियाँ और कानूनी पत्रिकाएँ आदि हिन्दी में मुद्रित नहीं हैं.

(च) प्राधिकृत ज्यादातर पाठ्य पुस्तकें अंग्रेजी में हैं. अन्य देशों के कानून की पुस्तकें और पत्रिकाएँ, जो निर्णय लेने की प्रक्रिया में मददगार साबित होते हैं, सब अंग्रेजी में हैं.

(छ) कम्प्यूटर क्रान्ति भी एक कारण है कि विधि साहित्य, कानूनी जानकारी की सूचना अंग्रेजी भाषा से प्राप्त करना अत्यन्त सहज हो गया है.

(ज) विश्व स्तर पर हिन्दी के मेन्टर उपलब्ध हैं, लेकिन उनकी संख्या सीमित है. ऑन लाइन और ऑफ लाइन दोनों स्थानों पर अंग्रेजी मेन्टर्स बहुत बड़ी संख्या में उपलब्ध हैं.

(झ) अहिन्दी भाषी हिन्दी को विधान की भाषा स्वीकारने के लिए तैयार नहीं.

(ञ) अनुच्छेद 351 द्वारा हिन्दी भाषा के प्रसार के लिए संघ को दिए गए जनादेश के बावजूद देश के कई हिस्सों में अब भी लोग हिन्दी से पूरी तरह से परिचित नहीं हैं.

(ट) दक्षिणी राज्य हिन्दी में पारित आदेश, फरमान और निर्णय को स्वीकार करने के लिए सहमत नहीं हैं.

(ठ) संसद के सदस्यों की एक बड़ी संख्या, जो अहिन्दी भाषी राज्यों से है, हिन्दी प्रारूपण (drafting) को पढ़ने और समझने में सक्षम नहीं हैं और न ही सक्षम बनना चाहते हैं.

4. सकारात्मक परिवर्तन

ऐसे मामलों की भी कमी नहीं है, जिनमें हिन्दी के प्रति संवेदनशीलता दिखलाई गई है.

(i) सन् 1978 के **भारत संघ बनाम मुरासोली मारन** मामले में माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने यह स्पष्ट अभिमत दिया कि हिन्दी भाषा में सरकारी काम करने वाले सरकारी कर्मचारियों को प्रोत्साहित करना संविधान के किसी भी अनुच्छेद का उल्लंघन नहीं करता, बल्कि यह संविधान के अनुच्छेद 343 और 344 की भावना को मूर्त रूप प्रदान करता है.

इस मामले में प्रत्यर्थियों ने उच्च न्यायालय में रिट-पिटिशन फाइल किया और घोषणा की कि 1962 में जो राष्ट्रपति आदेश जारी किया गया तथा उसके अनुसरण में जो अन्य आदेश परिपत्र और ज्ञापन जारी किए गए, वे राजभाषा अधिनियम, 1963 की यथा-संशोधित धारा 4(3) से असंगत थे; क्योंकि उन्होंने हिन्दी भाषा में प्रवीण न होने के कारण उन व्यक्तियों को अलाभकारी स्थिति में रख दिया था, जो पिटिशनरों के सदृश थे. उच्च न्यायालय ने उनकी दलील स्वीकार कर ली और आदेश को असंवैधानिक घोषित कर दिया. राज्य ने इस निर्णय के विरुद्ध उच्चतम न्यायालय में अपील फाइल की. उच्चतम न्यायालय ने यह अभिनिर्धारित किया कि राष्ट्रपतीय आदेश विधिमान्य है, "राष्ट्रपतीय आदेश भाषा-अधिनियम के पास होने के पश्चात् अविधि-मान्य नहीं हो गया है. राष्ट्रपतीय आदेश में हिन्दी भाषा को राजभाषा बनाने के अन्तिम उद्देश्य पर ध्यान रखा गया है. किन्तु साथ-साथ देश की परिस्थितियों को भी ध्यान में रखा गया है कि परिवर्तन क्रमिक होना चाहिए. राष्ट्रपतीय आदेश का प्रयोजन हिन्दी भाषा की प्रसार-वृद्धि करना और केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों को सेवा में रहते हुए हिन्दी भाषा का प्रशिक्षण लेने की सुविधाएँ देना है."

(ii) 1976-77 में **आर.आर. दलवाई बनाम तमिलनाडु राज्य** मामले में हिन्दी की प्रगति में उच्चतम न्यायालय के योगदान की सजगता स्वतः ही दिखलाई पड़ती है. तमिलनाडु सरकार ने हिन्दी विरोधी आन्दोलनकारियों को पेन्शन देने की योजना बनाई. अपीलार्थी ने अनुच्छेद 226 के अधीन तमिलनाडु सरकार के हिन्दी विरोधी आन्दोलनकारियों को पेंशन प्रदान करने की शक्ति को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय में आवेदन किया. उसने राज्य की शक्ति को भी चुनौती दी कि राज्य कोष का उपयोग ऐसी संविधान विरोधी बात के लिए नहीं किया जा सकता, क्योंकि भारत के संविधान का अनुच्छेद 351 दो टूक शब्दों में हिन्दी भाषा के विकास के लिए निर्देश देता है. परन्तु उच्च न्यायालय ने आवेदन खारिज कर दिया और कहा कि तमिलनाडु सरकार ऐसा कर सकती है. फिर इसे सर्वोच्च न्यायालय लाया गया. उच्चतम न्यायालय ने अपने निर्णय में कहा, "तमिलनाडु सरकार द्वारा बनाई गई पेंशन योजना में विघटन के तत्व हैं. यह विभाजनकारी प्रवृत्तियों को भड़काते हैं. यदि कोई राज्य हिन्दी या किसी अन्य भाषा के विरुद्ध मनोभावों को उत्तेजित करने में लगा हुआ है, तो ऐसी प्रेरणा को आरम्भ में ही नष्ट करना होगा, क्योंकि यह राष्ट्र विरोधी कार्य है. ऐसा करने वालों को प्रोत्साहन देने से हिन्दी के प्रसार की वृद्धि में गतिरोध उत्पन्न होता है और विघटनकारी एवं विभाजनकारी तत्वों को बल मिलता है. अतः पेंशन योजना अवैध और असंवैधानिक है."

(iii) **जगदेव सिंह बनाम प्रताप सिंह** मामले में उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट किया कि अपनी भाषा को बनाए रखने के अन्तर्गत भाषा के लिए आन्दोलन करने का अधिकार भी सम्मिलित है.

5. हिन्दी का अन्तर्राष्ट्रीय विकास

चीनी भाषा के बाद विश्व में सबसे अधिक हिन्दी भाषा बोली जाती है. आँकड़ों के अनुसार, फिजी, मॉरिशस, गयाना, सूरीनाम, त्रिनिदाद, चीन, सिंगापुर, बर्मा, श्रीलंका, थाईलैण्ड, मलेशिया, तिब्बत, भूटान, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, बांग्लादेश, मालदीव, दक्षिण अफ्रीका आदि की अधिकतर जनता तथा नेपाल के कुछ नागरिक हिन्दी बोलते हैं, क्योंकि यहाँ हिन्दी भाषी परिवार पीढ़ी दर पीढ़ी निवास कर रहे हैं. अमरीका, कनाडा, फ्रांस, इटली, रूस, स्वीडन, नार्वे, हॉलैंड, पोलैंड, जर्मनी, सऊदी अरब आदि देशों में पर्याप्त मात्रा में हिन्दी भाषी जन निवास कर रहे हैं. दुबई की अधिकांश जनता न केवल हिन्दी बोलती है, बल्कि समझती भी है. व्यावसायिक जरूरत ने भी हिन्दी भाषा का इन देशों में प्रसार किया है, क्योंकि अधिकांश विदेशी कम्पनियों में हिन्दी जानकारों के लिए नौकरी सुलभ हो गई है. इससे निश्चित ही हिन्दी भाषा का संवर्द्धन, विकास व प्रसार हो रहा है.

डॉ. जयन्ती प्रसाद नौटियाल के 2012 के नवीनतम शोध से यह सिद्ध हुआ है कि

चीनी जानने वाले 1050 मिलियन हैं और हिन्दी जानने वाले 1200 मिलियन हैं. हिन्दी के पूरे विश्व में विशाल क्षेत्र की भाषा होने का एक कारण मध्यम वर्ग को अपने में समेटना है. हिन्दी को अपनाना बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की विवशता है, क्योंकि भारतीयों की मेहनत, प्रतिभा और कुशाग्र बुद्धि ने खुद को प्रमाणित करके दिखाया है और विश्व के अधिकांश देशों की उन्नति में सहयोग दिया है. भारतीयों की कर्मठता को उपयोग में लाने की कम्पनियों की विवशता और इच्छा में हिन्दी की शक्ति और सामर्थ्य का बढ़ना है. वेब, विज्ञापन, संगीत, सिनेमा और बाज़ार के क्षेत्रों में हिन्दी का अन्तर्राष्ट्रीय विकास बीसवीं शती के अन्तिम दो दशकों में जितनी तेजी से हुआ है, उतना किसी अन्य भाषा में नहीं.

विश्व के अनेक देश इस सम्बन्ध में इस प्रकार के कानून बना रहे हैं, जिससे उनकी अपनी भाषा पुनः अपना स्थान प्राप्त करे और अंग्रेजी उन्हें पदस्थापित न कर पाए. कनाडा तथा अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय में न्यायधीश को कम से कम दो भाषाएँ जानना अनिवार्य है. सन् 2005-2006 में प्रकाशित 'द इकोनोमिस्ट' की भाषा सम्बन्धी रपट के अनुसार, यूरोपीय संघ में 13 यूरोपीय भाषाएँ शासकीय स्तर पर मान्यता प्राप्त हैं; लेकिन धीरे-धीरे अंग्रेजी ने अन्य 12 भाषाओं को किनारे कर दिया है. अमरीका में भी अंग्रेजी ने ऐसा ही किया. भारत में संस्कृत को पहले शास्त्रीय कहकर अत्यन्त सीमित कर दिया गया और आज अन्य भारतीय भाषाओं के साथ भी यही प्रक्रिया जारी है.

हिन्दी की स्वीकार्यता

विधि मन्त्री श्री.पी. गोविन्द मेनन की हार्दिक कामना थी कि शीघ्रतिशीघ्र न्यायालयों की कार्यवाहियाँ उस भाषा में हों, जो राज्य की जनता द्वारा अपने पारस्परिक व्यवहार के लिए प्रयुक्त की जाती हैं. उनको यह बात बहुत खलती थी कि अभियुक्त तो कटघरे में अपने भाग्य के विषय में आशंकित खड़ा रहता है और न्यायालय में उसके अधिवक्ता तथा अभियोजन पक्ष के वकील अंग्रेजी में अपने-अपने तर्क न्यायधीश के समक्ष रखते हैं, जिन्हें अंग्रेजी न जानने के कारण अभियुक्त समझ नहीं पाता और न्यायाधीश उन तर्कों को सुनकर उसे दण्डित करने का निर्णय सुना देता है.

प्रबन्धक समिति बनाम जिला परिषद् मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका हिन्दी में देवनागरी लिपि में प्रस्तुत की गई. इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने निर्णय दिया कि राज्यपाल ने 05·09·1969 को जो अधिसूचना दी है, उसके बाद एक व्यक्ति को यह अधिकार है कि वह हिन्दी में याचिका दायर कर सके और विनिश्चय कर सके. **नरेन्द्र कुमार बनाम राजस्थान उच्च न्यायालय** मामले में राजस्थान उच्च न्यायालय के निर्णयों, आज्ञप्तियों और आदेशों में हिन्दी के प्रयोग को राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 7 के अन्तर्गत वैध माना. उच्च न्यायालय ने विचार प्रकट किया कि उच्च न्यायालय की भाषा के सम्बन्ध में राजभाषा अधिनियम, 1963 संसद द्वारा पारित है. यह हिन्दी में निर्णय का विकल्प देता है. अतः यह नहीं कहा जा सकता कि निर्णय, आज्ञप्ति या आदेश केवल अंग्रेजी में ही होंगे.

हिन्दी भाषी क्षेत्रों में जिला तथा उच्च न्यायालय स्तर पर हिन्दी में राज काज होता है. **हरिकिशन बनाम महाराष्ट्र** मामले में निरुद्ध व्यक्ति अंग्रेजी भाषा नहीं जानता था. उसके इस निवेदन को स्वीकार नहीं किया गया कि फैसले के समय हिन्दी भाषा का प्रयोग किया जाए. **नैनमल प्रतापमल बनाम भारत संघ** मामले में अनूदित आदेश सम्बन्धित व्यक्ति को उसकी परिचित हिन्दी भाषा में नहीं बताया गया. अंग्रेजी वह जानता नहीं था. इन मामलों में उच्चतम न्यायालय ने निर्णय दिया कि सांविधानिक अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए यह आवश्यक है कि निरुद्ध व्यक्ति स्वयं उस भाषा को जानता हो. यदि व्यक्ति अंग्रेजी नहीं जानता तो उसे उस भाषा में आधार बताए जाएं, जिससे वह परिचित है.

हिन्दी के प्रयोग के लिए प्रयास

कानूनी प्रणाली में संवाद का स्तर हिन्दी भाषा हो सके, इसके लिए अनेक स्तरों पर प्रयत्न किए गए. राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की प्रेरणा से भाषा विशेषज्ञ सम्मेलन और विशेषज्ञ अनुवाद समिति के माध्यम से सरकार ने गति दिखलाई. राजभाषा विधायी आयोग एवं उसके उत्तरवर्ती विभाग ने विधि शब्दावली (Law Terminology) के निर्माण में कतिपय सिद्धान्तों का अनुसरण किया. राष्ट्रपति के 1960 के आदेश के पैरा 3 में शब्दावली के निर्माण का कार्य शिक्षा मन्त्रालय को सौंपा गया था. उसके अनुसरण में शिक्षा विभाग ने वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली का निर्माण किया. विधि मन्त्रालय ने उच्चतम न्यायालय के निर्णयों को हिन्दी में प्रकाशित करने का निश्चय किया. 25 अगस्त, 1988 को भारत के संविधान का द्विभाषी संस्करण (हिन्दी अंग्रेजी में) प्रकाशित किया गया. दो पत्रिकाएँ दांडिक निर्णय पत्रिका और सिविल निर्णय पत्रिका प्रकाशन में आईं. हिन्दी के माध्यम से विधिक भाषा का विकास करना एक राष्ट्रीय मिशन रहा है. भारतीय विधिक शब्दावली का निर्माण विधि साहित्य से संचय करके किया गया है, जिसमें भारत सरकार के विधि एवं न्याय मन्त्रालय की अहम् भूमिका रही है. विधि शब्दावली इतनी वैज्ञानिक और सटीक है कि न सिर्फ कानून और संविधान की एकरूपता को हम उसमें पाते हैं, वरन् राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय– दोनों सन्दर्भों को समेटने का सामर्थ्य उसमें है. आवश्यकता है कि इसका प्रचार हो, जिससे शब्द परिचित हों और सरल लगने लगें.

निष्कर्ष

कानून के समुचित विकास के लिए हिन्दी को अपनाना सम्भव हो सकता है यदि वर्तमान प्रणाली में इस मुद्दे से जुड़ी व्यावहारिक समस्याओं को समझा जाए और उन पर काम किया जाए. अंग्रेजी के महत्व को समझते हुए भी, उसको अंगीकार कर और उसका सम्मान करते हुए भी जो देश अपनी भाषा के साथ भी न्याय करते हैं, वे देश हमसे आगे हैं. इंग्लैण्ड के एक विश्वविद्यालय ने लगभग 25 नोबेल पुरस्कार विजेताओं को जन्म दिया है. विश्व की श्रेष्ठ 200 विश्वविद्यालयों की सूची में भारत का नाम नहीं है. अपनी भाषा में उच्च शिक्षा अध्ययन कर रहे चीन आदि का नाम है. मनीषा व मेधा हमारे देश में भी कम नहीं है. नई पीढ़ी को कानूनी हिन्दी के लाभ से वंचित करना समझदारी नहीं है. यदि संविधान को उसी तरह काम करना है, जैसे उसकी भावना है तो यह अनिवार्य है कि भारत के संविधान के भाग-17 'संघ की राजभाषा' के उद्देश्य 'राजभाषा हिन्दी को प्रभावी रूप में स्थापित' किया जाए. हिन्दीभाषियों की उदासीनता, खुद को हीन समझना हिन्दी के विकास की सबसे बड़ी बाधा है. केन्द्र व राज्य सरकारें हिन्दी में रोजगार उपलब्ध कराने में सक्षम हो सकें, यह विधिक हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार, सम्प्रेषण और विकास में अत्याधिक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकेगा, जो न केवल देश को एक कड़ी में बांधने में कामयाब हो सकता है, वरन् जन साधारण में सरकारी काम काज, शासन व्यवस्था तथा कानूनी प्रक्रिया में भी नागरिकों में बेहतर आस्था जगाने में सफल होगा. ●●●

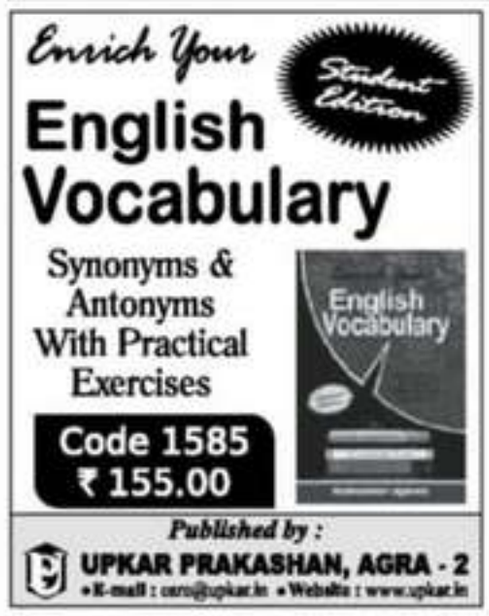

ऐतिहासिक लेख

प्राचीन भारत में बौद्ध धर्म को राजकीय संरक्षण

✍ डॉ. राकेश कुमार सिन्हा 'रवि'

युग-युगों से धर्मसम्मत रहे भारतवर्ष को राज्य परम्पराओं में शताधिक राजाओं का महत्वपूर्ण स्थान रहा है इन राजाओं ने न सिर्फ राजनैतिक स्थिति, आन्तरिक शासन व्यवस्था, परराष्ट्र सम्बन्ध व सांस्कृतिक उत्थान पर ध्यान दिया, वरन् धार्मिक ज्योति को प्रज्ज्वलित कर उनके प्रचार-प्रसार में स्मरणीय योगदान दिया. भारतवर्ष में तथागत बुद्ध के जीवन दर्शन पर अवलम्बित बौद्ध धर्म के विकास व सम्यक विस्तार में भारतीय राजाओं का विशिष्ट स्थान रहा है.

मगध के नरेश अजातशत्रु (492–460 ई. पू.) वह प्रथम शासक थे, जिन्होंने अपने राज्य में बौद्धधर्म को राज्याश्रय दिया. बुद्ध के ब्रह्मलीन होने के तत्काल बाद प्रथम बौद्ध संगीति का आयोजन अजातशत्रु के शासनकाल में ही हुआ था जिसमें बुद्ध शिष्य आनन्द व उपालि की उपस्थिति में महाकस्सप ने अध्यक्षता की थी. सुतपिटक व विनयपिटक का संकलन इसी समय हुआ. अजातशत्रु के शासनकाल के आठवें वर्ष में महापरिनिर्वाण को प्राप्त हुए बुद्ध के अवशेषों पर राजगृह में विशाल स्तूप बनाया गया.

शिशुनाग वंश का राजा कालाशोक (काकवर्ण) (412–394 ई. पू.) बुद्ध के मार्ग का पथिक था और उसी के समय में वैशाली में द्वितीय बौद्ध संगीति हुआ जिसमें दो सम्प्रदाय-स्थाविर और महासांधिक, में बौद्धों का विभाजन हो गया. नन्द वंश के राजा महापद्मनन्द को भी बौद्ध धर्म का अनुयायी माना जाता है. ह्वेनसांग के अनुसार उस जमाने में पाटलिपुत्र में पाँच स्तूप थे जो नन्द राजा के सात बहुमूल्य पदार्थों द्वारा संचित कोषागारों का प्रतिनिधित्व करते थे.

मौर्य सम्राट अशोक के जीवन-काल में बौद्ध धर्म स्वीकरण की ऐतिहासिक घटना कलिंग युद्ध भारतीय इतिहास का एक ऐसा मोड़ है जिसके बाद बौद्ध धर्म के समग्र विकास की दिशा में नए युग के आगमन हुआ. अशोक के ही काल में तृतीय बौद्ध संगीति का आयोजन पाटलिपुत्र में किया गया, जिसकी अध्यक्षता मोग्गलिपुत्र तिस्स ने की थी. इसमें उन्होंने कथावस्तु का संकलन किया तथा पूर्व के पिटकद्वय में बुद्ध के सिद्धान्तों की नव व्याख्या के साथ तीसरे अभिधम्म पिटक का संकलन किया गया. इस तरह अब पिटकों की कुल संख्या तीन हो गयी. इस संगीति में संघ भेद रोकने पर कठोर नियम बना दिए गए.

कुछ इतिहासकार अशोक के धर्म (धम्म) को राजधर्म, तो कुछ सार्वभौम धर्म है, तो कुछ इसे उपासक बौद्ध धर्म के रूप में रेखांकित करते हैं. डॉ. स्मिथ लिखते हैं कि अशोक का धम्म किसी एक संप्रदाय विशेष से सम्बन्धित न था बल्कि वह सभी भारतीय धर्मों के लिए स्थान था. अशोक के शासनकाल के आठवें वर्ष में घटित कलिंग युद्ध के बाद उसने बौद्ध धर्म ग्रहण कर लिया और देवानामप्रिय प्रियदर्शी का विरुद धारण किया. इसके बाद उसने तथागत से जुड़े स्थलों तक धम्म यात्रा की जिसमें बोधगया का नाम प्रथम है. धम्म की संवृद्धि हेतु अशोक ने अभिलेख (पाषाण पट्ट अंकन) उत्कीर्ण करवाए, विहार, मठ और चैत्य का निर्माण करवाने के साथ-साथ साहित्य-साधनों व धर्म महामात्रों द्वारा धम्म का प्रचार कराया. ऐसा माना जाता है कि अशोक ने संघ के समर्थन में अस्सी हजार बौद्ध स्तूपों का निर्माण कराया. बौद्ध धर्म से जुड़े स्तम्भ स्तूप, वेदिका व गुहा विहार इसी युग की देन हैं. यहाँ ध्यातव्य है कि सम्राट अशोक द्वारा लोकहितकारी कार्य का सम्पादन धम्म विस्तारार्थ करवाया और इसके अन्तर्गत राजमार्ग, राजमार्गों के किनारे छायादार वृक्ष, कूप व सराय के निर्माण के साथ मानव व पशु दोनों के लिए औषधालयों का निर्माण करवाया. अशोक के जीवन में भेरीघोष के स्थान पर धम्मघोष की नीति को अपनाया गया. उसका प्रधान कारण बौद्ध धर्म ही था. अशोक के कार्यकाल के निर्मित स्मारकों को पाटलिपुत्र, वैशाली, बोधगया, लौरियानंदन-गढ़, ढुगेश्वरी, राजगृह, सांची, कालसी आदि में देखा जा सकता है.

शुंग काल में भरहुत स्तूप, बोधगया स्तूप, सांची स्तूप, आदि विशाल बौद्ध कलाकृतियों का निर्माण हुआ. इस युग के प्रारम्भिक चरण में बौद्ध भिक्षुओं के ऊपर कतिपय अत्याचार के साहित्यिक साक्ष्य देखने को मिलते हैं, परन्तु दिव्यावदान का कथन है कि शुंग नरेशों ने बौद्धों को अमात्य नियुक्त किया. इसके बाद सातवाहन वंश के राजा वशिष्टपुत्र पुलमावी ने अपने राज्य काल में बौद्ध स्मारकों का न सिर्फ निर्माण करवाया वरन् अमरावती के स्तूप को वृहद् रूप देकर उसका विस्तार कराया.

सम्राट अशोक के बाद बौद्ध धर्म के उद्धारक के रूप में कुषाण शासक कनिष्क का नाम आता है, जिसके शासन काल में कश्मीर के कुण्डलवन में चतुर्थ बौद्ध संगीति का आयोजन हुआ था. इसके अध्यक्ष वसुमित्र और उपाध्यक्ष अश्वघोष थे. इसी बौद्ध संगीति में प्रत्येक पिटक पर भाष्य लिखे गये जिन्हें विभाषाशास्त्र कहा जाता है. कनिष्क ने अपने साम्राज्य के प्रमुख स्थलों पर विहार, स्तूप एवं चैत्यों आदि का निर्माण करवाया जिसका वर्णन चीनी यात्री फाह्यान ने भी प्रस्तुत किया है. इसी युग में मूर्तिकला के क्षेत्र में युगान्तकारी परिवर्तन हुए जिसके दो प्रधान केन्द्रों में मथुरा व गांधार स्थापित हुए और इन दोनों कला केन्द्रों से तथागत की विविध शैली की मूर्तियाँ बनायी गईं जिन्हें आज भी देखा जा सकता है.

बौद्ध संगीतियाँ

1. प्रथम

स्थान–*राजगृह (सप्तपर्णी गुफा)*
समय–*483 ई. पू.*
अध्यक्ष–*महाकस्सप*
शासनकाल–*अजातशत्रु (हर्यक वंश)*
उद्देश्य–*बुद्ध के उपदेशों को दो पिटकों विनय पिटक तथा सुत्त पिटक में संकलित किया गया.*

2. द्वितीय

स्थान–*वैशाली*
समय–*383 ई. पू.*
अध्यक्ष–*साबकमीर (सर्वकामनी)*
शासनकाल–*कालाशोक (शिशुनाग वंश)*
उद्देश्य–*अनुशासन को लेकर मतभेद के समाधान के लिए बौद्ध धर्म स्थाविर एवं महासंघिक दो भागों में बँट गया.*

3. तृतीय

स्थान–*पाटलिपुत्र*
समय–*251 ई. पू.*
अध्यक्ष–*मोग्गलिपुत्ततिस्स*
शासनकाल–*अशोक (मौर्यवंश)*
उद्देश्य–*संघ भेद के विरुद्ध कठोर नियमों का प्रतिपादन करके बौद्ध धर्म को स्थायित्व प्रदान करने का प्रयत्न किया गया. धर्म ग्रन्थों का अन्तिम रूप से सम्पादन किया गया तथा तीसरा पिटक अभिधम्मपिटक जोड़ा गया.*

4. चतुर्थ

स्थान–*कश्मीर के कुण्डलवन*
समय–*लगभग ईसा की प्रथम शताब्दी*
अध्यक्ष–*वसुमित्र एवं अश्वघोष (उपाध्यक्ष)*
शासनकाल–*कनिष्क (कुषाण वंश)*
उद्देश्य–*बौद्ध धर्म का दो सम्प्रदायों **हीनयान** तथा **महायान** में विभाजन.*

प्राचीन भारतीय इतिहास का स्वर्णकाल अर्थात् गुप्तकालीन राजाओं में राजा समुद्रगुप्त भले ही भागवत धर्म के संरक्षक व संवर्द्धक थे पर इन्होंने अपने शासन में बोधगया में सिंघल देश के राजा मेधिवर्मन के अनुरोध पर बोधगया में बोधिवृक्ष के उत्तर में लंका के बौद्ध भिक्षुओं के लिए भव्य विहार बनवाने में अपना योगदान दिया था. चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य के सांची लेख के अनुसार सम्राट चन्द्रगुप्त द्वितीय ने सांची महाविहार के आर्यसंघ को 25 दीनारें और ईश्वर वासक ग्राम दान में दिए थे. यह प्रतिदिन पाँच भिक्षुओं को भोजन कराने एवं रत्नगृह में दीपक जलाने के लिए दिया गया था. इसके बाद सम्राट कुमारगुप्त के काल में बौद्ध धर्म का दीपक प्रज्ज्वलित रहा. ह्वेनसांग के विवरण से स्पष्ट होता है कि नालंदा में बौद्ध विहार की स्थापना इसी के जमाने में हुई जिसका विरुद 'शक्रादित्य' था. मनकुबँर अभिलेख से स्पष्ट होता है कि इसी काल में बुद्ध मित्र नामक बौद्ध स्थिविर ने महात्मा बुद्ध की मूर्ति स्थापित की थी. राजा स्कन्दगुप्त भी भ्रमण व स्थिविरों के लिए दान आदि दिया करते थे. स्कन्दगुप्त के उत्तराधिकारियों में बुद्धगुप्त बौद्ध मतानुगामी था और ह्वेनसांग के विवरणानुरूप इसने नालंदा महाविहार के विकासार्थ काफी दान दिया था. कालांतर में नरसिंहगुप्त ने भी अपने शासन काल में राज्य के स्तूप व विहारों को सुसज्जित करवाया. आर्यमंजूश्री मूलकल्प में इसके बौद्ध प्रेम का उल्लेख पठनीय है. उत्तरवर्ती गुप्त नरेशों में एक वैन्यगुप्त ने बौद्ध विहार के लिए भूमिदान किया था. गुप्तकाल में ही देश में बुद्ध मूर्तिकला अपने चरम पर पहुँची. इसी युग की कृति अजन्ता चित्रकला की लोकप्रियता आज तक बरकरार है.

परवर्ती काल में सम्राट हर्षवर्धन (606-647 ई.) ने अपने राज्यकाल में बौद्ध धर्म की उन्नति के लिए काफी प्रयास किये. इसी के काल में "यात्रियों का राजकुमार" कहे जाने वाले ह्वेनसांग का भारत आगमन हुआ था जिसे उन्होंने राजकीय अतिथि के पद से अलंकृत किया गया था.

हर्षवर्द्धन के काल में महायान शाखा अपने विकास के चरम पर पहुँची तथा इसे राजकीय संरक्षण मिला. इसके काल में अनेक स्तूपों, मठों विहारों व चैत्यों का निर्माण हुआ. जैसा कि ह्वेनसांग का विवरण है. हर्ष के काल में प्रयाग के संगम क्षेत्र में हरेक पांचवें वर्ष विशाल समारोह 'महामोक्षपरिषद्' का आयोजन होता था जिसमें बड़ी संख्या में बौद्ध भिक्षुओं की उपस्थिति रहती थी.

आगे के समय में बौद्ध धर्म के संरक्षक व संवर्द्धक राजवंशों में पाल वंश का नाम प्रमुखता के साथ लिया जाता है जिसके प्रायशः शासक बौद्ध धर्मावलम्बी थे. पाल शासक धर्मपाल (720–800 ई.) ने अपने शासन काल में विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना की जो तकरीबन चार शताब्दियों तक बौद्ध अध्ययन-अध्यापन का वैश्विक केन्द्र बना रहा. इसकी सभा में हरिभद्र नामक प्रसिद्ध बौद्ध विद्वान रहता था. धर्मपाल ने अपने राज्य क्षेत्र के प्राचीन स्मारकों, खासकर बौद्ध कलाकृतियों का उद्धार करवाया. इसके बाद देवपाल (810–850 ई.) ने अपने शासनकाल में नालंदा व विक्रमशिला विश्वविद्यालय के विकासार्थ काफी कार्य किए. जावा के शैलेन्द्रवंशीय शासक बालपुत्रदेव के अनुनय विनय पर देवपाल ने उसे नालन्दा में एक बौद्ध विहार बनवाने की अनुमति देते हुए मगध क्षेत्र में पाँच पाँच गाँव दान दिये थे. देवपाल ने ओंदतपुरी, बोधगया, मुंगेर, सोनारगाछी, ताम्रलिप्ति, राजशाही आदि स्थानों पर बौद्धमठ का निर्माण करवाया. इस युग के तीनों चरण के मूर्तशिल्पों को किरीट, मुकुट, हार, कंगन, बाजूबन्द आदि आभूषणों से अलंकृत किया गया है जिसमें कृत्रिमता की स्पष्ट झलक मिलती है.

कुल मिलाकर इन राजाओं ने अपने शासनकाल में न सिर्फ तथागत भगवान बुद्ध की स्मृति को जीवन्त बनाए रखा वरन् बौद्ध कलाकृति व बुद्ध मूर्ति के निर्माण में अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है. ●●●

Upkar Online Test Series

401 Exams

Available in Hindi & English

SSC | BANKING | MEDICAL | ENGINEERING | CIVIL SERVICES | DEFENCE | POLICE | GATE | MANAGEMENT & More Exams

* Unlimited Tests
* Online Speed Tests as per the latest pattern
* All India & State Rank
* Personalised Performance Analysis

@~~₹399~~ ₹99 only

- +91-5624053333 - http://www.testrange.in/

पर्यावरण लेख

पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन

विश्व पर्यावरण दिवस

पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन क्षेत्रों में भारत के वैश्विक नेतृत्व को ध्यान में रखते हुए संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) ने 5 जून, 2018 को भारत को विश्व पर्यावरण दिवस (डब्ल्यूईडी) के लिए वैश्विक मेजबान देश के रूप में चुना था. मुख्य कार्यक्रम दिल्ली में आयोजित किया गया था. इस विश्व पर्यावरण दिवस (डब्ल्यूईडी) 2018 ''प्लास्टिक प्रदूषण'' पर केन्द्रित था, जो आज की सबसे चुनौतीपूर्ण पर्यावरणीय समस्याओं में से एक है.

हरित अच्छे कार्य (ग्रीन गुड डीड्स) अभियान

- केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री, डॉ. हर्षवर्धन द्वारा पर्यावरण की रक्षा और देश में अच्छे जीवन को बढ़ावा देने के लिए शुरू किए गए सामाजिक आन्दोलन, ग्रीन गुड डीड्स ने विश्वभर में प्रशंसा अर्जित की है.
- ''**ग्रीन गुड डीड्स**'' आम लोगों के जीवन में पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाने और उन्हें शामिल करने का एक अच्छा एवं अभिनव प्रयास है. औपचारिक रूप से जनवरी 2018 में शुरू किए गए, इस अभियान के द्वारा पर्यावरण संरक्षण को मजबूती प्रदान करने के लिए व्यक्तियों या संगठनों द्वारा किए गए छोटे-छोटे सकारात्मक कार्यों को आगे बढ़ाना है.
- मंत्रालय ने 600 से अधिक ग्रीन गुड डीड्स की सूची तैयार की है और लोगों से कहा है कि वे अपने हरित सामाजिक उत्तरदायित्व को पूरा करने के लिए अपने व्यवहार को ग्रीन गुड व्यवहार में बदल दें.
- भारत के आमलोगों के बीच हरित अच्छे कार्य (**ग्रीन गुड डीड्स**) के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने श्री अमिताभ बच्चन के साथ उच्चस्तरीय ऑडियो-वीडियो (2 वीडियो जीजीडी प्ले और जीजीडी मोंटाज + 3 ऑडियो जिंग्लस-नो प्लास्टिक, वायु प्रदूषण और जल संरक्षण) तैयार किया है.
- **इको-क्लब के तहत् छात्र** ग्रीन गुड डीड्स (जीजीडी) पहल को आगे बढ़ा रहे हैं, जो लोगों के व्यवहार को ग्रीन गुड व्यवहार में बदलने और **ग्रीन सामाजिक दायित्व** को पूरा करने का प्रयास करता है.
- **राज्य/केन्द्रशासित प्रदेशों में नोडल एजेंसियों के माध्यम से जीजीडी को लागू करने के लिए एक दस सूत्रीय एजेंडा विकसित किया गया है, जो इको-क्लब कार्यक्रम को लागू कर रहा है.**
- जीजीडी के तहत् पूरे देश में छात्रों द्वारा कई गतिविधियों जैसे स्कूल कैंपस के अन्दर सफाई, अभियान, अपशिष्ट का बायो-डिग्रेडेबल एवं नन-बायोडिग्रेडेबल में पृथक्करण, पेपर का फिर से इस्तेमाल और वृक्षारोपण आदि कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं. उनके कार्यों से ग्रीन (हरित) के प्रति कार्यकुशलता दिखाई दे रहा है.

स्वच्छ वायु अभियान

- केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने 10 से 23 फरवरी, 2018 तक दिल्ली में स्वच्छ वायु के लिए दिल्ली सरकार, नई दिल्ली नगरपालिका (एनडीएमसी), केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) और अन्य नगर एजेंसियों के साथ मिलकर संयुक्त कार्यक्रम की शुरूआत की.
- इस अभियान का उद्देश्य जमीनी स्तर के अधिकारियों और आम जनता को पर्यावरण संरक्षण की आदतों के प्रति जवाबहेद बनाना है.
- इसके लिए 66 टीमों का गठन पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के एक अधिकारी और दिल्ली सरकार के एक अधिकारी के संयुक्त नेतृत्व में किया गया था.

हरित कौशल विकास कार्यक्रम (जीएसडीपी)

- पर्यावरण, वन और वन्यजीव क्षेत्रों में युवाओं को कौशल प्रदान करने और उन्हें रोजगारपरक/स्वरोजगार में सक्षम बनाने के लिए, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने जून 2017 में पायलट आधार पर हरित कौशल विकास कार्यक्रम (जीएसडीपी) शुरू किया.
- इस कार्यक्रम को अब अखिल भारतीय स्तर पर बढ़ाया जा रहा है. वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान 30 से अधिक कौशल आधारित कार्यक्रमों जैसे प्रदूषण निगरानी (वायु/जल/मिट्टी), एसटीपी/ईटीपी/सीईटीपी संचालन, अपशिष्ट प्रबंधन, वन प्रबंधन, जल बजट और लेखा परीक्षा, नदियों में पाए जाने वाले डॉल्फिन का संरक्षण, वन्यजीव संरक्षण, पीबीआर, मैंग्रोव संरक्षण, बांस प्रबंधन और आजीविका उत्पादन पर ध्यान केन्द्रित किया जा रहा है.

ग्रीन (हरित) दीवाली

- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने 22 अक्टूबर, 2018 को ''हरित दीवाली-स्वस्थ दीवाली'' अभियान की शुरूआत की जिसमें दिल्ली/एनसीआर के करीब 500 स्कूली छात्रों ने भाग लिया.
- पर्यावरण-अनुकूल दीवाली मनाने के लिए इको-क्लब कार्यक्रम को लागू करने वाली नोडल एजेंसियों के लिए एडवाइजरी जारी की गई, जिसमें घरों की सफाई, घरों को पुनर्निर्मित करना और दीयों से सजावट करना, मोम-बत्तियाँ जलाना, दीप जलाना, जरूरत-मंदों को कपड़े/किताबें दान करना, रंगोली बनाना आदि शामिल हैं.

बांस का पुनर्वर्गीकरण और वृक्ष की श्रेणी से हटाना

- भारत सरकार ने ₹ 1,290 करोड़ के बजटीय परिव्यय के साथ नए पुनर्गठित राष्ट्रीय बांस मिशन को शुरू करके बड़े पैमाने पर बांस के वृक्षारोपण का समर्थन एवं विनियामक प्रावधान को सक्षम कर बांस की खेती को बढ़ावा देने हेतु ठोस प्रयास किए हैं.
- भारतीय वन अधिनियम, 1927 में संशोधन से बांस के अन्तर-राज्य वहन में सुविधा होगी, क्योंकि एक राज्य से दूसरे राज्य में पारगमन के दौरान परमिट की आवश्यकता नहीं होगी. यह अंततः बांस-अधिशेष राज्यों से बांस-घाटे वाले राज्यों तक संसाधनों की उपलब्धता के अन्तर को कम करने के लिए किया गया है. परिणामस्वरूप, उत्पादकों और उपभोक्ताओं दोनों को समान लाभ होगा.

जलवायु परिवर्तन

- भारत जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूनएनएफ-सीसीसी), पेरिस समझौते और क्योटो

प्रोटोकॉल के लिए एक पार्टी भी है. यह प्रभाग यूएनएफसीसीसी को राष्ट्रीय संचार (नैटकॉम) और द्विवार्षिक अद्यतन रिपोर्ट (बीयूआर) प्रस्तुत करने के लिए भी जिम्मेदार है.

- हाल के वर्षों में जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने के लिए कई घरेलू कार्यक्रम/योजनाएं शुरू की गई हैं. कुछ और भी पहलें जैसे जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपीसीसी), जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय अनुकूलन कोष (एनएएफसीसी), जलवायु परिवर्तन एक्शन कार्यक्रम (सीसीएपी) और जलवायु परिवर्तन पर राज्यों द्वारा संचालित योजनाएं (एसएपीसीसी) आदि हैं. देश में जलवायु परिवर्तन के आकलन के लिए वैज्ञानिक और विश्लेषणात्मक क्षमता बनाने और मजबूत करने के लिए, सीसीएपी के तहत् विभिन्न अध्ययन भी शुरू किए गए हैं.
- वर्ष 2018 के दौरान, जलवायु परिवर्तन पर कई महत्वपूर्ण द्विपक्षीय और बहुपक्षीय बैठकें और वार्ताएं आयोजित की गईं.
- मंत्रालय ने 19 और 20 नवम्बर, 2018 को समान विचारधारा वाले विकासशील देशों (एलएमडीसी) और 1 एवं 2 नवम्बर, 2018 को बेसिक (ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, भारत और चीन) देशों की अन्तर्राष्ट्रीय बैठकों की मेजबानी की. इस बैठक के माध्यम से विकास-शील देशों की रुचि और स्थिति को सीओपी-24 से लेकर यूनएनएफसीसीसी तक ले जाने में मजबूती प्रदान की है.
- पोलैंड के कोटविस में आयोजित पार्टियों के 24वें सम्मेलन (सीओपी-24) पेरिस समझौता कार्य योजना को अपनाने में सफल रहा. यह सम्मेलन बहुत ही महत्वपूर्ण था, क्योंकि इसमें 2018 फेसिलेटिव तलानोआ डायलॉग के समापन और 2020 से पहले की कार्रवाई के कार्यान्वयन सहित अन्य प्रमुख मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित किया गया था.
- भारत की भूमिका विकसित और विकासशील देशों के विभिन्न शुरूआती बिन्दुओं की मान्यता सहित भारत के प्रमुख हितों की रक्षा करते हुए सभी वार्ताओं में सकारात्मक और रचनात्मक रही, भारत ने बहुपक्षवाद और अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि की तथा इससे इसकी छवि में एक सकारात्मक बदलाव भी आया है.
- 3 दिसम्बर से 14 दिसम्बर, 2018 तक **पोलैण्ड के कटोविस में आयोजित यूएनएफसीसीसी के चौबीसवें सम्मेलन** के दौरान भारत का एक मंडप (पवेलियन) भी तैयार किया गया था. इस वर्ष पवेलियन की थीम 'एक विश्व एक सूर्य एक ग्रिड' था, जो अक्टूबर 2018 को अन्तर्राष्ट्रीय सौर सम्मेलन के पहले सत्र के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा निर्धारित एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य पर आधारित था कि 2030 तक इसकी 40 प्रतिशत स्थापित बिजली क्षमता गैर-जीवश्म ईंधन से होगी.
- इण्डिया पवेलियन 20 विभिन्न घटनाओं के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में किए गए जलवायु परिवर्तन कार्रवाई को प्रदर्शित करने के लिए केन्द्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों/विभागों, थिंक टैंक, सिविल सोसायटी संगठनों सहित 43 विभिन्न हितधारक संस्थानों को एक साथ लाने का मंच भी बन गया. सीओपी-24 के दौरान इण्डिया पवेलियन को करीब 14 से 15 हजार लोगों ने देखा.

2018 के दौरान की कुछ अन्य महत्वपूर्ण पहलें/नीतिगत निर्णय

- **प्रथम भारत**–मोरक्को संयुक्त कार्य समूह की बैठक फरवरी, 2018 में पर्यावरण के क्षेत्र में सहयोग के लिए विभिन्न क्षेत्रों का पता लगाने हेतु आयोजित की गई थी.
- भारत में मानव-वन्यजीव संघर्ष शमन पर एक नई भारत-जर्मनी तकनीकी सहयोग परियोजना की अवधारणा प्रस्तुत की गई थी.
- अरावली क्षेत्र के सभी खनिजों (मेजर और माइनर) के लिए खान के पट्टे के आकार के बावजूद पहले ही पर्यावरण क्लीयरेंस लेना अनिवार्य कर दिया गया है.
- **मध्य एशियाई फ्लाईवे** की राष्ट्रीय कार्य योजना, दुनिया के नौ फ्लाईवे में से एक है, जिसे पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया है, जो प्रवासी पक्षियों, इनसे जुड़े वेटलैंड्स और पूरे पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़े प्रभावी प्रबंधन को सक्षम बनाएगा.
- दिल्ली-एनसीआर में विशेष रूप से उत्तर भारत में शुरूआती सर्दियों में प्रतिकूल मौसम की स्थिति के दौरान फसल के अवशेषों को जलाने से उच्च स्तर का वायु प्रदूषण हो सकता है, इसके लिए केन्द्र सरकार ने 'इन-सिटू के लिए कृषि यांत्रिकीकरण को बढ़ावा' पर एक नई केन्द्रीय योजना को मंजूरी दी है, ₹ 1151·80 करोड़ के व्यय के साथ 2018-19 और 2019-20 की अवधि के लिए पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और एनसीटी-दिल्ली सहित राज्यों में फसल अवशेष का प्रबंधन की यह योजना है. इस वर्ष ₹ 591·65 करोड़ के केन्द्रीय निधियों का आवंटन दिल्ली को छोड़कर सम्बन्धित राज्यों को जारी कर दिया गया है.
- केन्द्र सरकार ने 12 जनवरी, 2017 को दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लिए एक **ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी)** अधिसूचित किया था, जिसमें दिल्ली में ट्रकों के प्रवेश पर प्रतिबंध, निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध, निजी वाहनों के लिए सम एवं विषम योजना, ईंट-भट्टों को बंद करना, हॉट मिक्स प्लांट और स्टोन क्रशर को बंद करना, डीजल जनरेटर सेट पर प्रतिबंध, लैंडफिल में कचरा जलाना और प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को रोकना आदि जैसे उपाय शामिल हैं. सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा गहन विचार-विमर्श के बाद किए जाने वाले उपायों की प्रकृति, कार्यक्षेत्र और कठोरता को प्रदूषण के स्तर से अधिक गम्भीर या आपातकालीन, गम्भीर, बहुत खराब, मध्यम से सामान्य और मध्यम स्तर पर रखा गया है. यह कार्रवाई पूरे एनसीआर में लागू किया गया है. ●●●

शेष पृष्ठ 75 का

इस योजना के तहत् श्रीपाड़ा येलमपल्ली जलाशय से मेदाराम जलाशय तक 105·5 मीटर की ऊँचाई तक 89·16 क्यूबिक मीटर/सेकण्ड पानी लिफ्ट (उठाया) किया जाएगा. इस पानी का उपयोग आस-पास के सूखाग्रस्त क्षेत्रों में सिंचाई और पानी की आपूर्ति के लिए किया जाएगा. तेलंगाना में भेल द्वारा अब तक 753 मेगावॉट की 27 पंप मोटर परियोजनाएं शुरू की गई हैं. इसके अलावा भेल इस राज्य में 5,125 मेगावॉट क्षमता की 38 परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रहा है. तेलंगाना सरकार के इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट में राज्य के 13 जिलों में 18 लाख एकड़ जमीन को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराया जाएगा. तेलंगाना के जय शंकर भूपलपल्ली जिले के मेडिगड्डा में गोदावरी के साथ तीन नदियों का पानी इस परियोजना के जरिए उपयोग किया जाएगा. इसके तहत् मुख्य गोदावरी नदी के पानी को सुरंग के जरिए जलाशयों में एकत्र किया जाएगा और फिर इस पानी को नहर के जरिए लोगों तक पहुँचाया जाएगा. ●●●

कृषि लेख

मृदा-प्रदूषण के नियंत्रण में सूक्ष्मजीवों की उपयोगिता

✍ डॉ. आर. एस. सेंगर

मृदा या वातावरण में जब किसी धातु या रसायन का सांद्रण सामान्य से अधिक हो जाता है, तो उसे प्रदूषण कहते हैं औद्योगिक इकाईयों से सर्वाधिक भूमि प्रदूषण फैल रहा है. इसमें रासायनिक उर्वरक, शक्कर कारखाने, कपड़ा बनाने वाली इकाईयाँ, ताप विद्युत् उत्पादन केन्द्रों, सीमेण्ट कारखानों, साबुन, तेल व धातु निर्माण एवं अन्य कारखानों के द्वारा भारी मात्रा में निकलने वाले रसायनों व गैसों के कारण पशु, जीव, पौधे एवं मृदा आदि पर इनका कुप्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है. भारी धातुओं के कारण मृदा में होने वाले प्रदूषण तथा उसके प्रभाव से मानव स्वास्थ्य पर विषाक्त प्रभाव पड़ रहा है, असन्तुलित रासायनिक उर्वरक एवं अन्य कृषि रसायनों (कीटनाशक, खरपतवारनाशक आदि) का प्रयोग तथा विभिन्न औद्योगिक गतिविधियों के अन्तर्गत रसायनों एवं भारी धातुओं के निर्गमन से मृदा व वातावरण पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है, जिसे हम मृदा प्रदूषण कहते हैं.

मृदा प्रदूषण के विपरीत प्रभाव

- **मानव एवं पशु स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव**–कीटनाशकों तथा भारी धातुओं का असर मृदा में लम्बे समय तक सक्रिय अवस्था में रहने के कारण इसे पौधों एवं जन्तुओं द्वारा अवशोषित कर लिया जाता है. खाद्य शृंखला के माध्यम से ये हानिकारक प्रदूषक मानव शरीर में प्रवेश कर जाते हैं. दूषित मृदा में फसल, सब्जियाँ व फल आदि को उगाने से भारी धातुओं का अवशोषण पौधों द्वारा सामान्य स्तर से अधिक कर लिया जाता है. इसके माध्यम (खाद्य पदार्थ) से ये मानव एवं पशुओं के शरीर में पहुँच जाते हैं. इनके कारण विभिन्न प्रकार के रोग एवं व्याधियाँ उत्पन्न होती हैं.
- **पौधों की वृद्धि एवं विकास पर प्रभाव**–धातुओं एवं विषाक्त रसायनों का स्तर मृदा में सामान्य से अधिक होने पर उसका प्रभाव मृदा में उपस्थित सूक्ष्मजीवों पर भी पड़ता है. इसके प्रभाव से सूक्ष्मजीवों की संख्या तथा उनकी जैविक क्रियाओं में कमी आती है. सूक्ष्मजीवों पर इस प्रकार के प्रभाव से पौधों की वृद्धि एवं विकास पर सीधा असर पड़ता है. लगातार बढ़ती जनसंख्या हेतु खाद्य आपूर्ति के लिए अंधाधुंध रासायनिक उर्वरक, कृषि रसायन (कीटनाशक, फफूँदनाशी, खरपतवारनाशक आदि) का प्रयोग, औद्योगिक गतिविधियों के रसायन (पेट्रोलियम, हाइड्रोकार्बन, नेफ्थलीन आदि) और अन्य भारी धातुओं के कारण मृदा एवं वातावरण पर गहरा दुष्प्रभाव पड़ रहा है.
- **मृदा संरचना में परिवर्तन**–मृदा प्रदूषण के कारण अधिकतर मृदा-जीवों (केंचुआ आदि) की मृत्यु होने एवं कार्बनिक पदार्थों का समयानुकूल अपघटन न होने के कारण मृदा संरचना में भी परिवर्तन हो रहा है. प्रदूषण का सिलसिला तब आरम्भ होता है, जब काम में आने के बाद बोरियों, बैगों एवं प्लास्टिक की वस्तुओं को कचरे के रूप में जहाँ-तहाँ फेंक दिया जाता है. इन प्लास्टिक वस्तुओं का जैविक अपघटन बहुत मन्द गति अथवा न होने के कारण यह जल्दी सड़ती नहीं हैं और पर्यावरण के लिए खतरा बन जाती हैं. पॉलीथीन पेट्रो-कैमिकल का उत्पाद है, जिसमें हानिकारक रसायनों का उपयोग किया जाता है.

  पॉलीथीन कचरा जलाने से कार्बन डाईऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड एवं डाईऑक्सीन्स जैसी विषैली गैसें उत्सर्जित होती हैं–इससे साँस, त्वचा आदि के रोग होने की आशंका बढ़ जाती है. पशु-पक्षियों द्वारा कीटनाशक-युक्त विषाक्त भोजन एवं पॉलीथीन आदि के खाने के कारण प्रति वर्ष बड़ी संख्या में इनकी मृत्यु हो रही है.
- **मृदाजीवों द्वारा मृदा विषाक्त पदार्थों का अपघटन**–सूक्ष्मजीव मृदा में एक अपमार्जक के रूप में कार्य करते हैं. ये दूषित मृदा में पाए गए विभिन्न रासायनिक विषाक्त पदार्थों का जैव-अपघटन कर मृदा में उपस्थित प्रदूषण स्तर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. इनमें बैक्टीरिया एवं कवक प्रमुख कारक हैं. ये सूक्ष्मजीव शारीरिक संरचना (निर्माण) एवं ऊर्जा के लिए मृदा में उपस्थित विभिन्न प्रकार के विषाक्त रासायनिक यौगिकों का एंजाइमों की सहायता से जैव-अपघटन कर उनमें उपस्थित कार्बन एवं रासायनिक आयनों का उपभोग करते हैं. अवशेष मात्रा को सरल यौगिकों में बदल देते हैं, जिससे मृदा में कुछ मात्रा में पादप पोषक तत्वों की वृद्धि होती है.
- **अजोला**–अजोला तेजी से बढ़ने वाला एक जलीय फर्न है, यह जल की सतह पर तैरता रहता है. धान की फसल में इसका उपयोग हरी खाद के रूप में किया जाता है. इससे भूमि की उर्वरा-शक्ति बढ़ती है, जिससे उत्पादन में आशातीत वृद्धि होती है. अजोला मुख्य रूप से खरपतवार नियन्त्रण, बायोगैस के लिए एक कार्बनिक पदार्थ का स्रोत है व दूषित जल उपचार के लिए उपयोग में लाया जाता है. अनुकूल वातावरण होने पर अजोला 4-5 दिन में दोगुना बायोमास उत्पन्न करता है. साथ-ही-साथ पानी में घुलनशील खनिज लवणों, भारी धातुओं एवं अन्य जल मृदा-प्रदूषकों का अवशोषण कर उनका स्तर काफी कम कर देता है. प्रदूषक अवशोषित अजोला को सुखाकर उसे कार्बनिक खाद, कम्पोस्ट तथा बायोगैस उत्पादन में प्रयोग कर प्रदूषकों का जैव-अपघटन आसानी से किया जा सकता है. अजोला की कुछ प्रमुख प्रजातियाँ, जैसे–अजोला पिनाटा, अजोला, कारोलिनियाना आदि दूषित जल व मृदा उपचार के लिए उत्तम हैं.
- **पादप प्लवक**–पादप प्लवक, एक कोशिकीय जलीय सूक्ष्मजीव होते हैं, जो समुद्र तटीय क्षेत्रों, तालाबों तथा एकत्र हुए दूषित जल में पाए जाते हैं. पादप प्लवक को मुख्यतः दो वर्गों में बाँटा गया है–(अ) शैवाल तथा (ब) साइनोबैक्टीरिया. ये पादप प्लवक वायुमण्डल से कार्बन डाइऑक्साइड गैस, पानी में घुलनशील पोषक तत्वों तथा सूर्य की रोशनी की उपस्थिति में अकार्बनिक यौगिकों को कार्बनिक अवयवों में बदलते हैं. पादप प्लवक मुख्यरूप से नाइट्रेट, फॉस्फेट, आयरन, सल्फेट व सेल्सिलिक एसिड का अवशोषण करते हैं. इससे दूषित जल में इन प्रदूषकों का स्तर काफी सन्तुलित बना रहता है.
- **नेमेटोड**–नेमेटोड-एक प्रमुख मृदा-जीव है, जो पादप, बैक्टीरिया व कवक आदि खाद्य स्रोतों पर निर्भर रहता है. यह जीव मृदा में सूक्ष्मजीवों का सन्तुलन बनाए रखने में सहायक होने के साथ ही, खाद्य शृंखला में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है.

मृदा प्रदूषण के प्रमुख कारक

- ***औद्योगिक क्रियाविधि***–*लम्बे समय से भौतिक वस्तुओं के निर्माण के लिए मृदा से धातुओं, खनिजों आदि का खनन तेजी से हो रहा है. इससे मृदा में प्राकृतिक सम्पदाओं का सन्तुलन तेजी से बिगड़ रहा है और औद्योगिक अपशिष्टों का मृदा, जल एवं वायुमण्डल पर भी विपरीत प्रभाव पड़ रहा है. मृदा में जीवांश कार्बन 0·2% से नीचे ↓ चला गया है, जो 0·80-0·85% होना चाहिए.*
- ***कृषि क्रियाएं***–*कृषि में नई तकनीक के साथ-साथ रासायनिक उर्वरकों एवं कृषि रसायनों का प्रयोग तेजी से बढ़ने के कारण मृदा में इनका संग्रह होता जा रहा है, जिसके प्रभाव से मृदा सूक्ष्मजीवों और मृदा-जैव क्रियाओं आदि में ह्रास होता है. इससे मृदा में विषैले तत्वों एवं भारी धातुओं की विषाक्तता बढ़ जाती है. मृदा की भौतिक संरचना में कमी आने के साथ-साथ मृदा की उर्वरता में भी कमी आती जा रही है.*
- ***अपशिष्ट व्यवस्था***–*दैनिक दिनचर्या में प्रयोग में आने वाली वस्तुओं के अपशिष्ट (प्लास्टिक, पॉलीथिन, रसोई कचरा, शहरी अपशिष्ट आदि) की सही तरीके से निपटान-व्यवस्था न होने तथा खुले वातावरण जैसे–खेत, नाले, पार्क, नदियों आदि में फैंक देने के कारण मृदा प्रदूषण में निरन्तर वृद्धि हो रही है.*
- ***अम्ल वर्षा***–*अम्ल वर्षा, वायु प्रदूषण का एक प्रमुख कारक है, यह विभिन्न उद्योगों से निकले सल्फरयुक्त धुएं आदि से वायुमण्डल में एकत्र होती रहती हैं. अम्ल वर्षा में उपस्थित तत्व मृदा तत्वों की संरचना को परिवर्तित कर देते हैं, जिसका मृदा स्वास्थ्य एवं पौधों पर विपरीत प्रभाव पड़ता है.*
- ***प्लास्टिक प्रदूषण***–*प्लास्टिक-एक विदेशी दिमाग की उपज है, जिसे वर्ष 1862 में अलेक्जेंडर पार्किस ने लन्दन में एक महान् अन्तर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया था. इसके द्वारा बनी हुई वस्तुएं बहुत आकर्षक, टिकाऊ और सड़ने-गलने वाली नहीं होती हैं. यह बात तो बिलकुल ठीक है, परन्तु यही एक कारण आज हमारे जनजीवन व वातावरण के लिए कितनी घातक बन चुकी है, यह कभी किसी ने सोचा भी नहीं होगा.*

मुख्य प्रदूषक	स्रोत	मानव स्वास्थ्य पर विषाक्त प्रभाव
1. सीसा	पेण्ट, खाद्यान्न, वाहन, धुआँ, कृषि रसायन आदि.	तंत्रिका तंत्र, याद्दाश्त एवं सामान्य विकास पर प्रभाव
2. मरकरी (पारा)	खाद्यान्न-प्रसंस्करण, पौधों सब्जियों एवं अन्य खाद्यान्नों के संग्रहण एवं चिकित्सा सम्बन्धी स्रोत	● जलन, दर्द, मस्तिष्क एवं गुर्दे पर कुप्रभाव ● उच्च रक्तचाप ● बाल, दाँत, नाखून आदि का झड़ना
3. आर्सेनिक	कोयला खदानों, विद्युत उद्योग, कृषि रसायन आदि	गुर्दे, पित्ताशय, जीभ आदि का कैंसर, पाचन में कमी, डायरिया आदि.
4. अन्य धातुएं (मैगनीज, कैडमियम, कॉपर, जिंक, निकिल आदि)	खाद्यान्न, रासायनिक उर्वरक, औद्योगिक अपशिष्ट आदि.	विभिन्न धातुओं का अलग-अलग प्रभाव
5. पॉलीएरोमेटिक हाइड्रोकार्बन	कोयला खदानों से, वाहनों के धुएं से, पौधों एवं सब्जियों का संग्रहण, फसल अपशिष्ट, लकड़ी आदि के जलाने से	● त्वचा पर प्रभाव ● आँखों में जलन ● किडनी एवं लीवर पर कुप्रभाव ● त्वचा, जीभ, पित्ताशय आदि का कैंसर ● त्वचा सम्बन्धित व्याधियाँ आदि

- **माइकोराइजा**–माइकोराइजा–एक कवक है, जिसकी तीन अलग-अलग प्रजातियाँ पाई जाती हैं. माइकोराइजा कवक पौधों के जड़तंत्र में कॉलोनी बनाता है. सहजीवी साहचर्य को विकसित करता है. ये तन्तुओं का एक जालतंत्र-सा बनाते हैं एवं मृदा में उपस्थित भारी धातुओं की विषाक्तता को नियन्त्रित करते हैं.
- **केंचुआ**–केंचुआ, मानव इंजीनियरों की तरह अपने आस-पास के वातावरण की संरचना को बदलता रहता है. ऊर्ध्वाधर एवं क्षैतिज बिल बनाना, मृदा को नीचे से ऊपर पलट करना, जिसके कारण इसे **'पारिस्थितिकीय तंत्र का इंजीनियर'** की संज्ञा दी जाती है. केंचुए का बिल मृदा में ऑक्सीजन व पानी के संचार को बढ़ाने के साथ अप्रत्यक्ष रूप से जैव-अपघटन अभिक्रियाओं में भी सहयोग करता है.

केंचुआ, मृदा के कार्बनिक पदार्थों को ग्रहण कर उसे मल के रूप में त्यागता है, जिसमें फॉस्फोरस तत्व होता है. यह मृदा सूक्ष्मजीवों जैसे–कवक, बैक्टीरिया आदि का मुख्य कार्बन एवं ऊर्जा स्रोत हैं. वैज्ञानिक 'अरस्तू' ने केंचुआ को **'पृथ्वी की आंत'** (Intestine of Earth) की भी संज्ञा दी है. इस प्रकार के खाद्य पदार्थों की लगातार आपूर्ति से मृदा में सूक्ष्मजीवों की विविधता में आशातीत वृद्धि होती है. इससे भारी धातुओं, प्लास्टिक, अन्य मृदा प्रदूषक अवांछित पदार्थों का जैव-अपघटन सुगमतापूर्वक होता है.

प्रदूषकों का जैविक परिवर्तन

मृदा प्रदूषकों का स्तर कम करने हेतु जैविक परिवर्तन की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है. यह पादप, जीवाणु, कवक आदि के द्वारा विभिन्न प्रकार के एंजाइम द्वारा चयापचय क्रियाओं के माध्यम से सम्पन्न होता है. कीटनाशकों के जैविक परिवर्तन के अन्तर्गत निम्न क्रियाएं शामिल हैं–

- ***डिटॉक्सीफिकेशन***–*इस क्रिया में विषैले रसायनों का गैरविषैले यौगिक में रूपान्तरण हो जाता है, परन्तु पूर्णरूप से सुरक्षित नहीं है.*
- ***अपघटन***–*विषम जटिल रसायनों को सरल यौगिकों में परिवर्तित कर उसका खनिजीकरण कर सरल तत्वों में परिवर्तित कर दिया जाता है.*
- ***संयुग्मन***–*इस विधि में विषाक्त पदार्थों/रसायनों को अमीनो अम्ल तथा कार्बनिक अम्ल के साथ जोड़कर उसे और अधिक जटिल बनाकर स्वतन्त्र छोड़ दिया जाता है. यह पौधों और जन्तुओं के लिए अनुपलब्ध रहता है. एक प्रकार के अमीनो अम्ल जीवाणु कोशिकाओं में संश्लेषित होकर मृदा में प्रयोग किए गए कीटनाशक सोडियम डाइमिथाईल डाइथाइकार्बोनेट के साथ क्रिया कर उसे जटिल यौगिक में परिवर्तित कर वातावरण में स्वतन्त्र छोड़ दिया जाता है, जोकि लम्बे समय तक निष्क्रिय अवस्था में बना रहता है. जैसे–एक प्रकार के अमीनो अम्ल, जीवाणु कोशिकाओं से संश्लेषित होकर मृदा में प्रयोग किए गए कीटनाशक सोडियम डाइमिथाईल डाइथाईकार्बोनेट के साथ क्रिया कर उसे जटिल यौगिक में परिवर्तित कर वातावरण में स्वतन्त्र छोड़ दिया जाता है, जोकि लम्बे समय तक निष्क्रिय अवस्था में बना रहता है.*

मृदा कवक विभिन्न जैविक अभिक्रियाओं के माध्यम से अनेक प्रकार के एंजाइमों (पॉलीफिनॉल, ऑक्सीडोज आदि) का मृदा में स्राव करते हैं. यह विभिन्न प्रकार के हाइड्रोकार्बन (पाइरेन, बेजोअल्फा, पाइरेन आदि) का जैव-अपघटन कर इनके स्तर को कम करता है. कवक की कुछ प्रजातियाँ जैसे–जाइगोमाइसिटीज व अरबसकुलर माइकोराइजा आदि ऑक्सीडेटिव एंजाइम का स्राव कर जैव-अपघटन में महत्वपूर्ण

भूमिका निभाती हैं. लिग्नोसेलुलोज के अपघटन में एगोरिक्स वाइस्पोरस कवक को एक असरदार अपघटनकारी पाया गया है. एस्परजिलस ग्लेयूक्स कवक पॉलीमरयुक्त पॉलीथीन का अपघटन कर मृदा में प्लास्टिक प्रदूषण कुछ हद तक कम करता है.

- **मृदा में सूक्ष्मजीवों का प्रबन्धन**–मृदा-जीवों के कार्यों को देखते हुए यह पता चलता है कि हमारे जीवन, वातावरण, पारिस्थितिकी तन्त्र व पादप आदि के स्वास्थ्य जीवन में इनकी भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है. इनके माध्यम से मृदा, जल व वायु प्रदूषण का नियन्त्रण, भारी धातुओं के जैव-अपघटन, मृदा पोषक तत्वों का खनिजीकरण, पुनर्चक्रण आदि नियन्त्रित किए जाते हैं. अतः, मृदा में सूक्ष्मजीवों की जैव-विविधता को बनाए रखने के लिए निम्नलिखित प्रबन्धन अति आवश्यक है–
- **फसल अवशेष प्रबन्धन**–फसल अवशेष प्रबन्धन एक सुलभ एवं मूल्यवान मृदा कार्बन स्रोत हैं. फसल अवशेषों का उचित प्रबन्धन कर (कम्पोस्ट आदि) मृदा में जीवांश कार्बन की उचित वृद्धि की जा सकती है. इससे विभिन्न प्रकार के जीवाणुओं एवं सूक्ष्मजीवों की संख्या में वृद्धि होती है.
- **कार्बनिक खाद**–विभिन्न प्रकार की कार्बनिक खादों (कम्पोस्ट, वर्मीकम्पोस्ट, नाडेप खाद, हरी खाद, गोबर की खाद एवं जैव उर्वरक) के उपयोग से मृदा कार्बन और मृदा के जैविक स्वास्थ्य में वृद्धि होती है. मृदा में आदर्श जीवांश कार्बन (O.C.) की उचित मात्रा 0·80 – 0·85% होनी चाहिए, जो 0·2% O.C. से भी नीचे चली गई है.
- **आच्छादित फसल**–दलहनी आच्छादित फसलें उगाने से मृदा जीवाणुओं की संख्या में वृद्धि होती है. इसके साथ ही मृदा के पोषक तत्वों में भी सुधार होता है. इससे संश्लेषित रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग में भी कमी की जा सकती है. साथ-ही-साथ ये फसलें मृदा कार्बनिक पदार्थों में वृद्धि कर मृदा की जलधारण क्षमता में वृद्धि करती हैं.
- **विभिन्न प्रकार की फसलों की बुआई**–अलग-अलग फसलों की जड़ों से विभिन्न प्रकार के कार्बनिक अम्लों व हार्मोंस आदि का स्राव होता है, जोकि सूक्ष्मजीवों के कार्बन एवं ऊर्जा का प्रमुख स्रोत होते हैं. एक ही खेत में दो से अधिक प्रकार की फसलें व सब्जियों की फसलें उगाने से जैव-विविधता अच्छी रहती है. इससे सूक्ष्मजीवाणुओं के संवर्धन में भी सहायता मिलती है.
- **फसलों की बुआई में हेर-फेर**–एक ही फसल को बार-बार उगाने से उस खेत की मृदा में फसल जड़ सम्बन्धित कुछ विशेष हानिकारक जीवों की संख्या में वृद्धि होने लगती है. अनाज वाली फसलों के साथ या हेर-फेर कर दलहनी व तिलहनी फसलें लेनी चाहिए जैसे–गेंहूँ + चना (दलहनी) या सोयाबीन के बाद गेंहूँ की बुवाई करना अच्छा रहता है. इस प्रकार हेर-फेर कर फसल व सब्जी उगाने से मृदा के सूक्ष्मजीवों में विविधता पाई जाती है. उ.प्र. राज्य के कन्नौज जिला के गंगा किनारे गाँव-देवकली निवासी, मौसमवेत्ता **'घाघ'** कवि ने वर्ष 1605 ई. में, कहा था "बारी में बारी करे, करे ईख (गन्ना) से ईख, वो घर यों ही जाएगा, जैसे मूरख की सीख"– अतः फसल चक्र के सिद्धान्तों को सदैव अपनाया जाए.
- **मृदा जीव संरचना**–मनुष्य की भाँति मृदा-जीव की कार्य क्षमता बढ़ाने के लिए उचित आवास की आवश्यकता रहती है. इसके लिए मृदा में उचित नमी, वायु-संचार, मृदा पी.-एच., पोषक तत्वों की उपलब्धता, कार्बन व ऊर्जा स्रोत आदि का समुचित प्रबन्धन का होना अति आवश्यक है. मृदा परीक्षण एवं उचित मृदा प्रबन्धन के माध्यम से मृदा जीव संरक्षण संभव है.
- **खेत की कम-से-कम जुताई**–खेत की जुताई अधिक करने से मृदा कार्बन का ह्रास होता है जोकि, बैक्टीरिया एवं अन्य सूक्ष्मजीवाणुओं की संख्या में बढ़ोत्तरी के लिए अति आवश्यक है. इस प्रकार कार्बन में कमी आने से मृदा में सूक्ष्मजीवों की कमी भी आती है. अतः उचित कार्बन प्रबन्धन के लिए खेत की जुताई कम-से-कम करनी चाहिए.
- **खेत को खाली न रहने दें**–लम्बे समय तक खेत को खाली छोड़ने से मृदा के पोषक तत्वों के साथ-साथ, एंजाइम्स एवं कार्बनिक पदार्थों आदि की मात्रा में कमी आ जाती है. इससे सूक्ष्मजीवों की संख्या तथा उनकी क्रियाशीलता में भी निरन्तर कमी आती है.
- **जल-निकास का समुचित प्रबन्धन**–मृदा प्रबन्धन के अन्तर्गत समुचित जल निकासी का उचित प्रबन्धन होना अपने आप में एक उम्दा कार्य है. इससे मृदा में वायुवीय प्रवाह बना रहता है. मृदा सूक्ष्मजीवाणुओं को उचित वातावरण प्राप्त होता है और उनकी कार्यक्षमता में आशातीत वृद्धि होती है.
- **रासायनिक उर्वरकों का सन्तुलित प्रयोग**–रासायनिक उर्वरक के सन्तुलित उपयोग करने से सूक्ष्मजीवियों हेतु आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति होने के साथ-साथ मृदा में कार्बन-नाइट्रोजन का अनुपात सन्तुलित होता है. रासायनिक उर्वरकों के अलावा आवश्यकतानुसार भूमि सुधार कारकों (जिप्सम, चूना, रॉक-फॉस्फेट इत्यादि) का उपयोग लाभकारी रहता है. धान्य फसलों–गेंहूँ, जौ, ज्वार, बाजरा, मक्का, धान आदि में न. फॉ. पो. तत्वों की आदर्श अनुपात 4 : 2 : 1 तथा दलहनी फसलों–चना, मटर, मूँग, उर्द आदि में 1 : 2 : 1 न. फॉ. पो. होना चाहिए.
- **मृदा/बीज टीकाकरण**–उचित एवं चयनित जैव-उर्वरकों से मृदा एवं बीजोपचार करने से मृदा में सूक्ष्मजीवों की संख्या में भरपूर वृद्धि होती है. इनके द्वारा विभिन्न जैविक क्रियाओं (जैसे–खनिजीकरण, नाइट्रोजन स्थिरीकरण, फॉस्फोरस की घुलनशीलता, भारी धातुओं का जैविक अपघटन आदि) के माध्यम से मृदा में न केवल पोषक तत्वों की उपलब्धता बढ़ती है, बल्कि इससे रासायनिक उर्वरकों के उपभोग में भी कमी लाई जा सकती है. जैव-उर्वरकों के उपयोग से संश्लेषित रासायनिक उर्वरकों की एक बड़ी मात्रा में बचत होती है. इससे उत्पादन के लिए अतिरिक्त खर्च के साथ-साथ औद्योगिक कचरे को भी कम किया जा सकता है. ●●●

सार संग्रह

भारतीय इतिहास एवं संस्कृति

1. विंध्य क्षेत्र के किस शिलाश्रय से सर्वाधिक मानव कंकाल मिले हैं ? *– लेखहिया से*
2. रेडियो कार्बन-14 (C-14) पद्धति द्वारा हड़प्पा सभ्यता की कालावधि मानी गयी है *– 2500 ई.पू.–1700 ई.पू.*
3. आरम्भिक वैदिक साहित्य में सर्वाधिक वर्णित नदी है *– सिंधु*
4. पवित्र बौद्ध स्थल बोधगया, जहाँ गौतम बुद्ध को सर्वप्रथम ज्ञान प्राप्त हुआ था, किस नदी के किनारे स्थित है ? *– निरंजना नदी*
5. विष्णु के किस अवतार को सागर से पृथ्वी का उद्धार करते हुए अंकित किया जाता है ? *– वाराह*
6. 'मिलिन्दपन्हो' राजा मिलिन्द तथा एक बौद्ध भिक्षु के मध्य संवाद रूप में है. वह भिक्षु थे *– नागसेन*
7. अब्दुल रज्जाक विजयनगर आया था *– देवराय-II के राज्यकाल में*
8. 'अष्ट दिग्गज' किस राजा से सम्बन्धित थे ? *– कृष्णदेवराय*
9. अजमेर में ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर नजर (भेंट) भेजने वाले प्रथम मराठा सरदार थे *– राजा शाहू (शिवाजी के पौत्र)*
10. मुगलकाल में 'मौल्लिम' था *– व्यापारिक जहाजों में एक कर्मचारी*

राष्ट्रीय स्वतन्त्रता आन्दोलन

11. खिलाफत आन्दोलन के प्रमुख नेता थे *– मौलाना मुहम्मद अली, अबुल कलाम आजाद, हकीम अजमल खान, शौकत अली, हसरत मोहानी*
12. अवध के एका आन्दोलन का उद्देश्य था *– लगान का नगद में परिवर्तन*
13. "हम भारत को या तो आजाद करेंगे या आजादी के प्रयास में दिवंगत होंगे." यह कथन जुड़ा है *– भारत छोड़ो आन्दोलन से*
14. 'भारतीय स्वतन्त्रता अधिनियम' (The Indian Independence Act) ब्रिटिश संसद द्वारा पारित किया गया *– जुलाई 1947 में*
15. भारत के विभाजन से सम्बन्धित 'माउण्टबेटन योजना' की सरकारी तौर पर घोषणा हुई थी *– 3 जून, 1947 को*
16. गांधीजी ने 'सेवाधर्म' अपनाया था *– दक्षिण अफ्रीका में*
17. किस स्थान पर महात्मा गांधी ने सर्वप्रथम सत्याग्रह आरम्भ किया था ? *– चम्पारण में*
18. किस घटना के बाद महात्मा गांधी ने असहयोग आन्दोलन को अपनी 'हिमालय जैसी भूल' बतायी थी ? *– चौरी-चौरा*
19. साइमन कमीशन के विरुद्ध भारतीय जन-आन्दोलन क्यों हुआ ? *– साइमन कमीशन में कोई भी भारतीय सदस्य नहीं था*
20. सविनय अवज्ञा आन्दोलन के रूप में गांधीजी ने 'दांडी मार्च' प्रारम्भ किया था *– 12 मार्च, 1930 को*

भारतीय राजव्यवस्था एवं संविधान

21. भारतीय संविधान का प्रारूप तैयार करने वाली संविधान सभा के सदस्यों का चयन किया गया था *– विभिन्न प्रान्तों की विधान सभाओं द्वारा*
22. भारत के संविधान में अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति और सुरक्षा की अभिवृद्धि का उल्लेख है *– अनुच्छेद 51 में (राज्य के नीति निदेशक तत्वों में)*
23. भारतीय संसद की सम्प्रभुता प्रतिबन्धित है *– न्यायिक समीक्षा से*
24. संविधान का कौनसा अनुच्छेद उच्चतम न्यायालय को उसके द्वारा दिए गए निर्णय अथवा आदेश के पुनर्विलोकन हेतु अधिकृत करता है ? *– अनुच्छेद 137*
25. जिला न्यायाधीश शब्द संविधान में आया है *– अनुच्छेद 233 में*
26. संसद द्वारा संकटकाल की घोषणा का अनुमोदन कितनी अवधि के अन्तराल से होना आवश्यक है ? *– 1 माह*
27. किसने कहा था कि "राष्ट्रपति का आपातकालीन अधिकार संविधान के साथ धोखा है ?" *– के.एम. नाम्बियार ने*
28. भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा को समाप्त करने की सिफारिश किस आयोग ने की थी ? *– राजमन्नार आयोग*
29. संघ लोक सेवा आयोग अपना वार्षिक प्रतिवेदन सौंपता है *– राष्ट्रपति को*
30. भारतीय संविधान का कौनसा अनुच्छेद 'प्रसाद का सिद्धान्त' उल्लिखित करता है ? *– अनुच्छेद 310*

भारत एवं विश्व का भूगोल

31. पिंगो (Pingo) स्थलाकृति पायी जाती है *– परिहिमानी क्षेत्र में*
32. सहरिया जनजाति के लोग निवासी हैं *– राजस्थान के*
33. जीवनरक्षक अथवा बचाव सिंचाई इंगित करती है *– पी.डब्ल्यू.पी. (Permanent Wilting Point—PWP)*
34. काल्पोंग जलविद्युत परियोजना अवस्थित है *– अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह में*
35. कौनसा फसल चक्र पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए सर्वाधिक उपयुक्त समझा जाता है ? *– धान-मक्का गेहूँ*
36. 'मीठी-विरदी' परमाणु ऊर्जा संयन्त्र किस देश के सहयोग से स्थापित किया जा रहा है ? *– अमरीका के सहयोग से भावनगर (गुजरात) जिले में*
37. 'डेलबर्जिया जाति' किन पौधों से सम्बन्धित है ? *– शीशम (Red Wood), किंगवुड, ट्यूलिपवुड, मनीवुड आदि*

38. विश्व का सबसे बड़ा प्रमाणित तेल भण्डार स्थित है
– वेनेजुएला में

39. महासागरों और समुद्रों में ज्वार-भाटाओं का कारण है
– सूर्य का गुरुत्वीय बल, चन्द्रमा का गुरुत्वीय बल एवं पृथ्वी का अपकेन्द्रीय बल

40. डेटम रेखा है
– समुद्र तल की क्षैतिज रेखा, जिसमें ऊँचाई तथा गहराई की माप होती है

पर्यावरण एवं जैव विविधता

41. पर्यावरण अवनयन है
– भौतिक पर्यावरण के एकल या कई संघटकों में उत्पन्न अवनतावस्था

42. जैव विविधता के ह्रास का मुख्य कारण है
– प्राकृतिक आवासीय विनाश

43. जैव विविधता का अर्थ है
– एक निर्धारित क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के पादप एवं जन्तु

44. भारत में जैव विविधता की दृष्टि से संवेदनशील स्थलों की संख्या 4 है, ये स्थल हैं–
– पूर्वी हिमालय, इण्डो बर्मा, सुंडालैण्ड, पश्चिमी हिमालय

45. काजीरंगा वन्यजीव अभयारण्य जाना जाता है
– एक सींग वाले गैंडे और हाथियों के लिए

46. जैविक मात्रा में सर्वाधिक उपयोग की जाने वाली ऊर्जा है
– सौर ऊर्जा

47. राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता सूचकांक (NAQI) का आधारभूत सिद्धान्त है *– एक संख्या–एक रंग–एक विवरण*

48. अन्तर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (IMO) का मुख्यालय है
– लंदन में

49. भारत के समुद्री जल में हानिकारक शैवाल प्रस्फुटन से हो रही वृद्धि पर चिंता व्यक्त की गयी है. इस प्रवृत्ति का कारण है
– ज्वारनदमुख से पोषकों का स्राव, मानसून में भूमि से जलवाह एवं समुद्र में उत्प्रवाह

50. अनाजों और तिलहनों के अनुपयुक्त रखरखाव और भण्डारण के परिणामस्वरूप आविषों का उत्पादन होता है, जिन्हें एफ्लाटॉक्सिन के नाम से जाना जाता है, जो सामान्यतः भोजन बनाने की आम विधि से नष्ट नहीं होते. एफ्लाटॉक्सिन उत्पादित होते हैं *– फफूँदी से*

जलवायु परिवर्तन एवं आपदा

51. वह स्थान जहाँ सबसे पहले भूकम्प के झटके अनुभव किए जाते हैं, कहलाते हैं *– अधिकेन्द्र*

52. सबसे अधिक भूकम्प प्रभावित क्षेत्र है *– परिप्रशान्त मेखला*

53. राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण का गठन किया गया था
– 2005 में

54. ज्वालामुखी का वृत्ताकार भाग जिसका सम्बन्ध भूगर्भ की अति गहराई तक होता है, कहलाता है *– ज्वालामुखी नली*

55. हवाई तुल्य ज्वालामुखी होता है *– शान्त*

56. भारत में उष्ण कटिबन्धीय चक्रवात आते हैं
– बंगाल की खाड़ी में

57. भारत में किस महीने में उष्ण कटिबन्धीय चक्रवातों का प्राबल्य रहता है ? *– अक्टूबर-नवम्बर में*

58. बाढ़ आपदा का कारण है
– लम्बे समय तक घनघोर वर्षा का होना

59. सबसे अधिक बाढ़ प्रभावित क्षेत्र है *– ब्रह्मपुत्र का मैदान*

60. टाइफून चक्रवात आते हैं *– चीन सागर में*

भारतीय अर्थव्यवस्था

61. ब्याज दर नीति आती है *– मौद्रिक नीति के अन्तर्गत*

62. भारत में नवी मुम्बई इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर की स्थापना किस देश के वित्तीय एवं तकनीकी सहयोग से की जा रही है ?
– जापान

63. एमआरटीपी आयोग को निरस्त करके उसके स्थान पर किसकी स्थापना की गयी है ? *– प्रतिस्पर्द्धा आयोग की*

64. भारत में हरित क्रान्ति किस फसल के मामले में सर्वाधिक सफल रही थी ? *– गेहूँ और चावल के उत्पादन के सन्दर्भ में*

65. राजकोषीय घाटे में से किसे घटाने पर प्राथमिक घाटा प्राप्त होता है ? *– ब्याज भुगतान को*

66. केन्द्र सरकार द्वारा हाल ही में लाँच की गई प्रधानमंत्री, वय वंदन योजना सम्बन्धित है *– पेंशन से*

67. वैश्विक भूख निर्देशांक 2018 में भारत का स्थान है
– 103 वाँ

68. वर्ष 2017-18 में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझीदार देश रहा है *– चीन*

69. मनीलॉड्रिंग विधेयक का उद्देश्य है
– अवैध रूप से प्राप्त किए गए धन की आवाजाही पर निगरानी रखना

70. उद्योग 4·0 (Industry 4·0) किस झुकाव की ओर इंगित करता है ?
– विनिर्माणी प्रौद्योगिकियों में स्वचालितीकरण एवं डाटा एक्सचेंज को प्रयुक्त करना

सामान्य विज्ञान एवं तकनीकी

71. यदि पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण बल अचानक लुप्त हो जाए, तो वस्तु के भार एवं द्रव्यमान पर क्या अन्तर पड़ेगा ?
– वस्तु का भार शून्य हो जाएगा, परन्तु द्रव्यमान वही रहेगा

72. पृथ्वी के चारों ओर परिक्रमा कर रहा कृत्रिम उपग्रह पृथ्वी पर नीचे नहीं गिरता, क्योंकि पृथ्वी का आकर्षण
– उसकी गति के लिए आवश्यक त्वरण प्रदान करता है

73. प्रकाश तरंगों के वायु से काँच में जाने पर जो चर प्रभावित होते हैं, वे हैं *– तरंगदैर्घ्य और वेग*

74. वे कौनसे मूल वर्ण हैं, जिनसे टीवी के पर्दे पर विभिन्न रंग प्रकट होते हैं ? *– लाल, हरा और नीला*

75. किस एक प्रकार की तरंगों का प्रयोग रात्रि दृष्टि उपकरण में किया जाता है ? *– अवरक्त तरंग (Infra Red Waves)*

76. लम्बे समय तक कठोर शारीरिक कार्य के पश्चात् मांसपेशियों में थकान अनुभव होने का कारण है
– लैक्टिक एसिड का संचय

77. अन्य पशुओं के मांस की तुलना में मछली का उपयोग स्वास्थकर माना जाता है, क्योंकि मछली में होता है
– बहुसंतृप्त वसा अम्ल

78. इन्सुलिन होता है *– प्रोटीन*

79. पोलियो का वाइरस शरीर में प्रवेश करता है
– दूषित भोजन एवं जल से

80. असुरक्षित पेय जल और स्वच्छता की कमी के कारण विकासशील देशों में प्रचलित संचारी रोग है
– मलेरिया (Maleria), तीव्र प्रवाहिका (Acute Diarrhea), शिस्टोसोमारुग्णता (Schistosomiasis)

कम्प्यूटर ज्ञान

81. शब्द संक्षेप 'इनिऐक (ENIAC)' का पूर्णरूप है
– Electronic Numerical Integrator and Computer

82. कम्प्यूटर मेमोरी के सन्दर्भ में 'एसडीरैम' (SDRAM) का अर्थ है *– Synchroms Dynamic Random Memory*

83. प्रिंटर की गुणवत्ता इस बात पर निर्भर करती है कि इमेज को प्रिंट करने में *– डीपीआई (DPI) की संख्या कितनी है*

84. कोबॉल उदाहरण है *– उच्चस्तरीय भाषा का*

85. इंटरनेट से जुड़े एक कम्प्यूटर के लिए कितने IP Address नियत किए जाते हैं ? *– एक*

86. जीयूआई (GUI) का पूर्णरूप है *– ग्राफिकल यूजर इंटरफेस*

87. RAR फाइलों में 'RAR' का अर्थ होता है
– रोशल आर्काइव

88. ई-मेल सर्वर से ई-मेल डाउनलोड करने के लिए किस प्रोटोकॉल का प्रयोग किया जाता है ? *– POP3*

89. चौथी पीढ़ी के कम्प्यूटरों की मुख्य विशेषता थी
– डाटाबेस मैनेजमेंट सिस्टम

90. नोटबुक, लैपटॉप और पामटॉप कम्प्यूटर किस पीढ़ी के हैं ?
– पाँचवीं पीढ़ी के

सम्प्रेषण/संचार

91. मौखिक सम्प्रेषण की प्रभावशीलता वक्ता की किस योग्यता पर निर्भर करती है ? *– सरल भाषा के प्रयोग की*

92. अपने सहयोगियों और अधीनस्थों के बीच संवाद स्थापित करने का सर्वोत्तम विकल्प है *– प्रत्येक व्यक्ति को गम्भीरता से समझना*

93. सम्प्रेषण के प्रक्रम में अन्तिम चरण है– *– प्रतिपुष्टि*

94. किसी संगठन में वह सम्प्रेषण जो अधीनस्थों को लक्ष्यों को निर्दिष्ट करने के लिए प्रयुक्त किया जाता है, कहलाता है
– अधोगामी सम्प्रेषण

95. हावभाव द्वारा सम्प्रेषण सम्बन्धित है *– अशाब्दिक व्यवहार से*

96. क्षैतिज सम्प्रेषण का एक अन्य प्रकार है *– पार्श्विक सम्प्रेषण*

97. किस उद्देश्य हेतु वृत्ताकार संचार सर्वाधिक उपयुक्त है ?
– सूचना के सक्षम अन्तरण हेतु

98. प्रतिक्रिया देने से तात्पर्य है
– एक संदेश के प्रति अपनी समझ की पुष्टि करना

99. सुनने को सर्वाधिक अच्छी तरह से परिभाषित किया जा सकता है
– जो हम सुनते हैं, उसका अर्थ निकालने की एक प्रक्रिया के रूप में

100. कक्षागत सम्प्रेषण में उपस्थित होते हैं
– अप्रत्यक्ष सम्प्रेषण, मौन सम्प्रेषण, औपचारिक सम्प्रेषण आदि

शिक्षा एवं बाल मनोविज्ञान

101. पियाजे ने बुद्धि को किसके प्रति समायोजन-योग्यता के रूप में परिभाषित किया है ?
– भौतिक एवं सामाजिक पर्यावरण

102. स्टैनफर्ड-बिने परीक्षण (1916) किसके द्वारा निर्मित है ?
– गिलफोर्ड

103. ऐसा बुद्धि परीक्षण, जिसमें भाषा का प्रयोग किया जाता है, किस नाम से जाना जाता है ?
– शाब्दिक बुद्धि परीक्षण (Verbal Intelligence Test)

104. ऐसा बुद्धि परीक्षण, जिसमें भौतिक वस्तुओं/खिलौनों आदि का प्रयोग कर बुद्धि परीक्षण किया जाता है, जाना जाता है
– निष्पादन परीक्षण

105. व्यक्तित्व का बहिर्मुखी-अन्तर्मुखी वर्गीकरण सर्वप्रथम प्रस्तुत किया गया *– यंग द्वारा*

106. आर्मी बीटा (Army Beta) किस प्रकार का परीक्षण है ?
– सामूहिक शाब्दिक परीक्षण

107. बुद्धिलब्धि (IQ) को सर्वप्रथम मापा *– टरमैन ने*

108. कौनसी अवस्था में आवेगों की तीव्रतम स्थिति उत्पन्न होती है ? *– किशोरावस्था में*

109. स्पीयरमैन बुद्धि की प्रकृति को लेकर कौनसा सिद्धान्त मानते हैं ? *– द्विशक्ति सिद्धान्त*

110. एक बालक किसी समय जो विकास प्रकट करता है, वह वास्तविक रूप से परिणाम होता है
– उस पर प्रभाव डालने वाले वातावरण एवं आनुवंशिक कारणों के योगफल का

खेलकूद

111. 'मर्डेका कप' किस खेल से सम्बन्धित है ? *– फुटबाल*

112. द्रोणाचार्य पुरस्कार के अन्तर्गत दी जाने वाली नगद राशि है
– ₹ 5 लाख

113. जूडो के अन्तर्गत रेफरी के क्या कहने पर प्रतिस्पर्द्धी लड़ना प्रारम्भ करते हैं ? *– हाजिमे (Hajime)*

114. 'ब्रुश एण्ड रेल' किस खेल से सम्बन्धित शब्दावली है ?
– घुड़सवारी

115. वह महिला खिलाड़ी जिसने तीन खेलों में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त की ?
– शिरीन खुशरू कियाश (हॉकी, क्रिकेट एवं बास्केटबाल में)

116. चन्द्रशेखर नायर फुटबाल स्टेडियम स्थित है
– तिरुवनंतपुरम में

117. ओलम्पिक खेलों की ऐथलेटिक्स प्रतिस्पर्द्धा के फाइनल में पहुँचने वाला प्रथम एथलीट था *– मिल्खा सिंह*

118. 'क्ले कोर्ट' और 'हार्ड कोर्ट' शब्द किस खेल से सम्बन्धित हैं ? *– लॉन टेनिस से*

119. आधुनिक पेंटाशलन में कौनसी पाँच स्पर्द्धाएं में शामिल हैं ?
– घुड़सवारी, तलवारबाजी, तैराकी, निशानेबाजी (पिस्टल), क्रॉस कंट्री दौड़

120. कराटे की कुल कितनी पद्धतियाँ हैं ?
– 5 (गुजूकाई, शोतोकाव, शीत्तो, वादो और गुजुरु)

कृषि

121. *'फॉस्फेटिका कल्चर'* किस नाम से जाना जाता है ? जो यह कल्चर फॉस्फोरस उर्वरक तत्व घोलने वाले जीवित सूक्ष्म-जीवाणुओं का यौगिक होता है ?
– पीएसबी (फॉस्फोरस सोल्युबिलाइजिंग बैक्टीरिया)

122. *'फॉस्फेटिका कल्चर'* के प्रयोग से क्या-क्या लाभ कृषि क्षेत्र में होते हैं ?
– 10 से 20% फसल उत्पादन में वृद्धि; साथ-ही-साथ मृदा में उपलब्ध फॉस्फोरस तत्व की उच्च उपलब्धता होने से 30 से 40% फॉस्फोरस उर्वरक तत्व की बचत

123. दलहनी फसलों के बीज शोधन हेतु **'राइजोबियम कल्चर'** की कितनी मात्रा प्रयोग की जानी चाहिए एवं कैसे प्रयोग करते हैं ?
– 200 ग्राम राइजोबियम कल्चर को 250 मिली लिटर पानी + 50 ग्राम गुड़ + 10 किग्रा बीज में हाथ से लगाकर 8–10 घण्टे तक जूट के बोरे से ढककर रखने के बाद बुवाई करते हैं

124. जैव-उर्वरकों (बायो-फर्टीलाइजर्स) के लाभ-कृषि में क्या हैं ?
– पौधों को नत्रजन, फॉस्फोरस पादप पोषक तत्वों की ज्यादा मात्रा में उपलब्धता कराना; मृदा स्वास्थ्य ठीक करना, पर्यावरण प्रदूषण कम करना आदि ऐसे अनेक लाभ

125. मृदा परीक्षण परिणाम के आधार पर भूमि में उच्चस्तरीय जीवांश कार्बन (O.C.) की मात्रा होनी चाहिए ***– 0·80–0·85%***

126. मृदा में उच्चस्तरीय फॉस्फेट उपलब्धता (किग्रा/हैक्टर) होनी चाहिए ***– 40·0 से अधिक***

127. मृदा में उच्चस्तरीय पोटाश उपलब्धता (किग्रा/हैक्टर) होनी चाहिए ***– 250 से अधिक***

128. मृदा में *द्वितीयक तत्व* सल्फर-S (PPM) की उर्वरता स्तर पर्याप्त मात्रा में होने की संस्तुति है
– 15·0 पीपीएम से अधिक

129. मृदा परीक्षण के आधार पर सूक्ष्म तत्व–'जिंक' (Zn) की पर्याप्त मात्रा होनी चाहिए ***– 1·20 पीपीएम से अधिक***

130. मृदा परीक्षण के आधार पर सूक्ष्म तत्व–'लोहा' (Fe) की पर्याप्त मात्रा होनी चाहिए ***– 8·0 पीपीएम से अधिक***

विविध

131. संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम का मुख्यालय स्थित है
– नैरोबी (केन्या) में

132. स्टिलवेल रोड भारत को किस पड़ोसी देश से जोड़ता है ?
– चीन से

133. इकोलेक्स (ECOLEX) है
– जैव विविधता सम्बन्धी कानूनों और नीतियों पर एक वेब आधारित सूचना सेवा

134. कोलदाय जलविद्युत परियोजना स्थित है ***– कर्नाटक में***

135. राष्ट्रीय दुग्ध दिवस मनाया जाता है ***– 26 नवम्बर को***

136. बुडापेस्ट अभिसमय 2018 सम्बन्धित है ***– साइबर अपराध से***

137. किस जलडमरूमध्य में से निकाली गयी सुरंग यूनाइटेड किंगडम (यू.के.) और फ्रांस को जोड़ती है ?
– डोवर जलडमरूमध्य

138. भारत सरकार ने प्रथम जीएसटी दिवस मनाया था
– 1 जुलाई, 2018 को

139. भारतीय राष्ट्रीय महासागरीय सूचना सेवा केन्द्र (INCOIS) अवस्थित है ***– हैदराबाद में***

140. 'स्वदेश दर्शन योजना' का आरम्भ किया गया
– पर्यटन मंत्रालय द्वारा

●●●

सूचना

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा वर्ष 2019 के आगामी अर्द्धवार्षिक (माह जुलाई 2019 से माह दिसम्बर 2019 तक) में आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं का कैलेण्डर निम्नवत् है–

क्र.सं.	परीक्षा का नाम	परीक्षा तिथि
1.	प्रोग्रामर/प्रोग्रामर, ग्रेड-1/प्रोग्रामर, ग्रेड-2/ कम्प्यूटर ऑपरेटर, ग्रेड-'बी' परीक्षा, 2019 के अन्तर्गत कम्प्यूटर ऑपरेटर, ग्रेड-'बी' परीक्षा	7 जुलाई, 2019
2.	प्रोग्रामर/प्रोग्रामर, ग्रेड-1/प्रोग्रामर, ग्रेड-2/ कम्प्यूटर ऑपरेटर, ग्रेड-'बी' परीक्षा, 2019 के अन्तर्गत प्रोग्रामर/प्रोग्रामर, ग्रेड-1 परीक्षा	14 जुलाई, 2019
3.	प्रवक्ता, राजकीय डिग्री कॉलेज (स्क्रीनिंग) परीक्षा, 2017	28 जुलाई, 2019
4.	प्रोग्रामर/प्रोग्रामर, ग्रेड-1/प्रोग्रामर, ग्रेड-2/ कम्प्यूटर ऑपरेटर, ग्रेड-'बी' परीक्षा, 2019 के अन्तर्गत प्रोग्रामर, ग्रेड-2 परीक्षा	25 अगस्त, 2019
5.	सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (पी.सी.एस.) (सामान्य चयन/विशेष चयन) (प्रा.) परीक्षा, 2019 तथा सहायक वन संरक्षक (ए.सी.एफ.)/क्षेत्रीय वन अधिकारी (आर.एफ.ओ.) (प्रारम्भिक) परीक्षा, 2019	20 अक्टूबर, 2019
6.	सहायक वन संरक्षक/क्षेत्रीय वन अधिकारी (मुख्य) परीक्षा, 2018	13 नवम्बर, 2019 से
7.	अपर निजी सचिव (उ. प्र. सचिवालय) तृतीय चरण (कम्प्यूटर ज्ञान) परीक्षा, 2013	15 दिसम्बर, 2019
8.	सम्मिलित राज्य अभियंत्रण सेवा परीक्षा, 2019	22 दिसम्बर, 2019

विशेष परिस्थितियों में तिथियों में परिवर्तन किया जा सकता है.

उपकार

परीक्षा तिथि–24 सितम्बर, 2019

हमनू
बी. एड.
प्रवेश परीक्षा

पिछला प्रश्न-पत्र हल सहित

लेखकद्वय : डॉ. लाल एवं जैन कोड नं. 1119 ₹ 330/-

ENGLISH EDITION Code No. 1619 ₹ 380/-

उपकार प्रकाशन, आगरा–2 E-mail : care@upkar.in Website : www.upkar.in

उत्तर प्रदेश समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी (मुख्य) परीक्षा, 17-2-2019 का हल प्रश्न-पत्र

सामान्य अध्ययन

1. परिवहन, संचार, वाणिज्य (Commerce) किसके अन्तर्गत आते हैं ?
(A) प्राथमिक गतिविधियाँ
(B) द्वितीयक गतिविधियाँ
(C) तृतीयक गतिविधियाँ
(D) ग्रामीण गतिविधियाँ

2. 'आल्हा' एक लोकप्रिय (Popular) संगीत किस क्षेत्र का है ?
(A) रूहेलखण्ड
(B) बुन्देलखण्ड
(C) पूर्वाञ्चल
(D) पश्चिमी उत्तर प्रदेश

3. निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिए और इन्हें काल क्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए.
I. दौराह का युद्ध
II. कन्नौज का युद्ध
III. सामूगढ़ का युद्ध
IV. चौसा का युद्ध
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए.
कूट :
(A) II, III, I, IV (B) I, IV, II, III
(C) I, II, IV, III (D) II, I, IV, III

4. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनिए.
सूची-I (लेखक)
(a) वी.डी. सावरकर
(b) आर.सी. मजूमदार
(c) एस.बी.चौधरी
(d) अशोक मेहता
सूची-II (पुस्तक का शीर्षक)
1. द ग्रेट रिबेलियन
2. द इंडियन वार ऑफ इंडिपेंडेंस
3. द सिपॉय म्यूटिनी एण्ड द रिवोल्ट ऑफ 1857
4. सिविल रिबेलियन इन द इंडियन म्यूटिनीज (1857-59)
कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	3	4	1
(B)	2	3	1	4
(C)	3	2	4	1
(D)	3	1	2	4

5. निम्नलिखित में से किस राज्य में काली मिर्च और इलायची का उत्पादन होता है ?
(A) असम
(B) जम्मू और कश्मीर
(C) हिमाचल प्रदेश
(D) केरल

6. निम्नलिखित में से किसके लिए माध्यम आवश्यक नहीं है ?
(A) विकिरण (Radiation)
(B) संवहन (Convection)
(C) चालन (Conduction)
(D) इनमें से कोई नहीं

7. जैविक एवं अजैविक संघटकों के मध्य बिचौलिया का कार्य करते हैं–
(A) परजीवी (B) वियोजक
(C) उत्पादक (D) उपभोक्ता

8. गुप्त स्वर्ण (Gupta gold) मुद्रा को कहा जाता था–
(A) कार्षापण (B) दीनार
(C) निष्क (D) सुवर्ण

9. सूची-I (प्रकृति में प्राप्त पदार्थों) को सूची-II (तत्वों) से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए.
सूची-I
(a) हीरा
(b) संगमरमर
(c) रेत
(D) माणिक्य (रूबी)
सूची-II
1. कैल्शियम
2. सिलिकॉन
3. एल्युमीनियम ऑक्साइड
4. कार्बन
कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	4	1	2	3
(C)	3	1	2	4
(D)	4	2	1	3

10. सूची-I को सूची-II में सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए.
सूची-I **सूची-II**
(a) अष्टाध्यायी 1. यास्क
(b) महाभाष्य 2. कात्यायन
(c) निरुक्त 3. पतंजलि
(d) वार्त्तिक 4. पाणिनि
कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	3	1	2
(B)	2	3	1	4
(C)	1	2	3	4
(D)	3	1	4	2

11. निम्नलिखित में कौन एक हरित गृह गैस नहीं है ?
(A) ऑक्सीजन
(B) कार्बन डाइऑक्साइड
(C) क्लोरोफ्ल्यूरोकार्बन्स
(D) मीथेन

12. नीचे दी गयी तालिका/चित्र में (?) के स्थान पर कौनसी संख्या आएगी ?

1	3	7
5	12	14
25	?	28
125	192	56

(A) 40 (B) 48
(C) 56 (D) 64

13. पश्चिमी एशिया में सर्वाधिक तेल उत्पादक देश है–
(A) इराक (B) इरान
(C) सउदी अरब (D) लेबनांन

14. निम्नलिखित में से कौन रूस के प्रमुख संसाधनों में से नहीं है ?
(A) कोयला (Coal)
(B) लौह - अयस्क (Iron - ore)
(C) हीरा (Diamonds)
(D) यूरेनियम (Uranium)

15. प्रश्नसूचक चिह्न (?) के स्थान पर क्या आएगा ?

9	11	99
10	25	50
28	35	?

(A) 110 (B) 140
(C) 148 (D) 175

16. 2016 में कार्यान्वित नवीन राष्ट्रीय वन सूची डिजाइन के अन्तर्गत वन सूची का समय घटाकर किया गया है–
(A) 5 वर्ष (B) 2 वर्ष
(C) 6 माह (D) 10 वर्ष

17. निम्नलिखित सीरीज को पूर्ण कीजिए.
2, 9, 28, 65, ?
(A) 121 (B) 195
(C) 126 (D) 103

18. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं, जिसमें एक को अभिकथन (A) व दूसरे को कारण (R) कहा गया है.

अभिकथन (A) : जीवमण्डल एक खुला विवृत तंत्र का उदाहरण है.

कारण (R) : जीवमण्डल में पदार्थ के प्रारम्भिक निवेश के बाद पुनः नये पदार्थ को निवेश नहीं हो सकता, परन्तु ऊर्जा के निवेश एवं बाहिर्गमन पर कोई प्रतिबन्ध नहीं होता है.

अधोलिखित कूटों में से सही उत्तर चुनिए.

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की व्याख्या है
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (A) सही है तथा (R) गलत है
(D) (A) गलत है तथा (R) सही है

19. 2011 की जनगणना के अनुसार किस केन्द्रशासित प्रदेश का लिंग-अनुपात न्यूनतम है ?
(A) चण्डीगढ़
(B) दादरा और नगर हवेली
(C) दमन और दीव
(D) लक्षद्वीप

20. सूची-I को सूची-II से मिलान करिए तथा सूची के नीचे दिए गए कूटों का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (देश)	**सूची-II (प्रमुख प्राथमिक निर्यात)**
(a) चाड	1. कपास
(b) नाइजर	2. यूरेनियम
(c) रवांडा	3. पेट्रोलियम
(d) बेनिन	4. कहवा/कॉफी

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	1	3	2
(B)	2	4	1	3
(C)	3	2	4	1
(D)	1	3	2	4

21. देश के किस राज्य का हिस्सा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सम्मिलित नहीं है ?
(A) दिल्ली (B) उत्तर प्रदेश
(C) हरियाणा (D) मध्य प्रदेश

22. वर्तमान वृद्धि दर के अनुसार भारत की शहरी आबादी वर्ष 2030 तक पहुँचने का अनुमान है–
(A) 575 मिलियन
(B) 675 मिलियन
(C) 750 मिलियन
(D) 900 मिलियन

23. वैज्ञानिक प्रबन्धन का जनक कौन है ?
(A) हेनरी फेयोल
(B) एल्टन मायो
(C) चेस्टन बर्नार्ड
(D) एफ. डब्ल्यू. टेलर

24. दूर दृष्टि दोष में प्रतिबिम्ब निम्नलिखित पर बनता है–
(A) रेटिना पर
(B) रेटिना के आगे
(C) रेटिना के पीछे
(D) अन्ध बिन्दु पर

25. निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिए और उन्हें कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए.

I. क्रिप्स मिशन II. अगस्त प्रस्ताव
III. नेहरू रिपोर्ट IV. वैवेल योजना

नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए–

कूट :
(A) III, I, II, IV
(B) III, II, I, IV
(C) II, I, III, IV
(D) I, III, II, IV

26. निम्नलिखित में से कौनसा युग्म सही सुमेलित नहीं है ?

सूची-I (फसल/पौधारोपण)
(A) जूट (B) चाय
(C) गन्ना (D) रबड़

सूची-II (सर्वाधिक उत्पादक राज्य)
(A) पश्चिम बंगाल
(B) असम
(C) उत्तर प्रदेश
(D) हिमाचल प्रदेश

27. महावीर स्वामी को किस नदी के तट पर ज्ञानोदय प्राप्त हुआ था ?
(A) स्वर्णसिक्ता (B) पलाशिनी
(C) गंगा (D) ऋजुपालिका

28. एक आदमी पूर्व की ओर मुँह करके घड़ी चलने की दिशा में 60° घूमता है और फिर घड़ी चलने की विपरीत दिशा में 255° घूमता है और अन्ततः घड़ी घूमने की दिशा में 105° घूमता है. अब उसका मुँह किस दिशा में है ?
(A) उत्तर-पूर्व (B) उत्तर
(C) पश्चिम (D) दक्षिण-पूर्व

29. लाभ मात्र अनुपात में सुधार निम्न-लिखित के द्वारा किया जा सकता है–
(A) बिक्री कीमत में वृद्धि
(B) बिक्री मिश्रण को बदलना
(C) परिवर्तनशील लागत को कम करना
(D) उपर्युक्त सभी

30. प्रत्येक क्रिया के लिए एक समान और विपरीत (Opposite) प्रतिक्रिया होती है, यह नियम दिया था–
(A) न्यूटन ने
(B) एल्बर्ट आईन्स्टीन ने
(C) बोहर ने
(D) हेन्डेन ने

31. 'बाबरनामा' का अंग्रेजी में अनुवाद किसने किया ?
(A) लेडेन और रस्किन
(B) विलियम हाकिन्स
(C) फिंच
(D) विलियम जोन्स

32. सूची-I एवं सूची-II का मिलान कीजिए तथा दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए–

सूची-I
(a) स्तूप
(b) चित्रकारी
(c) कनिष्क की सिरविहीन मूर्ति
(d) दशावतार मन्दिर

सूची-II
1. बाघ 2. साँची
3. देवगढ़ 4. मथुरा

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	2	1	4	3
(C)	4	3	2	1
(D)	3	2	1	4

33. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I	**सूची-II**
(a) बल्लभाचार्य	1. द्वैतवाद
(b) रामानुज	2. पुष्टिमार्ग
(c) मध्वाचार्य	3. विशिष्टाद्वैत
(d) शंकर	4. अद्वैतवाद

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	3	4	2
(B)	2	4	1	3
(C)	2	3	1	4
(D)	4	1	3	2

34. भारतीय संविधान का कौनसा अनुच्छेद लोक सभा एवं विधान सभा के प्रतिनिधियों को निर्वाचित करने अर्थात् वयस्क मताधिकार का अधिकार प्रदान करता है ?
(A) अनुच्छेद 326
(B) अनुच्छेद 325
(C) अनुच्छेद 324
(D) अनुच्छेद 323

35. मलम्पुझा बाँध किस नदी पर अवस्थित है ?
(A) भरतपुझा (B) कोरापुझा
(C) मलम्पुझा (D) पम्बा

@PDDKaAdda

36. दी गयी श्रृंखला में कौनसी संख्या गलत है ?
1235, 2425, 3158, 4235
(A) 1235 (B) 2425
(C) 3158 (D) 4235

37. सूची-I को सूची-II से सुमेलित करें तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए–
सूची-I (समाचार पत्र)
(a) बंगाली
(b) बंगवासी
(c) वंदे मातरम
(d) अमृत बाजार पत्रिका
List–II (प्रकाशक)
1. जोगेन्द्र नाथ बोस
2. अरविंद घोष
3. सुरेन्द्र नाथ बनर्जी
4. मोती लाल घोष
कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	1	3	4
(B)	3	1	2	4
(C)	3	4	2	1
(D)	4	3	2	1

38. चित्रकोट जलप्रपात स्थित है–
(A) चित्रकूट में (B) बस्तर में
(C) जबलपुर में (D) बाँदा में

39. निम्नलिखित कूट संकेतों में से सही विकल्प द्वारा श्रृंखला को पूर्ण कीजिए.
V, I, B, ...,...,...,...
(A) G, Y, O, R (B) G, O, Y, R
(C) G, O, R, Y (D) Y, G, O, R

40. पश्चिम घाट के सम्बन्ध में निम्न कथनों पर विचार कीजिए–
1. यह एक भ्रंशोत्थ पर्वत है.
2. इसका पूर्वी ढाल क्रमशः नीचा होता हुआ पठार है.
3. इसका उत्तरी खण्ड लावा (बेसाल्ट) से आच्छादित है.
उपर्युक्त कथनों में से कौनसे सही है ?
(A) 1 और 2 (B) 2 और 3
(C) 1 और 3 (D) 1, 2 और 3

41. इसमें मूलभूत कण कौनसा है ?
(A) न्यूट्रॉन (B) प्रोटॉन
(C) पाई-मेसान (D) क्वार्क

42. उत्तरी अमरीका का सुपीरियर झील (Superior Lake) का क्षेत्र प्रसिद्ध है–
(A) लौह - अयस्क भण्डार
(B) कोयला भण्डार
(C) सोना भण्डार
(D) यूरेनियम भण्डार

43. निम्नलिखित में से किसने अपने पहले टेस्ट में शतक नहीं बनाया है ?
(A) सौरव गांगुली
(B) वीरेन्द्र सहवाग
(C) पृथ्वी शॉ
(D) सुनील गावस्कर

44. किसको हराकर सिमोना हालेप, फ्रेंच ओपन टेनिस प्रतियोगिता 2018 की विजेता बनीं ?
(A) स्लोन स्टीफेन्स
(B) सेरेना विलियम्स
(C) वीनस विलियम्स
(D) इनमें से कोई नहीं

45. नाभिकीय ऊर्जा (Nuclear Energy) का उपयोग प्रायः कारक है–
(A) वायु प्रदूषण
(B) जल प्रदूषण
(C) ऊष्मीय प्रदूषण
(D) ध्वनि प्रदूषण

46. नीचे दी गयी तालिका में A, B एवं C का मान क्या होगा ?

9	A	12
B	10	7
8	C	11

(A) A = 9, B = 11, C = 13
(B) A = 13, B = 9, C = 11
(C) A = 9, B = 13, C = 11
(D) A = 13, B = 11, C = 9

47. दिए गए विकल्पों में से कौन X के स्थान पर आएगा ?
27, 31, 40, 56, 81, 117, X
(A) 156 (B) 165
(C) 166 (D) 169

48. धन विधेयक (Money Bill) के अतिरिक्त एक विधेयक जो विधानसभा ने प्रथम बार पारित कर दिया हो, विधान परिषद में कितने माह तक पड़ा रह सकता है ?
(A) एक माह से अधिक तक नहीं
(B) दो माह से अधिक तक नहीं
(C) तीन माह से अधिक तक नहीं
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

49. ऊपरी वायुमण्डल की ओजोन परत का क्षरण निम्नलिखित में से किससे हो रहा है ?
(A) सल्फर डाइऑक्साइड
(B) फोटो केमिकल ऑक्सीडेन्ट्स
(C) क्लोरोफ्ल्यूरोकार्बन
(D) स्मॉग

50. निम्नलिखित में कौनसा एक विटामिन सूर्य के प्रकाश की उपस्थिति में त्वचा में बनता है ?
(A) विटामिन A (B) विटामिन D
(C) विटामिन K (D) विटामिन E

51. इनमें से कौन विषाणु जनित रोग नहीं है ?
(A) खसरा (Measles)
(B) रेबीज (Rabies)
(C) पोलियो (Polio)
(D) क्षय रोग (Tuberculosis)

52. नाभिक के आकार की कोटि निम्नलिखित होती है–
(A) 1×10^{-15} मीटर
(B) 1×10^{-12} मीटर
(C) 1×10^{-10} मीटर
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

53. जी.एस.टी. किस तरह का कर है ?
(A) प्रत्यक्ष कर
(B) अप्रत्यक्ष कर
(C) वस्तुओं एवं सेवाओं के प्रकार पर निर्भर करता है
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

54. भारत एवं एशिया का प्रथम डालफिन शोध केन्द्र एन.डी.आर.सी. की स्थापना गंगा नदी के तट पर किस शहर में की जा रही है ?
(A) हरिद्वार (B) पटना
(C) वाराणसी (D) भागलपुर

55. निम्नलिखित में से कौनसा एक मानव पूँजी निर्माण पर प्रत्यक्ष प्रभाव नहीं डालेगा ?
(A) शिक्षा
(B) चिकित्सकीय देखभाल
(C) प्रशिक्षण
(D) सिंचाई

56. निम्नलिखित में से किसको गरीबी (Poverty) का सामाजिक सूचक नहीं समझा जाता है ?
(A) परिवहन के साधनों की कम संख्या
(B) निरक्षरता स्तर
(C) स्वास्थ्य देखभाल तक पहुँच की कमी
(D) रोजगार के अवसरों की कमी

57. उत्तर प्रदेश में नाजेल पार्क (Knowledge Park) की स्थापना कहाँ की जा रही है ?
(A) लखनऊ (B) प्रयागराज
(C) वाराणसी (D) ग्रेटर नोएडा

58. 'फूल' का 'पत्ती' से वही सम्बन्ध है जैसे पुस्तक सम्बन्धित है–
(A) पुस्तकालय से
(B) लेखक से
(C) पृष्ठों से
(D) विषयवस्तु से

@PDDKaAdda

59. उरूग्वे दौर किससे सम्बन्धित है ?
(A) डब्ल्यू.टी.ओ. (B) आई.एम.एफ.
(C) गैट (D) विश्व बैंक

60. निम्नलिखित में से किस वस्तु का 2017 में भारत से निर्यात सर्वाधिक रहा है ?
(A) कृषि एवं सम्बन्धित उत्पाद
(B) अभियांत्रिकीय वस्तुएं
(C) वस्त्र
(D) रसायन

61. सूची-I का सूची-II के साथ मिलान कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I
(a) काली मिट्टी के बर्तन
(b) चीनी मिट्टी के बर्तन
(c) पीतल शिल्पकृति
(d) शीशा शिल्पकृति

सूची-II
1. मुरादाबाद 2. खुर्जा
3. फिरोजाबाद 4. निजामाबाद

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	3	2	4
(B)	4	2	1	3
(C)	3	1	4	2
(D)	2	4	3	1

62. उत्तर प्रदेश का राज्य चर्म विकास (Leather Development) एवं विपणन निगम लिमिटेड कहाँ स्थित है ?
(A) आगरा (B) कानपुर
(C) मुरादाबाद (D) गाजियाबाद

63. उत्तर प्रदेश में कृत्रिम अंग निर्माण निगम कहाँ स्थित है ?
(A) वाराणसी (B) प्रयागराज
(C) कानपुर (D) आगरा

64. मुद्रा एवं वित्तीय मामलों में सरकार का वित्तीय अभिकर्ता एवं सलाहकार कौन है ?
(A) नाबार्ड
(B) एस.बी.आई.
(C) आर.बी.आई.
(D) इनमें से कोई नहीं

65. 'उत्तर प्रदेश रत्न पुरस्कार' निम्नलिखित में से किस भारतीय-अमरीकी नागरिक को दिया गया ?
(A) सैम पित्रोदा
(B) सुनीता विलियम्स
(C) फ्रैन्क इस्लाम
(D) कल्पना चावला

66. निम्नलिखित में से कौनसा सही सुमेलित नहीं है ?
(A) अंग - चम्पा
(B) कोशल - अहिच्छत्र
(C) वत्स - कौशाम्बी
(D) मत्स्य - विराटनगर

67. निम्नलिखित में से किस फसल की रोपाई की जाती है ?
(A) सरसों (B) धान
(C) गेहूँ (D) मक्का

68. नेपाल सरकार ने निम्नलिखित में से किसको पर्यटन एवं संस्कृति का सद्भावना राजदूत नियुक्त किया है ?
(A) जया प्रदा
(B) हेमा मालिनी
(C) प्रियंका चोपड़ा
(D) इनमें से कोई नहीं

69. लखनऊ महानगर के सम्बन्ध में निम्न कथनों पर विचार कीजिए–
1. 18वीं सदी के उत्तरार्ध में नवाब आसफुद्दौला ने नगर को नियोजित तरीके से विकसित किया.
2. ब्रिटिश काल में सर हरकोर्ट बटलर ने इसके सुगठित विकास पर ध्यान दिया.
3. महानगर की कुल भूमि के 23% भाग पर रिहायशी क्षेत्र पाया जाता है.

उपर्युक्त कथनों में से कौनसे सही हैं ?
(A) केवल 2 (B) 1 और 2
(C) 2 और 3 (D) 1, 2 और 3

70. भारतीय संविधान का भाग-16 सम्बन्धित है–
(A) प्रशासनिक अधिकरण से
(B) अखिल भारतीय सेवाओं में
(C) वित्त आयोग से
(D) कुछ वर्गों के लिए विशेष उपबन्धों से

71. शुद्ध निर्यात बराबर होता है–
(A) निर्यात × आयात
(B) निर्यात + आयात
(C) निर्यात – आयात
(D) केवल सेवाओं का निर्यात

72. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए.

सूची-I (युद्ध)	**सूची-II (वर्ष)**
(a) चन्दावर का युद्ध	1. 1398
(b) तैमूर का आक्रमण	2. 1194
(c) तालीकोटा का युद्ध	3. 1529
(d) घाघरा का युद्ध	4. 1565

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	2	3	4	1
(C)	1	4	3	2
(D)	2	1	4	3

73. 2011 की जनगणना के अनुसार किस केन्द्रशासित प्रदेश की साक्षरता दर न्यूनतम है ?
(A) चण्डीगढ़
(B) दादरा और नगर हवेली
(C) दमन और दीव
(D) लक्षद्वीप

74. निम्नलिखित में से कौन सुमेलित नहीं है ?
(A) बैकाल - रशियन फेडरेशन
(B) मलावी - एशिया
(C) कैस्पियन सागर - एशिया - यूरोप
(D) तंगानिका - अफ्रीका

75. 2018 के कॉमनवेल्थ खेलों की पदक तालिका में शीर्ष स्थान पर कौनसा देश रहा ?
(A) आस्ट्रेलिया (B) इंगलैण्ड
(C) कनाडा (D) भारत

76. उत्तर प्रदेश सुरमा (Surma) उद्योग के लिए प्रसिद्ध है–
(A) वाराणसी (B) प्रयागराज
(C) मुरादाबाद (D) बरेली

77. आयकर कर–
(A) व्यापार की मात्रा को बढ़ाता है
(B) व्यापार की मात्रा को घटाता है
(C) इसका व्यापार की मात्रा पर कोई प्रभाव नहीं होता
(D) दोनों (A) और (C)

78. 2018 में साहित्य (Literature) के नोबेल पुरस्कार के विजेता कौन है ?
(A) काजुओ इशिगुरो
(B) बॉब डिलन
(C) पैट्रिक मोदियानों
(D) इनमें से कोई नहीं

79. 2019 के ऑस्कर अवार्ड के लिए भारत सरकार की ओर से किस फिल्म का चयन किया गया है ?
(A) सुई धागा
(B) पटाखा
(C) विलेज रॉकस्टार्स
(D) बत्ती गुल मीटर चालू

80. कथनों पर विचार कीजिए :
अभिकथन (A) : चीनी उद्योग दक्षिण भारत में अधिक विकसित है.
कारण (R) : गन्ने की प्रति हेक्टेयर पैदवार तथा गन्ने में रस की मात्रा दक्षिणी राज्यों में अधिक होती है.

कूट :
(A) (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (A) का सही स्पष्टीकरण (R) है
(B) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, किन्तु (A) का सही स्पष्टीकरण (R) नहीं है

(C) (A) सही है, किन्तु (R) गलत है
(D) (A) गलत है, किन्तु (R) सही है

81. DETERMINATION
(A) TERMIDE (B) MODERN
(C) TENDER (D) MOTHER

82. उत्तर प्रदेश की कौनसी निम्नलिखित जनजाति दीपावली को शोक के रूप में मनाती है ?
(A) सहरिया (B) बैगा
(C) परहरिया (D) थारु

83. महाकुम्भ मेला प्रायः कितने वर्ष पर आयोजित किया जाता है ?
(A) 10वें वर्ष (B) 12वें वर्ष
(C) 14वें वर्ष (D) 16वें वर्ष

84. सूची-I को सूची-II सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I	सूची-II
(a) डिमेट्रियस	1. पह्लव
(b) रूद्रदामन	2. कुषाण
(c) गोण्डोफर्नीज	3. हिन्द-युनानी
(d) विम	4. शक

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	3	2	4
(B)	4	3	1	2
(C)	3	4	1	2
(D)	1	2	3	4

85. स्टेनलेस स्टील एक मिश्र धातु है जिसमें लोहे के साथ निम्नलिखित को मिलाते हैं–
(A) जस्ता (B) क्रोमियम
(C) टिन (D) तांबा

86. निम्नलिखित में से कौनसा युग्म सुमेलित नहीं है ?
(A) इंदु प्रकाश – एम.जी. रानाडे
(B) नेटिव ओपीनियन – बी. एन. मांडलिक
(C) बॉम्बे क्रॉनिकल – गोपाल कृष्ण गोखले
(D) इंडियन मिरर – देवेंद्रनाथ टैगोर

87. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए.

सूची-I (राजनीतिक दल)
(a) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
(b) भारतीय जनसंघ
(c) भारतीय साम्यवादी दल
(d) ए.आई.ए.डी.एम.के.

सूची-II (वर्ष)
1. 1951 2. 1972
3. 1885 4. 1925

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	2	1	3
(B)	1	3	4	2
(C)	3	4	2	1
(D)	4	1	3	2

88. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I
(a) हड़प्पा (b) हस्तिनापुर
(c) तक्षशिला (d) कौशाम्बी

सूची-II
1. एन.जी. मजूमदार (1936-37)
2. जान मार्शल (1913-34)
3. दया राम साहनी (1923-24 तथा 1924-25)
4. बी.बी. लाल (1950-52)

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	2	1	3
(B)	1	3	4	2
(C)	3	4	2	1
(D)	4	1	3	2

89. निम्नलिखित में से कौनसा युग्म सुमेलित नहीं है ?
(A) लाहौर प्रस्ताव - फज्ल-उल-हक
(B) पीरपुर रिपोर्ट - राज मोहम्मद मेंहदी
(C) जनता की योजना - विनोबा भावे
(D) गाँधियन प्लान - एस.एन.अग्रवाल

90. संयुक्त राष्ट्र के सर्वोत्तम पर्यावरण सम्मान 'चैम्पियन ऑफ द अर्थ' पुरस्कार 2018 से किसे सम्मानित किया गया है ?
(A) नरेन्द्र मोदी (B) मेधा पाटकर
(C) उमा भारती (D) सोनम वांगचुक

91. निम्नलिखित में से कौन जिन्दापीर के नाम से जाना जाता था ?
(A) बहादुरशाह प्रथम
(B) शाह आलम II
(C) औरंगजेब
(D) आदिल शाह

92. 2011 की जनगणना के अनुसार किस केन्द्रशासित प्रदेश का जनसंख्या घनत्व न्यूनतम है ?
(A) अंडमान और निकोबार द्वीप समूह
(B) लक्षद्वीप
(C) दमन और दीव
(D) दादरा और नगर हवेली

93. निम्नलिखित में से किस शहर को राष्ट्रीय धरोहर विकास और संवर्धन योजना के अन्तर्गत शामिल नहीं किया गया है ?
(A) आगरा (B) अजमेर
(C) अमरावती (D) अमृतसर

94. ग्रामीण स्थानीय शासन का 'पंचायती राज' नामांकन किस भारतीय नेता के सुझाव का परिणाम था ?
(A) जवाहरलाल नेहरू
(B) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
(C) सरदार पटेल
(D) एम.के. गांधी

95. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (समितियाँ)	सूची-II (वर्ष)
(a) पी.के. थुंगन	1. 1957
(b) अशोक मेहता	2. 1986
(c) बी.आर. मेहता	3. 1977
(d) एल.एम. सिंघवी	4. 1988

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	3	4	2
(B)	2	1	3	4
(C)	4	1	2	3
(D)	4	3	1	2

96. भारत सरकार द्वारा शुरु किए गए प्रोजेक्ट एलिफेंट (Project Elephant) से सम्बन्धित निम्न में से कौनसा कथन गलत है ?
(A) यह 1991-92 में शुरू किया गया था.
(B) यह मानव और हाथी के बीच टकराव की समस्या पर काम करता है.
(C) यह केवल जंगली हाथियों के कल्याण पर केन्द्रित है.
(D) इसे केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना के रूप में आरम्भ किया गया था.

97. निम्नलिखित में से किसे अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (International Monetary Fund) का मुख्य अर्थशास्त्री नियुक्त किया गया है ?
(A) गीता गोपीनाथ
(B) मौरिस ओब्सफेल्ड
(C) क्रिस्टीन लेगार्ड
(D) राधा पॉल

98. निम्नलिखित में से किस स्थान पर भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान है ?
(A) आगरा (B) कानपुर
(C) लखनऊ (D) वाराणसी

99. सिंगरौली लघु जल विद्युत् परियोजना अवस्थित है–
(A) मध्य प्रदेश (B) बिहार
(C) छत्तीसगढ़ (D) उत्तर प्रदेश

100. निम्नलिखित में से कहाँ लिग्नाइट के प्रमुख भण्डार नहीं है ?
(A) गुजरात (B) पश्चिम बंगाल
(C) झारखण्ड (D) पुदुचेरी

101. लोमबोक जलडमरुमध्य किन दो द्वीपों के मध्य स्थित है ?
(A) बाली एवं लोमबोक
(B) लोमबोक एवं सम्बावा
(C) सम्बावा एवं जावा
(D) जावा एवं बाली

102. चेरूथानी बाँध किस नदी पर अवस्थित है ?
(A) पेरियार (B) पम्पार
(C) भवानी (D) काबिनी

103. निम्नलिखित में से कौन गर्म धारा है ?
(A) फोकलैण्ड धारा
(B) ब्राजील धारा
(C) लैब्रोडोर धारा
(D) कनारी धारा

104. निम्नलिखित में से कौन काँच को गहरा नीला रंग प्रदान करता है ?
(A) कोबाल्ट ऑक्साइड
(B) क्यूप्रिक ऑक्साइड
(C) फैरिक ऑक्साइड
(D) निकल ऑक्साइड

105. भारतीय रुपए को चालू खाते में पूर्ण परिवर्तनीय बनाया गया था–
(A) 1994 (B) 1995
(C) 1996 (D) 1997

106. विश्व का सर्वाधिक कॉफी (Coffee) उत्पादक देश है–
(A) बोलीविया (B) ब्राजील
(C) चीन (D) भारत

107. कथनों पर विचार कीजिए :
कथनों (A) : ब्रिटिश सरकार ने अगस्त 1932 में सांप्रदायिक पुरस्कार की घोषणा की.
कारण (R) : इसके तहत् प्रत्येक अल्पसंख्यक समुदाय के लिए विधान-मण्डलों में कुछ सीटें सुरक्षित की गई थीं जिसके लिए सदस्यों का चुनाव पृथक् निर्वाचन मण्डलों से होता था.
नीचे दिए गए कूट का उपयोग कर सही उत्तर चुनिए–
कूट :
(A) (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (A) का सही स्पष्टीकरण (R) है
(B) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, किन्तु (A) का सही स्पष्टीकरण (R) नहीं है
(C) (A) सही है, किन्तु (R) गलत है
(D) (A) गलत है, किन्तु (R) सही है

108. निम्नलिखित में से किस नदी का जल ग्रहण क्षेत्र सर्वाधिक है ?
(A) महानन्दा (B) सोन
(C) रामगंगा (D) गंडक

109. रेमन मैग्सेसे अवार्ड 2018 से किसे सम्मानित किया गया ?
(A) सोनम वांगचुक
(B) आँग सान सू की
(C) मलाला युसुफजई
(D) इनमें से कोई नहीं

110. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं, जिसमें एक को अभिकथन (A) व दूसरे को कारण (R) कहा गया है.
अभिकथन (A) : सातवाहन काल में संस्कृत के साथ प्राकृत व अन्य लोक भाषाओं का विकास हुआ.
कारण (R) : सातवाहन राजाओं ने साहित्य-रचना के लिए संस्कृत तथा अन्य लोक भाषाओं को अपनाया.
नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिए.
कूट :
(A) (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (A) का सही स्पष्टीकरण (R) है
(B) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, किन्तु (A) का सही स्पष्टीकरण (R) नहीं है
(C) (A) सही है, किन्तु (R) गलत है
(D) (A) गलत है, किन्तु (R) सही है

111. दाराशिकोह को किस स्थान पर दफनाया गया था ?
(A) दिल्ली (B) आगरा
(C) औरंगाबाद (D) लाहौर

112. निम्नलिखित में से किस खेल में आँचल ठाकुर भारत की प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय मेडल विजेता बनीं ?
(A) ऊँची कूद (B) कुश्ती
(C) स्कीइंग (D) शतरंज

113. भारत के मेंथा तेल उत्पादन में उत्तर प्रदेश का योगदान कितने प्रतिशत है ?
(A) 60% (B) 85%
(C) 75% (D) 90%

114. निम्नलिखित में से कौन मुगलकाल में 'राजा बनानें वाले' ('King Makers') थे ?
(A) हुसैन अली और अब्दुल्ला
(B) नासिर खान और जकारिया खान
(C) शाह हुसैन और अब्दुल हुसैन
(D) मुहम्मद जमीं और मुहम्मद जुनैदी

115. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (राज्य)	सूची-II (अस्तित्व में आने का वर्ष)
(a) नगालैण्ड	1. 2000
(b) झारखण्ड	2. 1962
(c) तेलंगाना	3. 1975
(d) सिक्किम	4. 2014

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	1	2	3
(B)	2	1	4	3
(C)	3	2	1	4
(D)	1	3	4	2

116. किस अधिनियम के द्वारा ब्रिटिश संसद ने चाय और चीन के साथ व्यापार को छोड़कर ईस्ट इंडिया कंपनी के भारत के साथ व्यापारिक एकाधिकार को समाप्त कर दिया था ?
(A) 1813 का चार्टर अधिनियम
(B) 1833 का चार्टर अधिनियम
(C) 1853 का चार्टर अधिनियम
(D) 1873 का चार्टर अधिनियम

117. निम्नलिखित में से किस देश में जन-संख्या का घनत्व सबसे कम है ?
(A) मंगोलिया (B) सउदी अरब
(C) इराक (D) अफगानिस्तान

118. ध्वनि की प्रबलता निम्नलिखित से मापी जाती है–
(A) आवृत्ति (B) आयाम
(C) वेग (D) तरंगदैर्घ्य

119. भारत सरकार ने नार्वे सरकार के साथ मिलकर एक जैव विविधता नीति एवं कानून के केन्द्र की स्थापना की है–
(A) देहरादून में (B) चेन्नई में
(C) शिलांग में (D) नई दिल्ली में

120. निम्नलिखित में से कौन सुमेलित नहीं है ?
(A) सोना - कोलार
(B) कोयला - झरिया
(C) लौह - अयस्क - गुन्टूर
(D) हीरा - पन्ना

उत्तर व्याख्या सहित

1. (C) दूरसंचार, परिवहन, वाणिज्य, पर्यटन, संचार, मीडिया, हेल्थकेयर, सूचना प्रौद्योगिकी, शिक्षा, वित्तीय सेवाएँ, रियल एस्टेट, मनोरंजन आदि तृतीयक गतिविधियाँ हैं.
2. (B)
3. (B) दौराह का युद्ध → 1532
चौसा का युद्ध → 29 जून, 1539
कन्नौज का युद्ध → 17 मई, 1540
सामूगढ़ का युद्ध → 5 जून, 1658
4. (A) वी.डी. सावरकर – द इण्डियन वार ऑफ इंडिपेंडेंस

आर.सी. मजूमदार – द सिपॉय म्यूटिनी एण्ड द रिवोल्ट ऑफ 1857
एस.बी. चौधरी – सिविल रिबेलियन इन द इण्डियन म्यूटिनीज (1857-59)
अशोक मेहता – द ग्रेट रिबेलियन

5. (D) भारत में काली मिर्च और मसालों की रानी कही जाने वाली इलायची का उत्पादन केरल में होता है. उसके साथ ही कर्नाटक तथा तमिलनाडु में भी इसकी खेती होती है. भारत इलायची का सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक देश है.

6. (A) विकिरण में ऊष्मा गर्म वस्तु से ठण्डी वस्तु की ओर बिना किसी माध्यम की सहायता से तथा बिना माध्यम को गर्म किए प्रकाश की चाल से सीधी रेखा में संचारित होती है.

7. (B) जैविक एवं अजैविक संघटकों के मध्य बिचौलिये का कार्य वियोजक करते हैं. इस वर्ग में मुख्यतः कवक एवं जीवाणु आते हैं. ये मृत उत्पादक एवं उपभोक्ताओं का अपघटन कर उन्हें भौतिक तत्वों में परिवर्तित कर देते हैं.

8. (B) गुप्त साम्राज्य के विभिन्न भागों से सिक्कों के 16 ढेर प्राप्त हुए हैं. इनमें से सर्वाधिक महत्वपूर्ण बयाना (भरतपुर के समीप) के ढेर हैं. स्वर्ण मुद्राओं पर गुप्त राजाओं के स्पष्ट चित्र हैं. सोने के सिक्कों को गुप्त अभिलेखों में दीनार कहा जाता था.

9. (B) हीरा → कार्बन
संगमरमर → कैल्शियम
रेत → सिलिकॉन
माणिक्य (रूबी) → एल्युमीनियम ऑक्साइड

10. (A) अष्टाध्यायी → पाणिनि
महाभाष्य → पतंजलि
निरूक्त → यास्क
वार्त्तिक → कात्यायन

11. (A) हरित गृह गैसें ग्रह के वातावरण या जलवायु में परिवर्तन और अंततः भू-मण्डलीय ऊष्मीकरण के लिए उत्तरदायी होती हैं. इनमें सबसे ज्यादा उत्सर्जन कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन, वाष्प नाइट्रस, क्लोरो-फ्लोरो कार्बन, ओजोन आदि गैसों का होता है.

12. (B) ∵ $7 \times 2 = 14$,
$14 \times 2 = 28$,
$28 \times 2 = 56$,
$1 \times 5 = 5$,
$5 \times 5 = 25$,
$25 \times 5 = 125$
∴ $3 \times 4 = 12$,
$12 \times 4 = \boxed{48}$,
$48 \times 4 = 192$

13. (C)

14. (B) रूस के प्रमुख संसाधनों में कोयला, हीरा, यूरेनियम पाए जाते हैं.

15. (*) 16. (A)

17. (C)

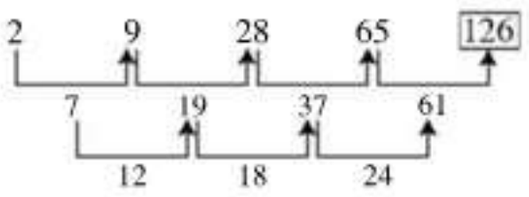

18. (A)

19. (C) राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों पर समग्र रूप से विचार करें तो न्यूनतम लिंगानुपात 618 दमन एवं दीव का है.

20. (C) चाड – पेट्रोलियम
नाइजर – यूरेनियम
रवांडा – कहवा/कॉफी
बेनिन – कपास

21. (D) एनसीआर में दिल्ली से सटे उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान के शहर शामिल हैं. एनसीआर के तहत् आने वाले क्षेत्र में उत्तर प्रदेश में मेरठ, गाजियाबाद, गौतम बुद्ध नगर (नोएडा), ग्रेटर नोएडा, बागपत, मुजफ्फरनगर और बुलंदशहर, हरियाणा के फरीदाबाद, गुड़गांव, रोहतक, सोनीपत, मेवात, झज्जर, पलवल, रेवाड़ी पानीपत, महेन्द्रगढ़, भिवाड़ी, जिंद और करनाल जैसे जिले शामिल हैं.

22. (A) 23. (D)

24. (C) दूर दृष्टि दोष से ग्रसित व्यक्ति को दूर की वस्तु साफ दिखाई देती है किन्तु पास की नहीं. इस रोग में वस्तु का प्रतिबिम्ब रेटिना के पीछे बनता है. इसके निवारण के लिए उपयुक्त फोकस दूरी के उत्तल लेंस का प्रयोग किया जाता है.

25. (B) निम्नलिखित घटनाओं का सही क्रम इस प्रकार है–
नेहरू रिपोर्ट → 1928
अगस्त प्रस्ताव → 1940
क्रिप्स मिशन → 1942
वैवेल योजना → 1945

26. (D) भारत में जूट का उत्पादन पश्चिम बंगाल, चाय का उत्पादन असम में, गन्ने का उत्पादन उत्तर प्रदेश में तथा रबड़ का उत्पादन केरल में होता है.

27. (D) महावीर स्वामी को 12 वर्ष तक लगातार कठोर तपस्या एवं साधना के बाद 42 वर्ष की अवस्था में जम्भिक ग्राम के समीप ऋजुपालिका नदी के किनारे एक साल के वृक्ष के नीचे कैवल्य सर्वोच्च ज्ञान प्राप्त हुआ.

28. (C)

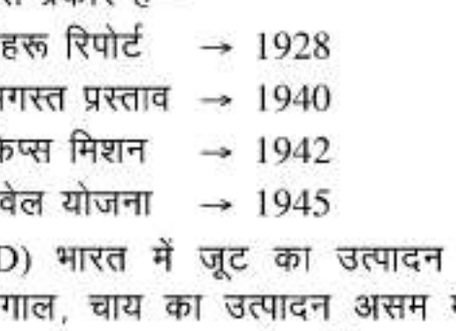

29. (D)

30. (A) न्यूटन के तृतीय नियम के अनुसार, प्रत्येक क्रिया के लिए एक समान और विपरीत प्रतिक्रिया होती है.

31. (A) बाबरनामा या तुज्क-ए-बाबरी मुगल सम्राट बाबर की आत्मलिखित जीवनी है. यह उन्होंने अपनी मातृभाषा चगताई तुर्की में लिखी थी. इसका अंग्रेजी में अनुवाद लेडेन ने 1810 में किया था. लेडेन की मृत्यु के पश्चात् रस्किन ने अनुवात को पूरा किया.

32. (B) स्तूप – साँची
चित्रकारी – बाघ
कनिष्क की सिरविहीन मूर्ति – मथुरा
दशावतार मंदिर – देवगढ़

33. (C) बल्लभाचार्य → पुष्टिमार्ग
रामानुज → विशिष्टाद्वैत
मध्वाचार्य → द्वैतवाद
शंकर → अद्वैतवाद

34. (A) भारतीय संविधान का अनुच्छेद 326 लोक सभा एवं विधान सभा के प्रतिनिधियों को निर्वाचित करने अर्थात् वयस्क मताधिकार का अधिकार प्रदान करता है.

35. (C)

36. (C तथा D) उक्त शृंखला 1235, 2425, 3158, 4235 के दो उत्तर हो सकते हैं.
3158 सम संख्या तथा अन्य सभी विषम संख्याएं हैं. 4235 के सभी अंकों का योग एक सम संख्या होगी, जबकि अन्य सभी संख्याओं के अंकों का योग विषम होगा.

37. (B) बंगाली – सुरेन्द्र नाथ बनर्जी
बंगवासी – जोगेन्द्र नाथ बोस
वंदे मातरम – अरविंद घोष
अमृत बाजार पत्रिका – मोतीलाल घोष

38. (B) चित्रकोट जलप्रपात भारत के छत्तीसगढ़ राज्य में इन्द्रावती नदी पर स्थित है. अपने घोड़े की नाल समान मुख के कारण इस जलप्रपात को भारत का नियाग्रा भी कहा जाता है.

39. (A) जब सूर्य का प्रकाश प्रिज्म से होकर गुजरात है तो वह अपवर्तन के पश्चात् विभिन्न रंगों के प्रकाश में बँट जाता है. इस प्रकार से प्राप्त रंगों के समूह को वर्णक्रम (Spectrum) कहते हैं. इन रंगों का आधार से ऊपर की ओर क्रम है– बैंगनी (Violet), जामुनी (Indigo), नीला (Blue), हरा (Green), पीला (Yellow), नारंगी (Orange), व लाल (Red).

40. (D) 41. (D) 42. (A) 43. (D)

44. (A) रोमानिया की सिमोना हालेप ने स्लोन स्टीफेन्स को पराजित कर फ्रेंच ओपन टेनिस प्रतियोगिता 2018 का महिला एकल खिताब जीता है.

45. (C)

46. (C) $9 + \boxed{9} + 12 = 30$
$\boxed{13} + 10 + 7 = 30$
$8 + \boxed{11} + 11 = 30$

47. (C)

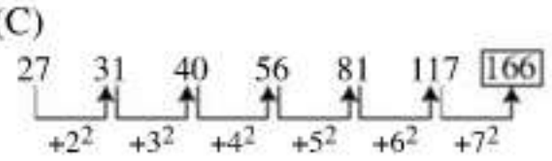

48. (C)

49. (C) ऊपरी वायुमण्डल की ओजोन परत का क्षरण क्लोरो-फ्ल्यूरोकार्बन से हो रहा है. यह एक कार्बनिक यौगिक है जो केवल कार्बन, क्लोरीन, हाइड्रोजन और फ्लोरीन परमाणुओं से बनता है. इसे प्रिऑन गैस भी कहते हैं.

50. (B) विटामिन D का रासायनिक नाम कैल्सिफेरॉल है. इसका संश्लेषण सूर्य के प्रकाश में उपस्थित पराबैंगनी किरणों द्वारा त्वचा के कोलेस्टेरोल (इर्गेस्टीरॉल) द्वारा होता है. इसकी कमी से बच्चों में रिकेट्स एवं वयस्कों में ऑस्टियोमलेशिया बीमारी हो जाती है.

51. (D) क्षय रोग जीवाणु जनित रोग है. इस बीमारी में बार-बार खाँसी के साथ कफ, रक्त निकलता है.

52. (A)

53. (B) जी.एस.टी. (गुड्स एण्ड सर्विसेज टैक्स) या वस्तु सेवा का भारत में 1 जुलाई 2017 से लागू एक महत्वपूर्ण अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था है. जीएसटी काउंसिल ने चार तरह के कर निर्धारित किए हैं–5, 12, 18 एवं 28 प्रतिशत.

54. (B) 55. (D) 56. (A) 57. (D) 58. (C)

59. (A) 60. (B)

61. (B) काले मिट्टी के बर्तन → निजामाबाद
चीनी मिट्टी के बर्तन → खुर्जा
पीतल शिल्पकृति → मुरादाबाद
शीशा शिल्पकृति → फिरोजाबाद

62. (A) उत्तर प्रदेश का राज्य चर्म विकास एवं विपणन निगम लिमिटेड आगरा में स्थित है. इसकी स्थापना वर्ष 1974 में की गई थी.

63. (C)

64. (C) भारतीय रिजर्व बैंक एक केंद्रीय बैंक है. इसकी स्थापना भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 के प्रावधानों के अनुसार 1 अप्रैल, 1935 को की गई थी. इसका राष्ट्रीयकरण 1 जनवरी, 1949 में किया गया. यह बैंक मुद्रा एवं वित्तीय मामलों में सरकार का वित्तीय अभिकर्ता एवं सलाहकार है.

65. (C)

66. (B) कोशल महाजनपद की राजधानी श्रावस्ती/अयोध्या थी. जबकि अहिच्छत्र पांचाल महाजनपद के उत्तरी पांचाल महाजनपद की राजधानी थी.

67. (B)

68. (A) नेपाल सरकार ने देश में पर्यटन एवं संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए बॉलीवुड अभिनेत्री एवं पूर्व लोक सभा सदस्य जयाप्रदा को सितम्बर 2018 में सद्भावना राजदूत नियुक्त किया है. नेपाल के संस्कृति, पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन मंत्रालय के मुताबिक जया प्रदा को 4 साल के लिए सद्भावना राजदूत नियुक्त किया गया है.

69. (B)

70. (D) भारतीय संविधान का भाग-16 कुछ वर्गों के सम्बन्ध में विशेष उपबन्ध से सम्बन्धित है. इसमें अनुच्छेद 330 से 342 तक सम्मिलित हैं.

71. (C)

72. (D) चन्दावर का युद्ध → 1194
तैमूर का आक्रमण → 1398
तालीकोटा का युद्ध → 1565
घाघरा का युद्ध → 1529

73. (B) चंडीगढ़ – 86%
दादरा और नगर हवेली – 76·2%
दमन और दीव – 87·10%
लक्षद्वीप – 91·80%

74. (B) मलावी झील या न्यासा झील महान अफ्रीकी झीलों में से एक है और पूर्वी अफ्रीकी दरार की दक्षिणतम झील है. यह मलावी, मोजाम्बिक और तान्जानिया के बीच स्थित है. यह अफ्रीका की तीसरी सबसे बड़ी और दूसरी सबसे गहरी झील है.

75. (A) 2018 कॉमनवेल्थ गेम्स या 2018 राष्ट्रमण्डल खेल गोल्ड कोस्ट, क्वींसलैण्ड, ऑस्ट्रेलिया में 4 अप्रैल से 15 अप्रैल, 2018 के मध्य आयोजित हुआ. आस्ट्रेलिया ने पाँचवीं बार इन खेलों की मेजबानी की. 80 स्वर्ण पदकों के साथ कुल 198 पदक हासिल कर ऑस्ट्रेलिया शीर्ष स्थान पर रहा. भारत 26 स्वर्ण पदकों के साथ कुल 66 पदक हासिल कर तीसरे स्थान पर रहा. वहीं इंगलैण्ड 45 स्वर्ण पदक के साथ कुल 136 पदक पाकर दूसरे स्थान पर रहा.

76. (D) उत्तर प्रदेश में बरेली सुरमा उद्योग के लिए प्रसिद्ध है. इसके अलावा दरी निर्माण उद्योग तथा दियासलाई उद्योग के लिए भी बरेली प्रसिद्ध है. मुरादाबाद व वाराणसी पीतल पात्र उद्योग के लिए प्रसिद्ध हैं.

77. (B)

78. (D) वर्ष 2018 का साहित्य का नोबेल पुरस्कार किसी को प्रदान नहीं किया गया.

79. (C) 80. (D) 81. (D) 82. (D) 83. (B)

84. (C) डिमेट्रियस → हिन्द-यूनानी
रूद्रदामन → शक
गोण्डोफर्नीज → पह्लव
विम → कुषाण

85. (B) स्टेनलेस स्टील में लोहे के साथ 18% तक क्रोमियम और निकेल होता है. यह संक्षारण या जंग प्रतिरोधी होता है. इसका उपयोग बर्तन और शल्य उपकरण बनाने में किया जाता है.

86. (C) बॉम्बे क्रॉनिकल एक अंग्रेजी समाचार पत्र था जिसका संपादन वर्ष 1913 में हुआ था. इसके प्रमुख संपादक फिरोज शाह मेहता थे.

87. (A) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस – 1885
भारतीय जनसंघ – 1951
भारतीय साम्यवादी दल – 1925
ए.आई.ए.डी.एम.के. – 1972

88. (C) हड़प्पा – दयाराम साहनी (1923-24 तथा 1924-25)
हस्तिनापुर – बी.बी.लाल (1950-52)
तक्षशिला – जान मार्शल (1913-34)
कौशाम्बी – एन.जी. मजूमदार (1936-37)

89. (C)

90. (A) संयुक्त राष्ट्र के सर्वोत्तम पर्यावरण सम्मान 'चैम्पियन ऑफ द अर्थ' पुरस्कार 2018 से पर्यावरण के क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम उठाने के लिए संयुक्त राष्ट्र ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सम्मानित किया. राजधानी दिल्ली में हुए कार्यक्रम में यूएन चीफ एंटोनियो गुटेरेस ने प्रधानमंत्री को सम्मानित किया.

91. (C) औरंगजेब (1658-1707 ई.) को उसकी कट्टरता के कारण उसके जीवन-काल में उसे जिंदापीर कहा गया. वह शाहजहाँ का पुत्र था.

92. (A)
अंडमान और निकोबाद द्वीप समूह – 46
लक्षद्वीप – 2149
दमन और दीव – 2191
दादरा और नगर हवेली – 700

93. (A) 94. (D)

95. (D) पी.के. थुंगन – 1988
अशोक मेहता – 1977
बी.आर. मेहता – 1957
एल.एम. सिंघवी – 1986

96. (C) भारत सरकार द्वारा 7 दिसम्बर, 1992 को झारखण्ड के सिंहभूमि जिले में हाथी परियोजना का शुभारम्भ किया गया. इस प्रोजेक्ट को मानव-पशु संघर्ष के मुद्दों को संबोधित करने के लिए तथा बंदी हाथियों के कल्याण हेतु तथा हाथियों की सुरक्षा के लिए शुरू किया गया था.

97. (A) गीता गोपीनाथ एक भारतीय-अमरीकी अर्थशास्त्री हैं. वह अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष के मुख्य अर्थशास्त्री के पद पर कब्जा करने वाली प्रथम महिला हैं. वे आईएमएफ की 11वीं मुख्य अर्थशास्त्री हैं.

98. (D) भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान जक्खिनी, वाराणसी में स्थित है.

99. (A) 100. (C)

101. (A) लोमबोक जलडमरूमध्य जावा सागर और हिन्द महासागर को जोड़ता है. तथा बाली और लोमबोक द्वीपों के मध्य स्थित हैं.

102. (A) चेरूथानी बाँध पेरियार नदी पर स्थित एक 130 किमी लम्बा ठोस गुरुत्वाकर्षण बाँध है जोकि इडुक्की (केरल) जिले में अवस्थित है.

103. (B) ब्राजील जलधारा अटलांटिक महासागर की गर्म जलधारा है जबकि फोकलैण्ड धारा, लैब्रोडोर तथा कनारी धारा अटलांटिक महासागर की ठण्डी जलधाराएँ हैं.

104. (A) 105. (A)

106. (B) विश्व के सर्वाधिक कॉफी उत्पादक देश (2019)—
(1) ब्राजील, (2) वियतनाम, (3) कोलंबिया, (4) इंडोनेशिया, (5) इथोपिया, (6) भारत.

शेष पृष्ठ 131 पर

सिविल सेवा प्रारम्भिक परीक्षा, 2-6-2019 का हल प्रश्न-पत्र

सामान्य अध्ययन

(प्रथम प्रश्न-पत्र)

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
   1. कृषि मृदाएं पर्यावरण में नाइट्रोजन के ऑक्साइड निर्मुक्त करती हैं.
   2. मवेशी पर्यावरण में अमोनिया निर्मुक्त करते हैं.
   3. कुक्कुट उद्योग (Poultry industry) पर्यावरण में अभिक्रियाशील नाइट्रोजन यौगिक निर्मुक्त करते हैं.

   उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
   (A) केवल 1 और 3 (B) केवल 2 और 3
   (C) केवल 2 (D) 1, 2 और 3

2. अलियार, इसापुर और कंग्साबती जैसे ज्ञात स्थानों में क्या समानता है ?
   (A) हाल ही में खोजे गए यूरेनियम निक्षेप
   (B) उष्णकटिबंधीय वर्षावन
   (C) भूमिगत गुफा तंत्र
   (D) जल भंडार

3. सार्वजनिक परिवहन (Public transport) में बसों के लिए ईंधन के रूप में हाइड्रोजन संवर्धित CNG (H-CNG) का इस्तेमाल करने के प्रस्तावों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
   1. H-CNG के इस्तेमाल का मुख्य लाभ कार्बन मोनोक्साइड के उत्सर्जनों का विलोपन है.
   2. ईंधन के रूप में H-CNG कार्बन डाइऑक्साइड और हाइड्रोकार्बन उत्सर्जनों को कम करती है.
   3. बसों के लिए ईंधन के रूप में CNG के साथ हाइड्रोजन को आयतन के आधार पर पाँचवें हिस्से तक मिलाया जा सकता है.
   4. CNG की अपेक्षा H-CNG ईंधन को कम खर्चीला बनाती है.

   उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
   (A) केवल 1 (B) केवल 2 और 3
   (C) केवल 4 (D) 1, 2, 3 और 4

4. मेघाच्छादित रात में ओस की बूँदें (Dewdrops) क्यों नहीं बनतीं ?
   (A) भूपृष्ठ से निर्मुक्त विकिरण को बादल अवशोषित कर लेते हैं
   (B) पृथ्वी के विकिरण को बादल वापस परावर्तित कर देते हैं
   (C) मेघाच्छादित रातों में भूपृष्ठ का तापमान कम होता है
   (D) बादल बहते हुए पवन को भूमितल की ओर विक्षेपित कर देते हैं

5. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
   1. भारत के संविधान के 44वें संशोधन द्वारा लाए गए एक अनुच्छेद ने प्रधानमंत्री के निर्वाचन को न्यायिक पुनर्विलोकन के परे कर दिया.
   2. भारत के संविधान के 99वें संशोधन को भारत के उच्चतम न्यायालय ने अभिखंडित कर दिया, क्योंकि यह न्यायपालिका की स्वतंत्रता का अतिक्रमण करता था.

   उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
   (A) केवल 1 (B) केवल 2
   (C) 1 और 2 दोनों (D) न तो 1, न ही 2

6. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
   1. न्यायाधीश (जाँच) अधिनियम, 1968 के अनुसार, भारत के उच्चतम न्यायालय के किसी न्यायाधीश पर महाभियोग चलाने के प्रस्ताव को लोक सभा के अध्यक्ष द्वारा अस्वीकार (Rejected) नहीं किया जा सकता.
   2. भारत का संविधान यह परिभाषित करता है और ब्यौरे देता है कि क्या-क्या भारत के उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की 'अक्षमता और सिद्ध कदाचार' को गठित करते हैं.
   3. भारत के उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के महाभियोग की प्रक्रिया के ब्यौरे न्यायाधीश (जाँच) अधिनियम, 1968 में दिए गए हैं.
   4. यदि किसी न्यायाधीश के महाभियोग के प्रस्ताव को मतदान हेतु लिया जाता है, तो विधि द्वारा अपेक्षित है कि यह प्रस्ताव संसद के प्रत्येक सदन द्वारा समर्थित हो और उस सदन की कुल सदस्य संख्या के बहुतम द्वारा तथा संसद के उस सदन के कुल उपस्थित और मत देने वाले सदस्यों के कम-से-कम दो-तिहाई द्वारा समर्थित हो.

   उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
   (A) 1 और 2 (B) केवल 3
   (C) केवल 3 और 4 (D) 1, 3 और 4

7. किस प्रधानमंत्री के कार्यकाल के दौरान भारत के सविधान में नौवीं अनुसूची को पुर:स्थापित किया गया था ?
   (A) जवाहरलाल नेहरू
   (B) लाल बहादुर शास्त्री
   (C) इंदिरा गांधी
   (D) मोरारजी देसाई

8. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
   1. भारत सरकार द्वारा कोयला क्षेत्र का राष्ट्रीयकरण इंदिरा गांधी के कार्यकाल में किया गया था.
   2. वर्तमान में, कोयला खंडों का आवंटन लॉटरी के आधार पर किया जाता है.
   3. भारत हाल के समय तक घरेलू आपूर्ति की कमी को पूरा करने के लिए कोयले का आयात करता था, किन्तु अब भारत कोयला उत्पादन में आत्मनिर्भर है.

   उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
   (A) केवल 1 (B) केवल 2 और 3
   (C) केवल 3 (D) 1, 2 और 3

9. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
   1. संसद (निर्हरता निवारण) अधिनियम, 1959 कई पदों को 'लाभ का पद' के आधार पर निर्हरता से छूट देता है.
   2. उपर्युक्त अधिनियम पाँच बार संशोधित किया गया था.
   3. शब्द 'लाभ का पद' भारत के संविधान में भलीभाँति परिभाषित किया गया है.

   उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
   (A) केवल 1 और 2 (B) केवल 3
   (C) केवल 2 और 3 (D) 1, 2 और 3

10. भारत के संविधान की किस अनुसूची के अधीन जनजातीय भूमि का, खनन के लिए निजी पक्षकारों को अंतरण अकृत और शून्य घोषित किया जा सकता है ?
    (A) तीसरी अनुसूची
    (B) पाँचवीं अनुसूची
    (C) नौवीं अनुसूची
    (D) बारहवीं अनुसूची

11. हाल ही में हमारे देश में हिमालयी बिच्छू-बूटी (Girardinia diversifolia) के महत्व के बारे में बढ़ती हुई जागरूकता थी, क्योंकि यह पाया गया है कि—
    (A) यह प्रति-मलेरिया औषध का संधारणीय स्रोत है
    (B) यह जैव डीजल का संधारणीय स्रोत है
    (C) यह कागज उद्योग के लिए लुगदी का संधारणीय स्रोत है
    (D) यह वस्त्र तंतु का संधारणीय स्रोत है

12. निम्नलिखित में से किसका/किनका मापन/आकलन करने के लिए उपग्रह चित्रों/सुदूर संवेदी आँकड़ों का इस्तेमाल किया जाता है ?
    1. किसी विशेष स्थान की वनस्पति में पर्णहरित (Chlorophyll) का अंश.
    2. किसी विशेष स्थान के धान के खेतों से ग्रीनहाउस गैस का उत्सर्जन
    3. किसी विशेष स्थान का भूपृष्ठ तापमान

    नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—
    (A) केवल 1 (B) केवल 2 और 3
    (C) केवल 3 (D) 1, 2 और 3

सिविल सेवा प्रारम्भिक परीक्षा, 2-6-2019 का हल प्रश्न-पत्र

सामान्य अध्ययन

(प्रथम प्रश्न-पत्र)

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
   1. कृषि मृदाएं पर्यावरण में नाइट्रोजन के ऑक्साइड निर्मुक्त करती हैं.
   2. मवेशी पर्यावरण में अमोनिया निर्मुक्त करते हैं.
   3. कुक्कुट उद्योग (Poultry industry) पर्यावरण में अभिक्रियाशील नाइट्रोजन यौगिक निर्मुक्त करते हैं.

   उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
   (A) केवल 1 और 3 (B) केवल 2 और 3
   (C) केवल 2 (D) 1, 2 और 3

2. अलियार, इसापुर और कंग्साबती जैसे ज्ञात स्थानों में क्या समानता है ?
   (A) हाल ही में खोजे गए यूरेनियम निक्षेप
   (B) उष्णकटिबंधीय वर्षावन
   (C) भूमिगत गुफा तंत्र
   (D) जल भंडार

3. सार्वजनिक परिवहन (Public transport) में बसों के लिए ईंधन के रूप में हाइड्रोजन संवर्धित CNG (H-CNG) का इस्तेमाल करने के प्रस्तावों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
   1. H-CNG के इस्तेमाल का मुख्य लाभ कार्बन मोनोक्साइड के उत्सर्जनों का विलोपन है.
   2. ईंधन के रूप में H-CNG कार्बन डाइऑक्साइड और हाइड्रोकार्बन उत्सर्जनों को कम करती है.
   3. बसों के लिए ईंधन के रूप में CNG के साथ हाइड्रोजन को आयतन के आधार पर पाँचवें हिस्से तक मिलाया जा सकता है.
   4. CNG की अपेक्षा H-CNG ईंधन को कम खर्चीला बनाती है.

   उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
   (A) केवल 1 (B) केवल 2 और 3
   (C) केवल 4 (D) 1, 2, 3 और 4

4. मेघाच्छादित रात में ओस की बूँदें (Dewdrops) क्यों नहीं बनतीं ?
   (A) भूपृष्ठ से निर्मुक्त विकिरण को बादल अवशोषित कर लेते हैं
   (B) पृथ्वी के विकिरण को बादल वापस परावर्तित कर देते हैं
   (C) मेघाच्छादित रातों में भूपृष्ठ का तापमान कम होता है
   (D) बादल बहते हुए पवन को भूमितल की ओर विक्षेपित कर देते हैं

5. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
   1. भारत के संविधान के 44वें संशोधन द्वारा लाए गए एक अनुच्छेद ने प्रधानमंत्री के निर्वाचन को न्यायिक पुनर्विलोकन के परे कर दिया.
   2. भारत के संविधान के 99वें संशोधन को भारत के उच्चतम न्यायालय ने अभिखंडित कर दिया, क्योंकि यह न्यायपालिका की स्वतंत्रता का अतिक्रमण करता था.

   उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
   (A) केवल 1 (B) केवल 2
   (C) 1 और 2 दोनों (D) न तो 1, न ही 2

6. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
   1. न्यायाधीश (जाँच) अधिनियम, 1968 के अनुसार, भारत के उच्चतम न्यायालय के किसी न्यायाधीश पर महाभियोग चलाने के प्रस्ताव को लोक सभा के अध्यक्ष द्वारा अस्वीकार (Rejected) नहीं किया जा सकता.
   2. भारत का संविधान यह परिभाषित करता है और ब्यौरे देता है कि क्या-क्या भारत के उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की 'अक्षमता और सिद्ध कदाचार' को गठित करते हैं.
   3. भारत के उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के महाभियोग की प्रक्रिया के ब्यौरे न्यायाधीश (जाँच) अधिनियम, 1968 में दिए गए हैं.
   4. यदि किसी न्यायाधीश के महाभियोग के प्रस्ताव को मतदान हेतु लिया जाता है, तो विधि द्वारा अपेक्षित है कि यह प्रस्ताव संसद के प्रत्येक सदन द्वारा समर्थित हो और उस सदन की कुल सदस्य संख्या के बहुतम द्वारा तथा संसद के उस सदन के कुल उपस्थित और मत देने वाले सदस्यों के कम-से-कम दो-तिहाई द्वारा समर्थित हो.

   उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
   (A) 1 और 2 (B) केवल 3
   (C) केवल 3 और 4 (D) 1, 3 और 4

7. किस प्रधानमंत्री के कार्यकाल के दौरान भारत के सविधान में नौवीं अनुसूची को पुर:स्थापित किया गया था ?
   (A) जवाहरलाल नेहरू
   (B) लाल बहादुर शास्त्री
   (C) इंदिरा गांधी
   (D) मोरारजी देसाई

8. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
   1. भारत सरकार द्वारा कोयला क्षेत्र का राष्ट्रीयकरण इंदिरा गांधी के कार्यकाल में किया गया था.
   2. वर्तमान में, कोयला खंडों का आवंटन लॉटरी के आधार पर किया जाता है.
   3. भारत हाल के समय तक घरेलू आपूर्ति की कमी को पूरा करने के लिए कोयले का आयात करता था, किन्तु अब भारत कोयला उत्पादन में आत्मनिर्भर है.

   उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
   (A) केवल 1 (B) केवल 2 और 3
   (C) केवल 3 (D) 1, 2 और 3

9. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
   1. संसद (निर्हरता निवारण) अधिनियम, 1959 कई पदों को 'लाभ का पद' के आधार पर निर्हरता से छूट देता है.
   2. उपर्युक्त अधिनियम पाँच बार संशोधित किया गया था.
   3. शब्द 'लाभ का पद' भारत के संविधान में भलीभाँति परिभाषित किया गया है.

   उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
   (A) केवल 1 और 2 (B) केवल 3
   (C) केवल 2 और 3 (D) 1, 2 और 3

10. भारत के संविधान की किस अनुसूची के अधीन जनजातीय भूमि का, खनन के लिए निजी पक्षकारों को अंतरण अकृत और शून्य घोषित किया जा सकता है ?
    (A) तीसरी अनुसूची
    (B) पाँचवीं अनुसूची
    (C) नौवीं अनुसूची
    (D) बारहवीं अनुसूची

11. हाल ही में हमारे देश में हिमालयी बिच्छू-बूटी (Girardinia diversifolia) के महत्व के बारे में बढ़ती हुई जागरूकता थी, क्योंकि यह पाया गया है कि—
    (A) यह प्रति-मलेरिया औषध का संधारणीय स्रोत है
    (B) यह जैव डीजल का संधारणीय स्रोत है
    (C) यह कागज उद्योग के लिए लुगदी का संधारणीय स्रोत है
    (D) यह वस्त्र तंतु का संधारणीय स्रोत है

12. निम्नलिखित में से किसका/किनका मापन/आकलन करने के लिए उपग्रह चित्रों/सुदूर संवेदी आँकड़ों का इस्तेमाल किया जाता है ?
    1. किसी विशेष स्थान की वनस्पति में पर्णहरित (Chlorophyll) का अंश.
    2. किसी विशेष स्थान के धान के खेतों से ग्रीनहाउस गैस का उत्सर्जन
    3. किसी विशेष स्थान का भूपृष्ठ तापमान

    नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—
    (A) केवल 1 (B) केवल 2 और 3
    (C) केवल 3 (D) 1, 2 और 3

13. निम्नलिखित राज्यों पर विचार कीजिए—
1. छत्तीसगढ़ 2. मध्य प्रदेश
3. महाराष्ट्र 4. ओडिशा
उपर्युक्त राज्यों के संदर्भ में, राज्य के कुल क्षेत्रफल की तुलना में वन आच्छादन की प्रतिशतता के आधार पार निम्नलिखित में से कौनसा सही आरोही अनुक्रम है ?
(A) 2, 3, 1 और 4 (B) 2, 3, 4 और 1
(C) 3, 2, 4 और 1 (D) 3, 2, 1 और 4

14. 'मेथैन हाइड्रेट' के निक्षेपों के बारे में, निम्नलिखित में से कौनसे कथन सही हैं ?
1. भूमंडलीय तापन के कारण इन निक्षेपों से मेथैन गैस का निर्मुक्त होना प्रेरित हो सकता है.
2. 'मेथैन हाइड्रेट' के विशाल निक्षेप उत्तरध्रुवीय टुंड्रा में तथा समुद्र अधस्तल के नीचे पाए जाते हैं.
3. वायुमंडल के अन्दर मेथैन एक या दो दशक के बाद कार्बन डाइऑक्साइड में ऑक्सीकृत हो जाता है.
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3

15. निम्नलिखित पर विचार कीजिए—
1. कार्बन मोनोक्साइड
2. मेथैन (Methane)
3. ओजोन (Ozone)
4. सल्फर डाइऑक्साइड
फसल/जैव मात्रा के अवशेषों के दहन के कारण वायुमंडल में उपर्युक्त में से कौनसे निर्मुक्त होते हैं ?
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2, 3 और 4
(C) केवल 1 और 4
(D) 1, 2, 3 और 4

16. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—

सागर	सागर से लगा हुआ देश
1. ऐड्रिऐटिक सागर	अल्बानिया
2. काला सागर	क्रोएशिया
3. कैस्पियन सागर	कज़ाकिस्तान
4. भूमध्य सागर	मोरक्को
5. लाल सागर	सीरिया

उपर्युक्त में से कौनसे युग्म सही सुमेलित हैं ?
(A) केवल 1, 2 और 4
(B) केवल 1, 3 और 4
(C) केवल 2 और 5
(D) 1, 2, 3, 4 और 5

17. निम्नलिखित में से कौनसा देश पिछले पाँच वर्षों के दौरान विश्व में चावल का सबसे बड़ा निर्यातक रहा है ?
(A) चीन (B) भारत
(C) म्यांमार (D) वियतनाम

18. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—

हिमनद	नदी
1. बंदरपूँछ	यमुना
2. बारा शिग्री	चेनाब
3. मिलाम	मंदाकिनी
4. सियाचिन	नुब्रा
5. जेमू	मानस

उपर्युक्त में से कौनसे युग्म सही सुमेलित हैं ?
(A) 1, 2 और 4 (B) 1, 3 और 4
(C) 2 और 5 (D) 3 और 5

19. भारत में कार्बोफ्यूरेन, मेथिल पैराथियॉन, फोरेट और ट्राइऐजोफॉस के इस्तेमाल को आशंका से देखा जाता है. ये रसायन किस रूप में इस्तेमाल किए जाते हैं ?
(A) कृषि में पीड़कनाशी
(B) संसाधित खाद्यों में परिरक्षक
(C) फल-पक्कन कारक
(D) प्रसाधन सामग्री में नमी बनाए रखने वाले कारक

20. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. रामसर सम्मेलन के अनुसार, भारत के राज्य क्षेत्र में सभी आर्द्र भूमियों को बचाना और संरक्षित रखना भारत सरकार के लिए अधिदेशात्मक है.
2. आर्द्र भूमि (संरक्षण और प्रबंधन) नियम, 2010, भारत सरकार ने रामसर सम्मेलन की संस्तुतियों के आधार पर बनाए थे.
3. आर्द्र भूमि (Conservation and Management) नियम, 2010, आर्द्र भूमियों के अपवाह क्षेत्र या जलग्रहण क्षेत्रों को भी सम्मिलित करते हैं, जैसा कि प्राधिकार द्वारा निर्धारित किया गया है.
उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
(A) केवल 1 और 2 (B) केवल 2 और 3
(C) केवल 3 (D) 1, 2 और 3

21. किसके राज्य में 'कल्याण मंडप' की रचना मन्दिर-निर्माण का एक विशिष्ट अभिलक्षण था ?
(A) चालुक्य (B) चंदेल
(C) राष्ट्रकूट (D) विजयनगर

22. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. दिल्ली सल्तनत के राजस्व प्रशासन में राजस्व वसूली के प्रभारी को 'आमिल' कहा जाता था.
2. दिल्ली के सुल्तानों की इक्ता प्रणाली एक प्राचीन देशी संस्था थी.
3. 'मीर बख्शी' का पद दिल्ली के खिलजी सुल्तानों के शासनकाल में अस्तित्व में आया.
उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
(A) केवल 1 (B) केवल 1 और 2
(C) केवल 3 (D) 1, 2 और 3

23. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. संत निम्बार्क, अकबर के समकालीन थे.
2. संत कबीर, शेख अहमद सरहिन्दी से अत्यधिक प्रभावित थे.
उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों (D) न तो 1, न ही 2

24. भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. महात्मा गांधी 'गिरमिटिया (Indentured labour) प्रणाली के उन्मूलन में सहायक थे.
2. लॉर्ड चेम्सफोर्ड की 'वॉर कॉन्फरेन्स' में महात्मा गांधी ने विश्व युद्ध के लिए भारतीयों की भर्ती से सम्बन्धित प्रस्ताव का समर्थन नहीं किया था.
3. भारत के लोगों द्वारा नमक कानून तोड़े जाने के परिणामस्वरूप, औपनिवेशिक शासकों द्वारा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को अवैध घोषित कर दिया गया था.
उपर्युक्त में से कौनसे कथन सही हैं ?
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 1 और 3
(C) केवल 2 और 3
(D) 1, 2 और 3

25. भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के संदर्भ में, निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—

व्यक्ति	धारित पद
1. सर तेज बहादुर सप्रू	अध्यक्ष, अखिल भारतीय उदार संघ
2. के.सी. नियोगी	सदस्य, संविधान सभा
3. पी.सी. जोशी	महासचिव, भारतीय साम्यवादी दल

उपर्युक्त में से कौनसा/से युग्म सही सुमेलित है/हैं ?
(A) केवल 1 (B) केवल 1 और 2
(C) केवल 3 (D) 1, 2 और 3

26. मियाँ तानसेन के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) सम्राट अकबर द्वारा इन्हें दी गई उपाधि तानसेन थी
(B) तानसेन ने हिन्दू देवी-देवताओं से सम्बन्धित ध्रुपदों की रचना की
(C) तानसेन ने अपने संरक्षकों से सम्बन्धित गानों की रचना की
(D) तानसेन ने अनेक रागों की मौलिक रचना की

27. इनमें से किस मुगल सम्राट ने सचित्र पांडुलिपियों से ध्यान हटाकर चित्राधार (Album) और वैयक्तिक रूपचित्रों पर अधिक जोर दिया ?
(A) हुमायूँ (B) अकबर
(C) जहाँगीर (D) शाहजहाँ

28. निम्नलिखित में से कौनसा नेशनल पार्क पूर्णतया शीतोष्ण अल्पाइन कटिबंध में स्थित है ?
(A) मानस नेशनल पार्क
(B) नामदफा नेशनल पार्क
(C) नेओरा घाटी नेशनल पार्क
(D) फूलों की घाटी नेशनल पार्क

29. अटल नवप्रवर्तन (Innovation) मिशन किसके अधीन स्थापित किया गया है ?
(A) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
(B) श्रम एवं रोजगार मंत्रालय
(C) नीति (NITI) आयोग
(D) कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय

30. जून की 21वीं तारीख को सूर्य—
(A) उत्तरध्रुवीय वृत्त पर क्षितिज के नीचे नहीं डूबता है
(B) दक्षिणध्रुवीय वृत्त पर क्षितिज के नीचे नहीं डूबता है
(C) मध्याह्न में भूमध्यरेखा पर ऊर्ध्वाधर रूप से व्योमस्थ चमकता है
(D) मकर रेखा पर ऊर्ध्वाधर रूप से व्योमस्थ चमकता है

31. मुगल भारत के संदर्भ में, जागीरदार और जमींदार के बीच क्या अन्तर है/ हैं ?
1. जागीरदारों के पास न्यायिक और पुलिस दायित्वों के एवज में भूमि आवंटनों का अधिकार होता था, जबकि जमींदारों के पास राजस्व अधिकार होते थे तथा उन पर राजस्व को छोड़कर अन्य कोई दायित्व पूरा करने की बाध्यता नहीं होती थी.
2. जागीरदारों को किए गए भूमि आवंटन वंशानुगत होते थे और जमींदारों के राजस्व अधिकार वंशानुगत नहीं होते थे.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1, न ही 2

32. स्वतंत्र भारत में भूमि सुधारों के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?
(A) हदबंदी कानून पारिवारिक जोत पर केन्द्रित थे, न कि व्यक्तिगत जोत पर
(B) भूमि सुधारों का प्रमुख उद्देश्य सभी भूमिहीनों को कृषि भूमि प्रदान करना था
(C) इसके परिणामस्वरूप नकदी फसलों की खेती, कृषि का प्रमुख रूप बन गई
(D) भूमि सुधारों ने हदबंदी सीमाओं को किसी भी प्रकार की छूट की अनुमति नहीं दी

33. वैश्विक प्रतियोगित्व रिपोर्ट (Global Competitiveness Report) कौन प्रकाशित करता है ?
(A) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष
(B) संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन (यूनाइटेड नेशंस कॉन्फरेन्स ऑन ट्रेड एंड डेवलपमेंट)
(C) विश्व आर्थिक मंच (वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम)
(D) विश्व बैंक

34. 'चार्टर ऐक्ट, 1813' के सम्बन्ध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. इसने भारत में ईस्ट इंडिया कम्पनी के व्यापार एकाधिपत्य को, चाय का व्यापार तथा चीन के साथ व्यापार को छोड़कर, समाप्त कर दिया.
2. इसने कम्पनी द्वारा अधिकार में लिए गए भारतीय राज्य क्षेत्रों पर ब्रिटिश राज (Crown) की सम्प्रभुता को सुदृढ़ कर दिया.
3. भारत का राजस्व अब ब्रिटिश संसद के नियंत्रण में आ गया था.

उपर्युक्त में से कौनसे कथन सही हैं ?
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3

35. स्वदेशी आन्दोलन के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. इसने देशी शिल्पकारों के कौशल तथा उद्योगों को पुनर्जीवित करने में योगदान किया.
2. स्वदेशी आन्दोलन के एक अवयव के रूप में राष्ट्रीय शिक्षा परिषद् की स्थापना हुई थी.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों (D) न तो 1, न ही 2

36. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—

आन्दोलन/संगठन	नायक (लीडर)
1. अखिल भारतीय अस्पृश्यता विरोधी लीग	महात्मा गांधी
2. अखिल भारतीय किसान सभा	स्वामी सहजानंद सरस्वती
3. आत्मसम्मान आन्दोलन	ई.वी. रामास्वामी नायकर

उपर्युक्त में से कौनसा/से युग्म सही सुमेलित है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 1 और 2
(C) केवल 2 और 3
(D) 1, 2 और 3

37. निम्नलिखित में से कौनसा एक हड़प्पा स्थल नहीं है ?
(A) चन्हुदड़ो (B) कोट दीजी
(C) सोहगौरा (D) देसलपुर

38. निम्नलिखित में से किस उभारदार मूर्ति-शिल्प (Relief sculpture) शिलालेख में अशोक के प्रस्तर रूपचित्र के साथ 'राण्यो अशोक' (राजा अशोक) उल्लिखित है ?
(A) कंगनहल्ली (B) साँची
(C) शाहबाजगढ़ी (D) सोहगौरा

39. निम्नलिखित पर विचार कीजिए—
1. बुद्ध में देवत्वारोपण.
2. बोधिसत्व के पथ पर चलना.
3. मूर्ति उपासना तथा अनुष्ठान.

उपर्युक्त में से कौनसी विशेषता/विशेषताएं महायान बौद्धमत की है/हैं ?
(A) केवल 1 (B) केवल 1 और 2
(C) केवल 2 और 3 (D) 1, 2 और 3

40. गुप्त काल के दौरान भारत में बलात् श्रम (Vishti) के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?
(A) इसे राज्य के लिए आय का एक स्रोत, जनता द्वारा दिया जाने वाला एक प्रकार का कर, माना जाता था
(B) यह गुप्त साम्राज्य के मध्य प्रदेश तथा कठियावाड़ क्षेत्रों में पूर्णतः अविद्यमान था
(C) बलात् श्रमिक साप्ताहिक मजदूरी का हकदार होता था
(D) मजदूर के ज्येष्ठ पुत्र का बलात् श्रमिक के रूप में भेज दिया जाता था

41. निम्नलिखित में से कौनसा एक पादप-समूह 'नवीन विश्व (New world)' में कृषि-योग्य बनाया गया तथा इसका 'प्राचीन विश्व (ओल्ड वर्ल्ड)' में प्रचलन शुरू किया गया ?
(A) तम्बाकू, कोको और रबड़
(B) तम्बाकू, कपास और रबड़
(C) कपास, कॉफी और गन्ना
(D) रबड़, कॉफी और गेहूँ

42. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. एशियाई शेर प्राकृतिक रूप से सिर्फ भारत में पाया जाता है.
2. दो-कूबड़ वाला ऊँट प्राकृतिक रूप से सिर्फ भारत में पाया जाता है.
3. एक-सींग वाला गैंडा प्राकृतिक रूप से सिर्फ भारत में पाया जाता है.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) केवल 1 और 3 (D) 1, 2 और 3

43. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—

प्रसिद्ध स्थान	नदी
1. पढरपुर	: चंद्रभागा
2. तिरुचिरापल्ली	: कावेरी
3. हंपी	: मालप्रभा

उपर्युक्त में से कौनसे युग्म सही सुमेलित हैं ?
(A) केवल 1 और 2 (B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3 (D) 1, 2 और 3

44. किसी दिए गए वर्ष में भारत में कुछ राज्यों में आधिकारिक गरीबी रेखाएं अन्य राज्यों की तुलना में उच्चतर हैं, क्योंकि—
(A) गरीबी की दर अलग-अलग राज्य में अलग-अलग होती है
(B) कीमत-स्तर अलग-अलग राज्य में अलग-अलग होता है

(C) सकल राज्य उत्पाद अलग-अलग राज्य में अलग-अलग होता है

(D) सार्वजनिक वितरण की गुणता अलग-अलग राज्य में अलग-अलग होती है

45. निम्नलिखित में से किसके संदर्भ में, कुछ वैज्ञानिक पक्षाभ मेघ विरलन तकनीक तथा समतापमंडल में सल्फेट वायुविलय (Sulphate aerosol) अंत:क्षेपण के उपयोग का सुझाव देते हैं ?

(A) कुछ क्षेत्रों में कृत्रिम वर्षा करवाने के लिए

(B) उष्णकटिबंधीय चक्रवातों की बारम्बारता और तीव्रता को कम करने के लिए

(C) पृथ्वी पर सौर पवनों के प्रतिकूल प्रभाव को कम करने के लिए

(D) भूमंडलीय तापन को कम करने के लिए

46. निम्नलिखित में से किसके संदर्भ में, 'ताप-अपघटन और प्लाज़्मा गैसीकरण' शब्दों का उल्लेख किया गया है ?

(A) दुर्लभ (Rare) भूतत्वों का निष्कर्षण

(B) प्राकृतिक गैस निष्कर्षण प्रौद्योगिकी

(C) हाइड्रोजन ईंधन आधारित ऑटो-मोबाइल

(D) अपशिष्ट से ऊर्जा प्रौद्योगिकी

47. निम्नलिखित में से कौनसे अगस्त्यमाला जीवमंडल रिजर्व में आते हैं ?

(A) नेय्यार, पेप्पारा और शेंदुर्नै वन्य प्राणी अभयारण्य, और कलाकड़ मुंदन्थुराई बाघ रिर्जव

(B) मुदुमलाई, सत्यमंगलम और वायनाड वन्य प्राणी अभयारण्य और साइलेंट वैली नेशनल पार्क

(C) कौंडिन्य, गुंडला ब्रह्मेश्वरम और पापीकोंडा वन्य प्राणी अभयारण्य, और मुकुर्थी नेशनल पार्क

(D) कावल और श्रीवेंकटेश्वर वन्य प्राणी अभयारण्य, और नागार्जुन सागर-श्रीशैलम बाघ रिर्ज़व

48. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. समुद्री कच्छपों की कुछ जातियाँ शाकभक्षी होती हैं.
2. मछली की कुछ जातियाँ शाकभक्षी होती हैं.
3. समुद्री स्तनपायियों की कुछ जातियाँ शाकभक्षी होती हैं.
4. साँपों की कुछ जातियाँ सजीवप्रजक होती हैं.

उपर्युक्त में से कौनसे कथन सही हैं ?

(A) केवल 1 और 3

(B) केवल 2, 3 और 4

(C) केवल 2 और 4

(D) 1, 2, 3 और 4

49. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—

वन्य प्राणी	प्राकृतिक रूप से कहाँ पाए जाते हैं
1. नीले मीनपक्ष वाली महाशीर	कावेरी नदी
2. इरावदी डॉल्फिन	चंबल नदी
3. मोरचाभ (Rusty) चित्तीदार बिल्ली	पूर्वी घाट

उपर्युक्त में से कौनसे युग्म सही सुमेलित हैं ?

(A) केवल 1 और 2

(B) केवल 2 और 3

(C) केवल 1 और 3

(D) 1, 2 और 3

50. पर्यावरण में निर्मुक्त हो जाने वाली 'सूक्ष्ममणिकाओं (Microbeads)' के विषय में अत्यधिक चिंता क्यों है ?

(A) ये समुद्री पारितंत्रों के लिए हानिकारक मानी जाती हैं

(B) ये बच्चों में त्वचा कैंसर होने का कारण मानी जाती हैं

(C) ये इतनी छोटी होती हैं कि सिंचित क्षेत्रों में फसल पादपों द्वारा अवशोषित हो जाती हैं

(D) अक्सर इनका इस्तेमाल खाद्य पदार्थों में मिलावट के लिए किया जाता है

51. मनोरंजन हेतु डिजिटल प्रौद्योगिकियों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. संवर्धित वास्तविकता [Augmented Reality (AR)] में एक छद्म वातावरण सृजित हो जाता है और भौतिक संसार पूरी तरह बहिष्कृत हो जाता है.
2. आभासी वास्तविकता [Virtual Reality (VR)] में कम्प्यूटर द्वारा सृजित प्रतिमाएं वास्तविक जीवन की वस्तुओं या परिवेशों पर प्रक्षेपित हो जाती है.
3. AR व्यक्तियों को संसार में विद्यमान रहने देता है और स्मार्ट-फोन या PC के कैमरे का उपयोग कर अनुभव को उन्नत करता है.
4. VR संसार को पृथक् कर देता है और व्यक्ति को एक अलग धरातल पर ले जाकर उसे पूर्ण निमग्नता का अनुभव प्रदान करता है.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?

(A) केवल 1 और 2 (B) 3 और 4

(C) 1, 2 और 3 (D) केवल 4

52. शब्द 'डेनिसोवन (Denisovan)' कभी-कभी समाचार माध्यमों में किस संदर्भ में आता है ?

(A) एक प्रकार के डायनासोर का जीवाश्म

(B) एक आदिमानव जाति (स्पीशीज़)

(C) पूर्वोत्तर भारत में प्राप्त एक गुफा तंत्र

(D) भारतीय उपमहाद्वीप के इतिहास में एक भूवैज्ञानिक कल्प

53. विज्ञान में हुए अभिनव विकासों के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौनसा एक कथन सही नहीं है ?

(A) विभिन्न जातियों की कोशिकाओं के लिए गए DNA के खंडों को जोड़कर प्रकार्यात्मक गुणसूत्र रचे जा सकते हैं

(B) प्रयोगशालाओं में कृत्रिम प्रकार्यात्मक DNA के हिस्से रचे जा सकते हैं

(C) किसी जंतु कोशिका से निकाले गए DNA के किसी हिस्से को जीवित कोशिका से बाहर प्रयोगशाला में, प्रतिकृत कराया जा सकता है

(D) पादपों और जन्तुओं से निकाली गई कोशिकाओं में प्रयोगशाला की पेट्री डिश में कोशिका विभाजन कराया जा सकता है

54. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
डिजिटल हस्ताक्षर

1. एक ऐसा इलेक्ट्रॉनिक अभिलेख (Electronic Record) है, जो इसे जारी करने वाले प्रमाणन प्राधिकारी की पहचान करता है.
2. इंटरनेट पर सूचना या सर्वर तक पहुँच के लिए किसी व्यक्ति की पहचान के प्रमाण के रूप में प्रयुक्त होता है.
3. इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने की एक इलेक्ट्रॉनिक पद्धति है और सुनिश्चित करता है कि मूल अंश अपरिवर्तित है.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?

(A) केवल 1 (B) केवल 2 और 3

(C) केवल 3 (D) 1, 2 और 3

55. परिधेय प्रौद्योगिकी (Wearable technology) के संदर्भ में, परिधेय उपकरणों द्वारा निम्नलिखित में से कौनसा/से कार्य निष्पन्न किया जा सकता है/किए जा सकते हैं ?

1. किसी व्यक्ति का अवस्थान (लोकेशन) निर्धारण
2. किसी व्यक्ति का निद्रा मॉनीटरन
3. श्रवण दोषयुक्त व्यक्ति की सहायता

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—

(A) केवल 1 (B) केवल 2 और 3

(C) केवल 3 (D) 1, 2 और 3

56. 'RNA अंतर्क्षेप [RNA इंटरफेरेंस (RNAi)]' प्रौद्योगिकी ने पिछले कुछ वर्षों में लोकप्रियता हासिल कर ली है. क्यों ?

1. यह जीन अनभिव्यक्तिकरण (जीन साइलेंसिंग) रोगोपचारों के विकास में प्रयुक्त होता है.
2. इसे कैंसर की चिकित्सा में रोगोपचार विकसित करने हेतु प्रयुक्त किया जा सकता है.
3. इसे हॉर्मोन प्रतिस्थापन रोगोपचार विकसित करने हेतु प्रयुक्त किया जा सकता है.

4. इसे ऐसी फसल पादपों को उगाने के लिए प्रयुक्त किया जा सकता है, जो विषाणु रोगजनकों के लिए प्रतिरोधी हों.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—

(A) 1, 2 और 4 (B) 2 और 3
(C) 1 और 3 (D) केवल 1 और 4

57. हाल ही में वैज्ञानिकों ने पृथ्वी से अरबों प्रकाश-वर्ष दूर विशालकाय 'ब्लैकहोलों' के विलय का प्रेक्षण किया. इस प्रेक्षण का क्या महत्व है ?

(A) 'हिग्स बोसॉन कणों' का अभिज्ञान हुआ
(B) 'गुरुत्वीय तरंगों' का अभिज्ञान हुआ
(C) 'वॉर्महोल' से होते हुए अंतरा-मंदाकिनीय अंतरिक्ष यात्रा की सम्भावना की पुष्टि हुई
(D) इसने वैज्ञानिकों को 'विलक्षणता (सिंगुलैरिटी)' को समझना सुकर बनाया

58. निम्नलिखित में से कौनसे भारत में सूक्ष्म-जैविक रोगजनकों में बहुऔषध प्रतिरोध के होने के कारण हैं ?

1. कुछ व्यक्तियों में आनुवंशिक पूर्ववृत्ति (जेनेटिक प्रीडिस्पोजीशन) का होना.
2. रोगों के उपचार के लिए प्रतिजैविकों (Antibiotics) की गलत खुराकें लेना.
3. पशुधन फार्मिंग में प्रतिजैविकों का इस्तेमाल करना.
4. कुछ व्यक्तियों में चिरकालिक रोगों की बहुलता होना.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—

(A) 1 और 2 (B) केवल 2 और 3
(C) 1, 3 और 4 (D) 2, 3 और 4

59. प्रायः समाचारों में आने वाला Cas9 प्रोटीन क्या है ?

(A) लक्ष्यसाधित जीन सम्पादन (Targeted gene Editing) में प्रयुक्त आण्विक कैंची
(B) रोगियों में रोगजनकों की ठीक-ठीक पहचान के लिए प्रयुक्त जैव संवेदक
(C) एक जीन जो पादपों को पीड़क प्रतिरोधी बनाता है
(D) आनुवंशिकतः रूपांतरित फसलों में संश्लेषित होने वाला एक शाकनाशी पदार्थ

60. निम्नलिखित में से कौनसा एक कथन सही नहीं है ?

(A) यकृतशोथ B विषाणु काफी कुछ HIV की तरह ही संचरित होता है
(B) यकृतशोथ C का टीका होता है, जबकि यकृतशोथ B का कोई टीका नहीं होता
(C) सार्वभौम रूप से यकृतशोथ B और C विषाणुओं से संक्रमित व्यक्तियों की संख्या HIV से संक्रमित लोगों की संख्या से कई गुना अधिक है
(D) यकृतशोथ B और C विषाणुओं से संक्रमित कुछ व्यक्तियों में अनेक वर्षों तक इसके लक्षण दिखाई नहीं देते

61. भारत के संविधान के संदर्भ में, निम्न-लिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. किसी भी केन्द्रीय विधि को सांविधानिक रूप से अवैध घोषित करने की किसी भी उच्च न्यायालय की अधिकारिता नहीं होगी.
2. भारत के संविधान के किसी भी संशोधन पर भारत के उच्चतम न्यायालय द्वारा प्रश्न नहीं उठाया जा सकता.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?

(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों (D) न तो 1, न ही 2

62. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. क्रयशक्ति समता [Purchasing Power Parity (PPP)] विनिमय दरों की गणना विभिन्न देशों में एकसमान वस्तुओं और सेवाओं के मूल्यों की तुलना कर की जाती है.
2. PPP डॉलर के संदर्भ में, भारत विश्व की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?

(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1, न ही 2

63. भारत में पिछले पाँच वर्षों में खरीफ की फसलों की खेती के सन्दर्भ में, निम्न-लिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. धान की खेती के अन्तर्गत क्षेत्र अधिकतम है.
2. ज्वार की खेती के अन्तर्गत क्षेत्र, तिलहनों की खेती के अन्तर्गत क्षेत्र की तुलना में अधिक है.
3. कपास की खेती का क्षेत्र, गन्ने की खेती के क्षेत्र की तुलना में अधिक है.
4. गन्ने की खेती के अन्तर्गत क्षेत्र निरन्तर घटा है.

उपर्युक्त में से कौनसे कथन सही हैं ?

(A) केवल 1 और 3
(B) केवल 2, 3 और 4
(C) केवल 2 और 4
(D) 1, 2, 3 और 4

64. भारत द्वारा आयातित कृषि जिंसों में, पिछले पाँच वर्षों में निम्नलिखित में से किस एक का मूल्य के आधार पर अधिकतम आयात रहा है ?

(A) मसाले (B) ताजे फल
(C) दलहन (D) वनस्पति तेल

65. राज्यव्यवस्था के सन्दर्भ में, निम्नलिखित में से किस एक को आप स्वतंत्रता की सर्वाधिक उपयुक्त व्याख्या के रूप में स्वीकार करेंगे ?

(A) राजनीतिक शासकों की तानाशाही के विरुद्ध संरक्षण
(B) नियंत्रण का अभाव
(C) इच्छानुसार कुछ भी करने का अवसर
(D) स्वयं को पूर्णतः विकसित करने का अवसर

66. भारतीय रुपए की गिरावट रोकने के लिए निम्नलिखित में से कौनसा एक सरकार/भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा किया जाने वाला सर्वाधिक सम्भावित उपाय नहीं है ?

(A) गैर-जरूरी वस्तुओं के आयात पर नियंत्रण और निर्यात को प्रोत्साहन
(B) भारतीय उधारकर्ताओं को रुपए मूल्यवर्ग के मसाला बॉन्ड जारी करने हेतु प्रोत्साहित करना
(C) विदेशी वाणिज्यिक उधारी से सम्बन्धित दशाओं को आसान बनाना
(D) एक प्रसरणशील मौद्रिक नीति का अनुसरण करना

67. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

'भुगतान प्रणाली आँकड़ों के भण्डारण (Storage of Payment System Data) के सम्बन्ध में भारतीय रिजर्व बैंक के हाल का निदेश, जिसे प्रचलित रूप से डेटा डिक्टैट के रूप में जाना जाता है, भुगतान प्रणाली प्रदाताओं (पेमेंट सिस्टम प्रोवाइडर्स) को समादेशित करता है कि—

1. वे यह सुनिश्चित करेंगे कि उनके द्वारा संचालित भुगतान प्रणालियों से सम्बन्धित समग्र आँकड़े एक प्रणाली के अन्तर्गत केवल भारत में भण्डारित किए जाएं.
2. वे यह सुनिश्चित करेंगे कि इन प्रणालियों का स्वामित्व और संचालन सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम ही करें.
3. वे कैलेंडर वर्ष की समाप्ति तक भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक को समेकित प्रणाली लेखापरीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?

(A) केवल 1 (B) केवल 1 और 2
(C) केवल 3 (D) 1, 2 और 3

68. निम्नलिखित में से किसने अपने नागरिकों के लिए दत्त संरक्षण (Data Protection) और प्राइवेसी के लिए 'सामान्य दत्त संरक्षण विनियमन (जेनरल डेटा प्रोटेक्शन रेगुलेशन)' नामक एक कानून अप्रैल 2016 में अपनाया और उसका 25 मई, 2018 से कार्यान्वयन शुरू किया ?

(A) आस्ट्रेलिया
(B) कनाडा
(C) यूरोपीय संघ (यूरोपियन यूनियन)
(D) संयुक्त राज्य अमरीका

69. हाल ही में भारत ने निम्नलिखित में से किस देश के साथ 'नाभिकीय क्षेत्र में सहयोग क्षेत्रों के प्राथमिकीकरण और कार्यान्वयन हेतु कार्य योजना' नामक सौदे पर हस्ताक्षर किए हैं ?

(A) जापान
(B) रूस

(C) यूनाइटेड किंगडम
(D) संयुक्त राज्य अमरीका

70. किसी अर्थव्यवस्था में मुद्रा गुणक (मनी मल्टिप्लायर) निम्नलिखित में से किस एक के साथ-साथ बढ़ता है ?
(A) आरक्षित नकदी (Cash reserve) अनुपात में वृद्धि
(B) जनता की बैंकिंग आदतों में वृद्धि
(C) सांविधिक नकदी अनुपात में वृद्धि
(D) देश की जनसंख्या में वृद्धि

71. सेवा क्षेत्र उपागम किसके कार्यक्षेत्र के अधीन कार्यान्वित किया गया था ?
(A) एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम
(B) अग्रणी बैंक योजना (लीड बैंक स्कीम)
(C) महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना
(D) राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन

72. भारत में गौण खनिज के प्रबंधन के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. इस देश में विद्यमान विधि के अनुसार रेत एक 'गौण खनिज' है.
2. गौण खनिजों के खनन पट्टे प्रदान करने की शक्ति राज्य सरकारों के पास है, किन्तु गौण खनिजों को प्रदान करने से सम्बन्धित नियमों को बनाने के बारे में शक्तियाँ केन्द्र सरकार के पास हैं.
3. गौण खनिजों के अवैध खनन को रोकने के लिए नियम बनाने की शक्ति राज्य सरकारों के पास है.
उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
(A) केवल 1 और 3 (B) केवल 2 और 3
(C) केवल 3 (D) 1, 2 और 3

73. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. भारत का अधिकांश विदेशी ऋण सरकारी सत्वों के ऋणी होने के द्वारा है.
2. भारत का सारा विदेशी ऋण US डॉलर के मूल्यवर्ग में है.
उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1, न ही 2

74. भारत में किसी वाणिज्यिक बैंक की परिसम्पत्ति में निम्नलिखित में से क्या शामिल नहीं है ?
(A) अग्रिम (Advances)
(B) जमा (Deposits)
(C) निवेश (Investments)
(D) माँग तथा अल्प सूचना मुद्रा (Money at call and short notice)

75. भारत के संदर्भ में, मुद्रा संकट के जोखिम को कम करने में निम्नलिखित में से किस/किन कारक/कारकों का योगदान है ?
1. भारत के IT सेक्टर के विदेशी मुद्रा अर्जन का
2. सरकारी व्यय के बढ़ने का
3. विदेशस्थ भारतीयों द्वारा भेजे गए धन का
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1 (B) केवल 1 और 3
(C) केवल 2 (D) 1, 2 और 3

76. निम्नलिखित में से किस एक का यह सुझाव था कि राज्यपाल को उस राज्य के बाहर का एक प्रतिष्ठित व्यक्ति होना चाहिए और उसे एक ऐसा तटस्थ व्यक्ति होना चाहिए जिसके गहन राजनीतिक जुड़ाव न हों या उसने हाल के पिछले वर्षों में राजनीति में भाग नहीं लिया हो ?
(A) पहला प्रशासनिक सुधार आयोग (1966)
(B) राजमन्नार समिति (1969)
(C) सरकारिया आयोग (1983)
(D) संविधान के कार्यचालन की समीक्षा हेतु राष्ट्रीय आयोग (2000)

77. पंजीकृत विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा उन विदेशी निवेशकों को, जो स्वयं को सीधे पंजीकृत कराए बिना भारतीय स्टॉक बाजार का हिस्सा बनना चाहते हैं, निम्नलिखित में से क्या जारी किया जाता है ?
(A) जमा प्रमाण-पत्र (Certificate of Deposit)
(B) वाणिज्यिक पत्र (Commercial paper)
(C) वचन-पत्र (Promissory Note)
(D) सहभागिता पत्र (Participatory Note)

78. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. विधि के अनुसार, प्रतिपूरक वनीकरण कोष प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण, राष्ट्रीय तथा राज्य, दोनों स्तरों पर होते हैं.
2. प्रतिपूरक वनीकरण निधि अधिनियम, 2016 के अधीन चलाए गए प्रतिपूरक वनीकरण कार्यक्रमों में लोगों की सहभागिता अनिवार्य (Mandatory) है.
उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों (D) न तो 1, न ही 2

79. भारत में दूरसंचार, बीमा, विद्युत् आदि जैसे क्षेत्रकों में स्वतंत्र नियामकों का पुनरीक्षण निम्नलिखित में से कौनसे/सी करते/करती हैं ?
1. संसद द्वारा गठित तदर्थ समितियाँ
2. संसदीय विभाग सम्बन्धी स्थायी समितियाँ
3. वित्त आयोग
4. वित्तीय क्षेत्र विधायी सुधार आयोग
5. नीति (NITI) आयोग
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—
(A) 1 और 2 (B) 1, 3 और 4
(C) 3, 4, और 5 (D) 2 और 5

80. भारत की पंचवर्षीय योजनाओं के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
1. दूसरी पंचवर्षीय योजना से बुनियादी तथा पूँजीगत वस्तु उद्योगों के प्रतिस्थापन की दिशा में निश्चयात्मक जोर दिया गया.
2. चौथी पंचवर्षीय योजना में सम्पत्ति तथा आर्थिक शक्ति को बढ़ते संकेद्रण की पूर्व प्रवृत्ति के सुधार का उद्देश्य अपनाया गया.
3. पाँचवीं पंचवर्षीय योजना में, पहली बार, वित्तीय क्षेत्रक को योजना के अभिन्न अंग के रूप में शामिल किया गया.
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1 और 2 (B) केवल 2
(C) केवल 3 (D) 1, 2 और 3

81. भारत में विशिष्टतः असुरक्षित जनजातीय समूहों [Particularly Vulnerable Tribal Groups (PVTGs)] के बारे में, निम्न-लिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. PVTGs देश के 18 राज्यों तथा एक संघ राज्यक्षेत्र में निवास करते हैं.
2. स्थिर या कम होती जनसंख्या, PVTG स्थिति के निर्धारण के मानदंडों में से एक है.
3. देश में अब तक 95 PVTGs आधिकारिक रूप से अधिसूचित हैं.
4. PVTGs की सूची में ईरूलार और कोंडा रेड्डी जनजातियाँ शामिल की गई हैं.
उपर्युक्त में से कौनसे कथन सही हैं ?
(A) 1, 2 और 3 (B) 2, 3 और 4
(C) 1, 2 और 4 (D) 1, 3 और 4

82. भारत के संविधान के संदर्भ में, सामान्य विधियों में अंतर्विष्ट प्रतिषेध अथवा निर्बंधन अथवा उपबंध, अनुच्छेद 142 के अधीन सांविधानिक शक्तियों पर प्रतिषेध अथवा निर्बंधन की तरह कार्य नहीं कर सकते. निम्नलिखित में से कौनसा एक, इसका अर्थ हो सकता है ?
(A) भारत के निर्वाचन आयोग (Election Commission) द्वारा अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते समय लिए गए निर्णयों को किसी भी न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती
(B) भारत का उच्चतम न्यायालय अपनी शक्तियों के प्रयोग में संसद द्वारा निर्मित से बाध्य नहीं होता

(C) देश में गम्भीर संकट की स्थिति में, भारत का राष्ट्रीय मंत्रिमंडल के परामर्श के बिना वित्तीय आपात घोषित कर सकता है

(D) कुछ मामलों में राज्य विधानमंडल, संघ विधानमण्डल की सहमति के बिना, विधि निर्मित नहीं कर सकते

83. भारत के किसी राज्य की विधान सभा के सदंर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. वर्ष के प्रथम सत्र के प्रारम्भ में राज्यपाल सदन के सदस्यों के लिए रूढ़िगत सम्बोधन करता है.
2. जब किसी विशिष्ट विषय पर राज्य विधानमण्डल के पास कोई नियम नहीं होता, तो उस विषय पर वह लोक सभा के नियम का पालन करता है.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?

(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों (D) न तो 1, न ही 2

84. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. भ्रष्टाचार के विरुद्ध संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन [United Nations Convention against Corruption (UNCAC)] का 'भूमि, समुद्र और वायुमार्ग से प्रवासियों की तस्करी के विरुद्ध एक प्रोटोकॉल' होता है.
2. UNCAC अब तक का सबसे पहला विधितः बाध्यकारी सार्वभौम भ्रष्टाचार-निरोधी लिखत है.
3. राष्ट्रपार संगठित अपराध के विरुद्ध संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन [यूनाइटेड नेशंस कन्वेंशन अर्गेस्ट ट्रांसनेशनल ऑर्गेनाइज्ड क्राइम (UNTOC)] की एक विशिष्टता ऐसे एक विशिष्ट अध्याय का समावेशन है, जिसका लक्ष्य उन सम्पत्तियों को उनके वैध स्वामियों को लौटाना है जिनसे वे अवैध तरीके से ले ली गई थीं.
4. मादक द्रव्य और अपराध विषयक संयुक्त राष्ट्र कार्यालय [यूनाइटेड नेशंस ऑफिस ऑन ड्रग्स एण्ड क्राइम (UNODC)] संयुक्त राष्ट्र के सदस्य राज्यों द्वारा UNCAC और UNTOC दोनों के कार्यान्वयन में सहयोग करने के लिए अधिदेशित है.

उपर्युक्त में से कौनसे कथन सही हैं ?

(A) केवल 1 और 3
(B) केवल 2, 3 और 4
(C) केवल 2 और 4
(D) 1, 2, 3 और 4

85. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. भारतीय वन अधिनियम, 1927 में हाल में हुए संशोधन के अनुसार, वन निवासियों को वनक्षेत्रों में उगने वाले बाँस को काट गिराने का अधिकार है.
2. अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पारम्परिक वनवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 के अनुसार, बाँस एक गौण वनोपज है.
3. अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पाम्परिक वनवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006, वन निवासियों को गौण वनोपज के स्वामित्व की अनुमति देता है.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?

(A) केवल 1 और 2 (B) केवल 2 और 3
(C) केवल 3 (D) 1, 2 और 3

86. भारत के संविधान का कौनसा अनुच्छेद अपनी पसंद के व्यक्ति से विवाह करने के किसी व्यक्ति के अधिकार को संरक्षण देता है ?

(A) अनुच्छेद 19 (B) अनुच्छेद 21
(C) अनुच्छेद 25 (D) अनुच्छेद 29

87. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. भारतीय पेटेंट अधिनियम के अनुसार, किसी बीज को बनाने की जैव प्रक्रिया को भारत में पेटेंट कराया जा सकता है.
2. भारत में कोई बौद्धिक सम्पदा अपील बोर्ड नहीं है.
3. पादप किस्में भारत में पेटेंट कराए जाने के पात्र नहीं हैं.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?

(A) केवल 1 और 3 (B) केवल 2 और 3
(C) केवल 3 (D) 1, 2 और 3

88. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 भारत सरकार को सशक्त करता है कि—
1. वह पर्यावरणीय संरक्षण की प्रक्रिया में लोक सहभागिता की आवश्यकता का और इसे हासिल करने की प्रक्रिया और रीति का विवरण दे.
2. वह विभिन्न स्रोतों से पर्यावरणीय प्रदूषकों के उत्सर्जन या विसर्जन के मानक निर्धारित करें.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?

(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों (D) न तो 1, न ही 2

89. भारत में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के अनुसार, निम्नलिखित में से कौनसा एक कथन सही है ?

(A) अपशिष्ट उत्पादक को पाँच कोटियों में अपशिष्ट अलग-अलग करने होंगे

(B) ये नियम केवल अधिसूचित नगरीय स्थानीय निकायों, अधिसूचित नगरों तथा सभी औद्योगिक नगरों पर ही लागू होंगे

(C) इन नियमों में अपशिष्ट भराव स्थलों तथा अपशिष्ट प्रसंस्करण सुविधाओं के लिए सटीक और ब्यौरेवार मानदंड उपबंधित हैं

(D) अपशिष्ट उत्पादक के लिए यह आज्ञापक होगा कि किसी एक जिले में उत्पादित अपशिष्ट, किसी अन्य जिले में न ले जाया जाए

90. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
औद्योगिक रोजगार (स्थायी आदेश) केन्द्रीय (संशोधन) नियम, 2018 के अनुसार—
1. यदि नियत अवधि रोजगार के लिए नियमों को कार्यान्वित किया जाता है, तो फर्म/कम्पनियों के लिए कामगारों की छँटनी करना अपेक्षाकृत आसान हो जाती है.
2. अस्थायी कामगारों के मामलों में रोजगार समाप्त करने के लिए कोई नोटिस देना आवश्यक नहीं होगा.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?

(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों (D) न तो 1, न ही 2

91. एशियाई आधारिक संरचना निवेश बैंक [Asian Infrastructure Investment Bank (AIIB)] के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. AIIB के 80 से अधिक सदस्य राष्ट्र हैं.
2. AIIB में भारत सबसे बड़ा शेयरधारक है.
3. AIIB में एशिया से बाहर का कोई सदस्य नहीं है.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?

(A) केवल 1 (B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3 (D) 1, 2 और 3

92. हाल ही में, भारतीय बैंकों और वित्तीय संस्थाओं द्वारा अंतरऋणदाता करार (Inter-Creditor Agreement) पर हस्ताक्षर करने का क्या उद्देश्य था ?

(A) भारत सरकार के राजकोषीय घाटे और चालू लेखा घाटे के वर्षानुवर्ष पड़ने वाले भार को कम करना

(B) केन्द्रीय और राज्य सरकारों की आधारिक संरचना परियोजनाओं को सम्बल प्रदान करना

(C) ₹ 50 करोड़ या अधिक के ऋणों के आवेदनों के मामले में स्वतंत्र नियामक के रूप में कार्य करना

(D) ₹ 50 करोड़ या अधिक की दबाव-युक्त परिसम्पत्तियों (Stressed assets) का, जो सहसंघ उधारी (कॉन्सॉर्टियम लेंडिंग) के अन्तर्गत हैं, अधिक तेजी से समाधान करने का लक्ष्य रखना

93. सार्वजनिक क्षेत्रक बैंकों के अध्यक्षों का चयन कौन करता है ?

(A) बैंक बोर्ड ब्यूरो
(B) भारतीय रिज़र्व बैंक
(C) केन्द्रीय वित्त मंत्रालय
(D) सम्बन्धित बैंक का प्रबंधन

94. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड [पेट्रोलियम एण्ड नेचुरल गैस रेग्युलेटरी बोर्ड (PNGRB)] भारत सरकार द्वारा स्थापित प्रथम नियामक निकाय है.

2. PNGRB का एक कार्य गैस के लिए प्रतियोगी बाजारों को सुनिश्चित करना है.
3. PNGRB के निर्णयों के विरुद्ध अपील, विद्युत् अपील अधिकरण के समक्ष की जाती है.

उपर्युक्त में से कौनसे कथन सही हैं ?
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3

95. संचार प्रौद्योगिकियों के संदर्भ में, LTE (Long-Term Evolution) और VoLTE (वॉइस ओवर लॉन्ग-टर्म इवॉल्यूशन) के बीच क्या अन्तर है/हैं ?
1. LTE को साधारणत: 3G के रूप में विपणित किया जाता है तथा VoLTE को साधारणत: उन्नत 3G के रूप में विपणित किया जाता है.
2. LTE डेटा-ओन्‌ली तकनीक है और VoLTE वॉइस-ओन्‌ली तकनीक है.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों (D) न तो 1, न ही 2

96. मातृत्व लाभ (संशोधन) अधिनियम, 2017 के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
1. गर्भवती महिलाएं, प्रसव-पूर्व तीन महीने और प्रसवोत्तर तीन महीने के लिए सवेतन अवकाश की हकदार हैं.
2. शिशुगृहों वाले प्रतिष्ठानों के लिए माता को प्रतिदिन कम-से-कम छह बार शिशुगृह जाने की अनुमति देना अनिवार्य होगा.
3. दो बच्चों वाली महिलाओं को न्यूनीकृत हक मिलेंगे.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1 और 2 (B) केवल 2
(C) केवल 3 (D) 1, 2 और 3

97. निम्नलिखित में से कौनसा एक विश्व बैंक के 'कारोबार सुगमता सूचकांक (ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस इंडेक्स)' का उप-सूचकांक नहीं है ?
(A) कानून और व्यवस्था बनाए रखना
(B) करों का भुगतान करना
(C) सम्पत्ति का पंजीकरण कराना
(D) निर्माण परमिट सम्बन्धी कार्य करना

98. भारत में निम्नलिखित में से किसमें एक महत्वपूर्ण विशेषता के रूप में 'विस्तारित उत्पादक दायित्व' आरम्भ किया गया था ?
(A) जैव चिकित्सा अपशिष्ट (प्रबंधन और हस्तन) नियम, 1998
(B) पुनर्चक्रित प्लास्टिक (निर्माण और उपयोग नियम, 1999
(C) ई-अपशिष्ट (प्रबंधन और हस्तन) नियम, 2011
(D) खाद्य सुरक्षा और मानक विनियम, 2011

99. भारतीय खाद्य निगम के लिए खाद्यान्नों की आर्थिक लागत में न्यूनतम समर्थन मूल्य और किसानों को भुगतान किए गए बोनस (यदि कुछ है) के साथ-साथ और क्या शामिल है/हैं ?
(A) केवल परिवहन लागत
(B) केवल ब्याज लागत
(C) प्रापण प्रासंगिक प्रभार तथा वितरण लागत
(D) प्रापण प्रासंगिक प्रभार तथा गोदामों के प्रभार

100. किसी भी देश के संदर्भ में, निम्नलिखित में से किसे उस देश की सामाजिक पूँजी (सोशल कैपिटल) के भाग के रूप में समझा जाएगा ?
(A) जनसंख्या में साक्षरों का अनुपात
(B) इसके भवनों, अन्य आधारिक संरचना और मशीनों का स्टॉक
(C) कार्यशील आयु समूह में जनसंख्या का आमाप
(D) समाज में आपसी भरोसे और सामंजस्य का स्तर

उत्तर व्याख्या सहित

1. (D)
2. (D) अलियार जल भण्डार क्षेत्र कोयम्बटूर (तमिलनाडु) के निकट पोलाची कस्बे के पास अलियार गाँव में स्थित है, इसापुर बाँध एक कृत्रिम बाँध है, जो पुसाड (महाराष्ट्र) के निकट पेनगंगा नदी पर बनाया गया है. कंग्साबती जल भण्डार पश्चिमी बंगाल में कंग्साबती नदी पर एक जल परियोजना है.
3. (D) हाइड्रोजन संवर्धित CNG (H-CNG) को एक ईंधन के रूप में बसों में प्रयुक्त किए जाने के निम्नलिखित लाभ हैं—
   - H-CNG कार्बनमोनोक्साइड (CO) के उत्सर्जन में 70% तक की कमी ला सकती है.
   - इसके प्रयोग से ईंधन में 5% तक की कमी लाई जा सकती है.
   - इण्डिया ऑयल कॉर्पोरेशन लि. ने सीएनजी में 18-20% तक हाइड्रोजन मिलाए जाने की योजना बनाई है.
   - H-CNG के प्रयोग से कार्बन मोनो-क्साइड तथा कार्बन डाइऑक्साइड दोनों के उत्सर्जन में कमी आएगी.
4. (B)
5. (B) 44वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा अनुच्छेद 329(क) को, जिसमें प्रधान-मंत्री और लोक सभा के अध्यक्ष के निर्वाचन को संरक्षण प्रदान किया गया था, लोप कर दिया गया.
6. (C) भारतीय संविधान में किसी भी स्तर पर यह परिभाषित नहीं किया गया है कि ऐसे कौनसे कारक हैं, जो उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की अक्षमता और सिद्ध कदाचार को गठित करते हैं.
7. (A) भारतीय संविधान में नौवीं अनुसूचित तत्कालीन प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू के शासनकाल में संविधान (प्रथम संशोधन) अधिनियम, 1951 द्वारा शामिल की गई.
8. (A) भारत में कोयलाक्षेत्र का राष्ट्रीयकरण दो चरणों में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के शासनकाल में किया गया. 1971-72 में कुकिंग कोयला तथा 1973 में गैर-कुकिंग कोयला क्षेत्रक का राष्ट्रीयकरण किया गया. कथन 2 एवं 3 गलत हैं.
9. (A) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 102 (1)(a) तथा 191(1)(a) में 'लाभ के पद' को परिभाषित किया गया है. संसद (निर्हरता निवारण) अधिनियम, 1959 कई पदों को लाभ के पद के आधार पर निर्हरता से छूट देता है.
10. (B) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 के अन्तर्गत प्रावधानित है कि अनुसूचित क्षेत्रों (Scheduled Areas) का प्रशासन संविधान की पाँचवीं अनुसूचित के अनुसार चलाया जाएगा. संविधान की पाँचवीं अनुसूचित को प्राय: "संविधान के भीतर संविधान" की संज्ञा दी जाती है. यह सूची कतिपय राज्यों के अनुसूचित जनजाति बहुत विशिष्ट क्षेत्रों से सम्बन्धित है. इन क्षेत्रों के बारे में संसद/राज्य विधानमण्डल द्वारा पारित किसी भी कानून को लागू न किए जाने का आदेश उस राज्य के राज्यपाल द्वारा दिया जा सकता है. उस दशा में जनजातीय भूमि का, खनन के लिए निजी पक्षकारों को अन्तरण अकृत और शून्य घोषित किया जा सकता है.
11. (D) हाल ही में नेपाल के दारचूला जिले के खार गाँव में हिमालयी बिच्छू-बूटी (जिराडीनिया डाइवर्सीफोलिया) से कपड़े और कपड़ों से विनिर्मित वस्तुओं को उत्पादित किए जाने का पता चला है. हिन्दुकुश हिमालयी क्षेत्र में लम्बे तन्तु वाले पौधों से कपड़े बनाए जाते हैं.
12. (D) उपग्रह चित्रों/सुदूर संवेदी आँकड़ों से किसी स्थान विशेष की वनस्पति में पर्णहरित के अंश का आकलन किया जा सकता है. इन्हीं आँकड़ों से उत्तरी चीन के सैंजियांग क्षेत्र में धान के खेतों में मेथैन के उत्सर्जन का पता चला है. नॉर्मलाइज्ड डिफरेन्स वेजीटेशन इण्डेक्स (NDVI) से पर्णहरित अंश ज्ञात किया जा सकता है.
13. (C) भारतीय वन सर्वेक्षण द्वारा जारी वन क्षेत्र रिपोर्ट के अनुसार प्रश्नगत राज्यों में कुल भौगोलिक क्षेत्र के प्रतिशत के रूप में वनाच्छादित क्षेत्र का प्रतिशत निम्नवत् है—
महाराष्ट्र (16·47%)
मध्य प्रदेश (25·11%)
ओडिशा (32·98%)
छत्तीसढ़ (41·09%)
14. (D) आर्कटिक पर्याफ्रास्ट तथा अन्टार्क-टिका बर्फ के नीचे सेडीमेन्टरी निक्षेपों में मेथैन हाइड्रेट के भण्डार हैं, लेकिन मेथैन हाइड्रेट क्रिस्टलाइन ठोस के रूप में हैं. मेथैन के अणुओं के चारों ओर जल (बर्फ) के अणुओं ने एक घेरा (गुफा) बना लिया है. यदि इस तापमान/दबाव वातावरण से बर्फ को हटाया जाता है, तो मेथैन हाइड्रेट

अस्थिर हो जाते हैं. उन्हें ड्रिल करके अध्ययन हेतु भी निकाल पाना मुश्किल है. जैसे ही उन्हें पृथ्वी की सतह पर लाया जाएगा, वैसे ही तापमान में वृद्धि हो जाएगी. वातावरण में घुलकर मेथैन हाइड्रोक्सीकल रेडीकल के साथ क्रिया करके कार्बन डाइऑक्साइड तथा पानी बनाती है. वातावरण में मेथैन का जीवन-काल औसतन 9·6 वर्ष है.

15. (D) फसल/जैव मात्री (पराली) के अवशेषों के दहन के कारण वायुमण्डल में नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्सा-इड, मेथैन, ओजोन, वाष्पशील कार्बनिक यौगिक (VOC*X*) जैसे प्रदूषक निर्मुक्त होते हैं.

16. (B) सऊदी-अरब, यमन, मिस्र, सूडान, एरीट्रिया तथा जिबूती की सीमाएं लाल सागर से मिलती हैं, जबकि यूक्रेन, रूस, बुल्गारिया, रूमानिया, जॉर्जिया तथा तुर्की की सीमाएं काला सागर से मिलती हैं.

17. (B) 18. (A) 19. (A)

20. (B) रामसर सम्मेलन के अनुसार, भारत के राज्य क्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय महत्व की आर्द्र भूमियों के संरक्षण के लिए भारत सरकार अधिदेशात्मक है. वर्तमान में रामसर सम्मेलन के निर्देशों के अनुरूप 25 आर्द्रभूमियाँ संरक्षित श्रेणी में सूचीबद्ध हैं.

21. (D) 'कल्याण मण्डप' विजयनगर साम्राज्य के अन्तर्गत निर्माण कराए गए मन्दिरों में विवाह सभागार के रूप में निर्माण कराए गए थे.

22. (A) इक्ता प्रणाली इल्तुतमिश द्वारा प्रारम्भ की गई. यह प्राचीन देशी संस्था नहीं थी. मीर बख्शी का पद मुगलकाल में सृजित हुआ, जो बादशाह का सैन्य सलाहकार होता था.

23. (D) निम्बार्काचार्य वैष्णव सम्प्रदाय के प्रवर्तक आचार्य थे. निम्बार्क दक्षिण भारत में गोदावरी तट पर वैदूर्य पत्तन के निकट (पंडरपुर) अरुणाश्रम में श्री असव मुनि की पत्नी श्री जमन्ति देवी के गर्भ से 1250 ई. में जन्मे थे, जबकि अकबर का जीवनकाल 1542–1605 ई. तक रहा था. कबीर का जीवनकाल 1440–1510 ई. रहा, जबकि शेष अहमद सरहिन्दी जहाँगीरकालीन (17वीं सदी) के सूफी संत थे.

24. (B) लॉर्ड चैम्सफोर्ड की 'वार कॉन्फ्रेंस' में महात्मा गांधी ने विश्व युद्ध के लिए भारतीयों की भर्ती के लिए भारतीयों की भर्ती से सम्बन्धित प्रस्ताव का न केवल समर्थन किया, बल्कि भारतीयों को सेना में भर्ती के लिए प्रोत्साहित किया. इसी कारण उन्हें 'भर्ती वाला सार्जेन्ट' भी अभिहित किया जाता है.

25. (D)

26. (A) ग्वालियर के शासक विक्रमजीत ने रामतनु पाण्डेय को तानसेन की उपाधि दी. रामतनु पाण्डेय ही तानसेन का मूल नाम था.

27. (C) जहाँगीर के काल में हस्तलिखित ग्रंथों की विषयवस्तु को चित्रकारी के लिए प्रयोग की पद्धति को समाप्त करके उसके स्थान पर छवि चित्र (व्यक्ति चित्र) प्राकृतिक दृश्यों एवं व्यक्तियों के जीवन से सम्बन्धित चित्रण की परम्परा की शुरूआत की.

28. (D)

29. (C) अटल नवप्रवर्तन (इनोवेशन) मिशन तथा स्वरोजगार प्रतिभा उपयोग (SITU) को नीति आयोग में स्थापित किए जाने की अनुमति केन्द्रीय मन्त्रिमण्डल ने 24 फरवरी, 2019 को दी.

30. (A) जून अयनांत (June Solstice) वर्ष में एकमात्र ऐसा दिन है जब आर्कटिक सर्किल के भीतर के सभी स्थानों पर 24 घण्टे में कभी भी सूर्यास्त नहीं होता अर्थात् प्रकाश रहता है.

31. (D) जागीरदार वे मनसबदार होते थे जिन्हें नगद वेतन के बदले जमादायी (अनुमानित आय) के आधार पर कुछ राजस्व क्षेत्र दिए जाते थे, जिन्हें जागीर कहते थे. जागीरों में जागीरदार को केवल राजस्व निर्धारण एवं संग्रह का ही अधिकार होता था, जबकि प्रशासनिक अधिकार फौजदार में निहित होता था, जबकि जमींदार वे भूस्वामी थे जिन्हें कुछ ग्रामों में भूराजस्व वसूल करने का वंशानुगत अधिकार प्राप्त होता था. जागीरदारी और जमींदारी में प्रमुख अन्तर यह था कि जागीरदारी हस्तान्तरित होती रहती थी, जबकि जमींदारी एक पुश्तैनी हक होता था.

32. (B)

33. (C) वैश्विक प्रतिस्पर्द्धात्मक रिपोर्ट, विश्व आर्थिक मंच द्वारा प्रकाशित एक वार्षिक रिपोर्ट है. 2004 से वैश्विक प्रतिस्पर्द्धात्मक रिपोर्ट, वैश्विक प्रतिस्पर्द्धात्मक सूचकांक के आधार पर देशों की रैंगिक करती है, जिसे जेवियर साला-ए-मार्टिन और एल्सा वी. द्वारा विकसित किया गया था.

34. (A) 1813 के चार्टर एक्ट के द्वारा कम्पनी के भारतीय व्यापार के एकाधिकार को समाप्त कर दिया गया. यद्यपि उसके चीन तथा चाय के व्यापार पर एकाधिकार चलता रहा. इस एक्ट द्वारा प्रथम बार अंग्रेजों की भारत पर संवैधानिक स्थिति स्पष्ट की गई थी. 1813 के चार्टर के द्वारा नियन्त्रण बोर्ड की अधीक्षण तथा नियन्त्रण शक्ति को न केवल परिभाषित किया गया अपितु उसका विस्तार भी किया गया.

35. (C) बंगाल विभाजन के विरोध में चलाए गए स्वदेशी आन्दोलन के अन्तर्गत न केवल विदेशी वस्त्रों का बहिष्कार किया गया, बल्कि सम्पूर्ण विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार का निर्णय लिया गया. इस आन्दोलन की प्रमुख उपलब्धि आत्मनिर्भरता और आत्म-शक्ति थी. इस आन्दोलन ने देशी शिल्पकारों के कौशल तथा उद्योगों के उन्नयन एवं संवर्द्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. स्वदेशी आन्दोलन ने राष्ट्रीय शिक्षा के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. 15 अगस्त, 1906 के एक राष्ट्रीय शिक्षा परिषद् की स्थापना की गई.

36. (D) अखिल भारतीय अस्पृश्यता विरोधी लीग की स्थापना अक्टूबर 1932 में महात्मा गांधी द्वारा की गई थी. 1933 में इस संगठन का नाम बदलकर हरिजन सेवक संघ कर दिया गया था.

37. (C) सोहगौरा मौर्यकालीन स्थल है. यहाँ पर अशोक का अभिलेख मिला है, जिसमें आर्थिक एवं दुर्भिक्ष प्रबन्धन के साक्ष्य मिलते हैं.

38. (A) कंगनहल्ली मौर्यकालीन बौद्ध महास्तूप के लिए प्रसिद्ध है, जो कर्नाटक के चित्तापुर तालुका के गुलबर्ग जिले में स्थित है. यहाँ मिले एक मूर्तिशिल्प अभिलेख में अशोक के प्रस्तर रूपचित्र के साथ 'राण्नो अशोक (राजा अशोक)' उल्लिखित है.

39. (D)

40. (A) गुप्तकाल के प्रमुख कर थे–भाग, भोग, उद्रंग, उपरिकर, भूतावाप प्रत्याय, शुल्क, विष्टि आदि. 'विष्टि' वणिकों एवं शिल्पियों से राजकर के रूप में लगाया जाता था. इस कर के अन्तर्गत इसमें उन्हें बेगार (बिना पारिश्रमिक के श्रम) करना पड़ता था.

41. (A)

42. (A) एशियाई शेर (Asiatic Lion), शेर की एक प्रजाति है, जो केवल भारत में गुजरात राज्य में पाई जाती है. एशियाई शेरों की संख्या बहुत कम बची हुई है और इसे लुप्तप्राय प्रजाति की श्रेणी में रखा गया है.

43. (A) 44. (B)

45. (D) वैज्ञानिक भूमण्डलीय तापन (Global warming) को कम करने के लिए तीन तकनीकों का सुझाव देते हैं–(i) Strato-spheric Aerosol, Injection (SAI), (ii) Marine Sky Drightening (MSD), (iii) Cirrus Cloud Thinning (CCT).

46. (D)

47. (A) अगस्त्यमाला जीवमण्डल रिजर्व, वैश्विक जीवमंडल रिज़र्व की सूची में 2016 में सम्मिलित हुआ. यह रिज़र्व यूनेस्को के जीवमंडल रिज़र्व की सूची में भी सूचीबद्ध है. इसके अन्तर्गत नेय्यार, पेप्पारा), शेदुर्नै वन्य जीव अभयारण्य (सभी स्थान केरल में स्थित) तथा कलाकड़ मुंदन्थुराई बाघ रिज़र्व (तमिलनाडु) आदि हैं.

48. (D)

49. (C) इरावदी डॉल्फिन एक यूरी हैलाइन प्रजाति होती है, जो सागर तटों के निकट एश्चुरी और नदियों में पाई जाती है. इसका आवास बंगाल की खाड़ी एवं दक्षिण पूर्व एशिया है. इस प्रजाति का नाम म्यांमार की प्रमुख नदी ऐयारवाड़ी के नाम पर पड़ा, जहाँ यह बहुतायत में पाई जाती है.

50. (A) 51. (B)

52. (B) हाल ही में वैज्ञानिकों ने रहस्यमय प्राचीन-होमिनिन समूह के अब तक के सबसे बड़े जीवाश्म (जबड़े की हड्डी) का पता लगाया है. गौरतलब है कि इस प्राचीन-होमिनिन समूह को डेनिसोवन

(Denisovan) के नाम से जाना जाता है. होमिनिन मनुष्य सदृश्य जीवों के बड़े समूह या परिवार का हिस्सा होते हैं, जिन्हें होमेनिडस कहा जाता है. होमिनिडस में ओरांगुटान, गोरिल्ला, चिंपाजी और इंसान शामिल हैं.

53. (A)

54. (C) डिजिटल हस्ताक्षर एक गणितीय तकनीक है, जो संदेशों, सॉफ्टवेयर या डिजिटल दस्तावेजों की प्रमाणिकता को वैधता प्रदान करती है. डिजिटल हस्ताक्षर हाथ से लिखे हुए हस्ताक्षर या स्टाम्प सील के बराबर होता है, लेकिन यह डिजिटल संवाद में छेड़छाड़ और प्रतिरूपण की समस्या को हल करता है. साथ ही हस्ताक्षरकर्ता द्वारा सूचित सहमति स्वीकार करता है. भारत सहित कई देशों में हाथ से किए हस्ताक्षर जितना ही डिजिटल हस्ताक्षर का कानूनी महत्व है.

55. (D) परिधेय उपकरण ऐसे उपकरण होते हैं, जो मानव शरीर पर धारण किए जाते हैं. इस प्रकार के उपकरणों का प्रयोग उपयोगकर्ता के महत्वपूर्ण संकेतों, स्वास्थ्य तथा उसके बायोफीड-बैंक भावनाओं से सम्बन्धित आँकड़ों को ट्रैक करने में किया जाता है. ये उपकरण काफी छोटे होते हैं तथा इसमें शक्तिशाली सैंसर तकनीक का प्रयोग होता है, जो अपने आसपास के बारे में जानकारी एकत्र एवं वितरित करते हैं.

56. (A)

57. (B) ब्लैकहोल अन्तरिक्ष का एक हिस्सा है, जिसका गुरुत्वाकर्षण इतना अधिक होता है कि प्रकाश की किरणें भी वहाँ से बाहर नहीं निकल पातीं. इसलिए इसको ब्लैकहोल कहते हैं, इसको हम सीधे से नहीं देख पाते हैं. अप्रैल 2019 में वैज्ञानिकों ने ब्लैकहोलों के विलय का प्रेक्षण किया तथा इस प्रेक्षण द्वारा गुरुत्वीय तरंगों (Gravitational Waves) का पता लगाया. इसी प्रेक्षण के दौरान वैज्ञानिकों ने ब्लैकहोल्स की पहली तस्वीर जारी की. इस अवसर पर वैज्ञानिकों ने बताया कि ब्रह्माण्ड में मौजूद ब्लैकहोल्स में इतना मजबूत गुरुत्वाकर्षण होता है, जो तारों को भी निगल जाता है.

58. (A)

59. (A) Cas 9 एक प्रोटीन है, जो डीएनए (DNA) वायरस के खिलाफ कुछ बैक्टीरिया की प्रतिरक्षात्मक रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और इसका उपयोग आनुवंशिक इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों में बहुत अधिक किया जाता है. इसका मुख्य कार्य डीएनए में कटौती करना है और इसलिए यह कोशिका के जीनोम को बदल सकता है.

60. (B) हैपेटाइटिस B वैक्सीन का मुख्य कार्य व्यक्ति को यकृत (Liver) के प्राणघातक रोग हैपेटाइटिस B से बचाव करना है. इस वैक्सीन की पहली खुराक बच्चे को 24 घण्टे के अन्दर तथा अन्य दो खुराकें 2-3 महीने के अन्तर पर दी जाती हैं.

61. (D)

62. (A) क्रयशक्ति समता (Purchasing Power Parity–PPP) अन्तर्राष्ट्रीय विनिमय का एक सिद्धान्त है, जिसके अनुसार विभिन्न देशों में एकसमान वस्तुओं की कीमत समान रहती है. क्रयशक्ति समता सिद्धान्त की मुख्य विशेषताएं हैं–विनिमय दर का निर्धारण, विनिमय दरों में परिवर्तन, परिवर्तन की दशा और सीमा, दीर्घकालिक प्रवृत्ति के द्योतक के रूप में.

63. (A) विगत पाँच वर्षों में विभिन्न फसलों के अन्तर्गत सकल क्षेत्रफल (मिलियन हेक्टेयर) निम्नवत् प्रकार है–

फसल	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
धान	42·8	44·1	44·1	43·5	43·2
ज्वार	6·2	5·8	6·2	6·1	5·1
तिलहन	26·5	28·1	25·6	26·1	26·2
कपास	12·0	12·0	12·8	12·3	10·8
गन्ना	5·0	5·0	5·1	4·9	4·4

64. (D) विगत वर्षों में विभिन्न कृषि जिंसों का निर्यात (लाख रुपए) निम्नवत् रहा है–

जिंस	2014-15	2015-16	2016-17
मसाले	1489967	1623823	1766400
ताजे फल	496692	474630	530405
दालें	128163	146751	179512
वनस्पति तेल	6489000	6867700	7303900

65. (D) राजव्यवस्था के अन्तर्गत स्वतन्त्रता से तात्पर्य है–प्रत्येक व्यक्ति की स्वतन्त्रता एवं उन्हें समान अवसर प्रदान किया जाना. स्वतन्त्रता, समानता एवं बंधुता (Fraternity) जैसे मूल्यों का राजनीतिक व्यवस्था में समावेश फ्रेंच क्रान्ति (1789–1799) के दौरान किया गया.

66. (D) प्रसारणशील मौद्रिक नीति अर्थ-व्यवस्था में तेजी लाने के लिए अपनाई जाती है. इससे मुद्रा की आपूर्ति में वृद्धि होती है, ब्याज दरों में कमी आती है तथा कुल माँग में वृद्धि होती है. इससे रुपया कमजोर होता है.

67. (A) भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि सभी भुगतान प्रणाली दाता यह सुनिश्चित करेंगे कि उनके द्वारा परिचालित भुगतान प्रणालियों का सभी डाटा केवल भारत में ही सुरक्षित रखा जाए तथा इसकी ऑडिट रिपोर्ट वे भारतीय रिज़र्व बैंक को मुहैया कराएं.

68. (C) सामान्य डाटा संरक्षण विनिमय (GDPR), जो 25 मई, 2018 से प्रभावी हो गया है, पूरे यूरोप में संगत डाटा संरक्षण नियम बनाता है, यह उन सभी कम्पनियों पर लागू होता है, जो यूरोपीय संघ के लोगों के बारे में व्यक्तिगत डाटा को प्रोसेस करता है.

69. (B) 4-5 अक्टूबर, 2018 को रूसी राष्ट्रपति भारत यात्रा पर आए. इस दौरान दोनों देशों ने संयुक्त रूप से परमाणु क्षेत्र पहचान में सहयोग के क्षेत्रों को प्राथमिकता देने और उनके क्रियान्वयन के लिए कार्ययोजना पर हस्ताक्षर किए गए.

70. (B) जनता की बैंकिंग आदतों में वृद्धि होने से मुद्रा गुणक में वृद्धि होती है.

71. (B) सेवा क्षेत्र उपागम अग्रणी बैंक योजना में अपनाया गया जिसके अन्तर्गत ग्रामीण एवं अर्द्धशहरी क्षेत्रों में स्थित बैंक शाखाओं से 15-20 ग्राम सम्बद्ध कर दिए गए.

72. (D) खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 13 के अनुसार खनिजों–प्रमुख एवं गौण के विनियमन से सम्बन्धित परिनियम बनाने की शक्ति केन्द्र सरकार के पास है. इसी अधिनियम की धारा 15 के प्रावधानों के तहत् राज्य सरकार उत्खनन पट्टा, खनन पट्टा तथा अन्य खनिज रियायतें देने के लिए गौण खनिजों के लिए नियम बनाती है. बालू एक गौण खनिज है.

73. (D) दिसम्बर 2018 के अन्त में भारत पर बकाया कुल विदेशी ऋण 512·2 अरब डॉलर था, जिसमें से मात्र 104·5 अरब डॉलर (20·04%) ही सरकार पर ऋण था. कुल विदेशी ऋणों का मात्र 45·9% अमरीकी डॉलर में 24·8% भारतीय रुपए में, 5·1% एसडीआर में, 4·9% येन में तथा 3·1% यूरो में था.

74. (B) निक्षेप बैंकों के लिए देयताएं होती हैं, क्योंकि उन्हें निक्षेपकर्ताओं को पुनर्भुगतान करना पड़ता है.

75. (B) भारत में सूचना प्रौद्योगिकीजनित उत्पादों के निर्यातों तथा विदेशों में रह रहे भारतीयों द्वारा किए गए अन्तरणों से विदेशी विनिमय प्रवाह में वृद्धि होती है.

76. (C) बदले हुए सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य में केन्द्र और राज्यों के बीच मौजूद व्यवस्थाओं की कार्यप्रणाली की समीक्षा की दृष्टि से सरकार ने गृह मन्त्रालय की अधिसूचना सं. IV/11017/1/83-सीएसआर, दिनांक-9 जून, 1983 के तहत् न्यायमूर्ति आर.एस. सरकारिया की अध्यक्षता, श्री बी. शिवरमन और डॉ. एस.आर. सेन की सदस्यता में एक आयोग गठित किया था. सरकारिया आयोग ने राज्यपाल के सन्दर्भ में निम्न सिफारिशें की हैं–

- राज्यपाल के रूप में नियुक्त किए जाने वाले व्यक्ति को राज्य, जिसमें वह नियुक्त किया जाए, के बाहर का व्यक्ति होना चाहिए तथा उसे राज्य की राजनीति में रुचि नहीं रखना चाहिए. उसे ऐसा व्यक्ति होना चाहिए, जो सामान्य रूप से या विशेष रूप से नियुक्त किए जाने के पहले राजनीति में सक्रिय भाग न ले रहा हो.
- राज्यपाल का चयन करते समय अल्प-संख्यक वर्ग के व्यक्तियों को समुचित अवसर दिया जाना चाहिए.
- राज्यपाल के रूप में किसी व्यक्ति का चयन करते समय राज्य के मुख्यमंत्री

से प्रभावी सलाह लेने की प्रक्रिया को संविधान में शामिल किया जाना चाहिए.

- किसी ऐसे व्यक्ति को राज्य के राज्यपाल के रूप में नियुक्त नहीं किया जाना चाहिए, जोकि केन्द्र में सत्तारूढ़ दल का सदस्य हो, जिसमें शासन किसी अन्य दल के द्वारा चलाया जा रहा हो.
- यदि राजनीतिक कारणों से किसी राज्य की संवैधानिक व्यवस्था टूट रही हो, तो राज्यपाल को यह देखना चाहिए कि क्या उस राज्य में विधान सभा में बहुमत वाली सरकार का गठन हो सकता है.
- यदि नीति सम्बन्धी किसी प्रश्न पर राज्य की सरकार विधान सभा में पराजित हो जाती है, तो शीघ्र चुनाव कराए जा सकने की स्थिति में राज्यपाल को चुनाव तक पुराने मन्त्रि-मण्डल को कार्यकारी सरकार के रूप में कार्य करते रहने देना चाहिए.
- यदि राज्य सरकार विधान सभा में अपना बहुमत खो देती है, तो राज्यपाल को सबसे बड़े विरोधी दल को सरकार बनाने का आमंत्रण देना चाहिए और विधान सभा में बहुमत साबित करने का निर्देश देना चाहिए. यदि सबसे बड़ा दल सरकार गठित करने की स्थिति में न हो, तो राज्यपाल को राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने की सिफारिश करनी चाहिए.

77. (D) सहभागी नोट (Participatory Note) उन प्रपत्रों को कहते हैं, जिन्हें पंजीकृत विदेशी संस्थागत निवेशक, विदेशों में स्थित निवेशकों को देते हैं, ताकि वे सेबी (SEBI) में पंजीकृत हुए बिना भी भारतीय स्टॉक मार्केट में निवेश कर सकें. इन्हें पी-नोट्स (P-Notes) भी कहते हैं. इसका आरम्भ 1992 में किया गया था.

78. (A) क्षतिकरण वनीकरण कोष अधिनियम, 2016, देश में वर्ष 2016 में लागू हुआ. यह अधिनियम केन्द्रीय और राज्य दोनों स्तरों पर क्षतिपूरक वनीकरण कोष प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण (CAMPA) की स्थापना करने का प्रावधान करता है, ताकि गैर वन प्रयोजन के लिए दी गई वन भूमि के बदले में प्राप्त राशियों का त्वरित और पारदर्शी उपयोग सुनिश्चित हो सके. उस तरह के वन भूमि के मोड़ के प्रभाव को कम करने के लिए धन के उपयोग की उम्मीद है.

79. (A) 80. (A)

81. (C) वर्तमान में देश में 75 विशिष्टत: असुरक्षित जनजातीय समूह (PVTGs) कार्यरत् हैं, न कि 95.

82. (B) अनुच्छेद 142 के अन्तर्गत उच्चतम न्यायालय अपनी अधिकारिता का प्रयोग करते हुए ऐसे आदेश पारित कर सकेगा, जो उसके समक्ष लम्बित वाद या विषय में पूर्ण न्याय करने के लिए आवश्यक हो और इस प्रकार पारित डिक्री या किया गया आदेश भारत के राज्य क्षेत्र में सर्वत्र ऐसी रीति से, जो संसद द्वारा बनाई गई किसी विधि या उसके अधीन विहित की जाए और जब तक इस निमित्त इस प्रकार उपबन्ध नहीं किया जाता है तब तक ऐसी रीति से जो राष्ट्रपति द्वारा विहित करें, प्रवर्तनीय होगा.

83. (A) 84. (D)

85. (B) भारतीय वन अधिनियम, 1927 में 2018 में किए गए एक संशोधन से बाँस को पेड़ संवर्ग से बाहर कर दिया गया है. इस प्रकार अब बाँस अनुसूचित जनजातियाँ निवासी (वन अधिकारों का विनियमन) अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के तहत् लघु वनोत्पाद श्रेणी में आ गया है, जिन्हें संग्रहित करने, प्रसंस्कृत करने का अधिकार वनवासियों को है.

86. (B) उच्चतम न्यायालय ने अपने एक आदेश में कहा है कि अपनी पसन्द के व्यक्ति से विवाह करना संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन एवं स्वतन्त्रता का अधिकार) के अन्तर्गत समाहित है. यह व्यवस्था सुप्रीम कोर्ट ने केरल उच्च न्यायालय के मुस्लिम धर्म स्वीकार करने वाली हिन्दू लड़की हादिया एवं शैफीन जहाँ के स्वेच्छा से विवाह करने के बारे में दिए गए निर्णय को निरस्त करते हुई दी.

87. (C) 88. (C)

89. (C) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मन्त्रालय द्वारा 5 अप्रैल, 2016 को ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन नियम 2016 अधिसूचित किए गए. यह नए नियम वर्ष 2000 में अधिसूचित किए गए म्युनिसिपल ठोस अपशिष्ट (प्रबन्धन एवं निपटान) नियमों का स्थान लेंगे. ठोस कचरा प्रबन्धन (SWM) नियम, 2016 की कुछ मुख्य विशेषताएं निम्नलिखित हैं–

- ये नियम अब नगर निगम क्षेत्रों से बाहर भी लागू हो गए हैं. ये नियम अब शहर सम्बन्धी समूहों, जनगणना वाले कस्बों, अधिसूचित औद्योगिक टाउनशिप, भारतीय रेल के नियन्त्रण वाले क्षेत्रों, हवाई अड्डों, एयर बेस, बन्दरगाह, रक्षा प्रतिष्ठानों, विशेष आर्थिक क्षेत्र, केन्द्र एवं राज्य सरकारों के संगठनों, तीर्थस्थलों और धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व के स्थानों पर भी लागू माने जाएंगे.
- कोई भी व्यक्ति अपने द्वारा उत्पन्न ठोस कचरे को अपने परिसर के बाहर सड़कों, खुले सार्वजनिक स्थलों पर, या नाली में, या जलीय क्षेत्रों में न तो फेंकेगा, न जलाएगा अथवा दफनाएगा.
- ठोस कचरा उत्पन्न करने वालों को 'उपयोगकर्ता शुल्क' अदा करना होगा, जो कचरा एकत्र करने वालों को प्राप्त होगा.
- निर्माण और तोड़-फोड़ से उत्पन्न होने वाले ठोस कचरे को 'निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट प्रबन्धन नियम, 2016' के अनुसार संग्रहित करने के बाद निपटाया जाना चाहिए.

90. (C)

91. (A) एशियाई इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेन्ट बैंक अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्था है, जिसका उद्देश्य एशिया प्रशान्त क्षेत्र में बुनियादी ढाँचे के निर्माण का समर्थन करना है. वर्तमान में 70 देश इसके सदस्य हैं, जिसमें से 27 सदस्य एशियाई के बाहर के देश हैं. AIIB में चीन का मतदान प्रतिशत सर्वाधिक (28·7%) है, जबकि भारत इसका दूसरा सबसे बड़ा मतदान प्रतिशत (8·3%) वाला देश है.

92. (D) भारत के प्रमुख वाणिज्यिक बैंकों एवं वित्तीय संस्थाओं द्वारा अन्तर-ऋणदाता करार पर हस्ताक्षर ₹ 50 करोड़ से ₹ 500 करोड़ तक की दबावग्रस्त सम्पत्तियाँ, जो सह-संघ उधारी के अन्तर्गत है, के शीघ्र समाधान किए जाने से सम्बन्धित हैं.

93. (A) 94. (B) 95. (D)

96. (C) मातृत्व लाभ (संशोधन) अधिनियम, 2017 शिशु गृहों वाले प्रतिष्ठानों के लिए माता को प्रतिदिन कम-से-कम चार बार अनिवार्य रूप से शिशुगृह जाने की अनुमति प्रदान करता है.

97. (A)

98. (C) ई-वेस्ट (मैनेजमेंट एण्ड हैंडलिंग) अधिनियम, 2011, 1 मई, 2012 से लागू है. इस कानून को इलेक्ट्रॉनिक कचरे को बेहतर तरीके से प्रबन्धन करने के लिए लाया गया था. इसके तहत् इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन करने वाली कम्पनियों को अपने उत्पाद को खराब होने की स्थिति में स्वयं अपने पास लाने का प्रावधान बनाया गया. इस कार्य के लिए सभी कम्पनियों को अपने उपभोक्ताओं के पते और उनसे सम्पर्क बनाए रखना होगा, अर्थात् 'विस्तारित उत्पादक दायित्व' इस अधिनियम की महत्वपूर्ण विशेषता है.

99. (C) 100. (D)

●●●

UPKAR'S
Multi-Dimensional
REASONING
(VERBAL & NON-VERBAL)
Useful for Various Competitive Exams.
By : Dr. Lal, Mishra & Kumar
Code No. 1624 ₹ 360/-
UPKAR PRAKASHAN, AGRA-2
E-mail : care@upkar.in Website : www.upkar.in

केन्द्रीय विद्यालय संगठन स्नातकोत्तर शिक्षक परीक्षा, 2018 (23-12-2018) का हल प्रश्न-पत्र

(अनिवार्य प्रश्न-पत्र)

भाग–I

(1) सामान्य अंग्रेजी

1. Choose the description that best captures the meaning of the word INCORRIGIBLE :
   (A) having bad habits that cannot be changed or improved
   (B) showing extreme resistance to certain types of food
   (C) having resilience and tenacity not usually found in others
   (D) displaying signs of fatigue and infection in the body

2. Choose the word/phrase that gives the best meaning of the word Printed in bold in this sentence :
   Your findings are original but you haven't familiarized yourself with the **nomenclature** of the specimens.
   (A) system of naming things
   (B) system of classifying things
   (C) uses of
   (D) value of

3. Improve the bold printed phrase in the following sentence with the help of given options :
   Applications for this position should be filed be filed by **next Saturday latest**.
   (A) next Saturday latest
   (B) latest next Saturday
   (C) latest by Saturday next
   (D) next Saturday at the latest

4. Choose the one meaning which best expresses the idiom, **Hobson's choice**.
   (A) a choice which is a win-win situation for parties involved in unlike business
   (B) a situation in which you have no choice because if you don't accept what is given, you get nothing at all
   (C) a situation in which you have all choice but if you accept the choice you forfeit the right to choice again
   (D) a choice where your fortunes have already been decided before your exercise the choice

5. Improve the blod printed phrase in the following sentence with the help of given options :
   Raju seemed to be living **at some remove** from reality.
   (A) at certain remove
   (B) from some remove
   (C) in a remove
   (D) at one remove

6. Identify the part of the following sentence that has/may have an error.
   Roses grow / with abundance
   (A) (B)
   against this / old wall / in this season.
   (C) (D)

7. Choose the word most nearly OPPOSITE in meaning to the given word :
   DILATE
   (A) shrink (B) abduct
   (C) contract (D) expand

8. Complete the following sentences by using the correct form of the verb. Use the options given below :
   She was too nervous to speak before such a large audience and _____ .
   (A) had to be prompted
   (B) was prompted
   (C) will be prompted
   (D) has to be prompted

9. Complete the following sentence by using the correct form of the verb. Use the option given below
   I didn't bring my wallet. Since you invited me to lunch I guessed you _____ .
   (A) might given some money
   (B) had given some money
   (C) will have some money on you
   (D) might have had some money on you

10. Choose the right description that best captures the meaning of the word, MARGINALIA—
    (A) marked with pencil and drawn on the roofs of public buildings
    (B) members of a group who do not actually fight but observe combat from outside
    (C) notes written in the margins of a book or documents you have read
    (D) people who have had an experience of border countries and territories

भाग–I

(2) सामान्य हिन्दी

11. 'कबीर' का सम्बन्ध किस काव्य धारा से है ?
    (A) कृष्ण भक्तिधारा
    (B) ज्ञानमार्गी निर्गुण भक्तिधारा
    (C) राम भक्तिधारा
    (D) प्रेममार्गी सूफी काव्यधारा

12. अनेकार्थक शब्द के रूप में 'गुरु' का कौनसा अर्थ अनुपयुक्त है ?
    (A) भारी
    (B) शिक्षक
    (C) एक नक्षत्र
    (D) पचाने में कठिन

13. "टॉस युवा भारतीय टीम ने जीता और बल्लेबाजी प्रारम्भ की".
    उपर्युक्त वाक्य के 'उद्देश्य' को किस विकल्प में सही प्रदर्शित किया गया है ?
    (A) भारतीय टीम ने
    (B) युवा भारतीय टीम ने
    (C) बल्लेबाजी
    (D) टॉस

14. "_____ के कारण मैं रस्सी को साँप समझ बैठा."
    रिक्त स्थान के लिए उपयुक्त शब्द होगा–

(A) जिज्ञासा (B) भय
(C) भ्रम (D) सन्देह

15. जब अर्थ का ग्रहण अभिधा से न हो, किन्तु उससे सम्बद्ध हो तो अर्थग्रहण कराने वाली शब्द-शक्ति को कहेंगे–
(A) लक्षणा (B) ध्वनि
(C) अभिधा मूला (D) व्यंजना

16. अर्थ व्यक्त करने वाली सबसे छोटी इकाई है–
(A) वर्ण (B) शब्द
(C) वाक्य (D) ध्वनि

17. "_____ हो क्या ? किसी बात पर तो दृढ़ रहो."
रिक्त स्थान के लिए उपयुक्त मुहावरा होगा–
(A) पत्थर की लकीर
(B) सोने पे सुहागा
(C) बेपेंदी का लोटा
(D) मोटी अक्ल का

18. 'स्नेह' का शाब्दिक अर्थ नहीं है–
(A) तेल (B) चिकनाई
(C) गोद (D) प्रेम

19. रामधारी सिंह 'दिनकर' की प्रसिद्ध रचना का नाम है–
(A) कामायनी (B) उर्वशी
(C) यशोधरा (D) चिदंबरा

20. दूर से फेंककर चलाया जाने वाले हथियार कहलाता है–
(A) शस्त्र (B) आयुध
(C) तलवार (D) अस्त्र

भाग–II
(1) सामान्य ज्ञान व समसामयिक घटनाएं

21. हड़प्पीय लिपि के विषय में निम्नलिखित में से एक सही है–
(A) यह चित्रलेख लिपि है
(B) यह रोमन लिपि से तुलनीय है
(C) देवनागरी की भाँति यह बाएं से दाहिनी ओर लिखी गई है
(D) यह वर्णमालात्मक लिपि है

22. संविधान सभा के उद्देश्यों का उल्लेख करने वाले उद्देश्य प्रस्तावना (ऑब्जेक्टिव्स रिजॉल्यूशन) किसने पेश किया ?
(A) जवाहरलाल नेहरू
(B) बी. आर. अम्बेडकर
(C) राजेन्द्र प्रसाद
(D) बी. एन. राव

23. पेरेस्त्रोइका की आर्थिक तथा राजनीतिक सुधार नीतियों का आरम्भ निम्नलिखित में से किस राजनीतिक नेता के साथ जुड़ा है ?
(A) व्लादीमिर पुतिन
(B) निकिता ख्रुश्चेव
(C) मिखाइल गोर्बाचेव
(D) बोरिस येल्त्सिन

24. किन आबादियों की अन्योन्यक्रियाओं में दोनों ही प्रजातियों को लाभ होता है ?
(A) कॉमेन्सलिज्म (B) अमेन्सलिज्म
(C) म्यूचुअलिज्म (D) कॉम्पिटीशन

25. 'ब्राउन एजेंडा' के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन **सत्य नहीं** है ?
(A) 'ब्राउन एजेंडा' का सम्बन्ध प्रदूषण, कचरा-निष्पादन, शुद्ध पेयजल प्रबन्धन और आवास उपलब्धता जैसी समस्याओं से है
(B) 'ब्राउन एजेंडा' अन्तः पीढ़ियों की समानता को महत्व देता है
(C) 'ब्राउन एजेंडा' शहरी गरीबों की स्थानीय समस्याओं और वंचितों से जुड़ा है
(D) 'ब्राउन एजेंडा' का सम्बन्ध शहरी और औद्योगिक क्षेत्रों की पर्यावरण समस्या से है.

26. 2018 के एशियाई खेलों में बैडमिंटन का रजत पदक निम्नलिखित में से किसने जीता ?
(A) ताइपीस ताइ जूयिंग
(B) साइना नेहवाल
(C) सैयद मोदी
(D) पी. वी. सिंधू

27. निम्नलिखित में से किस स्थान पर हाल ही में विश्व के सबसे बड़े सोलर पार्क का उद्घाटन किया गया है ?
(A) मुम्बई (B) कर्नाटक
(C) चेन्नई (D) दिल्ली

28. निम्नलिखित में से किसने हाल में प्रतिष्ठित सम्मान 'मैन बुकर प्राइज' की 50वीं जयंती के उपलक्ष्य में 'विशिष्ट गोल्डन मैन बुकर प्राइज' जीता ?
(A) सलमान रुश्दी
(B) मीशेल ओन्डजी
(C) किरन देसाई
(D) वी. एस. नायपॉल

29. धारणीय (सस्टेनेबल) विकास लक्ष्य कबसे प्रभाव में आए ?
(A) जुलाई 2015
(B) जनवरी 2016
(C) जुलाई 2016
(D) जनवरी 2015

30. निम्नलिखित में से कौनसा बस्ती पैटर्न समतल उपजाऊ कृषि-क्षेत्र के रूप में विकसित हो सकता है ?
(A) ताराकृति (B) रेखाकार
(C) वृत्ताकार (D) आयताकार

भाग–II
(2) तार्किक योग्यता

31. एक व्यक्ति पश्चिम की ओर मुँह करके खड़ा है. वह घड़ी की दिशा में 135° मुड़ता है तदनन्तर घड़ी की विपरीत दिशा में 180° मुड़ता है. फिर वह घड़ी की दिशा में 45° मुड़ता है. उसकी अन्तिम दिशा क्या है ?
(A) पश्चिम (B) दक्षिण-पश्चिम
(C) दक्षिण (D) उत्तर-पश्चिम

32. नीचे दिए गए विकल्प से सही चित्र को चुनते हुए निम्नलिखित आव्यूह को पूरा कीजिए–

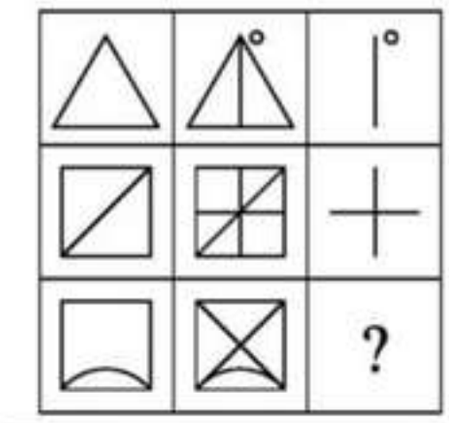

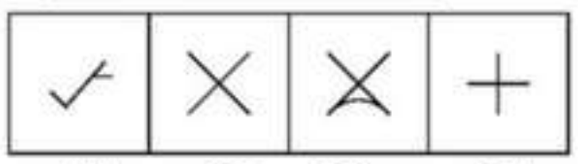

(A) (B) (C) (D)

33. दिए गए चित्र में निहित किसी भी आकार वाले आयतों की संख्या बताइए तथा दिए गए विकल्प से सही उत्तर को चुनिए.

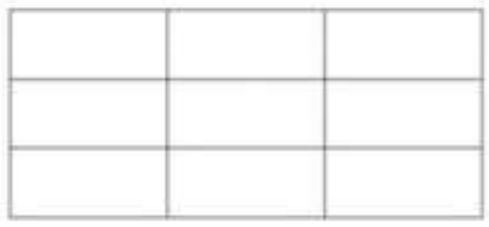

(A) 27 (B) 36
(C) 48 (D) 21

34. विषम को चुनिए–
तिपहिया, त्रिशूल, छोटी-सी बात, तिरंगा
(A) त्रिशूल (B) तिपहिया
(C) तिरंगा (D) छोटी-सी बात

35. निम्नलिखित में से सही विकल्प को चुनिए जो संख्या श्रेणी को पूरा करता हो–
7, 14, 42, 168, ___?___
(A) 1008 (B) 840
(C) 504 (D) 672

36. किसी परिवार में छह सदस्य हैं, जिनमें से तीन पुरुष X, Y तथा Z तथा तीन स्त्रियाँ A, B तथा C हैं. इस परिवार में एक वास्तुकार, एक वकील, एक प्रोफेसर, एक चार्टर्ड एकाउण्टेंट, एक डॉक्टर तथा एक इंजीनियर हैं. परिवार का वर्णन इस प्रकार है–

- इसमें दो विवाहित दम्पत्ति और दो अविवाहित व्यक्ति हैं ?
- डॉक्टर का विवाह वकील से हुआ है.
- X का विवाह चार्टर्ड एकाउंटेंट से हुआ है.
- A का पिता प्रोफेसर है.
- वकील, C की पुत्रवधू है.
- Z, A का पति नहीं है.
- Y, X का पुत्र नहीं है. वह वास्तुकार तथा प्रोफेसर भी नहीं है.

वास्तुकार कौन है ?

(A) B (B) X
(C) Z (D) A

37. बच्चों की किसी पंक्ति में भावना बाएं से नौवें स्थान पर तथा आशु दाएं से तेरहवें स्थान पर है. वे अपना स्थान बदल लेते हैं, तब भावना का स्थान बाएं से सत्रहवां हो जाता है. अब इस पंक्ति के दाहिनी छोर से आशु का नया स्थान क्या है ?
(A) 21वाँ (B) 22वाँ
(C) 23वाँ (D) 20वाँ

38. यदि SUPREME को DLDSRTO, के रूप में कूटबद्ध किया जाए, तो BROUGHT को किस रूप में कूटबद्ध किया जा सकता है ?
(A) SGFVQAN
(B) SGFVAQN
(C) SGFNVAQ
(D) SGFNQNA

39. उस सही विकल्प का चयन कीजिए जो तीसरे पद से उसी प्रकार सम्बन्धित है, जिस प्रकार दूसरा पद पहले पद से सम्बन्धित है.
NQSW : MPRV : : CFHL : ?
(A) EBGM (B) BFJN
(C) BEGK (D) DEGJ

40. किसी तख्त पर पाँच मित्र A, B, C, D और E इस प्रकार बैठे हैं कि–
(a) C, A के निकटतम बाएं बैठा है
(b) B, A और D के दाएं बैठा है
(c) E, C तथा A के बाएं बैठा है
बीच में कौन बैठा है ?
(A) B (B) C
(C) D (D) A

भाग–II
(3) कम्प्यूटर साक्षरता

41. पीडीएफ फाइल में ..... तथा ..... 'की' दबाने से शब्द खोजने के लिए डायलॉग बॉक्स खुलेगा.
(A) Alt, S (B) Ctrl, F
(C) Ctrl, S (D) Alt, F

42. निम्नलिखित में से कौनसा प्रिंटर का प्रकार नहीं है ?
(A) इंकजेट (B) 3-डी
(C) लैंडस्केप (D) लेजरजेट

43. इंटरनेट कनेक्शन की गति ..... में मापी जाती है.
(A) GHz (B) dpi
(C) ppm (D) Gbps

44. सर्वोत्तम विकल्प चुनिए–
किसी एंटीवायरस प्रोग्राम का डिजाइन क्या करने के लिए किया जाता है ?
(A) डिवाइस की पहचान करने तथा कंप्यूटर वायरस को हटाने
(B) डिवाइस को स्कैन करने तथा कंप्यूटर वायरस की पहचान करने
(C) डिवाइस को स्कैन करने तथा कंप्यूटर वायरस की पहचान व उसे हटाने
(D) डिवाइस को स्कैन करने तथा कंप्यूटर वायरस को हटाने

45. मानक कीबोर्ड पर कीज की सबसे ऊपर वाली पंक्ति में ..... कीज होती है तथा कीबोर्ड पर सबसे लम्बी 'की' ..... है.
(A) एल्फाबेटिक, स्पेस बार
(B) नंबर, एंटर 'की'
(C) फंक्शन, एंटर 'की'
(D) फंक्शन, स्पेस बार

46. एफ.ए.क्यू. का अर्थ है–
(A) फ्रीक्वेंटली आस्क्ड क्वेश्चंस
(B) फेवरिट आस्क्ड क्वेश्चंस
(C) फेवरिट एंड आनसर्ड क्वेश्चंस
(D) फ्रीक्वेंटली आनसर्ड क्वेश्चंस

47. ..... फील्ड में ई-मेल एड्रेस सभी प्राप्तकर्ताओं को प्रदर्शित होते हैं. ..... फील्ड में ई-मेल एड्रेस केवल प्राप्तकर्ता को प्रदर्शित होते हैं.
(A) Cc तथा Bcc, To
(B) To तथा Bcc, Cc
(C) To तथा Cc, Bcc
(D) Bcc, To

48. निम्नलिखित में से कौनसी क्रिया से विंडोज डेस्कटॉप की फाइल डिलीट नहीं होगी?
(A) सिलेक्ट फाइल → राइट क्लिक → डिलीट
(B) सिलेक्ट फाइल → Del 'की' दबाएं
(C) फाइल पर डबल क्लिक करे, डिलीट 'की' दबाएं
(D) ड्रेग तथा रीसाइकिल बिन में ड्रॉप

49. ..... एक्सटेंशन वाली फाइलों में ..... स्टोर होता है तथा ..... एक्सटेंशन वाली फाइलों में ..... स्टोर होता है.
(A) bmp, ध्वनि, mp3, चित्र
(B) bmp, चित्र, mp3, ध्वनि
(C) jpeg, चित्र, ध्वनि, mp3
(D) bmp, ध्वनि, mp3, गाना

50. सूचना प्रदान करने वाले कम्प्यूटर ..... कहलाते हैं तथा सूचना माँगने वाले कम्प्यूटर ..... कहलाते हैं.
(A) सर्वर, क्लाइंट
(B) क्लाइंट, सर्वर
(C) एप्लीकेशन, कॉम्प्लेक्स सॉफ्टवेयर
(D) सिस्टम सॉफ्टवेयर, एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर

भाग–II
(4) शिक्षाशास्त्र

51. मंद-बुद्धि बालकों के सम्बन्ध में इनमें से कौनसा कथन सही नहीं है?
(A) उनमें सामान्यीकरण की योग्यता का अभाव होता है
(B) उन्हें अमूर्तीकरण में कठिनाई आती है
(C) उनकी संप्रेषण योग्यता खराब होती है
(D) वे कारण-प्रभाव सम्बन्ध को समझ सकते हैं

52. विशेष आवश्यकता वाले बालकों के लिए 'प्लस' पाठ्यक्रम का क्या अर्थ है?
(A) विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए अतिरिक्त पाठ्यक्रम
(B) ऐसे कौशल क्षेत्रों पर आधारित पाठ्यक्रम जो विशेष आवश्यकता वाले बालकों की विशेष कठिनाइयों के प्रति विशिष्ट हों
(C) विशेष आवश्यकता वाले बालकों के लिए एक रूपान्तरित पाठ्यक्रम
(D) विशेष आवश्यकता वाले बालकों के लिए पाठ अथवा शैक्षिक विषय-वस्तु

53. निम्नलिखित में से कौनसी योजना सबसे कम शिक्षार्थी केन्द्रित है?
(A) अनुदेशात्मक योजना
(B) इकाई योजना
(C) पाठ योजना
(D) क्रिया योजना

54. दूरसंचार और मीडिया उद्योग में सेवाओं, विषय-वस्तु, पेशकश और संचार के माध्यमों को एक मुख्य प्रौद्योगिकी के अन्तर्गत लाने की प्रक्रिया को क्या कहते हैं ?
(A) मल्टी-मीडिया
(B) ऑन-लाइन कम्यूनिकेशन
(C) अभिसारिता
(D) इंटीग्रेटिड मीडिया

55. निःशक्तता के सामाजिक मॉडल के अनुरूप कथन को पहचानिए–
(a) क्षति को चिकित्सा या अन्य उपचारों से ठीक किया जाना चाहिए
(b) निःशक्तता समाज के व्यवस्थित होने के तरीके से उत्पन्न होती है
(c) क्षति ध्यान केन्द्रित होती है
(d) बच्चे अपने आप में ही महत्वपूर्ण होते हैं
(A) (b) और (d)
(B) (a) और (c)
(C) (a) और (d)
(D) (b), (c) और (d)

56. पाठ्यक्रम के विकास की संकल्पना में क्या शामिल नहीं हैं?
(A) अन्तर्राष्ट्रीय विचार
(B) परिवार की आकांक्षाएँ
(C) सामाजिक लक्ष्य
(D) राष्ट्रीय लक्ष्य

57. निम्नलिखित में से क्या उपलब्धि परीक्षा का उद्देश्य नहीं है?
(A) यह जानना कि छात्रों ने क्या सीखा है
(B) यह जानना कि छात्र किन क्षेत्रों में कमजोर है
(C) छात्रों को तेज, कमजोर और औसत वर्ग में बाँटना
(D) शैक्षिक लक्ष्यों की प्राप्ति का पता लगाना

58. एक बहुस्थलीय अध्यापक वह होता है जो–
(A) विभिन्न समावेशी/एकीकृत विद्यालयों में विशेष सेवाएं देने के लिए योग्यता प्राप्त हो
(B) अनेक पाठ्यक्रम सम्बन्धी क्षेत्रों में निपुण हो
(C) एक विशेष समावेशी विद्यालय के लिए नियुक्त एक विशेष अध्यापक
(D) अस्थायी या तदर्थ आधार पर नियुक्त एक विशेष अध्यापक

59. 'ग्रेपवाइन सम्प्रेषण' पद का अर्थ है–
(A) औपचारिक सम्प्रेषण
(B) अनौपचारिक सम्प्रेषण
(C) विज्ञापन और प्रचार
(D) चयनित अवबोध

60. अच्छी परीक्षा में क्या नहीं होना चाहिए?
(A) व्यक्तिपरकता (B) वस्तुनिष्ठता
(C) विश्वसनीयता (D) विधिमान्यता

61. पाठयोजना का क्लासिक प्रारूप है–
(A) हरबर्ट सोपान
(B) हिला टाबा सोपान
(C) हिलगार्डियन सोपान
(D) हाबर का सोपान

62. एक विज्ञान के शिक्षक ने शैक्षणिक सत्र के आरम्भ में एक ग्रामीण विद्यालय में कार्यभार संभाला. उन्हें निम्नलिखित में से कौनसे परीक्षण का प्रयोग करना चाहिए?
(A) परिस्थितिगत परीक्षण
(B) नैदानिक परीक्षण
(C) उपलब्धि परीक्षण
(D) इन बॉस्केट परीक्षण

63. यह सुझाव दिया जाता है कि एक अध्यापक निम्नलिखित ..... C और ..... S द्वारा अपने सम्प्रेषण में सुधार कर सकता है. निम्नलिखित विकल्पों में से कौनसा विकल्प सही है?
(A) छह C और तीन S
(B) आठ C और चार S
(C) सात C और चार S
(D) सात C और तीन S

64. अनुपूरक शिक्षण सामग्री का उद्देश्य है–
(A) कम महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सामग्री उपलब्ध कराना
(B) शिक्षार्थी की पुस्तक पढ़ने को रुचि को बढ़ाना
(C) शिक्षार्थी की अनेक विषयों में रुचि को और बढ़ाना
(D) अध्यापक द्वारा कवर न किए गए क्षेत्रों में सामग्री उपलब्ध कराना

65. भौतिकी का प्रयोग करने के लिए एक विज्ञान प्रयोगशाला में अनिवार्य रूप से क्या होना चाहिए ?
(A) गैस कनेक्शन
(B) जल-निकासी प्रणाली
(C) प्राकृतिक रोशनी और संवातन की उपलब्धता
(D) प्रदर्शन मेज

66. एक बालक जो 'dog' को 'god' या 'bat' को 'tab' पढ़ता है, निम्नलिखित में से किस प्रकार की निःशक्तता से पीड़ित है?
(A) गति-समन्वय वैकल्य (डिसप्रैक्सिया)
(B) वाचन-वैकल्य (डिसलेक्सिया)
(C) लेखन-वैकल्य (डिसग्राफिया)
(D) भाषा-वैकल्य (डिसफेशिया)

67. निम्नलिखित में से कौनसी सम्प्रेषण की चारित्रिक विशेषताएं हैं ?
1. इसमें विचारों, तथ्यों तथा राय का आदान-प्रदान शामिल है.
2. यह एक सतत प्रक्रिया है.
3. यह शाब्दिक और गैर-शाब्दिक, दोनों प्रकार का होता है.
4. यह प्रकृति में समकालिक होता है.
(A) 1, 2 और 4 (B) 2, 3 और 4
(C) 1, 3 और 4 (D) 1, 2 और 3

68. एक अच्छी शिक्षण सहायक सामग्री की अनिवार्य विशेषता क्या है?
(A) कम लागत
(B) लोकप्रिय
(C) अधिकतम ज्ञानेन्द्रियों की भागीदारी
(D) संभालने में आसान

69. पाठ्यक्रम बनाने में, कक्षा स्तर के अनुसार विषय-वस्तु को विभाजित करने का काम किसके अन्तर्गत आता है ?
(A) विषय-वस्तु का चुनाव
(B) विषय-वस्तु का श्रेणीकरण
(C) विषय-वस्तु का व्यवस्थापन
(D) विषय-वस्तु का वर्गीकरण

70. श्रवण बाधित (बधिर) बालक प्रदर्शित करता है–
(A) भाषा के द्वारा संप्रेषण में बाधा
(B) घूमने-फिरने में बाधा
(C) व्यक्ति की स्वयं की देखभाल करने सम्बन्धी कौशलों में बाधा
(D) स्पर्शनीय कौशलों में बाधा

उत्तर व्याख्या सहित

1. (A) 2. (A) 3. (D) 4. (B) 5. (D)
6. (B) within
7. (C) 8. (A) 9. (C) 10. (C)
11. (B) कबीर का सम्बन्ध ज्ञानमार्गी निर्गुण भक्ति धारा से है.
12. (D) गुरु का अर्थ पचाने में कठिन नहीं है.
13. (B) युवा भारतीय टीम ने – वाक्य का उद्देश्य है.
14. (C) भ्रम के कारण मैं रस्सी को साँप समझ लेना.
15. (A) जब अर्थ का ग्रहण अभिधा से नहीं होता, तब उससे ही सम्बन्धित एक अन्य अर्थ का ग्रहण लक्षणा शब्द शक्ति से होता है.
16. (B) अर्थ व्यक्त करने वाली सबसे छोटी इकाई शब्द है.
17. (C) बेपेंदी का लोटा हो क्या ? किसी बात पर तो दृढ़ रहो.
18. (C) स्नेह का शाब्दिक अर्थ क्यों नहीं है. तेल, चिकनाई एवं प्रेम तीनों स्नेह के अर्थ हैं.
19. (B) दिनकर की रचना का नाम उर्वशी है.
20. (D) दूर से फेंक कर चलाया जाने वाला हथियार–अस्त्र कहा जाता है.
21. (A)
22. (A) **संविधान सभा का उल्लेख करने उद्देश्य प्रस्तावना** 13 दिसम्बर, 1946 को जवाहर लाल नेहरू ने पेश की थी.
23. (C) पेरेस्त्रोइका की आर्थिक एवं राजनीतिक सुधार नीतियों का आरम्भ मिखाइल गोर्बाचेव के समय में हुआ था.
24. (C) अन्योन्य क्रियाओं में दोनों प्रजातियों के लाभ को म्यूचुअलिज्म कहते हैं.
25. (A) 26. (D)

27. (B) कर्नाटक राज्य के तुमकुर जिले में विश्व के सबसे बड़े सोलर पार्क का उद्घाटन कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया द्वारा किया गया है.

28. (B) मैन बुकर प्राइज की 50वीं जयंती के उपलक्ष्य में विशिष्ट गोल्डन मैन बुकर प्राइज मीशेल ओन्डजी ने जीता था.

29. (B) 30. (B)

31. (A)

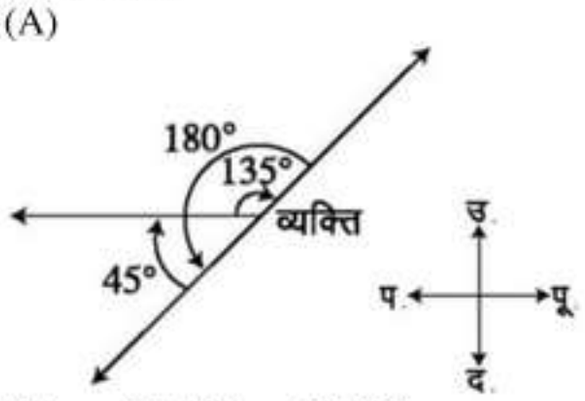

32. (B) 33. (B) 34. (D)

35. (B)

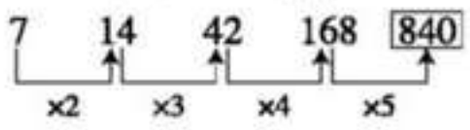

36. (D)

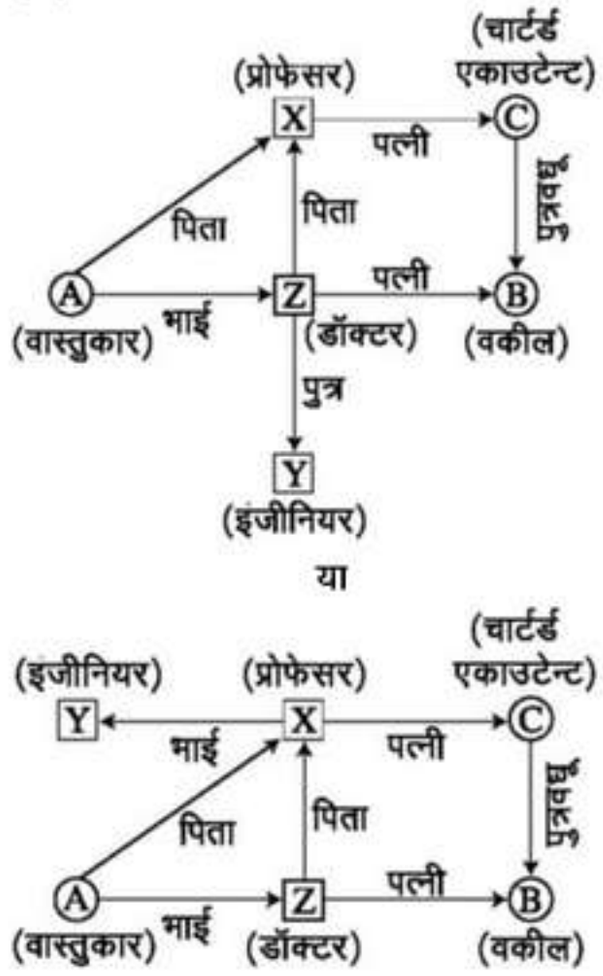

37. (A) पंक्ति में कुल बच्चों की संख्या
$= 13 + 17 - 1 = 29$
दाहिनी छोर से आशु का नया स्थान
$= 29 - 9 + 1 = 21$वाँ

38. (B) जिस प्रकार,

उसी प्रकार,

39. (C)

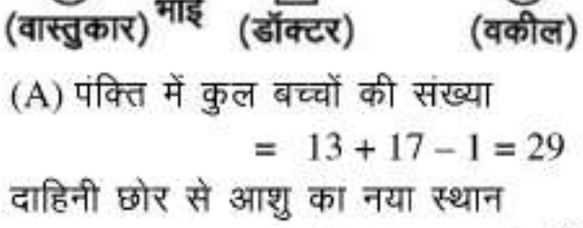

40. (*) **E C A D B**
या
E D C A B
या
D E C A B
A या C बीच में बैठा है.

41. (B) 42. (C)

43. (D) इंटरनेट कनेक्शन की गति Gbps में मापी जाती है.

44. (C) 45. (C) 46. (D) 47. (C)

48. (C) 49. (B) 50. (A) 51. (D)

52. (B) पाठ्यक्रम वह साधन है, जिसके द्वारा हम बच्चों को शिक्षा के उद्देश्यों की प्राप्ति के योग्य बनाने की आशा करते हैं.

53. (A)

54. (D) दूरसंचार और मीडिया उद्योग में सेवाओं, विषय-वस्तु और संचार के माध्यमों को एक मुख्य प्रौद्योगिकी के अन्तर्गत लाने की प्रक्रिया को इंटीग्रेटेड मीडिया कहते हैं.

55. (D) 56. (B) 57. (C) 58. (A)

59. (B)

60. (A) व्यक्तिपरकता चेतना, वास्तविकता और सत्य के बोध से सम्बन्धित वह दार्शनिक अवधारणा है, जिसमें किसी व्यक्ति या अन्य बोध करने वाले जीव को वास्तविकता, वैसी प्रतीत होती है, जैसे उसके अपने स्वयं के गुणों द्वारा प्रभावित हो.

61. (A) 62. (A) 63. (C)

64. (C) अनुपूरक शिक्षण सामग्री का उद्देश्य है कि शिक्षार्थी की अनेक विषयों में रुचि को और कैसे बढ़ाया जाए.

65. (D) 66. (B) 67. (C)

68. (C) सीखने की क्रिया में सहायक देखने और सुनने के साधन को शिक्षण सहायक सामग्री कहा जाता है. इसके लिए कई प्रकार की शिक्षण विधियों का उपयोग किया जाता है.

69. (B) 70. (D) ●●●

शेष पृष्ठ 90 का

अधिक है. यूरोपीय अन्तरिक्ष एजेंसी भी यह काम करती है, ये दोनों एजेंसी लगातार अन्तरिक्ष में जोखिम का मूल्यांकन करते हैं और यदि आवश्यक हुआ तो जमीन पर मौजूद कंट्रोल स्टेशन उचित कार्यवाही भी करते हैं, हर दिन आईएसएस के परिक्रमा-पथ (ट्रेजेक्ट्री) की कम-से-कम तीन बार जाँच की जाती है. यदि कोई वस्तु आईएसएस के आसपास 25 किमी × 25 किमी × 4 किमी (ऊँचाई) के आकार के एक अन्तरिक्ष बॉक्स के दायरे में आ जाता है, तो इसे सम्भावित खतरा माना जाता है. इसके बाद टकराव की सम्भावना की गणना की जाती है और यदि जरूरी हुआ तो आईएसएस को उसके परिक्रमा-पथ से दूर कर दिया जाता है. इस तरह के नेविगेशन को मलबे से बचाव युद्धाभ्यास या डैम कहा जाता है. 1999 के बाद से आईएसएस 25 बार डैम से गुजर चुका है. आखिरी बार ऐसा 2015 में किया गया था.

हाल ही में किए गए परीक्षण से उत्पन्न मलबे कभी भी दूसरों के लिए खतरे नहीं बन सकते. चूँकि परीक्षण पृथ्वी की सतह से लगभग 300 किमी की दूरी पर पृथ्वी की निचली कक्षा में किया गया था, इसलिए मलबा हफ्तों में धरती पर वापस गिर जाएगा. लगभग 300 किमी की दूरी पर पृथ्वी की निचली कक्षा में वायुमण्डल और गुरुत्वाकर्षण दोनों ही काफी कमजोर होते हैं. इसलिए धरती पर इसका कोई असर नहीं होगा. भारतीय उपग्रह के टुकड़ों के वायुमण्डल के घर्षण की वजह से रफ्तार खत्म होने की उम्मीद है और फिर गुरुत्वाकर्षण के कारण पृथ्वी की ओर गिरेंगे, और हवा के घर्षण के कारण जल जाएंगे. ●●●

शेष पृष्ठ 114 का

107. (C)

108. (B) निम्न नदियों का जल ग्रहण क्षेत्र इस प्रकार है–
सोन नदी → 71,259 वर्ग किमी
महानन्दा → 20,600 वर्ग किमी
रामगंगा → 30,641 वर्ग किमी
गंडक → 46,300 वर्ग किमी

109. (A) वर्ष 2018 का रेमन मैग्सेसे पुरस्कार भारत के सोनम वांगचुक एवं भरत वटवानी को प्रदान किया गया. सोनम वांगचुक एक समाजसेवी हैं तथा भरत वटवानी पेशे से एक मनोचिकित्सक हैं.

110. (C)

111. (A) दाराशिकोह (1615-1659) मुमताज महल और शाहजहाँ का ज्येष्ठ पुत्र तथा औरंगजेब का बड़ा भाई था. इसकी कब्र दिल्ली के हुमायूँ के मकबरे में स्थित है.

112. (C) आँचल ठाकुर स्कीइंग में अंतर्राष्ट्रीय पदक हासिल करने वाली भारतीय बन गई हैं. अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्कीइंग में भारत का यह पहला पदक है.

113. (B)114. (A)

115. (B) नागालैण्ड – 1962
झारखण्ड – 2000
तेलंगाना – 2014
सिक्किम – 1975

116. (A) 1813 ई. के चार्टर अधिनियम के अनुसार ईस्ट इण्डिया कम्पनी के भारत के साथ व्यापार करने के एकाधिकार को छीन लिया गया किन्तु उसे चीन के साथ व्यापार एवं पूर्वी देशों के साथ चाय के साथ व्यापार एवं पूर्वी देशों के साथ चाय के व्यापार के सम्बन्ध में 20 वर्षों के लिए एकाधिकार प्राप्त रहा.

117. (A) मंगोलिया – 2
सऊदी अरब – 15·3
इराक – 83
अफगानिस्तान – 49

118. (B)119. (B) 120. (C) ●●●

एस.एस.सी. संयुक्त स्नातक स्तर (प्रथम चरण) परीक्षा, 22-8-2017 का हल प्रश्न-पत्र

(प्रथम पाली)

1. दिए गए विकल्पों में से सम्बन्धित शब्द को चुनिए.
बर्फ : ठंडा : : भाप : ?
(A) गैस (B) गर्म
(C) पानी (D) इंजन

2. दिए गए विकल्पों में से सम्बन्धित अक्षरों को चुनिए.
DFH : GIK : : MOQ ?
(A) PRT (B) OQS
(C) QSU (D) LNP

3. दिए गए विकल्पों में से सम्बन्धित संख्या को चुनिए.
111 : 89 : : 105 : ?
(A) 95 (B) 115
(C) 85 (D) 100

4. दिए गए विकल्पों में से विषम शब्द को चुनिए.
(A) चन्द्रमा (B) मंगल
(C) शनि (D) प्लूटो

5. दिए गए विकल्पों में से विषम अक्षरों को चुनिए.
(A) DFH (B) KMO
(C) QTW (D) SUW

6. दिए गए विकल्पों में से विषम संख्या को चुनिए.
(A) 25 (B) 49
(C) 9 (D) 8

7. एक अनुक्रम दिया गया है, जिसमें एक शब्द लुप्त है. दिए गए विकल्पों में से वह सही विकल्प चुनिए, जो अनुक्रम को पूरा करे.
Good, Odour, Urban, Anthem ?
(A) Anthill (B) Empathy
(C) Europe (D) Goose

8. एक अनुक्रम दिया गया है, जिसमें एक पद लुप्त है. दिए गए विकल्पों में से वह सही विकल्प चुनिए, जो अनुक्रम को पूरा करे.
DFE, HJI, LNM, PRQ ?
(A) STU (B) TVU
(C) UVW (D) RST

9. एक अनुक्रम दिया गया है, जिसमें एक संख्या लुप्त है. दिए गए विकल्पों में से वह सही विकल्प चुनिए, जो अनुक्रम को पूरा करे.
1/4, 0·65, ?, 29/20, 1·85
(A) 1·1 (B) 21/20
(C) 19/20 (D) 1·2

10. प्रिया का जन्मदिन 11 अप्रैल मंगलवार को है. उसी वर्ष रानी का जन्मदिन सप्ताह के किस दिन आएगा यदि रानी का जन्म 31 अगस्त को हुआ है?
(A) सोमवार (B) बुधवार
(C) मंगलवार (D) गुरुवार

11. चार बक्सों का वजन 20, 40, 60 और 90 किलोग्राम है. निम्नलिखित में से बक्सों के किसी भी संयोजन से कुल वजन, किलोग्राम में कौनसा नहीं हो सकता है और एक संयोजन में एक बक्सा एक ही बार प्रयोग में लाया जा सकता है?
(A) 150 (B) 170
(C) 120 (D) 160

12. निम्नलिखित विकल्पों में से वह शब्द चुनिए, जो दिए गए शब्द के अक्षरों का प्रयोग करके नहीं बनाया जा सकता.
DYNAMITE
(A) ENMITY (B) ANYTIME
(C) NAMES (D) DAINTY

13. यदि EXPLAIN को किसी कोड में BUMIXFK लिखा जाता है, तो GYM को उसी कोड में क्या लिखा जाएगा ?
(A) YHN (B) UJM
(C) DVJ (D) IKL

14. किसी कोड भाषा में, '+' का मतलब '×' है, '–' का मतलब '+' है, '×' का मतलब '÷' है और '÷' का मतलब '–' है. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर है?
$825 \times 25 - 27 \div 10 = ?$
(A) 100 (B) 50
(C) 25 (D) 20

15. यदि $9 \times 3 = 3$; $15 \times 3 = 5$; $60 \times 5 = 12$, तो $27 \times 3 = ?$ का मान ज्ञात कीजिये.
(A) 30 (B) 9
(C) 3 (D) 6

16. दिए गए विकल्पों में से लुप्त संख्या चुनिए.

5	3	125
10	4	10000
2	5	?

(A) 80 (B) 7
(C) 10 (D) 32

17. एक महिला 3 किमी उत्तर की ओर चलती है, फिर पश्चिम की ओर मुड़कर 4 किमी चलती है, फिर दक्षिण की ओर मुड़कर 7 किमी चलती है और फिर अपनी बाईं ओर मुड़कर 4 किमी चलती है. वह अपनी प्रारंभिक स्थिति से अब कहाँ है?
(A) 10 किमी दक्षिण
(B) 4 किमी उत्तर
(C) 10 किमी उत्तर
(D) 4 किमी दक्षिण

18. प्रश्न में दो कथन दिये गये हैं जिसके आगे दो निष्कर्ष I और II निकाले गये हैं. आपको मानना है कि दोनों कथन सत्य हैं चाहे वह सामान्यत: ज्ञात तथ्यों से भिन्न प्रतीत होते हों. आपको निर्णय करना है की दिए गए निष्कर्षों में से कौनसा/कौनसे निश्चित रूप से कथन द्वारा सही निकाला जा सकता है/सकते हैं, यदि कोई हो.
कथन I. कुछ सेब लाल हैं.
II. सभी लाल सन्तरे हैं.
निष्कर्ष I. कोई सन्तरे सेब नहीं हैं.
II. कुछ सेब सन्तरे हैं.
(A) केवल निष्कर्ष I सही है
(B) केवल निष्कर्ष II सही हैं
(C) दोनों निष्कर्ष I और II सही हैं
(D) न तो निष्कर्ष I सही है न ही निष्कर्ष II

19. निम्नलिखित उत्तर आकृति में से कौनसा घन दिए गए प्रश्न आकृति में से खुले घन से बनाया नहीं जा सकता ?

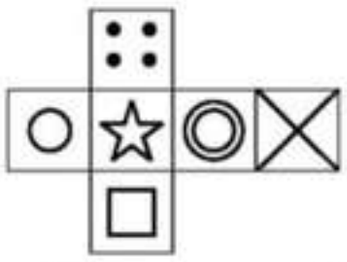

(A)
(B)
(C)
(D) 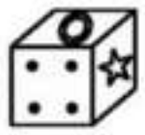

20. निम्नलिखित आकृति में, वर्ग अन्तरिक्ष यात्रियों को दर्शाता है, त्रिभुज तैराकों को दर्शाता है, वृत्त महिलाओं को दर्शाता है और आयत भारतीयों को दर्शाता है. अक्षरों का कौनसा समूह उन महिलाओं को दर्शाता है जो या तो भारतीय हैं या तैराक हैं?

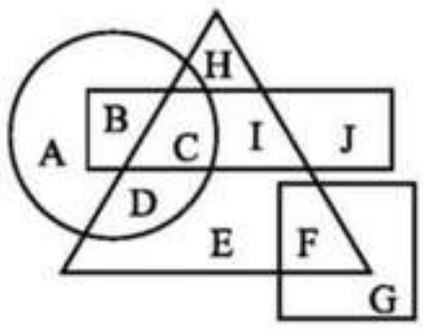

(A) C, D, I, E
(B) A, B, D, E, H, J
(C) B, C, D
(D) C

21. निम्नलिखित में से कौनसी उत्तर आकृति प्रश्न आकृति को प्रतिरूप करेगी?

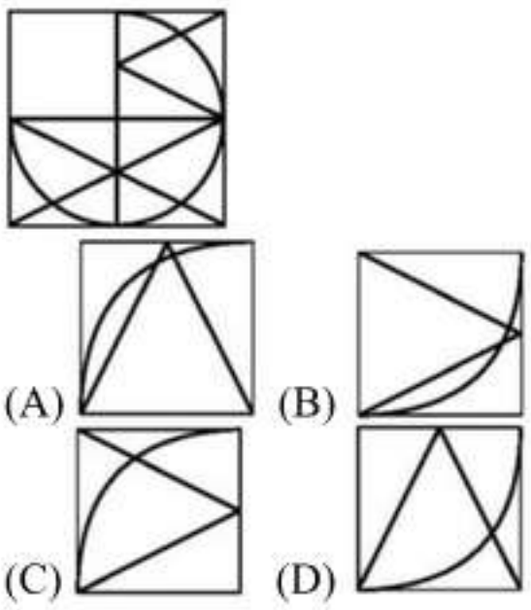

(A) (B) (C) (D)

22. दी गई उत्तर आकृतियों में से उस आकृति को चुनिए जिसमें प्रश्न आकृति निहित है.

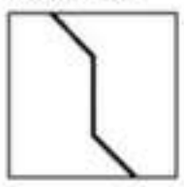

(A) 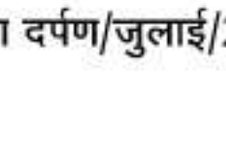
(B) 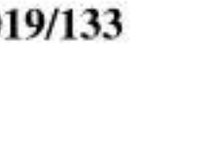
(C)
(D)

23. प्रश्न आकृतियों में दिखाए अनुसार कागज को मोड़कर उसमें छेद करने तथा खोलने के बाद वह किस उत्तर आकृति जैसा दिखाई देगा?

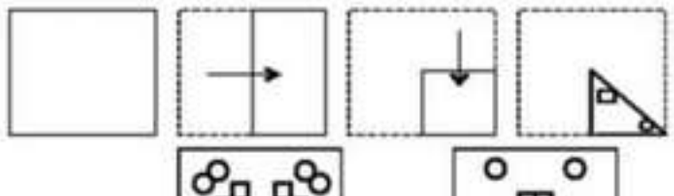

(A) 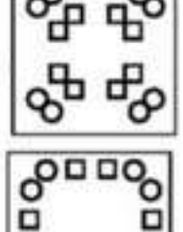
(B) 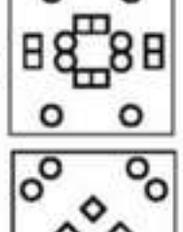
(C) 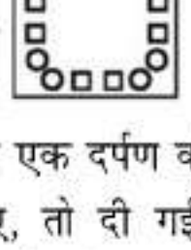
(D) 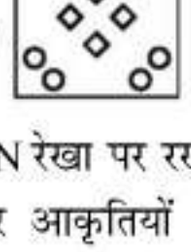

24. यदि एक दर्पण को MN रेखा पर रखा जाए, तो दी गई उत्तर आकृतियों में से कौनसी आकृति प्रश्न आकृति का सही प्रतिबिम्ब होगी?

(A)
(B)
(C)
(D)

25. एक शब्द केवल एक संख्या-समूह द्वारा दर्शाया गया है, जैसाकि विकल्पों में से किसी एक में दिया गया है. विकल्पों में दिए गए संख्या-समूह अक्षरों के दो वर्गों द्वारा दर्शाए गए हैं, जैसा कि दिए गए दो आव्यूहों में है. आव्यूह-I के स्तम्भ और पंक्ति की संख्या 0 से 4 और आव्यूह-II की 5 से 9 है. इन आव्यूहों से एक अक्षर को पहले उसकी पंक्ति और बाद में स्तम्भ संख्या द्वारा दर्शाया जा सकता है. उदाहरण के लिए 'K' को 43, 04 आदि द्वारा दर्शाया जा सकता है तथा 'Z' को 75, 66 आदि द्वारा दर्शाया जा सकता है. इसी तरह से आपको प्रश्न में दिए शब्द 'MALE' के लिए समूह को पहचानना है.

आव्यूह -I					
	0	1	2	3	4
0	H	B	I	M	K
1	E	L	A	L	I
2	C	G	D	M	G
3	I	H	E	L	J
4	E	I	H	K	B

आव्यूह -II					
	5	6	7	8	9
5	S	W	Q	N	W
6	Y	Z	Y	P	X
7	Z	S	U	X	X
8	W	R	P	P	V
9	Q	R	O	T	P

(A) 11, 78, 32, 65
(B) 43, 01, 23, 67
(C) 03, 12, 11, 32
(D) 11, 02, 43, 76

26. ..... शेष सौदा व्यापार, सेवाओं और शेष विश्व से प्राप्त निवल अंतरण का योग होता है.
(A) चालू लेखा (B) बचत लेखा
(C) पूँजीगत लेखा (D) संपत्ति लेखा

27. किसी वस्तु की मात्रा के लिए उपभोक्ता का इष्टतम चयन तथा उसकी कीमत में सम्बन्ध अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा यह सम्बन्ध ..... फलन कहलाता है.
(A) कीमत (B) प्रतिस्थापन
(C) आपूर्ति (D) माँग

28. "भारतीय रिजर्व बैंक" भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची में दी गई ..... सूची में सूचीबद्ध है.
(A) केन्द्रीय (B) राज्य
(C) विश्व (D) समवर्ती

29. ..... संसद को राज्य सूची के विषयों पर कानून बनाने का अधिकार दे सकती है.
(A) रक्षा मंत्रालय
(B) प्रधानमंत्री कार्यालय
(C) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड
(D) राज्य सभा

30. चोल अभिलेखों में उल्लेखित भूमि की विभिन्न कोटियों के अनुसार ... . को गैर-ब्राह्मण किसान स्वामी की भूमि कहा जाता था.
(A) वेल्लनवगाई (B) ब्रह्मदेय
(C) शालाभोग (D) देवदान

31. शेर खान ने ..... को चौसा (1539) और कन्नौज (1540) में हराकर उसे ईरान की ओर भागने के लिए बाध्य किया.
(A) औरंगजेब
(B) हुमायूँ
(C) मुहम्मद आजम शाह
(D) बहादुर शाह प्रथम

32. भूपृष्ठ का कितने प्रतिशत भाग जल से ढका है?
(A) 20-25% (B) 40-50%
(C) 70-80% (D) 55-60%

33. मृदा संरक्षण की उस विधि को क्या कहते हैं जिसमें पहाड़ी ढाल पर समोच्च रेखाओं के सामान्तर जुताई ढाल से नीचे बहते जल के लिए एक प्राकृतिक अवरोध का निर्माण करती है?
(A) मल्च बनाना
(B) समोच्चरेखीय रोधिकाएं
(C) समोच्चरेखीय जुताई
(D) वेदिका फार्म

34. महिलाओं में, उदर के निचले भाग के दोनों ओर ..... अंडाशय स्थित होता है.
(A) एक (B) दो
(C) तीन (D) चार

35. प्रकाश संश्लेषण के माध्यम से कुल स्थिरीकृत कार्बन डाइऑक्साइड का लगभग आधा भाग पृथ्वी पर कौन स्थिरीकृत करता है?
(A) टैरिडोफाइट (B) ब्रायोफाइट
(C) शैवाल (D) जिम्नोस्पर्म

36. टिड्डी, तितली, बिच्छू और झींगा सभी किस संघ के उदाहरण हैं?
(A) ऐनेलिडा
(B) रज्जुकी
(C) आर्थोपोडा
(D) प्लेटिहैल्मिन्थिज

37. अगर कोई वस्तु वृत्तीय पथ पर एकसमान ..... से चलती है तो उसकी गति को एकसमान वृत्तीय गति कहा जाता है.
(A) चाल (B) समय
(C) वेग (D) त्वरण

38. समतल दर्पण द्वारा बनने वाला प्रतिबिंब ..... होता है.
(A) लंबवत्-परिवर्तन
(B) वास्तविक प्रतिबिंब
(C) पार्श्व-परिवर्तन
(D) बड़ा प्रतिबिंब

39. माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल में ..... फलन उपयोग उन सेलों की संख्या की गिनती करने के लिए किया जाता है, जो दिए गए मानदंड के अनुरूप रेंज के भीतर होते हैं.
(A) COUNTIF
(B) COUNT
(C) SUMCOUNT
(D) COUNTSUM

40. क्रिस्टलीकरण किसका उदाहरण है?
(A) भौतिक परिवर्तन
(B) रासायनिक परिवर्तन
(C) रासायनिक अभिक्रिया
(D) यशद लेपन (गैल्वेनाइजेशन)

41. सिरका और बेकिंग सोडा की अभिक्रिया से क्या बनता है?
(A) कॉपर
(B) कार्बन डाइऑक्साइड
(C) कॉपर सल्फेट
(D) मैग्नीशियम ऑक्साइड

42. लवण की सांद्रता (प्रति हजार भाग में लवणता के रूप में मापी), समुद्र में ..... % होती है.
(A) 10-20 (B) 30-35
(C) 40-50 (D) 60-70

43. केन्द्र सरकार द्वारा शुरू की गई .... योजना का उद्देश्य उन ग्रामीण क्षेत्र समूहों का विकास करना है जहाँ विकास की अव्यक्त संभावनाएँ हैं.
(A) मृदा स्वास्थ्य कार्ड
(B) श्यामा प्रसाद मुखर्जी आर. अर्बन मिशन
(C) प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना
(D) नेशनल आर यू अर्बन मिशन

44. निऑन की खोज किसने की?
(A) रॉबर्ट नोयस
(B) एनरिको फर्मी
(C) मोरिस डब्लू. ट्रेवर्स विलियम रामसे
(D) अंटोनियो दे उल्लोया और चार्ल्स वुड

45. कौनसे देश वर्ष 2019 में होने वाले क्रिकेट विश्व कप (पुरुष) की मेजबानी करेंगे?
(A) वेस्टइंडीज
(B) आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैण्ड
(C) इंगलैण्ड और वेल्स
(D) भारत और पाकिस्तान

46. गोल गुम्बज कहाँ स्थित है?
(A) केरल (B) गुजरात
(C) राजस्थान (D) कर्नाटक

47. सरकारी कर्मचारियों द्वारा प्रदान की गई सेवा सहित किसी भी क्षेत्र में असाधारण और प्रतिष्ठित सेवा के लिए निम्नलिखित में से कौनसा भारत का दूसरा सबसे बड़ा दिया जाने वाला नागरिक पुरस्कार है?
(A) पद्म भूषण (B) परम वीर चक्र
(C) पद्म विभूषण (D) भारत रत्न

48. नीचे दिए गए कथनों में से कौनसे कथन सही हैं?
1. उपन्यास "एंसीलरी जस्टिस" के लेखक चार्ल्स स्ट्रोस हैं.
2. उपन्यास "एयर" के लेखक ऐन लेकी हैं.
3. उपन्यास "मिशन अर्थ" के लेखक एल. रोन हब्बार्ड हैं.
(A) 1 और 2 (B) 2 और 3
(C) 1 और 3 (D) 1, 2 और 3

49. अप्रैल 2017 में, किसे संयुक्त राष्ट्र के शांति का दूत बनाया गया है?
(A) स्कॉट केली
(B) लैंग लैंग
(C) मलाला यूसूफजई
(D) लियोनार्डो डिकैप्रियो

50. निम्नलिखित देशों में से कौनसा देश क्षेत्रीय सहयोग के लिए दक्षिण एशियाई संघटन (एसएएआरसी) का सदस्य नहीं है?
(A) अफगानिस्तान
(B) पाकिस्तान
(C) मालदीव
(D) म्यांमार

51. वह कौनसी 4 अंकों की बड़ी से बड़ी संख्या है, जो 18 से पूरी तरह से विभाजित होती है?
(A) 9993 (B) 9936
(C) 9918 (D) 9963

52. अगर A और B एक साथ मिलकर 7·5 दिनों में कोई काम करते हैं और यदि A अकेले काम करते हुए उसे

10 दिनों में पूरा कर सकता है, तो B को अकेले वह काम करने में कितने दिन लगेंगे?
(A) 30 (B) 40
(C) 25 (D) 50

53. उस आयत का क्षेत्रफल (वर्ग सेमी में) क्या होगा जिसकी परिधि 48 सेमी और चौड़ाई 10 सेमी है?
(A) 140 (B) 480
(C) 240 (D) 440

54. अगर 20% की छूट मिलने के बाद एक वस्तु का बिक्री मूल्य ₹ 1000 है, तो उसका चिन्हित मूल्य (₹ में) क्या है?
(A) 1,200 (B) 1,250
(C) 800 (D) 1,400

55. यदि A = 2 B = 4 C; तो A : B : C का मान क्या है?
(A) 4 : 2 : 1 (B) 1 : 2 : 4
(C) 8 : 4 : 1 (D) 16 : 4 : 1

56. खरीददारी की सूची में 4 वस्तुओं की औसत लागत ₹ 1,250 है. अगर एक और वस्तु उस सूची में जोड़ी जाए जिसका मूल्य ₹ 2,000 है, तो अब उनकी नई औसत (₹ में) क्या होगी?
(A) 1,100 (B) 1,500
(C) 1,400 (D) 1,250

57. यदि कोई विक्रेता ₹ 24 में नारियल बेचता है तो उसे 20 प्रतिशत का नुकसान होता है. यदि वह उसे ₹ 36 में बेचता है, तो उसका लाभ प्रतिशत कितना होगा?
(A) 10 (B) 20
(C) 30 (D) 40

58. किसका 0·25%, 20 होता है?
(A) 10000 (B) 8000
(C) 5000 (D) 2500

59. यदि 40 किमी/घण्टा की गति से जाने वाली एक टैक्सी को एक निश्चित दूरी की यात्रा करने के 25 मिनट लगते हैं, तो 20 मिनट में उसी दूरी की यात्रा करने के लिए इसे अपनी गति (किमी/घण्टा में) में कितनी वृद्धि करनी चाहिए?
(A) 50 (B) 5
(C) 25 (D) 10

60. अगर एक निश्चित राशि पर तीसरे वर्ष में प्राप्त चक्रवृद्धि ब्याज ₹ 1,240 है, तो उसी राशि पर 9% ब्याज दर पर चौथे वर्ष में प्राप्त चक्रवृद्धि (₹ में) क्या होगा?
(A) 1245·6 (B) 1521·6
(C) 1351·6 (D) 1220·6

61. यदि $-3/2 + (2/3)(3x + 9) = x/2$, तो x का मान क्या है?
(A) – 9 (B) 11
(C) 9 (D) – 3

62. यदि $a - b$ और $ab = 8$, तो $a^3 - b^3$ का मान क्या है?
(A) 65 (B) 34
(C) 43 (D) 56

63. एक गैर-शून्य संख्या अपने व्युत्क्रमानुपाती के 7 गुना से 9·3 बड़ी है. वह संख्या कौनसी है?
(A) 10 (B) 20
(C) 5 (D) 14

64. अंकगणितीय प्रगति के पहले 12 पदों का योग क्या है, यदि पहला पद 3 है और अंतिम पद 47 है ?
(A) 260 (B) 300
(C) 280 (D) 220

65. बिन्दु P(a, b) पहले मूल पर P1 पर प्रतिबिंबित होता है, फिर P1 Y-अक्ष में (4, – 3) प्रतिबिंबित होता है. बिन्दु P के निर्देशांक क्या हैं ?
(A) (4, 3) (B) (– 4, 3)
(C) (3, 4) (D) (– 3, 4)

66. (– 1, 3) और (2, – 4) बिन्दुओं को जोड़ने वाले रेखाखंड को Y अक्ष किस अनुपात में विभाजित करता है?
(A) 2 : 1 (B) 1 : 4
(C) 1 : 2 (D) 4 : 1

67. रेखा $2x + 3y = 12$ का झुकाव क्या है?
(A) 2/3 (B) 3/2
(C) – 3/2 (D) – 2/3

68. ΔXYZ और ΔPQR इन दो समान त्रिभुजों के क्षेत्रफल क्रमशः 100 वर्ग सेमी और 25 वर्ग सेमी हैं. यदि PQ = 4 सेमी हो, तो XY की लम्बाई (सेमी में) क्या है?
(A) 16 (B) 14
(C) 8 (D) 20

69. sec 30° + tan 60° का मान क्या है?
(A) $5/\sqrt{3}$
(B) $(\sqrt{6}+1)/\sqrt{3}$
(C) $(\sqrt{3}+2)/\sqrt{3}$
(D) $(1+\sqrt{3})/2$

70. ΔPQR ये Q पर समकोण है. यदि $m\sqrt{R} = 30°$ है, तो cot P का मान क्या है?
(A) 1/2 (B) $1/\sqrt{2}$
(C) $1/\sqrt{3}$ (D) 2

71. यदि sec θ = 5/3, तो cosec θ का मान क्या है?
(A) 0·8 (B) 1·25
(C) 4/3 (D) 3/4

निर्देश–(प्रश्न 72 से 75 तक) यह पाई चार्ट किसी कम्पनी में 6 भागीदारों के शेयरों को दिखाता है. आरेख का अध्ययन करें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें.

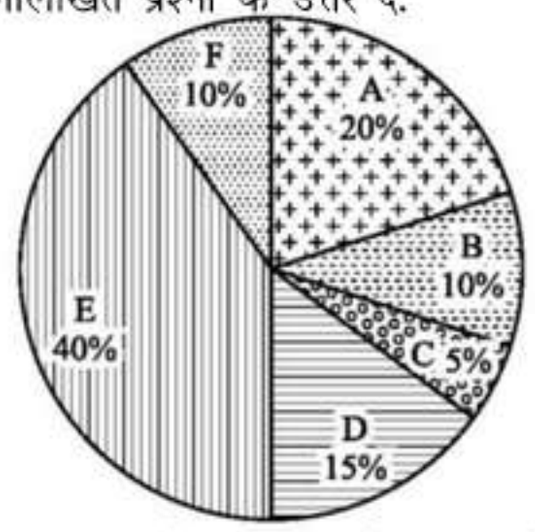

72. किस साझेदार की सबसे कम हिस्सेदारी है?
(A) C (B) B
(C) D (D) F

73. E का शेयर किनके संयुक्त शेयरों के बराबर है?
(A) F, A और B (B) D, C और B
(C) A, B और C (D) F, C और D

74. E और B के शेयरों का A, C, D और F के साथ अनुपात है–
(A) 1 : 2 (B) 2 : 1
(C) 1 : 1 (D) 1 : 3

75. यदि एक कम्पनी ₹ 20 लाख लाभ कमाती है, और अपने शेयरधारकों को इसके आधे हिस्से को वितरित करने का फैसला करती है, तो D को कितना (₹ में) मिलेगा?
(A) 15,00,000 (B) 3,00,000
(C) 30,000 (D) 1,50,000

Directions—(Q. 76 and 77) In the following questions, some part of the sentence may have errors. Find out which part of the sentence has error and select the appropriate option. If a sentence is free from error, select 'No Error'.

76 He turned and walked/ away, his
(1)
head nearly a foot up the others.
(2)/ (3)
/ No Error
(4)

(A) 1 (B) 2
(C) 3 (D) 4

77. He parked the / car front of the
(1)
house and/ headed down the street.
(2) (3)
/ No Error
(4)
(A) 1 (B) 2
(C) 3 (D) 4

Directions–(Q. 78 and 79) In the following question, the sentence given with blank to be filled in with an appropriate word. Select the correct alternative out of the four and indicate it by selecting the appropriate option.

78. At the meeting, the school counsellor will ..... me on some of my career options.
(A) advise (B) speak
(C) say (D) listen

79. Boys and girls ..... enjoy playing with the building blocks.
(A) dislike (B) like
(C) even (D) alike

Directions—(Q. 80 and 81) In the following questions, out of the four alternatives, select word similar in meaning to the word given.

80. **Fissure**
(A) Agglutinate
(B) Blend
(C) Cleavage
(D) Entwine

81. **Morbid**
(A) Ghastly (B) Animated
(C) Buoyant (D) Jaunty

Directions—(Q. 82 and 83) In the following questions, out of the four alternatives, select the word opposite in meaning to the word given.

82. **Abeyance**
(A) Dormancy (B) Quiescence
(C) Latency (D) Continuation

83. **Callow**
(A) Inexperienced
(B) Jejune
(C) Sophisticated
(D) Juvenile

Directions—(Q. 84 and 85) In the following questions, out of the four alternatives, select the alternative which best expresses the meaning of the idiom/phrase.

84. **Get on the nerves**
(A) To be an irritant
(B) To lose confidence
(C) To become very sensitive; cry easily
(D) To become very strong emotionally

85. **Keep under one's hat**
(A) Keep all your wealth in your home
(B) To keep something a secret
(C) Steal and hide something
(D) Take care of somebody else's valuables given to you for safe keeping

Directions—(Q. 86 and 87) In the following questions, out of the four alternatives, select the alternative which will improve the bracketed part of the sentence. In case no improvement is needed, select "no improvement".

86. She **(had to)** four previous solo shows.
(A) has
(B) has had
(C) has been
(D) no improvement

87. That must **(being)** really difficult for you.
(A) has been
(B) have been
(C) been
(D) no improvement

Directions—(Q. 88 and 89) In the following questions, out of the four alternatives, select the alternative which is the best substitute of the words/sentence.

88. Deliberately destroy something for military advantage
(A) Devotion (B) Fidelity
(C) Sabotage (D) Ardour

89. The area near or surrounding a particular place
(A) Horizon (B) Vicinity
(C) Distant (D) Removed

Directions—(Q. 90 and 91) In the following questions, four words are given out of which one word is correctly spelt. Select the correctly spelt word.

90. (A) illecitly (B) illicitly
(C) ilicitly (D) illicitley

91. (A) brutalety (B) brutality
(C) bruttality (D) bruttalety

Directions— (Q. 92 and 93) The questions below consists of a set of labelled sentences. Out of the four options given, select the most logical order of the sentences to form a coherent paragraph.

92. The there come faint rays of primrose
X-light that changed presently to golden
Y-bars, through which the dawn
Z-glided out across the desert
(A) ZYX (B) XYZ
(C) ZXY (D) YZX

93. It seemed to them far easier to conceive
X-that the water had gone down, than
Y-that solid land had risen
Z-upward into its present position
(A) XYZ (B) ZYX
(C) ZXY (D) YZX

Directions— (Q. 94) In the following question, a sentence has been given in Active/Passive Voice. Out of the four alternative suggested, select the one which best expresses the same sentence in Passive/Active Voice.

94. **Gopal ran the marathon in record time.**
(A) The marathon was run by Gopal in record time.
(B) The marathon is run by Gopal in record time.
(C) Gopal in record time run the marathon
(D) Gopal in record time is running the marathon.

95. **Father says, "Kashmir is the heaven on earth."**
(A) Father said that Kashmir has been the heaven on earth.
(B) Father is saying that Kashmir is the heaven on earth.
(C) Father says that Kashmir is the heaven on earth.
(D) Father says that Kashmir was the heaven on earth.

Directions—(Q. 96 – 100) A passage is given with 5 questions following it. Read the passage carefully and choose the best answer to each question out of the four alternatives.

Everyone expected Mary Zophres to win for her retro-revival Technicolor clothes in La La Land — the eventual winner, Colleen Atwood for Fantastic Beasts and Where to Find Them, seemed surprised too. But as other awards began to slip away from the well reviewed musical, a theme could be teased out. What is Fantastic Beasts

if not a plea for equal treatment of people, magical or otherwise ? Then, Arrival, a film about the inherent benignity of aliens (read immigrants) won for Best Sound Editing. Hacksaw Ridge, Which is, in a way, an antiguns movie, won in two categories. Fences, about an African-American father who fears racial discrimination took home the Oscar for Best Supporting Actress. Earlier, Moonlight, featuring two minority communities (black and gay), won for Best Supporting Actor. This turned out to be one of those years the Oscar voter was underestimated. As a majority of voters are actors, there was the tendency to think they'd reward La La Land, a celebration of creation: the heroine wants to make movies, the hero wants to make movies the hero wants to make movies the hero wants to make jazz. It looked like the year of The Artist all over again.

96. Colleen Atwood won which Award ?
(A)Best Costume Design for La La land
(B) Best Supporting Actor for Fantastic Beasts and Where to Find Them
(C) Best Supporting Actor for La La Land
(D) Best Costume Design for Fantastic Beasts and Where to Find Them

97. What does the lead female actor in La La Land want to do ?
(A) Make jazz
(B) Make movies
(C) Make music
(D) Make magic

98. Which of the following movies is about kindness of Aliens ?
(A) Hacksaw Ridge
(B) Arrival
(C) Fences
(D) Moonlight

99. Why was it assumed that La La Land would win a lot of awards ?
(A) Because the movie celebrates creation
(B) Because majority of voters are actors
(C) Because it is a movie about making movies and jazz
(D) Because it is a retro-revival Technicolor movie

100. Which movie for sure won two awards ?
(A) Arrival
(B) Fences
(C) Moonlight
(D) Hacksaw Ridge

उत्तर व्याख्या सहित

1. (B) जिस प्रकार बर्फ ठण्डी होती है, उसी प्रकार भाप गर्म होती है.

2. (A) जिस प्रकार,

D	F	H
↓+3	↓+3	↓+3
G	I	K

उसी प्रकार,

M	O	Q
↓+3	↓+3	↓+3
P	R	T

3. (A) जिस प्रकार,
$(100+11) : (100 - 11)$
$= 111 : 89$
उसी प्रकार,
$(100 + 5) : (100 - 5) = 105:95$

4. (A) चन्द्रमा उपग्रह है, जबकि अन्य सभी ग्रह हैं.

5. (C)

D	F	H		K	M	O
	+2	+2			+2	+2

Q	T	W		S	U	W
	+3	+3			+2	+2

अत: QTW भिन्न है.

6. (D) $25 = 5^2, 49 = 7^2, 9 = 3^2$
$8 = 2^3$ अत: 8 भिन्न है.

7. (B) Go od ⇒ Od our
Odo ur ⇒ Ur ban
Urb an ⇒ An then
Anth em ⇒ Em patny

8. (B)

D →+4 H	→+4 L	→+4 P	→+4	T
F →+4 J	→+4 N	→+4 R	→+4	V
E →+4 I	→+4 M	→+4 Q	→+4	U

9. (B) $\frac{1}{4}$ 0·65 $\boxed{\frac{21}{20}}$ $\frac{29}{20}$ 1·85

0·25	0·65	1·05	1·45	1·85
	+0·4	+0·4	+0·4	+0·4

10. (D)

11. (D) $150 = 60 + 90$
$170 = 20 + 60 + 90$
$120 = 20 + 40 + 60$

12. (C)

13. (C) जिस प्रकार,

E	X	P	L
↓–3	↓–3	↓–3	↓–3
B	U	M	I

A	I	N
↓–3	↓–3	↓–3
X	F	K

उसी प्रकार,

G	Y	M
↓–3	↓–3	↓–3
D	V	J

14. (B) $825 \times 25 - 27 \div 10 = ?$
प्रश्नानुसार चिन्ह परिवर्तित करने पर,
$? = 825 \div 25 + 27 - 10$
$= 33 + 27 - 10$
$= 60 - 10$
$= 50$

15. (B) $9 \times 3 \Rightarrow \frac{9}{3} = 3$
$15 \times 3 \Rightarrow \frac{15}{3} = 5$
$60 \times 5 \Rightarrow \frac{60}{5} = 12$
$27 \times 3 \Rightarrow \frac{27}{3} = \boxed{9}$

16. (D) $5^3 = 125$
$10^4 = 10000$
$2^5 = \boxed{32}$

17. (D)

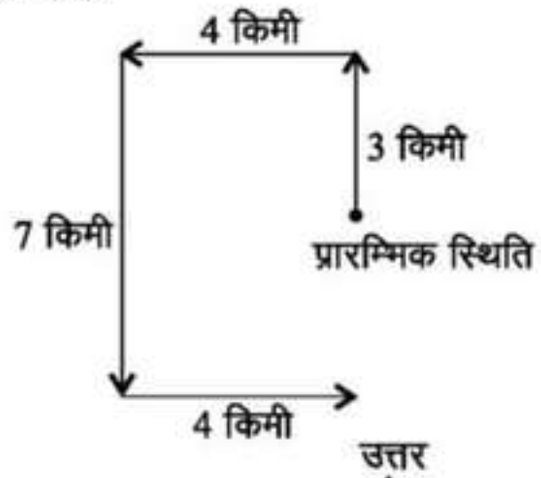

अत: अब वह अपनी प्रारम्भिक स्थिति से 4 किमी दक्षिण की ओर है.

18. (B)

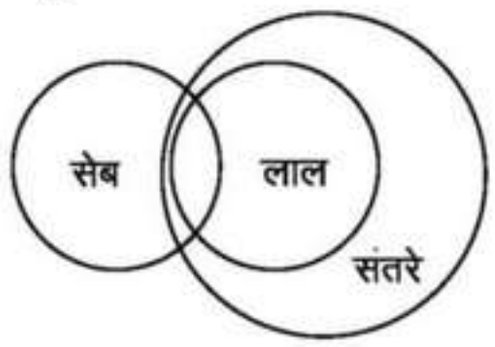

केवल निष्कर्ष II सही है.

19. (A)

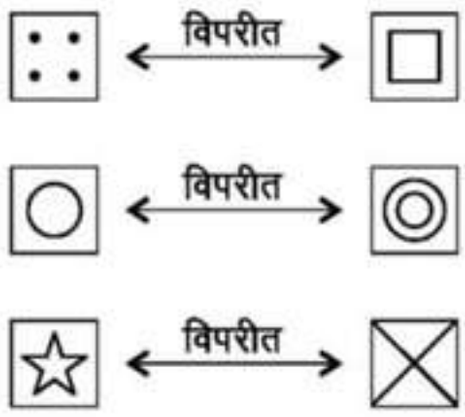

अत: विकल्प (A) का घन दिए गए खुले घन से नहीं बनाया जा सकता है क्यों तथा नजदीकी फलकों पर नहीं आ सकते हैं.

20. (C) 21. (C) 22. (A) 23. (A)

24. (A)

25. (C) M = 03, 23
A = 12
L = 11, 13, 33
E = 10, 32, 40
MALE = 03, 12, 11, 32

26. (A) 27. (D) 28. (A) 29. (D)
30. (A) 31. (B) 32. (C) 33. (C)
34. (A) 35. (C) 36. (C) 37. (A)
38. (C) 39. (A) 40. (A) 41. (B)
42. (B) 43. (B) 44. (C) 45. (C)
46. (D) 47. (C) 48. (A) 49. (C)
50. (D) 51. (D)

52. (A) $\frac{1}{A}+\frac{1}{B}=\frac{1}{7\cdot5}$

$\frac{1}{10}+\frac{1}{B}=\frac{2}{15}$

$\frac{1}{B}=\frac{2}{15}-\frac{1}{10}=\frac{4-3}{30}$

$\frac{1}{B}=\frac{1}{30}$

B = 30 दिन

53. (A) आयत की लम्बाई $=\frac{48}{2}-10$

$= 24 - 10 = 14$

आयत का क्षेत्रफल

$= 14 \times 10 = 140$ सेमी^{2}

54. (B) चिन्हित मूल्य $= 1000 \times \frac{100}{80}$

$=$ ₹ 1,250

55. (A) A = 2B = 4C

$A : B : C = \frac{1}{1}:\frac{1}{2}:\frac{1}{4}$

$= 4 : 2 : 1$

56. (C) नया औसत $=\frac{4\times1250+2000}{5}$

$=\frac{5000+2000}{2}=\frac{7000}{5}$

$=$ ₹ 1,400

57. (B) नारियल का क्रय मूल्य

$= 24 \times \frac{100}{80}$

$=$ ₹ 30

∴ लाभ प्रतिशत $=\frac{(36-30)\times100}{30}$

$=\frac{6\times10}{3}=20\%$

58. (B) अभीष्ट संख्या

$=\frac{20\times100}{0\cdot25}=\frac{2000}{0\cdot25}$

$= 8000$

59. (D) अभीष्ट गति $=\frac{40\times25}{20}$

$= 50$ किमी/घण्टा

वृद्धि $= 50 - 40 = 10$ किमी/घण्टा

60. (C) चौथे वर्ष में प्राप्त चक्रवृद्धि ब्याज

$=\frac{1240\times109}{100}$

$=$ ₹ 1,351.6

61. (D) $\frac{-3}{2}+\frac{2}{3}(3x+9)=\frac{x}{2}$

$\frac{-9+4(3x+9)}{6}=\frac{x}{2}$

$-18 + 8(3x + 9) = 6x$
$-18 + 24x + 72 = 6x$
$24x + 54 = 6x$
$24x - 6x = -54$
$18x = -54$
$x = -3$

62. (D) $a^3 - b^3 = (a-b)^3 + 3ab(a-b)$
$= (2)^3 + 3 \times 8 \times 2$
$= 8 + 48$
$= 56$

63. (A) माना संख्या $= x$

$x - 9\cdot3 = \frac{7}{x}$

$10x - 93 = \frac{70}{x}$

$10x^2 - 93x = 70$
$10x^2 - 93x - 70 = 0$
$10x^2 - 100x + 7x - 70 = 0$
$10x(x-10) + 7(x-10) = 0$
$(x-10)(10x+7) = 0$
∴ $x = 10$

64. (B) योग $=\frac{12}{2}(3+47)$

$= 6 \times 50 = 300$

65. (A) 66. (C) 67. (D) 68. (C)

69. (A) $\sec 30° + \tan 60° = \frac{2}{\sqrt{3}} + \sqrt{3}$

$=\frac{2+3}{\sqrt{3}}=\frac{5}{\sqrt{3}}$

70. (C) R = 30

∴ P = 180 – 90 – 30
= 60°

cot P = cot 60° $=\frac{1}{\sqrt{3}}$

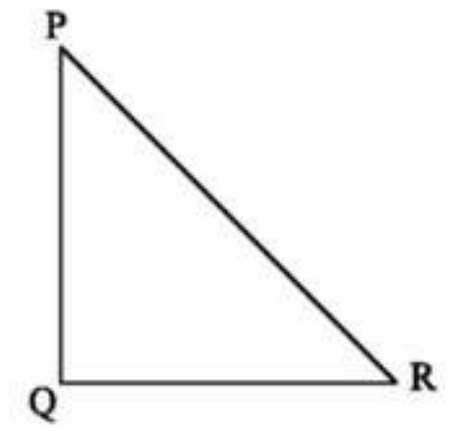

71. (B) $\sec\theta = \frac{AC}{BC} = \frac{5}{3}$

$(AC)^2 = (BC)^2 + (AB)^2$
$(5)^2 = (3)^2 + (AB)^2$
$25 = 9 + (AB)^2$
$(AB)^2 = 25 - 9 = 16$
∴ AB = 4

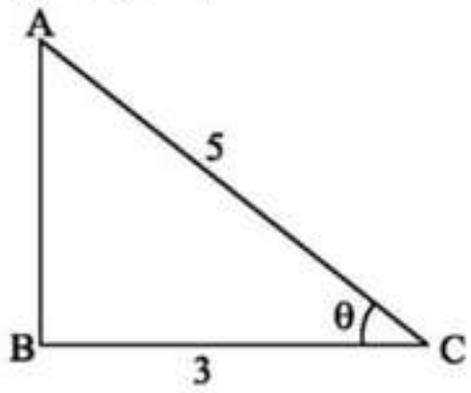

$\text{cosec}\,\theta = \frac{5}{4} = 1\cdot25$

72. (A)

73. (A)

74. (C) (E, B) : (A, C, D, F)
$= (40 + 10) : (20 + 5 + 15 + 10)$
$= 50 : 50$
$= 1 : 1$

75. (D) D का हिस्सा $=\frac{2000000}{2}\times\frac{15}{100}$

$= 10000 \times 15$

$=$ ₹ 1,50,000

76. (C) 77. (B) 78. (A) 79. (D)
80. (C) 81. (A) 82. (D) 83. (C)
84. (A) 85. (B) 86. (B) 87. (B)
88. (C) 89. (B) 90. (B) 91. (B)
92. (B) 93. (A) 94. (A) 95. (C)
96. (D) 97. (B) 98. (B) 99. (B)
100. (D)

समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. निम्नलिखित में से किस विश्व विख्यात अर्थशास्त्री द्वारा आधार, जन-धन योजना एवं यूनीफाइड पेमेण्ट्स इण्टर-फेस की प्रशंसा की गई है ?
(A) ऑगस्टिन कार्सटेन्स, बैंक फार इण्टरनेशनल सेटेलमेण्ट्स (BIS) के जनरल मैनेजर
(B) डेविड मालपास, विश्व बैंक समूह के अध्यक्ष
(C) पॉल रॉबिन कुर्गमैन, नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अर्थशास्त्री
(D) क्रिस्टीन मैडलीन ओडेट लैगार्ड, अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की महानिदेशक

2. भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार वाणिज्यिक बैंक में किसी खाते को कितनी अवधि तक संचालित न करने पर उसे निष्क्रिय घोषित कर दिया जाता है ?
(A) तीन माह (B) छह माह
(C) एक वर्ष (D) दो वर्ष

3. स्मिशिंग (Smishing) एवं विशिंग (Vishing) निम्नलिखित में से किसके दो प्रकार हैं ?
(A) विज्ञापन प्रकार
(B) धोखाधड़ी
(C) कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन
(D) लाभ सहभागिता संरचना

4. संयुक्त राष्ट्र संघ मिलेनियम डेवलेप-मेण्ट गोल्स (MDGs) सन् 2000 में घोषित किए गए. संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम का दावा है कि कतिपय MDGs ने अच्छी उपलब्धि हासिल की है–
I. 1990 से एक अरब से अधिक लोगों को अति निर्धनता से ऊपर उठाया जा चुका है.
II. 1990 से बाल मृत्युक्रम में आधे से अधिक की कमी आई है.
III. 1990 के बाद से विद्यालयों से बाहर रहने वाले बच्चों की संख्या पहले की तुलना में आधे से भी कम रह गई है.
IV. सन् 2000 के बाद से HIV/AIDS संक्रमित केसों में 40% की कमी आई है.
(A) केवल I, II एवं III सही हैं
(B) केवल II, III एवं IV सही हैं
(C) केवल I, III एवं IV सही हैं
(D) I, II, III एवं IV सभी सही हैं

5. नीचे दिए गए कथन (A) तथा कारण (R) पर विचार करके उत्तर का सही विकल्प चुनिए–
कथन (A) : 2018-19 में भारत के वाणिज्यिक बैंकों के कासा (CASA) खातों-बचत बैंक एवं चालू खाता में जमा राशियों में भारी वृद्धि देखने को मिली है.
कारण (R) : मार्च 2019 के अन्त में प्रधानमंत्री जन-धन खातों ₹ 99,752 करोड़ की धनराशि अवशेष है.
(A) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों ही सही हैं, तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है
(B) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों ही सही हैं लेकिन कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है
(C) कथन (A) सही है कारण (R) गलत है
(D) कथन (A) गलत है कारण (R) सही है

6. नीचे दिए गए कथन (A) तथा कारण (R) पर विचार करके उत्तर का सही विकल्प चुनिए–
कथन (A) : वर्ष 2018-19 में भारतीय अर्थव्यवस्था में आर्थिक विकास दर अपेक्षाकृत धीमी रही है.
कारण (R) : 2018-19 में निजी उपभोग में घटती वृद्धि, स्थाई निवेश में अल्प वृद्धि एवं निर्यातों में अपेक्षाकृत धीमी वृद्धि देखने को मिली है.
(A) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों ही सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है
(B) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है
(C) कथन (A) सही है कारण (R) गलत है
(D) कथन (A) गलत है कारण (R) सही है

7. मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा जारी 'शिक्षा पर उपलब्धि ग्रेडिंग इंडेक्स 2017-18' में निम्नलिखित में से कौनसा राज्य/ग्रेड-1 श्रेणी में है ?
I. संघशासित क्षेत्र दिल्ली.
II. संघशासित क्षेत्र चण्डीगढ़.
III. गुजरात
IV. केरल
(A) केवल IV
(B) केवल III एवं IV
(C) केवल I, II एवं III
(D) I, II, III एवं IV

8. अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ऑन इन्नोवेशन एचीवमेंट (ARIIA) 2019 में प्राइवेट कैटेगरी के शिक्षण संस्थानों में निम्नलिखित में से कौनसा संस्थान पहले स्थान पर है ?
(A) बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नो-लॉजी एण्ड साइंस, पिलानी
(B) मनीपाल एजूकेशनल एकेडेमी, मनीपाल
(C) वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नो-लॉजी, वेल्लोर
(D) कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ इण्डस्ट्रि-यल टेक्नोलॉजी भुवनेश्वर

9. 17वीं लोक सभा के चुनावों में प्रति विधान सभा क्षेत्र में कितने वूथों की वीवीपीएटी से निकली पर्चियों का मिलान ईवीएम में पड़े मतों से किया गया ?
(A) केवल 1 बूथ
(B) केवल 5 बूथ
(C) केवल 10 बूथ
(D) केवल 20 बूथ

10. अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ऑन इन्नोवेशन एचीवमेंट्स 2019 में सरकार से वित्तपोषित संवर्ग का कौनसा संस्थान शीर्ष पर रहा है ?
(A) भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर
(B) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास
(C) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुम्बई
(D) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर

11. 'फ्रेंडस ऑफ फिश' विश्व व्यापार संगठन के सदस्य राष्ट्रों का एक अनौपचारिक संगठन है. निम्नलिखित में से कौनसा राष्ट्र इस समूह में शामिल हैं ?
I. अर्जेन्टीना II. न्यूजीलैण्ड
III. नार्वे IV. आस्ट्रेलिया
V. पाकिस्तान
(A) I, II, III, IV एवं V
(B) केवल I, II, III एवं IV
(C) केवल I, II एवं III
(D) केवल I एवं II

12. वित्तीय समावेशन को बढ़ाने में वित्तीय संस्थानों की भूमिका अति महत्वपूर्ण होती है. निम्नलिखित में से कौनसा निकाय वित्तीय समावेशन में लगभग नगण्य सी भूमिका निभाता है ?

(A) वाणिज्यिक बैंक
(B) भारतीय रिज़र्व बैंक
(C) निर्यात-आयात बैंक
(D) सहकारी बैंक

13. भारत में सहकारी संस्थाओं को पुनर्वित्त सुविधा किसके द्वारा उपलब्ध कराई जाती है ?
(A) नाबार्ड (NABARD)
(B) सिडबी (SIDBI)
(C) एक्सिस बैंक
(D) राष्ट्रीय आवास बैंक

14. 1 अप्रैल, 2019 की स्थिति के अनुसार निम्नलिखित में से कौनसा बैंक परिचालन में नहीं है ?
I. न्यू बैंक ऑफ इण्डिया
II. देना बैंक
III. विजया बैंक
IV. राष्ट्रीय महिला बैंक
(A) केवल I
(B) केवल II, III एवं IV
(C) I, II, III एवं IV
(D) केवल IV

15. 1 जनवरी, 2019 की स्थिति के अनुसार निम्नलिखित में से कौनसा निकाय अस्तित्व में नहीं है ?
(A) फार्बर्ड मार्केट कमीशन
(B) राष्ट्रीय महिला कोष
(C) इंफ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एण्ड फाइनेंशियल सर्विसेज लि.
(D) ओवर दी काउण्टर एक्सचेंज ऑफ इण्डिया

16. औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP) में प्रमुख 8 उद्योगों का भारांक कितना है ?
(A) 35·26% (B) 40·27 ?
(C) 46·31% (D) 47·56%

17. अर्थोपाय अग्रिम (Ways and Means Advances) के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?
I. केन्द्र सरकार के घाटे को पाटने के लिए चार दशकों से चली आ रही तदर्थ (Adhoc) अस्थाई कोषागार हुण्डियों की प्रणाली को समाप्त करते हुए 1 अप्रैल, 1997 से अर्थोपाय अग्रिम प्रणाली प्रारम्भ की गई.
II. वर्ष 2019-20 के पहले 6 माह के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अर्थोपाय अग्रिम की सीमा ₹ 75,000 करोड़ निर्धारित की गई है.
III. जब सरकार के पास नकदी की कमी हो जाती है, तो अर्थोपाय सीमान्तर्गत भारतीय रिज़र्व बैंक सरकार को नकदी उपलब्ध कराता है जिस पर रेपोदर के बराबर ब्याज लिया जाता है.
IV. नकदी की लगातार कमी के चलते जब अर्थोपाय अग्रिम की सीमा चुक जाती है, तो भारतीय रिज़र्व बैंक अधिविकर्ष (ओवर ड्राफ्ट) की सुविधा उपलब्ध कराता है. अधिविकर्ष उधारों पर ब्याज की दर रेपो दर से दो प्रतिशतांक अधिक होती है.
(A) I, II, III एवं IV सही हैं
(B) केवल I, II एवं III सही हैं
(C) केवल I सही है
(D) केवल IV सही है

18. बाँस चावल (Bamboo Rice) के बारे निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) यह चावल की दुर्लभ प्रजाति है जो बाँस से उपजती है
(B) देखने में यह चावल के दाने जैसी होती है, लेकिन इसका स्वाद गेहूँ जैसा होता है
(C) यह 4 से 5 वर्षों के अन्तराल पर उग पाती है
(D) इसे भारत में मुख्यतया चण्डाका-दामपारा वन्य अभयारण्य, कटक में उगाया जाता है

19. स्थापना वर्ष के बढ़ते क्रम निम्नलिखित निकायों का कौनसा क्रम सही है ?
I. भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्.
II. भारतीय चिकित्सा अनुसन्धान परिषद्.
III. भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्.
IV. वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद्.
(A) II, III, IV, I
(B) III, II, IV, I
(C) I, II, III, IV
(D) IV, III, II, I

20. अनन्य रूप से महिलाओं के लिए एक सामाजिक प्रभाव वाला वूमेन्स लाइवलीहुड बॉण्ड निम्नलिखित में से किसके द्वारा जारी किया गया ?
I. विश्व बैंक
II. यू एन वूमेन
III. भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक
(A) केवल I एवं II
(B) केवल II एवं III
(C) केवल I एवं III
(D) I, II एवं III

21. 'अबेर' (Aber) के बारे में अग्रलिखित कथनों पर विचार कीजिए ?
I. यह एक डिजिटल करेंसी है जिसे संयुक्त अरब अमीरात तथा सऊदी अरब के केन्द्रीय बैंकों द्वारा संयुक्त रूप से जारी किया गया है.
II. इसे 'ब्लॉकचेन' एवं डिस्ट्रीब्यूटेड टेक्नोलॉजीज के माध्यम से दोनों देशों के बीच वित्तीय निपटानों हेतु प्रयुक्त किया जाएगा.
(A) केवल I सही है
(B) केवल II सही है
(C) I एवं II दोनों सही हैं
(D) न तो I और न ही II सही है

22. GAFA कर लगाने वाला विश्व का पहला देश कौनसा है ?
(A) सं.रा. अमरीका
(B) आस्ट्रेलिया
(C) फ्रांस
(D) कनाडा

23. सौर चर्खा मिशन निम्नलिखित में से किसके द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है ?
(A) खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग
(B) कपड़ा मंत्रालय
(C) सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय
(D) गुजरात राज्य सरकार

24. निम्नलिखित में से किस देश में निवेश के आधार पर नागरिकता प्राप्त की जा सकती है ?
I. एण्टीगुआ
II. सेंट किट्स एवं नेविस
III. डोमिनिका
IV. ग्रेनाडा
(A) केवल I एवं IV
(B) केवल III एवं IV
(C) I, II, III एवं IV
(D) केवल II

25. एनर्जी ट्रांसमिशन सूचकांक 2019 निम्नलिखित में से किसके द्वारा विकसित किया गया है ?
(A) विश्व आर्थिक फोरम
(B) संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम
(C) संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम
(D) विश्व बैंक

उत्तरमाला

1. (A)	2. (D)	3. (B)	4. (D)	5. (A)
6. (A)	7. (C)	8. (C)	9. (B)	10. (B)
11. (A)	12. (C)	13. (A)	14. (C)	15. (A)
16. (B)	17. (A)	18. (C)	19. (A)	20. (D)
21. (C)	22. (C)	23. (C)	24. (C)	25. (A)

आगामी बैंक पी.ओ., एम.बी.ए. आदि परीक्षाओं के लिए विशेष हल प्रश्न

उद्योग, व्यापार एवं बैंकिंग सचेतता

1. भारत में स्कॉर्पीन श्रेणी की पनडुब्बियों का निर्माण एम.एस. नेवल ग्रुप (DCNS) के सहयोग से मझगाँव डॉक लि. में किया जा रहा है. यह विदेशी कम्पनी किस देश की है ?
   (A) अमरीका (B) फ्रांस
   (C) इजरायल (D) रूस

2. भारतीय वायु सेना के लिए अपाचे हेलीकॉप्टरों की आपूर्ति बोइंग एयरो स्पेस कम्पनी द्वारा की जानी है. यह विदेशी कम्पनी किस देश की है ?
   (A) अमरीका (B) फ्रांस
   (C) जर्मनी (D) रूस

3. महिलाओं में बैंकिंग को बढ़ावा देने के लिए स्थापित किए गए भारतीय महिला बैंक का विलय निम्नलिखित में से किस बैंक में किया जा चुका है?
   (A) पंजाब नेशनल बैंक
   (B) बैंक ऑफ बड़ौदा
   (C) केनरा बैंक
   (D) भारतीय स्टेट बैंक

4. विश्व व्यापार संगठन (WTO) के विकासशील सदस्य देशों की दो दिवसीय बैठक किस शहर में मई 2019 में सम्पन्न हुई ?
   (A) नई दिल्ली
   (B) बैंकॉक
   (C) कुआलालम्पुर
   (D) जोहान्सबर्ग

5. भारत के अन्तरिक्ष कार्यक्रमों में उद्योग जगत् की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए न्यू स्पेस इण्डिया लि. नाम से एक कम्पनी की स्थापना मई 2019 में की गई है. यह निम्नलिखित में से किसकी अनुषंगी कम्पनी है ?
   (A) 'नासा'
   (B) बार्क (BARC)
   (C) इसरो (ISRO)
   (D) डीआरडीओ

6. जनवरी 2019 में शुरू की गई प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-KISAN) में कुछ संशोधन एनडीए सरकार के दूसरे कार्यकाल में मंत्रिमंडल की 31 मई, 2019 को सम्पन्न पहली ही बैठक में किए गए हैं. संशोधित योजना के तहत् अधिकतम् कितनी भूमि के धारक किसान अब इस योजना के तहत् नाम के पात्र हैं–
   (A) 1 हेक्टेयर
   (B) 2 हेक्टेयर
   (C) 5 हेक्टेयर
   (D) कोई सीमा नहीं

7. मोदी सरकार द्वारा अपने दूसरे कार्यकाल में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में, जो संशोधन किए गए हैं. उससे अब कितने किसान 2018-19 में इस योजना से लाभान्वित होंगे ?
   (A) 10 करोड़ (B) 12 करोड़
   (C) 14·5 करोड़ (D) 16·5 करोड़

8. प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में संशोधन के चलते अब 2019-20 में इस योजना पर कितनी राशि के खर्च का सरकार का अब नया पूर्वानुमान है ?
   (A) ₹ 62500 करोड़
   (B) ₹ 67200 करोड़
   (C) ₹ 72500 करोड़
   (D) ₹ 87200 करोड़

9. पीएम–किसान योजना के तहत् पात्र किसानों को अब कितने रुपए की सरकारी सहायता प्रति वर्ष उपलब्ध कराई जाएगी ?
   (A) ₹ 4000 (B) ₹ 6000
   (C) ₹ 8000 (D) ₹ 10000

10. भारत अपने खनिज तेल की आवश्यकता की लगभग कितने प्रतिशत भाग की आपूर्ति आयातों द्वारा करता है ?
    (A) 60 प्रतिशत (B) 70 प्रतिशत
    (C) 80 प्रतिशत (D) 90 प्रतिशत

11. पूर्व वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान भारत ने खनिज तेल का सर्वाधिक आयात किस देश से किया ?
    (A) इराक
    (B) ईरान
    (C) संयुक्त अरब अमीरात
    (D) कुवैत

12. निम्नलिखित में से किस देश से भारत ने खनिज तेल का आयात 2017-18 से ही शुरू किया है ?
    (A) रूस (B) चीन
    (C) द. कोरिया (D) अमरीका

13. निम्नलिखित में से कौन विश्व बैंक के नए अध्यक्ष अप्रैल 2019 में चुने गए हैं ?
    (A) मारिया फर्नाडा एस्पिनोसा
    (B) डेविड मालपास
    (C) राबर्टो एज़बेडो
    (D) रूनेटो रिगेरो

14. निम्नलिखित में से किस दिन को मजदूर दिवस के रूप विश्व भर में मनाया जाता है ?
    (A) 1 मार्च (B) 1 अप्रैल
    (C) 1 मई (D) 1 जून

15. राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (CSO) के ताजा अनंतिम आकलन (31 मई, 2019 के आकलन) के अनुसार वित्तीय वर्ष 2018-19 में देश के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में वृद्धि (स्थिर मूल्यों पर) कितने प्रतिशत रही है ?
    (A) 6·8 प्रतिशत (B) 7·0 प्रतिशत
    (C) 7·2 प्रतिशत (D) 7·4 प्रतिशत

16. एनएसओ के ताजा अनंतिम आकलन में 2018-19 में स्थिर मूल्यों पर सकल मूल्य संवर्द्धन (Gross Value Addition–GVA) में वृद्धि कितने प्रतिशत आकलित की गई है ?
    (A) 6·4 प्रतिशत (B) 6·6 प्रतिशत
    (C) 6·8 प्रतिशत (D) 7·0 प्रतिशत

17. अर्थव्यवस्था के निम्नलिखित में से किस उपक्षेत्र में जीवीए में सर्वाधिक वृद्धि 2018-19 के दौरान दर्ज की गई है ?
    (A) कृषि
    (B) विनिर्माण
    (C) निर्माण
    (D) वित्तीय, रीयल एस्टेट एवं व्यावसायिक सेवाएं

18. 2018-19 में कृषि क्षेत्र में जीवीए में कितने प्रतिशत की वृद्धि एनएसओ के 31 मई, 2019 के अनंतिम आकलन में आकलित की गई है?
    (A) 2·9 प्रतिशत (B) 3·4 प्रतिशत
    (C) 3·9 प्रतिशत (D) 4·9 प्रतिशत

19. संयुक्त राष्ट्र संघ की वर्ष 2019 की मध्य वर्षीय वर्ल्ड इकोनॉमिक सिचुएशन एण्ड प्रॉस्पेक्ट्स (WESP) रिपोर्ट मई 2019 में जारी हुई. भारत में जीडीपी में 2019-20 में कितने प्रतिशत वृद्धि का अनुमान इस रिपोर्ट में लगाया गया है ?
    (A) 6·8 प्रतिशत (B) 7·0 प्रतिशत
    (C) 7·2 प्रतिशत (D) 7·4 प्रतिशत

20. निजी क्षेत्र की विमान सेवा कम्पनी एयर एशिया इण्डिया की ईक्विटी में

भारत के किस औद्योगिक घराने की 51 प्रतिशत हिस्सेदारी है ?

(A) टाटा (B) मुकेश अम्बानी

(C) गोयनका (D) अडानी

21. अद्यतन आँकड़ों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2018-19 में किस कम्पनी का टर्नओवर सर्वाधिक रहा है ?

(A) भारतीय तेल निगम (IOC)

(B) ओएनजीसी

(C) एचडीएफसी

(D) रिलायन्स इंडस्ट्रीज लि.

22. लाभार्जन के मामले में किस कम्पनी का पहला स्थान 2018-19 में रहा ?

(A) भारतीय तेल निगम

(B) ओएनजीसी

(C) अडानी पोर्ट्स

(D) रिलायंस इण्डस्ट्रीज लि.

23. मोदी सरकार की नई मंत्रिपरिषद् जिसने 30 मई, 2019 को शपथ ग्रहण की है, में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय का प्रभार किसे सौंपा गया है ?

(A) रवि शंकर प्रसाद

(B) अरविंद सावंत

(C) पीयूष गोयल

(D) निर्मला सीतारमण

24. केन्द्र सरकार में भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उपक्रम (Heavy Industries and Public Enterprise) मंत्रालय का प्रभार अब किसके पास है ?

(A) रवि शंकर प्रसाद

(B) नरेन्द्र सिंह तोमर

(C) अरविंद सावंत

(D) धर्मेन्द्र प्रधान

25. निम्नलिखित में से कौन वर्तमान में केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (CBDT) का अध्यक्ष है ?

(A) सुशील चन्द्र

(B) पी. सी. मोदी

(C) वनजा एस. सरना

(D) जी. वेणु गोपाल

26. केन्द्र सरकार के मानव संसाधन मंत्रालय की देश के शीर्ष शैक्षणिक संस्थानों की इण्डिया रैंकिंग–2019 में मैनेजमेंट श्रेणी के संस्थानों में निम्नलिखित में से किसे शीर्ष रैंकिंग प्रदान की गई है ?

(A) आईआईएम, अहमदाबाद

(B) आईआईएम, कोलकाता

(C) आईआईएम, इन्दौर

(D) आईआईएम, बेंगलूरू

27. कान फिल्म महोत्सव निम्नलिखित में से किस देश का वार्षिक फिल्मोत्सव है ?

(A) फ्रांस (B) अमरीका

(C) जर्मनी (D) इजरायल

28. निम्नलिखित में से किस फिल्म को मई 2019 में कैन्स (Cannes) फिल्मोत्सव में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पाम डि' ओर (Palm d' or) पुरस्कार दिया गया है ?

(A) एटलांटिस

(B) पेन एण्ड ग्लोरी

(C) पैरासाइट

(D) लेडी ऑन फायर

29. खुदरा व्यापारियों एवं दुकानदारों के लिए केन्द्र सरकार द्वारा शुरू की जा रही नई पेंशन योजना, जिसे केन्द्रीय मंत्रिमंडल की 31 मई, 2019 की बैठक में मंजूरी दी गई है, न्यूनतम कितने रुपए मासिक की सुनिश्चित पेंशन का प्रावधान है ?

(A) ₹ 2000 (B) ₹ 3000

(C) ₹ 4000 (D) ₹ 5000

30. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें एक को कथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है.

(A) रेपो दर में कटौती समग्र माँग में वृद्धि करती है, जो जीडीपी में वृद्धि को प्रोत्साहित करती है.

(R) भारतीय रिजर्व बैंक ने वर्ष 2019 की पहली दोनों मौद्रिक नीतियों में रेपो दर में 0·25-0·25 प्रतिशत की कटौती क्रमशः फरवरी व अप्रैल 2019 में की है.

नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनिए–

कूट :

(A) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है

(B) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, परन्तु कारण (R) कथन (A) की व्याख्या नहीं है

(C) कथन (A) सही है, परन्तु कारण (R) गलत है

(D) कथन (A) गलत है, परन्तु कारण (R) सही है

उत्तरमाला

1. (B)	2. (A)	3. (D)	4. (A)	5. (C)
6. (D)	7. (C)	8. (D)	9. (B)	10. (C)
11. (A)	12. (D)	13. (B)	14. (C)	15. (A)
16. (B)	17. (C)	18. (A)	19. (B)	20. (A)
21. (D)	22. (D)	23. (C)	24. (C)	25. (B)
26. (D)	27. (A)	28. (C)	29. (B)	30. (A)

यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, 8-7-2018 का हल प्रश्न-पत्र

शारीरिक शिक्षा

(द्वितीय प्रश्न-पत्र)

निर्देश–इस प्रश्न-पत्र में **सौ (100)** बहुविकल्पीय प्रश्न हैं. प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं.

1. जिस व्यक्ति ने "खेल-कूद के माध्यम से शिक्षा, संस्कृति, विकास तथा शान्ति के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है" उसे कौनसा पुरस्कार दिया जाता है ?
   (A) पीअरे द कूबरटिन मेडल
   (B) ओलम्पिक लारेल
   (C) ओलम्पिक आर्डर
   (D) ओलम्पिक कप
2. यह परिभाषा कि "खेल में विशुद्धतः क्रियाकलाप सम्बन्धी आनन्द के लिए अनुक्रियाओं की पुनरावृत्ति होती है." किसने दी है ?
   (A) बेटेलहाइम (B) पीगेट
   (C) गुथरी (D) लेविन
3. उस रोग को चिह्नित कीजिए जिसे हाइपोकाइनेटिक रोग (Hypokinetic Disease) कहा जाता है–
   (A) एड्स (AIDS)
   (B) डेंगू
   (C) सिरासिस ऑफ लिवर
   (D) रह्यूमैटिक (Rheumatic) आर्थ-राइटिस
4. उस मांसपेशी प्रोटीन को पहचानिए जो थिक फिलामेन्ट का हिस्सा नहीं है–
   (A) मिओसिन (B) सी-प्रोटीन
   (C) ट्रोपोमिओसिन (D) एम-प्रोटीन
5. रेनॉल्ड्स संख्या वह संख्या है जिसका प्रयोग यह निर्धारण करने के लिए किया जा सकता है कि किसी वस्तु के चारों ओर प्रवाह अशांत या परतदार है या नहीं यदि U → प्रक्षेपक की चाल है, d → गोला का व्यास है और U → माध्यम की श्यानता है, तो रेनॉल्ड्स संख्या की गणना किसके द्वारा होती है ?
   (A) $Re = \frac{Ud}{V}$ (B) $Re = \frac{Vd}{U}$
   (C) $Re = \frac{UV}{d}$ (D) $Re = UdV$
6. दो बल जो मात्रा में समतुल्य हैं, परिभ्रमण की धुरी से किसी दूरी पर विरोधी दिशाओं में कार्य करते हैं और बिना किसी स्थानान्तरण के परिभ्रमण उत्पन्न करते हैं, को कहा जाता है–
   (A) आवेग (Impulse)
   (B) आवेग-युग्मन
   (C) बल-युग्मन
   (D) प्रतिलोम गतिकी
7. नकारात्मक त्वरित अधिगम वक्र को यह भी कहा जाता है–
   (A) उत्तल वक्र (Convex Curve)
   (B) अवतल-उत्तल वक्र
   (C) अवतल वक्र (Concave Curve)
   (D) उत्तल-अवतल वक्र
8. प्रत्यक्षज्ञानात्मक शारीरिक क्रियात्मक सक्रियण में क्षण-क्षण परिवर्तनों को कहा जाता है–
   (A) विशेषता दुश्चिंता
   (B) संज्ञानात्मक स्थित दुश्चिंता
   (C) तनाव
   (D) कायिक स्थिति दुश्चिंता
9. शारीरिक शिक्षा में अध्यापन और अधिगम की पारिस्थितिकी ... समझने में सहायता करता है.
   (A) कार्य व्यवस्था के आयाम
   (B) अध्यापन प्रणाली विज्ञान
   (C) शिक्षक और छात्र की सामाजिक दक्षता
   (D) पर्यवेक्षण विधि
10. सभी रोगप्रतिकारक ..... से निर्मित यौगिक हैं.
    (A) पॉलिपेप्टाइड कड़ी
    (B) खनिज कॉर्टिकॉर्ड्स
    (C) ट्राइग्लिसराइड
    (D) डाइसैकेराइड कड़ी
11. अभ्यास से एक घण्टा पहले उपभोग की जाने वाली कार्बोहाइड्रेट (Carbohydrate) की मात्रा है–
    (A) शरीर के प्रति किलो वजन पर 1 ग्राम कार्बोहाइड्रेट
    (B) शरीर के प्रति किलो वजन पर 2 ग्राम कार्बोहाइड्रेट
    (C) शरीर के प्रति किलो वजन पर 2·5 ग्राम कार्बोहाइड्रेट
    (D) शरीर के प्रति किलो वजन पर 3 ग्राम कार्बोहाइड्रेट
12. जब कोई प्रशिक्षु किसी संचलन का बार-बार अभ्यास करता है और कोच निरन्तर पर्यवेक्षण करता है, सहायता करता है और त्रुटि सुधार करता है, तो इस विधि को कहा जाता है–
    (A) कार्य विधि
    (B) प्रस्तुतीकरण विधि
    (C) सहयोग विधि
    (D) अवलोकन विधि
13. खेलकूद प्रशिक्षण की कौनसी विशेषता वैज्ञानिक अवलोकन (Scientific Observation) प्रयोग, विश्लेषण और संश्लेषण की प्रक्रिया को निर्दिष्ट करता है ?
    (A) शैक्षिक प्रक्रिया
    (B) नियोजित और व्यवस्थित प्रक्रिया
    (C) पूर्णता की प्रक्रिया
    (D) वैज्ञानिक प्रक्रिया (Scientific Process)
14. गुणात्मक शोध (Qualitative Research) अध्ययनों में सामान्यतः प्राक्कल्पना–
    (A) कभी प्रयोग नहीं किए जाते
    (B) बहुधा सृजित किए जाते हैं क्योंकि आँकड़ों का संग्रहण, व्याख्या और विश्लेषण किया जाता है
    (C) शोध अध्ययन पूरा होने के पश्चात् सदैव चुने जाते हैं
    (D) अत्यन्त ही विशिष्ट होते हैं और अध्ययन प्रारम्भ करने से पहले बताए जाते हैं
15. गुणात्मक शोध में प्रयुक्त एक प्रकार का प्रतिचयन जिसमें उन मामलों का चयन शामिल होता है जो शोधकर्ता की आशाओं और सामान्यीकरण की पुष्टि नहीं करते हैं, को कहा जाता है–
    (A) अतिशय–मामला प्रतिचयन
    (B) नकारात्मक–मामला प्रतिचयन
    (C) आलोचनात्मक–मामला प्रतिचयन
    (D) लाक्षणिक–मामला प्रतिचयन
16. कौनसा मूल्यांकन सभी छात्रों के बीच सीखने के उच्च स्तरों को बढ़ावा देता है तथा उन क्षेत्रों को इंगित करता हैं जहाँ और विकास तथा सीखने की आवश्यकता है ?
    (A) रचनात्मक मूल्यांकन
    (B) संकलित मूल्यांकन
    (C) विषयनिष्ठ मूल्यांकन
    (D) वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन
17. यदि हमें 50 मदों का परीक्षण करना है जिसका माध्य 30 और मानक विचलन 6 है, कुदर रिचर्डसन पद्धति का प्रयोग करते हुए परीक्षण की विश्वसनीयता क्या होगी ?

(A) 0·70 (B) 0·82
(C) 0·68 (D) 0·78

18. पर्यवेक्षण (Supervision) का प्राथमिक ध्यान ····· देखना होगा.
(A) सीखने की स्थिति
(B) रिकॉर्डों का रख-रखाव
(C) कार्यकलाप कार्यक्रम
(D) प्रतियोगिता कार्यक्रम

19. अंतःप्राचीर कार्यक्रम ····· के लिए उत्कृष्ट आधार हैं.
(A) छात्र मनोरंजन
(B) मूल अनुदेशात्मक कार्य
(C) प्रतिभा पहचान
(D) कौशल विकास (Skill Development)

20. "प्ले" (Play) सिद्धान्त हैं–
1. विरेचन सिद्धान्त
2. गुणरोपण सिद्धान्त
3. मनोविश्लेषणात्मक सिद्धान्त
4. सामाजिक अधिगम सिद्धान्त
कूट :
(A) 1, 3 (B) 2, 4
(C) 1, 2 (D) 3, 4

21. निम्नलिखित में से कौन सही है ?
1. पहला शीतकालीन ओलम्पिक खेलों का आयोजन वर्ष 1928 में चेमोनिक्स, फ्रांस में हुआ था.
2. युवा ओलम्पिक की अवधारणा वर्ष 1998 में जोहान्न रोजनजोफ ने दी थी.
3. पहला शीतकालीन युवा ओलम्पिक खेलों (विंटर यूथ ओलम्पिक) वर्ष 2012 में इन्सब्रक (आस्ट्रिया) में आयोजित किया गया था.
4. प्रथम ग्रीष्म कालीन युवा ओलम्पिक खेलों का आयोजन वर्ष 2008 में सिंगापुर में हुआ था.
कूट :
(A) 1, 2 और 3
(B) 2 और 3
(C) 1, 3 और 4
(D) 1, 2, 3 और 4

22. निम्नलिखित में से थर्मोथिरैपी (Thermotherapy) प्रविधियों की पहचान कीजिए–
1. वाणिज्यक जेल
2. हाइड्रोकोलेटर पैक्स
3. अल्ट्रासाउन्ड
4. स्पन्दन (Vibration)
5. टी.ई.एन.एस.
6. डायाथर्मी (Diathermy)
अग्रलिखित कूट से सही उत्तर का पता लगाइए–
कूट :
(A) 1, 3, 5 (B) 2, 4, 6
(C) 1, 5, 6 (D) 2, 3, 6

23. किसी व्यक्ति का फुफ्फुसीय संवातन लिंग के निरपेक्ष ····· पर निर्भर करता है.
1. महत्वपूर्ण क्षमता
2. ज्वारीय परिमाण
3. हृदय गति (Heart Rate)
4. श्वांस गति (Respiratory Rate)
5. आघात परिमाण (Stroke Volume)
निम्नलिखित कूट से सही उत्तर का पता लगाइए–
कूट :
(A) 1, 2 (B) 2, 4
(C) 3, 5 (D) 2, 3

24. निम्नलिखित में से कौनसे सही हैं ?
1. मानव शरीर में सियाटिक स्नायु सबसे बड़ी और लम्बी स्नायु है.
2. फीमर की पार्श्विक गति विपरीत दिशा के श्रोणि के पार्श्विक झुकाव के कारण सुविधाजनक होता है.
3. हैम्स्ट्रिंग्स कूल्हा विस्तार और घुटना आकुंचन दोनों में सहायता करते हैं.
कूट :
(A) 1 और 2 सही हैं
(B) 2 और 3 सही हैं
(C) 1 और 3 सही हैं
(D) 1, 2 और 3 सही हैं

25. निम्नलिखित में से कौनसा सही है ?
1. बल का संवेग वह बल है जो बल के कार्य को रेखा और परिभ्रमण की धुरी के बीच अभिलम्ब दूरी से गुणित होता है.
2. ज्वाइंट एक्सेस (Joint Axes) के समीप ट्यूबरोसाइटीज और कॉन्डइल्स (Condyles) मांसपेशी के उत्तोलक भुजाओं को कम करते हैं.
3. ह्यूमेरस का कैपिटुलम और रेडियल ट्यूबरोसिटी (Tuberosity) यांत्रिकी लाभ में वृद्धि करते हैं.
कूट :
(A) 1 और 2 सही हैं
(B) 2 और 3 सही हैं
(C) 1 और 3 सही हैं
(D) 1, 2 और 3 सही हैं

26. दुश्चिंता की स्थिति के व्यक्तिगत कारक हैं–
1. संज्ञानात्मक मूल्यांकन
2. प्रतियोगिता (Competition)
3. प्रत्याशा (Expectation)
4. सामना कर सकने की शैली
कूट :
(A) 1, 2, 3 (B) 2, 3, 4
(C) 1, 3, 4 (D) 3, 4, 1

27. कैरन के नेतृत्व प्रक्रिया की अवधारणा तैयार करने के लिए दो बुनियादी तरीकों की पहचान की है–
1. सामाजिक प्रणाली
2. प्रभाव प्रणाली
3. शक्ति प्रणाली
4. नेता का प्रादुर्भाव
कूट :
(A) 2, 3 (B) 1, 4
(C) 1, 2 (D) 3, 4

28. शारीरिक शिक्षा (Physical Education) में अध्यापन/ अधिगम को मुख्य रूप से तीन अन्तर्क्रियात्मक कार्य के रूप में देखा जा सकता है–
1. छात्र-सामाजिक प्रणाली
2. संगठनात्मक कार्य प्रणाली
3. अनुदेशात्मक कार्य प्रणाली
4. मूल्यांकन कार्य प्रणाली
कूट :
(A) 2, 4, 3 (B) 2, 3, 1
(C) 1, 2, 4 (D) 1, 4, 3

29. कार्बोहाइड्रेट (Carbohydrate) भरण के लिए आवश्यकता होती है–
1. आहार में फेर-बदल
2. कठिन अभ्यास (Heavy Exercise)
3. निर्जलीकरण (Dehydration)
4. भुखमरी (Starvation)
5. नियासिन ग्रहण (Niacin Intake)
कूट :
(A) 1, 2, 3 (B) 2, 3, 5
(C) 2, 4, ,5 (D) 1, 2, 4

30. निम्नलिखित में से जल में घुलनशील विटामिनों का पता लगाइए–
1. विटामिन ए 2. विटामिन बी
3. विटामिन के 4. विटामिन डी
5. विटामिन सी
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का पता लगाइए–
कूट :
(A) 1, 2, 3 (B) 2, 5
(C) 2, 3 (D) 2, 4, 5

31. पहले रूपान्तरण के कारण होने वाले महत्वपूर्ण परिवर्तनों का सही संयोजन पता लगाइए–
1. भुजा और पैर लम्बे हो जाते हैं.
2. बुनियादी गति परिष्कृत हो जाते हैं.

3. अच्छे संवेगात्मक नियंत्रण का विकास होता है.
4. ऊँचाई बढ़ती है.
5. साधारण गतियों की संयोजन क्षमता अर्जित की जाती है.

कूट :

(A) 1, 2, 3, 5 (B) 1, 2, 4, 5
(C) 2, 3, 4, 5 (D) 1, 3, 4, 5

32. निम्नलिखित कूट में से रणनीतिक तैयारी के सिद्धान्तों (Principles) का सही संयोजन पता लगाइए–
1. रचनात्मक आत्म-प्रयास
2. अपरिवर्तनीय रणनीतिक योजना का निर्माण
3. मूल्यांकन और निर्धारण
4. कार्य का अवलोकन और प्रत्यक्ष ज्ञान
5. सिद्धान्त और व्यवहार की एकता

कूट :

(A) 1, 2, 3, 5 (B) 1, 2, 3, 4
(C) 1, 3, 4, 5 (D) 2, 3, 4, 5

33. केस स्टडी शोध (Case Study research) डिजाइन के विशेष रूप से महत्वपूर्ण घटक हैं–
1. अध्ययन के प्रश्न
2. विश्लेषणात्मक सामान्यीकरण
3. विश्लेषण की एक इकाई
4. निष्कर्ष की व्याख्या के लिए मानदण्ड

कूट :

(A) 1, 2 और 3 (B) 2, 3 और 4
(C) 3, 4 और 1 (D) 4, 1 और 2

34. निम्नलिखित किस केस स्टडी डिजाइन (Study Designs) में शोधकर्ता किसी विशेष केस की तुलना में कुछ अधिक सामान्य को समझने में अपनी प्रारम्भिक रुचि को केन्द्रित करता है ?
1. मूलभूत केस स्टडी
2. सहायक केस स्टडी
3. सामूहिक केस स्टडी
4. भूतलक्षी केस स्टडी

कूट :

(A) 1 और 2 (B) 2 और 3
(C) 3 और 4 (D) 4 और 1

35. निम्नलिखित में से कौनसा ज्ञान परीक्षण (Knowledge Test) से सम्बन्धित है ?
1. विभेद सूचकांक
2. कठिनाई रेटिंग (Difficulty Rating)
3. सम्मिश्र अंक
4. प्रत्युत्तर गुणवत्ता

कूट :

(A) 1, 2, 3 (B) 1, 3, 4
(C) 1, 2, 4 (D) 1, 2, 3, 4

36. स्काट गामक योग्यता परीक्षण बैटरी–2 के मद कौनसे हैं ?
1. फर्राटा (Dash)
2. बास्केटबाल फेंकना
3. बाधा-दौड़
4. दीवार पास (Wall Pass)
5. लम्बी कूद

कूट :

(A) 2, 3, 4, 5 (B) 1, 2, 3, 5
(C) 2, 3, 5 (D) 2, 3, 4

37. प्रबन्धन में संचार के तरीकों का सही संयोजन पता लगाइए–
1. श्रव्य दृश्य संचार
2. इलैक्ट्रिक/वायर संचार
3. अप्रत्यक्ष (Indirect) संचार
4. मौखिक (Oral) संचार
5. लिखित (Written) संचार

कूट :

(A) 4, 5, 1, 2 (B) 1, 2, 3, 4, 5
(C) 5, 4, 3, 2 (D) 2, 3, 4, 5, 1

38. निम्नलिखित कूट का प्रयोग करते हुए प्रबन्धन में निर्णय करने के सही संयोजन का पता लगाइए–
1. निर्णय करने की आवश्यकता का निर्धारण
2. सर्वोत्तम विकल्प का चयन
3. लागू किए जाने वाले मानदण्ड स्थापित करना
4. विकल्पों की सूची बनाना
5. प्रत्येक मानदण्ड की प्राथमिकता प्रदान करना
6. विकल्प को लागू करना और इसकी प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना

कूट :

(A) 6, 4, 5, 3, 1 और 2
(B) 1, 3, 5, 4, 2 और 6
(C) 4, 5, 6, 3, 1 और 2
(D) 3, 4, 1, 5, 2 और 6

39. ओलम्पिक में शुरू किए गए निम्नलिखित महिला स्पर्धाओं को पहले से अन्तिम के क्रम में व्यवस्थित कीजिए–
1. साइक्लिंग (Track Events)
2. बास्केटबाल (Basketball)
3. भारोत्तोलन (Weightlifting)
4. मुक्केबाजी (Boxing)

कूट :

(A) 1, 3, 2, 4 (B) 2, 1, 3, 4
(C) 1, 2, 4, 3 (D) 2, 3, 1, 4

40. नीचे दिए गए कूट में से सही क्रम को चुनिए–
1. अध्रुवण (Depolarization)
2. एसिटाइल कोलिन की निर्युक्ति
3. उद्दीपन (Stimulus)
4. एक्शन पोटेन्शियल
5. स्पाइक पोटेन्शियल

कूट :

(A) 4, 3, 1, 5, 2 (B) 3, 1, 4, 2, 5
(C) 3, 4, 1, 5, 2 (D) 4, 1, 3, 2, 5

41. नीचे दिए गए कूट से सही क्रम को चुनिए–
1. संपीडन (Compression)
2. स्थायीकरण (Stabilization)
3. बर्फ (Ice)
4. विश्राम (Rest)
5. उन्नयन (Elevation)

कूट :

(A) 3, 1, 4, 2, 5 (B) 4, 3, 1, 5, 2
(C) 3, 1, 5, 2, 4 (D) 4, 1, 3, 5, 2

42. चलने के गेट चक्र में अवधियों का सही क्रम पता कीजिए–
1. टर्मिनल स्विंग
2. प्री-स्विंग (Pre–Swing)
3. इनिशियल कांटैक्ट
4. इनिशियल स्विंग
5. लोडिंग रिस्पांस
6. मिड स्टांस (Mid Stance)
7. टर्मिनस स्टांस
8. मिड स्विंग (Mid Swing)

कूट :

(A) 3, 7, 6, 2, 4, 8, 5, 1
(B) 3, 5, 6, 7, 2, 4, 8, 1
(C) 3, 6, 5, 7, 2, 8, 4, 1
(D) 3, 7, 5, 6, 8, 4, 2, 1

43. यदि एक व्यक्ति शरीर रचना मुद्रा में खड़ा है तो विभिन्न जोड़ के निम्नलिखित सुस्पष्ट सतहों को शरीर में ऊपर से नीचे की ओर के क्रम में व्यवस्थित कीजिए–
1. एसेटब्युलम
2. ग्लेनोइड केविटी
3. मिडियेल और लैठेरल कॉन्डाइल
4. ट्रॉचलियर नॉच

कूट :

(A) 1, 4, 2, 3 (B) 2, 4, 1, 3
(C) 2, 1, 3, 4 (D) 1, 2, 3, 4

44. नीचे दिए गए कूट में से सिद्धान्तों के सही कालक्रम को चुनिए–
1. नेतृत्व का जीवन-चक्र सिद्धान्त
2. आक्रमण का दो कारक सिद्धान्त
3. प्रेरणा का आवश्यकता उपलब्धि सिद्धान्त
4. दुश्चिंता का उत्क्रमण सिद्धान्त

कूट :

(A) 3, 4, 2, 1 (B) 1, 2, 4, 3
(C) 2, 3, 1, 4 (D) 4, 1, 3, 2

45. छात्रों के लिए महत्वपूर्ण परिणाम प्राप्त करने हेतु आदर्श पाठ्यक्रम के समुचित अवधारणा निर्माण की आवश्यकता होती है. निम्नलिखित को क्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए–
1. अनुदेशात्मक व्यवहारों के लक्ष्ण परिभाषित करना.
2. मूल्यांकन करना कि किस तरह अनुदेशात्मक व्यवहार और संगठनात्मक दशाएँ परिणाम प्राप्त करने में सहायक/बाधक हो सकती हैं.
3. एक स्पष्ट कार्यक्रम दृष्टि का विकास करना.
4. पाठ्यक्रम योजना का विकास करना.

कूट :
(A) 3, 1, 2, 4 (B) 1, 2, 3, 4
(C) 2, 4, 1, 3 (D) 2, 3, 4, 1

46. निम्नलिखित कूट में से लोक स्वास्थ्य (Public Health) के चार विशिष्ट चरणों का सही कालक्रमिक क्रम पता लगाइए–
1. सामाजिक इंजीनियरिंग चरण
2. रोग नियंत्रण चरण
3. सबके लिए स्वास्थ्य चरण
4. स्वास्थ्य संवर्धनात्मक चरण

कूट :
(A) 2, 4, 1, 3 (B) 4, 2, 1, 3
(C) 3, 2, 4, 1 (D) 1, 2, 4, 3

47. स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रमों (School Health Programme) के उद्देश्यों को सही क्रम में व्यवस्थित करिए और निम्नलिखित कूट में से सही उत्तर चुनिए–
1. रोग से बचाव.
2. शीघ्र निरूपण और उपचार.
3. विद्यार्थियों और कर्मचारियों में स्वास्थ्य चेतना जाग्रत करना.
4. स्वास्थ्यप्रद विद्यालय वातावरण की व्यवस्था.

कूट :
(A) 4, 2, 3, 1 (B) 4, 3, 1, 2
(C) 1, 4, 2, 3 (D) 3, 4, 1, 2

48. वार्षिक योजना (Year Plan) तैयार करने के लिए चरणों का सही क्रम पता लगाइए–
1. लक्ष्य और उपलक्ष्य का निर्धारण
2. अवधियों और मध्य-चक्रों का निर्धारण
3. भार गतिकी और सूचकांकों का निर्धारण
4. प्रदर्शन पूर्वानुमान और प्रदर्शन संचरना का निर्धारण
5. परीक्षणों, नियंत्रणों, प्रतियोगिताओं की तिथियों का निर्धारण

कूट :
(A) 1, 4, 3, 2, 5 (B) 4, 1, 2, 5, 3
(C) 1, 2, 3, 4, 5 (D) 5, 1, 3, 2, 4

49. नीचे दिए गए कूट में से सही क्रम को चुनिए–
1. अपवाही प्रक्रिया
2. सम्बन्धित मांसपेशियों की क्रिया
3. संचलन कार्यक्रम का निर्माण
4. संचलन का क्रियान्वयन आरम्भ होता है
5. अभिवाही प्रक्रिया

कूट :
(A) 1, 3, 2, 5, 4 (B) 3, 1, 2, 4, 5
(C) 2, 3, 4, 5, 1 (D) 3, 2, 4, 5, 1

50. निम्नलिखित कूट में से ऊपर से नीचे दिए गए मानवमिति चिह्नों को व्यवस्थित कीजिए जब एक शरीर रचना के अनुरूप स्थिति में खड़ा है ?
1. स्टाइलॉइड प्रोसेस
2. ट्रेजिऑन (Tragion)
3. मिडियल मैलिओलस
4. जिफोइड प्रोसेस (Xiphoid Process)

कूट :
(A) 4, 2, 3, 1 (B) 4, 2, 1, 3
(C) 2, 4, 3, 1 (D) 2, 4, 1, 3

51. निम्नलिखित कूट का प्रयोग करते हुए उपकरणों का ध्यान रखने तथा उनके अनुरक्षण के घटकों को क्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए–
1. जाँच (Checking)
2. सफाई (Cleaning)
3. गिनती (Counting)
4. मरम्मत (Repairing)
5. धूल झाड़ना (Dusting)

कूट :
(A) 2, 3, 4, 1 और 5
(B) 1, 2, 3, 4 और 5
(C) 1, 3, 5, 2 और 4
(D) 3, 4, 5, 1 और 2

52. प्रभावी बजट निर्माण के सिद्धान्तों को क्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए–
1. पहले तैयार रहें
2. लचीला बनें
3. यथार्थवादी बनें
4. सहज समझने योग्य हों
5. कार्यक्रम उद्देश्यों पर आधारित हों

कूट :
(A) 5, 3, 2, 1, 4 (B) 4, 3, 1, 2, 5
(C) 2, 3, 4, 5, 1 (D) 1, 2, 3, 5, 4

53. मापन व मूल्यांकन (Evaluation) के उद्देश्य कौनसे हैं ?
1. पूर्वानुमान 2. अभिप्रेरणा
3. उपलब्धि 4. निदान

कूट :
(A) 1, 2, 3 (B) 1, 3, 4
(C) 2, 3, 4 (D) 1, 2, 3, 4

54. संज्ञानात्मक क्षेत्र में सरल से जटिल की ओर नीचे दिए गए कूट में से श्रेणीक्रम में व्यवस्थित कीजिए–
1. संश्लेषण (Synthesis)
2. विश्लेषण (Analysis)
3. ज्ञान (Knowledge)
4. मूल्यांकन (Evaluation)
5. अनुप्रयोग (Application)
6. बोध (Comprehension)

कूट :
(A) 3, 6, ,5, 1, 2, 4
(B) 3, 6, 2, 5, 1, 4
(C) 3, 6, 5, 2, 1, 4
(D) 3, 6, 2, 1, 5, 4

55. नीचे दो कथन दिए गए हैं. एक को **अभिकथन (A)** और दूसरे को **तर्क (R)** कहा गया है–
अभिकथन (A) : अभिविन्यास को न तो बहुत दीर्घ और न ही बहुत लघु होना चाहिए अपितु 'पर्याप्त' होना चाहिए.
तर्क (R) : अध्यापन तकनीक अभिविन्यास स्प्रिंट दौड़ में एक "गेट सेट" (Get Set) की स्थिति होती है.
उपर्युक्त कथनों के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा सही है ?

कूट :
(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है
(C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है
(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है

56. नीचे दो कथन दिए गए हैं. एक को **अभिकथन (A)** और दूसरे को **तर्क (R)** कहा गया है–
अभिकथन (A) : 100 मीटर में झुकी हुई स्थिति, मांसपेशी की बल-लम्बाई सम्बन्ध और बढ़े हुए जोड़ संचलन के कारण मांसपेशीय ऊर्जा आवश्यकता की दृष्टि से अवस्था अधिक खर्चीली होती है, किन्तु जैव यांत्रिकी दृष्टि से यह लाभप्रद है.
तर्क (R) : चालक बल की दिशा में आधार के आकार में वृद्धि संतुलन को बढ़ा देता है.

उपर्युक्त कथनों के सन्दर्भ में निम्न-लिखित में से कौनसा सही है ?

कूट :

(A) (A) एवं (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है

(B) (A) एवं (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

(C) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है

(D) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है

57. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक **अभिकथन (A)** है और दूसरा **तर्क (R)** है–

अभिकथन (A) : किसी भी परीक्षण कार्यक्रम की सफलता के लिए छात्रों का परीक्षणों के प्रति दृष्टिकोण अत्यन्त महत्वपूर्ण होता है.

तर्क (R) : शारीरिक शिक्षक को उन सकारात्मक प्रेरक गुणों का लाभ उठाना चाहिए जो सामान्यतया शारीरिक प्रदर्शन परीक्षणों में अंतर्निहित होते हैं.

उपर्युक्त कथनों के सन्दर्भ में निम्न-लिखित में से कौनसा सही है ?

कूट :

(A) (A) एवं (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है

(B) (A) एवं (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

(C) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है

(D) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है

58. नीचे दो कथन दिए गए हैं. एक को **अभिकथन (A)** और दूसरे को **तर्क (R)** कहा गया है–

अभिकथन (A) : प्रबन्धन चीजों को सम्पन्न करने या पूरा करने की प्रक्रिया है.

तर्क (R) : मनुष्य के साथ निपटने का विलक्षण तरीका मानव अभियांत्रिकों (Human Engineering) की कला है.

उपर्युक्त कथनों के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा सही है ?

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है

(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है

(C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है

(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है

59. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक **अभिकथन (A)** है और दूसरा **तर्क (R)** है–

अभिकथन (A) : शारीरिक स्वस्थता परीक्षणों की वैधता प्रदर्शन मानदण्ड के रूप में बैटरी में सभी परीक्षण मदों के संयुक्त अंकों को प्रयुक्त का निर्धारित की जाती है.

तर्क (R) : वैधता स्थापित करते हुए परीक्षण मदों को भी दोहरीकरण विलोपित करने के लिए सहसम्बन्धित करना चाहिए.

उपर्युक्त कथनों के सन्दर्भ में निम्न-लिखित में से कौनसा सही है ?

कूट :

(A) (A) एवं (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है

(B) (A) एवं (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

(C) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है

(D) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है

60. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक **अभिकथन (A)** है और दूसरा **तर्क (R)** है–

अभिकथन (A) : जब एक परीक्षक की अनेक परीक्षणों की विश्वसनीयता प्राप्त करने या दो से अधिक निर्णयकों के साथ परीक्षण की वस्तुनिष्ठता में रुचि है, प्रसरण विश्लेषण द्वारा अन्तर-श्रेणी सहसम्बन्ध गुणांक का प्रयोग किया जाता है.

तर्क (R) : प्रोडक्ट मोमेंट (Product Moment) सहसम्बन्ध अनेक परीक्षणों पर परिवर्तिता के विभिन्न स्रोतों की सम्पूर्ण परीक्षण के माध्यम से अनुमति नहीं देता है.

उपर्युक्त कथनों के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा सही है ?

कूट :

(A) (A) एवं (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है

(B) (A) एवं (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

(C) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है

(D) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है

61. नीचे दो कथन दिए गए हैं. एक को **अभिकथन (A)** और दूसरे को **तर्क (R)** कहा गया है–

अभिकथन (A) : अनुप्रयुक्त शोध में समस्याएँ मुद्दों की दिशा में होना चाहिए, जो अंततः प्रैक्टिस करने वालों के लिए उपयोगी सिद्ध होता है.

तर्क (R) : वैज्ञानिकों को जो वे अवलोकन करते हैं के प्रभावों को ही नहीं देखना चाहिए अपितु उनके मूल कारणों का पता लगाने का प्रयत्न भी करना चाहिए.

उपर्युक्त कथनों के सन्दर्भ में निम्न-लिखित में से कौनसा सही है ?

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है

(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है

(C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है

(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है

62. नीचे दो कथन दिए गए हैं. एक को **अभिकथन (A)** और दूसरे को **तर्क (R)** कहा गया है–

अभिकथन (A) : कुछ इतिहासकार सिद्धान्तों को उनके साक्ष्य की तुलना में जाँच भी करते हैं और सामान्यीकरण के आधार के रूप में सिद्धान्त का प्रयोग करते हैं.

तर्क (R) : सामान्यीकरण (Generalization) बृहत् सांश्लेषिक कथन हैं जो कई साक्ष्यों के इतिहासकार के भाव को प्रस्तुत करता है.

उपर्युक्त कथनों के सन्दर्भ में निम्न-लिखित में से कौनसा सही है ?

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है

(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है

(C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है

(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है

63. नीचे दो कथन दिए गए हैं. एक को **अभिकथन (A)** और दूसरे को **तर्क (R)** कहा गया है–

अभिकथन (A) : प्रशिक्षण की विभिन्न अवस्थाओं के लिए माँग रूपरेखा का निर्धारण प्रदर्शन क्षमता और दर्शन संरचना के आधार पर होना चाहिए.

तर्क (R) : माँग रूपरेखा सर्वाधिक प्रभावशाली साधन हैं जो प्रतिभा की पहचान करने तथा इसके विकास के लिए आधार के रूप में काम करती हैं.

उपर्युक्त कथनों के सन्दर्भ में निम्न-लिखित में से कौनसा सही है ?

कूट :

(A) (A) एवं (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है

(B) (A) एवं (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

(C) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है

(D) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है

64. नीचे दो कथन दिए गए हैं. एक को **अभिकथन (A)** और दूसरे को **तर्क (R)** कहा गया है–

अभिकथन (A) : मोटर क्षमता या कौशल में जितनी स्थिर वृद्धि होगी. इसके गिरावट की गति उतनी ही धीमी होगी. प्रशिक्षण के आभाव में.

तर्क (R) : प्रशिक्षण के दीर्घ अंतराल और परिवर्ती अवधियाँ मोटर क्षमता या कौशल में धीमी गिरावट के लिए लाभकारी सिद्ध हुई हैं.

उपर्युक्त कथनों के सन्दर्भ में निम्न-लिखित में से कौनसा सही है ?

कूट :

(A) (A) एवं (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है
(B) (A) एवं (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है
(D) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है

65. नीचे दो कथन दिए गए हैं. एक को **अभिकथन (A)** और दूसरे को **तर्क (R)** कहा गया है–

अभिकथन (A) : किसी व्यक्ति में रोगप्रतिरक्षा उसके ह्यूमरल (Humoral) और सेल्युलर प्रतिक्रिया पर निर्भर करता है.

तर्क (R) : उत्पन्न रोग प्रतिरक्षा, रोग के प्रकार पर निर्भर अलग-अलग समयावधि के लिए सामान्य होता है.

उपर्युक्त कथनों के सन्दर्भ में निम्न-लिखित में से कौनसा सही है ?

कूट :

(A) (A) एवं (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है
(B) (A) एवं (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है
(D) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है

66. नीचे दो कथन दिए गए हैं. एक को **अभिकथन (A)** और दूसरे को **तर्क (R)** कहा गया है–

अभिकथन (A) : किसी समुदाय में वर्तमान मृत्यु दर के सापेक्ष समुदाय के स्वास्थ्य का वर्णन पूर्णता न्यायोचित है.

तर्क (R) : जनसंख्या में मृत्यु की संख्या कम करना स्वास्थ्यचर्या कार्यक्रम का स्पष्ट लक्ष्य है और ऐसा करने में सफलता या विफलता बेहतर स्वास्थ्य के प्रति राष्ट्र की प्रतिबद्धता का पैमाना है.

उपर्युक्त कथनों के सन्दर्भ में निम्न-लिखित में से कौनसा सही है ?

कूट :

(A) (A) एवं (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है
(B) (A) एवं (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है
(D) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है

67. नीचे दो कथन दिए गए हैं. एक को **अभिकथन (A)** और दूसरे को **तर्क (R)** कहा गया है–

अभिकथन (A) : शारीरिक शिक्षा कार्यक्रम जो किन्डरगार्टन बालकों के लिए सम्पूर्ण हो का ढांचा बनाना कठिन होता है.

तर्क (R) : बालकों और बालिकाओं की परिपक्वता में भिन्नता और अनेक अन्य अंतर के कारण अपेक्षित होता है कि पाठ्यक्रम छात्रों को आनंद उठाने के लिए विभिन्न प्रकार के अनुभव प्रदान करें.

उपर्युक्त कथनों के सन्दर्भ में निम्न-लिखित में से कौनसा सही है ?

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है
(C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है
(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है

68. नीचे दो कथन दिए गए हैं. एक को **अभिकथन (A)** और दूसरे को **तर्क (R)** कहा गया है–

अभिकथन (A) : पाठ्यक्रम (Curriculum) शैक्षणिक और पेशेवर दर्शनों को कार्यान्वित करने का साधन है.

तर्क (R) : इसका व्यापक परिप्रेक्ष्य होता है जिसमें आवश्यक और सहायक तत्व शामिल होते हैं जिनका लक्ष्य शैक्षणिक तथा पेशेवर उद्देश्यों के सार्थक नयाचार को बनाए रखना होता हैं.

उपर्युक्त कथनों के सन्दर्भ में निम्न-लिखित में से कौनसा सही है ?

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है
(C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है
(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है

69. नीचे दो कथन दिए गए हैं. एक को **अभिकथन (A)** और दूसरे को **तर्क (R)** कहा गया है–

अभिकथन (A) : सूचना संसाधन में उत्प्रेरक की पहचान करना मुख्यरूप से संवेदी अवस्था है जो विभिन्न स्रोतों से जोड़ी गई पर्यावरणीय सूचना (Environmental Information) का विश्लेषण करता है.

तर्क (R) : यह अवस्था उत्प्रेरक की पहचान करने से प्रारम्भ होता है जो पर्यावरणीय उत्प्रेरकों के प्रकृति बारे में सूचना प्रदान करता है कि कौनसा कदम उठाना है.

उपर्युक्त कथनों के सन्दर्भ में निम्न-लिखित में से कौनसा सही है ?

कूट :

(A) (A) एवं (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है
(B) (A) एवं (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है
(D) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है

70. नीचे दो कथन दिए गए हैं. एक को **अभिकथन (A)** और दूसरे को **तर्क (R)** कहा गया है–

अभिकथन (A) : व्यक्तिगत लक्षण और परिस्थितिजन्य कारक व्यवहार को प्रभावित करने के लिए विचित्र तरीके से एक-दूसरे के साथ अन्तर्क्रिया करते हे या मिल जाते हैं.

तर्क (R) : एक व्यक्ति का व्यवहार पर्यावरणीय प्रभावों तथा सामाजिक पुनर्बलन के द्वारा निर्धारित होता है.

उपर्युक्त कथनों के सन्दर्भ में निम्न-लिखित में से कौनसा सही है ?

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है
(C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है
(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है

71. नीचे दो कथन दिए गए हैं. एक को **अभिकथन (A)** और दूसरे को **तर्क (R)** कहा गया है–

अभिकथन (A) : गोल्फ में एक ड्राइव शॉट (Drive Shot) गड्ढा वाले गोल्फ गेंद को सरलता से 250 गज तक पहुँचा सकता है जबकि बिना गड्ढा वाला गोल्फ गेंद उसी ड्राइव शॉट से लगभग 100 गज तक पहुँचा पाता है.

तर्क (R) : गोल्फ के गेंद में गड्ढा अत्यन्त ही प्रभावी 'ट्रिप वायर' के रूप में काम करता है जिसके परिणामस्वरूप परतदार प्रवाह का जल्दी अलगाव होता है और घटा हुआ तलघर्षण गोल्फ गेंद को समान प्रयास से ही अधिक दूरी तय करने देता है.

उपर्युक्त कथनों के सन्दर्भ में निम्न-लिखित में से कौनसा सही है ?

कूट :

(A) (A) एवं (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है

(B) (A) एवं (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है
(D) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है

72. नीचे दो कथन दिए गए हैं. एक को **अभिकथन (A)** और दूसरे को **तर्क (R)** कहा गया है–

अभिकथन (A) : जब कोई किसी बृहद् भार को खींच रहा है या धकेल रहा है तो यदि वह बड़े कदमों की अपेक्षा छोटे कदम उठाता है तो लगाए गए बल में कम उतार-चढ़ाव होगा.

तर्क (R) : यदि बड़े कदम उठाए जाते हैं ΣF_{FF} में अधिक परिवर्तन के कारण ΣF_C में बड़ा परिवर्तन होगा जिसके परिणामस्वरूप भार में त्वरण और वित्वरण होगा.

उपर्युक्त कथनों के सन्दर्भ में निम्न-लिखित में से कौनसा सही है ?

कूट :
(A) (A) एवं (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है
(B) (A) एवं (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है
(D) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है

73. नीचे दो कथन दिए गए हैं. एक को **अभिकथन (A)** और दूसरे को **तर्क (R)** कहा गया है–

अभिकथन (A) : 2000 मी या या अधिक की तुंगता पर हाइपरवेंटिलेशन (Hyperventilation) तथा तुंगता के कारण बढ़ी हुई कार्डियोवस्कुलर क्रिया से क्षमता प्रदर्शन में अधिक कमी आती है.

तर्क (R) : तुंगतता अल्पकालिक (Anaerobie) स्प्रिंट और शक्ति प्रदर्शन पर प्रतिकूट प्रभाव नहीं डालता है जो उच्च-ऊर्जा फॉस्फेट तथा ग्लाइको-लिटिक प्रतिक्रिया पर निर्भर करता है.

उपर्युक्त कथनों के सन्दर्भ में निम्न-लिखित में से कौनसा सही है ?

कूट :
(A) (A) एवं (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है
(B) (A) एवं (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है
(D) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है

74. नीचे दो कथन दिए गए हैं. एक को **अभिकथन (A)** और दूसरे को **तर्क (R)** कहा गया है–

अभिकथन (A) : ऊर्जा व्यय का मापन अथवा अनुमान अभ्यास शरीरक्रिया विज्ञानी को किसी क्रियाकलाप के शरीरक्रियात्मक लागत के निर्धारण की अनुमति देता है और यह निष्पादक कार्य के ऑक्सीजन लागत के द्वारा मापा जाता है.

तर्क (R) : मेटाबोलिक (एम ई टी) समतुल्य ऊर्जा व्यय अभिव्यक्त करने की जेनरिक पद्धति है. एक एम ई टी विश्राम में ऑक्सीजन खपत के समतुल्य है.

उपर्युक्त कथनों के सन्दर्भ में निम्न-लिखित में से कौनसा सही है ?

कूट :
(A) (A) एवं (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है
(B) (A) एवं (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है
(D) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है

75. नीचे दो कथन दिए गए हैं. एक को **अभिकथन (A)** और दूसरे को **तर्क (R)** कहा गया है–

अभिकथन (A) : अस्तित्ववाद परम्परागत दर्शनों के विरुद्ध अधिक प्रतिक्रिया स्वरूप है जो तात्विक सिद्धान्तों में सर्वोच्च व्यवस्था तथा शाश्वत अर्थ की खोज करने की माँग करता है.

तर्क (R) : अस्तित्ववाद में मानव जीवन में अपने अर्थ की स्वयं परिभाषा करता है और अतर्कसंगत ब्रह्माण्ड में विद्यमान होने के बावजूद तर्कसंगत निर्णय करने का प्रयास करता है.

उपर्युक्त कथनों के सन्दर्भ में निम्न-लिखित में से कौनसा सही है ?

कूट :
(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है
(C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है
(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है

76. नीचे दो कथन दिए गए हैं. एक को **अभिकथन (A)** और दूसरे को **तर्क (R)** कहा गया है–

अभिकथन (A) : किशोरावस्था तीव्र विकास और विसंगत परिवर्तन का समय होता है जो भिन्न-भिन्न किशोरों में भिन्न-भिन्न होता है.

तर्क (R) : किशोर प्रिफ्रंटल कोर्टेक्स (Prefrontal Cortex) जो विकास के लिए उत्तरदायी होता है पूरी तरह से विकसित नहीं होता है.

उपर्युक्त कथनों के सन्दर्भ में निम्न-लिखित में से कौनसा सही है ?

कूट :
(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है
(C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है
(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है

77. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I
(a) मनोदशा प्रोफाइल
(b) खेल सम्बद्धता
(c) स्थिति-लक्षण दुश्चिंता सूची
(d) एथलेटिक सामना करने की कौशल सूची

सूची-II
1. स्पील्बर्ग गोर्सच और लूशेन
2. स्मिथ, शूट्ज, स्मॉल और प्लेसेक
3. लान्डर और लूश्चेन
4. मैक्सलेयर लॉर और ड्रॉपलमैन

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	3	1	2
(B)	3	1	2	4
(C)	1	4	3	2
(D)	2	1	4	3

78. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित करें और नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन करें–

सूची-I
(a) स्वतःसाधक भविष्योकित
(b) आत्म-सम्मान
(c) आत्म बिम्ब
(d) आत्म धारणा

सूची-II
1. अपने पर्यावरण की व्याख्या करके अनुभव के माध्यम से स्व निर्माण का प्रत्यक्ष ज्ञान
2. आपके अनुभव चिन्तन और भावनाओं के कुल योग को प्रतिबिम्बित करता है
3. कुछ होने की आशा करना जो वास्तव में इसके होने में सहायता करता है
4. स्वयं में गर्व का अनुभव करना जिसमें वह अपनी अपूर्णता के प्रति सजग होता है तथा उसे स्वीकार करता है जो उसकी अंतर्निहित शक्तियों तथा सकारात्मक गुणों को संजोए रखता है

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	1	3	4
(B)	1	3	4	2
(C)	3	4	2	1
(D)	5	2	1	3

79. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (खिलाड़ी)

(a) स्प्रिंटर्स (Sprinters)
(b) महिला जिम्नास्ट
(c) रैकेट स्पोर्ट्स (Racquet Sports)
(d) रोईंग और कैनोसिंग

सूची-II (उच्च स्तरीय खेल प्रदर्शन के लिए वांछनीय आसन)

1. एन्टीरियर पेल्विक टिल्ट और लार्डोसिस
2. राउन्डेड बैक (Rounded Back)
3. एन्टीरियर पेल्विक टिल्ट और प्रोट्रूडिंग बटक्स
4. इनवर्टेड फीट

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	3	4	2
(B)	4	3	2	1
(C)	3	1	4	2
(D)	1	2	3	4

80. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट में से सही विकल्प चुनिए–

सूची-I (मांसपेशी)

(a) रेक्टस फेमोरिस
(b) सार्टोरियस
(c) बाइसेप्स फेमोरिस (लांग हेड)
(d) सेमीटेन्डीनोसस

सूची-II (समीपस्थ संयोजन)

1. एन्टीरियर सुपीरियर इलियक स्पाइन
2. लैटेरल इस्चियल फ्यूबरोसिटी
3. मेडियल इस्चियल ट्यूबरोसिटी
4. एन्टीरियर इन्फीरियर इलियक स्पाइन

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	4	3	2
(B)	4	1	2	3
(C)	4	2	1	3
(D)	1	4	2	3

81. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I

(a) ए.टी.पी.
(b) ए.टी.पी. + पी.सी. + लैक्टिक अम्ल
(c) ए.टी.पी + पी.सी.
(d) इलेक्ट्रॉन परिवहन-ऑक्सिडेटिव फास्फोराइलेशन

सूची-II

1. सतत् शक्ति
2. एरोबिक क्षमता
3. बल-शक्ति
4. ऐनोरोबिक शक्ति क्षमता

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	2	1	3
(B)	3	1	4	2
(C)	3	4	1	2
(D)	4	1	2	3

82. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I

(a) मेटेनोलोन (Metenolone)
(b) कोरिओनिक गोनाडोट्रोफिन
(c) साल्ब्यूटोमॉल
(d) डेस्मोप्रेसिन (Desmopressin)

सूची-II

1. पेप्टिड हार्मोन
2. डियूरेटिक्स (Diureties)
3. अनाबोलिक एजेन्ट
4. बीटा–2 अर्गोनिस्ट

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	4	1	2
(B)	4	3	2	1
(C)	2	4	1	3
(D)	3	1	4	2

83. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (एसोसिएशन/ फेडरेशन)	सूची-II (स्थापना)
(a) एफ.आई.वी.ए.	1. 1932
(b) एफ.आई.बी.ए.	2. 1907
(c) आई.एस.एस.एफ.	3. 1947
(d) आई.टी.टी.एफ.	4. 1926

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	1	2	4
(B)	4	2	3	1
(C)	2	4	1	3
(D)	4	3	2	1

84. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (आईओसी महिला और खेल पुरस्कार, 2017)

(a) विश्व ट्रॉफी विजेता
(b) एशिया
(c) अफ्रीका
(d) यूरोप

सूची-II (विजेता)

1. जापान महिला टेनिस फेडरेशन
2. सुश्री लाइड एने
3. श्रीमती बिर्गट्टा कर्विनेन
4. सुश्री एन्डुला वसिलिउ
5. सुश्री पिन जियांग

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	5	2	3
(B)	4	1	3	2
(C)	3	1	2	4
(D)	3	5	4	2

85. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I

(a) अध्यापन पेशा अवसर
(b) कोचिंग पेशा अवसर
(c) फिटनेस और स्वास्थ्य से सम्बन्धित पेशा अवसर
(d) खेलकूद प्रबन्धन पेशा अवसर

सूची-II

1. वाणिज्यिक स्पोर्ट्स क्लब
2. एथलेटिक प्रशासन
3. अपनाई गई शारीरिक शिक्षा
4. हेल्थ क्लब (Health Clubs)

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	1	4	2
(B)	3	1	2	4
(C)	1	2	4	3
(D)	2	3	1	4

86. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I

(a) संकल्पनात्मक कौशल
(b) मानव कौशल (Human Skills)
(c) प्रदर्शन (Demonstration)
(d) अधिकार क्षेत्र

सूची-II

1. किसी कला, कार्रवाई या कौशल का व्यावहारिक प्रदर्शन तथा स्पष्टीकरण

2. उद्देश्यों, लक्ष्यों और प्रचालन के क्षेत्र की दृष्टि से किसी संगठन की सीमाएँ
3. नवोन्मेषी विचारों को जन्म देने की तकनीक
4. मनुष्यों के साथ निपटने के उत्कृष्ट तरीके

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	2	3	4	1
(C)	4	2	1	3
(D)	3	4	1	2

87. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I

(a) प्वांइट बाइसीरियल सहसम्बन्ध
(b) विभेद सूचकांक
(c) कुदर रिचर्डसन विधि
(d) स्पीयरमैन-ब्राउन भविष्योक्ति सूत्र

सूची-II

1. $\frac{n\sigma_t^2 - M(n-M)}{\sigma_t^2 (n-1)}$
2. $\frac{2rht}{1+rht}$
3. $\frac{\bar{X}p - \bar{X}q}{Sx}$
4. $\frac{Cu - Cl}{Nu}$

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	4	1	3
(B)	2	4	3	1
(C)	3	4	2	1
(D)	3	4	1	2

88. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I

(a) सील क्रॉल
(b) बेबी हर्डल्स
(c) एजिलिटी टायर रन
(d) टनल क्रॉल

सूची-II

1. फिशर मोटर प्रदर्शन परीक्षण
2. पर्सेप्चुअल मोटर ऑब्स्टैकल कोर्स
3. न्यूटन नामक योग्यता परीक्षण
4. ग्लोवर शारीरिक स्वास्थता परीक्षण

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	2	3	4	1
(C)	3	2	4	1
(D)	4	1	2	3

89. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I

(a) वैज्ञानिक कदाचार
(b) वैज्ञानिक गलतियाँ
(c) गैर प्रकाशन आँकड़े
(d) साहित्यिक चोरी

सूची-II

1. उपचारात्मक कार्यकलाप
2. स्पष्ट (Categorical)
3. प्रतिबंध (Sanctions)
4. फर्जी आँकड़े (Cooking data)

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	3	1	4
(B)	4	2	3	1
(C)	3	2	4	1
(D)	1	4	2	3

90. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (शोध का विवरण)

(a) शोध जिसमें एक ही अध्ययन में मात्रात्मक और गुणात्मक तकनीक मिश्रित किए जाते हैं
(b) शोध जिसमें मात्रात्मक और गुणात्मक उपागम शोध प्रक्रिया के आर-पार चरण में हैं
(c) शोध जिसमें मात्रात्मक अवस्था गुणात्मक अवस्था समग्र शोध अध्ययन में शामिल किए जाते हैं
(d) गुणात्मक शोध उद्देश्य का प्रयोग, गुणात्मक आँकड़ों का संग्रह और मात्रात्मक विश्लेषण का प्रदर्शन है

सूची-II (शोध के प्रकार)

1. चरण आर-पार मिश्रित आदर्श शोध
2. मिश्रित शोध
3. मिश्रित आदर्श शोध
4. मिश्रित विधि शोध

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	2	3	4	1
(C)	3	4	1	2
(D)	4	1	2	3

91. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I

(a) जीवन शैली
(b) असंतोषप्रद नौकरी
(c) प्रशिक्षण में प्रमुख त्रुटियाँ
(d) कायिक-कार्यात्मक लक्षण

सूची-II

1. एक ही प्रकार के प्रशिक्षण साधनों का अत्याधिक प्रयोग
2. बार-बार वजन वृद्धि
3. नाड़ी-स्पन्दन का धीमी गति से सामान्य होना
4. पर्यावरण (Environment)

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	2	3	1
(B)	2	1	4	3
(C)	2	4	1	3
(D)	3	2	4	1

92. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I

(a) निर्बलता दूर करना और स्वास्थ्य लाभ तथा विश्राम प्रदान करना
(b) पिछले प्रशिक्षण की अवस्था को पुनःप्राप्त करने का लक्ष्य करता है
(c) सर्वोच्च फॉर्म प्राप्त करने का लक्ष्य करता है
(d) चयनित गति क्षमताओं और कौशलों का विकास

सूची-II

1. पूर्व प्रतियोगिता मध्य चक्र
2. बुनियादी मध्य चक्र
3. मध्यवर्ती मध्य चक्र
4. आरम्भिक मध्य-चक्र

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	4	1	2
(B)	1	3	2	4
(C)	2	1	3	4
(D)	4	2	1	3

93. सूची-I में दिए गए खनिजों को सूची-II में दिए गए उनकी कमी के रोग लक्षणों से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प चुनिए–

सूची-I

(a) सेलेनियम (Selenium)
(b) कैल्सियम
(c) सल्फर (Sulphur)
(d) आयोडिन

सूची-II

1. घेंघा (Goitre)
2. अवरुद्ध विकास
3. कलाई या कुल्हा टूटना
4. मन्द प्रतिरक्षा

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	3	4	1
(B)	4	3	2	1
(C)	4	2	1	3
(D)	3	4	2	1

94. सूची-I में दिए गए संचारी रोगों को सूची-II में दिए गए उनके ऊष्मायन अवधि से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प चुनिए–

सूची-I

(a) खसरा (Measles)
(b) इन्फ्लुएन्जा
(c) डिप्थीरिया
(d) हेपाटाइटिस बी

सूची-II

1. $1\frac{1}{2}$ से 3 दिन
2. 2 से 6 दिन, कभी-कभी लम्बा भी
3. 30 से 180 दिन
4. 10 से 14 दिन

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	1	4	3
(B)	4	3	1	2
(C)	3	2	4	1
(D)	4	1	2	3

95. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I

(a) पाठ्यक्रम रूपात्मकता
(b) प्रमाणिक मूल्यांकन
(c) कौशल और वीरता (Skill and Process)
(d) वैकल्पिक अधिगम

सूची-II

1. विभिन्न खेलों और शारीरिक गति-विधियों का कौशल अर्जित करने तथा मापनीय प्रदर्शन निपुणता दर्शाने के लिए प्रशिक्षणाधीन पेशेवर
2. लक्ष्य और उद्देश्य हासिल करने के साधन और विधि
3. लोचदार परिस्थितियाँ जिसमें अस्थायी कार्यक्रम और प्रणाली शामिल है
4. छात्रों को उपयुक्त सन्दर्भ में आवश्यक प्रदर्शन गुणों का प्रदर्शन करने हेतु अनुमति

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	4	1	3
(B)	3	1	2	4
(C)	4	2	3	1
(D)	1	3	4	2

निर्देश–(प्रश्न 96 से 100 तक) निम्नलिखित उद्धरण को पढ़े और प्रश्नों का उत्तर दें–

खेल पोषण वैज्ञानिक रूप से आधारित पोषण और अभ्यास शरीरक्रिया विज्ञान विज्ञान सिद्धान्तों जो प्रशिक्षण, प्रदर्शन तथा स्वास्थ्य लाभ को बढ़ाता है का एकीकरण तथा अनुप्रयोग है. इसने बल दिया है कि बृहत् पोषक और सूक्ष्म पोषक के आवश्यकता प्रशिक्षण विशिष्ट होता है. कार्बोहाइड्रेट सामान्यतया मोनोसैक्राइड्स, डिसैक्राइड्स और पॉलीसैक्राइड्स के रूप में वर्गीकृत किए जाते हैं. वैज्ञानिकों ने कार्बोहाइड्रेट युक्त खाद्यों को उनके अन्तर्ग्रहण, पाचन और अवशोषण के पश्चात् शरीर की ग्लूकोज प्रतिक्रिया के आधार पर वर्गीकृत किया है. एक एथलीट की कार्बोहाइड्रेट की दैनिक आवश्यकता अभ्यास की सघनता तथा अवधि पर निर्भर करती है. प्रोटीन का प्रमुख कार्य उत्तकों का निर्माण और संरक्षण करना है. प्रोटीन पौधों और पशु दोनों से प्राप्त भोजन में मिलता है. प्रोटीन की गुणवत्ता एमिनो अम्ल की मात्रा और प्रकार तथा किस सीमा तक एमिनो अम्ल अवशोषित किए जाते हैं के आधार पर निर्धारित होता है. मांसपेशी का टूटना तनाव हार्मोन कोर्टिसोल से उत्प्रेरित होता है जो एन्ड्रेनल ग्रंथि से निकलता है. जब शरीर तनाव में होता है तो एक प्रतिक्रिया के रूप में एमिनों अम्ल का ऑक्सीकरण होती है. सहनशीलता अभ्यास कार्य के आरम्भ में सामान्यतया पर्याप्त कार्बोहाइड्रेट, मांसपेशी ग्लाइकोजेन में जमा रहता है, इसलिए ऊर्जा की थोड़ीसी आवश्यकता शुरू में एमिनों अम्ल से आती है. जैसे ही मांसपेशी ग्लाइकोजेन भण्डार में भारी कमी आती है. कंकाल मांसपेशी कुछ एमिनो अम्ल का प्रयोग ऊर्जा के लिए करती है. अभ्यासरत् मांसपेशी मेटाबोलिज्म के लिए कार्बोहाइड्रेट (ग्लूकोज और/या ग्लाइकोजेन) का प्रयोग कर सकता है और इस प्रक्रिया में ग्लाइकोलिसिस से उत्पन्न कुछ पाइरूवेट एमिनो अम्ल एलानाइन में परिवर्तित हो जाता है. इस एलानाइन का कंकाल मांसपेशी द्वारा प्रयोग नहीं किया जाता है किन्तु यकृत इसे ग्लूकोज उत्पन्न करने के लिए पाइरूवेट में परिवर्तित कर देता है. एथलीटों को गैर एथलीटों से अधिक प्रोटीन की आवश्यकता होती हैं और विभिन्न प्रकार की गतिविधियों अर्थात् बल, क्षमता अत्यधिक क्षमता, उच्च गहनता इत्यादि के लिए अलग-अलग होता है.

96. कार्बोहाइड्रेट युक्त खाद्यों को उनके अन्तर्ग्रहण, पाचन और अवशोषण के पश्चात् शरीर की ग्लूकोज प्रतिक्रिया के आधार पर वर्गीकरण की विधि को कहा जाता है–
(A) ग्लाइसेमिक प्रतिक्रिया
(B) ग्लाइसेमिक सूचकांक
(C) हाइपरग्लाइसिमिया
(D) ग्लट (GLUT)

97. अत्यधिक गहन और अत्यधिक लघु अवधि (1 मिनट से भी कम) कार्यकलाप में भाग लेने वाले एथलीट के लिए दैनिक कार्बोहाइड्रेट अनुशंसा है–
(A) 5–7 ग्राम/किग्रा शरीर वजन
(B) 8–10 ग्राम/किग्रा शरीर वजन
(C) 10–12 ग्राम/किग्रा शरीर वजन
(D) 13–15 ग्राम/किग्रा शरीर वजन

98. कोर्टिसोल, (Cortisol) जिसका स्राव एड्रेनल ग्रंथि से होता है, से उत्तेजित होकर मांसपेशी के टूटने को कहा जाता है–
(A) एमिनोलिसिस
(B) ऐक्टोमाइलिसिस
(C) प्रोटिओलिसिस (Proteolvsis)
(D) माइटिओलिसिस (Myteolysis)

99. यकृत में एलानाइन (अन्य एमिनो अम्ल भी) ग्लूकोज उत्पन्न करने के लिए पाइरूवट (Pyruvate) में परिवर्तित हो सकता है, इस प्रक्रिया को कहा जाता है–
(A) ग्लूकोनिओजेनेसिस
(B) ग्लूकोएमिनोजेनेसिस
(C) ग्लूकोएलाइनेजेनेसिस
(D) ग्लूकोजेनेसिस

100. सहनशील एथलीट के लिए अनुशंसित दैनिक प्रोटीन अंतर्ग्रहण है–
(A) 0·7–1·0 ग्राम/किग्रा शरीर वजन
(B) 1·2–1·4 ग्राम/किग्रा शरीर वजन
(C) 2·5–3·0 ग्राम/किग्रा शरीर वजन
(D) 3·2–3·6 ग्राम/किग्रा शरीर वजन

उत्तर व्याख्या सहित

1. (B)
2. (B) पियाजे द्वारा प्रतिपादित संज्ञानात्मक विकास सिद्धान्त मानव बुद्धि की प्रकृति एवं उसके विकास से सम्बन्धित एक विशद सिद्धान्त है. पियाजे का मानना था कि व्यक्ति के विकास में उसका बचपन एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है.
3. (D) रह्यूमैटिक आर्थराइटिस के आरम्भिक अवस्था में जोड़ों में जलन होती है.

आरम्भिक अवस्था में यह काफी कम होती है. यह एक ऐसी चिरकालिक व्याधि है जो साधारणतः धीरे-धीरे बढ़ती ही जाती है.

4. (C) 5. (A)
6. (C) ऐसे बलों के समूह को बलयुग्मन कहते हैं जिनका परिणामी बल शून्य हो, किन्तु उनका बालघूर्ण अशून्य हो. इसके प्रभाव में केवल घूर्णी गति ही सम्भव है और स्थान परिवर्तन नहीं होता अर्थात् किसी पिण्ड पर बलयुग्मन लगा हो तो द्रव्यमान केन्द्र का त्वरण नहीं होता.
7. (A)
8. (D) प्रत्यक्ष ज्ञानात्मक शारीरिक क्रियात्मक सक्रियता में क्षण-क्षण परिवर्तनों को कायिक स्थिति दुश्चिंता कहा जाता है.
9. (A) 10. (A) 11. (A) 12. (C) 13. (C)
14. (B)
15. (B) गुणात्मक शोध में प्रयुक्त एक प्रकार का प्रतिचयन जिसमें उन मामलों का चयन शामिल होता है जो शोधकर्ता की आशाओं और सामान्यीकरण की पुष्टि नहीं करते हैं, को नकारात्मक-मामला प्रतिचयन कहा जाता है.
16. (A) 17. (C) 18. (A) 19. (C) 20. (A)
21. (B) 22. (D)
23. (B) किसी व्यक्ति का फुफ्फुसीय संवातन लिंग के निरपेक्ष ज्वारीय परिमाण और आघात परिमाण पर निर्भर करता है.
24. (D) 25. (C) 26. (D) 27. (A) 28. (B)
29. (D) कार्बोहाइड्रेट्स कार्बनिक पदार्थ है जिसमें कार्बन, हाइड्रोजन व ऑक्सीजन होते हैं. कुछ कार्बोहाइड्रेट्स सजीवों के शरीर के रचनात्मक तत्वों का निर्माण करते हैं.
30. (B) 31. (B) 32. (C) 33. (C) 34. (B)
35. (C) 36. (C) 37. (A) 38. (B)
39. (B) बास्केटबाल – 1976
साइक्लिंग (ट्रैक स्पर्धा) – 1984
भारोत्तोलन – 2000
मुक्केबाजी – 2004
40. (C) 41. (B) 42. (B) 43. (B) 44. (C)
45. (A) 46. (A) 47. (B) 48. (B) 49. (B)
50. (D) 51. (C) 52. (A) 53. (D) 54. (C)
55. (B) 56. (B) 57. (B) 58. (B) 59. (A)
60. (B) 61. (B) 62. (A) 63. (A) 64. (C)
65. (C) प्रतिरक्षा एक जैविक प्रक्रिया है जो संक्रमण, बीमारी या अन्य अवांछित जैविक हमलावरों के लिए पर्याप्त जैविक रोग प्रतिरोध होने की स्थिति का वर्णन करती है. रोग क्षमता दोनों विशिष्ट और गैर-विशिष्ट घटकों को शामिल करती है.
66. (A) 67. (A) 68. (B) 69. (B) 70. (B)
71. (C) 72. (A) 73. (B) 74. (A)
75. (B) अस्तित्ववाद एक ऐसी विचारधारा है जिसमें अस्तित्व को तत्व से ऊपर समझा जाता है. इनके अनुसार मानव अपने पर्यावरण की निर्जीव वस्तुओं से आत्मबोध का उत्तरदायित्वपूर्ण तथा स्वयं लेता है. अतः उसे अपने पर्यावरण में तत्वज्ञान की अपेक्षा नहीं होती.
76. (C) किशोरावस्था मनुष्य के जीवन का बसंतकाल माना गया है. यह काल सभी प्रकार की मानसिक शक्तियों के विकास का समय है. भावों के विकास के साथ-साथ बालक की कल्पना का विकास होता है. उसमें सभी प्रकार के सौंदर्य की रुचि उत्पन्न होती है और बालक इसी समय नए-नए और ऊँचे-ऊँचे आदर्शों को अपनाता है.
77. (A) 78. (C) 79. (C)
80. (C) रेक्टस फेमोरिस
– एन्टीरियर इन्फीरियर इलियक सार्टोरियस – लैटेरल इस्चियल फ्यूबरोसिटी बाइसेप्स फेमोरिस (लांग हेड)
– एन्टीरियर सुपीरियर इलियक स्पाइन सेमीटेन्डीनोसस
– मेडियल इस्चियल ट्यूबरोसिटी
81. (C) ए.टी.पी. – बल-शक्ति
ए.टी.पी. + पी.सी. + लैक्टिक अम्ल
– ऐनोरोबिक शक्ति क्षमता
ए.टी.पी + पी.सी. – सतत् शक्ति
इलेक्ट्रॉन परिवहन-ऑक्सिडेटिव फास्फोराइलेशन – एरोबिक क्षमता
82. (D) मेटेनोलोन – अनाबोलिक एजेन्ट
कोरिओनिक गोनाडोट्रोफिन – पेप्टिड हॉर्मोन
साल्ब्यूटोमॉल – बीटा–2 अगॉनिस्ट
डेस्मोप्रेसिन – डियूरेटिक्स

शेष पृष्ठ 155 पर

सम्পূর্ণ নতুন সিলেবাস অনুযায়ী

Just Released

UPKAR'S

20 প্র্যাকটিস সেট

ও বিগত বছরের প্রশ্নোত্তর সহ

RRBs/RRCs

Level-1 গ্রুপ-ডি

Computer Based Test

টেকনিক্যাল ও নন্‌টেকনিক্যাল

For

- HELPER
- TRACK MAINTAINER
- ASSISTANT POINTSMAN
- ASSISTANT BRIDGE
- GATEMAN
- PORTER/HAMAL/ SWEEPER-CUM-PORTER etc. POSTS

Code No. 1970

₹ 180/-

UPKAR PRAKASHAN

• e-mail : care@upkar.in • website : www.upkar.in

According to the Latest Syllabus

Just Released

UPKAR'S

20 প্র্যাকটিস সেট

রেলওয়ে রিক্রুটমেন্ট বোর্ড

Computer Based Test

নন্‌টেকনিক্যাল পপুলার ক্যাটাগরিস

GRADUATE & UNDER GRADUATE POSTS

(Ist Stage)

NTPC Graduate & Under Graduate Posts

20 Practice Sets

RAILWAY RECRUITMENT BOARD

Computer Based Test

(Ist Stage)

Code No. 3003

₹ 195/-

EDITORIAL BOARD

PRATIYOGITA DARPAN

UPKAR PRAKASHAN

• e-mail : care@upkar.in • website : www.upkar.in

कोयला क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास के बढ़ते चरण– एक दृष्टि में

(Growing Steps of Research and Development in Coal Sector—At a Glance)

निःसन्देह ! भारत सरकार के अधीनस्थ कोयला मन्त्रालय (Ministry of Coal–**MOC**, Government of India–**GOI**) की जिम्मेदारी-कोयला के विस्तार / फैलाव एवं विकास के सन्दर्भ में नीतियों के निर्धारण तथा सम्बन्धित विषयों की अहम् रहती है. भारत के शीर्ष **पाँच**-खनिज उत्पादक राज्य क्रमशः ओडिशा, राजस्थान, आन्ध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं झारखण्ड हैं. भारत में खनिजों को सर्वेक्षण एवं विकास **"जिऑलॉजिकल सर्वे ऑफ इण्डिया" (GSI), मुख्यालय**-कोलकाता–प. बंगाल और **'भारतीय खान ब्यूरो'** (**मुख्यालय**-नागपुर) करता है. भारत में कोयला में **'प्रथम'**–तीन राज्य क्रमशः हैं– झारखण्ड, छत्तीसगढ़ व ओडिशा; जिसमें एंथ्रासाइट सबसे उत्तम श्रेणी का कोयला है. जिसमें कोयला के प्राप्त स्थान–धनबाद, सिंहभूमि, गिरिडीह (झारखण्ड राज्य में); रानीगंज, आसनसोल (प. बंगाल में); रायगढ़ (छत्तीसगढ़ में); तलचर तथा देसगढ़ (ओडिशा में); माकूम, लखीमपुर (असम में), सिंगरेली (तेलंगाना); चांदा (महाराष्ट्र), नामचिक, नामफुक (अरुणाचल प्रदेश), जम्मू-कश्मीर, नगालैण्ड आदि हैं. अरुणाचल प्रदेश में 2 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान-रोइंग व दपोरिजो में स्थित हैं. जहाँ उद्योग व खनिज पर प्रशिक्षण दिया जाता है.

छत्तीसगढ़ राज्य में **कोयला**-ऊर्जा का प्रमुख स्रोत है, जिसका इस प्रदेश के खनिज राजस्व में लगभग 80·42 प्रतिशत योगदान है. छत्तीसगढ़ राज्य में कोयले के 54,912 मिलियन टन भण्डार हैं, जोकि राष्ट्र के कोयला भण्डार का 17·91% हिस्सा है. वर्ष 2016-17 में, कोयला उत्पादन में छत्तीसगढ़ की सहभागिता 22·02% है तथा कोयला उत्पादक राज्यों में यह राज्य **तृतीय** क्रम में है. वर्ष 2016-17 (अक्टूबर, 2016 तक) में 72863 हजार टन का कोयला उत्पादन हुआ. इस प्रदेश में उत्पादित कोयले का उपयोग ताप विद्युत संयंत्रों के अतिरिक्त, सीमेन्ट/इस्पात उद्योगों में हो रहा है.

कोयला मन्त्रालय, भारत सरकार (Ministry of Coal, **GOI**) की वार्षिक रिपोर्ट 2017-18 के अनुसार वर्ष के दौरान कोयला क्षेत्र में अनेक अनुसंधान, विकास सूचना तकनीकी, अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग, आदि अनेक उपलब्धियाँ हासिल हुई हैं, जिन्हें संक्षिप्त में निम्नवत् रूप से वर्णित किया जा सकता है–

- **प्रमुख उपलब्धियाँ एवं नई दिशाएं (Major Achievements and New Directions)**

☛ **कोयला मन्त्रालय, भारत सरकार का संगठनात्मक ढाँचा/संरचना एवं क्रियाकलाप (Organizational Set-up/ Infra-structure and Functional Activities of the Ministry of Coal–MoC, Government of India–GOI)—**

- भारत सरकार के कोयला मन्त्रालय (Ministry of Coal–MoC) का मुख्यालय (Hq), शास्त्री भवन, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद रोड, नई दिल्ली-110001, जहाँ सम्पर्क हेतु उपलब्ध वेबबसाइट–Webside : http : // www.coal.nic.in है.
- मन्त्रालय (**MoC, GOI**) में सर्वोच्च पद-1 सचिव (कोयला) का होता है, जिसके अधीनस्थ 1–अतिरिक्त सचिव; 5-संयुक्त सचिव (**JS-RKS/NKS**); 1–प्रोजेक्ट एडवाइजर; 1–आर्थिक सलाहकार; 12–निदेशक/उप-सचिव/ संयुक्त निदेशक, **11** अण्डर सेक्रेटरीज; **21**–सेक्शन ऑफीसर्स; **1**–डिप्टी डायरेक्टर, **2**-असिस्टेंट डायरेक्टर, आदि अनेक पद कार्यरत् हैं.

तथ्य : एक दृष्टि में

कोयला सम्बन्धी अनुसंधान, विकास, अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग, कोयला खानों में सुरक्षा सम्बन्धी

- *देश में वर्ष 2017-18 में, कोयला की माँग-अनुमानित 908·40 मिलियन टन थी, जबकि घरेलू माँग हेतु कोयला उपलब्धता 730·10 मिलि टन ही थी, जिसकी पूर्ति हेतु 178·30 मिलि. टन का आयात किया गया.*
- *वर्ष 2017-18 में, **'सीआईएल (CIL)'** द्वारा कोयला उत्पादन (अप्रैल से दिसम्बर, 2017 के दौरान) 383·93 मिलि. टन हुआ; जबकि वार्षिक लक्ष्य 600 मिलि. टन का था.*
- *कोयला क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों का प्रबन्धन-एक सर्वोच्च संस्था- नामित **'स्टेंडिंग सांटिफिक रिसर्च कमेटी'** (Standing Scientific Research Committee–**SSRC**)–सचिव (कोयला)–एक अध्यक्ष के रूप में, देखते हैं. इस सर्वोच्च संस्था के अन्य सदस्य; चेयरमैन सीआईएल (**CIL**); **सीएमडी (CMDs) ऑफ CMPDI;** एससीसीएल (**SCCL**); एवं एनएलसीआईएल (**NLCIL**); निदेशक-**CSIR** प्रयोगशालाएं आदि, प्रगति देखते हैं.*
- *कोयला खनन सुरक्षा हेतु अनेक अधि-नियम (Rules) हैं जैसे–खनन एक्ट, 1952 व खनन रूल्स 1955 आदि.*

- **मन्त्रालय (MoC) की विज्ञान**–कोयला की उपलब्धता को सुनिश्चित करना; कोयला खनन की सुरक्षा करना; कोयला संसाधनों को बढ़ाना एवं आवश्यक संरचना में विकास करना, आदि दूरदृष्टि के अन्तर्गत आते हैं.
- **कोयला मन्त्रालय के प्रमुख उद्देश्य**–(i) कोयला उत्पादन हेतु एवं प्रस्थान; लिग्नाइट उत्पादन तथा लिग्नाइट आधारित शक्ति उत्पादन के सन्दर्भ में वार्षिक क्रियाशीलता योजना-लक्ष्यों की सुनिश्चित उपलब्धियों की गणना करना. (ii) कोयला एवं धावन/धुला कोयला उत्पादन के संरचना विकास; (iii) कटिंग ऐज रिसर्च एण्ड डेवलपमेन्ट इनीसिएटिव, (iv) उप-भोक्ता सेवाओं में गुणवत्ता एवं विश्वास दिलाने; (v) निजी निवेशों को आकर्षित करना; (vi) कोल इण्डिया की क्षमता में सुधार करना; (vii) कोयला खण्डों में पारदर्शी दृष्टि से बँटवारा करना, आदि ऐसे अनेक कोयला मन्त्रालय के प्रमुख उद्देश्य हैं.
- **कोयला मन्त्रालय की गतिविधियाँ**–कोयला मन्त्रालय की प्रमुख गतिविधियों में कोयला के विकास एवं अन्वेषण/खोज तथा भारत में लिग्नाइट को सुरक्षित रखने हेतु; कोयला, उत्पादन, सप्लाई, वितरण एवं मूल्यों से सम्बन्धित सभी मामलों की देखरेख; कोयला गैसीकरण सम्बन्धित सभी कार्य; दी **कोल माइन्स प्रोविडेंट फण्ड ऑर्गेनाइजेशन'**; कोयला खनन राष्ट्रीयकरण एक्ट-1973 (26 of 1973) के प्रशासन; कोयला खनन (स्पेशल प्रोविजन्स एक्ट, 2015) के प्रशासन सम्बन्धी, आदि गतिविधियाँ आती हैं.
- वर्ष 2016-17 (अक्टूबर, 2016) में, छत्तीसगढ़ राज्य में कोयला उत्पादन 72,863 (000 टन) तथा मूल्य ₹ 7,55,956 (लाख) का हुआ, जबकि भारत में कोयला उत्पादन 3,30,847 (000 टन) तथा मूल्य मूल्य ₹ 47,89,286 (लाख) का रहा, जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य की उत्पादन में हिस्सेदारी 22·02% तथा मूल्य में 15·78% रही. भारतीय खान ब्यूरो द्वारा ऐसे ही आँकड़े लोह-अयस्क, चूना पत्थर, बॉक्साइट, टिन एवं अन्य खनिजों के सन्दर्भ में दिए गए हैं.
- छत्तीसगढ़ राज्य में विगत् 17 वर्षों (2000–01 से 2016-17 अक्टूबर तक) में कोयला उत्पादन (000 टन में) अग्रवत् रूप से रहा–

छत्तीसगढ़ राज्य में/ वर्ष	कोयला उत्पादन (000 टन में)
2000-01	50,226
2005-06	76,358
2010-11	1,13,832
2014-15	1,34,396
2015-16	1,30,500
2016-17 (अक्टूबर तक)	72,863

उपर्युक्त आँकड़ों से स्पष्ट है कि विगत् 17 वर्षों (2000–01 से 2016-17 अक्टूबर तक) के दौरान छत्तीसगढ़ राज्य में कोयला उत्पादन में काफी वृद्धि देखी गई है.

स्मरणीय बिन्दु :

कोयला (Coal क्षेत्र में अनुसंधान, विकास, सूचना तकनीकी एवं कोयला खानों की सुरक्षा सम्बन्धी

- *कोयला मन्त्रालय द्वारा हिन्दी प्रोत्साहन हेतु **'हिन्दी पखवाड़ा'**-15 सितम्बर, 2017 से 29 सितम्बर, 2017 तक आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताएं की गईं. **'हिन्दी सलाहकार समिति'**–की बैठक मन्त्रालय के माननीय मन्त्री की अध्यक्षता में 30 सितम्बर, 2017 को, आयोजित की गई.*
- *नेशनल रिमोट सेन्सिंग सेन्टर (NRSC), हैदराबाद (आं.प्र.)–कोल इंडिया लिमि. (**CIL**) के सहयोग से भूमि सुधार हेतु सैटेलाइट सर्विलेन्स (Satellite Surveillance) कार्यरत् है.*
- *कोयला खननों के प्रशासन हेतु 'नेशनलाइजेशन एक्ट, 1973 (26 of 1973)' लागू है.*
- *कोयला खननों के प्रशासन हेतु (स्पेशल प्रोविजन्स) एक्ट 2015.*
- ***'कोल इण्डिया लिमिटेड' (CIL)**, कोयला मन्त्रालय (**GOI**) के अधीनस्थ एक पब्लिक सेक्टर की **'महारत्न'** कम्पनी, कोलकाता-मुख्यालय (W.B.) नवम्बर, 1975 से कार्यरत् कोयला उत्पादन हेतु अनुसंधान एवं विकास में अग्रणीय.*
- *'**CIL**' द्वारा असम में **'नॉर्थ ईस्टर्न कोल्ड फील्ड'**–का प्रबन्धन–खनन हेतु.*

निष्कर्ष (Conclusion)

उपर्युक्त विवरण से स्पष्ट है कि वर्ष 2017-18 के दौरान, भारत सरकार के अधीनस्थ कोयला मन्त्रालय (MoC) द्वारा कोयला क्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग; सूचना तकनीकी; कोयला खनन में सुरक्षा; अनुसंधान एवं विकास सम्बन्धी अनेक उपलब्धियाँ हासिल हुई हैं, जिनसे निम्नलिखित निष्कर्ष निकाला जा सकता है–

(1) देश में (1 अप्रैल, 2017 तक) **'लिग्नाइट'-रिजर्व** का अनुमान लगभग 44·70 बिलियन टन का रहा है, जिसके प्रमुख भण्डारित/डिपोजिट्स राज्य-तमिलनाडु; क्रमशः अनुगमन में राजस्थान, गुजरात, केरल, प. बंगाल, जम्मू एवं कश्मीर तथा यूटी-(Union Territory)–पुदुचेरी हैं, जिसे संरक्षित रखने की, कोयला मन्त्रालय द्वारा, देखरेख की जाती है, जिसमें अनेक उपलब्धियाँ विभिन्न योजनाओं द्वारा मिली हैं.

(2) **'सीएसआर'** (**CSR**–कॉरपोरेट सोसल रेस्पोन्सिबिलिटी)–कोल इण्डिया लिमिटेड (सीआईएल-**CIL**) एवं उसकी सहायक कम्पनियों के सहयोग से की गई गतिविधियों में वित्तीय वर्ष के दौरान (2017-18 में) अनेक विषय रहे जिनमें स्वास्थ्य-देखभाल; सफाई; शिक्षा; कौशल विकास (Skill Development), पर्यावरण संरक्षण; पेय-जल, ग्रामीण विकास योजना एवं स्पोर्ट्स को प्रोत्साहन देना प्रमुख उद्देश्य रहे. पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान-वृक्षों/फसलों की कटाई के बाद अवशेषों के जलाने पर **'एनजीटी'** (नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल) द्वारा जुर्माने पर संदेश देकर **'सीएसआर'** (**CSR**) ने विशेष ध्यान दिया; साथ ही स्वच्छ पेयजल की सुविधाएं भी दी गई, ताकि स्वस्थ जीवन रहे.

(3) भारत में कोयला के भू-वैज्ञानिक संसाधनों (1 अप्रैल, 2017) की स्थिति के अनुसार कोयला संसाधन (मिलि.टन)–3,15,149 का आँकड़ा (Ist स्थान–82,440 झारखण्ड का; II–77,285 ओडिशा तथा 56,661 छत्तीसगढ़ आदि कोयला संसाधनों के रहे.'

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. भारत सरकार के **'कोयला मन्त्रालय'** (Ministry of Coal) के अधीनस्थ पब्लिक सेक्टर की **'कोल इण्डिया लिमिटेड'** (सी.आई.एल.)–**'महारत्न'** कम्पनी का मुख्यालय (Hq.) स्थित है–
   (A) कोलकाता (प. बंगाल)
   (B) भुवनेश्वर (ओडिशा)
   (C) पटना (बिहार)
   (D) उपर्युक्त में से कोई भी नहीं

2. **'ज्योलॉजीकल सर्वे ऑफ इण्डिया'** (**GSI**) के अनुसार, देश में 1 अप्रैल, 2017 तक कितने बिलियन टन कोयला सुरक्षित (Coal Reserve) रहा है ?
   (A) 300·000
   (B) 315·149
   (C) 350·000
   (D) उपर्युक्त में से कोई भी नहीं

3. भारत सरकार के **'कोयला मन्त्रालय'** के अधीनस्थ **'कोयला नियन्त्रक संगठन'**–(**CCO**–Coal Controller's Organization)–एक सबोर्डिनेट ऑफिस का मुख्यालय (Hq.) कहाँ स्थित है ?
   (A) धनबाद (B) नागपुर
   (C) बिलासपुर (D) कोलकाता

4. भारत सरकार के अधीनस्थ **'कोयला मन्त्रालय'** के **'कोयला नियन्त्रक संगठन'** (**CCO**) के **'फील्ड ऑफिसेज'** कहाँ स्थित हैं ?
   (A) धनबाद, रांची, बिलासपुर
   (B) नागपुर, संबलपुर
   (C) कोठागुडेम एवं आसनसोल
   (D) ये सभी 7 फील्ड ऑफिसेज-इन शहरों/जगहों में स्थित

5. **'कोल इण्डिया लिमिटेड'** (**CIL**)– एक **'संगठित राज्य-निजी कोयला खनन सहकारी संगठन'**–कब अस्तित्व में आया ?
   (A) नवम्बर, 1975
   (B) नवम्बर, 1976
   (C) नवम्बर, 1977
   (D) नवम्बर, 1978

6. **'कोल इण्डिया लिमिटेड'** (**CIL**) द्वारा **'विजीलैन्स एवेयरनैस वीक–2017'** कब मनाया गया ?
   (A) 30 अक्टूबर से 4 नवम्बर, 2017
   (B) 1 नवम्बर, से 7 नवम्बर, 2017
   (C) 1 अक्टूबर से 7 अक्टूबर, 2017
   (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तरमाला

1. (A) 2. (B) 3. (D) 4. (D) 5. (A)
6. (A)

●●●

शेष पृष्ठ 153 का

83. (A) FIVA – 1947
    FIBA – 1932
    ISSF – 1907
    ITTF – 1926

84. (C) 85. (A) 86. (D) 87. (D)

88. (D) सील क्रॉल
    – ग्लोवर शारीरिक स्वास्थता परीक्षण
    बेबी हर्डल्स
    – न्यूटन गामक योग्यता परीक्षण
    एजिलिटी टायर रन
    – पर्सेप्चुअल मोटर ऑब्स्टैकल कोर्स
    टनल क्रॉल – फिशर मोटर प्रदर्शन परीक्षण

89. (C) वैज्ञानिक कदाचार – प्रतिबंध
    वैज्ञानिक गलतियाँ – स्पष्ट
    गैर-प्रकाशन आँकड़े – फर्जी आँकड़े
    साहित्यिक चोरी
    – उपचारात्मक कार्यकलाप

90. (B) 91. (C) 92. (A)

93. (B) सेलेनियम – मन्द प्रतिरक्षा
    कैल्सियम – कलाई या कुल्हा टूटना
    सल्फर – अवरुद्ध विकास
    आयोडिन – घेंघा

94. (D) खसरा – 10 से 14 दिन
    इन्फ्लुएन्जा – $1\frac{1}{2}$ से 3 दिन
    डिप्थीरिया – 2 से 6 दिन, कभी-कभी लम्बा भी
    हेपाटाइटिस बी – 30 से 180 दिन

95. (A) 96. (B) 97. (A) 98. (C) 99. (A)
100. (B)

●●●

आईबीपीएस बैंक स्पेशलिस्ट ऑफीसर (मुख्य) परीक्षा, 18-12-2018 का हल प्रश्न-पत्र

तर्कशक्ति

(स्मृति पर आधारित)

निर्देश–(प्रश्न 1 से 5 तक) सावधानी-पूर्वक निम्नलिखित सूचनाओं को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

सात महिलाएं J, K, L, M, N, O और P एक ही इमारत की सात अलग-अलग मंजिलों पर रहते हैं, पर जरूरी नहीं, इसी क्रम में. इमारत की सबसे निचली मंजिल को नं 1, उससे ऊपरी मंजिल को नं 2 और सबसे ऊपरी मंजिल को नं. 7 दिया गया है. उनमें से हर एक को अलग ब्राण्ड के कपड़े पसन्द हैं, जो हैं–प्यूमा, एडिडास, HR_X, फिला, नाइक, लिवाइस और रोग्न पर जरूरी नहीं इसी क्रम में.

J, सम संख्या वाली मंजिल पर रहती है, पर चौथी मंजिल में नहीं. M और नाइक पसन्द करने वाली के बीच सिर्फ दो महिलाएं रहती हैं. HR_X पसन्द करने वाली, L के ठीक नीचे रहती है. एडिडास पसन्द करने वाली M के ऊपर विषम संख्या वाली मंजिल पर रहती है. न ही O, न ही P, फिला पसन्द करती हैं. L और एडिडास पसन्द करने वाली के बीच सिर्फ तीन महिलाएं रहती हैं. प्यूमा पसन्द करने वाली, रोग्न पसन्द करने वाली के ठीक नीचे रहती है. K और N के बीच सिर्फ एक महिला रहती हैं. नाइक पसन्द करने वाली, J के ठीक ऊपर रहती है.

1. इनमें से कौन फिला ब्राण्ड पसन्द करती है ?
   (A) J (B) L
   (C) M (D) N
   (E) उपर्युक्त में से कोई नहीं

2. P, इनमें से कौनसा ब्राण्ड पसन्द करती है ?
   (A) प्यूमा (B) रोग्न
   (C) लिवाइस (D) HR_X
   (E) उपर्युक्त में से कोई नहीं

3. इनमें से कौन सबसे ऊपरी मंजिल पर रहती है ?
   (A) K (B) N
   (C) M (D) P
   (E) उपर्युक्त में से कोई नहीं

4. किसी तरह, निम्नलिखित पाँच में से चार एक से हैं, और एक समूह बनाते हैं, वह कौनसा एक है, जो समूह में नहीं आता ?
   (A) N (B) K
   (C) L (D) O
   (E) P

5. निम्नलिखित में से कौनसा कॉम्बीनेशन सत्य है ?
   (A) M-रोग्न (B) K-प्यूमा
   (C) J-एडिडास (D) L-नाइक
   (E) K-एडिडास

6. **कथन**–कुछ वृत्त, वर्ग हैं. सभी वर्ग, आयत हैं. सभी रेखा, आयत हैं.
   निष्कर्ष– I. सभी रेखा, वर्ग हैं.
   II. कुछ वृत्त, आयत हैं.
   III. कुछ रेखाएँ, वृत्त है.
   (A) सिर्फ निष्कर्ष I अनुसरण करता है
   (B) सिर्फ निष्कर्ष II अनुसरण करता है
   (C) सिर्फ निष्कर्ष III अनुसरण करता है
   (D) सिर्फ निष्कर्ष I और II अनुसरण करता है
   (E) उपर्युक्त में से कोई नहीं

7. **कथन**–कुछ दोस्त, भरोसा हैं. सभी भरोसा, प्यार हैं. कुछ खुशी, भरोसा है.
   निष्कर्ष– I. कुछ प्यार, खुशी हैं.
   II. कुछ दोस्त, प्यार हैं.
   III. सभी प्यार, भरोसा हैं.
   (A) सिर्फ निष्कर्ष I और III अनुसरण करता है
   (B) सिर्फ निष्कर्ष II अनुसरण करता है
   (C) सिर्फ निष्कर्ष I और II अनुसरण करता है
   (D) सिर्फ निष्कर्ष III अनुसरण करता है
   (E) उपर्युक्त में से कोई नहीं

8. **कथन**–सभी बर्फ, सर्दी हैं. कुछ स्नो, बर्फ हैं. कुछ सर्दी, ठण्ड हैं.
   निष्कर्ष– I. सभी स्नो के ठण्ड होने की सम्भावना है.
   II. कुछ बर्फ निश्चय ही ठण्ड नहीं है.
   (A) सिर्फ निष्कर्ष I अनुसरण करता है
   (B) सिर्फ निष्कर्ष II अनुसरण करता है
   (C) या निष्कर्ष I या II अनुसरण करता है
   (D) न ही निष्कर्ष I न ही II अनुसरण करता है
   (E) दोनों निष्कर्ष I और II अनुसरण करते हैं

9. **कथन**–कुछ नीले, हरे हैं. कुछ ग्रे, नीले हैं. सभी हरे, सफेद हैं.
   निष्कर्ष– I. कुछ ग्रे के न ही नीले और न ही सफेद होने की सम्भावना है.
   II. सभी हरों के ग्रे होने की एक सम्भावना है.
   (A) सिर्फ निष्कर्ष I अनुसरण करता है
   (B) सिर्फ निष्कर्ष II अनुसरण करता है
   (C) या निष्कर्ष I या II अनुसरण करता है
   (D) न ही निष्कर्ष I न ही II अनुसरण करता है
   (E) दोनों निष्कर्ष I और II अनुसरण करते हैं

10. **कथन**–सभी पेड़, पौधे हैं. कोई भी फल, पौधा नहीं है. सभी फल, फूल हैं.
    निष्कर्ष– I. कुछ पौधे, जो फूल हैं, पेड़ भी हैं.
    II. कोई भी फूल, पेड़ नहीं है.
    (A) सिर्फ निष्कर्ष I अनुसरण करता है
    (B) सिर्फ निष्कर्ष II अनुसरण करता है
    (C) या निष्कर्ष I या II अनुसरण करता है
    (D) न ही निष्कर्ष I न ही II अनुसरण करता है
    (E) दोनों निष्कर्ष I और II अनुसरण करते हैं

निर्देश–(प्रश्न 11 से 15 तक) इस प्रश्न में एक प्रश्न हैं और दो कथन I और II नीचे दिए गए हैं. आपको बताना है कि कथनों में दी गई सूचनाएं प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त हैं या नहीं. दोनों कथनों को पढ़िए और सही विकल्प चुनिए–

(A) कथन I में दी गई सूचना अकेले प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है
(B) कथन II की सूचना अकेले प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है
(C) दोनों कथनों की सूचनाएँ मिलकर प्रश्न का उत्तर देने के लिए जरूरी हैं
(D) कथन I की सूचना और कथन II की सूचनाएँ मिलकर भी प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त नहीं हैं
(E) या कथन I की सूचना अकेले प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है या कथन II की सूचना अकेले प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है

11. J, K, L, M, N और O में से, हर एक के अलग भार हैं, सबसे हल्का कौन है ?
I : सिर्फ तीन लोग M से हल्के हैं. L, M से हल्का है. L, N से भारी है, पर J से हल्का है. O, K से भारी है.
II : K सिर्फ एक व्यक्ति से हल्का है. J, L से भारी है पर M से हल्की है. M सबसे भारी नहीं है. L सबसे हल्का नहीं है.

12. आठ लोग, दो समान्तर रेखाओं में, हर एक रेखा में 4 लोग इस तरह बैठे हैं, कि हर एक के बीच दूरी बराबर हो. रेखा 1 में, W, X, Y, Z बैठे हैं और उन सबका मुख दक्षिण की ओर है. रेखा 2 में, M, N, O और P बैठे हैं, और उन सबका मुख उत्तर की ओर है. इसीलिए दी गई बैठने की व्यवस्था में, एक रेखा में बैठे गए सदस्य का मुख, दूसरी रेखा में बैठे गए सदस्य की ओर है (दी गई कोई भी सूचना क्रम में नहीं है). M, N, O और P में से किसका मुख Z की ओर है ?
I : Z, X के बाएं से दूसरे स्थान पर बैठा है. Z की ओर मुख करने वाले और P के बीच सिर्फ एक व्यक्ति बैठा है. N और O के बीच सिर्फ एक व्यक्ति बैठा है. N, P के ठीक दाएं बैठा है.
II : X, Y के ठीक दाएं बैठा है. X, रेखा के किसी एक अन्तिम छोर पर बैठा है. O का मुख W की ओर है. P, N के ठीक बाएं बैठा है.

13. तीन डिब्बे U, V और W, हर एक के अलग रंग हैं, जो हैं–नीला, नारंगी और पीला है, एक-दूसरे के ऊपर रखे हैं (पर जरूरी नहीं, इसी क्रम में). V के ऊपर कितने डिब्बे रखे गए हैं ?
I : डिब्बे V को डिब्बे U के ठीक ऊपर रखा गया है. पीला डिब्बा, नीले डिब्बे के ठीक ऊपर रखा गया है. V, नीला डिब्बा नहीं है. U, पीला डिब्बा नहीं है.
II : पीले डिब्बे और W के बीच सिर्फ एक डिब्बा रखा गया है. नारंगी डिब्बा, U के ठीक नीचे रखा गया है. डिब्बा V, नारंगी डिब्बे के ऊपर किसी एक स्थान पर रखा गया है.

14. दी गई कोड भाषा में, 'silver' का कोड क्या है ?
I : 'make silver ornaments today' को 'ly xt sj br' और 'silver ornaments for ceremony' को 'br mp zl ly' लिखा गया है.
II : 'ornaments in silver only' को 'qf br hk ly' और 'only today for preparation' को 'mp hk ax vj' लिखा गया है.

15. सात अलग नाटक–A, B, C, D, E, F और G, एक ही हफ्ते के, जो सोमवार से शुरू होकर रविवार को खत्म हो रहा है, के सात अलग दिनों में रखा गया है. शुक्रवार को कौनसा नाटक रखा गया है ?
I : नाटक A बुधवार को रखा गया है. A और D के बीच सिर्फ दो नाटक रखे गए हैं. नाटक E, B से ठीक पहले रखा गया है. नाटक B से पहले दो से ज्यादा नाटक रखे गए हैं.
II : नाटक C मंगलवार को रखा गया है. नाटक D शनिवार को रखा गया है. नाटक A, नाटक E से ठीक पहले रखा गया है. E और F के बीच जितने नाटक रखे गए हैं, उतने ही E और G के बीच.

निर्देश–(प्रश्न 16 से 20 तक) इन प्रश्नों में, एक कथन हैं, जिसके दो निष्कर्ष दिए गए हैं. आपको निश्चय करना है कि कौनसा निष्कर्ष सत्य है ?
(A) सिर्फ निष्कर्ष I सत्य है.
(B) सिर्फ निष्कर्ष II सत्य है.
(C) या तो निष्कर्ष I या निष्कर्ष II सत्य है
(D) दोनों निष्कर्ष I और II सत्य हैं
(E) न ही निष्कर्ष I न ही निष्कर्ष II सत्य है

16. कथन–$W > U \geq P = J \leq K < Q \leq V$; $S \geq U > T$
निष्कर्ष– I. $P < V$
II. $V \geq T$

17. कथन–$D > F \geq E = J > K < C \leq B$; $E < A \leq G$.
निष्कर्ष– I. $A = C$
II. $G > J$

18. कथन–$D < I = K \leq H$; $G < I$
निष्कर्ष– I. $H > D$
II. $H > G$

19. कथन–$K = F < G < D \leq E > M$; $W \geq K$; $E \geq X$
निष्कर्ष– I. $G < X$
II. $M > F$

20. कथन–$Q = S < N < P \leq R > M$; $W \geq Q$; $R \geq X$.
निष्कर्ष– I. $W \geq P$
II. $R > Q$

निर्देश–(प्रश्न 21 से 25 तक) सावधानीपूर्वक दी गई सूचनाओं को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

A, B, C, D, E, F और G, एक पब्लिक सेक्टर बैंक में काम करते हैं. हर एक व्यक्ति की रैंक MD, ED, CGM, GM, DGM, AGM और ऑफीसर में से अलग-अलग है, पर जरूरी नहीं, इसी क्रम में. वह अलग शहरों, मुम्बई, दिल्ली, पुणे, नागपुर, बेंगलूरू, कोल्हापुर और सोलापुर में अपॉइंट हुए हैं, पर जरूरी नहीं, इसी क्रम में.
(रैंक बाएं से दाएं घटती जाती है जैसे–MD, ED, CGM, GM, DGM, AGM और ऑफीसर)

C से सिर्फ तीन व्यक्तियों की रैंक ज्यादा है पर पुणे में काम करने वाले से कम है. A, DGM है तथा सोलापुर में काम करता है. F या तो ED है या CGM और वह मुम्बई में काम करता है. D की रैंक, B से ज्यादा है पर दिल्ली में काम करने वाले से कम है. न ही D और न ही B, AGM है. E, नागपुर में काम करता है. न ही C और न ही AGM, कोल्हापुर में काम करता है. पुणे में कार्यरत् व्यक्ति की रैंक, मुम्बई में कार्यरत् व्यक्ति की रैंक से ज्यादा है.

21. AGM कौन है ?
(A) E (B) D
(C) C (D) F
(E) G

22. सोलापुर में कौन काम करता है ?
(A) A (B) B
(C) C (D) D
(E) F

23. कोल्हापुर में कौन काम करता है ?
(A) E (B) D
(C) F (D) ऑफीसर
(E) AGM

24. दिल्ली में काम करता है.
(A) ED (B) MD
(C) GM (D) D
(E) E

25. ED कौन है ?
(A) A
(B) जो पुणे में काम करता है
(C) C
(D) जो दिल्ली में काम करता है
(E) जो नागपुर में काम करता है

26. शब्द 'MISCONDUCT' में कितने ऐसे अक्षरों के युग्म हैं, जिसमें उनके बीच उतने ही अक्षर आते हों, जितने अंग्रेजी वर्णमाला में आते हैं ?
(A) एक (B) कोई नहीं
(C) दो (D) तीन
(E) तीन से अधिक

27. संख्या 86143259 में सभी अंकों को, अगर बाएं से दाएं, बढ़ते हुए क्रम में, संख्या के अन्दर ही व्यवस्थित किया जाए, तो कितने अंक उसी स्थान पर रहेंगे ?
(A) एक (B) कोई नहीं
(C) तीन (D) दो
(E) चार

निर्देश–(प्रश्न 28 से 32 तक) सावधानी-पूर्वक निम्नलिखित सूचनाओं को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

आठ लोग P, Q, R, S, T, U, V और W अलग-अलग फल, जो हैं–केला, आम, कीवी, अंगूर, नारंगी, सेब, अमरूद और पपीता पसन्द करते हैं पर जरूरी नहीं, इसी क्रम में. और, उनकी अलग-अलग सैलरी हैं, जो हैं–2000, 5000, 3000, 4500, 6533, 5523, 6400 और 7000, पर जरूरी नहीं, इसी क्रम में. U की सैलरी, एक पूर्ण वर्ग है. P को कीवी पसन्द है. आम पसन्द करने वाले की सैलरी, केला पसन्द करने वाले की सैलरी से ज्यादा है. अमरूद पसन्द करने वाले की सैलरी 2000 है. V की सैलरी एक विषम संख्या है. T को पपीता पसन्द है और Q को सेब पसन्द है. R की सैलरी, Q की सैलरी से 1500 अधिक है. W को नारंगी और अंगूर पसन्द नहीं है. P की सैलरी, W की सैलरी का 2·5 गुना है. V और U को या तो केला या आम पसन्द है. R को नारंगी पसन्द नहीं है. T की सैलरी एक विषम संख्या है जो 3 से विभाजित हो रही है.

28. इनमें से अमरूद किसे पसन्द है ?
(A) V (B) P
(C) Q (D) R
(E) W

29. अंगूर पसन्द करने वाले और V की सैलरी के बीच अन्तर क्या है ?
(A) 1200 (B) 2033
(C) 2345 (D) 4000
(E) 3000

30. P की सैलरी क्या है ?
(A) 4500 (B) 5523
(C) 7000 (D) 5000
(E) 3000

31. U को कौनसा फल पसन्द है ?
(A) केला (B) आम
(C) नारंगी (D) अंगूर
(E) अमरूद

32. S की सैलरी क्या है ?
(A) 5000 (B) 2000
(C) 7000 (D) 3000
(E) कोई भी सत्य नहीं है

33. (a) एक डिपार्टमेंटल स्टोर के मालिक ने स्टोर की निगरानी के लिए स्टोर में कैमरे लगवाए.
(b) डिपार्टमेंटल स्टोर में काम कर रहे स्टाफ द्वारा बहुत से सामानों के खोने की रिपोर्ट की गई–
(A) कथन (a) कारण है और कथन (b) उसका प्रभाव है.
(B) कथन (b) कारण है और कथन (a) उसका प्रभाव है.
(C) दोनों कथन (a) और (b) स्वतन्त्र कारण हैं
(D) दोनों कथन (a) और (b) स्वतन्त्र कारण के प्रभाव हैं
(E) दोनों कथन (a) और (b) कुछ सामान्य कारण के प्रभाव हैं

निर्देश–(प्रश्न 34 से 38 तक) सावधानी-पूर्वक निम्नलिखित सूचनाओं को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

आठ लोग–U, V, P, O, R, J, A और B एक वर्गाकार मेज के चारों ओर इस तरह बैठे हैं कि उनमें से चार, वर्ग के चार कोनों और अन्य चार, चारों भुजाओं के मध्य में बैठे हैं, जो कोने में बैठे हैं, उनका मुख केन्द्र की ओर है और जो भुजाओं के मध्य में बैठे हैं, उनका मुख विपरीत दिशा में (केन्द्र के विपरीत) है.

V, P का निकटतम पड़ोसी है. P, मेज के किसी एक कोने में बैठा है. A और O के बीच सिर्फ तीन लोग बैठे हैं. A, मेज के किसी एक भुजा के मध्य में बैठा है. O, P का निकटतम पड़ोसी नहीं है. B और O के बीच सिर्फ एक व्यक्ति बैठा है. K और O के बीच सिर्फ दो व्यक्ति बैठे हैं. J, B के ठीक दाएं बैठा है.

34. दी गई व्यवस्था के आधार पर, किसी तरह, निम्नलिखित पाँच में से चार एक से हैं और एक समूह बनाते हैं. निम्नलिखित में से वह कौनसा एक है, जो समूह में नहीं आता ?
(A) V (B) B
(C) P (D) A
(E) O

35. V के ठीक दाएं कौन बैठा है ?
(A) A (B) U
(C) O (D) P
(E) J

36. जब A के दाएं से गिना जाए, A और O के बीच कितने लोग बैठे हैं ?
(A) तीन (B) तीन से अधिक
(C) दो (D) कोई नहीं
(E) एक

37. दी गई व्यवस्था के आधार पर, J के सन्दर्भ में, अग्रलिखित में से क्या सत्य है ?
(A) J, A के ठीक दाएं बैठा है
(B) V, J के बाएं से दूसरे स्थान पर बैठा है
(C) J का मुख बाहर की ओर है
(D) J और V के बीच सिर्फ दो व्यक्ति बैठे हैं
(E) दिया गया कोई भी विकल्प सत्य नहीं है

38. दिए गए जोड़ों में से कौन B के निकटतम पड़ोसियों को दर्शाता है ?
(A) K, J (B) J, U
(C) A, O (D) P, K
(E) U, K

निर्देश–(प्रश्न 39 से 43 तक) सावधानी-पूर्वक निम्नलिखित सूचनाओं को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

एक शब्द और संख्या को व्यवस्थित करने की मशीन में, जब एक शब्दों और संख्याओं की इनपुट रेखा दी जाती है तो वह उन्हें, हर एक चरण में, एक निश्चित नियम के अनुसार व्यवस्थित करती है. निम्नलिखित एक उदाहरण है, इनपुट और इसकी व्यवस्था का.

इनपुट–mobile 34 under trade 42 27 head 58 arrow 62 77 digital.

चरण I–trade mobile 34 under 42 27 head 58 arrow 62 digital 77.

चरण II–trade mobile head 34 under 42 27 arrow 62 digital 77 58.

चरण III–trade mobile head digital 34 under 42 arrow 62 77 58 27.

चरण IV–trade mobile head digital arrow 34 under 42 77 58 27 62.

चरण V–trade mobile head digital arrow under 42 77 58 27 62 34.

चरण VI–trade mobile head digital arrow under 77 58 27 62 34 42.

और चरण VI, उपर्युक्त इनपुट का आखिरी चरण है. दिए गए चरण में प्रयोग हुए नियम के आधार पर, दिए गए इनपुट के लिए सही चरण ढूँढ़िए–

इनपुट–inspire 55 jump 86 view 22 74 angle fight 66 ride 14.

39. पुनः व्यवस्था को पूरा करने के लिए कितने चरणों की जरूरत होगी ?
(A) V (B) VII
(C) VI (D) IV
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं

40. चरण IV के बाएं से सातवें स्थान पर इनमें से क्या होगा ?
(A) 22 (B) Inspire
(C) 14 (D) angle
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं

41. निम्नलिखित आउटपुट कौनसी चरण संख्या का होगा ?
view ride jump inspire 55 22 angle fight 14 86 66 74.
(A) IV (B) III
(C) V (D) II
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं

42. आखिरी चरण में, सभी शब्दों को वर्णमाला के क्रम में, व्यवस्थित किया जाए, तो इनमें से कौनसा शब्द उसके वास्तविक स्थान पर ही रहेगा ?
(A) jump (B) fight
(C) inspire (D) ride
(E) कोई शब्द नहीं

43. चरण II में '74' और 'ride' के बीच कितने शब्द/संख्याएं हैं ?
(A) चार (B) पाँच
(C) दो (D) तीन
(E) छः

44. इंदौर और भोपाल, दोनों मध्य प्रदेश में हैं, 2017 में सफाई के हुए सर्वे के आधार पर, देश में सबसे साफ शहरों में से हैं, यूनियन अर्बन डेवलपमेंट मिनिस्ट्री द्वारा–
दिए गए कथन में से इसमें से क्या निष्कर्ष निकलता है ?
(I) 2016 और 2017 में रैंकिंग के लिए कोई सम्पूर्ण कैम्पेन नहीं किया गया, क्योंकि इनके पैरामीटर चुटकी में बदलते रहते हैं.
(II) सभी अन्य शहरों में सबसे स्वच्छ शहर होने की क्षमता नहीं है.
(III) अन्य शहर स्वच्छ भारत अभियान का पालन नहीं करते हैं.
(A) सिर्फ (I) और (II)
(B) सिर्फ (III)
(C) सिर्फ (II) और (III)
(D) उपर्युक्त सभी
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं

45. जलवायु परिवर्तन संघर्ष करने पर 2015 पेरिस समझौते में, भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने देश को 'अबोव एण्ड बियॉण्ड' ले जाने का वचन दिया ?
उपर्युक्त कथन से निम्नलिखित में से क्या निष्कर्ष निकलता है ?
(I) भारत पेरिस समझौते को अपनाने की हालात में नहीं है.
(II) वर्ष 2015 से भारत ने महत्वपूर्ण प्रगति की है.
(III) भारत, जलवायु बदलाव में, कार्बन उत्सर्जन के प्रभाव को समझा है और इस मुद्दे पर बहुत कुछ करेगा.
(A) दोनों (I) और (III)
(B) दोनों (II) और (III)
(C) सभी (I), (II) और (III)
(D) सिर्फ (III)
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं

निर्देश–(प्रश्न 46 से 50 तक) सावधानीपूर्वक दी गई सूचनाओं को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

दस लोग, दो समान्तर रेखाओं में, जिसमें एक रेखा में 5 लोग इस तरह बैठे हैं कि उनके बीच की दूरी परस्पर बराबर हो. रेखा-1 में A, B, C, D और E बैठे हैं (पर जरूरी नहीं, इसी क्रम में) और इन सबका मुख उत्तर की ओर है. रेखा–2 में, P, Q, R, S और T बैठे हैं (पर जरूरी, नहीं, इसी क्रम में) और उन सबका मुख दक्षिण की ओर है. इसीलिए दी गई बैठने की व्यवस्था में, हर एक रेखा में, बैठे गए सदस्य का मुख, दूसरी रेखा में बैठे गए सदस्य की ओर है. इनमें से हर एक को अलग परफ्यूम पसन्द है, जो हैं–डेविडोफ, चेक, ब्रुट, गूची, हॉलिस्टर, टाइटन, पोलिस, वेलेन्टीनो, यार्डली और फरारी, पर जरूरी नहीं, इसी क्रम में.

S, रेखा के किसी एक अन्तिम छोर पर बैठा है. A का मुख, S के निकटतम पड़ोसी की ओर है. A और ब्रुट पसन्द करने वाले के बीच सिर्फ एक व्यक्ति बैठा है. T, P के दाएं से तीसरे स्थान पर बैठा है. P का मुख, डेविडॉफ पसन्द करने वाले की ओर है. C, A का निकटतम पड़ोसी है. C का मुख, Q की ओर है, वह जो Q के दाएं से दूसरे स्थान पर बैठा है, उसे यार्डली पसन्द है, यार्डली पसन्द करने वाले और वेलेन्टीनो पसन्द करने वाले के बीच सिर्फ दो व्यक्ति बैठे हैं. B, E के ठीक दाएं बैठा है. D, गूची पसन्द करने वाले के एक निकटतम पड़ोसी की ओर मुख करके बैठा है. T, पोलिस पसन्द करने वाले का निकटतम पड़ोसी है. फरारी पसन्द करने वाला, हॉलिस्टर पसन्द करने वाले के दाएं से दूसरे स्थान पर बैठा है. P को चेक पसन्द नहीं है.

46. दी गई व्यवस्था के आधार पर, दिए गए कथनों में कौनसा सत्य है ?
(A) T, ब्रुट पसन्द करने वाले का निकटतम पड़ोसी है
(B) दिए गए कथनों में कोई भी सत्य नहीं है
(C) A और T की ओर मुख करने वाले के बीच सिर्फ एक व्यक्ति बैठा है
(D) B का मुख टाइटन पसन्द करने वाले की ओर है
(E) A, E के दाएं से दूसरे स्थान पर बैठा है.

47. दी गई व्यवस्था के आधार पर, A का सम्बन्ध D से है, उसी तरह, T का सम्बन्ध Q से है. इसी पैटर्न से, S का सम्बन्ध किससे है ?
(A) चेक पसन्द करने वाला
(B) P
(C) R
(D) A की ओर मुख करने वाला
(E) यार्डली पसन्द करने वाला

48. निम्नलिखित में से किसका मुख E की ओर है ?
(A) Q (B) R
(C) S (D) T
(E) दिए गए विकल्पों से अन्य कोई और

49. Q और D की ओर मुख करने वाले के ठीक बीच कौन बैठा है ?
(A) R
(B) S
(C) T
(D) पोलिस पसन्द करने वाला
(E) टाइटन पसन्द करने वाला

50. C के बाएं से दूसरे स्थान पर कौन बैठा है ?
(A) जिसका मुख Q की ओर है
(B) B
(C) A
(D) फरारी पसन्द करने वाला
(E) हॉलिस्टर पसन्द करने वाला

उत्तर व्याख्या सहित

प्रश्न 1 से 5 तक–

7	N	एडिडास
6	M	फिला
5	K	रोग्न
4	P	प्यूमा
3	L	नाइक
2	J	HR_x
1	O	लिवाइस

1. (C) 2. (A) 3. (B) 4. (E) 5. (D)
6. (B)

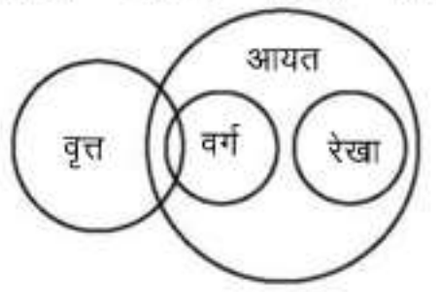

निष्कर्ष I अनुसरण नहीं करता है.
निष्कर्ष II अनुसरण करता है.
निष्कर्ष III अनुसरण नहीं करता है.

7. (C)

निष्कर्ष I अनुसरण करता है.
निष्कर्ष II अनुसरण करता है.
निष्कर्ष III अनुसरण नहीं करता है.

8. (A)

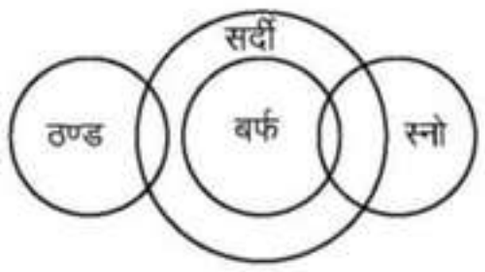

निष्कर्ष I अनुसरण करता है.
निष्कर्ष II अनुसरण नहीं करता है.

9. (E)

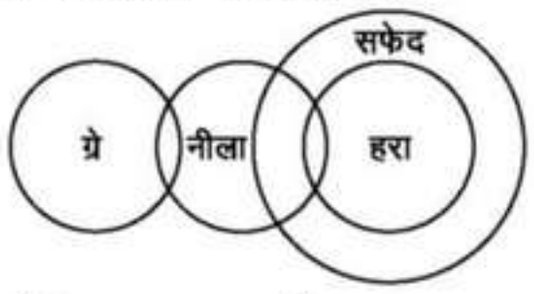

निष्कर्ष I अनुसरण करता है.
निष्कर्ष II अनुसरण करता है.

10. (C)

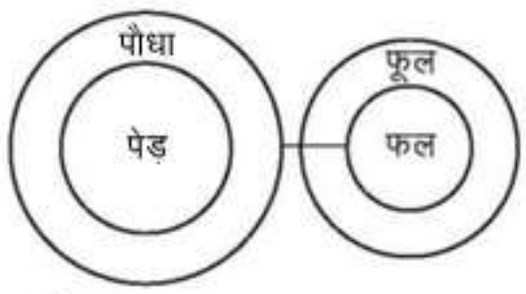

11. (C) I और II O > K > M > J > L > N

12. (E) (I)

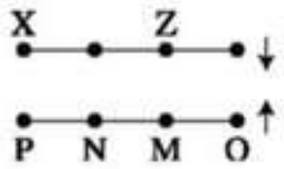

M का मुख Z की ओर है

(II)

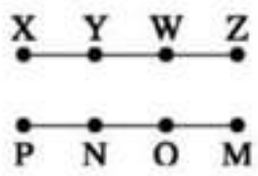

M का मुख Z की ओर है

13. (B) (I) ● W नारंगी ● V पीला
● V पीला या ● U नीला
● U नीला ● W नारंगी

(II) ● V पीला
● U नीला
● W नारंगी

V के ऊपर कोई डिब्बा नहीं रखा है

14. (D) (I) make silver ornaments today
ly/br ly/br
silver ornaments for ceremony
ly/br ly/br
(II) ornaments is silver only
hk
only today for preparation
hk
न ही I और न ही II 'silver' के लिए कोड देता है.

15. (A) (I) सोम मंगल बुध गुरु शुक्र शनि रवि
A E B D
नाटक B शुक्रवार को हुआ.
(II) सोम मंगल बुध गुरु शुक्र शनि रवि
F/G C A E B D G/F
या B C F/G A E D F/G

16. (A) 17. (B) 18. (D) 19. (E) 20. (B)

प्रश्न 21 से 25 तक–

रैंक	व्यक्ति	शहर
MD	G	दिल्ली
ED	D	पुणे
CGM	F	मुम्बई
GM	C	बेंगलूरू
DGM	A	सोलापुर
AGM	E	नागपुर
ऑफीसर	B	कोल्हापुर

21. (A) 22. (A) 23. (D) 24. (B) 25. (B)

26. (D) OT, DI, NO

27. (D) 86143259—दी गई संख्या
12345689—प्रश्नानुसार व्यवस्थित करने पर

प्रश्न 28 से 32 तक–

P	Q	R	S
5000	3000	4500	7000
कीवी	सेब	अंगूर	नारंगी
T	U	V	W
5523	6400	6533	2000
पपीता	केला	आम	अमरूद

28. (E) 29. (B) 30. (D) 31. (A) 32. (C)

33. (B)

प्रश्न 34 से 38 तक–

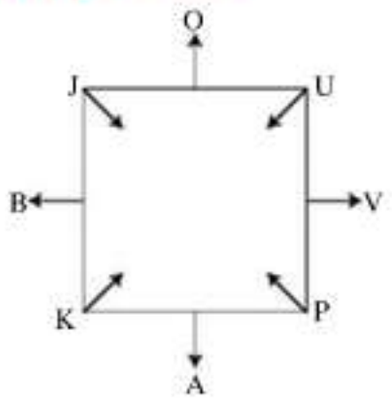

34. (C) 35. (D) 36. (A) 37. (D) 38. (A)

प्रश्न 39 से 43 तक–

इनपुट : inspire 55 jump 86 view 22 74 angle fight 66 ride 14.

चरण I : view inspire 55 jump 22 74 angle fight 66 ride 14 86.

चरण II : view ride inspire 55 jump 22 74 angle fight 14 86 66.

चरण III : view ride jump inspire 55 22 angle fight 14 86 66 74.

चरण IV : view ride jump fight inspire 22 angle 14 86 66 74 55.

चरण V : view ride jump fight angle inspire 22 86 66 74 55 14.

चरण VI : view ride jump fight angle inspire 86 66 74 55 14 22.

39. (C) 40. (D) 41. (B) 42. (E) 43. (A)

44. (E) 45. (B)

प्रश्न 46 से 50 तक–

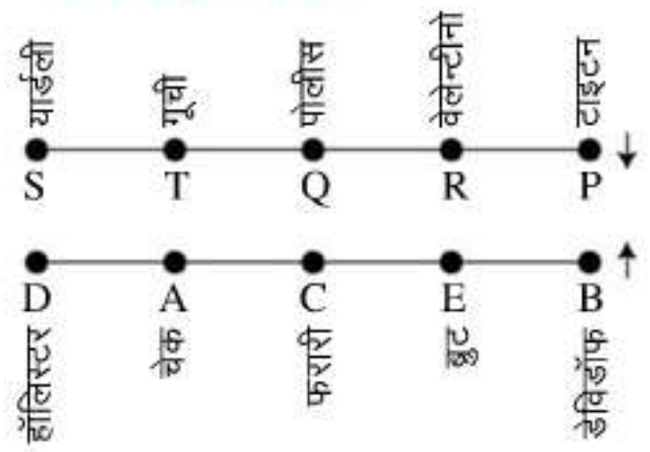

46. (D) 47. (D) 48. (B) 49. (C) 50. (E)

●●●

उपकार
प्रा. परीक्षा तिथि : 29 जून, 2019
नेतरहाट एवं हजारीबाग
विद्यालय
प्रवेश परीक्षा
(प्रारम्भिक एवं मुख्य)
कक्षा 6 के लिए
लेखक : राजेश कुमार रॉय
कोड 166 मूल्य : ₹ 280/-
➪ सामान्य ज्ञान (भूगोल, इतिहास, नागरिकशास्त्र) ➪ सामान्य ज्ञान ➪ सामान्य विज्ञान ➪ गणित ➪ भाषा हिन्दी ➪ मानसिक योग्यता (भाषिक तर्कशक्ति, अभाषिक तर्कशक्ति)
उपकार प्रकाशन, आगरा-2
E-mail : care@upkar.in
Website : www.upkar.in

केनरा बैंक पी.ओ. परीक्षा, 23-12-2018 का हल प्रश्न-पत्र

संख्यात्मक अभियोग्यता

(स्मृति पर आधारित)

1. नाव A द्वारा धारा के विरुद्ध 80 किमी की दूरी तय करने में लिए गए समय और धारा की दिशा में 80 किमी की दूरी तय करने में लिए गए समय के बीच अन्तर 1 घण्टा है. अगर धारा के विरुद्ध नाव की चाल में और धारा की दिशा में नाव की चाल में अनुपात क्रमशः 4 : 5 है, नाव A धारा की दिशा में 2 घण्टे में कितनी दूरी तय करेगी ? (किमी. में)
(A) 48 (B) 32
(C) 40 (D) 44
(E) 36

2. एक बैग में 20 गेंदें हैं (5 हरी गेंदें और कुछ लाल और नीली गेंदें). अगर 2 गेंदों को बिना रिप्लेसमेंट के निकाला जाए, तो पहली गेंद लाल और दूसरी गेंद के हरे होने की प्रायिकता $\frac{2}{19}$ है. बैग में लाल और नीली गेंदों की संख्या के बीच अन्तर क्या है ?
(A) 2
(B) दिए गए विकल्पों में से कोई नहीं
(C) 1
(D) 4
(E) 3

3. जॉन, कियारा से 3 साल छोटा है. जब दोनों की शादी हुई, उस समय दोनों कियारा और जॉन की आयुओं का योग 45 साल था. जॉन की शादी के समय, जॉन के छोटे भाई सैम की आयु क्या थी, अगर सैम, जॉन से पाँच साल छोटा था ? (साल में).
(A) 17 (B) 15
(C) 16 (D) 20
(E) 18

निर्देश–(प्रश्न 4 से 9 तक) ग्राफ को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

दो स्टोरों (M और N) द्वारा बेची गई साड़ियों के सम्बन्ध में सूचना

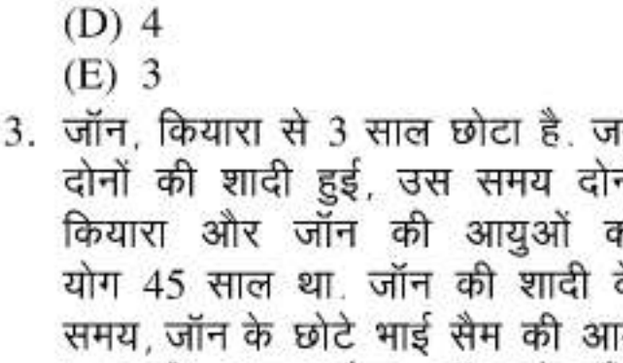

	2003	2004	2005	2006	2007
M	220	640	420	340	480
N	780	300	460	520	700

4. 2004 से 2006 तक स्टोर N द्वारा बेची गईं साड़ियों की संख्या में कितने प्रतिशत वृद्धि हुई है ?
(A) $65\frac{1}{3}$ (B) $81\frac{2}{3}$
(C) $69\frac{1}{3}$ (D) $79\frac{2}{3}$
(E) $73\frac{1}{3}$

5. 2005, 2006 और 2007 में स्टोर N द्वारा बेची गईं साड़ियों की औसत संख्या क्या है ?
(A) 580 (B) 540
(C) 500 (D) 560
(E) 520

6. 2007 में, स्टोर M द्वारा बेची गई साड़ियों का 35% और स्टोर N द्वारा बेची गईं साड़ियों का 29% शुद्ध सिल्क की साड़ियाँ हैं, 2007 में स्टोर M और N द्वारा मिलकर कितनी शुद्ध सिल्क की साड़ियाँ बेची गई हैं ?
(A) 379 (B) 371
(C) 381 (D) 349
(E) 363

7. अगर 2005 और 2008 में स्टोर M और N द्वारा मिलकर बेची गईं साड़ियों की कुल संख्या के बीच अनुपात क्रमशः 11 : 9 है, 2008 में स्टोर M और N द्वारा मिलकर साड़ियों की कुल संख्या क्या है ?
(A) 720 (B) 630
(C) 540 (D) 810
(E) 900

8. 2003 और 2004 में मिलकर स्टोर M द्वारा बेची गईं साड़ियों की कुल संख्या और इन्हीं सालों में मिलकर स्टोर N द्वारा बेची गईं साड़ियों की कुल संख्या के बीच अन्तर क्या है ?
(A) 260 (B) 200
(C) 220 (D) 240
(E) 180

9. अगर 2010 में स्टोर M और N द्वारा मिलकर बेची गईं साड़ियों की कुल संख्या, 2006 में स्टोर M और N द्वारा मिलकर बेची गईं साड़ियों की कुल संख्या का 45% है, 2010 में स्टोर M और N द्वारा मिलकर बेची गईं साड़ियों की कुल संख्या क्या है ?
(A) 379 (B) 387
(C) 391 (D) 403
(E) 411

निर्देश–(प्रश्न 10 से 14 तक) सावधानीपूर्वक निम्न सूचनाओं को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

चार अलग एकेडमियों A, B, C और D में, क्रिकेट के खिलाड़ियों की संख्या क्रमशः 120, 150, 100 और 200 है.

टीम में सिर्फ तीन तरह के खिलाड़ी ही हैं–स्पेशलिस्ट बैट्समैन, स्पेशलिस्ट बाउलर और ऑलराउण्डर (जो दोनों बैटिंग और बॉलिंग कर सकते हैं) एकेडमी A, B, C और D में खिलाड़ियों की कुल संख्या में से, खिलाड़ियों का क्रमशः प्रतिशत जो बैटिंग कर सकते हैं–75%, 80%, 60% और 35% है.

एकेडमी A, B, C और D में खिलाड़ियों की कुल संख्या में से, जो खिलाड़ी गेंदबाजी कर सकते हैं, का क्रमशः प्रतिशत है : 50%, 60%, 70% और 80%

- मैच के लिए 1 स्पेशलिस्ट बैट्समैन को दी जाने वाली फीस = 3 × 1 मैच के लिए 1 ऑलराउण्डर को दी गई फीस.
- 1 मैच के लिए 1 स्पेशलिस्ट गेंदबाज की दी जाने वाली फीस = ₹ 20,000.
- 1 मैच के लिए 1 स्पेशलिस्ट गेंदबाज को दी जाने वाली फीस और 1 मैच के लिए ऑलराउण्डर को दी जाने वाली फीस में अनुपात 2 : 3 है.

10. एकेडमी A के स्पेशलिस्ट बल्लेबाज को दी गई कुल फीस और एकेडमी C के सभी ऑलराउण्डर को दी गई कुल फीस के बीच अन्तर क्या है ? (लाख रुपए में)
(A) 36 (B) 42
(C) 45 (D) 33
(E) 30

11. एकेडमी C के सभी स्पेशलिस्ट गेंदबाजों को दी गई कुल फीस और एकेडमी A के सभी ऑलराउण्डर को दी गई कुल फीस के बीच क्रमशः अनुपात क्या है ?
(A) 9 : 11 (B) 5 : 7
(C) 11 : 13 (D) 13 : 17
(E) 8 : 9

12. 11 खिलाड़ियों की टीम में, जिसमें 4 स्पेशलिस्ट बल्लेबाज, 4 स्पेशलिस्ट गेंदबाज और 3 ऑलराउण्डर हैं, पूरी टीम को दी गई कुल फीस क्या है ? (लाख रुपए में)
(A) 7·1 (B) 6·7
(C) 5·3 (D) 3·9
(E) 4·9

13. एकेडमी D के सभी ऑलराउण्डर को दी गई कुल फीस, एकेडमी A के सभी स्पेशलिस्ट बल्लेबाजों को दी गई कुल फीस, का कितना प्रतिशत है ?

(A) $18\frac{2}{3}$ (B) $17\frac{1}{3}$

(C) $16\frac{2}{3}$ (D) $22\frac{1}{3}$

(E) $25\frac{2}{3}$

14. 3 ऑलराउण्डरों A_1, A_2, A_3 जिन्होंने 6, 7 और 8 मैच खेले हैं, को दी गई कुल फीस क्या है ? (लाख रुपए में)

(A) 6·3 (B) 4·8

(C) 7·2 (D) 5·1

(E) 8·4

15. ₹ 1000 की फिक्सड कॉस्ट के अलावा SUV द्वारा जितनी दूरी तय की जाती है, SUV का किराया उसी दूरी के सन्दर्भ में बदलता रहता है. किराया ₹ 15 प्रति किमी से शुरू होता है और हर 10 किमी की दूरी पर ₹ 1 घटता है. अगर ग्राहक SUV का किराया ₹ 1606 देता है, तो उसके द्वारा तय की गई दूरी क्या है ? (किमी. में)

(A) 38 (B) 36

(C) 46 (D) 30

(E) 35

16. अपनी आय में से, धरा ने $\frac{1}{8}$ भाग किराये पर, $\frac{1}{4}$ भाग अन्य खर्चों पर व्यय किया. शेष में से ₹ X अपने बैंक खाते में डाले और शेष कैश रखा. अमु ने अपनी आय में से $\frac{1}{6}$ भाग किराए पर और $\frac{1}{3}$ भाग अन्य खर्चों पर व्यय किया. शेष में से ₹ X उसने बैंक खाते में डाले और शेष उसने कैश के रूप में रखे. धरा द्वारा कैश के रूप में रखी गई राशि, अमु द्वारा कैश के रूप में रखी गई राशि के बराबर थी. धरा और अमु की आय के बीच अनुपात क्रमशः क्या है ?

(A) 2 : 5

(B) 4 : 5

(C) 5 : 6

(D) दिए गए विकल्पों में से कोई नहीं

(E) 3 : 5

निर्देश–(प्रश्न 17 से 21 तक) दिए गए प्रश्न में, दो क्वांटिटी दी हैं, Qty I और Qty II आपको दोनों कथनों के बीच सम्बन्ध बताना है और सही विकल्प चुनना है–

(A) Qty I < Qty II

(B) Qty I ≤ Qty II

(C) Qty I > Qty II

(D) Qty I ≥ Qty II

(E) बताया नहीं जा सकता या Qty I = Qty II

17. A और B ने एक व्यापार आरम्भ किया. व्यापार शुरू होने के 8 महीने बाद, A ने छोड़ा और C शामिल हो गया. B द्वारा निवेश की गई राशि, A द्वारा निवेश की गई राशि की दोगुनी है. C द्वारा निवेश की गई राशि, A द्वारा निवेश की गई राशि की तीन गुनी थी. कमाए गए कुल लाभ में से B को ₹ 252 हिस्से के रूप में प्राप्त हुए.

Qty. I : C द्वारा निवेश की गई राशि.

Qty. II : ₹ 9000

18. Qty. I : x का मान : अगर $6x^2 - 23x + 20 = 0$

Qty. II : y का मान : अगर $3y^2 - 10y + 8 = 0$

19. गाँव A में, कुल जनसंख्या का 20%, जिन्दगी में कभी स्कूल जाएंगे. शेष में से, 75% कभी स्कूल नहीं जाएंगे और शेष 80 घर में ही पढ़ते हैं.

Qty. I : गाँव A की कुल जनसंख्या.

Qty. II : गाँव B की कुल जनसंख्या, जिसमें 60% पुरुष हैं और शेष 160 महिलाएँ हैं.

20. राम ने एक कलम को 20% छूट के बाद ₹ 60 का लाभ कमायागया. अगर कलम को बिना किसी छूट के साथ बेचा जाए, कमाया गया लाभ ₹ 150 होगा.

Qty. I : अगर कलम को ₹ 400 में बेचा जाए, तो कमाया गया लाभ (₹ में) बताएं.

Qty. II : अगर कलम को 25% लाभ पर बेचा जाए, तो कमाया गया लाभ (₹ में) बताएं.

21. एक वर्गाकार बगीचे (A) की भुजा, एक आयताकार बगीचे (B) की चौड़ाई के बराबर है. बगीचे की लम्बाई और चौड़ाई के बीच अनुपात क्रमशः 5 : 4 है. बगीचे A में बाड़ा बनाने का मूल्य, बगीचे B के बाड़ा बनाने के मूल्य से ₹ 30 कम है. (दोनों का मूल्य ₹ 5 प्रति मीटर से)

Qty. I : बगीचे B की लम्बाई.

Qty. II : 20 मीटर

निर्देश–(प्रश्न 22 से 27 तक) पाई चार्ट को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

एक पुस्तक पब्लिश करने में विभिन्न खर्चे (प्रतिशत में)

22. अगर पुस्तक की कुछ मात्रा के लिए, पब्लिशर को ₹ 30600 प्रिंटिंग मूल्य के रूप में देने पड़े, तो इन पुस्तकों के लिए दी गई रोयल्टी की राशि क्या होगी ?

(A) ₹ 19450 (B) ₹ 21200

(C) ₹ 22950 (D) ₹ 26150

(E) ₹ 30000

23. रोयल्टी पर खर्चा करने वाले सेक्टर का केन्द्रीय कोण क्या है ?

(A) 15° (B) 24°

(C) 54° (D) 48°

(E) 64°

24. एक पुस्तक का अंकित मूल्य, उसके क्रय मूल्य से 20% ज्यादा है. अगर पुस्तक का अंकित मूल्य ₹ 180 है, तो पुस्तक की एक ही कॉपी में प्रयोग किए गए कागज का मूल्य क्या है ?

(A) ₹ 36 (B) ₹ 37·50

(C) ₹ 42 (D) ₹ 44·25

(E) ₹ 52

25. अगर 5500 कॉपियाँ पब्लिश हुई हैं और उनके द्वारा किया गया ट्रॉंस्पोर्टेशन का खर्चा ₹ 82500 है, तो एक पुस्तक का विक्रय मूल्य क्या होना चाहिए जिससे कि पब्लिशर को 25% लाभ हो ?

(A) ₹ 187·50 (B) ₹ 191·50

(C) ₹ 175 (D) ₹ 180

(E) ₹ 190

26. पुस्तक का रोयल्टी मूल्य, उसके प्रिंटिंग मूल्य से कितने प्रतिशत कम है ?

(A) 5% (B) $33\frac{1}{5}$%

(C) 20% (D) 25%

(E) 30%

27. अगर पाई चार्ट में दो खर्चों के बीच अन्तर 18° दर्शाया गया है, तो ये खर्च हैं–

(A) बाइंडिंग मूल्य और प्रमोशन मूल्य

(B) पेपर मूल्य और रोयल्टी

(C) बाइंडिंग मूल्य और प्रिंटिंग मूल्य

(D) पेपर मूल्य और प्रिंटिंग मूल्य

(E) ट्रांसपोर्टेशन मूल्य और बाइंडिंग मूल्य

निर्देश–(प्रश्न 28 से 33 तक) सारणी को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

5 महीनों में, दो कम्पनियों (A और B) द्वारा पब्लिश की गई पुस्तकों की संख्या और पब्लिश की गई पुस्तकों के प्रतिशत के सम्बन्ध में सूचना

महीने	कम्पनी A		कम्पनी B	
	पब्लिश पुस्तक की संख्या	बेची गई पब्लिश पुस्तकों की संख्या	पब्लिश पुस्तकों की संख्या	बेची गई पब्लिश पुस्तकों का प्रतिशत
जनवरी	480	40%	.....	75%
फरवरी	800	30%	500	.....
मार्च	—	35%	338	50%
अप्रैल	620	—	300	—
मई	200	80%	450	72%

28. जनवरी और अप्रैल में मिलकर, कम्पनी A द्वारा पब्लिश की गई पुस्तकों की कुल संख्या और फरवरी और मार्च में मिलकर कम्पनी B द्वारा पब्लिश की गईं पुस्तकों की कुल संख्या के बीच अंतर क्या है ?
(A) 236 (B) 268
(C) 262 (D) 254
(E) 252

29. फरवरी में, कम्पनी A द्वारा बेची गईं पुस्तकों की संख्या और कम्पनी B द्वारा फरवरी में बेची गईं पुस्तकों की संख्या के बीच अनुपात क्रमशः 6 : 11 है. फरवरी में कम्पनी B द्वारा बेची गईं पब्लिश पुस्तकों का प्रतिशत क्या है ?
(A) 44 (B) 88
(C) 55 (D) 77
(E) 66

30. अप्रैल में कम्पनी A और B द्वारा मिलकर बेची गई पुस्तकों की कुल संख्या 330 है. अगर कम्पनी A ने X% पब्लिश्ड पुस्तकें बेचीं और कम्पनी B ने (X + 18%) पब्लिश्ड पुस्तकें बेचीं. X का मान क्या है ?
(A) 40 (B) 25
(C) 30 (D) 45
(E) 35

31. मई में, अगर कम्पनी B द्वारा बेची गई पुस्तकों का 25% ऐकेडमी पुस्तक हैं, मई में कम्पनी B द्वारा बेची गई ऐकेडमिक पुस्तकों की संख्या क्या है ?
(A) 90 (B) 99
(C) 75 (D) 81
(E) 89

32. अगर फरवरी और मार्च में कम्पनी A द्वारा पब्लिश पुस्तकों की औसत संख्या 720 है, फरवरी और मार्च में मिलकर, कम्पनी A द्वारा बेची गई पुस्तकों की कुल संख्या क्या है ?
(A) 464 (B) 488
(C) 442 (D) 438
(E) 472

33. अगर जनवरी में कम्पनी A और B द्वारा मिलकर बेची गई पुस्तकों की कुल संख्या 432 है, जनवरी में कम्पनी B द्वारा पब्लिश की गई पुस्तकों की संख्या क्या है ?
(A) 280 (B) 400
(C) 360 (D) 320
(E) 300

निर्देश–(प्रश्न 34 से 39 तक) दी गई संख्या प्रणाली में प्रश्न चिह्न (?) के स्थान पर क्या आएगा ?

34. 12 181 302 383 ? 457
(A) 395 (B) 432
(C) 386 (D) 447
(E) 414

35. 7 12 27 62 127 ?
(A) 256 (B) 232
(C) 248 (D) 224
(E) 218

36. 9 5·5 6·5 14 ? 457
(A) 53 (B) 57
(C) 81 (D) 49
(E) 69

37. 169 177 150 214 89 ?
(A) 305 (B) 295
(C) 280 (D) 275
(E) 300

38. 79 88 70 ? 97 106
(A) 54 (B) 79
(C) 61 (D) 73
(E) 69

39. 3 ? 32 48 61 77
(A) 19 (B) 12
(C) 14 (D) 18
(E) 16

40. ऐनी ने स्कीम A (10% वार्षिक चक्रवृद्धि ब्याज की दर से) और स्कीम B (15% वार्षिक साधारण ब्याज की दर से) में ₹ 10000 का कुल धन निवेश किया. 2 साल के अंत में, स्कीम B से प्राप्त किया गया ब्याज, स्कीम A से प्राप्त किए गए ब्याज से ₹ 960 ज्यादा है. ऐनी ने स्कीम A में कितना निवेश किया ? (₹ में)
(A) 5000 (B) 4500
(C) 4800 (D) 4000
(E) 6000

41. एक जार में 72 लि. शुद्ध दूध है, जिसमें 18 लि. पानी मिलाना है. अगर जार से मिश्रण का 45 लि. निकाला जाए, जार में दूध की बची हुई मात्रा क्या होगी? (लि. में)
(A) 60
(B) 36
(C) 42
(D) दिए गए विकल्पों में से कुछ नहीं
(E) बताया नहीं जा सकता

42. ट्रेन A 54 किमी./घण्टा की चाल से, एक प्लेटफार्म को 80 से. में पार करती है. ट्रेन B 72 किमी./घण्टा की चाल से, उसी प्लेटफार्म को 48 से. में पार करती है. अगर ट्रेन B की लम्बाई, ट्रेन A की लम्बाई की आधी है, ट्रेन A की लम्बाई क्या है ? (मी. में)
(A) 480
(B) 540
(C) 420
(D) 360
(E) 240

निर्देश–(प्रश्न 43 से 48 तक) दिए गए प्रश्न में, प्रश्न चिह्न (?) के स्थान पर लगभग मान क्या आएगा ?

43. $\sqrt{22{\cdot}01\times4+52{\cdot}02+58\times1{\cdot}99}$ = ?
(A) 8 (B) 14
(C) 18 (D) 12
(E) 16

44. 300·12 का 79·98% ÷ 3·99 = ?
(A) 80 (B) 240
(C) 60 (D) 120
(E) 20

45. $\left(449{\cdot}86-\sqrt{36{\cdot}97}\quad 3{\cdot}12\right)$ का ? % = 336
(A) 40 (B) 60
(C) 50 (D) 75
(E) 80

46. 316 ÷ 15·02 × $\sqrt{38}$ + ? = $(11{\cdot}99)^2$
(A) 32 (B) 18
(C) 38 (D) 8
(E) 24

47. $2430 \div 7{\cdot}998 - 79{\cdot}75 + ?^2 = 850$
(A) 30 (B) 25
(C) 9 (D) 20
(E) 15

48. $4226 \div 5{\cdot}01 \times \frac{2}{9} + 232{\cdot}15 = ?$
(A) 420 (B) 320
(C) 360 (D) 460
(E) 480

49. A और B ने एक व्यापार 3 : 2 के निवेश के साथ शुरू किया. व्यापार शुरू होने के 'X' महीने के बाद, B ने छोड़ा और C व्यापार में शामिल हुआ. B और C के निवेशों में अनुपात 1 : 2 है. अगर ₹ 5700 के कुल लाभ में से B का हिस्सा ₹ 600 है तो C ने कितने महीनों के लिए निवेश किया ?
(A) 4 (B) 8
(C) 3 (D) 2
(E) 6

50. एक गोलाकार सिलेंडर (A) के सतह का कुल क्षेत्रफल 200π वर्ग सेमी है और उसके व्यास और ऊँचाई के बीच अनुपात क्रमशः 2 : 3 है. अगर वर्ग की भुजा, A की ऊँचाई के बराबर है, तो वर्ग का परिमाप क्या होगा ? (सेमी. में)
(A) 60
(B) 80
(C) 20
(D) दिए गए विकल्पों से अन्य
(E) 40

उत्तर हल सहित

1. (C) माना धारा की दिशा तथा धारा के विरुद्ध नाव की चाल क्रमशः $5x$ किमी/घंटा तथा $4x$ किमी/घंटा है.

$$\frac{80}{4x} - \frac{80}{5x} = 1$$

$$\Rightarrow \quad \frac{20-16}{x} = 1$$

$$\Rightarrow \quad x = 4$$

धारा की दिशा में नाव A द्वारा तय की गई दूरी

$= 5 \times 4 \times 2$
$= 40$ किमी/घंटा

2. (C) माना, लाल गेंदों की संख्या $= x$
और, नीली गेदों की संख्या $= y$

दिया है, $\frac{x}{20} \times \frac{5}{19} = \frac{2}{19}$

$$\Rightarrow \quad x = \frac{2 \times 20 \times 19}{19 \times 5}$$

$= 8$

तो, लाल गेंदों की संख्या $= 8$

और नीली गेंदों की संख्या (y)
$= 20 - (8 + 5)$
$= 20 - 13 = 7$

∴ लाल और नीली गेंदों के बीच संख्या
$= 8 - 7$
$= 1$

3. (C) दिया है, $J = K - 3$ ...(1)
$\Rightarrow \quad J - K = -3$
और $J + K = 45$
हल करने पर, $J = 21$ वर्ष
अब $S = J - 5 = 21 - 5$
$= 16$ वर्ष

4. (E) % वृद्धि $= \frac{520 - 300}{300} \times 100$

$= \frac{220}{300} \times 100$

$= 73\frac{1}{3}\%$

5. (D) औसत $= \frac{460 + 520 + 700}{3}$

$= \frac{1680}{3} = 560$

6. (B) 2007 में स्टोर M और N द्वारा मिलकर बेची गई, शुद्ध सिल्क साड़ियों की संख्या

$= 480 \times \frac{35}{100} + 700 \times \frac{29}{100}$

$= 168 + 203 = 371$

7. (A) $\frac{880}{x} = \frac{11}{9}$

$$\Rightarrow \quad x = \frac{880 \times 9}{11}$$

$= 720$ साड़ियाँ

8. (C) अंतर $= (1080) - (860)$
$= 220$

9. (B) स्टोर M और N द्वारा मिलकर 2010 में बेची गईं साड़ियों की संख्या

$= \frac{45}{100}(340 + 520)$

$= \frac{45}{100} \times 860 = 387$

प्रश्न 10 से 14 तक के लिए–

प्रतिशत में :

(A)

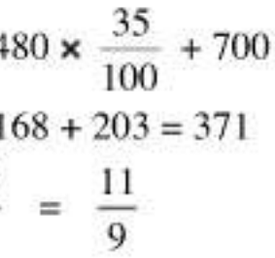

$(75 + 50) - 100$
$= 125 - 100 = 25$ ऑलराउण्डर

(B)

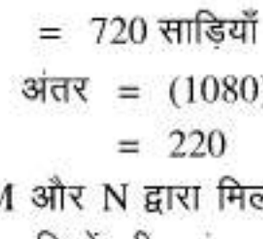

$(80 + 60) - 100$
$= 140 - 100 = 40$ ऑलराउण्डर

(C)

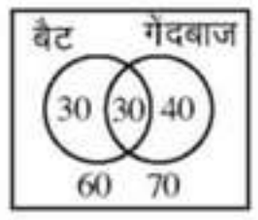

$(60 + 70) - 100$
$= 130 - 100 = 30$ ऑलराउण्डर

(D)

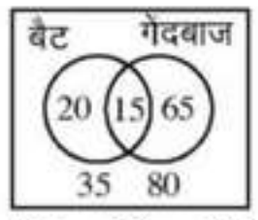

$(35 + 80) - 100$
$= 115 - 100 = 15$ ऑलराउण्डर

A के लिए :
A के स्पेशलिस्ट बैट्समैन की संख्या
$= \frac{50}{100} \times 120 = 60$
A के स्पेशलिस्ट गेंदबाज की संख्या
$= \frac{25}{100} \times 120 = 30$
A के ऑलराउण्डर की संख्या
$= \frac{25}{100} \times 120 = 30$

B के लिए :
B के स्पेशलिस्ट बैट्समैन की संख्या
$= \frac{40}{100} \times 150 = 60$
B के स्पेशलिस्ट गेंदबाज की संख्या
$= \frac{20}{100} \times 150 = 30$
B के ऑलराउण्डर की संख्या
$= \frac{40}{100} \times 150 = 60$

C के लिए :
C के स्पेशलिस्ट बैट्समैन की संख्या
$= \frac{30}{100} \times 100 = 30$
C के स्पेशलिस्ट गेंदबाज की संख्या
$= \frac{40}{100} \times 100 = 40$
C के ऑलराउण्डर की संख्या
$= \frac{30}{100} \times 100$
$= 30$

D के लिए :
D के स्पेशलिस्ट बैट्समैन की संख्या
$= \frac{20}{100} \times 200 = 40$
D के स्पेशलिस्ट गेंदबाज की संख्या
$= \frac{65}{100} \times 200 = 130$
D के ऑलराउण्डर की संख्या
$= \frac{15}{100} \times 200 = 30$

1 स्पेशलिस्ट गेंदबाज को 1 मैच के लिए दी जाने वाली फीस / 1 ऑलराउण्डर को 1 मैच के लिए दी जाने वाली फीस $= \frac{2}{3}$

$\Rightarrow \quad \frac{20000}{x} = \frac{2}{3}$

$\Rightarrow \quad x = ₹\ 30{,}000$

1 स्पेशलिस्ट बैट्समैन को 1 मैच के लिए दी जाने वाली फीस = 3 × 1 ऑलराउण्डर को 1 मैच के लिए दी जाने वाली फीस

$= 3 \times 30{,}000$

$= ₹\ 90{,}000$

10. (C) एकेडमी A के स्पेशलिस्ट बैट्समैन द्वारा दी जाने वाली फीस

$= 60 \times 90{,}000$

$= ₹\ 5400000$

एकेडमी C के ऑलराउण्डर को दी जाने वाली फीस $= 30 \times 30{,}000$

$= ₹\ 900000$

अंतर $= 5400000 - 900000$

$= ₹\ 4500000$

11. (E) एकेडमी C के सभी स्पेशलिस्ट गेंदबाजों को दी गई कुल फीस

$= 40 \times 20{,}000$

$= ₹\ 800000$

एकेडमी A के ऑलराउण्डर को दी जाने वाली कुल फीस

$= 30 \times 30{,}000$

$= 900000$

अनुपात $= \frac{800000}{900000} = \frac{8}{9}$

12. (C) 4 बल्लेबाज, 4 गेंदबाज और 3 ऑल-राउण्डर को दी जाने वाली कुल फीस

$= 4 \times 90{,}000 + 4 \times 20{,}000 + 3 \times 30{,}000$

$= 360000 + 80000 + 90{,}000$

$= 530000$

$= ₹\ 5{\cdot}3$ (लाख)

13. (C) एकेडमी D के ऑलराउण्डर को दी गई फीस

$= 30 \times 30{,}000$

$= ₹\ 900000$

एकेडमी A के सभी स्पेशलिस्ट बल्लेबाज को दी जाने वाली फीस

$= 60 \times 90{,}000$

$= ₹\ 5400000$

$\% = \frac{900000}{5400000} \times 100$

$= 16\frac{2}{3}\%$

14. (A) सभी ऑलराउण्डर को दी गई फीस

$= 6 \times 30{,}000 + 7 \times 30{,}000 + 8 \times 30{,}000$

$= 180000 + 210000 + 240000$

$= 630000$

$= ₹\ 6{\cdot}3$ (लाख)

15. (C) पहले 40 किमी का कुल किराया

$= 10 \times 15 + 10 \times 14 + 10 \times 13 + 10 \times 12$

$= 150 + 140 + 130 + 120$

$= ₹\ 540$

शेष तय की गई दूरी

$= \frac{(1606 - 1000) - 540}{11}$

$= \frac{606 - 540}{11}$

$= \frac{66}{11} = 6$ किमी

अभीष्ट कुल दूरी

$= 40 + 6 = 46$ किमी

16. (B) माना, धारा की आय x_1 है.

प्रश्नानुसार, $x_1 \times \frac{1}{8}$ = किराया

$x_1 \times \frac{1}{4}$ = अन्य खर्चे

शेष आय $= x_1 - \left(\frac{1}{8}x_1 + \frac{1}{4}x_1\right)$

$= x_1 - \frac{3}{8}x_1$

$= ₹\ \frac{5}{8}x_1$

X = बैंक खाते को दिए

शेष $= \frac{5}{8}x_1 - X$ = कैश है.

माना अमु की आय $= x_2$ प्रश्नानुसार,

$\frac{1}{6}x_2$ = किराया

$\frac{1}{3}x_2$ = अन्य खर्चे

शेष $= x_2 - \left(\frac{1}{6}x_2 + \frac{1}{3}x_2\right)$

$= x_2 - \frac{x_2}{2} = \frac{x_2}{2}$

X = बैंक खाते में दिए

शेष $= \frac{x_2}{2} - X$ = कैश है.

अमु का कैश = धारा का कैश

तो, $\frac{x_2}{2} - X = \frac{5}{8}x_1 - X$

अनुपात $\frac{x_1}{x_2} = \frac{4}{5}$

17. (E) प्रश्न में दिया गया डाटा अपर्याप्त है अतः बताया नहीं जा सकता.

18. (E) (I) $6x^2 - 23x + 20 = 0$

$\Rightarrow \quad x = \frac{23 \pm \sqrt{529 - 480}}{12}$

$\Rightarrow \quad x = \frac{23 \pm \sqrt{49}}{12}$

$\Rightarrow \quad x = \frac{23 \pm 7}{12}$

$\Rightarrow \quad x = \frac{30}{12}, \frac{16}{12}$

$= 2{\cdot}5, 1{\cdot}33$

(II) $3y^2 - 10y + 8 = 0$

$\Rightarrow \quad y = \frac{10 \pm \sqrt{100 - 96}}{6}$

$\Rightarrow \quad y = \frac{10 \pm \sqrt{4}}{6}$

$\Rightarrow \quad y = \frac{10 \pm 2}{6}$

$\Rightarrow \quad y = \frac{12}{6}, \frac{8}{6}$

$\Rightarrow \quad y = 2, 1{\cdot}33$

x तथा y के बीच सम्बन्ध स्थापित नहीं किया जा सकता. अतः बताया नहीं जा सकता.

19. (E) (I) माना, गाँव A की जनसंख्या $= x$

दिया है, $\frac{20}{100}x$ = विद्यालय जाने वाले लोग

शेष $= x - \frac{20}{100}x$

$= \frac{80}{100}x$

$\frac{80}{100}x \times \frac{75}{100} = \frac{6}{10}x$ = किसी भी विद्यालय में नहीं गए.

शेष $= \frac{80}{100}x - \frac{6}{10}x$

$= \frac{80x - 60x}{100}$

$\Rightarrow \quad \frac{20}{100}x = 80$ (दिया है)

$\Rightarrow \quad x = 400$

Qty I : 400

Qty II : माना, गाँव B की कुल जनसंख्या $= y$

$\frac{60}{100}y$ = पुरुष

बचे हुए $= y - \frac{60}{100}y$

$\Rightarrow \quad \frac{40}{100}y = 160$ (महिलाएँ हैं)

$\Rightarrow \quad y = 400$

Qty. I = Qty. II

20. (C) **केस I :**

C. P. = ₹ x

P = ₹ 60

S. P. = ₹ $(x + 60)$

D = 20%

M. P. $= \left(\frac{100}{80}\right)(x + 60)$

$= ₹\ \frac{5}{4}(x + 60)$

केस II :

C. P. = ₹ x

P = ₹ 150

S. P. = ₹ $(x + 150)$

∴ M. P. = ₹ $(x + 150)$

अंकित मूल्य बराबर होंगे.

$\therefore \frac{5}{4}(x + 60) = x + 150$

$\Rightarrow 5x + 300 = 4x + 600$

$\Rightarrow x =$ ₹ 300

∴ C. P. = ₹ 300

Qty. I : P = ₹ 400 – 300

= ₹ 100

Qty. II : $P = \frac{25}{100} \times 300$

= ₹ 75

Qty. I > Qty. II

21. (A) माना, वर्गाकार बगीचे (A) की भुजा

$a = 4x$

वर्ग की परिमाप = 4 (4x);

बगीचे (A) को फेन्सिंग कराने का मूल्य

= $16x \times 5$

= ₹ $80x$

ऐसे ही, बगीचे (B) का परिमाप

= $2(5x + 4x)$

= $18x$

बगीचे (B) की फेंसिंग का मूल्य

= $18x \times 5$

= ₹ $90x$

प्रश्नानुसार,

$80x = 90x - 30$

$x = 3$

Qty. I : $l = 5x = 5 \times 3$

= 15 मी.

Qty. II : 20 मी.

Qty. I < Qty. II

22. (C) माना, इन पुस्तकों के लिए भरी गई रोयल्टी की राशि = ₹ r.

तो, 20 : 15 = 30,600 : r

$\Rightarrow r = \frac{30600 \times 15}{20}$

= ₹ 22950

23. (C) केन्द्रीय कोण $= \frac{15}{100} \times 360°$

$= 54°$

24. (B) पुस्तक का अंकित मूल्य = $\frac{120}{100}$ C. P.

और, कागज की कीमत = $\frac{25}{100}$ C. P.

माना, एक पुस्तक के लिए कागज की कीमत = ₹ n.

तो, 120 : 25 = 180 : n

$\Rightarrow n = \frac{25 \times 180}{120}$

= ₹ 37·50

25. (A) 25% का लाभ कमाने के लिए पब्लिशर के लिए, S. P. = $\frac{125}{100}$ C.P.

और, ट्रांस्पोर्टेशन मूल्य

= $\frac{10}{100}$ C. P.

माना 5500 पुस्तकों का S. P. = ₹ x

तो, 10 : 125 = 82500 : x

$\Rightarrow x = \frac{125 \times 82500}{10}$

= ₹ 1031250

∴ 1 पुस्तक का S. P.

$= \frac{1031250}{5500}$

= ₹ 187·50

26. (D) पुस्तक का प्रिंटिंग मूल्य

= $\frac{20}{100}$ CP

पुस्तक पर रोयल्टी = $\frac{15}{100}$ CP,

अंतर = $\frac{20}{100}$ CP – $\frac{15}{100}$ CP

= $\frac{5}{100}$ CP

$\therefore$ % अंतर $= \left(\frac{\frac{5}{100}\text{CP}}{\frac{20}{100}\text{CP}} \times 100\right)\%$

= 25%

27. (D) 18° का केन्द्रीय कोण

= $\left(\frac{18}{360°} \times 100\right)\%$ कुल खर्चे का

= कुल खर्चे का 5%

दिए गए कॉम्बीनेशन में से, सिर्फ (D) का अन्तर 5% है. कागज का मूल्य – प्रिंटिंग मूल्य = कुल खर्चे का (25% – 20%)

= कुल खर्चे का 5%

28. (C) अन्तर (480 + 620) – (500 + 338)

= 1100 – 838

= 262

29. (B) $\frac{\text{कम्पनी A द्वारा बेची गई पुस्तकों की संख्या}}{\text{कम्पनी B द्वारा बेची गई पुस्तकों की संख्या}} = \frac{6}{11}$

$\Rightarrow \frac{800 \times \frac{30}{100}}{500 \times \frac{x}{100}} = \frac{6}{11}$

$\Rightarrow \frac{240}{5x} = \frac{6}{11}$

$\Rightarrow x = 88\%$

30. (C) $x + y = 330$ (दिया है)

$620 \times \frac{X}{100} + \frac{300 \times (X + 18)}{100}$

= 330

$\Rightarrow 6{\cdot}2X + 3X = 330 - 54 = 276$

$\Rightarrow X = \frac{2760}{92} = 30$

31. (D) मई में बेची गई पुस्तकों की संख्या

$= 450 \times \frac{72}{100} = 324$

मई में कम्पनी B द्वारा बेची गई एकेडमिक पुस्तकों की संख्या

$= 324 \times \frac{25}{100} = 81$

32. (A) औसत $= \frac{(800 + x)}{2}$

= 720 (दिया है)

$\Rightarrow 800 + x = 1440$

$\Rightarrow x = 640$

कम्पनी A द्वारा फरवरी और मार्च में मिलकर बेची गई पुस्तकों की संख्या

$A = 800 \times \frac{30}{100} + 640 \times \frac{35}{100}$

= 240 + 224

= 464

33. (D) माना, जनवरी में कम्पनी B द्वारा पब्लिश की गई पुस्तकों की संख्वा = x

$\left(480 \times \frac{40}{100}\right) + \left(x \times \frac{75}{100}\right) = 432$

$\Rightarrow 192 + \frac{75}{100}x = 432$

$\Rightarrow \frac{75}{100}x = 432 - 192 = 240$

$\Rightarrow x = \frac{240 \times 100}{75} = 320$

34. (B)

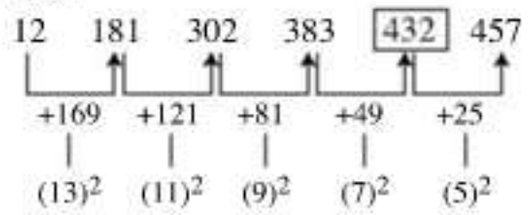

35. (B)

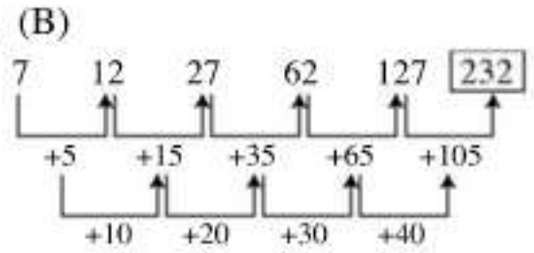

36. (B)

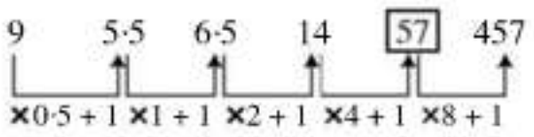

37. (A)

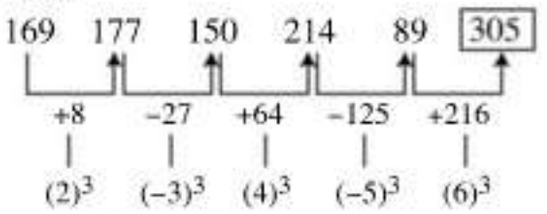

38. (B)

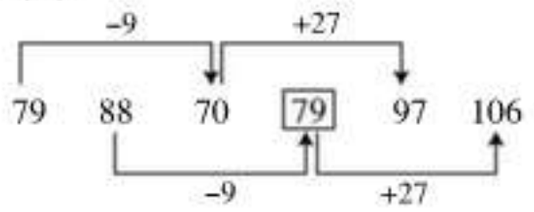

39. (A)

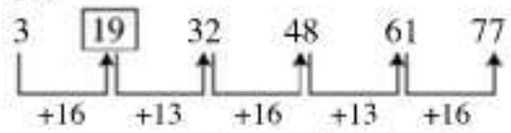

40. (D) माना, स्कीम A में निवेश किया गया धन = ₹ x

$$A_1 = x\left(1+\frac{10}{100}\right)^2 = x\left(\frac{11}{10}\right)^2$$

$$I_1 = x\left(\frac{11}{10}\right)^2 - x$$

$$= x\left[\left(\frac{11}{10}\right)^2 - 1\right]$$

$$= \frac{21}{100}x \quad \ldots(1)$$

स्कीम B में निवेश किया गया धन

$$= (10{,}000 - x)$$

$$I_2 = \frac{(10{,}000 - x)\times 15\times 2}{100}$$

$$= \frac{30{,}000 - 3x}{10} \quad \ldots(2)$$

$$I_2 - I_1 = \frac{30000 - 3x}{10} - \frac{21}{100}x$$

$$\Rightarrow \frac{300000 - 30x - 21x}{100} = 960$$

$$\Rightarrow x = \frac{204000}{51} = ₹\ 4000$$

41. (B) शुद्ध दूध की मात्रा = 72 लिटर
पानी की मात्रा = 18 लिटर
मिश्रण की कुल मात्रा = 90 लिटर
दूध और पानी का अनुपात = 72 : 18
= 4 : 1
जार में शेष मिश्रण की मात्रा
= (90 – 45)
= 45 लिटर
जार में शुद्ध दूध की मात्रा = $\frac{4}{5}\times 45$
= 36 लिटर

42. (A) **ट्रेन A के लिए :**

$$S_A = \frac{d_A}{t}$$

$$\Rightarrow 15\times 80 = l_A + l_P$$

$$\Rightarrow 1200 = l_A + l_P \quad \ldots(1)$$

ट्रेन B के लिए :

$$20\times 48 = l_B + l_P$$

$$960 = l_B + l_P \quad \ldots(2)$$

दिया है, $l_B = \frac{1}{2}l_A$

हल करने पर,

l_A = 480 मीटर

43. (E) $\sqrt{22\cdot01\times4+52\cdot02+58\times1\cdot99}$

$= \sqrt{22\times4+52+58\times2}$

$= \sqrt{88+52+116}$

$= \sqrt{256} = 16$

44. (C) $\frac{79\cdot98}{100}\times 300\cdot12 \div 3\cdot99$

$= \frac{80}{100}\times\frac{300}{4} = 60$

45. (D)

$$\frac{x}{100}\times\left(449\cdot86-\sqrt{36\cdot97}\quad 3\cdot12\right)$$

$$= 336$$

$$\Rightarrow \frac{x}{100}\left(450-\frac{6}{3}\right) = 336$$

$$\Rightarrow \frac{x}{100}(448) = 336$$

$$\Rightarrow x = 75$$

46. (B) $316\div 15\cdot02\times\sqrt{38}+x=(11\cdot99)^2$

$$\Rightarrow \frac{316}{15}\times 6 + x = 144$$

$$\Rightarrow x = 144 - 126 = 18$$

47. (B) $2430\div 7\cdot998 - 79\cdot75 + x^2 = 850$

$$\Rightarrow \frac{2430}{8} - 80 + x^2 = 850$$

$$\Rightarrow 304 - 80 + x^2 = 850$$

$$\Rightarrow 224 + x^2 = 850$$

$$\Rightarrow x^2 = 850 - 224 = 626$$

$$\Rightarrow x = 25$$

48. (A) $4226\div 5\cdot01\times\frac{2}{9}+232\cdot15$

$$= \frac{4226}{5}\times\frac{2}{9}+232$$

$$= 188 + 232 = 420$$

49. (B) B ने x महीने के लिए कार्य किया और C ने $(12-x)$ महीनों के लिए काम किया.

A, B और C के निवेशों में अनुपात

$$= 3:2$$

$$1:2$$

$$= 3:2:4$$

$$= 3\times 12 : 2\times x : 4(12-x)$$

$$= 18 : x : 2(12-x)$$

दिया है, B का हिस्सा = 600

तो, $\frac{600}{5700} = \frac{x}{42-x}$

$$\Rightarrow 84 - 2x = 19x$$

$$\Rightarrow 84 = 21x$$

$$\Rightarrow x = 4 \text{ महीने}$$

C ने $(12-x)$ के लिए निवेश किया

$$= (12-4) = 8 \text{ महीने}$$

50. (A) एक गोलाकार बेलन के पृष्ठ सतह का कुल क्षेत्रफल

$$= 200\pi \text{ (दिया है)}$$

$$\Rightarrow 2\pi r(r+h) = 200\pi$$

$$\Rightarrow r(r+h) = 100$$

और $\frac{2r}{h} = \frac{2}{3}$

$$\Rightarrow r = \frac{h}{3}$$

$$\Rightarrow \frac{h}{3}\left(\frac{h}{3}+h\right) = 100$$

$$\Rightarrow h^2 = 25\times 9$$

$$\Rightarrow h = 15 \text{ सेमी}$$

वर्ग की भुजा (a) = h = 15 सेमी

वर्ग का परिमाप = $4a = 4\times 15$

= 60 सेमी

●●●

तकनीक से करिये दोस्ती, जुड़िए ई-मैगजीन्स से

कहा जाता है कि परिवर्तन संसार का नियम है और इस बदलाव के मद्देनजर बात चाहे मोबाइल फोन की हो या फिर इंटरनेट से जुड़ी किसी भी चीज की, तकनीक मौजूदा दौर की एक ऐसी जरूरत बन गयी है, जिसे नजरअंदाज करना किसी के लिए भी मुमकिन नहीं है और यही वजह है कि आज हर कोई खुद को तकनीक के लिहाज से अपडेट रखने में विश्वास रखता है. विभिन्न क्षेत्रों के लिए प्रतियोगिताओं की तैयारी कर रहे छात्र भी अब इससे अछूते नहीं रहे हैं. नई तकनीक से जुड़ना उनकी भी जरूरत बन गयी है और उपकार प्रकाशन हमेशा से ही सुधार और बदलाव में पूरा यकीन रखता आया है. इसलिए यह समूह समय के हिसाब से अपनी किताबों, वेबसाइट, कार्यशैली में आवश्यक बदलाव और सुधार करता रहता है, ताकि हर ग्राहक को उसकी जरूरत के हिसाब से वाजिब कीमत पर उच्चस्तरीय पठन सामग्री मिल सके.

अब छात्र किसी भी समय किसी भी जगह प्रकाशन समूह की पुस्तकों का लाभ उठा सकते हैं. ई-बुक्स, इसका एक शानदार फीचर है, जिसके जरिए छात्र अपने मोबाइल से पुस्तकों से जुड़ सकते हैं. बेहद ही वाजिब कीमतों पर छात्र इन पुस्तकों को अपने मोबाइल से खरीद या डाउनलोड कर सकते हैं. उपकार प्रकाशन अपने पाठकों के सपनों, महत्वाकांक्षाओं और उनके अथक प्रयासों का बहुत सम्मान करता है, इसलिए प्रकाशन का यह उद्देश्य है कि वह अपने पाठकों की सफलता में अपनी विश्वसनीय किताबों के जरिए हमेशा उनका हमसफर बना रहे.

ध्यान रहे ई-मैगजीन्स प्रतियोगिता दर्पण समूह की प्रकाशित पत्रिकाओं का कोई विकल्प नहीं है, वरन वे इनकी पूरक हैं.

Visit us at : *www.pdgroup.in, www.upkar.in*

कि दबाव समूह क्या होता है ?

☛ दबाव समूह ऐसे लोगों का संगठन है, जो समान हित रखते हैं और अपने हितों की पूर्ति के लिए सदैव सरकार पर दबाव बनाए रखते हैं. यह चुनाव में सीधे भाग नहीं लेते. किसी की भी सरकार हो यह उसी पर अपना दबाव बनाने का प्रयास करते हैं. लोकतन्त्र में दबाव समूहों की नीति-निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका होती है. अमरीका की राजनीति एवं नीति-निर्माण पूँजीपतियों के दबाव समूहों से प्रभावित होता है. भारत में भी अनेक दबाव समूह हैं, जो सरकार को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करते हैं.

कि बिम्सटेक क्या है ?

☛ बे ऑफ बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी सेक्टोरल टेक्निकल एण्ड इकोनॉमिक को-ऑपरेशन (बीआईएमएसटीईसी यानी बिम्सटेक) बंगाल की खाड़ी से सटे हुए और समीपवर्ती देशों का एक क्षेत्रीय संगठन है. इसमें सात सदस्य देश हैं—भारत, भूटान, नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका, म्यांमार और थाइलैण्ड. पाकिस्तान इसमें शामिल नहीं है.

इस संगठन का उद्देश्य तीव्र आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति को बढ़ावा देना और साझा हितों के मुद्दों पर समन्वय स्थापित करने के लिए सदस्य देशों के बीच सकारात्मक वातावरण बनाना है. बैंकॉक डिक्लेरेशन के तहत् 1997 में इस क्षेत्रीय संगठन को स्थापित किया गया था.

शुरूआत में इसमें चार सदस्य देश थे और इसे बीआईएसटी-ईसी-यानी बांग्लादेश, भारत, श्रीलंका और थाइलैण्ड आर्थिक सहयोग संगठन कहा गया था. म्यांमार को शामिल करने के बाद इसका नाम बीआईएमएसटी-ईसी हो गया. बाद में जब 2004 में भूटान और नेपाल को इसमें शामिल किया गया, तो इसका नाम बिम्सटेक हो गया.

कि सिम्बेक्स 2019 क्या है ?

☛ भारत और सिंगापुर की नौसेनाओं के मध्य 16-22 मई, 2019 के मध्य संयुक्त द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास 'सिम्बेक्स (SIMBEX), 2019' का आयोजन सिंगापुर में किया गया है. यह इस अभ्यास का 26वाँ संस्करण है. इस अभ्यास में भारतीय नौसेना का प्रतिनिधित्व भारतीय नौसेना के जहाज 'कोलकाता' और 'शक्ति' तथा लम्बी दूरी के सामुद्रिक निगरानी विमान पोसिडॉन-8 आई (P8I) ने भी इस अभ्यास में भाग लिया, जबकि सिंगापुर का प्रतिनिधित्व आरएसएन जहाज इस्टीड फास्ट वेलियेंट, सामुद्रिक निगरानी विमान फोकर-50 (F-50) और F-16 लड़ाकू विमान द्वारा किया गया है. गौरतलब है कि इस वार्षिक द्विपक्षीय अभ्यास की शुरूआत पारम्परिक पनडुब्बी रोधी अभ्यासों से हुई, जो एडवांस्ड एयर डिफेंस ऑपरेशन्स, एंटी-हवाई/सतह लक्ष्यों पर गोलीबारी, सामरिक अभ्यास आदि तक पहुँच चुकी हैं.

कि प्रो टेम स्पीकर कौन होता है ?

☛ भारत में लोक सभा के सामान्य निर्वाचन के बाद जब लोक सभा की पहली बैठक होती है तब राष्ट्रपति लोक सभा के कार्यकाल में सबसे वरिष्ठतम निर्वाचित सदस्य को परम्परागत रूप से अल्पस्थायी लोक सभा अध्यक्ष (Pro tem Speaker) नियुक्त करता है. इसमें प्रधानमंत्री की सलाह ली जा सकती है. इस प्रो टेम स्पीकर का कार्य नवनिर्वाचित लोक सभा सदस्यों को शपथ दिलाना और नए लोक सभा अध्यक्ष का निर्वाचन कराना है. नए लोक सभा अध्यक्ष के निर्वाचित होने के बाद प्रो टेम स्पीकर स्वत: ही पद मुक्त हो जाता है.

कि वात छिद्र (Blow hole) क्या है ?

☛ सागर के तटीय भाग में सागरीय लहरों के अपरदन द्वारा निर्मित किसी कन्दरा की छत में बने छिद्र जिससे हवा सीटी की तरह आवाज करती है. तट की ओर बढ़ते हुए ज्वार के दबाव से कन्दरा की वायु पर दबाव पड़ने से वह कन्दरा की छत के कमजोर भाग को तोड़कर ऊपर निकलने लगती है जिससे छत में छिद्र का निर्माण होता है. इसे प्राकृतिक चिमनी की संज्ञा भी दी जाती है स्कॉटलैण्ड में इसे ग्लूप (Gloop) कहते हैं.

कि वातनिर्घात रेखा (Line Squall) क्या है ?

अल्पकालीन झंझा की एक संकरी पेटी के रूप में निर्मित शीत वाताग्र, जो शीतल वायु द्वारा ऊष्ण वायु राशि के ऊपर की ओर ठेल देने के परिणामस्वरूप बनता है. इस पेटी की लम्बाई कई सौ किलोमीटर तक हो सकती है इसमें ऊष्ण वायु ऊपर उठने पर तेजी से शीतल वायु राशि के ऊपर चढ़ जाती है. इससे भूतल के निकट तापमान एकायक काफी कम हो जाता है आकाश में काले मेघ छा जाते हैं और तेज वर्षा होने लगती है या ओले पड़ने लगते हैं इसमें तेज प्रचण्ड विनाशकारी हवाएं चलती हैं. यह पेटी अति संकरी होती है और तीव्रता से स्थानान्तरित होती है. अत: इससे सम्बन्धित मौसम में तेजी से तथा आकस्मिक रूप से परिवर्तन होते हैं.

कि विस्थापित खण्ड (Erratic Block) क्या है ?

☛ किसी हिमनद के द्वारा अपने मूल स्थान से स्थानान्तरित होने वाला गोलाश्म (Boulder), कभी-कभी हिमनद के साथ गोलाश्म अधिक दूरी तक विस्थापित हो जाते हैं और हिमनद के पिघल जाने पर वहीं छूट जाते हैं इस प्रकार गोलाश्म अपने समीपस्थ शैलों से प्राय: भिन्न प्रकार के होते हैं संयुक्त राज्य अमरीका के उत्तरी राज्यों विशेषत: दक्षिण डैकोटा एवं मिनिसोटा के कुछ भागों में विस्थापित खण्डों की बहुलता पाई जाती है जो कृषि कार्य में बाधक होते हैं.

कि शीत भित्ति (Cold Wall) क्या है ?

☛ यह वह तल है, जिसके सहारे महासागर में ऊष्ण जलराशि और शीतल जलराशि का सम्पर्क होता है, यह मौसम विज्ञान के शीत वाताग्र के सदृश्य होता है. शीत भित्ति प्राय: किसी धारा के किनारे वाले भाग में पाई जाती है. भिन्न तापमान वाली जलराशियाँ परस्पर सुगमता से नहीं मिल पाती हैं उनके मध्य अत्यन्त सीमित दूरी में स्थित शीत भित्ति के दोनों ओर के जल के तापमान में पर्याप्त अन्तर मिलता है. संयुक्त राज्य अमरीका के पूर्वी तट पर न्यू फाउण्डलैण्ड के समीप लैब्राडोर ठण्डी धारा और गल्फ स्ट्रीम गर्मधारा का जल शीत भित्ति के सहारे मिलता है और दोनों के जल के तापमान में लगभग 11° से. का अन्तर पाया जाता है.

कि समदैशिक पृष्ठ (Isotropic Surface) क्या है ?

☛ यह सैद्धान्तिक मान्यताओं पर आधारित एक विस्तृत समतल मैदान है, जिसमें विविध प्राकृतिक, सामाजिक तथा आर्थिक दशाएं सर्वत्र समान रूप से पाई जाती हैं. सम्पूर्ण मैदान में धरातल तथा मिट्टी की उत्पादकता सर्वत्र समान होती है. जनसंख्या तथा उसकी क्रय-शक्ति सम्पूर्ण प्रदेश में समान रूप से वितरित होती है और यातायात की स्वतन्त्र एवं समान सुविधाएं सर्वत्र उपलब्ध होती हैं. अत: इस प्रदेश में वस्तुओं एवं सेवाओं का उपयोग न्यूनतम दूरी के अनुसार होता है क्रिस्ट्रालर ने इसी प्रकार के प्रदेश (Idealized landscape) को अपने केन्द्र-स्थल सिद्धान्त का आधार बनाया है, जो इन्हीं मान्यताओं पर आधारित है.

●●●

अपना ज्ञान बढ़ाइए

प्रश्न–चाँद पर तेज सौर विकिरण है. मनुष्य वहाँ रहेगा कहाँ ?

उत्तर–चाँद पर बसने की तैयारी हो रही है. शुरू में चन्द्र यात्री वहाँ एक सप्ताह रहेंगे. चन्द्रतल पर शोध कार्य करेंगे और आकर अपने यान में ही विश्राम करेंगे.

कई देशों के सहयोग से बने अन्तरिक्ष स्टेशन में यात्री एक वर्ष से भी अधिक समय तक लगातार रहते हैं. अतः, कुछ वैज्ञानिकों का विचार है कि एक अन्तरिक्ष स्टेशन को ही चन्द्रतल पर उतारकर अस्थायी निवास बनाया जाए. इसके बाद वहीं रहकर स्थायी निवास का निर्माण किया जाए, जिसे लूनर बेस कहा जाएगा.

चन्द्रमा पर 65 मीटर व्यास और 100 मीटर की गहराई वाली गुफा विद्यमान है. इस तरह के और भी कई गुफाओं का पता चला है. इन गुफाओं में आवासीय और काम करने के स्थलों का निर्माण किया जा सकता है. इसके लिए विशिष्ट योजना तैयार की जा रही है और आँकड़ों का व्यापक विश्लेषण एवं अध्ययन किया जा रहा है. इसे मूर्त रूप देने के लिए मानवयुक्त अन्तरिक्ष यानों को भेजा जाएगा.

प्रश्न–प्रभामण्डल या परिवेष (Halo) क्या है ?

उत्तर–यह सूर्य और चन्द्रमा के चारों ओर निर्मित एक प्रकाश वलय (Ring of light) है, जो उच्च आकाश में पक्षाभस्तरी मेघ (Cirro-Stratus) की पतली परत की उपस्थिति से बनती है. उच्च हल्के (पतले) बादलों में हिमकणों या जलकणिकाओं की उपस्थिति से प्रकाश में अपवर्तन (Refraction) से प्रभामण्डल का निर्माण होता है. प्रभामण्डल सामान्यतः श्वेत दिखाई पड़ती है, किन्तु अपनी पूर्ण विकसित अवस्था में यह हल्की रंगीन होती है, जिसका भीतरी भाग हल्का लाल तथा बाहरी किनारा बैंगनी रंग का होता है. इसमें रंगों का अनुक्रम किरीट या प्रकाश परिमण्डल के विपरीत पाया जाता है. चन्द्रमा के प्रभामण्डल को सुगमता से देखा जा सकता है, परन्तु सूर्य के प्रभामण्डल को सूर्य की अधिक चमक के कारण नग्न आँखों से देखना कठिन होता है, परन्तु गहरे रंग के शीशे से आसानी से देखा जा सकता है.

प्रश्न–प्रवाल द्वीप (Coral Island) क्या है ?

उत्तर–यह मुख्य स्थल से दूर स्थित प्रवाल भित्ति है, जिसका ऊपरी भाग सागर तल के ऊपर दिखाई देता है. प्रवाल भित्ति के निर्माण के पश्चात् सागर तल (Sea Level) में गिरावट आने अथवा महासागरीय तली के उन्मज्जन (उत्थान) के परिणाम-स्वरूप प्रवाल भित्ति की उत्पत्ति होती है. सपाट प्रवाल भित्ति के ऊपर वालुका जमावों से निर्मित टीला भी पाया जा सकता है, जो सागर तल से थोड़ा ही ऊँचा होता है. प्रवाल द्वीपों के ऊपर विभिन्न प्रकार की वन सम्पत्तियाँ विकसित हो जाती हैं.

प्रश्न–प्रस्तर माला (Stone Garland) क्या है ?

उत्तर–परिहिमानी क्षेत्र में तीव्र ढाल वाली स्थायी तुषार भूमियों पर अवसादों के श्रेणीकरण में सुगमता होती है और प्रस्तर बहुभुज की आकृति लम्बाकार हो जाती है. प्रस्तर के बड़े-बड़े टुकड़े किनारे की ओर खिसकते जाते हैं और सूक्ष्म कणों वाला अवसाद मध्यवर्ती भाग में एकत्रित होता रहता है. अधिकाधिक श्रेणीकृत तथा स्तरित हो जाने पर शैलखण्डों द्वारा निर्मित आकृति माला के समान दिखाई पड़ती है, जिसे प्रस्तर माला कहते हैं. प्रस्तर मालाएं उत्तरी कनाडा तथा साइबेरिया में अधिक संख्या में मिलती हैं.

प्रश्न–पैनफैन (Panfan) क्या है ?

उत्तर–शुष्क प्रदेश में स्थलाकृतिक विकास की अन्तिम अवस्था में निर्मित प्रायः समतल मैदान जिसमें कटक अपरदित होकर नीचे हो जाते हैं, द्रोणियाँ निक्षेप द्वारा भर जाती हैं और विस्तृत पेंडीमेंट का निर्माण होता है. इस प्रकार शुष्क अपरदन चक्र के अंत में समस्त भूमि लगभग समतल हो जाती है और उच्चावच समाप्त हो जाते हैं. उनकी तुलना जलीय अपरदन चक्र की अन्तिम अवस्था में निर्मित पेनीप्लेन (समप्राय मैदान) से की जा सकती है.

प्रश्न–वर्तमान में शाकाहार के पोषण को नई-युवा पीढ़ी अब क्यों पहचानने लगी ? इसे जानिए.

उत्तर–यदि, युवा पीढ़ी शाकाहार को खानपान में शामिल करे, तो शारीरिक शक्ति और मसल्स बेहद आसानी से बना सकती है, जिसके फायदे पूरी तरह से सामने दिखाई देंगे. शाकाहारी सब्जियों-हरी पत्तियों वाली सब्जी-पालक, धनिया, सलाद (Lettuce), चौलाई, बथुआ आदि में शरीर की फिटनेस को दुरुस्त करने के गुण तो होते ही हैं, साथ ही, शरीर को तमाम तरह की बीमारियों से भी बचाव में मदद मिलती है. संतुलित खानपान से शरीर को स्वस्थ रखा जा सकता है. दाल और सब्जियों को डाइट में शामिल करना चाहिए. लाल राजमा में पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन होती है. अर्थात् 100 ग्राम राजमा में 24 ग्राम प्रोटीन होती है, जबकि 100 ग्राम अण्डे में लगभग 13 ग्राम ही प्रोटीन होती है. खीरा, खरबूज, अमरूद आदि मांसपेशियों की वृद्धि में सहायक होते हैं. केले में भारी मात्रा में पोटैशियम होता है. अपने नियमित भोजन में दाल, चना, बादाम, काजू, मटर आदि को जरूर शामिल करें. दूध-एक सम्पूर्ण आहार है, अतः व्यायाम के बाद आहार में दूध जरूर शामिल करें, जिससे प्रोटीन, कैल्सियम और विटामिन 'D' पर्याप्त मात्रा में मिलें. इन जरूरतों को अब नई पीढ़ी पहचानने लगी है.

प्रश्न–वायु प्रदूषण से एक भारी नुकसान हो रहा है, विशेषकर मानव जीवन पर, इसके नियंत्रण हेतु जानिए.

उत्तर–**''स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर, 2019''** की रिपोर्ट के अनुसार, घर के भीतर या लम्बे समय तक बाहर वायु प्रदूषण से घिरे रहने की वजह से वर्ष 2017 में स्ट्रोक, मधुमेह, दिल का दौरा, फेफड़े के कैंसर या फेफड़े की पुरानी बीमारियों के कारण दुनिया भर में करीब 50 लाख लोगों की मृत्यु हुई. भारत और चीन में 12-12 लाख लोग क्रमशः असमय मौत के शिकार हुए. भारत की उज्ज्वला जैसी योजनाएं उम्मीद जगाती हैं. भारत सरकार द्वारा वायु प्रदूषण से निपटने के लिए **'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना'** (1 मई, 2016 से शुरू), घरेलू **एलपीजी (LPG)** कार्यक्रम, स्वच्छ वाहन मानक और नया राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम; फसल पराली जलाने पर जुर्माना एवं नियंत्रण आदि से आने वाले वर्षों में लोगों को महत्वपूर्ण स्वास्थ्य लाभ मिलेंगे,

प्रश्न–विटामिन 'D' की कमी से बुजुर्गों में बढ़ सकता है डिप्रेशन/तनाव, इसे जानिए.

उत्तर–मानव में अच्छी सेहत हेतु विटामिन 'डी' की अहम् भूमिका होती है. इसकी कमी से हड्डियाँ कमजोर हो जाती हैं एवं कई तरह की समस्याएं खड़ी हो जाती हैं, विशेषकर बुजुर्गों में डिप्रेशन (अवसाद) का खतरा बढ़ सकता है. अतः अच्छी सेहत के लिए विटामिन D की खुराक जरूरी है. विटामिन 'D' के प्रमुख स्रोत हैं–गेहूँ, हरी सब्जी-पालक, धनियाँ, मटर, सलाद (Lettuce) आदि. विटामिन 'D' वसा में घुलनशील है और शरीर में फैट कम्पाउण्ड में भण्डारित होता है, जिसका प्रमुख स्रोत है फिश लिवर ऑयल.

●●●

प्रथम पुरस्कृत निबन्ध

भारत की विदेश नीति के बदलते आयाम

✍ डॉ. जगदीश प्रसाद

अपने राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा के लिए कोई देश जिस नीति के तहत् अन्य देशों के साथ अपने सम्बन्धों की स्थापना करता है तथा जिस नीति को अपनाता है, उसे विदेश नीति कहा जाता है. **जे. आर. चाइल्ड** ने इसे विदेशी सम्बन्धों का आधारभूत तत्व माना है और राजनय को विदेश नीति को क्रियान्वित करने की प्रक्रिया कहा है. **श्लाइचर** के शब्दों में, "विदेश नीति उन उद्देश्यों, योजनाओं तथा क्रियाओं का सामूहिक रूप है, जो एक राज्य अपने बाह्य सम्बन्धों को संचालित करने के लिए करता है. जिसके द्वारा एक देश अन्य देशों के साथ राजनैतिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक सम्बन्धों की स्थापना करता है."

भारत की विदेश नीति की रूपरेखा स्पष्ट करते हुए **पण्डित जवाहरलाल नेहरू** ने सितम्बर 1946 में एक प्रेस सम्मेलन में कहा था कि "वैदेशिक सम्बन्धों के क्षेत्र में भारत एक स्वतन्त्र विदेश नीति का अनुसरण करेगा और गुटों की खींचतान से दूर रहते हुए संसार के समस्त पराधीन देशों को अपने आत्मनिर्णय का अधिकार प्रदान कराने तथा जातीय भेदभाव की नीति का दृढ़तापूर्वक उन्मूलन कराने का प्रयत्न करेगा. साथ ही वह दुनिया के शान्तिप्रिय राष्ट्रों के साथ मिलकर अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग और सद्भावना के प्रसार के लिए निरन्तर प्रयत्नशील रहेगा." नेहरूजी का यह कथन आज भी भारत की विदेश नीति का आधार-स्तम्भ है. भारत की विदेश नीति की मूल बातों का समावेश हमारे **संविधान के अनुच्छेद 51 में किया गया है, जिसके अनुसार राज्य अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति और सुरक्षा को बढ़ावा देगा.** राष्ट्रों के मध्य न्याय और सम्मानपूर्वक सम्बन्धों को बनाए रखने का प्रयास करेगा, राज्य अन्तर्राष्ट्रीय कानूनों तथा सन्धियों का सम्मान करेगा तथा राज्य अन्तर्राष्ट्रीय झगड़ों को पंच फैसले द्वारा निपटाने की रीति को बढ़ावा देगा.

हमने दो परस्पर विरोधी वैश्विक गठबन्धनों से अलग रहने और प्रत्येक मुद्दे पर इसकी योग्यता के आधार पर निर्णय लेने के विकल्प का चयन किया. यह तटस्थता नीति थी. हमने अपने आपको विश्व से न तो अलग किया और न ही अपने अन्तर्राष्ट्रीय दायित्वों का त्याग किया. हमने मुद्दों के आधार पर किसी पक्ष का साथ दिया न कि गठबन्धन की राजनीति के कारण. प्रत्येक मुद्दे की योग्यता का विश्लेषण हमने भारत के हितों के आधार पर किया. यह सामरिक स्वायत्तता की दिशा में हमारे प्रयासों की शुरूआत थी, जिसे हमने हमेशा अनिवार्य पाया, क्योंकि हमें भारत का विकास अपनी इच्छा के अनुरूप करना था.

हमने शान्तिपूर्ण पड़ोस का परिवेश सुनिश्चित करने की नीति का अनुसरण किया. हमने विचारधारा से परे सभी प्रमुख ताकतों के साथ अच्छे सम्बन्ध बनाए रखने का प्रयास किया, इसके अन्तर्गत हमने चीन तथा पूर्व सोवियत संघ के लिए अपने दरवाजे खोले तो पश्चिमी देशों के गुस्से का सामना भी किया.

हमने गुटनिरपेक्षता के मार्ग का चयन किया, जिसका उल्लेख प्रधानमंत्री जवाहर-लाल नेहरू हमारे प्रबुद्ध स्वहित की तलाश के रूप में करते थे. जहाँ कहीं भी सम्भव हो सकता था, अपने विकास के प्रयोजनार्थ हमने आर्थिक सम्पर्कों का निर्माण किया. पश्चिमी देशों द्वारा इनकार किए जाने के बाद हमने सोवियत संघ की सहायता से बोकारो इस्पात संयन्त्र का निर्माण किया, जबकि अमरीका से हमने पीएल-480 गेहूँ और हरित क्रान्ति प्रौद्योगिकी प्राप्त की और हमने शीतयुद्धकालीन द्विध्रुवीय विश्व के परिणामस्वरूप युद्ध के खतरों से बचने के लिए निःशस्त्रीकरण तथा उपनिवेशों को समाप्त करने के सम्बन्ध में सक्रिय एवं शान्तिपूर्ण कूटनीति के मार्ग का अनुसरण किया.

भारत शुरू से ही शान्ति तथा निःशस्त्रीकरण का समर्थक रहा, इसलिए भारत ने 1963 में पहल करते हुए आंशिक परमाणु प्रतिबन्ध सन्धि का समर्थन किया. भारत ने रंगभेद, जातिभेद, साम्राज्यवाद, उपनिवेशवाद, नवउपनिवेशवाद का विरोध किया. विश्व शान्ति की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. महाशक्तियों से दूर गुटनिरपेक्ष आन्दोलन का नवोदित विश्व के देशों का पक्षकार बना. इसी तरह राष्ट्र संघ में विकासशील राष्ट्रों की आवाज बुलन्द की, परन्तु परिस्थितियों में बदलाव एवं राष्ट्रीय हित की सुरक्षा के कारण भारत ने विदेश नीति में परिवर्तन भी किए.

भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा के लिए 1991 में उदारवाद को अपनाया तथा पूँजीवादी राष्ट्रों से आर्थिक सहायता ली.

वर्ष 1991 में जब हमारी अर्थव्यवस्था में सुधार लाया जा रहा था, तब उसी समय द्विध्रुवीय शीतयुद्धकालीन विश्व का अन्त भी हो रहा था. 90 के दशक में और इस दशक के आरम्भ में विश्व अर्थव्यवस्था और विश्व व्यापार में अभूतपूर्व वृद्धि हुई, जो मानव इतिहास में अद्वितीय है. इसके आधार पर भारत के विकास के लिए अनुकूल बाह्य परिस्थितियों का सृजन हुआ. हमारी पूर्व की नीतियों तथा हमारी गुटनिरपेक्ष विदेश नीति के कारण भारत इन परिस्थितियों का पूर्ण लाभ लेने के लिए सर्वोत्तम स्थिति में था, क्योंकि हम बिना किसी अपवाद के सभी प्रमुख ताकतों के साथ उनकी क्षमताओं और अपनी जरूरतों के आधार पर कार्य करने में समर्थ हो पाए.

समग्र रूप से कहा जा सकता है कि 1991 से 2007 तक की अवधि का अन्तर्राष्ट्रीय परिवेश हमारे महत्वपूर्ण विदेश नीति प्रयासों तथा घरेलू आर्थिक विकास एवं सामरिक स्वायत्तता के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अत्यन्त अनुकूल था, हालांकि उस समय भी राजनैतिक जटिलताएं कम नहीं थीं. विश्व अर्थव्यवस्था पर हमारी अन्तरनिर्भता में कई गुना वृद्धि हुई है और हमारे सकल घरेलू उत्पाद में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार और विदेशी निवेश की भूमिका उत्तरोत्तर बढ़ रही है. सभी महत्वपूर्ण ताकतों के साथ हमारे सम्बन्धों में सुधार आया. अन्तर्राष्ट्रीय प्रणाली में भारत की भागीदारी आज उस स्तर पर पहुँच चुकी है, जो इतिहास में कभी नहीं देखी गई थी.

विदेश नीति में द्विपक्षीय स्तर पर निरन्तरता है. संयुक्त राज्य अमरीका, चीन और पाकिस्तान के प्रति नीति में बदलाव भी आया है. विदेश नीति में अतीत से तेजी से टूटकर में परिवर्तन नहीं होता, बल्कि यह धीमी गति से आता है.

नेहरूकाल में भारत और चीन के मध्य मैत्री सम्बन्ध रहे. 1954 में **पंचशील सिद्धान्त** और 1955 में **बांडुंग सम्मेलन** के द्वारा भारत-चीन मैत्री सम्बन्ध चरम पर थे, लेकिन चीन ने 1962 में भारत पर आक्रमण कर इस मैत्री के साथ विश्वासघात किया, तब से लेकर आज तक चीन के साथ भारत का सीमा विवाद बना हुआ है. पूर्वोत्तर के अलगाववादी तत्वों को प्रश्रय दिया तथा चीन ने **पर्ल स्ट्रिंग नीति** के द्वारा भारत को घेरने का प्रयास किया है. चीन भारत की लुक ईस्ट पॉलिसी का भी लगातार विरोध करता रहा है. सुरक्षा परिषद् में भारत के विरुद्ध चीन ने लगातार वीटो का दुरुपयोग किया. चीन अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में भारत

के विरुद्ध पाकिस्तान का समर्थक और भारत का धुरविरोधी देश बना हुआ है, परन्तु अब चीन की इस नीति में बदलाव आ रहा है. आतंकवाद के विरुद्ध भारत द्वारा पाकिस्तान में सर्जिकल स्ट्राइक की गई तो चीन ने भारत के विरुद्ध कोई प्रतिक्रिया नहीं की. इससे प्रतीत होता है कि चीन भारत का सीधा विरोध नहीं करना चाहता.

चीन के साथ मजबूत व्यापारिक सम्बन्धों की माँग भी की है. प्रधानमंत्री के रूप में मोदी ने रायसीना वार्ता 2017 में कहा कि हमारे दोनों देशों को एक-दूसरे की मुख्य चिन्ताओं और हितों के लिए संवेदन-शीलता और सम्मान दिखाने की जरूरत है.

चीन भारत का बड़ा व्यापारिक भागीदार बन गया है, लेकिन भारत ने विवाद के मुद्दों से दृष्टि नहीं हटाई है. सीमा वार्ता एक ऐसे बिन्दु पर पहुँच गई है, जहाँ एक समाधान के लिए दोनों पक्षों की राजनीतिक इच्छाशक्ति की आवश्यकता है. दोनों देशों के सम्बन्धों के सामरिक पहलू के प्रति जागरूक होने की जरूरत है और यह समझना भी जरूरी है कि उनका उद्भव परस्पर सहायक हो सकता है.

पुलवामा हमले के बाद पाकिस्तान के विरुद्ध सर्जिकल स्ट्राइक करना भारत की आतंकवाद के विरुद्ध कठोर नीति को दर्शाता है कि भारत अब 'सॉफ्ट स्टेट' नहीं है, बल्कि आतंकवाद के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही कर सकता है, लेकिन पाकिस्तान के साथ इतिहास को देखते हुए भारत पाकिस्तान के साथ मुद्दों के समाधान के लिए अपने प्रयास जारी रखेगा. इस प्रकार मोटेतौर पर पाकिस्तान के प्रति सरकार की नीति में निरन्तरता और परिवर्तन दोनों के तत्व हैं.

बांग्लादेश के साथ भूमि सीमा विवाद का समाधान, जो 1971 के बाद से नहीं हो पाया था, नीति में निरन्तरता और बदलाव दोनों का एक उदाहरण है. यह पूर्व अच्छे पड़ोसियों का एक पूर्व रिक्ति जैसा कार्य था. यकीनन पिछली सरकारों ने भूमि सीमा विवाद के समाधान के लिए कदम उठाए थे, लेकिन वर्तमान सरकार के नये दृष्टिकोण ने इसे आगे ले जाने में निर्णायक काम किया है. बांग्लादेश के साथ एक समुद्री विवाद को हल करने में भी इसी तरह की सजगता दर्शाई गई है.

अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण में भारत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है तथा आतंकवाद के विरुद्ध दृढ़ता का परिचय दिया है. जनवरी 2016 में भारत ने अफगानिस्तान को जमीन पर हमला करने वाले तीन एमआई 25 हेलीकॉप्टरों की एक मामूली आपूर्ति की. यह बलों का गुणक नहीं है, लेकिन नीति में बदलाव का प्रतीक है.

इजरायल के प्रति भारत की नीति में एक संशोधन किया गया है. जुलाई 2014 में फिर से शुरू होने वाले गाजा में संघर्ष से एक नीतिगत प्रस्थान में सरकार ने एक तटस्थ स्थान लिया और शान्ति वार्ता की माँग कर रही है. एक और प्रस्थान में भारत संयुक्त राष्ट्र की एक समिति में विशेष सलाहकार के दर्जे के लिए एक फिलिस्तीनी गैर सरकारी संगठन द्वारा दिए गए एक आवेदन पर मतदान में अनुपस्थित रहा. यह गाजा में हिंसा पर 1 जुलाई, 2014 को संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट पर इजरायल की निन्दा करने पर संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार आयोग के एक संकल्प में अनुपस्थित रहा. अतीत में भारत इजरायल के लिए उच्चस्तरीय यात्राओं से बचता रहा था, जबकि राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने अक्टूबर 2015 में इजरायल का दौरा किया.

सरकार ने एक मजबूत हिन्द महासागर नीति का पालन करने के साथ-साथ समुद्री आतंकवाद का मुकाबला करने का प्रयास किया है. दशकों के बाद मार्च 2015 में, भारत ने हिन्द महासागर के लिए एक दृष्टिकोण की रूपरेखा का अनावरण किया. हिन्द महासागर के द्वीप राज्यों के लिए एक शुद्ध सुरक्षा प्रदाता होने की पूर्व सरकार की नीति से परे जाकर, भारतीय नौसेना की एक संशोधित समुद्री सुरक्षा रणनीति जारी की गई है.

वर्तमान में भारत ने विकास एवं गरीबी उन्मूलन, जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद, जलदस्युता, निःशस्त्रीकरण, मानवाधिकार, शान्ति निर्माण एवं शान्ति स्थापना की बहुपक्षीय वैश्विक चुनौतियों की भावना में संघर्ष करने के लिए संयुक्त राष्ट्र प्रणाली को सुदृढ़ करने का प्रयास किया है. भारत ने हमेशा से ही संयुक्त राष्ट्र संघ में अपनी आवाज मजबूती के साथ उठायी है. भारत ने गुटनिरपेक्ष आन्दोलन तथा विकासशील देशों का समूह 77 का गठन किया. जिन्होंने अधिक साम्यपूर्ण अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक एवं राजनीतिक व्यवस्था के लिए संयुक्त राष्ट्र के अन्दर दलील प्रस्तुत की. विगत दशकों में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् तथा अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष एवं विश्व बैंक जैसी अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं में सुधार के लिए आह्वान करने के अलावा भारत ने सभी प्रकार के आतंकवाद के प्रति शून्य सहायता के दृष्टिकोण की वकालत की है.

सार्क को क्षेत्रीय सहयोग और एकीकरण के पहले से ख्यातनाम मंच के रूप में पुनः ताकत प्रदान करने के अपने प्रयासों में, जो इस क्षेत्र की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और सर्वाधिक आबादी वाला देश है. आदर्शवादी होने के साथ-साथ यथार्थवादी भी है, क्योंकि इण्डिया स्टोरी को दक्षिण एशिया की स्थिति, इसके विकल्पों और इसके संघर्षों तथा इसकी बढ़ती आशाओं और आकांक्षाओं से अलग नहीं रखा जा सकता.

भारत की विदेश नीति के सामने चुनौतियाँ एवं अवसर

राजनैतिक तौर पर आज जब विश्व वास्तव में बहुध्रुवीयता की ओर बढ़ रहा है, तो वर्तमान सत्ताधारी स्वेच्छा से अथवा आसानी से अपनी सत्ता उदीयमान ताकतों को सौंपने के लिए तैयार नहीं होंगे. हमें उन चुनौतियों का मुकाबला करने की आवश्यकता है, जो इस प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न होंगी. वर्तमान सत्ताधारी अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था में मौजूद असमानताओं को बनाए रखने का प्रयास करेंगे. इसी प्रकार अन्य उदीयमान ताकतों के लिए भी अन्य देशों के साथ मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है, जिससे कि भावी नई अन्तर्राष्ट्रीय रूपरेखा को आकार दिए जाने के लिए नए गठबन्धनों का निर्माण किया जा सके. वैश्विक शासन एक ऐसा मुद्दा है, जिसे हम इस आर्थिक संकट के पश्चात् नजरअंदाज नहीं कर सकते. पहले ही इस संकट के कारण अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक जैसी अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं में सत्ता के विभाजन पर सहमति हो चुकी है. इसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् जैसे वैश्विक शासन के राजनैतिक अंगों में भी विस्तारित करने की आवश्यकता है.

हमारा पड़ोस हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती और सर्वोत्तम अवसर प्रदान कर रहा है. स्पष्ट रूप से पाकिस्तान के साथ हमारा सम्बन्ध काफी दबाव में है और यह सुनिश्चित करने के लिए कि पाकिस्तान की घटनाओं का दुष्प्रभाव भारत पर न पड़े, हमें सावधानी-पूर्वक प्रबन्धन करने की आवश्यकता होगी. श्रीलंका अभी-अभी आन्तरिक घटनाक्रमों के पूर्णतः नए दौर में प्रवेश कर रहा है. इस वैश्विक आर्थिक संकट ने हमें उपमहाद्वीप में अपने पड़ोसी देशों के साथ आर्थिक एकीकरण का भी अवसर प्रदान किया है. ये देश अपने सामानों को बेचने और अपनी विकास दर को कायम रखने के लिए उत्तरोत्तर विस्तारित हो रहे भारतीय बाजार की ओर देख रहे हैं. हमारी क्षमताओं के आधार पर दक्षिण एशियाई आर्थिक पुनरुत्थान पहल का निर्माण किया जा सकता है, जिससे हमें सहकारी सम्बन्धों का विकास करने में सहायता मिलेगी और हर जगह लोगों की सुरक्षा सिर्फ स्थानीय सुरक्षा बलों पर ही नहीं, अपितु आतंकवाद के विरुद्ध अपने आपको संरक्षित रखने, प्रदूषण, बीमारियों, अवैध नशीली दवाओं तथा सामूहिक विनाश के हथियारों के वैश्विक प्रसार को रोकने और मानवाधिकारों, लोकतन्त्र तथा विकास को बढ़ावा देने पर निर्भर करता है.

शेष पृष्ठ 178 **पर**

प्रथम पुरस्कृत समीक्षा

वाद-विवाद प्रतियोगिता

विषय : ''महँगी चुनाव प्रणाली भ्रष्टाचार को जन्म देती है.''

पक्ष में

– राजकुमार

देश में आम चुनावों के इतिहास में किसी-न-किसी रूप में भाग लेकर नागरिकों ने लोकतन्त्र की भावना का जश्न मनाया है, परन्तु आज दुर्भाग्यवश चुनाव ही देश में भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा स्रोत बन गया है. चुनाव प्रचार के दौरान भ्रष्टाचार फिर से तरोताजा हो उठता है. चुनाव के लिए कोष की जरूरत ही भ्रष्टाचार के ढाँचे की नींव बन गई है. संथानम समिति ने 1964 में अपनी रिपोर्ट में कहा था कि बेहिसाबी काले धन इन भ्रष्टाचारों के सबसे बड़े स्रोत हैं. जनप्रतिनिधित्व कानून 1951 में चुनाव अधिनियम की धारा 123 (6) के अनुसार चुनाव में अत्यधिक खर्च भ्रष्टाचार की श्रेणी में आता है, जो धन खर्च किया गया उसके लिहाज से 2014 का आम चुनाव सबसे खर्चीला चुनाव था. आपराधिक प्रवृत्ति वाले कई उम्मीदवारों ने जीत भी हासिल की. चुनाव आयोग व सर्वोच्च न्यायालय के सख्त दिशा-निर्देशों के बावजूद भी यह चुनाव भ्रष्टाचारमुक्त नहीं हो सका था.

राजनीतिक पार्टियों को अक्सर पार्टी के कार्यक्रमों के आयोजन एवं चुनावों का प्रचार करने हेतु धन की जरूरत पड़ती है. उच्चतम न्यायालय के सामने यह बहस की गई कि देश में धनशक्ति की मदद से चुनाव लड़े जाते हैं, जो काले धन से इकट्ठा हुई थी और एक बार सत्ता में आने के बाद इस काले धन का इस्तेमाल सत्ता को बनाए रखने और फिर से चुने जाने के लिए होता है और इस भ्रष्ट चक्र ने देश के जनतन्त्र को प्रदूषित कर दिया है. राजनीतिक दल सत्ता पाने की इच्छा में महज एक आम चुनाव में ₹ 1000 करोड़ से भी अधिक खर्च करते हैं. इसके बावजूद कोई भी इस खर्च का ब्यौरा नहीं रखता और कोई जवाबदेही नहीं है. कोई इन पैसों के स्रोत नहीं बताता, न तो कोई व्यवस्थित खाता है और न ही उसकी व्यवस्थित ऑडिटिंग ही होती है. ऐसी महँगी चुनाव प्रणाली के कारण राजनीति की गुणवत्ता समाप्त होती जा रही है और वह एक सफल परिवर्तनकारी प्रक्रिया नहीं हो पा रही है, एक ऐसी सफल प्रक्रिया की तरह, जिसके अन्तर्गत समाज का सबसे कमजोर व्यक्ति भी अपने अस्तित्व का एहसास कर सके और एक सुखी जीवन की उपलब्धता से प्रसन्न हो सके. चुनाव के लिए राजनीतिक दलों द्वारा इकट्ठा किया जाने वाला चन्दा राजनीति के नीतिगत सत्य को चुप कराने का आधार बन गया है. उद्योगपतियों द्वारा दिया गया चन्दा दान नहीं है, लेन-देन की परम्परा का अंग है. जब इनसे पैसा लिया जाता है तब उन्हें उपकृत भी किया जाता है.

राजनीति में अपराधियों और माफिया गिरोहों के सरगनाओं की घुसपैठ का मुख्य कारण महँगी चुनाव प्रणाली ही है. अब गरीब आदमी चुनाव लड़ने में असमर्थ है. एक चुनाव लड़ने के लिए लाखों-करोड़ों रुपयों की आवश्यकता पड़ती है. इस सत्य से सभी राजनीतिज्ञ, बुद्धिजीवी और नौकरशाह परिचित हैं, किन्तु इसको समाप्त करने की ताकत किसी के पास नहीं है. राजनीतिक दलों को शासकीय कोष से चुनाव लड़ने के लिए धन मुहैया कराने के मुद्दे पर अनेक बार विचार हुआ, किन्तु यह प्रक्रिया भी राजनीति में काले धन को आने से रोक नहीं सकती है. महँगी चुनाव प्रणाली के कारण आज का राजनीतिज्ञ अपराध व भ्रष्टाचार से घिरकर मुजरिम बनता जा रहा है. इस तरह का घटनाक्रम विगत कुछ वर्षों में इतनी बार दोहराया जा चुका है कि अब लोग चौंकते नहीं और उसे राजनीति के स्वाभाविक चरित्र का हिस्सा मानने लगे हैं. विधान सभा और लोक सभा तक पहुँचने वाले नेता केवल अपने कायाकल्प तक से सन्तुष्ट नहीं होते, वे अपने हाथ आए इस अलादीन के चिराग से अपने जन्म-जन्मान्तर की साध पूरी करने की चेष्टा करते हैं.

महँगी चुनाव प्रणाली का कारण देश की विविधता भी है जहाँ सैकड़ों राजनीतिक दल हैं. निर्वाचन क्षेत्र के स्तर पर दबदबे की राजनीति ने दलों को स्थानीय बाहुबलियों पर निर्भर रहने के लिए विवश कर दिया है. परिणामस्वरूप, मत खरीदने और दूसरी अवैध गतिविधियों के लिए राजनीतिक दल और निर्दलीय प्रत्याशी चुनाव में भारी राशि खर्च करते हैं. इससे पार्टी के मंच और विचारधारा काफी कमजोर हो गई है तथा चुनाव व्यक्तिगत शक्ति का खेल बनकर रह गए हैं. ऐसी चुनाव प्रणाली से स्थानीय, साम्प्रदायिक व जातीय वोट बैंक की राजनीति को बढ़ावा मिला है. आज जिन दलों के पास पर्याप्त संसाधन हैं वे अपने विरोधियों को मुकाबले से बाहर कर देते हैं और सामाजिक आधार से दूर चले जाते हैं. सत्ताधारी पार्टियों को प्रशासनिक संसाधनों की मदद मिल जाती है जिससे वे मित्रों को लाभ पहुँचाने और दुश्मनों को सजा दिलाने में उपयोगी साबित हो जाते हैं. मजबूत और अनुशासित जनतान्त्रिक प्रणाली में पार्टी नेता फंडिग को लेकर व्यक्तिगत एकाधिकार स्थापित कर सकते हैं, खुद को मजबूत करते हैं, पार्टी में आन्तरिक बहस का दम घोंट देते हैं. उपर्युक्त बातों से यह स्पष्ट है कि महँगी चुनाव प्रणाली भ्रष्टाचार को जन्म देती है.

विपक्ष में

– कैलाश वर्मा

''लोकतन्त्र में सरकार तब मजबूत होती है जब जनता का मत निश्चित एवं निर्णयात्मक होता है.''

उक्त कथन से स्पष्ट है कि लोकतन्त्र में सरकार चुनने के लिए जनता का वोट अत्यन्त बहुमूल्य है. हमारे देश में संविधान के अनुरूप लोकतान्त्रिक शासन प्रणाली को अपनाया जाता है. लोक सभा, विधान सभा, पंचायती राज संस्थाओं, नगर निकाय चुनाव इत्यादि में 'एकल बहुमत प्रणाली' को अपनाया जाता है, जिसके अन्तर्गत कुल वैध मतों में से सर्वाधिक मत प्राप्त करने वाला उम्मीदवार को विजयी घोषित किया जाता है. अतः स्पष्ट हो जाता है कि चुनाव में जनता का मत कितना महत्वपूर्ण है. महँगी चुनाव प्रणाली के माध्यम से चुनाव के लिए मैदान में उतरे हुए प्रत्याशियों का जनता के बीच प्रचार-प्रसार में सहायता मिलती है. लोक सभा एवं विधान सभा क्षेत्र इतने विस्तृत होते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति के लिए उम्मीदवार को समझ पाना व उसके बारे में जानना, बिना प्रचार के, सम्भव नहीं होता है, परन्तु चुनाव प्रचार के माध्यम से जनता को अपने उम्मीदवार को समझ पाने में मदद मिलती है और चुनाव प्रचार में धन खर्च होता है, जिसके कारण इस तरह के चुनाव को महँगी चुनाव प्रणाली की संज्ञा दी जाती है. कई जानकारों व बुद्धिजीवियों का मानना है कि यदि उम्मीदवार पहले से ही धनवान व्यक्ति होता है, तो वह चुनाव जीतने के बाद जब वह सरकार में शामिल होता है, तो उसको धन कामने की चिन्ता नहीं होती है, अतः वह भ्रष्टाचार को बढ़ावा नहीं देता है बल्कि उसका लक्ष्य विकास कार्य होता है तथा उसमें जन-कल्याण की भावना विद्यमान रहती है. कहा जाता है कि जब आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति सत्ता पर आसीन होता, तो उसकी प्राथमिकता सबसे पहले अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने की होती है.

विश्व के मानचित्र पर हमारे देश को सबसे बड़े लोकतन्त्र वाला देश होने का गौरव प्राप्त है. भले ही लोकतान्त्रिक प्रणाली

कुछ हद तक दोषपूर्ण क्यों न हो, परन्तु महँगी चुनाव प्रणाली के चलते भारतीय सामाजिक संरचना एवं सामाजिक न्याय के सबसे ज्यादा करीब है. लोकतन्त्र में सबसे पहले जनता की समुचित भागीदारी सुनिश्चित की जाती है. लोकतन्त्र ने ही हमारे देश को एक सूत्र में बाँधा है. महँगी चुनाव प्रणाली लोकतन्त्र के लिए अत्यन्त उपयोगी है. यहाँ पर विभिन्न संस्कृति, समुदाय, जाति, वर्ग के लोग आपस में मिल-जुलकर निवास करते हैं तथा अनेकता में एकता हमारे देश की सबसे बड़ी विशेषता है. महँगी चुनाव प्रणाली के कारण ही हमारी राजनीतिक पार्टियाँ जन-सहभागिता के नजदीक होती हैं. आजादी के तुरन्त बाद भले ही बहुदलीय व्यवस्था रही है, परन्तु जो नेता हुआ करते थे, उनका प्रमुख ध्येय देश-सेवा ही हुआ करता था. इनमें से कई नेता तो स्वतन्त्रता संग्राम में तपकर निकले हुए थे, कई नेताओं ने आजादी के संघर्ष को नजदीक से देखा था. चुनाव के दौरान पार्टी व उम्मीदवार का प्रचार-प्रसार कर जनहित सम्बन्धी नीतियों को उजागर किया जाता है, इसके लिए नेताओं एवं राजनीतिक पार्टियों को अधिक धन खर्च करने की आवश्यकता पड़ती है.

माना तो यही जाता रहा है कि लोकतान्त्रिक शासन-प्रणाली में सरकार व प्रशासन जनता के प्रति उत्तरदायी होता है और इस प्रणाली के लिए चुनाव एक आवश्यक प्रक्रिया है चुनाव के दौरान मतदाताओं को मत देने से पहले उम्मीदवार के बारे में जानकारी होना अत्यन्त आवश्यक है. इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि आम जनता सरकारी क्रिया-कलापों के बारे में बहुत अधिक ध्यान नहीं देती, क्योंकि सामान्य व्यक्ति रोजमर्रा के अपने कार्यों में व्यस्त रहता है, अतः उनको किसी प्रत्याशी के बारे में जानने का समय कम ही मिल पाता है. जबसे महँगी चुनाव-प्रणाली का प्रचलन बढ़ा है, चुनाव में खड़े हुए उम्मीदवारों को जानने व समझने में बहुत हद तक मदद मिल रही है. इस तरह चुनाव में भागीदार बनकर जनता लोकतान्त्रिक शासन-प्रणाली के समस्त कार्यों को गति प्रदान करने में सहायता करती है. अतः निश्चित ही एक ओर जन-नियन्त्रण के चलते महँगी चुनाव प्रणाली में लोकलुभावन नीतियों को प्राथमिकता दी जाती है, तो दूसरी ओर जनता को प्रसन्न करने के लिए भी लोकलुभावन नीतियों को भी अपनाया जाता है. लोकतान्त्रिक शासन प्रणाली में जनता के पास मतदान का सबसे बड़ा अधिकार होता है. राष्ट्रपति या प्रधानमन्त्री का निर्वाचन प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जनता द्वारा ही होता है. संसदीय शासन प्रणाली के चलते जनता द्वारा निर्वाचित बहुमत दल का नेता ही प्रधानमन्त्री बनता है तथा अन्य मन्त्रियों को भी सांसद सदस्य के रूप में जनता द्वारा ही चुना जाता है. इसके अतिरिक्त विधान सभा सदस्यों सहित पंचायत शृंखला के अन्य पदाधिकारियों को भी जनता द्वारा ही चुना जाता है. शासन प्रशासन में तैनात अधिकारी व कर्मचारी भी इन्हीं जन-प्रतिनिधियों के प्रति उत्तरदायी होते हैं. अतः, अप्रत्यक्ष रूप से समस्त शक्ति जनता के हाथों में ही होती है.

निष्कर्षतः केवल यह मान लेना कि महँगी चुनाव प्रणाली भ्रष्टाचार को जन्म देती है, तर्कसंगत नहीं होगा, बल्कि महँगी चुनाव प्रणाली तो चुनाव लड़ रहे प्रत्याशी के बारे में प्रचार-प्रसार का एक उचित माध्यम है.

●●●

प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी मासिक

निबन्ध प्रतियोगिता क्रमांक–480 का परिणाम

विषय : भारत की विदेश नीति के बदलते आयाम

प्रथम डॉ. जगदीश प्रसाद
टैगोर नगर, करतारपुर,
जयपुर (राजस्थान)
पिन–302006

द्वितीय साधना श्रीवास्तव
त्रिवेणीपुरम कॉलोनी,
झूंसी, प्रयागराज (उत्तर प्रदेश)
पिन–211019

तृतीय नीरज कुमार आजाद
पोस्ट+थाना–टिकारी
जिला–गया (बिहार)
पिन–824236

अन्य प्रशंसनीय प्रयास

1. स्वाति कुमारी
लोहिया नगर, वार्ड नं. 9
नगर परिषद्, सुपौल, (बिहार)
पिन–852131
2. डॉ. अमित जैन
439, इन्दिरा कॉलोनी,
गली नं. 4, रैपुरा रोड,
फिरोजाबाद (उ.प्र.)
3. प्रिति कुमारी
थाना–ग्वालपाड़ा,
जिला–मधेपुरा (बिहार)
4. डॉ. नियाज अहमद अंसारी
शासकीय आदर्श महाविद्यालय
उमरिया (मध्य प्रदेश)
पिन–484661
5. हिमांशी जाट
ग्राम–भौसीमां, पोस्ट–झारकई
तहसील–नदबई,
भरतपुर (राजस्थान)
पिन–321642

प्रथम

द्वितीय

तृतीय

➠ उपर्युक्त पुरस्कृत निबन्ध प्रतियोगियों में से प्रत्येक को उपकार प्रकाशन की ₹ 200 मूल्य तक की वांछित पुस्तक/पुस्तकें भेंटस्वरूप प्रदान की जाएंगी. **कृपया अपनी पसंद की पुस्तक अलग से प्रकाशक के नाम पत्र द्वारा सूचित करें.** यदि ₹ 200 से अधिक मूल्य की पुस्तक की माँग की गई, तो उसके मूल्य में से ₹ 200 पुरस्कारस्वरूप कम कर दिए जाएंगे.

रोजगार समाचार

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन में सहायकों के रिक्त पद

कर्मचारी सहायकों (Assistants) के पदों पर भर्ती हेतु पात्र उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन संगठन (EPFO) द्वारा 25 जून, 2019 तक आमंत्रित किए गए हैं. इस भर्ती के तहत् उपलब्ध रिक्त पदों की कुल संख्या 280 है. विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए नियमानुसार आरक्षण का प्रावधान इस भर्ती के तहत् उपलब्ध है. रिक्तियों की संख्या घट-बढ़ सकती है.

शैक्षणिक योग्यता—स्नातक

आयु सीमा (25 जून, 2019 को)—20–27 वर्ष. विभिन्न मामलों में आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

इस भर्ती के लिए आयोजित की जाने वाली ऑनलाइन प्रतियोगिता परीक्षा का पहला चरण प्रारम्भिक परीक्षा का होगा, जिसमें अंग्रेजी भाषा, रीजनिंग एबिलिटी व न्यूमेरिकल एप्टीट्यूड के 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे. दूसरे चरण की मुख्य परीक्षा 230 अंकों की होगी जिसमें रीजनिंग/ इंटेलीजेंस, जनरल/ इकोनॉमी/ फाइनेंशियल अवेयरनैस, अंग्रेजी भाषा तथा क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूड के कुल मिलाकर 150 प्रश्न होंगे. दूसरे चरण की परीक्षा में अंग्रेजी भाषा की विवरणात्मक परीक्षा भी होगी.

इस भर्ती के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी एवं ऑनलाइन आवेदन हेतु ईपीएफओ की वेबसाइट www.epfindia.gov.in अथवा www.epfindia.gov.in/site en/index.php देखें.

वायुसेना में चयन हेतु एयरफोर्स कॉमन एडमिशन टेस्ट (AFCAT-02/2019)

भारतीय वायुसेना में फ्लाइंग/ग्राउंड ड्यूटी शाखाओं में शॉर्ट सर्विस/परमानेंट कमीशन हेतु जुलाई 2020 में शुरू होने वाले पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु पात्र पुरुष व महिला उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन 30 जून, 2019 तक आमंत्रित किए गए हैं. विभिन्न शाखाओं के लिए आवश्यक न्यूनतम योग्यताएं अलग- अलग हैं, जोकि सम्बन्धित शाखाओं की आवश्यकताओं के अनुरूप हैं. इनकी जानकारी हेतु वायुसेना की वेबसाइट पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन देखें.

आयु सीमा—(1 जुलाई, 2020 को) फ्लाइंग ब्रांच हेतु 20–24 वर्ष, ग्राउंड ड्यूटी ब्रांच हेतु 20–26 वर्ष.

इस चयन हेतु सभी पात्र आवेदकों को पहले चरण में ऑनलाइन **एयर फोर्स कॉमन एडमीशन टेस्ट (AFCAT)** में शामिल किया जाएगा. इस परीक्षा के आधार पर अल्पसूचीबद्ध उम्मीदवारों को ही आगे की चयन प्रक्रिया हेतु एयरफोर्स सेलेक्शन बोर्ड में आमंत्रित किया जाएगा. इस भर्ती के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी हेतु इंडियन एयरफोर्स की सम्बन्धित वेबसाइट्स https://careerindianairforce.cdac.in अथवा https://afcat.cdac.in देखें. आवेदन के इच्छुक अभ्यर्थी इन वेबसाइट पर ही ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं.

उपर्युक्त परीक्षा के लिए उपकार प्रकाशन द्वारा प्रकाशित Air Force Common Admission Test पुस्तक का अध्ययन करें.

जीवन बीमा निगम में एप्रेन्टिस डेवलपमेंट ऑफिसर्स की भर्ती

सार्वजनिक क्षेत्र की लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन (LIC) कानपुर जोन में एप्रेन्टिस डेवलपमेंट ऑफिसर्स के कुल 1042 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए पात्र उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन 9 जून, 2019 तक आमंत्रित किए गए हैं. उपलब्ध रिक्तयों में से कुछ रिक्तियाँ एलआईसी के एजेंट्स तथा कर्मचारियों के लिए हैं. रिक्तियों की संख्या घट-बढ़ सकती है.

शैक्षणिक योग्यता—स्नातक

आयु सीमा (1 मई, 2019 को)—21–30 वर्ष. विभिन्न मामलों में आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

इस भर्ती हेतु आवेदन के लिए अभ्यर्थियों को 9 जून, 2019 तक ऑनलाइन आवेदन करना होगा. ओपन मार्केट कैटेगरी के अभ्यर्थियों के मामले में भर्ती के लिए ली जाने वाली ऑनलाइन परीक्षा दो चरणों में होगी. पहले चरण में प्रारम्भिक परीक्षा का आयोजन 6 व 13 जुलाई, 2019 को सम्भावित है. जिसमें अंग्रेजी भाषा, रीजनिंग व न्यूमेरिकल एबिलिटी के 100 प्रश्न होंगे. प्रारम्भिक परीक्षा के आधार पर ही मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों को शॉर्ट लिस्ट किया जाएगा. 10 अगस्त, 2019 को सम्भावित मुख्य परीक्षा भी ऑनलाइन ही होगी तथा इसमें तर्कशक्ति, अंग्रेजी भाषा, जनरल नॉलेज, करेंट अफेयर्स, इंश्योरेंस एण्ड फाइनेंशियल मार्केट अवेयरनैस आदि की परीक्षा होगी.

इस भर्ती के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी व ऑनलाइन आवेदन हेतु एलआईसी की वेबसाइट http://www.licindia.in/Bottom. links.careers देखें.

उपर्युक्त परीक्षा के लिए उपकार प्रकाशन द्वारा प्रकाशित पुस्तकों का अध्ययन लाभकारी होगा.

सीमा सुरक्षा बल (संचार सैट-अप) में हैड कॉंस्टेबल रेडियो ऑपरेटर/रेडियो मैकेनिक की रिक्तियाँ

सीमा सुरक्षा बल (BSF) संचार व्यवस्था में हैड कॉंस्टेबल (रेडियो ऑपरेटर) के 300 तथा हैड कॉंस्टेबल (रेडियो मैकेनिक) के कुल 772 पदों पर भर्ती के लिए पात्र पुरुष एवं महिला अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन 14 मई-12 जून, 2019 के दौरान आमन्त्रित किए गए हैं. उपलब्ध रिक्तियों में से कुछ रिक्तियाँ विभिन्न वर्गों के अभ्यर्थियों के लिए नियमानुसार आरक्षित हैं. अभ्यर्थियों का चयन शारीरिक दक्षता परीक्षा, लिखित परीक्षा, साक्षात्कार व चिकित्सकीय परीक्षा आदि के आधार पर किया जाएगा. पहले चरण में 200 अंकों की ओएमआर आधारित लिखित परीक्षा में भौतिकी, रसायन, गणित, अंग्रेजी भाषा व सामान्य ज्ञान की वस्तुनिष्ठ किस्म की परीक्षा होगी. इस परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को शारीरिक दक्षता परीक्षा आदि के पश्चात् वर्णनात्मक किस्म के प्रश्नों वाली परीक्षा में शामिल किया जाएगा. वस्तुनिष्ठ किस्म की परीक्षा 28 जुलाई, 2019 को तथा वर्णनात्मक परीक्षा 24 नवम्बर, 2019 को होगी.

शैक्षणिक योग्यता— मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण तथा विज्ञापन में निर्दिष्ट ट्रेडों में से किसी एक में त्रिवर्षीय डिप्लोमा.

अथवा

भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान एवं गणित विषयों के साथ कम-से-कम 60 प्रतिशत अंकों के साथ इण्टरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण.

आयु सीमा (12 जून, 2019 को)—18–25 वर्ष. विभिन्न मामलों में आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

इन रिक्तियों के लिए आवेदन के इच्छुक सीमा सुरक्षा बल की वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक https://recruitment.bsf.govt.in पर 14 मई-12 जून, 2019 तक आवेदन कर सकते हैं.

उपर्युक्त परीक्षा के लिए **उपकार प्रकाशन** द्वारा प्रकाशित पुस्तक का अध्ययन लाभकारी होगा.

●●●

I.B.P.S. Probationary Officers (Pre.) Exam., 14-10-2018 Solved Paper

English Language

(Based on Memory)

Directions—(Q. 1-3) In this question two columns I and II and three sentences are given which are divided into two parts. Column I (a, b and c) consists of first half of each sentence and Column II (d, e and f) consists of second half of each sentence. Match column I with column II so that the sentences formed are both meaningful and grammatically correct and choose the appropriate option as the answer.

1. **Column I.**
   (a) It is important to follow all the rules and
   (b) The people of rural areas are predominantly
   (c) The climatic conditions in many places around

   Column II.
   (d) depend on agriculture for their livelihood
   (e) the world have become highly uncertain
   (f) regulations in order to minimise the risks.

   (A) (a)-(e), (b)-(f) and (c)-(d)
   (B) (c)-(f)
   (C) (b)-(d), (a)-(e) and (c)-(f)
   (D) (a)-(d)
   (E) (a)-(f) and (c)-(e)

2. **Column I.**
   (a) Almost a decade after his ascent to the top department.
   (b) The decision to oust the company's board
   (c) The company has initiated disciplinary proceedings

   Column II.
   (d) against its chief general manager in the risk management
   (e) were taken by CEO after a series of meetings.
   (f) he tumbling down under the weight of serious allegations.

   (A) (c)-(d)
   (B) (b)-(f)
   (C) (a)-(f) and (c)-(e)
   (D) (a)-(e) and (c)-(f)
   (E) (a)-(d), (b)-(f) and (c)-(e)

3. **Column I.**
   (a) The range of the rifle may not be much
   (b) He had to be hospitalised suddenly as he
   (c) The fort is very popular for trekking and

   Column II.
   (d) but it is lightweight and very easy to operate.
   (e) several groups of young trekking are seen there during monsoons.
   (f) fainting during a field trip to a village

   (A) (a)-(f) and (c)-(d)
   (B) (b)-(e) and (c)-(f)
   (C) (a)-(d)
   (D) (a)-(e), (b)-(f) and (c)-(d)
   (E) (c)+(b)

Directions—(Q. 4-8) In this question a word is given in bold followed by three sentences in which the said word has been used. Read the given sentences carefully and decide in which of the given sentences the word/form of the word given in bold has been correctly used making the sentence grammatically correct and meaningful.

4. **CRUCIAL**
   (a) At this crucial time all you can do is to pray for the betterment and faster recovery of the people of the state who have been injured.
   (b) It was crucially to revise few of the national policies as they were outdated.
   (c) Though there is hope and positivity in the world the fact cannot be ignored that crucial intentions exist as well.

   (A) Only (b) and (c)
   (B) Only (a) and (c)
   (C) Only (c)
   (D) Only (a)
   (E) All (a), (b) and (c)

5. **BENIGN**
   (a) There was recently a study describing how some foods when had with some apparently benign medicines led to extreme consequences.
   (b) The activities of the criminals appeared to be benign in the beginning as they pretended to be local citizens.
   (c) Though her tumour was benign there was no guarantee that it would not erupt again.

   (A) Only (a)
   (B) Only (b) and (c)
   (C) None of (a), (b) and (c)
   (D) All (a), (b) and (c)
   (E) Only (b)

6. **TRANSPARENT**
   (a) Transparency in work and following of work ethic are the most important characteristics that recruiters seek these days.
   (b) It was a highly transpaprently situation as there was firing from both sides of the border and it did not appear that it would end any time soon.
   (c) Though there were several cases of money laundering in the city, the transparency convicts had not been put behind bars yet.

   (A) All (a), (b) and (c)
   (B) Only (b) and (c)
   (C) Only (c)
   (D) Only (a) and (c)
   (E) Only (a)

7. **COLLOQUIAL**
   (a) It was the colloquial of the ruling party which made it difficult for the opposition to find anything negative to say about them.
   (b) The colloquialism of 6 month old during the journey was not only tiring but also disturbing for the follow passengers.
   (c) The languages spoken in South Africa by the inhabitants of European descent are English and Dutch, the latter chiefly in the form of a patois colloquially known as the Taal.

(A) Only (b) and (c)
(B) Only (a) and (b)
(C) Only (a)
(D) All (a), (b) and (c)
(E) Only (c)

8. **PRUDENT**
   (a) The prudent banker decided to do a background check before sanctioning the company's loan.
   (b) It is prudent to invest in the stock-market provided there is an experienced person guiding you through the highs and lows.
   (c) Nowadays few people from the younger generation are willing to join politics as they feel prudent about the country.
   (A) All (a), (b) and (c)
   (B) Only (c)
   (C) Only (a)
   (D) Only (a) and (b)
   (E) Only (b)

Food must go from where it grows in abundance to where it does not. This is where soft commodity trading companies such as Cargil Louis Dreyfus or COFCO, come in. While 'Big Food' companies such as General Mills or Unilever have tremendous global influence on what people eat, trading companies have a much greater impact on food security because they source and distribute our staple foods and the ingredients used by Big Food like rice, wheat, corn and sugar. They also store periodically produced grains and oilseeds so that they can be consumed all-round the year and they process soft commodities so that they can be used further down the value chain. For example, wheat needs to be milled into flour to produce bread or noodles, and soybeans must be crushed to produce oil or feed for livestock.

Still, investment in agriculture in most developing countries has declined over the last 30 years and much less is spent on R&D compared to developed countries, resulting in low productivity and stagnant production. First and foremost efforts must be taken to improve agricultural productivity. Farmers, trading companies, and other processing groups need to commit to deforestation-free supply chains. Deforestation causes rapid and irreversible losses of biodiversity, is the second largest source of carbon dioxide emissions after fossil fuels, and has contributed greatly to global warming—adding to the negative pressure on agriculture production. Farmers must also use precision farming tools like GPS fertilizer dispersion, advanced irrigation systems, and environmentally optimised crop rotations in order to produce more crops especially in countries with large yield gaps.

More supportive policies would help create a favourable investment climate for agriculture. Global policy makers corporations and consumers must put the global food balance higher up the agenda. International business leaders have to better communicate the need for policy changes and for developed countries to incentivise investment in regions where there is the most potential for growth. Our food security will depend on these measures.

9. Which of the following can be concluded about food security as per the given passage ?
   (a) The current food production is adequate to fulfil global demand.
   (b) Big Food Companies influence food demand.
   (c) The dependence of people on agriculture for earning a livelihood has reduced drastically over time.
   (A) Both (a) and (c)
   (B) Only (a)
   (C) None of (a), (b) and (c)
   (D) All (a), (b) and (c)
   (E) Only (b)

10. Which of the given words is most opposite to the word TREMENDOUS given in bold in the passage ?
   (A) All the given options
   (B) Durable
   (C) Insignificant
   (D) Familiar
   (E) Gigantic

11. Which of the given words is most SIMILAR to the word INCENTIVISE given in bold in the passage ?
   (A) voluminous
   (B) stabilise
   (C) encourage
   (D) compromise
   (E) All the given options

12. Which of the following is not a message suggested by the author to improve agricultural productivity ?
   (A) All of those given as options are measures suggested to improve agricultural productivity.
   (B) Increasing the use of technology in agriculture.
   (C) Increasing investment in agriculture.
   (D) Setting favourable agricultural policies.
   (E) Reducing the dependency on deforestation in order to clear land for agriculture.

13. Which of the following is true as per the given passage ?
   (A) Investment in agriculture in developing countries has been increasing over time.
   (B) Soft commodity trading companies only transport the goods from one place to another.
   (C) None of the given options is true.
   (D) The food security of developing countries needs attention.
   (E) Developing countries must start cultivating food-grains for all developed countries as well.

14. What does the author want to convey through the example given in the passage ?
   (A) The raw material should also be produced by Big Food companies in order to make profits.
   (B) Soft commodity trading companies feel threatened by the presence of Big Food companies.
   (C) Big Food companies need soft commodity trading companies for raw material.
   (D) The quality of goods depends upon the packaging and not the raw material
   (E) Several Big Food Companies are at a loss today as they are not ready to compromise on the raw material.

Directions—(Q. 15–19) In this question a sentence has been given and five words have been given in **bold** denoted by (A), (B), (C), (D) and (E). You have to decide which of the

given pairs correctly indicates the pair of words which should be interchanged to make the sentence grammatically and meaningfully correct without changing the meaning of the sentence. If the sentence is correct as it is and no interchange is required mark 'No interchange required' as the answer.

15. With the rise (a) in the price (b) of petrol many employees (c) now prefer (d) to travel by **sharing** (e) a car all the way to work.
(A) Only (a)–(c)
(B) Only (b)–(e)
(C) Only (a)–(b)
(D) Both (a)–(d) and (b)–(e)
(E) No interchange required

16. The brand makes an **activity** (a) to the youth, fitness outdoor (b) and **enthusiasts** (c) sports who consider cycling a leisure (d) and adventure **appeal** (e).
(A) Both (a)–(e) and (b)–(c)
(B) No interchange required
(C) Only (a)–(c)
(D) Both (d)–(e) and (a)–(b)
(E) Only (a)–(e)

17. A plan to shareholders (a) **funds** (b) by selling stakes of the company (c) to a billionaire (d) was rejected by the raise (e).
(A) Both (a)–(d) and (b)–(c)
(B) Both (a)–(d) and (c)–(e)
(C) Only (c)–(d)
(D) No interchange required
(E) Only (a)–(e)

18. The managing (a) of the new **appointment** (b) director is likely to be for a **period** (c) of five years **approvals** (d) to various subject (e).
(A) Both (a)–(b) and (d)–(e)
(B) No interchange required
(C) Only (b)–(e)
(D) Only (a)–(c)
(E) Only (a)–(e)

19. With a total **manufacturing** (a) **improve** (b) of four lakh units per annum (c), the company's production volume (d) is likely to **capacity** (e).
(A) Only (a)–(c)
(B) Only (b)–(e)
(C) Both (a)–(d) and (b)–(e)
(D) No interchange required
(E) Only (a)–(b)

Directions—(Q. 20–25) Read out the correct sentence with regard to grammar, meaning and usage and mark it as your answer. If none of the given sentences is correct, mark 'None is correct' as the answer. If all the given statements are correct mark 'All are correct' as the answer.

20. (A) When asked about sales growth during the current fiscal the official changed the topic clearly trying to avoid the question.
(B) All are correct
(C) It was when the official was asked about the sales growth during the current fiscal that he tries to change the topic and avoided the question.
(D) The unintentional behaviour of the official suggesting that he tried to avoid the question when asked about sales during the current fiscal.
(E) None if correct

21. (A) None is correct
(B) The agreement between the two companies as per who the sports utility vehicle is developped is likely to hit the market soon.
(C) The two companies have signed an agreement according to which a sports utility vehicle which has been developed is likely to hit the market soon.
(D) A sports utility vehicle develops as per the agreement signed between the two companies is expected to hit the market soon.
(E) The sooner a sports utility vehicle which is likely to hit the market is developed as per an agreement signed by the two companies.

22. (A) The organisers could not believe that their lead actress refused to perform as she had a family function to attend and hence they were shocking.
(B) All are correct.
(C) Had the organisers been in for a shock if their lead actress would have refused to perform on grounds that she had to attend a family function.
(D) The organisers of the show were in for a shock when their lead actress refuses to perform on grounds that she had to attend some family function.
(E) That their lead actress would refuse to perform due to a family function was unexpected for the organisers and hence they were shocked.

23. (A) None is correct.
(B) Military helicopters, according to the standard operating procedure, intimating on both sides of the border as before fly over theirs air space.
(C) According to the standard operating procedure, military helicopters, on both sides of the border intimate each other before fly over theirs air space.
(D) Military helicopters, on both siding of the border, intimate each other before flying over each other's air space according to the standard operating procedure.
(E) According to the standard operating procedure, military helicopters, on both sides of the border, intimating each other before fly over their space.

24. (A) There is a likely of disbursement of more funds in the next few days as per the recent budget announced by the government.
(B) The disbursement of more funds is likely to occurring in the next few days as per the new budget that was released by the government a few days ago.
(C) The more funds being disbursed are likelihood in the next few days as per the new budget announced by the government recently.
(D) None is correct.
(E) The likelihood of the new funds for the disbursement to the government was announced in the budget in the next few days.

25. (A) The cultivation of crops with the use of appropriately fertilisers is the requirement for replenishing soil nutrients.
(B) Using appropriate fertilisers for cultivation of crops is required to replenish soil nutrients.
(C) All are correct.
(D) Use of fertilisers which is appropriate is require to replenish the soil nutrients during cultivation.

(E) The soil nutrients which are a use of fertilisers are required for replenishment during cultivation.

Directions—(Q. 26–30) Rearrange the given six sentences so that they form a meaningful paragraph and answer the given questions.

(A) Though initially his brokerage account had lost money he refined his system and came up with the idea of a Darvas box which is actually a precursor to similar momentum based strategies that some of the best traders use to this day.

(B) Eventually landing in the United States, he and his sister Julia spent much of their time after the war performing and touring the globe.

(C) He was a professional ballroom dancer, who at the age of twenty-three (in 1943) escaped from Hungary before the Nazis invaded.

(D) Nicolas Darvas could not be more of an outsider, when it came to the stock market which may be the reason that he was able to turn $ 10,000 into to $ 2 million in just 18 months, using an early form of technical analysis.

(E) During these travels, Darvas had plenty of downtime and became fescinated with the stock market, often spending up to eight hours a day reading the classic books of investment strategy.

(F) After reading over 200 books on the subject, Darvas decided to begin investing himself and started buying stocks.

26. Which of the following should be the FOURTH sentence other the rearrangement ?
(A) C
(B) D
(C) A
(D) E
(E) B

27. Which of the following should be the SIXTH (LAST) sentence after the rearrangement ?
(A) C
(B) A
(C) F
(D) D
(E) B

28. Which of the following should be the FIRST sentence after the rearrangement ?
(A) A
(B) E
(C) D
(D) C
(E) F

29. Which of the following should be the THIRD sentence after the rearrangement ?
(A) F (B) A
(C) D (D) C
(E) B

30. Which of the following should be the SECOND sentence after the rearrangement ?
(A) A (B) C
(C) E (D) D
(E) B

Answers

1. (E) 2. (A) 3. (C) 4. (D) 5. (D)
6. (E) 7. (E) 8. (D) 9. (E) 10. (C)
11. (C) 12. (A) 13. (D) 14. (C) 15. (E)
16. (A) 17. (E) 18. (A) 19. (B) 20. (A)
21. (C) 22. (E) 23. (D) 24. (D) 25. (B)
26. (E) 27. (C) 28. (C) 29. (D) 30. (A)

●●●

शेष पृष्ठ 171 का

भारत आईबीएसए, ब्रिक तथा सार्क से लेकर पूर्वी एशियाई शिखर सम्मेलन का सदस्य होने के साथ-साथ जी-20 तथा एशियाई क्षेत्रीय मंच का भी सदस्य है. इसे एससीओ की बैठकों में पर्यवेक्षक का दर्जा प्राप्त है और यह जी-8 की बैठकों में भाग लेता है. संयुक्त राष्ट्र संघ जैसे सार्वभौमिक और सुविख्यात संगठनों में अपने हितों को बढ़ावा देने के साथ-साथ भारत आईओआरएआरसी जैसे लघु और गुमनाम संगठनों का भी सदस्य है. पिछले कुछ वर्षों में विदेश नीति के लक्ष्यों में एक उच्च स्तर की निरन्तरता रही है. एक शान्तिपूर्ण, सुरक्षित और स्थिर पड़ोस सुनिश्चित करना; आवक विदेशी निवेश हासिल करना और भारत के प्रभाव का विस्तार करना. एक स्पष्ट मान्यता है कि भारत के विकास के लिए क्षेत्रीय स्थिरता आवश्यक है. दक्षिण एशियाई संगठन और व्यावहारिकता के साथ पड़ोस और हिन्द महासागर की प्रधानता को मजबूत बनाया है.

निष्कर्ष

भारत को अब सॉफ्ट स्टेट की छवि से बाहर निकलकर मजबूत शक्ति के रूप में उभरना पड़ेगा. आतंकवाद के विरुद्ध ठोस निर्णय लेना होगा. पड़ोसी देशों के साथ सम्बन्धों को लेकर विदेशी नीति के परिप्रेक्ष्य में चीन की **पर्ल स्ट्रिंग पॉलिसी** को भारत की **नेबरहुड फर्स्ट** नीति से प्रति सन्तुलित करना होगा. विकसित राष्ट्रों पर व्यापार पर निर्भरता की बजाय एशियान एवं सार्क देशों के मध्य व्यापार को बढ़ावा देना ज्यादा लाभकारी होगा. संयुक्त राष्ट्र संघ, विश्व व्यापार संघ, अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, गुटनिरपेक्ष आन्दोलन आदि अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर विकासशील राष्ट्रों के आधिकारिक नेतृत्वकर्ता के रूप में भारत को सक्रिय भूमिका निभानी होगी.

●●●

वाद-विवाद प्रतियोगिता क्रमांक-184 का परिणाम

विषय : "महँगी चुनाव प्रणाली भ्रष्टाचार को जन्म देती है."

विजेता

पक्ष में :
राजकुमार
C/o श्री ए एल. मरावी C.G.O.
डाक सेक्शन नं. 5, सिगनल रिकार्डस्
जबलपुर (म. प्र.) पिन–482 001

विपक्ष में :
कैलाश वर्मा
फु. मु. सी. सु. बल गुजरात
पो. बी एस एफ. कैम्प, चिलोडा रोड
गांधीनगर (गुजरात) पिन–382 045

☞ उपर्युक्त प्रशंसित वाद-विवाद प्रतियोगियों में से प्रत्येक को उपकार प्रकाशन की ₹ 500 मूल्य तक की वांछित पुस्तक/पुस्तकें भेंटस्वरूप प्रदान की जाएंगी. **कृपया अपनी पसन्द की पुस्तक अलग से प्रकाशक के नाम पत्र द्वारा सूचित करें.** यदि ₹ 500 से अधिक मूल्य की पुस्तक की माँग की गई, तो उसके मूल्य में से ₹ 500 पुरस्कारस्वरूप कम कर दिए जाएंगे.

वाद-विवाद प्रतियोगिता

विषय–"संसदात्मक शासन प्रणाली के सफल संचालन हेतु मजबूत विपक्ष का होना परमावश्यक है."

अन्तिम तिथि–15 जुलाई, 2019

शब्द संख्या–अधिकतम 750 शब्द (पक्ष/विपक्ष)

पुरस्कार योजना–पक्ष/विपक्ष के प्रथम दो लेख.

विशेष–पक्ष/विपक्ष का प्रथम लेख पत्रिका में प्रकाशित होगा.

प्रथम पुरस्कृत पक्ष/विपक्ष अभ्यर्थी को पुरस्कारस्वरूप ₹ 500/- प्रदान किए जाएंगे.

कॉपीराइट अधिकार प्रकाशक का होगा. अन्य लेख वापस नहीं किए जाएंगे.

(कृपया लिफाफे पर निम्नलिखित कूपन को अवश्य चिपकाएं)

वाद-विवाद प्रतियोगिता क्रमांक–185
(पक्ष/विपक्ष/दोनों पक्ष)

सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक महेन्द्र जैन द्वारा मैसर्स प्रतियोगिता दर्पण के लिए उन्हीं के द्वारा प्रतियोगिता दर्पण (प्रिंटिंग यूनिट) 5 एवं 6 बाई पास रोड, आगरा से मुद्रित एवं 2/11A, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-2 से प्रकाशित

Posting Date : 6, 7, & 8 June, 2019 (Agra-2)
Publishing Date : 5 June, 2019 Postal Regd. No. AGRA-47/2018-20

Alternative Learning Systems Ltd.

IAS/PCS हेतु देश का सबसे प्रामाणिक तथा विश्वसनीय प्रशिक्षण संस्थान

ALS Alternative Learning Systems

सर्वश्रेष्ठ रिज़ल्ट | सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षक | सर्वश्रेष्ठ पाठ्यक्रम

डॉ. मुखर्जी नगर | शालीमार प्लेस

ALS हिन्दी माध्यम

हिन्दी माध्यम से सर्वाधिक परिणाम देने वाला संस्थान
ALS संस्थान से हिन्दी माध्यम में सर्वोच्च स्थान

पिछले 18 वर्षों में, ALS ने 4 आई.ए.एस. टॉपर्स, टॉप 10 में 29 रैंकर्स, टॉप 20 में 64 रैंकर्स, टॉप 50 में 176 रैंकर्स तथा कुल 2837+ सफल अभ्यर्थियों के कैरियर ग्राफ को प्रकाशित किया है।

सामान्य अध्ययन

Main Paper-I, II, III, IV + ESSAY + PRELIMS + CSAT

EXTENSIVE **FOUNDATION**

सामान्य अध्ययन के लिए **सबसे अनुभवी टीम**

हेमन्त झा, शशांक एटम, आर.सी. सिन्हा, मनोज कुमार सिंह, मनीष गौतम, शरद त्रिपाठी, सचिन अरोड़ा, धर्मेन्द्र, डॉ. संजय पाण्डे, आर.के. सूर्यवंशी, मधुकर कोटवे एवं अन्य विशेषज्ञ

Programme Director: **Manoj Kumar Singh**
Managing Director: ALS, ISGS & Competition Wizard

सर्वश्रेष्ठ पाठ्यक्रम

सामान्य अध्ययन (400+ सत्र) GS मुख्य परीक्षा Paper I, II, III, IV + GS प्रारंभिक परीक्षा + CSAT + निबंध (15 कक्षाएँ) + साक्षात्कार + अंग्रेजी फाउंडेशन + लेखन कला संवर्धन + मुख्य परीक्षा टेस्ट सीरीज (10 टेस्ट) + प्रारंभिक परीक्षा टेस्ट सीरीज (30 टेस्ट) + 15-Day समसामयिकी क्रैश कोर्स (प्रारंभिक) + 15-Day समसामयिकी क्रैश कोर्स (मुख्य)

सामान्य अध्ययन बैच प्रारंभ

JUNE 25 11:30am | JULY 10 एवं 30 11:30am

JULY 10 एवं 25 03:00pm | AUG 09 03:00pm

GS मुख्य परीक्षा टैस्ट सीरीज़ 2019

Total Tests 10 | Begins JULY 07 | 10:00am

वैकल्पिक विषय प्रवेश प्रारंभ

इतिहास — Hemant Jha | समाजशास्त्र — Dharmendra | भूगोल — ALS Team

ALS Alternative Learning Systems

ALTERNATIVE LEARNING SYSTEMS LTD.

Corporate Office: B-19, ALS House, Commercial Complex, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09.
9999343999, 9999975666, 011-27651110
Online registration also available, visit us at www.alsias.net

ISGS Indian School of General Studies